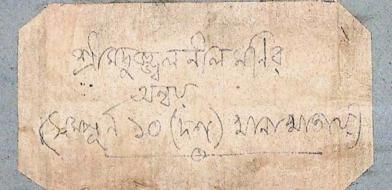
(Morral)

No. 8

NETADI EXERCISEBOOK



(2) Numer 302 mills

194

torre :

108 PAGES

राष्ट्री अस्ति wine-Car-neagh 1 िमामार्केषु वंसक: (मामा माममात्त्रम् लाकेषुः मातु-मूमा १ आविड: वमफ: उउ दय जा वा वा विक विभित्न (यन मः) नीलन (मूखडायम) मना (निक्रामव) नम् (भीनम्माधान व्यामिष्यः) देखीम्यन (डेकी अ डावर क्वर्मन) निल कालाव्य बदायी (मिनकालने श्वामिकार्यने मर्वेड अव डेव्मवामी) अनाजनात्रा (अमाजन: निष्ण थाला सीविश्वरा राभार मः) लाखः (मा अल्यमणी मार्था विमा समीगः (सराखान भेजायः) समाव (श्रीत्मार् मार्सायाः वारिक्र विश्वा । की उक् लक्ष - मार्था : की क्रकारि माममहारम जार की मानी किए वमका निया यभा मः। जभा भीत्मम मुख्याला ममाममा सकार काममर दिल्या काम । काम थियः अपमावः मः सकः समासा लाइ विकारवारी। वका जनार्वा नाहा अरुपा विक्रास यभा भः , श्रीहर -समावम ट्याञ्चणसमामिक्षे:। अहं: बनेक्सेट)॥>॥

म्यावस्य (माड-क्रीजि- खाट्मा- वर्षला व्यममामम् मैं प्रोर्न देखर्न) गः संग (अस्त कार्य सम्मेर सिस् वार्डिक्ट्रमुखाद (कार्क्टियाभोक्षाद) पैका (वैक्ट् अप्टिक्सामी -सिटारे) प्रदेशकान (यराक्ष खेल्या) क्रेपिकः (देकः) मः भर्तः (भर्वनाभाः) छक्तिम नारे (छक्तिमानाः डाला) लच (लाभाय पर्ट) हिस्तिन (ध्रिक्टलेंग) दिस्टि (यम्रिट)॥ र॥ मर्तेचा यि : (मर्वेषयामा अर्मे अतः) कामी सम् (वर्गाया (वर्गायामाल:) विकासि: (काहिले: विভावानुडाय-आश्विक मक्षावि : कावन-कार्या-मर-कार्खिः) स्राधिकार (लासाय-त्यायोकार) सुवा (स्थाप्त प्रभी) ब्रमी थि छि: (छाङ्ग्रेम छ छ फिर्मि हा छि:) अर्थ वा आ : (जनाभकः) अकिन्मः (आकः (कार्यकः)॥७॥ णा भीनं (भर्नु तर्म) कृष्णः जमा (भीकृकमा) र ल छा: ह (त्यमंत्राक्ष) कालस्ताः (कालस्त्र विष्याः) त्याकाः (कार्या: । उन आकृष्णा वियमसमः , वना यसुकासु नाजना असे मा इंकि.) 11811 अप मा कि विनिर्क्त ए - भाव भवा कि काला कि छ। (अप रेगा कम्मानि पुछा काउड़ा वर विनिर्भण निवाक्षा भाष्यवाकातीः अवाकि अव्याकाताः धानीतातिष्ठार्थः स्वानाः कम्पर्वानाः

याल सलास्तिः त्मुम्प्राट्डक् अस्ति ग्रंग या) द्राक्रम-कला-यही-अदिमातः (मृल्लाः त्रवात्मः अकाल वादकारा त्रुक्ताना: मा: म्भारकाभाषानि): कना: का अव मही: न छ का : जा आर भी देश छि: क्षा हा कू येता पि छि:) अतारा विनी (याख्यमीमा माराधारिनी) यू वन्यमाक् छ : दिन (अकालधान-मवधन-नामधन:) लव्छ पिया नी नामिशः (अव्यक्तियात्र अत्योकिकात्र नीतात्र निविधक्ष:) ब अत्यारीयकार्छ-डाना मिकि: (ब अत्याराष्ट्र के द्वापि-प्रके-(च्याक्त मा में बहत: बामार हा धी से सि से मार्थ : मार्थ : मार्थ से सि सि से मार्थ से सि सि सि सि सि सि सि सि सि क्यर ज्याकक द्राम:) वर (ज्याकारा.) सर् (ज्याक्रः) भक्षांग्रे (क्यांका । ज्यांचार कार (व्या महाराग कार्याक्राम ;)।।व। त्रम् (अक्षः) संस्ताः (स्वम्याः) भव्यः (किष्यः) म वर्ष मनुभ ने भिष्ठः (मर्सः मनुभी: छ छ न भी: था थि: मकः) वलीयात् (अमुख्यतः) नवणक्तुः (नवस्ते (ववः जाक्ते ः ट्योवनः यभा भः) वावप्कः (वानी) मिन्द्र (जिन्हास्त्रीयः) ससी: (ब्राक्रमर) सकाविः (अल्डाकि:) भेव: (मडिंड:) विपक्त: (म्वामिक:) हल्यः (मिल्रानः) म्री (म्रान्य) कृष्णः (जिल्ला प्रकार मर्कार भारतीलार्थः) पाक्रिनेः (धान कुन्य उपनः)

त्यमवन्तरः (त्यमात्रीतः) मही वृषाद्यायः (धमार्मनासीर्फः) वरीगत (अर्वन्तम्भः) क्रीलियत (अर्वटल्ला भीगामत-कीर्छ:) ना नी स्मार्न: (युक्ट सामार्ग्यो) निक् नु जन : (प्रमुखन-मार्किन- एसप्कारी) अल्ला किल सक्तीर-Сअप्यम् टबक बर्जा अधार मार्कि : (क्यम मार अप्यम्पाप ह कः किथि सर् १०७६: का केट: यस स्तितः :) । केट्राप्तं (क्या ग्री-वत्र) क्या कक्ष्य द्याराः (अख्वाका : र्रेब्सोदीएरः) अपा: भुरकुक: (Carea:)#== । लियाका (3420) दिमाक्षा : (दिमाय समे) व ल्यर अव (अक्टरमार -मिका) वर्षाम्या ॥ १ - १॥ र्र (जय भर्ष वंश्र काम समय) भिष्याक शुदा-मालापि-हज्दिममा (भूकिए डाक न्माम्कामिको डेकमा डेका: श्रीर्वापायाद्य: श्रीर्वापाय - श्रीव्यालिय - श्रीय-यान- मुद्राष्ट्रका इंक हिंद्राद्या (कता मयो वयो) जमा (अक्कमा) व अछि: ह देलअछि: ह देखि (छो) अरक्त विक्कि (विम्याले। व्य पविः वैवविव्याम डेनलिक वनविज्ञाताविज्यः)॥२०॥

तः क्योगः (जर्षांगः) व्यापुत्राहकः (विव्याध्ययकः देविषक विश्वास्त्र निर्मा क्षेत्र भू माजीनुर्यः) ब्राय , मः भिनः (क्रेसंड्यम्ण्य) (क्रेसंड्यम्ण्य) दुक्तः ॥ >>॥ म् ह (मिल) के मिन् (व सारमार दी मिक-मेन) पिति (लकालक) कार्मिनी (श्रिक्याम्मी) श्रांचकर देल-असमी (लागुरं) देवस द्वाळ पुर आव्या द्वा द्वा (डेदम तम डेक्निक् अमर्डी (भोरम अन् मानविक ममूला (सम स: कमा सम) करवं (ज्याप) लक्ष्यही (र्यंत्री व-वात्। जार् डमधीाखिम श्रीकृष्यानिकार्थः)॥ >2॥ राहे: (अक्कः) क व्याल (मावकाया क्यारिव) विपर्-भूकारा (काक्रिका प्रत्र) किन उपुत्रमाख्यः (कनिडः भृशेषः युन्तस्वातः त्यन म ज्या) स्थलि (यक्तात्व) क्ष-पी अ: (कुछा मूत्रीका पिका एम म:) पाक्रिमार्थान (पार्श्व में क्याने विमानि) प्राम : (काश्रिमापि एका विज्यमं व्या) कृषिए (क्यिषि) भूने एक (भी प्रविवर्णाक-लैंगक-यामचि) म जोगा (में लियोग) यावतार कि (ट्यक्ट्रं) सीम्क्रातः (यान्यत ममल्यानः) लयर (अक्षाय निक्र भारता) लयमानः (साम्रीय न्त्रिय असमानि कांगिन मा ज्या मन्) हेत्ते: (कार्क्यार) Azaro (Aroro) 112011

(८) महामार्ग । (८) सहास्माम्य । (८) लक्षुव्यदि । (८) कान्याम् । (८) त्मान । (४०) मण्लाभमूवर् (व्यीक्कर) (म (सम) अपिर कूक । ए (व्यार) नमः ॥ १८॥ थाः (माक्त-क्याविकाः (माल-कन)काः) रेडि (भूक्तिक-समर) अक्षेप (इकार) लात्क : (म्म :) असे (पाक्य-कू भार्तिकाम) वं व किंग जीताः (कामा कि ९) जू रखे (की कृत्क) मिल्याय: (मिल्यु-वृक्ति:) प्रष्टु (मिलः)।। क्डः वन हि (क्साएव एएडः) म्लक्षरीयक्षाशाला रहा। (क्साशक्सत्ह) काक्मियाइवः (कार्क्स्माः आर्यम्गार) भू वर्ष ् जाभाव (ज्या डाव वजीतार त्माकून क्रमविकार्भार) व्यक्तिएग्रमवः विकार्ष्यकः (भीकृत्यन == विवाद ?) अग्र (त्याक अवस्मवया अवस्मा (७, म के बरे साम्य द्या के चाहर का को (इन्ह खार :) ॥ । ।।। अवकीग्रवमार्थना (अवकीगा अवमा वर कार आग्रवर क्षा) वालन (अल्लिक्नासन) वर्मा (आम्विविश्) द महाराम (द्रिकस्म प्राष्ट्र प्रम्कतम् प्रवासम्) विर्यान-टिस्मवत्राणः (जिमेश्रा भवकीगावनात्रम् क्रिनः टिमः वस्तिः कि वास्त्रान् विसम् रेज्यः। अपून् लतः) वर्षः (मामिकः) दुम्मादः प्रिकः (दुकः म्वार्यः)॥ २१॥

(Cetrisign)

A प्राञ्च कि ए काकिनापि- निमप (प्राञ्च कि क् छ : श्री वा भा १ व्यक्तियां मिष्ट् प्राष्ट्र कराने अकामिणः भः काकितापि-निमपः (का किसापि - निमप्र क्ला वव: ७०) कुक्छ (कुर्वा नेत्र उला) हारदारमाहत-लाल-लड्डा-वल्य-क्रान र (हारवास्माहत क्रेज्रक्रण मार्वाल्याहेनकाट्य है (याचा: दक्षणा: त्य लड्य वयंग: विवार क्निन् अंक्रम् व मह्म (र क कर आयर) में थः (बावसीवर) रिवेवः (लाकपत्रकः कमा) इन्हें का कृतः का द्राव (नदः) सम्मत- खर् थ - याका प (समम नाम में मयाना अवकी। अहिलागा वाकान वाका का (क्राज्य:) द्रता श्रामः (पूत्र: इन अवि छ: आजा हि उर यमा अमा) कर मिष (अक्कमा) वाराआमने-कान-कान-विद्याल-काल (अक्षांत: ठाळान् काल त: त्याल- विद्वाल क्षंत्री कर जमा क्लाए था अव काल मिक्स मण:) नाक्यी (वामि:) भवा (कार्ड (अर्ड जाका) ॥ २०॥ थय (अक्टिन अर उलमूक्त निष् क्ष्मिनी निष्या) এब म्लावभा (धर्व वसमा) भवाद्यारकर्म: (प्रत्याउमपः) माश्मितः (मालकारं मान्दः)॥>०॥ यूनि: (दवं :) जभा ह (भूर्याकः समर्भे पठी छार्थ: । र् इवड-बाक्सिवादायवार्) यह: (वर्ड: भकामार्) वय वार्भा (मिन्नून वय निवार्भा (नाक छा १ मिन्न

मास्क्षर ह (मिन्नमा अक्षाल माम्कल ह न क्ष मा ह (काछ:) भिष्णमूर्वा (भवत्रावर मूर्वाकार्या) मा मन्यभा (मन्य-मधानिनी) कृष्टिः अवसा (हेन्स्का 201 1 (MA) MAD (190) 1 :) 11 50 11 क्य (अवस्त्र) मेरे अमेरें क्य (दुलकार्) मेरे अमेरें (श्रिष्ठ) डेकर् (भूक्षाहारें : क्रिकर्) उर व आकृष-भागंक (अर्ककार लायव-भागंक अस्वकृष्टि प्राम:) वंश-निर्भात्र-श्वापार्थं (व्य-निर्णामः व्य-नावः धर्वव्यविल्येः कम् मादार्थ धनु कवार्य) धवलावीन (धवलव्नीमाः क्कांडि) क् कि (क्ष्मायम नियन हु डाम्भि वर्ष की प्रक्रि) त (त अस्तिवीक्यः)॥२३॥ आकः (बाहीन-धरान्वावाः वीनीना क्याः छपाः) ज्या ह (अस्मिक्ट असम्मिक्टिक्ट म् । वर्ष हम सि सार प्रकृति) क्रिक्ट न स्था अस्मिन क्रिक्ट । क्रिक्ट म् अस्मिन क्रिक्ट । क्रिक्ट म् अस्मिन क्रिक्ट । क्रिक्ट में अस्मिन क्रिक्ट । क्रिक्ट । क्रिक्ट में अस्मिन क्रिक्ट । क्रिक् नवाकावर् (अंशेक्षः श्रीकृषा नकाकार्ग एम ७०) क्लिकी विक विद्वार (क्लिकी विक्षार विद्वार प्रमा कर (आसाम-मील क्षिण)र्यः) ज्वमा खग्रं (ज्वमामारं वालां : मातु-संस्कः वर स्मार्ककः) लास्यि (लाइर अव्युर प्रधास)

अविकाश देशनाविकाम ह

लक (लयम् दं) हिताः (अळी अवात्राः) जात्र ६६ रेग्रा (एक्ना) लम्बन-पिक्षप्-अगः (लम्बन्यक पिक्षप्ति अप्रमे र्दे हुं ह दृष्टि लाभी (गत्न) महातः (क्याः (खिलाआः) दृष्टि (वर्गास) ॥ २७॥ अन् (मर्मे देवलकः अवं (क्वमं) न्यावी-मास्त्रे (आले दार्केक) हेट (न ते हे ते हार्यों) महि-त्याल (माठेडलाट्स मान्ति) व (अम्म) क्तक उड्हर्टायम् (भाविष्मा हेन लाविष्मा) मस्या९ (मिकारेणः) मर्कण् (अनुकूतकापि)न अयुक्ट् (अनुकूतकापि महक्षेप्रामव (त:) यात्रीतं (नक्षमोदं वंषम्भदं) लाख्वक्षत्ता (ल्यामक्रक्ते) भव्यतं क्षम्बदं (यात्रुक्) त्रको (क प्रक्रेशः) ॥ 58॥ जुङ्गाने सम्मान्त्रः (जुङ्गा ध्रम्ममात्र ध्रम्मारीय भाषाः) विकार एम म ज्या खर्मी लिस्सः) , मः थ्या ध्रम्माः । (धनक्ताभाः) अकी छ : (त्याकः)।। २०।। बाद्याना किक प्रो (न व) लचक्य वा में जायहा (न क्रो मंत्रमावा । यवः) विस्तार्थ (वर्गाः ज्यानारंग वर्णालाद् मलत प्रिक) कमाल (कामियाल काल) धानाप्रकं: (अम्मनमामणः) अम्म (नीक्याम) म्राजिः (मावननमवीः) न द्राल्य (न क्या आहि)॥ २७॥

रेक्ट्रीमिड्रिटि (अन्त बन्धवध्यम्मारवंति।(र) ✓ क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स मिर्ट । जार्द । जार्द । जार्स (क्रिक्स क्रिक्स) वल्य-लाकः (लाल रावत्र) त्रीतक्त्र) (लाके। हत् (लाके पर्ध) टियमक्ती-मिक्तमु- मृश्वि-विभः (टियमक्तीमार् विक्रिकामार् निक्र स्मिन अम्रित कृषिण मर्म् की भीः वृद्धिमामर् जामुखालाः) (भोनाकी प्रायानाः (त्योक्षकी प्रायम हे दक्षित हे व्यामाः (आरटा किम पट पा अर ?) कि (कि - मण्या का ?) का मिना ? (वसने:)न भी को छि (त मीका विस्ना छि , अप्रम्भा वर भी का ही जार्थ: के । क्यांनि के दूर) लू ने करी । नियासानि : (लूमा करी मार कियासानि : हुडा का निर्वे के की । का सामि (क्यांसि) ? (लूमा करी मार कियासानि : हुडा का निर्वे के की) , यर (यमा (का ला :) वार विमा (जब विवाह मिछ) भग भववि (ला: (न्नी किम्म)) मृद्धिः व्यव (कामन वृत्तावत) अवान (क्राम्य काशनीय) (अक्र ही (अक्षेण्या हलड़ी) न मुखेर (नावल्यकिया)।12911 (अक्षिम) भी द्वापालानू कृत ष्व भूषात्र या छ) व अ (क्ष ७ स्वाः (अवाधामा व्यक्तिनं मार्ग का नाम क्यानं मार्क करानानि क्षा बाक्ष मं छो है) के वस्ता - में आ है (क स प प्लाहमा है ला सर भो है इ उमगेः) रेगकण त्मुमापः (रेगकणांगः पनंग वाखरांगः क्लिलि: उन्नी वि (लि !) अमनि म-कना-नाटी-अम्राचनाए (मनित्रिण कलामा का सकतामा था माटी माटे अवक विलये: वम्ता: अम व्यक्तिय रेकार्य: १०४ग: अम्राचनार् प्रट्रिकालाहिर् म्हनाबि यायर) अबि जन् छार् (मर्का विश्वाम् मु

ज्याल) अध्विष्टिम: (अशिक्ष्म)) वाधावंश- अत्रलं- विधायेश-व्ववित्रात्रिए (वाक्षायाध्य त्या वक्षः विमेश-कम्पर्कतात्राध्यम्भी उत्यव अक्षेष्मणं न्छ-नर्धनापि-चिलात्मर् धामाकि विधाणः भीत्र यमा कम बाव: वका सेव बक् निम्भवन: कमा विनामिए धन्कानविधाएं) रेमाभेनामा (भागेनडावमा) हरें। काल (लिएमा शिल) म श्रिट किस (न प्रस्वे की)।। १७।। (अक्कम) श्रव-यामका मक्ष्म वश्रामार कार) अरमार (क्षारार) लर्येश्वास्त्रः (विच (प्रद्राहिक्टाः) लिहिल्या (क्षिणक्षामात्राहि) अभरीण-यायश्रक् का छातः (अभरीणः नियानिणः या यश्रव-के क्रामार (सा-साममाति-भे वर्ध्य क्रिम्रिप्ट लिवं : मसे सः) म कार्यः (क्या किकः) कार्या अर विरंदर (क्या ने निर्मा) रास्त्री-कूत- बरानि (धम्राकूल। मुलनि यनानि) धलक्षका म (EANLALA) 11 59 11 (क्याक कार कार कार कार के प्रकार कार के भिया। (र मूलाहत। वार्ष!) उव अमेरिकालू (स्माधनार्म) अमे (अमेरे दिल) अ व (क्रामासिविषी) (वर्षमा मूर्यम) हे भामना बहा भारत) अथा-एडम) (बाअनेमा) त्वल भाव (कारक)कार्यानेरमो (अक्टिक) क्यर (एकत अकार्यन) मार्क (भाउति) छन: काल (माक्राप्त) अक्रकत्म (म्याउगर्वर वर्ष। ente) mm (normano se) not (mons) se:

(थाड: क्रेममीर) वित्वक-त्मेणसवडी (वित्वक्म) त्मेलसवडी रम्मूर्न आत्रमी), मृष्टि: अरमापनाविनी (प्रतिकृषाञ्चकानिनी) वाक (वाती) क़ ह- विम्रा (विम्रामान्यका) भूगे हैं ह भी (बान्यमा (नाहलाय-अमीका उत्रित) ॥००॥ लाति! (अक्क्र) भीरवाका जा मुक्त सम्पारय के रे। र) निल् ! (मम) प्रजी (नवर प्रक्रवाकर मर) (म (मम) त्यमाय-पाउर (अम्र ४०० विश्वकारिक्यः) यनः (हिंडर्) वायकम्त्रीर (उस मभी की मार्था) वार्य मण (वार्य छ)) अद्भ वार्व-धनामित् अध्यानति (कामिनीनात) अने १ थानि न महुल्ल व्यामक (मामक एउन अनिमः) मान्न मार्गि (भाव- मर्मिनीता) भम् छन् छत्रे (भागीतामाल) स्ट ने मिल्लिका प्राप्त (भागीतामाल) क्रिक ने मिल्लिका एक कार्य हर ने श्रम् (कका आंग्री होता ;)।। त ।। का में (का) में मिले में मिला में मिला हो। (मिले में मिले के मिले (याक्ष्य प्रमापक) म: (यांक:) लया हितः लाल (लया में उमपुर्व हिळ ने मा य कर्र हिल्डा । भी भी में वह त्या मुख् (भी में बस प्राप्त) ट्यांचवर (क्षक्रेट-र्वाष्ट्र) कर्र ट्या (म्याष्ट्र) त्याकाक् (कार्य रें भोक) म केकिए (म शेषात) काअम (प्रमंद ;) मध 万md: (200 (四の:)11 0211

(rest to क्राकिने म्यात्रवानि। है ११) त्रामे । हन्यावानि । (४९) जगुरू (सकास्तर) क कमांत्र (विंग मरेक्ट वर सकामाय्येत्: 1510;) (अम सम्या थे बसी (समा क्षर ला रें हि द्र राभ लस) लसी भर्ते हिए: (ज्येक्क्रम) विति (वित् विकार्त) मिले लाल-यो भी कं (काल जा का कार्य:) म (काम) (क (कामा हु प्रथम) (क) उ९(जमाप) । लेखन धनमार् (अन-हिडानर्) मधीनर् विक्षार् (विमरी ७०) छ सर (भवस्मव क्रायर) अम्बा (वाकरी ब्रा) य वित्र (वित्रं ने कि) वित्र (कार्य की का कि) विकास द्याः (विश्वस्त्र) विश्वात्रात्र) दर्भः श्रातिः) कर्षुः त र्कः (A xmo:) 110011 (एकाक्षम्भ पक्षम्यदेवसाइ) लापकार्य लाल भागकार्य (तः) ब्ला: (मकाहता हत्यर मः) पाक्रमः (केंटे) देखा ॥ ०८॥ (क्रान-रावप्रिण) माण (याष्ट्र क्रमाता में में प्रक्रीक-धार्म) विश्ववि । (कार्ड) अंग बास-म्य : (कारायम विभागाः) वानं : (निगम नालं वर्नम् दिनं भामिनिके विकार्यः)। कसयमां (वसामोमा लाग्ना १) इतः भातुः मित (मेव-कीणांभर) लिज (प्रमांगार्थः बाखा) एवी (मार्था) ह न्यमाती (बना समायानुक (Mull) अप (12) तार : अंत-

र्मान : (लड: प्रकार कामनी:) मार (मश्रीएक) मिलार क्षामी (क्षामानुक् दिनाओं द्यात । (य क्षां क्षायं ;) ला : लंब- रेल थु: (ला : लंब हा: वा शा रेस पु:) माठ (ल प्रवास क्कं) प्रभा केल (नवः) विकालित (निर्वापित प्रके) (धार्याद्याहि: कर्डनामा महावित्न धारामार्था व्या द्व मुद् सक्त अप राम (कर्म) लिंबन (अकिक्स) हिना: (ए वा किसा वा श्रे दिया: ज:)माङ्का:(श्रीदेश ग्राप) किट्टर (विकास प्रक्रिक)॥००॥ (व्यामी क्रामी) मृग्डिलि वले १ (पूट्यार्न यम्पा: डाले वलं ९ डाले सम् विलाम) कलगा (करवाणि) कसता (जनामी) आणं डणं (अणंडलंग लका माद्य भर) र्वे सि (रिसा के कामागढ़) हाना (व्यासी) (या मुन् (अक में पुर) लाम (त्रामा अमा) समा न् राह (अमिना) म्राक्सी (क्सामी) क्रक्लूं (क्रक्सूयार) क्रक्ष टेलबड़ा (उन्नाद्ती) मीबड़ार् (कारियक्तान) कन् (१४९) विभिष्ड (म्राम्यार्ड) देखि (अवर्) स्थापमीछि: (भिर्यार्डः) व्यक्तिकः) व्यक्तिमः (अविकः) व्यक्तिम् । (उद्देश क्षेत्रवाम अञ्चल ४२) ७९ उम्बूट शता ४२) उमा आतक्षणाहित: साम्रेक्ट्र) कूले: (क हवाविश्व :) आरह (उहार देश्व) अभा (अयर लगहिए)।। ७७

(यान-प्रका नगर । त:) व्यं द (पानुकाना लायवः) स्त्रिनं (सप्यक्त) यक (यम्) अयं) लयम (अर्याक) है आ (माम्) सिक्तित (जिन प्रकार) केक ति (त्याहति) मिलाह (अक्टर (205 26) marigo e (\$ 4. (2) 12;) are (wire:) & (4: भारे: (१७) मित्रड: 11 9911 (ज्यारवर्ष) रमकालमा (अविष्य) अट्य (मिकाल) माण कृति (अक्षे आयुवासी: (अरोगी लाष्ट्रपुष्टि क्षेत्र) मानार)मानीक् (विश्वियर) हे कर (हैकानिक में) हेक्ट (हेक्टानिक्ट) नामि देखि (मामा: अटकार्यमक्त्र) # रो भी कई (लाख्तर) # दुलाक्ष्ये (स्ट्रा) भा म (जमानी (मार्म त्यांभी) विवर्ग का (विवर्गः विकाम भीनाः निः न्यात्रः जिङ्का) मर्म विभाद्य (यत्र उ-यत्र नीः) प्रयूपाद्यः (अत्रत्रामपुका ् मूपीकाम्) रेव म् तिकी (थालिखकी)॥ (९ साउदमा देवं क्रम्मा । मी के कर मार् नामा प्रमात १८) कका लाम के के के के कि (के के प्रात्ते के का के लिय (ज्लीक्षा) जननीय का हिना (स्तिका हिना भी वन (तहार्थः) वात्रत्रा (वस्त्वत (जव वत्रत्व अन्त्रत्विक मार्च अन्त्र राषि-यामी कर - सीप्रकालीर में अपने प्रकेश में (क (य की प्रोम) वर मिर्मान का (कलहे बाय-मार्टिं) थए। र्रमार्थे (अकालाएकार्थः।

लढ: ब्) यास लहुत्री-लादुक्र छार (या सर लास न्ह नामर प अद्भी यामः कर कार्य मा व्यक्तिका प्रविभाग्नामाः वर् मेंक (अधिकोअ) 11 0011 (लम रिक् मक्ष्मकार) का हरोका में भी रहर माक्रीर क (काल्ना क्यान में सक्यान काम क्यान क्यान क्यान म एक्स मिक्सि भाभिन मः के ज्याह्यः) वामि-(यः) निर्ध्यः (७००) मिश्राव हम- ५३५: ह. (अपना स- ट्यान मार्थ निम्राह्म सिक्षेत्र एक) कर्त (म:) अस रेमु: (दृष्ट) के अपे व 118011 (उपयो न भारता: (नका िक्षानि) म (अयत) रेग्ट अम- अस्मे-त्या (धमा + म्ला चूम्ने (व्या क्ट्रम- (व्या दवि)), आक्षा म (व्या क्ट्रम- (व्या दवि)) (नाभाष्ट्रमान्ना क्रुविम ् लाका न त्यां , प्रवन्त) देप् । जितः (अस्ट्र) ट्यामक (क्यामक काट माट में क प्रायम) पट (लाका । वें) संसम् (केंस्स) माम लक्षेत्रकार (लक्षेत्र-मिप्रमिछि) सियए (बुक्तिः) विएस (कर्मार्भे होछि) हिन्दू (कार्याम)। वक्षा: ए में खिः (क्ष्प-यम्साय वर मृति:) किस्व (क्यः) विषवीण-। मिष्टि (विषवीण मिल्यक्राक्ष्मक मारा: आ एमपूर्ण, इक्रवनमा अरीन मुर्खि वर बार्डियामिनी) व्यष्ट्र (बार्वर) 118>11 अंग्रें हें मां हारेंगे : (शिलामांड - श्री क्रालिंड - शिलाक ड - श्रीव -अमा स साला है विद्यात्म है है कि दिया है के निर्देश हमा के См. । प्र. हर्डाम् हः यः) जीपट मार्गाहः (प्रेय् म- प्रेप्टर-मूर्तकार्थः) निहः (एटिं:) प्राप्त मा (प्राप्त विश्व दर्गा) के कार्य का हर्गिक अन्या (हर्गिक अर्डिकाल टकार)॥ (अनमह हर्गिक अर्थ-कण)मः भेषन क्लारिण : (अनुक्ल- पाक्कन-अर्थ- वृत्तेकार्थः हर्षि दिन्न अन् आक्लान) वर्तविधा (वर्त्रवाद-अकारः) दिपिकः (देकः) भार (दिवर्)। मन्द्रायः (कर्ण) अक्षाकार्यकः (असमाज्यार) मुर्लादिकः (कार्णिकार यमनाय दे दे हा मिस्स : मारक (द्यः) है म भूतः (द्युल्म) अमान् कायनः (अमयान्यापिरम्म) म देक: (म र्वार्वः)॥ ४०॥

अम जिल्यों (मांग्यसे) अद्यांगः (चाल्यिस तं सार्धारे स्थानुनः) (६६७: विषे: विष्यक: भीरेशम: ज्या विस्तर्भामम: (११६) लक्षि (मक्षि वि कि कि विकाः) हाः (व्यमः)॥।।। नस्यिताल (अनुराम-बहन-अन्ति) (म्थूनी (म्थूला) यथा (प्रक) , आ दार द्वामुका (मांग एक स्त्रया प्रमेश में करा) (मना-काल का (प्रमा कालक विदार्भ) यहादिल-कर्षया -समाप्त मामिलार्थः) माक्षार (यहाय छ , सर्वना वद्या (येषु तेलु कि) क्रक त्मानी अमापन (बीक्रक में कार कार्यामा (मानीमा (क्य रहद्रमक्ष्ममार) कहुः प्रकाप-हळें : (यक्षाप मानक-मार्थक त्या तिस्त - सम्मादतं हलूनः निभूनेः, ध्याना स्रकातः मक्टिको अंकार में डेंबं:) पें हें-कार्श (पेंहर उन्ने कार्स राभ) म:) असम्बी असन्भी (असम्बा अल्बा-नवी भन् हि: म्या यें। क्या (क्या)। लच प्याकाल व क्यं के क्या वे पिकः (क्षंत्रम हं अपवन्त क्यापिकः क सामा) मः (८६१) ट्याङ: (कार्यक:)॥७॥ (व्यमात्रम्मा) त्मि ! (त्य नीवार्ष !) रेमण् अलूक्ष् (लाक्त्रीर समं) केंच लाल- (काभ्य माल) म में यह संदूर (मायत्माक्किश) यत अवित (अविद्यात्म) धावाद (महीकाः)

इन्द साइदी (बरामा माक्स) प्रात्मिका (बस्मिमेका). बल्द (लाजा में त्र) उन्नय-प्ययान! (क्रीकृष्ण!) इंछि (यूक्सिक कालन) मानड: (म) एवम हलन मंग) नाम रकताला: कर्मा (क्या न्या नाम) क्ये दी मी (इक्नावालिश) महिन किस (व्रप्य व्याणिका)॥ १॥ (अम विकासनियार) (वटमामासवक्रमाः (विविध-त्यमः वहमा-मिल्र्नः) वृष्टः (वक्ककः हत्यं रेक्)र्यः) त्माकी विभावमः (जियंत्र ध्य द्वारा पक्षः) कामकयं क्या- त्वती (कामण्डाक-अहिम्बन-मनापि-अत्यान पड़ ?) विहे : रेक व्यक्तिमाति (कका क) # 1 कलाई : (a सामा West) हारेश-रकः (व्यामा लामः) रेकामिः (उत्) विष्: भेविषः (30:) 11011 (वर्यायम्माध) न्यात । त्राव (त्रवर्ष) यावम्प्रमु-विकालिं (मामुंग्राक्रीनेए श्रीने लाह मान मूला मीनेह विकिविडिः सहिदः) असू लक्षा व हम १ (असूल्यु गिन war जनारिक मारानि भाननीयाती जार्थ: ्वहमानि यभा मः) विष्यत्भाः (वय वरिभाः स्त्रीकृष्णमा) सभा (भाषायः) णहः हिंदिः (क्रिकेट- (बिन्यक्टि: वहतिः) भूतः (क्रवधावः) इंदर कितार (कार्यनाहि रे के कार । केस

कलकी कर वहनी कारिए- जराठी- त्यो यछ- दे छिः (कल र अगळ सर्वेट राम भाउमा की उद्या नम्ही। वर्ना वर्ना म् निषा नियाविष वगवी-त्योवष्मा मर्सवम् १ मिष ययान्त्रमा दृष्टः दिर्थि एयम म जणानिनः) यति : (श्रीष्ट्रभः) वित्य अर्ड्ड हुं (केंड) य मक म् म (म सम्ब :)॥ ।॥ (ध्य विष्वक-सक्षरेक्षण्) र मसामा धरे: (व मसापि-नायकः) टलकत ट्रामः (त्यालाष्ट्र :) कलयाय्यः (कलयः जिएम यम मः) विकृषणं - वस्पायले : (विकृषमी कांगिन वहार्म (वसामह कि:) रामाकारी (मर्मिन राभागमकः) विमुधकः (द्याः) # । एथा विम्याभवित (क्यामा- माद्र) श्रम्भामः (क्यारा (क्यार (क्यारा) व्याम-कर्मारम्भा । (र्द्र) भामित ! (सि ! (त्रीयार !) क् कुकी (कोक्कवाम) ट्याक्नाभड्नः (त्याक्नम) भ्राभेशी-मड्मा व्याभड्नः रेट्यः वाला ७ र । भारत वाला वाला । नाक (माकूलमा) उव रे जिए त्रम्यम् था अडन: रेज: यस्त्रीक्टिन अलिलातक द्रेश्य: " मुर्किष:) स्पर् (धरम्यंत्रेत्र) लब्पर (लव्यमुगर) विधान (दिन) वं मर्) धाक्र : (धालिन : । भाभ विभान विलिये-जातवह "धन जात" रेकि-जातार्थक- सन्भाषा थाकि भाग रेकि त्रिकः, विलियो आत जातः यभा जमिलार्थः। लक्ष्यं मार लास्ट: लास्त्र कस्त्र आराम्याम्बर्धायः। थाया विष्ट्रमक्षित विभवः म जमा विल्वः धातः वान्तः

वामवास्त्र जानिसार्गर्नः न महत्य पिकार्थः।

भाभी अम्बर् लाइन द सार वास्ति । वाम मिनाला सामः जव लाहराम है महर मा अपना लिस्मक नाम मा हमा है। द्यार लास्ट: मास्ट ' हा, असम ज्या- ग्रहस्साठ । लाक:) बेट्ट्रम खेंग लहुमा सर्गः। अक मस्य हान् ः (। अक- मन्मान् रायाक मक्रमान् र्किः यस्तुः) मेह्रकाः (क्रिंगकाम ।, यालि वेन्यस्ट लक्ष राष्ट्रः क्या स्ताल अवसल्या छा-भीकार्यन भगने विश्वित । अक्रिसिक् ि: मम् ि कि एकि वार!)। देवार (१व०) अत्मव्यम (लाड्नास्त्र संग्र) प्रसार (क्रियासमार) लाहोक्रोस्त्रः (अर्थोशात:) अले जामे ए (०४) अर्थन: (७४०) # ४९ न अथक्ष (प्रविकेषात न यव् कट्यां) नामिष् (यप्तात्वेष) ज्य म अमुज् (माम्मिम । यज्सु प्रालीतिक प्रमाल सार्यार्ट करी कार्ति कार्टि कर :) 11 5 11 (हेमात्रव भारत वर अमर्भाग्न । (क) अमानि ! (क्वीकार्य!) उनम्बीके एवं : (उन्जा धाराके एवं :) कम्मन्यः (मूर्णः) मार दुवककृत्य (भारता) यम् (सम्मा क्रिक्ष) मत किस (मर् माष्ट) प्रद हु क्लायं क्रायं (लागठ) हु अर वार् (दुलक्षक्ष लायनंत्र) समा है क्त्रीब (लर्ड म्यार है कम्मन (आमीण माम देप (अलिय । वार्षिक क्षीय प्रा व्यक्तमा (व्यमाप्ति) व्य (क्रामः) व्ये (क्रामे) मिनमाए (मि।क्रिण्) का रेक्स पर पर अस असामा उर् जाने

(ज्य अजी छे एए ए अवर् मात्र मात्रात्र क्रवीति १ वि) प्र क्रडः (क्सारकारा:) धम्बह: (धम बाक): सव वार्णन्) न धानवाने (मानिगाम । जाय - जमाल ब्रिसम्बह: म भामगान वर् कुछ कुन बड्डा)।। ग।। (कार अप्रकृष्ण- प्रश्नम्य) तः ३(प: मानक्ष्यः (कारत्य क्ष्यः) (सम्मा (भागक मुद्या) लय निहिताप (सम्म्रिप्य अहा-मंद्रः) मः वीरु हार्यः (द्रिक्ट) कार्याः (ट्याकः) ग्राम वर् अविरहार (ज्यामा कार्नेट के) वर्षः (अप क्रिम) वीच मणः) 2)13 (6/23) 112011 (जपूषार स्तेम् । समीमाताल पाताता कृष) श्रीकृष्ण वत्रण्या उपर अस्म अकि क्या पात्रामीकि विक्थि-विक्षा वादिन ह आवनाः भिवसन् लावक्रमन् अव अविमामवाका भ्।ए) ट्यावक्रमाल ! कार्निकी पूर्वित (यस्ता-क्रिक्टि) विश्वमा (निश्निन-लगडः) विमालमण् (विमायलनकण्) भूक्रम विकिष् (अकिका) मुमा । मान विष्य (अक्ट) (majo (युक्तामः) वय (७) भक्ति। वका छ्यायेनी धन त (म भक्ति)। क्से (म्ब्रिक्से) में देसा: (अवसम्भू :) ज्यी (70 And) since (0 (04) des 208 (50 2 400) est. (मक्) ह ह मा: (वक्राम: \$ 129) (आवक्षाताक्राविन: (ट्याम क्षेत्र कार्याप्य अवस्थित क्षेत्र (म माला क्षेत्र (ट्याम क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र (म माला क्षेत्र क्षेत

क्या ट्याक्ट प दुर्वलाएं । मक: य छ वर कर्ट द कर्माल न मर्गाले, किल्लून: उम्म सल्ला कार्म on) भर्गा क म क्ष: मम क्य विशासिका प्रिकार करें # अरक्षाकाड अव:) 1175 11 (दिया इस्मारिक किया निर्मात्ति। वस वर्षे व पर टक्षतं मा अद्र चक्र. का म कमाः अविकार किकित हरामाह । संस्क्र म व वर्ष वर्षे म असि हिता छि थाने। अनु आ क्यानी महिंग हिनी अभना अली क्री - सम्माग्राम् सम्मा तर किल के कि मा मा मा दिस्म कि सिक्ष अन्म प्रकार कर कर कार की कि के कार कार कार कार की नामा थायत या लाकता लार । तर) ज्यारासर । वर दृग्ट (अख्यात. स्मा) द्यान्तः (वहमस्) द्रेष्ट्र (लाभूप्) सर् स्ट्रास गेर् (मध विश्वामर् बनमेर) क्यामा: (पूर्माः) माम: (थन-अहः) हलमाम (जमनीयू मरीयू) निमिय (कथः) स्मरं है (प्रियं पट कार्ग । म्हिंस क्रमा में स्टिकार : महारवता नाहि। यस मृद्य ह क्षेत्रामित्र स्थम् कृष्टि निकाल। मार देस्टिकार दिया एक मम पर्टी: स्कुक क्यांत इन्जर: 1} अरख) म्मिक्न-मूत्र्न-मात्राष्ट्रिक करार (प्राक्षमार् यर मैंसेप्र के के मर सामा क बातार लाहिया में त्या काया मामाहर,) वस माडी (मकाडी) वर् (हत्यावनी) हिंदी भय-वयः (मुस्यं मेन्या) आदि (लामकी कर्त्याम्) ॥ १५॥ (मेन्या :) कप्रके (मेन्य केन्या हु मंत्रवा लामा) त्राम्) क्राम् (

(लग अन्यम्य भयक पूर्णात) लाका कुक्रं रंभी तः (लाक् मत-उरमाप्त) यमा-एउ ममाम् : (मार्क वर्तामा: (सम्प्रका संकर सभी लाय (लामक:) याक्त : सम्माही: (सम्मेष्यकः) वरः (क्यकः) लाम (मः) मिनमम्मन : (९०:)। ट्याकेट्य व स्वयः यः (माकक्र मार्यम्यमः) यरेरे (क्या खानाव कोर्ड) क क्यारंग: (क्रिंग्यम् यम क् @ [Sizi :) 11 2011 (क्यारसंभग्रे अवणः) कीलाकास्यार् वर (क्रीकास्य भट क्रीसार्श्कातः कार कार कार्रिक क्रीव् कर जासी पक्रकी:) असम्भे (क स्मिनेभूर) समाती (सममेखर काला)) स्कारक (म्यान प्राम्य (क्या केक म्याम) क्या मार्टि अमार्ट्स: (अक्ट्रिस)) कल्ल सुल्लाहुकार (श्राक्ष्याकार्ताराकार) अक्ट्रिस कत्यात (उटले) जिल्लामा (त्यले मा प्राप्त) अर्ध-असामं (काब्रमम किनि एन अस्मित असि असामि प्रवर्वः जिम्बिक्व वर अरक्षिति यक्षेति प्रभावर्) विन्नु (धर्मा-गकः) तमें (चाककः) ए एक: (मठोम्, प्रायमि (क्रांतर का व्यक्तमक्रांतर का (वार्य-वर्ग्य (सवत्व । वर्षः) श्रीभारत् भूयल: कु (काभीत् नाम) (स्रवाविधि) - (स्रवा-विधात) व्यक्तिक्ष (व्यक्तिक) म सम्मान (म न्या प्रमान । प्रकार्य -

(क्रा इंड एडरे क्याना का । ये बर्ट का क कराया आह-लास्त्राक्षित्रेष्य । (१) मार्थ ! (भूवत्र !) थाडि: माहि-पृत्रक्रायन (माहिम उक्तीक लिय में मका लय मन्या हिम हे हिक में राम मोरक्षा) करमातः (ज्यक्षाः) काप्यक्रिक (सर्वात मुगाठ रेकाय?) काहिएकन (बाल्करमन) केटिन जाम) (क्रालाम्यलाल) द्वार (उक्राम (युक्र (क्राम्) (नारक्र)) विश्वत्रीई: (विश्वव-स्प्ति) भारमार् (अरम्पर्म भर) थाकामा (भीय क ह जाड:) प्राडि: (अव्याड:) कामी डि: किस् कव्य विष: (वस्मा) गे-र्यात (धना शतंत्र कि के लिए के) सामास कियाँ (विषयमक्यम किए)॥>०॥ ण्य (मक्रम् मकारम् महा) हर्जार्व्या : (विहे-विष्वक - वीक्रम-सिन्यस्यम् अवस्थाः म द्वारं अकरतः) सभारः (अकिक्र) यात्र-भेला टिकर में : भवंसे) एड़ : थ्रिक वं : (हेंक :) अग्रे क (क्रिंगि)। भीवराय्त्र) दीकार्य (बीक्स्ट्रिक) के का के क्राया का किया (मांक्र) प्राथम कावृद्ध प्रत्)॥ इत्रां क्रां कर्षा कर् गः व मिक्षः (मैक):) अमादि (यम्मात्य) ये प्रविष्टिः (अम्द्र) वाः (में कियाः) काम (अग्रेमकि) त्या मार्गायाः (rouge) 12 (2000):) 113911

50

(मूजी क्रिकी अरे दूवी वाक मुठी ह। उस बीक्कम मुखेडमी क्ष्मी १ अंतर्वेश- । वस विविद्यासिकाराः अंतर्वेशकारा द्रमाज्यपूर्म (क्.) यात्र । (अव्यत्य ।) काम्पूर्ण (यम) कवंत्मित्र. कारमार्थ) स्पश्चर्य रें प्रदेश : (स्पश्चम रें यर के के रे ख्चे अपरे में क्यार:) प्रश्चिम (लामिक्या प्रमुक्त) क्रम्पुक्त (पुर्यक्तं) 018 1 (12:) Gaza-221 (gazin zmutajuzin azu) ळानु हैं तरंद (क्स श्रम ने रें रें के) के हैं। (क्स अप व -भस्ताम् वारिका प्रकी) हिनिका देव (हिम्सिनिकि व निम्हला) व्याम (द्वर्म) ॥ ४६॥ (क्ष्यांस्थारा: क्रांटी की दिर्द्य मर्) अमेषा (अक्षापु ELM) The Bill (MEONS) ONAND (ONADO) IN ARS रिकि : व्यार (वयद मार्) ककार (कार्यात-) व्यवस्थाय-कारूमी (दिल्य वर्ण कार्- संबंधा: कारूमी-सं अर) सिम्ब्रीकी (समि सकार्य) देव बरंग्ट (दुर्धक्ष प्रवृद्ध)॥>१॥ (कासरेशिकाइ) युका-रिल्यातः व्याल (युका ह रिल्य ह जमादिः) क्ष्या आस्त्रुवी (रेष्ठ) कीर्त्वेण (क्ष्येक ।ज्य) त्रीय असम्बद्धा (स्ट्राइट-ग्राक् सर्गायक असर) रूपा राहेरक्र प्राथमा (राहेरक्षेत्र राहेरास्य ट्रायमा Ady - care) 11 2 2011

(श्वायहत्रसूपार्यात्र । (क्रायमा । (क्रायमानी !) धर्म लिनि (धर लिनि यहल) विम्भी (क्राक्टिश्ला) भा उन (म डर), हिल्म (लाखाना देखान्डिम) लिन्नि (लाम्ब्रिस अवर्षा) कृष्यकः (कृष्ण केन्यक्षण अवस-अविन्यण-वर्षेभेष ख्याल देक्ष (मत ढ०) प्रमुख्-वंग्रर् (नव-वंग्म°) रास्वर (मार्कक,) याम्प (लयंगालन) त्यासार (२००) 11 5711 (र्मा वश्यमित्र गंतु । ८४) श्यमके अ-मके शुक्रमार । (१ कास्त्र १ वस्ता सक्ताल- सत्पर्द्य - मक्ते ग्री द्या कारत भक्ताम इव गम्स मुगाः करमा विश्वसित्त हां। CE अल्पास्त !) अल्यान ! (क्यान्य !) कार्य- (इन्हे) बना बनान् (क्रिक्ट अनेग्यर्या) विपर्वी (ब्रुक्रिन अली) है। रे प्रिकृ (खिलायक) वस (असमें) दुस्त (दुरक्षाक)) मेर्सेंग (त्रकायां) एव व्यक्षिता (कार्यक्ष्य) इतं सहें यथ (स-स्वा स्व्या) का (का भाम हराक-)कालियं-मार्थः (काल्यंनरमः ध्यमिस्वत्रमानि प्रमक्षर नीक्षः) थान यमाहिय-(रामार से टेब्यार हिरांस) हैंग्यः (माहिंव: सप्) यर समाद (म्बस्वा समाद) क्या उत् स्वमार् 4 DEO 11,5511

A RUST OF

भ्रामा: (भ्राम्क रिकास्त:) क्षा इद्धः (क्रिक्र) विभागानिकः देकः कार्यकः। श्राम्भागिकः (श्राम्भानी व्यक्ति गामार का: ्रामे स्वकारिनी देवका लिलेनी छिले छित्र!) मा: (१०):) १३०८६ (अपानुकार) यः व हर्ताः (म्येडक- व्यस्ताराः) अस्यव्यः (द्वाः मः)॥ऽ॥ ज्यात्राम् क्रिक अस्य नार्था ।

(क्य डाब्-य यहा- प्रक्रम भार) र (वं : (क्ये किका मा) या बा वं प - के प्र ने में एस में है किये सकत एकस मामार (रे भी मु मका पु प्रवेशन अन्यात ट्रायमा क कतार) यमाम्मियतार (सर्वात् म्यापर अव्यक्तर्भक्षित्रात्त्र मः अस्य : आकाः वासाम् वास्य स्वार्ष्त्र . स्थ-स्थराई) का अस्यत्रां (दुक्रमक्षां क्षे (ज्याडरंत:) दसकाः (त्यम्ता क्यमः)॥३॥ (वर्षाठवंप्यक) माः दुलस्य-त्य्यम-व्यां (दुलस्यार सरी जमास्त्रिकार ट्यावम-इमार अट्या: विकालकार) संबंदिन-(क) याय (कप्यन्याता: प्रजिष्) ज्या वी (व्याक्षका) ड द्यु (अधिके वाक) कुमार वेप (विकार माम के बन को :) के बस्प-मेपायार असी: आमुन्<u>रिक क्षार</u> । कुट्यार । कुट्यार मु: है हो- यते अथ मा: मिनी निर्माण : (केंद्र: बन किंदि है जिस मिने : सम्मातुक : अवंश-में प्रेमाण्या (क्या का इंग्रेश) अवंश-सार्वेषु दे व : (दुला-रार्जुग्रेन्थानुभी:) बा: (स्रीयांत्रसता: पायर) समस्यात्र ॥ र॥ काः (न्यार्थ-यम हाः) अकीगाः अवकीगाः ह (कृष्) हिंदा (डिसिशः) अर्विकीडिकः (ट्याक्सः)॥७॥ (वस सक्षांगा सक्ष्मार) करे सर विष्ठ (क्ष्मी राष्ट्रिय वा गार गः कवं सरः आत्माक्तिव्यातम् भागम्मन् वर्षितः) साकाः

(पर्यात्रः) अर्थेः (म्यास्यः म्यारवः) लात्म्य- वर्ववाः (लाका-अभय- खिंबाः) माश्चिकार (माश्चिका-क्रमार) कार्यष्याः (कर्षेवाः वंसमः) इड (वंस्रवादस्) अकार्ताः (इक्ष) (वर्षाडं वप् सम्म्यात । समग्रे अक त्युनमा क्राकुष्तमं (दम्मा) आह- महाह: (आह द्वाह: दम्मीह:) आहे हिए (क कार्ड) म्मिक्तिरे (म् ला दर् कार्ड नाक महिन निक्रित अवर्षम् भाषा कार्यम, कामें मिंड: कर्म रेक्ट लिय: 1 केन्ट्र) समितियांने (समित्रार्भ-) एक् वर्भ मी (छक्-वनम्पूरमा)।मिर्वि (वाटक) ह आवेषः (सक्तः) मेटा (काळा) प्रथलियाः (काथा-रेकाः सकाः) गः अभवन्तः (अक्कमलंध-वित्वादिकाममभनितः प्रकः) व्यक्तिम् भूष्ट (य-य- हरता) विय० (क्लोने०) प्रवर्ष (स्यक्षाप्त द्वाद) प्लादं : (चार्डका)) . हार्ड्स : (चार्कारी)-कर्मा अर्वा:) वय द्रमार (यड्नुः) में पर (क्युर्टः) विपर्व (कूर्ककु)।।०॥ (द्याइच एडवर । ज्यकार्य गुर् व्यक् न्याक क्षर्यर । (इ) स्माना । (कारह) अंदिन (सम साम्रिन न कार्य कार् क्रियात-र्यम् द्वत्ये या) व्यक्ति (वर्म्याः)

अपानुसु ((माकुटला प्रवाद) मे प्रमु) (अयो) वे कामास । मार् (विंग) म्याम्यामका (प्रथ-मांतिरंग देमयमहारं) माक्षामं (जर मिक्डियर निभामें जिल्लान प्रभामालाम,) म्लाम (स्व बनाम,) व्यक्तिन्य (व्यताम्क) व्यामास्यत विकाट्यक्र) हेन्यक्त मद्रमा (डेलक्षण विषक्षण - दिए निक बनमंग् व्याक विष यकी त्या हमा सम् अभादि-विश्वासी क्राप यमा जमा) (म (मक्षणा) ककी मिल्छः। शमें भरमणीय हेळ्यः) वट्या- वदः (यन्त्रमाखा-वत्रः) हिल: (अ१८०१:) अम्मालिकः (त्याविकः)॥७॥ हांबर्कोर् (हांबक्र-मेत्योर) लायो स्मानमेत्रावं भे (स्माक्त्राय) क लाक उर-म बाजापु (ल द्वा व क कार्य-कार्य) त्वा क म-महत्रापु वा: (अकीगा:) मुबिक्तवा: (मुबिक्तावा विवाधार)॥१॥ लामार् (अक्षानंत्रारं) चाक्रकः अडम्माः (लम्हमाः) यमाः p यामी: १ मी: (व्यारः)। (मा: व्यादः) वैभाष भाग्याः (क्रम-छ भर छ १९ व्या :) प्रभा : (ब्रियमें : , मा :) कि ।क्षेत्रीया : (बाक्): क्य-प्रमाणां विकित्वीमाः वाः) व मार्थकाः (मास्मा ECAT:) 11 P 11 ० च (w त्या खन- भ का विक न प्रतास्त्र न कि विक न कि विक कि का कि कि कि विक कि सर्या) काल कार्ने भी सका (मकालामा) धामित्री निक्या में (स्र्यक्मा कामनीनामी) ट्रेमका डमा ट्रिम्मा अभी ह इक् काकु प्रमाख्या: (श्रद्धांग्राप्त में क्या द्वारं,)॥१०॥

छत्र (अंद्रोम्) काले कार्येगी-याला (कार्येगी ह मडोकामा ह) ववीग्राम (सक्ताक) नक्षाद्व (कामात)। वय (वर्षा) कार्रीयी - मेन्यम्पेर (काडा:) या (ह) क्या कार् (क्या कार्य (इस्टा:) यहा (स्क्रिका खराइ)॥२०॥ (क्रम सम्प्रिक्ष क्षाराज्यक्षाराज्यक्ष न्या क्ष्म क्ष् (डीक्रक-मास्त्री) भा कार्बेपु (सा) केर्मिस्र (अधिवावसर) भेन्यती (धार्मकानी) धामी (वष्ट्र)। महीत्र देखार (धारेर) मा कार के कारण कार कार कार कारी है। मा म निकार की ने (क्षी व वर्ष) देहता (क्षाम हमा) ट्रालिस लाइक (यड्न) लाड्य (बर्डेन)॥ >>11 (क लय अमर्भेडामार क्राक्किवाक में साइवाछ। (X) सिर्म ! पार्व ! रे काहिव मिला में नी (मूम नी) श्रुक्त : (श्राम (मार्भ) (म (सम) ख्रिंग्डमा (लार्डक-स्मिक्सि) म (म क्रक्त) । हि (एड: 20) CAIRM-FIFT XX SILEYS (NEW) TRYAM ON I (भक्रमकून) । ११। क्ष्यांत: (क्ष्य्)- सक्ष्यांत:) अख्यालक क्रियः (अक्ष-समी-राष्ट्रीय दिवसाः) प्रकलः (रप्रक्रमण्याकाः) कार मका: पार्भः ह (वर्षा) निर्मा नव (मक्ता पार्मिक भवर्ष लयं केट्या (म. छात्र: (क्य) हाप्रकाः (म्युकं क्ष्याश्लीकेवाः। चत्र)श्रामधानुम्हार्षम् (श्रामधार्मा थाष्ट्रः सक्षतः व्या हिवः मोक्किम करें हा लाभ- वा: श्रक्षीमा- चट्डिके हुं)॥ >०॥ (आर्वेय-क्योम (व्रा-क्योयप) मा:१ डिएं (त्राकित्क) भाव टाय-इंडा: (भाव टार्यम्म इस:) टा मार (त्याक सक्त्रामार) कर्मा मिन्ने पार (जिस्से मानिकार या मृत्ये : कारमं १ वट्टिय मिथा । श्विधामार् कामार् काव : क्यू कप्राधिमिथेष : कमार (इटा:) शुराक लयाक्ट (लामा) न (म त्यार । माम यभाशनंग ह जाता वर , कवंगर विषु के माला, कृत्याति-धम्म-मको-वार्ड कारका द्वराहित्व विश्व के प्रकार के क्रामि बामार Cuy 4 6 श्री में के किंग सिए हार :) 1138 11 (वर्माठंबन्म) (कर्त (ताम) दुमावक्ष्यं (दुमावक्षेत्र) भावो।-म्मार्क्तमा क्ष्यं क्ष्य-मस्माः) विक्रावक्त्री (क्षाम्मकः-विद्यमं:) आहे: (अक्षां) थाय (कृषावत) न पी नाहि (म विक्र वं छ वला) आक्रम (भामनीया) (मारक म्यानी (अगिलामा-एवी) धार्म (क्षार कार) मातः (। तेवहवर्) कार्छ-वर्मना (अखिटम्रम्भवाग्ना) (७९ (थाम ख्वर्) ७७: (क्साप) किस (सस किसान न क्लामिक) मः)। किमसभी-रें एं (जिंग-अश्रीयथ् :) काल्ने: (लाख्र) क्ष्मां अपरं (MONGIN: 126) TOU (NE) 19: (ELAS) न किसलीकार्थः)। कुलाकन (६९ (थापे) विक्रुकार्वनीमल्जी-किनाम (क्रिक अकार्य लाह्युस ३ प्यो वस्मर्य भी विनान

अवा उन-कार्नि उ (४९) एकन किस् (सस न किस्मी ECES) 112011 (भाराष् लाकून-कराकाताः) नाकार्ववीका (नाकार्व-विवाद-मित्तम) श्रीकार्वा (न्त्री कि का आश्रीका कार्व (कार्वा :) य अव : (मस्तात:) इह (प्याक्ष-क्ष्म) मागि के (वहार इक्ष (अस: 1 अम्स) विवारमा अम्डा (असमान क्षार) अस्य-कामका (यळ अ: पेट: काम: रेकामेंडाम: गामर टा: उहार:) मुळी (ममाम द्यक) ॥३७॥ (लाम अवकामा- प्रम्पाय)गाः व त्याकन्यामत्याक्षमा (देश ताक-अवलाक-मिवं तिक्षे) वारान (व्यामका) वर कास्वामा : (मार्क कास्वः कार्म हिड्ड मार अर : विक रिटार्सन (विधानिमाक्रिक-विवाद-विविता) अभीक्षा: (अम्मीन ह्यान) जा: अबकीया: (ट्रियम्बिक (अमः)॥३१॥ (अम्मीयनं क्याल्यान । (अम्मीयनं क्याल्यान । कार् (लो समामा वहनामित्र) वात्मासाम-मिला के नार्य-मप्ती-विचारुमं: (वानमा हेवीकृष्णमङ्गा देवास्म छे९-करोन बिलाक्षे जा थार्किन का अपने अपना : सक्त रेशिमारिय विकारि: अरु: तीमा वर्ष माड: जमारूज:) वर्ष कार देख्य - ज्या वं अरे प्रकाशीय मार्ग र त्या (देखा वंग द्रिकट्रा ज्यामा कारी कार्यका द्वर तर कार्यका मार

यालकी असी अव्यक्ति माठी कुम्पर (उत्) तत्मा रिका : (कन्तुर अमरमनीपर भाष्ट्रक द शर्व के ग्रमार का विक) लानपा : (वय-व्याता:) लाज सार्वेश व्यान माम्य के प्रमामितः (यार्वेश मर वार्वमाय म त्यां वा का के का के कि के का प्रकार कार्य कार्य थी: मर्यमान क था करा: , (का व) दे (ता की - वित्रक ते ! (समस्त लभारत्याः) तः (यम्भवाः) केक्सी सम्तः (उग्यवा: जिंग्या:) य: (रिकाक्ट) में १ रेट ॥ १०॥ अवकीमाः कर्णकाः ह (क्रमाहि क्रकाराः 'क्रमा) अर्वाराः (लिट्य: केटा:) ह (केल) हिका (हिनिया:) अवा: (यम-आर्स-अभावा द्याः) । नवाः (अंत्रकीयः) क्यांम (क्यांस्टिन) <u>बिल्ल - बल-वामिनाः (नम्बल-निवामिना थेले) विल्य जाः</u> (द्रिणावा:)। लच (वंश्वांत्रमे मा) मक्ष म का भवा (मिंदाआकु: मा) हि (लाकू (लाक्म) (भी १ काम) (मोभामा (मूम अप उत्वर्)।। २३॥ (अस क्ष-समाविः पर्याक) सीनाः (कामिनीनाः) था नामवा (माम का लक्षामान उठक ते में भोर ' क्या) मैं में ल के द (में मालक के का) प्रवासम् १ (के के प्राप्त-किस्ट्र निवान नेक) छ । वर (अर्थिक श्रविधाक भविधान) मक्या नेम (sugh) dare anna (una - 12 sala oun para a-सिंग्ड) धाने (विक्रक्रामि)।। 2011

(क्या विक्र के अर 12 कर पर पर का) रेम (अर्था के मर विश्व कि में विषय: (आज्यारिंग प्याक्रिकम पुरस्त : व्याक्रियारीम । उता) समाम्या पर (एव) मर्मेट्र के १ (१३०) वस १४ (र्भाक्ष्मार) गामवापूर (प्रत्याक) क्रम् प्रह्म (गाने THE MASKED ON MORE (ON MISSOR (CESA) 115211 (लय च्युक क्याको माण समाप्र अम्मा माने कार हिला है कि याहिस् भाम बाद काहरक्षा:)कार्य (कार्यम् विस्ता कार्यकं) किं या (किं यास दक्त यो सिक्राम्) गवः (ग्रमा (काला:) सम्मानी: क कक: अंतर वियोर (अवक्षांगाम अवक्षांग- विवार विकास क्रमार क्रामहाभवका क्रियार) लावस्त्र महार (लवस-निवेद बन-अधाक्रिमाए) मर्षिषायार ह देए अव (देए वक्सामान) कल्मे (हेल्ह: नि: अड्डान हेक हात्र)॥२२॥ (क्रीक्क:) कथवार कार्ज (वर्षान्यम् भाष्य कार्ज करा) लाक्षां का है। का कार अमेरिय यह कि भागे के कि कि अयो निक् आस्त्रक प्र: प्र क्या कि कि निष्य) मात्रकी: (मत्रक):) (मात्र-(माम्बर (पालामार Chinae: अत्र) लासम्) लाक्षामर (मक जायहर् (ज्यममन्भाकर्) कृषा (जारिक्षाया) जाडिः (भर) भीयना (ठिट हैक्सा) यंत्रास (एम्प्रेक) 115011

(मन् मन् भमारति दलके : उत्ताव दल हम कर : थुकि: ब्रार्कक्ष्य कार्यापामामम्भवताय प्राक्षप्र मेश्व स म्यार्ट्य सममीय देखित लार) मर् (राम्य) देखाह : (बाक्ट्रहः) ड इन्वर (ड्राक्ट्रव) बाह्रक्योम (ल्यान्ट्रक्र)म) क (क्या) रेक्यत (केटकासय) य (मारुखेलकोस्) इन्हर्ने टाकुमान्साम्परं वार्वम्ये अस्तर्माः (हाकुमान्ति वार्वम्-मुक्षांत्र (किंग्स्)।। 5811 ब्रास्पाप-वर (ब्रस्पाप्तिविव) ब्राह्मक्वीस (लाश्वेषुरिय) कुछि (कूम हिमाने) बायमादिव म (बायमादिव माराने. ब्रोस्) इंग्ल चन: ध्रिक-त्रम्मिनाम् (त्रिक्ष्य क्रम्य ल्पाली ट्राकार क माक्ष- क्ष्म्या: वदवानार क्ष ब्रामार सर्दिका के परं (पीछ:) अर्थि (क्या विक्र याक्षेत्रा दंः भीकोर्ता च व वास्त्रम्वर गङ्ख्योद्येरेट व्यर्भिंगः)॥ 2011 छिप्र: आकृष-कीय:) प्रि लाष्ट्र (क्याहिपार्थ) यमभा धार्भ (हिल्मान)-१०९ (अभादेशन अध्याष्ट्रिक विष्णु) म म्रा-हटन् (म हिस्टिंग् , किः अमर्टिक्स कि छारः) का क्रिक (अभूमकाउ०) विष० (धारवम् (भिवम्) अक्मः (क्मिल्मः जमः) गमा (इस है स्मुके स्थम, आमापुर विकं लग्ह अर मार्क वस भः)

वित्रका कि (क स्था मान्यक । अवर काः (आर्म के किए का दिव की कार्यः)।।ए।। (वसीमास्त्राप्त दक्षामार् वर्षमंदि व कार्ति म व वराहरदावमा 30 I AMYTHE) Th: (Egal ;) That (ONRY) THE ;) CO da: (इसद्यें क्रिक दिवर वे इस्माम्) दिस्मार वर्षे मर्मा (एका प् वर्ष महा है) राष्ट्रम (एक व्यास्त्र : (au aquait) वार्त्यीः (वम कृषाः) कीयाः (मीनाविनाभन्) डकाज (220 price) 11 5 d 11 उड़ि: (क्युकंक:) अग्रेस (नव) क्युसेर्अय (ध्य-सरम्य) वे लायार (अवशामार वशवह मर्) मायानी (क्लिक्रिम) क्स कार (भुक्षितास्त्र) ॥ ५० ॥ (ब्याञ्चा: त्राक त्र्या केक स्थार कुन्म) माः तैक व- पिड-निक्यमाः (मेक्य वा मेक्तिमा ता आइन्द्रिमाः अत्यात- (अउ-क्रमाने वक्षतानि) पर्व्यक् (प्रम् हिन्ता) भा (भार) थएकन (टमिक्वण): , निव्यप) मन्यूबार (मिव्यपा मिलायर र्राक अर्टियाटमा माम्मर वामर) य: (मेर्मक मिस्सि) अर् विव्यास्या विव्यानार एकानार आसूषा बीविष्कालन कार मुरीर्घ का लित्र कार्थ:) कार्थ अमार्च कुछ (स्व अकार्यात्व मार् ने बसर मेर के कोर वर मक्तारामं वर) अम्मार म अर्थान (म अखनामि) उप (जमाप) म: (भूमार्कः) अर्थुमा (अर्थुस-=> (44 ed) ano não (40 42 es (40) 115311

मर्मा जार वास : (मक्स-डक्र मुक्तान (यामी:) हे प्रव : आली (उत्रमांची मर् क्या) में के (ज्या पर कार माखा) व्याप (agenina) 11 0011 (जम्बनम्मदार कार्क) भा: (अअस्मनाः) मुख्याक (पूर्विविश्वः) * अवनर (अलामिकर) कार्या अर्थ (मही मार्गर्) ह दिखा (अर्विक्रम) क्राकृतिः (वर्षव्यक्त) विद्यागिष् (अप्रायमि व्यात्रार में व अवैश्वास्ति द्या :) में के से - अरवीर (में के से अ त्यीक्कम) लवकी मार्श) र ज्याः (यासाः) परा पर् (देश्वः) कृषायत आत्रार् (जात्रार व्यामनामार) हन्ते-[मर् क्यार (भाष-अम-अवास- डालार) समा-माडोकस्मार (उसा: क उहर वहा : असर्अध्यक प्रवाप दिस्सर : यह -आगार्मि अभागि ह जाअए धारी) किलां (यर कि कि रि) योशि ((दिनामिति साम्याम प्रथम)।। (०)।। सामा-कामक-वार्क ही-भीयाम (या मी मार बीक कामिना न समात् भागमा त्यासमान्य काश्रवाम र द्रवस्तानवाम अप्रकी क जादुक जनाकायात्र अधि जीलातत विशासने) अम्मीमृहः (अमारा हिंगः ग्रिम् वर्ष ह रेजा हिम्मान रिक्ना न्तीक क्रम्मार क्रम्मार्डः) भावितः मद द्वाप्तिनारः (क्यानिकामः) हार् (क्यानिकाल) प्रक्रमः (कन्यनीजापि-अ०्मर्गः) न (त बलूक)॥७२॥

(मारेण: वालोकम: (वन वामन:) भान यान (यकी पान) याचार (मी:) मानाम्मार (आगागं प्रमानम्हास्वा) यम्मामाः (धामहः) क्षामं म वाम्मं मं (ज्येककः व्यक कर्ममामया माद्यम्)॥७७॥ (व कर) का- मक्ष प्राप्त) वर्षाः (व्याव-व्याप्त्राः) अपळ्याः (पकारका:) निवस्तायक: (जियार-चामका:) सभी दश्य मै (मणीह: क्रिक्ट बर्गाड किमाह: ममिल क्षक अवस्ति-मीलमे) विस्ताः (क्ष-विभामाः) सागः (आहरकान) मुका-उम-बिहा: (में ख्यापर प्यतंकापर त्र क्या: क्रिका:) क्योकाः टक्साइस: (कार्यका:)॥ ७८॥ od (बार्स क्षेत्रकार्स भाक्) मैस्परेक कता: (क्रिकोर्स भक्ष-अवात्माः) द्रमायतः (द्रमाम्हितः) क्याः मृष्म (की श्राम्पत) भू निका ही की । (भूनिक व्य ही के व्याहताय: गामार् वा: कमाह्या महू में:) (ठम (८०मा) वा: (स्थायन: क्या:) ००० (माउदा:) वयता:(त्यंत्रा:) यवा: (स्मानः)म (त्यम्भारवम समाजः)॥ ००॥ (क्राक्ट क्र क्राक्ट (ज्यूपात्वनेम् । क्राक्रिम् क्र क्राप्ट मार मह क्यादि-मलागा (व) में मार्गागा वहमामिया।(३)

यात्र । हील्याला विश्व (मील्यालाम) विश्व मा (मामण्डा) भरेगम्बीण- वक्ष: मृता (भरित वमत्तन अमबीण अमब् ०० वक्ष:-में यह माधारिक्य दिं) यापा (प्रमाय-वर्ग: मुखा) व्याप्त (ब्राम) रेख (वर्ष्या)) ज्य निवा यहाय: (तापः) बासावन् (वर वर्ष्)म स्माल (मानुमका) व (भन्द) रूमारत कुमडी (धराक भर्ते वर प्रभागाया निनमही?) नियो निया दिया में महानी (भिर्म निया दिया अविकार) यं मुं कर यं वास्क्रा (क्रा) लाक्ष्म (क्रा) लाह्या ह (अम्रिक स्वप्रसत्त ग्वक्रा) चामीव्याह पादि व (त्यात्ये त्यमभूष्टियं विलाहमत्यः मेलवं-भन्मत्यः कार माम लाउना माम भारता) (अवकाम (हेरकामान अवस-कामान ह मह) था भूनिम (अमार्म) ॥ ७७॥ (लाम अरवाश-मक्ष्ममार) स्मिनः वृशः (क्ष-अपन्त्राः) व्याल समा (मिलामन) रिषं: (क्षीकृषमा) मसिमान-यालमाः (प्रतिशाल नाममा-युका:) अध्यम् किकाः (प्रक्षामध्यम व वारेकाः) ब्रमार्गः (ट्याक्त-सम्माः) जमा (१एवः) भरताहाः बल्लाः (कथारह)॥७१॥ (वस्मार्वन् क्ष्य्यात्तात्। ज्याम्यात्याः कार् क्ष्यांत वरमाध्यम । (इ) याम् । (वः) काळा ने मु-कम म-का सम्भा (काळात्रा: अंसान् के के निम्मात्रा)के के कार

करमा तर कंडडं धार्बकतात्मः विस्थान) क्रिस् (क्रार्) (क्रिक्स प्रते क्रिडं क्रिक्टिक्ट क्रिक्स क्रिक्स (क्रार्स) स्थावंभ्यो MAI MILLE (MOSA) HOS STATION (DEPUTE) मन्त्र (मन नाक्) कर्तनाकु (कर्तनकि अलो उर लिए: श्रमा (जर श्राधिता जाती निम्मा रेकार्थ:) सम्भा (वर कूछ-म्लात) मण्डार (मरकाउर) कलेकाइ (कलेक्य अहरू) मलदूर (रेप कामी बार्ड रा यह) दूर्यकात (अन्यान)।। वर।। नवाः (अत्यादा वल्लाः) (आस-प्राण्यन) त्येखतः (लाज श्री: माम्लेने अम्ले ने प्र् देखन ् मम्म क रि:) प्रकृषिमान्त्रः (प्रद्धाल्याः क्रिक) व्यापि छः (नक्री-अर्थ- (अन्मीड):) लाम देक दसम स्मित्र के दिस्ता: (देक मर्व राव त्या क्षार्या क्षार्य कार्य के विष् क्षा हिम्म दे मिला : मी :)॥ वर्ग। (अम्मार्वनेष्वताक्षववाकीः अम्म्यां)वातमाप्त्रत (ग्राम-सीलाकाल छ ९ मत्व) अमा (श्रीकृकमा) क्र न पड-म्रीक-कले-मद्गालियाएं (जूल पणालाएं विकास-जूकाकाए भेडीक: लाजालंक: कण: मामार वा: लक्षर प्रमा लामा: क ल हु कु र माह: वा क्र का दे वा आ है। अगम्म नी नाए (अगमम ना नाए ममु (का) यः अमानः

(अक्कमान्यर:) हेम्साव (हिन्स ला वहुव) अमं (मा)! हे (एएए)! निषातु-व्राः (निव्दुव् डमवन् वक्षिप्र विलम्द्राः अवस-वेक्सक्याः) । इतः (अक्ष्या माल) ताल (अपः) नारं (अपूर्व ममाप: न नाम्छ। प्राप्त अपूर्ण्ड सवदन मर् कपाली न लड्ड रेज्यः)। नित्रन भक्षक् हाए (निल्मम) लाममा त्या अयः के बादुक् विषे अय-के हा मामार्थियर) श्रिक्ष वं (अर्थ वं संगीमा सम्बा राम वार समाता न बाना । क्यार) लमा : (लम्म मार्गः) के दः (जाअार् मस्य का पृक्- अमाप्तमा मस्यवमारंग अभा डाकार् काम देंबर वय अंबाध्य देखि हाव:)॥४०॥ मार्चन पदा : (देश: उका निक मिया (रेशे (दर्पन) छा: (भट्याणः) निया (निविधा उट्यमः)॥ व्य (निविधामू ल द्यां हो में शर्य) ल्याप्रियः (स्थायः अस्य प्रवादाः) है (अयः) टमो किकी: अपो अकी: रेजि हिशा (विविधा:) में (हिराम:) 11821 (उत्र ट्योभिकीमन-सक्ष्मामप्र) उत्र (मार्यमल राम् धर्म) भनेना: (यमति: प्रत्र) ममुग् (विलिक्षा) मार्थत (श्रीकृष्ण-कालिमार्शक द लाममाल्य) बंबा: (बर्जावा:) त्या कुर्का: (इस्ट्र क्यादि)। वा: (त्याम्कः) व (लान) में पन: वरा डेजानियम: (रेफ्ड) विचिना: मडा: (मिनीजा:)॥ ४७॥

क (मेथ्य करम्यात) के म् (वेंग तक का अंदि) क्या प्राचार मिक्रं: (अक्राका अमझा अभिक्रेम) उर्बाहिक्समा मिकि: Gr: Ca soniesi: James) sientry and y aposite (2 sossay-भक्त्र) न्यु बाला एक मार्ग मार्गाय) हिबाद (स्मर्कायाद अवड) देश संवत्रः (कथाली ज्या म्या मार्क मार्क मार्क मार्क मार्क कल्पात्म देवसा व्याविह्टा यहः क्षेत्रकाम्याला त्यका ए ज्या मनु:) भूमए: निवाकी के मिक्कि मक्यां पत (निवाकी केम) त्रिटकः भारताम्मा मन्त्राद्द) नेषाः (निन्छाः) नद्ग डामाः (सम्बाह न्यो के क त्यमप्रक सर :) रेख (ट्याक प्र) काला : सावा: द्राक धारम (अमनेवाप) अधिकम (क्रीविक्स)।। ब्रम् वाझात ह (ब्रम् वाझम भू वा ति श्रेषे) शेष्ठ-विकारिः (नरस्केशन भारतिस्म) लाभा लाभ कमा (लाक्ष) हिला। आमार (धर्म) कार्विह वब (काल्डन वब) मामान्द्र (आहा:) सम्बद्ध वक्षोर्या नुत्राचिते: ("धनुत्रमण: कार्य्ह १" रेक्निय वहन मा अकरे अभाभ अजीक शर्म र अनुमर्क र भीतर (मक्ट (क क्याहिंवा:) (कहिंद (अमा:) द्राष्ट्र (नवर) अकायरड (यमाडे)॥ इका १५॥

(अभ हे भार्मित: अम्भूमाक) समसाव (अक्षाक:) मुक्समार्भमाः (अन्य-मंक्रा के से ए। भूगः) लाम्याः (अक्षाः) दुन्तातः सद्यानियमः (स्रामु): हेनानियमः अम्हणः) त्यानीमार् अमस्मिक् (मर्काख्यः) (मोडम्म) वीक्ष (इक्षे) म्रविभिषा: (अंधर्षिमार्ट बाडा बहर)॥१४॥ (ब्वधा यह्मवामुक्तः) जात्रमं (लयंगाम) व्यादीय (क्राक्षक्याः) के द्वा चाल (प्याकात्र) त्वमात्यः (म्य केक्र-(अमवछा:) व सु बा: (cm लका:) आक्रिष् (क्याका:) रेकि (आराप्त (वेशप्राप्ता) कमा क्राप्तिती (द्रवाप्ततन-वार्ने हा के अल्या (आत्रिक विषेत्र) ॥ १८॥ (लात्रेमकी- यक्ष न मात्र) (म स्ता: क्रावबक्ष वंगमा: क्रिडि लामी अव वह: निर्म लग क्ष: वाम: आमाकि थिस कम मरे:) मानूप (वर खाकी वार्मिक व वस्ताल) प्रा (बर्जा कर्नाः) (क (भाषका समाः) क्रक्कामभाष्ठः (डेरक्मान्सपर) उप ट्यामा (त्यानी बाव-याहिट्यामा) लम्बारमा हार (बामामनीय-डलस्मोर कहोर) माना (नद्वा) काल काल (क्रांहर क्रेहर अमर्ग) नकमः (तकाकित्रा) तक्रमा हिया: (हि- त्र- मर्भाक कर्मा) वास (टमाकूल) जा: (अत्योभिका:) अख्या (उपार्ड)। ०७: (कृष्टि कृष्टि एवं कृष्टि कार्या कर्राव क्षार्थ रहिए।) अर्थी क्रिक्

माहीयाः ह (अर्थ अर्थ क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का का वा का अर्थ में से निका ह (यवक्ष में अव के का बका दान व मिस्टिं का बाक में इंग्ले) हि स (居民知:)羽:(四(日以:)1184-837 82-8011 अादीना: (अरभोभेक):) हिन् (मूर्तीर्भकालन) निजार्थिणार्छः (मिळ) खिमा भी- भरवा हा छि:) प्रात्माक १ (सम्माक प्रः) आमाजा: (मिछ) क्रियमेर् लाक्ट वास देखा देखा । । मना : जहां (क्रियमेर्य)) कू मक्तामक्तादि-ट्यानिक: (मानव-अन्यादि त्यानिक् थाना) रेश (ट्याकेल) खावा: (लाम्हेंगः। कार्य सर्म)-महा- मुक्र-लापि डार्यन द्राल नायड केन्यः)॥ क्रा (अम दिवी-नमनेपद्गात्र) (दिस्यम् (अर्थ) विवि (मृत्ताक)) व्यान (सम्बद्धानान (यन) काषम) (व्यानिस्वम) कृष्णमी बेक्टिं (खाकोश;) है क पुक्र क्रिंग भठ कर्जा: (कर्जा-अक्सा:)गा: एवटमानम: ब्राखा: (एवटमात्ने देवलाः) ाः कें व्य द्वाल तिकायणवान (तिक्का) भी कृष्टमा ध्वालनी प्रक्ति) (आमक्त)का: लानेष्ठा (आमिक संक्षेत्र क्षानेर्द्र्य) थात्रार् थर्। भीता १ वर क्षि: बात्र क्षेत्री (था था यक्षात्र भी थर्। भीता थर्भ हुआ भी अमें पर भीता वालार !) आम्यमः (याम्बेश सिगा: मका:) लिख्य (बाजः)॥ (लाज प्रका लाज) के का वा अका त्या निक्र निकार । त्र प्रकार : (क्रिके प्रकार प्रकार प्रमार्ग द्वार क्रिके क्यामीयार क अपाया श्वास्ताः) भासा-क्रमायणी भेगाः (यास्य- कका न्या- व हें करं :) च्या प्रकालां : (इस्र) टकाका: (कार्यकाः)। व 811 (क्षित्र क्षामक प्राप्ती) यः (प्राचित्रः) आम्प्राक्टिः (क्षित्र क्षामक प्राप्ती) यः (प्राचित्रः) आम्प्राक्टिः अकिलारिकाडः (अममिनिमरेगः अम्बर्षः वर्षः (अम-इसि: श्रावद्यादिशादि: हायम्कीकृषादिः) निवक्षप्रण (मिम-क्रम हुणाडिविन्थीः) जानिः (माक्राहः) - १व (मर) कलाहिः (ज्यंगत्मज्याने मीडिः हर्ष्योधे कलाहिः मिन्हर निर्दे) (भारताक न न नियमें , अर् लामि असम् कर कर त्यां मिल डकामि (सित्त)॥ व 🕬।। ब्य (निक विभाम भर्क) व असी क्या क्या क्या निमाम ह मित्रा कामाधा निमा किया किया निमा त्माना रामका (कमा)नापुकामंगः (न्यानका-चर्ठाः) क्यान्न स्थाः (क्यान्य विम्योद्यः सार्द्ध)।। का (भर्म स्थासाडा-सर्वेग्या लग्ना लाग्न न्यास्ट्रे स्थार्ट्ड उर आक्ष कर्र (टराह) पालका व (तर) लयं देरहर

(डकार) (वर्ग) अवा: (ONENTON-अव्या: अव) मूबक् म देखिला: (ट्याका:)॥ वन॥ मार्थे अवस्त्र का मार्थ मार्थ मार्थ का मार्थ का मार्थ यमावता व्यवान्त्री हत्वानामी अञ्चली केरियात्ताः (इक्टिसा महिल्याक गर क्याह) देलासीमार (नामका प्राप्त -माम्रार् (त्नाटक क्लिक्ट वामिष्ठ विभागाः नाम यामार वामार) उग्रे के कर (उग्रमिली प्र) व सक्याः (अव-२०-१०भागम्) राज्या (कर्ण वर्षा वर्षा वर्षा मिल मिल (कालमें के प्रकार भी: म मार्था: (まから:) あがす:11でレーをかり विलाभा नामिकर भागा (अवागि ह त्यार) (क्राक्र) धारामा: केंद्रियादिय: (केंद्रियाद्य: लयो:)नव: अवस्र : (वय) माम्या अला (क्या क्रिका) : निक्स की गडिल: (ट्याअप:) 11 ७०11 किने वेन्सरं : लाक्ष (वेन्स क स्त्रियम् विस्तरम भागता भोगमा लग्न दुमाधा कता १ न वा :) (मालामी सुद्वंता : (CHAINLIBMIMMY CUL CCAN;) Myaler is: (जान्य विकारम अमा (अन्या ह न्यः) मंभार्यमात्र (म्यारिकार्यात) हे हिंग) है (ह्याण कार) देशा डायभ सम्बंता) (प्राह्म ((हारका:) अश्च के हिं (श्वामार्ट (स्वामार्ट (स्वामार्ट (स्वामार्ट (स्वामार्ट (स्वामार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट स्वामीनार्ट (स्वामार्ट स्वामीनार्ट स्वामीना 2520 12 ONE WAS) 23 (\$020):) 11 0 511

जय (अकी मू प्राण्यावीयू) व्याने माथा ह न्यावली देले छे। (एक में जिल्ला) अस्तुमा (अस्ति क्षकारंत्र) (कार्क (र्माण) केवक:)। मटमाः (क्षेत्रा- व लाबाच्याः) व में मार्माः (वस्तास्त्त्रो) टकारित्रकाः म्मीमृतः (मूलर्यः) मार्ड (मालाउ)॥।।। निभीन थाम्रान भूमित (भयूना-कर्ष) अम्रान्भक-क्लारिः (अमदानार् मूल्योत्रार् ना काहिडि:) आक्रुनिड: (हेन्निपिडः) रामः (रामनीता) अष्ट्र (राष्ट्र) रेग्डे आमिनी (आगम-(आसा) अभा (अभिष्मिन सि) 11211 क्टंस दुक्टता: वटमा: (द्रामाम्लान प्राः) भान् मान छट्न: काश्व चुमंस्री (अंद्राख्या) भग्र अव मंद्राला (भग्र अवः (सम २०६: (अठ सम्माणे करं: यात काम : विकासका) ईगर् मार्थका अवर्ग (मक्टि डार्यम) थार्थका (टाकेन द्वार)॥०॥ यव (यमाव मा) लालाताउन जान मार् (देलानेयपि) नाक्षकी क्रिक विक्रका (विभाता अगवा विक्राकु क्रका) अक्षांतु-। किट (जपान) - अएक) ह कारी भारतिय मह नावी देखे द्रिका (द्रक्य) लव: (लक्षात्याता:) जारम (जम ठेंच्यप) सरास् पा (स्पाय दिय) विष्य में स्पर्या के (क्या : का नाकारा ELELENA) 9-12-20 (COLOUR)11811 (वर् वर में वरक्षांति) मिसा विस्था: (अक्क्रमा) मारा (महर) खिंग (कथा) कथा: (यक्षांगः) के अस (कथा)

उभा (उद्देश विकाः) सिर्दे (दिनाड)। अर्थ (भाषीय (धार्या) नका मा (गर्या) नव विस्था: (क्याक् क्या) प्रायु-ममुखा (काले क्षिया उनके)।। व।। मर्ख्या वर्षा ग्री (मर्खाम द्या वर्षा कर्म बर्बा ग्री दिल्या) र्णातियी (गास) मा सकामाकुः (विदायक) इनंद (क्या बाद्य) क्रिक्ष्म) द्राकु (च दर) व्यक्ष (क्ष्म मार्स्स) माव क्षिया क्रिक्ष (क्ष्म) प्रकृष (क्ष्म) महाभक्षि : भाव होत्र : म हर्रिक्ष् (मिनीजा)॥७॥ रेग्र है गर्व डामबी (रूथ डामूना क्रेनी अनियंश) मर्कदा (निकासब) मुक्ते का में मक्ता (में में मारे का में वा पाता कि महा निकार मारे या कमा) रेक प्राट मक्यांचा (हेका: प्राटम में भोषा (बल-बिजास-बिलाबा क्य भग का ज्या)वामला द्वं नीलिया (मामलियानद्वान्यका ह द्वार्व)॥१॥ (ज्य मुक्रे का स्व इस पण सुदार्शि । अ कृष्ण माका (मण्य) गिरिष । उन कहा: (समा:) मूकाकिवा: (अभक कृतिमा:) में में किया में सीर्त्य में (क्ष्मीर हमान दीर्स कार्गाक में अर्भ नग्म मा बर बर बरा द्यात) क्यं: (यक्षः म्हल्) क्लियं-कृष्ट डाक (कार्य-अम्प्रम नार्य टार्क), अमे म्हल (किंट-बाम:) कालाम-आसि (क्रमा प्रमा (क्रमा प्रमा (क्रमा प्रमा (क्रमा प्रमा प्रमा (क्रमा प्रमा प्रमा (क्रमा प्रमा (यान मालका में सम्बं) । ला काम (दुर्स लास क्रियान द्वार्ग)

मा (अवा नमानिक र्:)। कामी (इटको) कन्छ-नम् नामि (कर्मा मभा शव ब्लानि हिः ब्लो मलाश्लो दवकः। जय) नितः स्टिश्टिम् : खिलाप् (चिलाक्) विद्यमंग्रे (त्मेल्य)-गर्का ए हास में की की गर्:)॥ १॥ (लग हेब क्षारंग-र्भात्रवाष्ट्रीयार बाद्र । मार्गरं उत्पानं लामक दें न किक, वर्ष दुमान मक् भावा, माना मिनप्र) याकी असे , आवा , मेंगान अमे संग्रम । (य सरम ;) से वि (क्ल्यामा) माञ्चाल-लाजमीन: (मायाध्य लाजर विवालमान: धाने र्या: मा) । धारिक-लक्षे (तीलवस्ता) स्विती (तीरी-वक्षमुका) वक्षविती (वक्षा विती मण भा वितिवक्षतवार्त) (साइर्सा (क्ष्र्बन्रेक्स) शिक्ष्वाम् विकेश-हम्प्रमापि। डिर्मिक्सि व्यंत्रिम थ्या: भा) कुमू में डिक्स (क्सूबिन: क्रूम-(माहिन: हिळ्ना: क्रुमा ४२०१: भा) आखिरी (र्डमाना) अभवसा (रिक तीनाजभू प्रामा) जा मुनामा (जाधून १ अग्भ) मूल यभा: भा) दे के विन् मुवकिड-हिक्या (देवनिष् छि: कमुबीवम-निष् छि: सुवक्षि छारीएठा: हिक्या: क्या गमाः भा) कळ्ळामाभी (अळ्ळाच ग्रेक्टन गमा) महिचा (में क्लाइयर हिचर अवर्माल सक्ष्री अचल्यात तथाः भा)धमालाक्यमा दिः (धमक-माउठ-६न्मा) विमार्किनी (स्माल्या-विस-त्यान्छा) रेप्ट् म्या भूके (स्थानात्)॥ गा

(अम साम अप देश किया र कार अम्म ने के प्रियों (अवस्थान :) र्कामगुन्दः (हॅकासपु-वर्ः) वंबद्-विवृष्ट्वाः (मैर्यम्प्रामुकाः) कु अल हा क - का क्री - निश्ना: (क्षान ह कि कि कि में भू भन् का क्री [सरामा प्रिक्ष: अटक: जिं) वसी-यामाका-र्मा-वसरो-त्राप: (हक्षार्म अपाकारमाक क्षार्स काममा द्वारं व प्रांत ह न (कक्षर मिदा: मम्मा:) कले हिंसा (क्ला हवंप्सं) के लिका: ह (अन्नीयकानि ह), जादामुकादा: (नक्ष अप्रमुला:)श्राषा: (क्र कट्टिले क्रिक्ट क्रिया क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क् क्रिंग (क्रिक्स) भाषानं तीय श्वि : (भाषानं त्रीयामर दिव : काहि:) शेनि (१वर) विविधः (विवि-मण्भारिकः विष्णाधिनिकार्थः) क्यों : (धमद्भार्य:) मा आ जाकि (मीमाल) ॥ २०॥ लक (लयक्ष्यं) रेप्याविष्यम्याः (व्याव्यम्यः) अवन्यः (देखार:) अभाः की का छ (कका छ)। रेपे (इन्यावतम्मर्थ) धर्ममा मययगाः हलाणान्न (हळ्ल-नग्म आहा) देख्यल-मिन (दुळ्य पर । श्राहर सन्ध्यात्म राज्याः त्य) हाक- त्युत्यायो दिसाही। (टम्लाम) मुहक- सत्मक हिक्स पुका) महमानामिक सम्बन (अटम १ मार्टा : लक्ष्मी केट: साहव: गंग अ) मार्ट-अमरा डिका (भनीषभ) अमाम विष्ठा (के अहिका) रक्ष पार्क (भामाक- वहना) नर्भ-भाष्ठिल (के अहिकाम- निस्ना)

वित्रील कक्तेर भूति विकला (त्र्वित्रका) वादिवाविता (महेवाम अस) पळामीया में सम्पेट (दुवस स्प्रायानामुम्) किन्ये कारिन के कार्या सहाराय- वर्षायक्त्र -ग्रम् मी (स्थान्यम) अवस्मार्कत्र- एमा माति के क्रामेका) लाक्त त्यारमा : (त्याक्त-ननाना स्था अतिवासन भीकिनी) नगरन्ती-लम्म-थमाः (नगरन् नेग् मर्लिन ब गर्मे समाड् मकामा सामाध्य तमार्थि रामाः मा) मस्तिह-क्षेट्रका (क्षेत्रकः क्ष्युकः क्षेत्रकः सक्षेत्र टिमाउर राम्योकं मा स्त्रीक्षमान्ध्यमा (स्त्रीयरं क्ष्रानुकारं क्रिका: क्रम लक्ष्या) केक खिंग वण्य- में ग्या (केक्र) किंग वर्ष कि त्यां भु-र्दित ते मार स्वरं,) अम्बाक्ष क्ष्या (सरेक: लाक्ष : बात्वावहः कियायः म्याः भा है वक्षत्वा १ एका) वस्ता (हेक्कि बाल्लात) किः (यलमिन्नः)। र दं : रेव ज्याः (ज्याच्यामः) ३ मा: म्हम्यानुका: (ज्याम् द्राष्ट्र) ॥ >> -> 6॥ इ. (चिर्का) इत (जीत्याक्षित्रं वर्षात्रे) रेलावप्यम् : (मार्यस्यमं : थालंगाक-सनःमाः (थलंगाः डोक्टमाः सनःभामः) उत्रा वय-असे अधा: (अंत्रवेश भवाक के द्राष्ट्र) हे विश्वः (व (विश्व-मका के मा: (कार्या: (कार्या: 100 वर मका वर्गीया: सर वर्णमा: रमार्थित कार्म हाक्ष्मितः विष्यमास्य प्राप्त नाम समः माः । 3十: 文:)117411

सम्बन्धिय दी मार् (बर लू से मुकारार (कथाकि पर्यात्रार) कार्न छी । छात्र छा पक् दरा: (क्यान-मक्सर (क्यान्स सक्सा) (प्रकार-दंभा नामात-।ह्वा: हलक्षामं (नामान्त्रे ।म्बान ह अकलादिक्किति) धर्माम भाई मार्भाष् (समार्भाष्) पहलन् (कार्यकाड:) केन्द्र म्रेस: (कार्यकात:) रेक्सा नकारी लका पालिकाछ-नीलारिए: (पालिकाछ) ट्रिकी मेर न्त्रीय में में में कार : कराएं) दिके हि: में दित) दिक् में में में अहिका (बार) के केल (बन्) वर्षः (काउदिः) होरिका (इक्स्)। लागेका (लजाइका क्रिया) क्रकार (माक्रकार) पाकि व्या र (मास्य स्थानका) ह भक्ष्य र प्रकार ॥ > १ - > गा (भर्ताम्मारवाछ। (लोनमात्री-वहमामिषम्।) वाद्यांमाः अस्माः . (मनंतराः) प्रक्षीः (क्षीः) मगुरं (मनबाकरं) के वयतं (भीपाठ-अष्ट) वयात (श्रवकावात) कवप्रगृह (स्राह) , मूर्यामात्र: (मूभम् हेल्याम: मे अव्याताः) ह यूल् (विकामिकः) क्रमत-वसः (अम-यतः) हे लुख्य मिन (अन्यामनि) आनिक-कृतिः (कांग्र- कापुः) काद्रा कर्ति (अंचप्त) कापु काद्रा (क्या कर्या) मेमार (मवाद्य संग्रह) मंग्रु (मामां । वासामा:) क्रिय विचित्(वाहुक्र) किमान (वामिक्निमेर) सम् विममा (विवाश (क) 112011

(लग मय-वंग सुमार वाल । जी साक्षर काल प्रवीवाक (मण्ड्। एर) किल्पाम् ; (क्ष्रेम्पं ं म्यांत् ;) अव क्याणु : (क्ष्रिकाम :) माल्यार (व्यवर) गावि (वालावि) कृष्टक्ष्ट (अम्म्यू भावि) व्रमाल (क्ष्या) व्यव विष्ट (क्ष्यू विष्ट वि सः घाल-ाख्यं (घामा) रमतः। जिन्द (पाला गात) देर्द अक्ष्य संग्रं (यन्य-म्यप्रं) जाक्य दें (भी नेपास्त्रसं अत्य. मार्थ भाषि), था : (वर बलापिकाल-म्यामकार-मसूत्रः हुई (इल्ल) रोमनामका (काम-मार्यः ख्यक्यानार्इ (अमालाकु के) यथान (सत्ता) क्षित्रक्तामुम्ट (मान्यान विकेष धरे भी भी समेशि में वर कि क्रिक्राहिसाय न्यापुन खिळ्यः) क्रम्मार् (भवार्) मिल् (भामकर् के न्योक्ष्मामिक्राः) र्वे वर (कस्मित्र) हात् नुक्र सामाल लावर (असाला भ) खांबर देखं) मेहार (ज्यानामास) 11 5211 (लज म्लामाअसमियावंति। म्यायाम् लाक मुक्किवम्म । ए) विश्व माभ ! (ए म्यवमान ! () नार्य ! जिल् (विराप) कि (व (वर) में मडार (भंभ-चाकार) लाख मकार (लाख-हमलार) अमारी ((माक्रिक्डि) , वा (अम्बा) किए जब लर्ड रेमड: (मन्म-वादः) वाद्वः (वाद्वे-स्रकामाठ लाष्ट्रियकार क्रमेश (लक्षीक्रकार,) कर्टेड (बहुन कृष्ड) है वर् (धान्तवर्ग)

(यत (अर म्मास्त) अलिमानिता (अलियमामानिता) वन् (मक्षार्क) सम (न्याक्रक्त) यमः व्यक्त । ख्रिला (बिविडम्)।। २३॥ (जा दुक्काय-। अप दिवा में राज्याद । ली बाह्य कार् विकार मार्थाकी में। (र्) मार्थ ! उन नमन बिर्म (मूर्यकाल हान) मिछ-मुख्या (भिक् समग्राम: वर्षकता में मेर्ना तसकिय) विस्तृत-स्क्रीर (खिसि क क्षामक समी किय कार्या ग्रेम : खर) किस्य-(प्रामुक्ट (क्ष्य- त्यं मा) दिन्त्रक) (याम देवी) अमे: (१ लय:) लगात्का का का का हिल्ला के के व मार्थ क्री: इटक्ष्माक का माक्षियं क्ष्मिक हटक्ष्मिक हटक्ष्मिक हरकार्यम्यक-अक्षेत्रः) समय-मात्राख्यं कृष्टिः (समय-स्थाकार क्षि व्यानम् - मड्डाडाएं देक् वा देक्व वाकि र त्या सन्) द्राक्षात्रीक (हरनेक)॥ ऽ०॥ (अम मक्सो डामा- त्वभाषाण म्यार मेळ । जीयन मम्म वाकार । छ) लाय दं । (स्थाकिक) अच्छा (वसवरपाक्र) गर एम स्मा- वसन-क्रम्म-वत्री-कुछताकाव डाण्डिः (हलातमा ह बन्भक क्रम्मक बली नज म कुलन कर्म कुमनी लियक उद्यासान निनेकी गडि:) त्रीडाना त्या-विजिष्टिः (त्रोडमा मूहक दं भा त्यानी दिः) थम्बिकाः (भूकाः) अपाद्भाः (अपिकानि) अय (क्सूमर्ण) नित्तीना (नित्तीम में भद्र (थालान प्रश्लाक) अयोश्वार मके (सम्भ)कालम्बा (में म्त्रीक्षेत्रः। क्रमार हैं,) वाहिं डल (महत्र कप्प्रमात्म निवाला न खानकारी:) ॥ 28॥

(अम मामामिक मार्वक्रमार्वा । कुंगविमावहमसिदम्। (१) मुलायम- इक्रवाद्वीते ! (बीम्लाय (मण्याने ! (क्र) क्राधिते ! (क्राधिकार्थिए क्रीनार्त । लक्ष धास्त्रीयक । वं) क्रं : (क्राम्य स्तात) ब्रियान्य-लल्लानिछि: (बल्ली अधनातार् नका प्रम्यान् लल्लाना निष्टि: अ स्य अर्थ (क्राय: (क्रिया) अव्यायमारे (क्रायम्यारे) मुद्रा (र्जा) रखें (कार्या) राय र क्या: (राय के के । राव: (य) यामा है रेश: केस: (म्येक क्रांस्त: अला केस्वर्म:) त्रा मा हत: (क स्तामा काम कामार का हल : (यक देकार्य वाक हैंगे व्यर्भ :) अवित्यार्थिः (बिरेस द्याल प्रामाहिक कता विट्या हु के क्या है:) तात्राहु: (इंडिड) अप्रवादिः) देमापतिः (देमाउनामनाकः) विवासिः (त्रोविः) श्रृष्टिकार (अय मा बड्क प्रेश्व क्वमूक्रार्) वार रेवन क्रेयर (मूनर) बामालि (क्षावाममाल व्यक्त वामालि)॥२०॥ (अय मंग्रेशिहक्रवाम् गायंकि। मीम्लाबस्मम्। (म) मार् कैक्साइडेंड अक्षम-यदं (किक्स) अवं दिन्हें वसे डंड लाअडवन-कारी अक्ष : त्रामा: यह: ममा: '(प क्राप्ति । लाभ- केंग्र-मारा क्षेत्र (काम्य मात) श्रीविमा (मीकृ एकन , जार इतितेन) व्यत्-भार्यकार (लाम पढार) कार म (अक्र (म नमान) वायर) भीठ-क्रकाम (अक्षीठ-व्योद्यामि) मूळ (ज्य) ॥ २३॥

(ला नमा नाक् ब्रम्पार नेषि । सी किक रामार । (र) मेन ते । (र्मे मेंग) यात्र । ग्राम्त । एव द्रम (क्षाम्) यमा (म्राम) द्रेग्ट का (ल्येक्स) लक्ष्यमार् हो (लक्ष्याम् क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यं मार्क्त mas mare (a sounte) min ova enfine (Cochon) अर्भ त्माक्तः विकलकार् (विश्वलकार्) लड्ड (आस्त्रावि क्या) प्रमा (अम्बर्) अले मुर्गार्थि (अम्बर्ग अले माना AGG)112911 (मैरी ब्रिय लाग्: लयर मन्मा: बरायर प्रिक्र का सिकार्यः MEG)11 2911 (लाम प्रम् त्या कु को में ता के कु । ज्यु के कि का कु ज्यु का मार्थ में)। मर्माः (वर्स्माः वय १) के ध-नैवलि-मुस्टिबपार (कैं मनवश्यर मिला का किस : ना विका के के प्रमार है ने कर मेर) वा मर् (कार्य) कक्ष म (माठ विद्यास्त्र) नम (क्रमण वाट- नम् इन्ते) व ् बल्माः (स्वत्याः) हेलानाएं (। निक्राम डविमे) अस्ति हं या (कामा) यह भी जय देवा शारी (क्लेकार्येश) कविशेषि यम) 112611 (देमाइम्माइम्सार । (स) मास्तीमन सम विवा किम निका लूड! (भार्योभनेम) सनक जाना (भारामा अक्रान मिक) अविता!) अम्म कार्यः (अम्मेकारिक्यालम् !) र्म वर्षः ! (विस्थिक्षेषः !) एर ! अभीत (भार अभी अभाभा दन) वि निर्माण्य

(भ्यानमन् जाक्ष्यामिकाम्) टाल (कालाम्। जर्र)यान-नेअयान (म्मू प्रिकास्) साका (क्रियाम) व्याम (क्याम वाक:) इड़! (गार्या) सम लागंड (गायड) में भीम म भीम (विनसम क्रण-मार्भंद शा क्रम । जिले कार - डक्षाना ए प्रवणह व डक्रमा लीयान म रेके रेक छाय:। यस म र्षवक्तिकापिम विलाध-सक्रमेण क्षिमाणील्याम क्रियान ग्रियान म्यान म्यान म्यान म्यान म्यान म्यान वर्ष हिम्स के कि कि है। एवं के कि क्राम्य मार्क । वित्या के नाम ने या क्षां वारवार क्यात् कार्यः)॥ २०॥ (का नियम मुमाइवंडि। सीक्क अल नामी मुगी वन्त्र) वादा (माकूल अत्रिक्षा (असात्मन अकिकिका) अले-(ज्या) अविकरिः क बामिडिः (कडभीडिः) निकिका (निमाविका) आर्थे व्यक्त (व्यापिय) अस्मिना (अपार) व्यक्त (अप) (व्यक्त व भीठे (धाप्रमः) म्लाह (उपका र्यमार् धाप्रमा कारा ।। १०।। (दुरावंश्येक कर्ताति । अमग्री कार कपडा मिंखेराताः ज्याना मार्ग प्रमम् । (इ) अभरमाम् । (क्रामाम् ।) कारं भाषा कलिचिलामिलं : (कलश-बिलाट्मः) दूमः दूमः (बामक्षायः) मामवाचा (कामवाद्यमें क्य) काल माटनाम (ममर्मार्यम्) नाम क्षिम (भिक्तिम) माने का का किया) नाम (क्र्रि) मर वन स्थामार व: (में साकर) स्वाटमार्ट (स्व: लासार:

30 Arrano मंग्र) निर्देश (विया) लक्षेत्र (लयत) किं कार्य (क्रियान म अंदेस मंद्राक्ट अवस-इक्स्प्र क्य (दे वि वि केत्) ॥००॥ (लाम कक्पार्विश्वास्मार बाक्षा (ध्याष्ट्री कि बेपा बर्मा) व्यक् (त्वय- वर्मे) व्ययमित- । ल्या क्रिया क्रिया (रिप्र इतं वाप्न वर्षकता श्री ह- श्रिमा से हिन्त कामन-क्मारिकाम्कोतः) विश्व के कि (अव- मेर्ग) लय(पाक) (म्मा) लडाक - याद्वां (लयाका त्राक्षा याद्वा भीटा मनं क्या विकार) यात्रां (अक्टरेक्ता) शहरा का (अक्टरे) के है सन MAN (स्म- वर्मम) अड लिलाए (अलु के प्रिंग्ट) 110211 (अम विम्या मितार के । मार्थी मार्थ के सम कर बह पता) शाक हिता (टेलाविकामि डि र्शकुडि: हिम बहात) पादार्थी (लिक्स मिनी) अहत-विव्हता-हाक्वी-हाक् हिडा (लहन-विव्हतायाः भाक-कलूतायाः हार्क्त्यार (प्रमेश) हाक देव इन्हें हिंड रेशि विकार मा। मा) गान्यात (गाम)यात (गाम)यात नामापि विश्वयक (विमालने) स्था कर्ष (माल मार्क (में में में) व्याल ह स्था के आरी- अकार भारे (विविध-वाक): जिल्ला अमात) अहे : (मूमका) (लवाकार्यक:) विमा-विपाल-वृक्ति: (विभार विभार) (तिसार्वे दिल्लीकान संनार्वे प्रत्यावित्री क्रक्स्प्या रे हिन्या. य (अग्रस गानं मात्राक्त्यात्र सकार्य सिल्माकुर्य कुल्ला में भित्राच्या है। विकतालानिती (वार्ष-कलार्डः वार्षिवध्य-कनाविष्णार्डः आयकि (धारुक हार आ) मुंदं येया क्रियंत्र (दुर्क्स स् म स्ट्रि)।। (अर नार्वाविकाममार्गाठ । भर्ममां न वाक निक्क -गका र) हिन : विक सप्त्रकं : (सस सप्तिमं अवं :) हिन : (यसम्बद्ध वादः) साम । (त यन्त्रो । ववः) कार्व र कार्य (वर्षानि) क्रोकिशानि (मुखा: क्रोक्ट्राक्ष रेवस्टा विकिसा इका:) प्रिष्मिनाइ (सर्भेश्वीनाश) इति क्रिक्ष (हिल्म) बाद्या करका: (अद्यारंग:) वैंड: (लंगक:) कार्व (नंड) विडें (dat 30) rig (the size o de) orgine (ordained) में सह कार्यु (मिं स दि त्या दि सां साम त्या कि दि है अप के कर के के विनामः) मुलानी (विमुख्ये) १ छ (पर्या! व्यामार्ग विष-मिन्यः)।। ७८॥ (लाम पळाम्मा पटा में में रे बंद । यो बाहा मा : ब्राय - बर मां (द) क्रमनि! लाला! ध्यार बाल-नव्यात-सूत् : (बाल नम्म : अर्थः) पूर्व जाताकाः (पूर्व - प्रमा कक्के (पूर्व - प्रमाश्रिक थमा) वराम (मिक्सन-म्यात शमिन,) यू मिल (अकामाल वर्डा देनारी: नमः (मटमक्रा :) अनः अने वर्षा (वल्लीन-व्कार्याः) जागां (क्राहा डवहाडि। उठ: व्रू) विवस (विभिन्न का नमले निव्हा दर भाग व्यव् व्यव मिन (मूर्) कि के दे कारी

(मुक्तायक मेन के का) देर (काभीन येश मं का मं का कि का कि का कि मिमियर (मिमियकामदान्यर) मनाक (अथर) व्यक्त व्यक्तिन ? (यन्य व्याप्ट 6) । का व्याप्त (क्यं कंपान के कट्टाक प व क्योगी होता;) ॥ व दा (ला संस्कृतिकासे तार बाहु। क्षात्रमाई कृष्ट क्षा का वा बाहा पर । (र) याम् । या मा- शतक्ष (का शक्षा र गर शतका) मर्के अया का (लक्क- विश्वमा यह) ज्यामाम कोमाक (म्काल) प्रकं (क्यां) रिकार के वि (अंसे) के कार्य प्रेस कार्ड किस से सार म्बिन (क्रक्न मेरिक लाम मिरियन विकार मेकार श्रिकार) मर्वार (लड्ड-स्वाद: भाभ केक्र्यम् सित्मम मकार कर्म कर अपार कर्मित्रकृष्ट्) क्रममं (लम्भेरं) इ १७० (बीचिक्कर) न दावर (मानार पर)।। ७ ।। (१ साइवं मा केवं सर्भाराक । रेम्सार काक का नामा वर प्रमा (द) साम ! (कार्ड) म्यामामारा (क्यामाना) कार्यमामा (क्षात्रामा) अमि (ह्यामि अठः) अर्थमा (रेपानीः) (म (सम) लिखिमार्वः (क्ये किका प्रसंपुरं) म मेकः (म सम्माला उत्यद्)। दि (भम्मद) जमुमीमर (धी नत्वाधीपि- जूमामर) उसक्षामार (अक्ट्यामर) लाकाम (लाप्याम)लाक्टा (कार्यमार (लमामवं:)। आवारं (ब्रज्रायां) म वपति (म ७२०) क्यः)॥ ०१॥

CLASS ROUTINE

| Days | 1st Period | Ind Period | 3vd Period | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| Tues | ert of | • | | | | | |
| Wed | | | | | | | |
| Thurs | | | | | | | |
| Fri | • | | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK



School of College

Class

Will Parto STA

194

128 PAGES

Price -/5/-

52

किरारवंगा खंद करक्ता । जाकिक त्वत्व व है है। देवी जी भेश-मैं आतुम्मे अं : सामिक का के कि साम्य) मा (इ में में प्रमा खितः) विंग (शक्ता) लाय हिल्लेग (लामा न नायलेग) लिमा (मियार्म) विकीसा (पदा प्रवास काल आयार निर्मिकार), लासी (म इंग्रं) में मान्ती: (में मा अक्तर कामी: कासवा मधार कर विश्व है है। कि प्रमा किया है मिला किया है अह । (क) यह सा (स्य पाद्य ;) क्याद (म्यूस्प्रांट) ब के सः (स्यु के कः) काम्य-मर्शविषाए प्रकर् (थार्थन - धर्म विमार निश्निन नार्युकार्ता हेर-(अक्ट दुक्रमार) वयर (विस्रावत्र) हैर (ब्युवासास) नक बार्क (कामम् (७)। एक (७व) पिका (ओकालान) अर्थ (ज्युमाइक क्चर अस्) दुरमार (मार्स्टम । लाद: वर) स्रामं (यर) व्यक्तिसंप (क्य किस्माड्या) हिट्ट व्यक्त्य (स्ट्रीके कं) यहा (हैं का) द्रा (नर्) मैका (अनस्मापम) दुक्त माथ मीमाप-सम-संब (अव अपेट्सं अविद्या) एकार्स वर चाडिएमर (लाड्मार्या ट्यारेश्वर)।। ११। (अभ रिक्मामिका सुद्राष्ट्रवि । नामी मुभी ्वाके टार्म नामी-प्रथम) हमा लगा (ह्याल्कां) असमा (मान्यसमाम निका बली मार्गा) हि सभी : (हिंसा विक्रिस भी की म :) छी द : (काकार) भेर लाख : (मामा लाहमरी :) कामार (काकार दाकात)

डर्ड्: (mमिम:) अमा (कारी क्रार्टनामामी) की लाम (गर्मन इन्दर डाउंति (लम्मायंत्रि) देन ग्रीहिंग (अर्थाम : हिंग) वक्वी (हानी) क्षकाभाक् प्राधाः (कृद्यमा कामानि कामना-प्यामानि कू मूधानि थ भा : अर्) सहीर् (धालेका नकार) नुमाछि (अय-अल्बादिक्कात्र निर्धायर कट्यार्ट)। अला (अवलाक्य) ज्यान कर्म भरताकि (धार्क भारतिका कामा नि) असी सामा किकी (समुद्ध राजा आखार) किका ।। १०० ।। (ला भाषी मी लाप्या में साउंति । अस ग्रें अल ना मं शासका दी-उद्दर्भ (क) आस । सुका किएको कार्या (प्रकृष्ण अभी) वाहिका लागे अवदायिकालात (अवदायिकाभागः मात्रामाः लाए लक्ष्यामार) । हि विद माया माल (बक्षामाल) बहिक्षि - मात्र- तक्षेता (ग्रह: हे पुर्वा विकामकानि सामित्र नक्षा मिले क्षेत्र के कलका कुरिवा- तक्षेत्र के न क्कर) णामुका-त्रिंग (पामुखाना: अंत्रमणा: प्रतंग म्भा) लाल में में में देश (में एक्न- मक्स आ) लाई (MIST)118011

(ला भीर्यामा में येतार बंदि। मी बाह्यका: यक्षार काल काम बंगमी-वर यत) किएक कि के के के का का के कि: (किएक बक् क ना मार का । काछा काछा र प्यादी र में का का प्रतार मने माय वा मिता : के हिः (आडा भन्ना: मा) नात्रालम म् मन व (नात्रान म् छन हे न्या मान का निता के मान के क्या छ । जिए का का मार्थी (क्या छा तार क्या प्रभावर ल्या ते । त्रिला ना द्या माना १ हाकिका छि: धकारे । दे व्या न में में ने म्या , मा) मह्याक पढ के तथा (प कर्ता, कि क्षा पर्ता ; देश्सा विसम् की कुडाल कुडासमूग्र थमा:मा)कल्लामा-त्रिक मक्तर ता (कल्ली मध्य का समाय्य एप भिका: अक्र-क्ष्यमाः मनाः (कः गरमार् काद्याः)।श्रेयः (याकः) क्षा (क्षाम् भूषाय) वैद्याम (क्षाम्) हार्यम (द्वामक्षेत्र) वाची अमा विमारमार्मिड: (बिलाम-ज्वरितः) ३(वः (अक्स्प्र) क्रिय क्रिय (एक क्रिय क्रिय) 118311 (ला घरातात- अति लिक्त - श्रिक्षे मिसार बात । कपडाइपिकांगः न्यां मार्गः सभी जी के कार्य । (य) (यर स्व । (यरंभी क्षां वं । क्रीक्क !) जम् असा वाक्रमक (सम्मर्गमान) व्यक्षितिः (कार्यम्(५:) क्रिकाश्य- सिस् वं (तस्यार सिस्वारा) वित्यनंदी (द्वित्यभ्य क्ष्मंद्वी क्रिय) क्या ही-भास-विर्वे लय-हारं (त्यरात्याः छात्यासगाः वंगगः यान्यः

बनमा सम-मूकामर विर्वे लयामर एता कामिया मान विक्रिक कारे कार्टमी कुटें थं जायं व - जिस सम्माम में आया है। (सर्ट) विञ्चली (प्रधामा) लूनत्कः (रवास्तर्कः) कप्रमाकृष्टिः (कप्रमु-के में स- सार्वेक्चोरं) पश्चा (काखा) श्रेष्ट्रिं सर्रातं सर्रातं) स्वाठ-कम्भी-ल्या विक्रेबाम् (स्वत-वार्-स्वाधिवा कप्ती रेब अवलकम्बार्विण ह भनी) वर्षा 118211 (पाक्न विम-वमिक स्मार्गित । समग्री व्यक की बिकारी-यहमस्। (र मार्भ!) भा (इथ जानू मान्त्री) पृलाए (मधमार्मः) अयर (त्या,) कुन (त्याका सन्) लाश्य प्याकुकाभुक्त (मिन्य- क्रक्रायर) ५: (क्रमार्क) सम्प्रित प्रिक्रिक ((अरमें क्यान करवार मा) रेवलमें प्रामुण (न्यावाद्य) (बस्मा (ब्राम्म) (अय-म्याकाहः (व्यामस्द्रः) १व मिसिय मू (मिसिक किस्?) 118011 (वक ब्रमाक्त्रीयमत-गमक्षात । (व्यम्सामी वह पर । (म) द्यात्रं! (काराकः) अवाद् । ८० (वर) तथाः (कार्येष् (कुष्ट्रिक्सा) कर्रम (इग्रम्) प्रत्यम न न ने क्या (प्रत्यम रेम्प्र वर्षे माठी पारी जमा: अली कार्न कर्में । में कर) देश मन (९० समामाः मेका तर देव देवप्राय रेक्ट वाद्येत्।) डेप्यू तं (विकारिकः) कुर्का (कूर्याम) किल

के यह (के या भार करते मार) या भाषा (म-सम्मका में बंद क्रक्टी) विवि कि ग्रिमी- (वादिमम्बी- श्रवी- (विविक्रिम्दिनाः जिमान्मः (वालाम्ह्यः जिलक्षायं क्याक्रमत्रायं क्यांक्री उम्मान्म (काराक्र वे वाम माडी का ; विमा) कर स्रक्र मे मुख्य-यते-अक्षर (काम्रक्रमें कम् कित्म कार रह मेन्रड यते-मा करत ६ म्या के साम अ १०००) वि प्राया (विश्वाया करता वत-आम में कर रे हा) अक्षीं (प्रकेष क्ष्य मीय) कार्स मिकार (हमाक्कर) हकार (क्वरही) ।। 8811 (ज) राहर के उत्तार्ग रहप्ता न्मारास्मार क्षमा । (इ बदिता हैं) कुरिया है , मेर (अर्थ) म कार्य (म ज्यारे), किन् ध्या १ में (भूका) उस्ट टकेट (मकेट) ल्यामीस (क्रमाम् । महः लकः) किक्स वृद्ध (वर) में के पुत्र पुत्र) (रिक्स) क्या पात (बीनामि) शेषि (अड: इट क्षार अमित किट (क्षार) 10 (MOSTA) 118011 (लग अभी अन्मित्री नाक्षेत्र मार मेलि। र्नाट मिल कम शासि विमा: च्याचामा वह मामिक्र । (इ) मार्ग । क्ट्य ! (इ०) बल द्वान में) (मालवाजामा कीनक्या) स्तूर (प्रनः वीक्कामे छार्यः)

दमारिका (बर) लर्द (स वज्रविस्मूर) इस (लाभ्रेस) सभीमद क्षित्रमार् (वम्म-वस्पार) सर् कुर (कर्म) रेप्पाडि (दै:मन्डि)। यात्रितीयार् (अम्प्रक्ष) माल्बार (प्रार म:) मलाकु (महनर) ल अमंद्र (लाम्यक व । यः) प्राध्यकार्यः त्या दी म्यादीर (त्याद्रीक् विक्याक्रिकाः (०४ साद्री ट्यायाक्ष्य न) त क्स भा छ । किए (त का ना छ । किए) ॥ १ छ।। (ला केका लेगा व भी- में मी में में में प्र के के पर प्र में कि मिर्वक्रितं (क्रिने-विलाहतं । व्योगित् । देर बिल) नामाप्तानं हामे-भूवती- (भला ह्व : (बाधाका हलका ध्रमाना त्रव-क्य भूवती ध्रकाम: क्याना ध्रमान विलम : कम्मा: (अता ह्व : की ख्रम्ती ह्वा :) में से ! (से पर्यः) अपे (माश्राह विक्र में 1 पत्र) केर ला है के (स्मा) के व: (क्सार टिका: जिस्सा क्सा: मक्रमार) के पूर् व्यान आहे (मूर्यः) मार (जावर , क्लामि न जाविष्ठार्थः)। म वाबामार (मक्त्यामार) भिक्वम्य (मर्टारम) ब्रिंग (आव्या कर्म) स्थामकर्म (स्थाम शक्रम लाहरंग मुख्य) । मेरके (मन्ति) थाने धाकाला व्यवान्ताः (व्यम) स्क क्रानिस्क्य वृथवालः क्रिक भावारः, क्रा पः हातः श्रूर्णः क क्या अर ((प्या अर) अर (विमर) अर (विमर) अर (विकास:) न निन्द्रा प्रांट (न बागित । लक्षि बार्म्प वर्मामा क्ष्रमणीय and water or windows & the Jus of 4

मार्क द्रक्या: । रेकलामेंबार रेकलामें में कर मिले के ब्रह्म (क्रमा) 36 अक्टबर म मिक्साट इंबार्गः)॥ ४१॥ (७ भ म ह छा स्थाय कि मान क्षेत्र के प्राप्त के क्षेत्र के मान के कार के का कि (त्यान:) लामाण्यामं (भ्राम्यामं) क्षेत्रमाण्यामं (माना-वालीत) व्याहिताद (किनाव (लेका का का पर के न वाप । en) ang ((a 2 26) 1 x (a 200) 1 m x 2 20 (A 2 4 -में करमें) मान (माहित्यत । कमा) लक्षाक्ष्य (लिस् दुक्स पर धक्रम्ब्यमः वा) अम् र मय अम्य ब्रं (मरीम-अम्यम् ११) १ (ल्याहरपार । लग्ड थयः) लगेर (ललवंड) किं कर बार्ट (20) outerate (outer)118 p.11 गम्भः (त्रायाकामः) यद्मात्राम मित्र सक्समिलिनाः (मरेक: मफ्डाने: द्विडा:) ममसार (मक्कः) भारी वा के विश्वाः (भाषेवाकर्षित: भीकृकाकर्यतेकावित: विश्वा विलामा भाषाए वा: कमार्का:) में मार : (में भागे:) मार (विवास (क) 118 का। ब्नावतम्बर्धाः (क्षीवाधायाः) छाः सभाः हू न्त मक्ष्यम् : (मक्ष्यक्षाः) मणः (मुभुवाः। व्य) काल्हन अगाः ह (काल्हन) निष्णभागः ह (काल्हन) कार्यम्भाः ह (कायर) जिनमण: १ (काळ्य) अवसासक्रमण: १ (द्राष्ट्र) 13 m ou; (12 mon;)11 8 m (01)

कूम्राधिका - विकान - विनिका लाः (कूम्राधिक व विका व विनिका व कराताः) अर्भः (कम) कर्षेत्री-लान मन्धित्कारनः (कर्षेत्री ह स्तिम्यू विका ह उपाता:) तिला मणा: ह क्लान म्यी-वामकी-बाभिकाकमः : (नान्यूमी ह नामकी ह नामिका ह जनानाः) व्यानेम्बाः मकीहिंगः॥ क्रमा ००॥ लालेमूशी-रामडी-लाभिकाप्यः (लालेमूशीह रामडी ह लामिका ६ उपादाः) भारतम्याः (अक्लीडिनः) देशाः(वनः) चारतेषु रेपा वाप अत्याः (ज्या वारतः) मस लक्ष (कर सम्भय-* naic) ua: (21 21;) 11 c51, केंद्रअभिक्षे सेंसक्षा सत्याध्या कत्या श्रिक्षी राक्षेत्रिक्षी. कलर् मलनी भर्मनी भामनी काममा (७३१) आमे कमार्यः (आम्यम् अदिक्तं;) । खुरम्भा (व्यादु)॥ ७० ।। अविमाभिका (विमाभिक्यां अप्र) मिला अहिता (हिन्यं अर) हस्यक-लंडा दुले विभा रेल्याली स्वामिश्र रेले प्राप्ति में सक्समा सिमा: (अक्समिस्मा:) देश्वः (१वाः) व्यादी द अवध- व्यक्ते सभी : (द्याह)॥ व छ॥ न्याम् (पामकामीयार लाकुरण मेश्रामर) हिरा : नव (मामकsiglin: geninal gandalin:) (an: (a)ai:) ask-कार्या (अवासार्कार्य राज्या) मार्क (कर्णाहर) महिर (मारक) बार्ट (कराहर) डाहर (म्यासामार) क्याहिक (बमास्त्र) न्मार्डकार) इस (मेरे) अमा ((प्रमादि ((प्रमाद हर) ये मेरे (प्रमाधिक EARS)11 @@ 11

इह (अं त्व्यात नामुमं) र्रा नाम नाम नाम क्षा के न भम : (त्युन- यम वद्र)। तिसे १ (जवायवंगाप्त सद्य) काम्हर भार र्रिव-१० वंगहः (जिम् छ री हरम् छ री प्रभी छ हरि)। अम : (अपम : का लेह दारे) अक्षमाहः (अकाहर् वर्षित्र मणाहर्षाः)। यहा (लिला गरं) महाकातिः (महाहिका अक्षाहिका अमीहिर्दा । इक्रामी: (जनमाधन: लबाक्यम् ल (कर्त:)॥ >॥ गारि (गारे नारम) मूल वस (म्यांव-वस) असे भागां (अवक्षांत प्रातिका) प प्रमाति (प कक्षाव केष्ट) रह वर के (लापुरास्पर त्यार श्रम् अध्वत्त्र संग्रं प्रमा) मार्किक में च-मानिकारोपे अवतः (कार्काः क्रेसाः मान्का पक्षर्कित्र) म्राप (डत्यर)॥२॥ (वच स्माहार शका अमान्ये कि कि : (बाहीते : भाविते :) नाम् ने व्या (में कि के क्षांत- बंदम) करवादा (वक्ष्में व कार्न) म इसा (म मीकेश झक) रह (लामुक्रम्०) वर (व) यामक-मक्ष- (क्षित्रं (द्रामुक्क्षा अ (द्राक्षण प्रा) कर्म्य (क्षिक्य) वस्तिः (वस-बिल्यमा) लाल्यमा (लाकाक्रिया) लय-वारिकामार (श्रमकुमारिश्रक्षा मादम्य नत्वादा (श्रमारि-कारिकारार) (माक्रूनामुक हुनार (माक्रूननकार कर्रन-(माम्मामार) कूल (क्लम्) अस्तिन (वितारि 2100) W.) 11011

मामार (अटबालामार आक्रम-मेलबीमार) बिक्सममाख्य (मल-मसम्बर)रेकिए। (यमक) मिकार (ज्यामकर)द्राजन : (आहमा) डायमा (अक्क अम :)मा (धानिकांछा) मूचा (हिस्साल) मध्रिः (७४ में : डक्काते :) थाल प्रमा (इएक्या डरमर , स्मिकाता निर्ण डरम:) 11811 क्रियाआंता बर्धामुस्स । क्रि स्टि:) खिके हि: (विवास साम्:) (वर्षा अंत्रे विवास में प्रमाण के में क्रिक्श के में क्रिक्श में में प्रमाण के सम्माण के समाण के सम्माण के समाण के सम्माण के समाण के सम्माण के समाण के स्वादः विकः (बादाहः देनमाम्बर) वार क्याहः (बिह्य-त्याकार्यन्। मान) (कुक्र्यु 6 वर्ष ((कुक्र कु म्यम संखुर्स) नाम-ल्याद्र से कृति (क्रकामंग्रेय सक्) श्रिम् (स्वतं) ग्राम्प चात्मायतः (चालमा दुत्तनः) के काल (काक्रावा द्यातः) इड (धार्म ! जात्रार्) तमानीतर् विक्लिस्तन मह्म : (अल्डालक्षमक्त जीमन्तमक्त का की कुक भ कूर् की छः ब्रिक्स) मूक्य - अम्बी-मक्षाबिन: (मूर्टिंग धार्म आमितः) जर् (अमिकाकार) विकास (अविकासिर) विकास आमितः) (श्रवनकः) कः क्री (त्रा मम नाउँ (क्रा ना :) अमल (आस्मानि म क्ष्यमिनः)।। ह।। इति: (अक्कः) के नाम (क्याहर) प्रम्पा (अवक्राय-भीयगर) हैगाहक कुर्र (अप्र ह के कुर्र) प्रमाप (अकट्राप) का न रेपा-विक्तः (क्षे क्षि गम् म ठमहेवः) कि निक्ति (क्षिक्षकोक)।।।।।

(ब्ला क्लेन्सात्रीक्षार) वात्रावस्विधि (वात्रमा कावस्विधि) के त्ये प्रथानं (लाजाधानमं के का) उत्रवा (मि विं के क्राया) सर्मा (अक्टिक मम्बादाधमा (अविकास वृक्षिता) शर्नेभ (क्येडिक्य) मंगाक्षा-भीतः (प्यावस्त्रमाहः) तेकृ (यक्ष) के के लाकायर) (मामानुके (ए क्षक के के) मा (कि स्थामें मुके (मभक्)मनार्म्हा (यक्नान्ति वामीप) उत्ता (क्राम) त्रामांगः अप्राम (अर्थः) डड । (अप्यां मेस) स्पष्टस (महत्रें द्यात) राम्भ (वास्त्राम्म :) म्हान (कार्याकार्यम्) कार कर्म । अन्य (आः त्याता वर्ष्याप्य में त्याप्य) अ विश्वा अर्थ अवर्थ अ द्वा भारती नि कि) भा हर्ज्या प्रा (हर्व है अम गुड़ में खुड़) अम्बे (अ अस्मार्ग प्यार बुक्टू) म लका धानीर (म ट्याना बख्य) 11911 (अश्र आमानामा रेक्णापे-यहत्वन टेमाने अजामाने यसाप्तार्वः स्थिनाक) स्थायान्य: (सम्बाक्त्रों साहावंत्री आकृष्यंत:) व्या जात्र अम्माद (जमा जावमा बद्या मक्ति श्रेष्ट्रम व्या-बाममा व्यम्प्रद्रिकाः) जात्मे क्षेत्रिक्षी (कृत्र्रा) अरेक लाज (सामायोसरेका) लाज लाउद्यामार ह (अकिक कार्या तामार प्रसिधार क्रियाय के लावाका आहे) अवकीं ग वर (इव) समावा (मित्रीका)॥ ।।।

(अन्दर्भ) (यायामाना वं या नामान मान्या व्याप्ती व्यापती व्याप्ती व्यापती व्य क्रमाम्नेक) अ दंबलात (वर्ष साम्मेका: प्रायुक्षी अर्देकराय?) आसामी (भाकाव्ती) वामका (भावी कवाक्)। सा (विल्ला) अवर (अवकात) यनार (नव) रेक १९- (य व कामुसाज क्यार कार्यामा रहेल । क्वन्ट्र) छ ने हीत ह (अपने क्या: (विश्व विश्व कि क्या) क्रामि (अनेवाले लाम) क्रामि. अन्दानः (मारि। क्यल्या क्रान्देक्तकार्)। अनम (मामानाम) भूनेत्वा छात्रः वव (वक्ष) कपाहन (कपाले) भूत्राय: म (म वडिए)।। ग।। गः (गार्नेकाः) अक्षुन्तः १ वर्षा हाः १ विद्या (विविद्यम) लाक्का दिखा:) क: माळेक में अप सक्षा चया है। रेकि विका (विविधित) मण: (तिभीण:) 11 2011 काक्ट (श्रिति विकास :) श्रीमारंग: क्ट (श्रिकारंग भाग्का मं असिका) नव द्राह (विक्काकर सकाप्तिकतर) टिम यमं वर्गिक्सं । ज्यानि अवकारीयाम् (अवकारीयाः कार्य) में कुद्धार (अवश्रामंग नामु त्वाक किए करं तेन पार) 20 (Date of the Joint (ad (अध्नुत्य एक द्रक्त (क्त्यनार्ग प के अवस्तु ग्राम द्राष्ट्र सक्स्) लया रेक्स (र्य लय अंडिक्स्) ॥ १३॥

(लाम काश्रम अस्माक्षाइ) दकहित (माल्यः) अवका मार्ग चन्न (मध्येम् अर्भ की मा माक) दिस काल किया हिया की मारिया हिमार्यमे (छप्ट) जन्न (विकाय्या है)। प्रक्य (मास्य) भवकारेक: व (भवकारात्त्र) चणत्त्र (लण्डाक्षेत्र) अः क्षियां (प्राप्तकाः अस्ताः अवस्तायात) रे क्येदि (M28)(8)11>211 (लाम संस्था-प्रस्नार) प्रवत्रः कामा (प्रवं वतं : प्रः असर रोक : काम ae मार्गी : मा) विक्न (ग्रेज्यिकार) यामा (अयाक्षा) अभी यामा (अभी मामसीना) वं व्हास्त्रीम (अञ्चित्रम् - (स्त्राम्) अब्राह- शक्-मेर अर्वे हार् (भडीडः समका द हाकं सामार्यः प्रदेश कराये देवा का अ क्या कर के किन मा का का का किन किन (क्य में मान्ति (मिर्ग) के अलवाद् (क्षः अभवार्धः (पन जभा दूष मारे) वाक्षक्ताव त्नाकता (यास-का-लेख:) खिंगाखारंगाक्ष (जिंगाखिंगक मध) १ अम्डित (अम्मेस्) मता (अयमेता) भारत (अन्डिसाम अकारण) विमेश १ (अवाक्षेश १ प्रात्ता) सेका (क्यान) ॥३०-१८॥ (ज्य नववम्यू मूमाप्रवाण) विभागामाः भाभव-।भीभीत् (ट्रमणवक्ति। भी अवंत्रमर्ता) विवंता (विवंति : भका न मार्ड जभा) ट्रोयम-असी (धोचम साल बमार) भाविला डि

(क्याचे क्याले आले) त्याहत-क्रमतः (त्याहतक्षः क्यालः) पीमिल (अकामा) वमन-मूबिल्छ: (वमनका: हन्दः) विभव्याकि (मम्बन्साता डवाके)॥ २०॥ (दिमारवं भ्रिवमांत) सरम । यापी-व्याम । (यापी-यं न व्यये तस्क्षं।) वाझ-यळ ह्याल: (क्यां कामा: यळ: त्यं : वरं क्यां ह्यां ह्यां ही नार) व्या (विध्य) समार (हिं मृती ख्व) भव (भमाप) भूतः (धंक्त्रार प्राप्त लाट्य १) शक्य म- येशपुः (अक्पूर क्यू पर मियर करं अरं स्था में मित्र : मिया) लहा : विश्वा दिहा । (प्रथम जासमर मन्यक अवात्वक के ब्रेक क्या वस्त्रावहः Ceका) र्यक्षित (स्थायात । बाष्ट्रकः प्रव्यापन) अन्यो (डिं लयप्पक्रं राठ) जारे के का द्यास कि का अप के का खेल ह (आहे लाकात्म) काट: (आह : लाह आतम का कामाति कार) व्यया-तिका (वांचा भक्ष-मान् धंतप्रद्राः क्ष्मायका ह व्यर्भिक) कर्मीत्से)मत्वा व्यापा (मर्वे वास्म देख्या वास्माप् कमा मना असर देवन्यवा हाक्ष्मक)देवं वस्तात्म (देवन-मैसियामात: (मैसमांग: कार्य- प्याकांग द्रमात: द्रिक्य: कमा) क्रिक्ट अभि संस्थानं अह द्यातः दृष्णका विमा) वक्षान्ति (म्यक्ल कमत्ते) त्रिष्ठ-कता (विकाल-त्ना:, भाभः । श्रिष्ट् मापरात्रा : जत्रा वितास विलयन वर्षा)॥ २५॥

(भवका साम्रम्भ म्यार्गिक) मान्तीम्की धनाम्बर । (प्र) बाल ! (क बराम !) क्यां हा अवर्ष महिंद : (क्यामा-यानका तिहः (क्यो द्वाडि: (आलीडि:) हमार (इमर् कृष्टा) क्रिं आडिप: (क्षीक्क्रम) क्याने मनाभार (गालन हालन मर) वन आलिका-विवृहत (वन-यापारं अमार) लाम दुष्मामर (इसर) लामस्मा (सकामाम के (प्र) माम । वर मार (सम्म)ला क: (का माम) नवीम: (न्डम:) दलं: (बिलाम:) अवाडव (अवडीर्न 300) St (20 Not) 11 > 311 उर्माश्वमम् । (य कृष्णं) नव वामिका (अप्रश्नवीम स म केंक । लाम बुं (शस अमातः) विसेक (आव्येक्स)। लाम (लयायक्त राठ) अद्यः (यथिनेमः) पक स्यः (प्रकृ मैंश्रेट : (र्थिक्श्रिक्श्रीरां मम्प्राप्त कुल्:) कुम् क्ट्री: निवधिक क्षि मामार वा: उपमेस्त्र :) निवस्ति - वर्षा -(व्ह कार्या अम्म) विष्याह (समाह)॥ अ ॥

(क्टाउन्मेयेक्सं। स्वयं काल-स्रक्रिक्यस्यमं। विस्ता) मस्मा- वास्ति (मस्मागा: अपने) (सा) विल्लक्यार (पर्मात) हास्कार (अपानुकार) स्थित्मश्री मे क्रिक कार (समा सम्बर्धमन ₹ रिक्स कार वसमम्मार वस अक्षमहिं 'क्कः कर्त लयानेत्र रोक मन्मा रास रेका मिनानिकामिकारी:। उनमह मग्रीएमिन) लाम् । (साम् ।) सस कवं सेक (इ.२० का) इंडि अक्र मक्षर- वर्षा (यम् सम्म क्रियम्पास्त्र हार) राष्ट्र म- (मान्य (राष्ट्र म व व व व व व परंग्या अप्रकाशक (काउड) आवास 112 %।। (अग अग्रीबना मार्गा में मार्गिक । व्यक्कि वार्ट- पानुका बहमा । (र) उपराधकेला । (तार्ं) कई कि (क कार) कार् * (श्रुय-पात्रायन्ति) हान् (हार् सक्) लग्न व सकमार्गुः (मूट्यममान्नीर व्योचार्यार) म व्यर्गाम (म प्रवास । थड:) कः कुछी (विकार्भः) वनः कला क्या कर्षं (कला डाक्यम) किवामाभी कर्व अनुमार) मरवास्थर (मव-विकासर) मालनीः (अमिनीः) कत्याि (धर्नमेंहे म त्यामीयार्थः)॥ (द्रयात्रं प्रश्वेषतं। त्या दिं अभी अपि स्थारं प्रथमं। त्य) भाश । सना इर (लाभुय) त्यान्तु ऋष (कॅसक्सेंस-सामा) म श्रीक्षा (म अभीक्षा) आरे । (अष: प्रः भार् कार्व) किर् (कभः) दीर्घ त्वाम विकरा (दीर्धन दीर्ध माम्मानमा त्वार्धन (कारिन विकरेए डम्इनी?) मक्ती (कि डमी?)जनावि

(प्रावंताम)। १ देयना (१ जयन सर्व प्रावंत्र व्यान्तिम सर्वार्षिकेकाः) वेस्ता (१५ (म्स) लच (लभार) क्य मत्य- व्याद्विकारं (लयक्षेत्रामाय के व्याप्त व्याप्त इन्ट (क्युम्स न्नक्) । क्रम्बर (भाक्षक्र वता) लायं कुं क निक् (किं क ट्याम)।। २०॥ (मरीए-वज-सम्बाक्ष्मप्रवाद । स्वत् भाद की क्षवहनम्। (म मारा !) विमातमामू श्री (विनास म्रांग भर विशा के के की भा अर्यो) अ कार कुर्यम् छ वमा । (तिकुक्ष खरम्म) हार क (हार कार) हिनान (ए का कीन का) अमार न का (amos) मन): (जवक्र नेरमक) कम्म- जवक्र प्रकं नाविका (करमान जवक्री व्यक्षामधामा लक्ष्मिक मभा: भा वक्षाह्वा क्रिक) सती: (वरअपन न व) द्विता (पत्यता) किन्ये प्रविदेश (लंबा बाद्य करी अने वला) हैंगं : (अप :)। स्थासन्त्रामुबंद (भिकामार धमुक्समार मभीमर ।भिकार क्यामर)भाविम्राते: (टमोन् दे: मिनम्प्रादि-मद् छरेन निक्र : के आक्सी मरी) <u> व्याक्त (लाग्रेसिश क्रिक्ती (काक्रा) अधि अंगु-</u> (प्या (सपडन-अवस् रिपरम) न्यासमा सम शादः (मनः) अप्रय (अन्वर्ध) रहे (धामार्थ) मिर्मित्रिकारीः)।। २२॥ ((वायक्ववाक (त्रामा में मार बात । मीकिक का का अखिकां रिनोर्गा: अभीवष्यम्। एर) कपस्य-वती- ज्वाक्षं! (कपस्यमानिशाले-कार्य क ; आर्क क ;) नामा भुदं (मामा भ्रे बाहिकर त्यान के वा सिकार् ;) अम्मालवाद् (भिष्: जिल्पात्य विभिष्ट: कालवाद्यः कालव-मार्ग-मुरा कं थल : ममी वर कमार्विश) लान बार किथमा : (अमिहिडा) सि समी (स्मा) कर्ण (यह अकारम्प) अक्रमा रेव (क्रमारीमा रेव) वक्राउ (क्रोविश मिन्यारि , त्र : व र) रूमार (सस अग्रेर) म खिल्यें (अणुमालाहिया (साम्य) इर्ड (सस सम् द्रामुं) बकें (सक) विक्रां (outo)) and (mys (and there) & took (state 1 क्रमा त्यापल विभूष्टा कार्यी: या : प्रभा नमारि त्यापम (सर लियिक मारी कियः)।12611 (भारत विम्नेश्री क्षात्र) अर भारत विम्नेश (भाम-अवाद्यानी नारीका) मुखी जभा आअक्षा ह रेग्ड विश्व (विविधा के दिना) 112811 (अस्ती स्पार्शक । इन दिनाए धान । आक्रकाक: सभा: मक्सरी किआ गा. तथा विषक मिति अ जक्द : 1 वस यह जातु. रम्भाग दुरह नित्त । (इ) मभी: । क्रारिड क सामारी (स (गार्का लड़ार्केश अर्ककं क्रीकिक) केमन्स तमसस् क्रमेल क्रासि सिंग्स्य) न्यान महाना : (मर-में अपसी)

मळ्मार् (क्या सम्हिन वर् कर्माम) मह्य (म्रहद्राक क्या) क्षीक्र ने वास्त्रिया (क्सा चीक्ष्म्मा क्षेक्रान पर्णात वास्तिवा व्यात्राक्षेत्रवा) (म (मम) हक्ष्मा कार्ल कार्ट्य: (क्रड्य:) बामार्ग (जपानीर विम्हा : , जमा) प्रक्रवमना (अधना हेम्ट सम खिर्या क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका कार्या हार्टका नि (क्स) वियाने लाय नेत्राच) कत्यार्थ। साय-अयत्त (सार्यकात्माम् कार्य नवर के द्वा) शत अवगावाद्यः (मक्शक्त) अद-त्य- व्यमादिमनेत्र) एडदः खलाविक्रावः लक्टर । वतः लाउं) किं करं अपन (किं केत्यार)॥ रदा (लाभाषामार कार है। काहि निक्का निया सका: भामनी: ल्याक्ष्मी र) मा : त्रिला व (ज्ये किएक के महिकार) अप प्र लिख वासार) त्या हाय- लक्ष हा में आर (ध्या में प्रामुक्त) भारामुक्त (व्यास्त्र) (व्याह क्षेत्र में में में क्षेत्र क् (अद्रभा बढ्राड केल अव्याभकः उभ डाय: अव्याभक्षामिकार्यः। त्र :) सार्य कि (साम द्राक्त) यूप में यूप (यू यह ते) सार क्ष्रमण्डि (क्ष्र दिय जार ;) समादि (साद) त्या नार्यात्र (सम हिन्द्र) (यलम् (कम्मः) वक्ष (अम्पि)॥२७॥ (प्रथ मक्तानक्षमभार) मधान-तळ्या-भवना (भमातो कटला)-लका धमनः कामक धमाः मा) (यापा अक्रे भारतिनी

(का कि भा भा) कि कि मा सु वहना (कि के १ मा सु वहन १ तत्रोत: या) टमारा वे- र्वा व अक्षा (टमार न्या प्रमेन्य अक्षा अक्षा मा-असा थाउ यम क्या हा प्रवा असा वाम मार्थान स्वान स्वान (भाम- अम्मित) रक्षममा (७३१) कून कार्ल (भाम) कर्कुला (काक्राया अल्ला भारत्या) रह्म अ०० (ब्रब्ह) 115011 (जार समाय-मक्का सत्ताम पार के वि । जारी (जो नक्का निकार) मर्क क्षामंबाता) के एक (बाह्य काक) ध्यमलमें विकिवार (बिक्रिकार मार्ड) अहः स्मावः (अहः अहम्बः (अप बंद सक्तर्यामा राम अरक्) वस्तर (कार्क) (कार्कातर) मसराजि (मड् कर्नाजि। जक्र) धार्मम (श्रीकृत्क) धराउ: (अम्य क्ष्म्यार्त) म्लर् (मृबिर्) निवर्गार (निक्रमारे मार् सा) लार्स (म्युक्क) (काक (ल न्या) व र (कार) कार्य संबंधिकाओं (म स्तारमा) वन (मी क क्या) (मा दं (इस्ट) कामी (विश्वासंग्राम)॥ २०॥ वार्ष । (७ (७४) क्रां : (क्रियम त्रम)) विश्विष : (विभाम :) मी मध्यम रेत :- किल प- छा अन्त के क व सम्रिक (मम्रिक अल्प्रेसलीम अवाडवडीडीर)। दुक्तीमार (अल्प्रेसलिय) इस्राख्नेत (इस्रांग: क्रम्नु व्या: जिन्द व्यक्तार) दुक्रमाद । केट हर् (क्षिर्मेग्यर) चे महत्र मरीया : (टक्स का धिमे प्रारे) विम सिट् (वियांसर) हात (हामंगेल । ला : हिं) प्रांत मर् (अँम ब्री पढ़ राक्) क्कान-राम-हिलामान: (क्काप्रकृत्रामा गढ़ी-बर्बायाराक् हैं हारापु: ।आरंबारापुड्डिका) लाम (ह्याम) 115011 (कि।केर सम्म (लाक में मार का । कमाहत न्युक्कः शहुमार्थर-मधीरिय वर रायक्र ने भूने मी द्वार में में में की नामा माना कर्ने दे -त्यामार् मूनी (व्यावेणकाम्। ज्या उक्षामधीमा भीयाका कल्ली बसवस्कालिला क्वामें। पृत्वः माहुकस्त्र मृह्योव।(य) यम्बङ्गासाकर-वाविद्यात्माल। (भभ बङ्ग् भू १० वस्त्रम) लासिक्रमा कमलमा अनिसालन (अनिस्ति हमाड । (४) किस-नेशव । (केक्यप-नित्व । काला के क्यायात-कार्य । व.) अर्थ: (सस अप्रिय (अप्रवास) (अया में बद्ध (ध्या में क्रिक्ट क्षेत्र) स्ल- प्रिंश - (भवाकित) कि देखें (कार आर) ला बेंगारे (वि में) के के त्य (प) कमक । (क्यर लगक मर्युनं के कर क्षिति: यभा कमा प्रसाधितमः), व ्यदि क्यांडि: ग्राहिड: (गाकून-झमा: थाने) जदा अत्य (अयर्ग अर्थ) थार्य क्लं: (मिरिष्:) भूषि: भा कुळावे (ववन-कार्ड :) भूत्राम-इसे (वसामायो- वक- प्रकेष) माह (मक्र) ॥ ००॥

(अ (मारा छ - मून्ड अमा मू पार नाड । कि ् भागती कि मून (लन लुर्ड: क्रीकृक: डंभार ! एर मार ! पर) ज्ञान (विगड-ग्राची) चाल्यमात (चाल्यमामार । अह्यार लगा) जाम यम प्रामु कार (क्रम्य प्रम सिविशं आर्व ग्रेस्ट्र) मिश्मीलिकाक्षी (मेरिक-नम्ना९) अथा दिक्षा (नित्रिक क्लिस्क (विस्त्रिक-(कमरकामः) अमरीम- राष्यति (अयम- द्व- ताजिकः) मापिक-समम् (इसे हिंडार) अम् जाम जा वादार (अम्ला: आरिका लाम लाया: मराया: मंग ते क्या है का खिका मिकी में क्या मार्ककर सामार्थ (हिस्मार्थ)॥ ७३॥ (कार तका माना मेरा उंग्रेश । यामिका मिन की महा मारमा । (र) क्लाम् ! (क) आम ! व : कामा: नव (शहा नामक्रीलाव दिवास । उड:) द्वारे कि शिव (किं पार) (भावनी मं (प किछिमाले (जब समील सम (मान्यकी न्ये: । ७१३१) (कान्समाप्त (कान्समार भी कंक कार) सप्तार (सप्त: कर् भारत (मधर्मा) न कार्म (न क्यारि)। अहि (वृ emre लायां) में में में में मायह ने क्षियं (में में पूर में में में में में कि (अधुकार-०१- मुक्किमार (अधुकारंग मक्तारंग: क्टेनिक्टारं शिववाहि दे अवगर अपि) अपाव (NO24) 11 0211

(स्पट क्रकेश्वस्ति राष्ट्र । हिमाम भी संदास्तर । (र) थाव्य । (कल्पर- हित्त । दे ,) मैत्रा (केम) मार्या अम्मति (सामन) दुसामति द्रम्यारात) कि (कार) काम्य (अन्य म्यामायने का) मैं अंग्रेष्ठ (मापुर मालनाम) जिनमार्च व गाली म्य- विस्तृ (जिंगम् वर का का का का माना अर्थ भर के का मा जिंगम की क्कारा वार्य माना (कार्यन-विकाल) किए म (कार म) कें क ं (स्माहर) हार सि (का का) (व (व) के के प्रमान में र भारतः (क्रुक्टवम-अट् : जीर्कः) भूमः (पाम) जामारि (1क्रिक्गार) रेट (क्रिय क्रिक्ट क्रिक्ट) अर्थ (क्रिक्य साम) के आप्रका वक् (के ला-सक्ता कु तं ,) र्यक् (प्रचाक ,) (त्या भुद्रायुक्तक) भुद्रा (क्यानुका) व काम (क्यानुका किक)।। ते ।। काम (क्यानुका) स्वर्धाः (त्य म क्रीरंप तथ्य शुरुका सुनक श्रीयक स्थार (कर्नार मयमार्डिका (त्रुवं पर्यास्त्री स्था (स्थान्या) है सामर (सार्वार्ट) जिंत (अमंदर) रिकार (अमंदर) प्रकार (क्य-मालात) त्राप्त अपन (हें कार्य ने हें क्या कमान तिय नामों । कुरं क्रिमंदि लाप एए द नाम: (मार्के न-राम: वर्गकः राम माउगा) महः (वर्षे)॥ ० ६॥ (वर्तावंत्रमा । अववा म्यास क म्योकामा । (४) हरूमांगुका (क्ष्रंमक्षां का एक) चिका (जिसका) स्थाद (ज्यत)॥०८॥ (जात्म (क्ष्मा भाग्नंभ)भाषकेट्य: (काष्यकेख्वे साम्मे) क्ष्रंभ नक्ष्रों

आसूर । मर्ज्यार पता । (त अरक्षा । जाक त्याल ।) सक्क : (मर्कलात्यम्) प्रकारितः (प्रविधः) अम्माननवानकप्रविः (अक्रुनः क क्षानः नवर् अनक्ष कृ प्रमाते : अप्रति :) र्ष -रीन (नारिक - जिना : (र्षा नीना नीनवना (नारिका नक -वस्त ह वर् : अवीयः (त्र वमा) वर के हत्तानार्मितः (व्यक्षाक्षात्र पृश् विक समाव क्षेत्र कार्य न मा मुकारा प्र-हिर्दाय दल विकासिय रेषिकर् । इन्ते) रह (वर) द्रेरं भक्ष (प्रमेश (यव दवाव) किन एमशाकि # (एमम) अस-लार्य) क्यं म वार (ला में वर्ष) या मुक्र (क्यामुर अरम म्लान्यु ं) यत्र (स्वत्म) ल्य (स्र ज्या ल्या ह्या न्या स्थाल) राठ न कामा : लाम (हनाम) र्ट्राम (कामा ; 15 06) 7 sh (32) m Je as (22 miss) का ब (धार ने मार्थ)।। ००॥ (ला लक्षीयसक्रास्तर) लक्षीया (लक्षीय-सक्रा) यञ्च छः (निगंद सामग्रह मामक मिक्या:) क्या (कार्यम) लक्षः (क्कर्णः) वात्रेडः निवस्तुष् (निवावर्ष्प्)॥ ७१॥ (वर्षात्रव्पर्गाद) मिन्नाक्रमाम् न्त्री-सद्भा (वासी भवं । (मिआक्या मिया जासने सम प्रमी धने जमा क्राइ अपर करंदि सिम्मिक्ट क्षेत्र में के के के निक्ता है कि के के कि के के कि के कि के कि के कि के कि कि कि कि कि कि मिल्म!) क सिविता ! (स क्षी के कि ।) में का जी व वर्ष - कता वे व

मार : (श्रुका : on ही व व रे वि : कार्या मार : मिल प्रें के मारे Co (क्य) करें (मना (प्रमान) क्या मन (प्रकासान :) देवुले सन-महारी भर हनः (देन्न क्रमड्स-मन्मर्ग) वयः शतः अन्वासिन मिक् (अमािक: सह अन्वामार बात्वी यत विचामकः याम: वर) थ: अर्थार (मक्राध्य) अर्थि (महाराष्ट्र। असार वें) क्षम (मठीक क्षेत्र (मठा विम्र) व्यक्तिः (व्यक्तिर्) म मुक्त (म अलंक हमर्व) ॥७४॥ (लम भ्रे श्रे श्रे वेस श्रे मार) भ्रे श्रे भ्रे वे । ख्रे में वे (कार) व क्साक्स (बक्स ब्लीय क्या ह क्या) सवाक्ष (ग्राम्भ (मार्टिन प्रक्री वन्ति ॥ ७०॥ (वर्षाठचप्रंत) आयत्य-यस्य । (साई) प ट्याटर (म क्यां) माड नमड (पळ पळ.)। (० (०३) या (गर्म अर विश्वं: क्छ: या) रूपना हत्वी (रूपने कु क्रामी)क्षे (अमा वस्तात क्रावि) विवामानि (कार्न था) । शको लिसाला इन भारक भड़े (जब क्षोनिस । नित्तं हुम्ति कालान क्ष विनुष्ट् भावक पक्ष वासक-अकै रामी वर) लम्मा: (वर सम्मास्तिमाः) अमर्गत (१ में भूमें यर्ड) करों में मं (लाल) कार्यम् (त्मार्थ हारान्त्रेय) यिन्या (लायक्षेक वैष्ट्रासिय सप्तिकोत्)॥१०॥

(दिराइवेश प्रवंत । अविकर काल की वाद्यावष्यंत । (त) सात्यातव । (वर्) नम्या: मद्रालयार्ट (मद्रायि लसार्ट) कानी लहुंया (रेमाती) आसामाम (आस्माम म क बानि) जाम अब काम-बन्मार (काशवं-जामान्त्रीर) (मबीर व्याखना (वाला) मदा (अर्थदा) (अवस (छल)। जव । जीव: (मस्क ९ जमा:) भाषामक हिन्द् (भाष गाउन धमारक माक्रावामन हिन्द् गाद्यर) में मर वार्येष-दित्या का पर (वारी म-दित्य प इस्मविकि - नाम्मान के व्यान वाक्रिनिक्री:) , थार करे:6 डे त्वाल - कृ सून - श्रूश्मिमीना - भामा दि कः (डे त्वाल - क्यूनाएं: केट-कार्यकत्ताः संस्टा सर्वतंत्र प्रमाणास्याम कार्रेडः ड्रांबेला१ ७व९)॥ ४२॥ त्र (मध्यते) अध्ये (शक्यामारं) (म्युक्ये- व्ययनी दंगः (यँअडि- जमस्डिताः) मृत्ः (ध्यम्) ग्रेस (सक्।) बक्त (००:) भन्नीं मार्भ वत अस्तः वत वस्मार्क्सः (उमम् भर् भर् न नमम् हेर रख् : (सक्या) मम्बाद (माहित)॥६८ (लाम समस्रास्त्र) में म बाक्का (में पर वाक्का) त्प्रमर मभा: मा) समाका (मम-मङा) देक्वलाव्यका (देक (ज्री मार् ब खू जा मार् दा मारा दे दे मारा अकरीन थाडे जा) वरमन (वालन) अक्षायु-वन्ना (वन्ना वन्ना वन्ना मुन्ता)

MET FREIN

लाइ क्या हो। इन (लाइ ट्यो हो प्रक्रि: एक्या ह मणा: मा) राप १ लक्ष कर्मा (लक्ष्मिक्स) लाम (भारता) THEN (3 CAS) 118011 (वर र्भवाक मार्थरायक । ज्युक्क: क्यावत्रीस्पर । (इ) E न्त्रात्राच ! (वय) श्वर ने गार् (के ह ने गायर) व्यत्तम- लि: (अवायक्स) केंद्रम्या-वित्रस् (केंद्र वास्मावत्र) विलामः) सुकारि (अवद्योप)। विकादः (म्विष्टु उ०) रेप् निल्य-मछन् । (निल्यु-अविमव्य) (वार्यः। व्येषः (अभिय- (आहार) में काल (बसाराक्रिये प्रमाद)। (साहमत्नाः म् यह (मनम-म्याक) ह (याय-ना म्वी-विक्रिक (ट्यार्मा: १०० प्रत्म: बक्त्या: (याम्)- यर मो में यथ मो विका क्लिड् बादालः) मार्काड (अवाड विक्रामकाने। me:) वि वाक्ष्मित अस्तर। (वाक्ष्मिक्स) टिशेयम मिया : ममापा देवकार्य) अवस्ति आरिकः (यथा भारत्या)भामिना (विसीन वामि)॥ ४८॥ (लाज समाया समाय बात । हत्तावत्त व साम्पर । (अ) व्याखे। लिकात (मभाषि-लिकान-वार्ल)विक्निक्ट (कार्ड-के के सक्षार) भुक्रा द (लान प्राक्त अप्र) सर्व अत्यार लगामना (मामना) लगित (मिर्का) प्रमेश

खिंद्र अमा (बंस मिकार) साम (स्फं काक) दी स्फं (कार के र्के (रिक्टि) किलाल (मकाबंग्रेक थान-) सरी: क्यारिके-. अरमाम लक्षी -विमागित्वाका मिछि: (मण: वर्कानी वर (आमुका बार् देवका हेरी। यहका बाला- नहर्या अलाम करियं । समामिक विम्मिकः नीका नामानः। मिकः अखा राभी: आ लगादिका) लाइड क्य लाइ: अपड क्रिय कि के के (कार्य) लाहें (ब्राञ्चाल) य विरायक व (7 50 50 0)11 8 0 11 (डेक् उट्णारम्काम्बारक्षि । मल्ला यानम्मी व्यक्ति थार । (र) मार्थ ! मन सन : ७५ किए वियाला (७५ कि १ कार मार छे प्राव्ह द्यां गिर मां क- गांत्र कर्मा : माक्टर नमों वर) भेम ममला-की न मिश्र मार् (स्था : म्हाते: मानदि: मारिक: आकी नं मात्त्र में अनुसाहि सिर्मे में में मार मार मार हार) स्थाप में बहा-कर्यार (स्थायम अधिययम वर्षक्यः समंब्रेस्ट्रिंग विला सहकट्सन मिछार: यभार जार) प्रमासम अक्षामिन मर् क्की-लान मरी सामा क्यार वार) वसत्ति की कृषकवार (वयमात्रां दिशक्ति क्यीक्ता कर्या रास्त्र गर्भार करं) स्मिन - यस मिला (समिलन स्रेंड का नी म- अने कानी निलाक में यस्ती गढ राम्यार) जार वर कर (मक्षातीर) व्यामानीयर (कमर् (कार्यर) दे एक: (ला केर्र) र्य प्रमाद (ला मि मि हि) ॥ ६० ॥ (इविडायान्त्रका छित्र मुमार्य । प्रशी वकूतमाता न्ताप्यता-प्राप्त । (र) वक्षत्र-नामि ! (माजा माजा थे! भाभे!) भाषि म्बारं- मुख्यात विनेशा (अपि बक्त राम भग्डम ट्राह्म त्रात्म त्रात्म क्रमानः : (प्रमामान वर म्बातानिभा भाषाकृष्ट निकास र्थमाः भा विकारिक-सम्बद्ध (बिकारिक समक प्राप्त त्या क्षिप्रकार्वित वर्ष अवगर्ड रेश्व राष्ट्रकारिकार्थः यत । भावक्षामः असमान-इन्सोर किय ला इंटर से सर माता : मा कारा का द्याराक्ष का (दिरंगल-दाकाका) कं असंविमकी अवा (कं ब्रिस): नत्या: क्रिकार: यीमार्ग इव अवि मार्ग: अर) वैं हिवार (धुन-Des 5 That) 2 Let My (2 22: ONWIN THAN 52 जामीन) कू त्यू (आभीन मिक् त्यू) निवास्त्रि (यंडी मा 100: विं) कक्ष अस्ति। (कक्ष यव श्रम् न क्षा के क्षा भवं) यार्क (यक्तानय मानी कर्ड क्रियमंग्रिक म्मा मानिक काराहिकामि (येव्याम क्षेत्र) व्यादिक (क्ष्यहं साम्)॥ ४१ ॥ (व्याका के व में लामें मार बाकि । संभूष्य का किकार । (र) भर्न-सम्म । (आर्का के के) लंबाक घर्मान (राभक्रम्) केसे ताप्त (स्त्रा) (स्त्रां रेसी) त्रवाह्ये (लाउन) में : এडि: (हाकडि: क्त्र्रिस:) देक्का नामि शक्ष नामि (इस्तेमी)

चित्रमं (इक) नदः (देळातः चक्रतः) यत्ने (यम भाष्य) काक्य ((ब्रक्ट) क में ते (सल्यात) ते याक्ष (ते यु अर्थः मान्) मत व्यवक्षितिन् (व्यवक्ष्ये निर्मा दे मे हिः) डीसर (उत्के विकार:) रते व (अमक)॥४४॥ (अलिट्यो द्वाङि म्पार्याले। न्यासमा अस्य कार्यानामेल -कर्नुसर्के मान् केलाजा कालय कार्क कार्क कार्य रिक्रीय (द) ग्र कार्य करी मण्य क्ष गृहां ! (य्रकार । श्वा करी मण्य ता अक्टामान के किं प में लाप काम्य नाम) खिम समास्या । (नियान) कारा (मामार्ग कार्मिक्न) अन (डीक्टिक्क विमानि विकास) कर्तामी । ज्याप्ट (इक: (असम्) an) ((व) की मं उदान असमा छडी क-(आमारेश-मन- विद्रम्म हाड्यी (बीर्मणः द्वमाः त्रिकाम प्रश्नम कार्ट ही करमार (मायामं प्रमण मामार मिन्न) विद्यात = कम्मित्र हार्ड्यो तेथूनः) क्यं (काम्प्रेन वर्षाः)॥१०॥ (अडि अिटिक्श मदार्गि । हजानमा मिलामनस्य क्रीक्षः मधामानाना पृथी हमायती ल मलायत वार्। (त्र) याम! (अतम!) अर्थमा (देशानी :) अमने मार्निष्या (क्सूल-अमवसाल हरमाय) छव मभा: (हत्यावनारः) मिर्यास्य में क्रेर्याक्स (से क्रेसिल्य अयः) प्रयद्

(400 esta 1 serena 1 2 (400);) 1 2001; (400 mostin;) मभाकः (धर्मानः) हमः (६क्षमः मम्) हेब्र्स्ट (इसम्बन के के का)िस (सम) श्रीय (मिंबमक्सर) त्को मा १ (इ राक्षः। भे छ (को भे डमाने) हा थः (११: ११:) Maldry (deserve) 11 coll (माल अन्न कर्नुना मुद्दार के । वक्तमामा नाम मामा ।(र) वैद्यान ; ८६ (वडा) मानुवा (क्रिमा) साधावी (वता मार पाक्का) यात्र-मुखा (म्रानानि मानिन ग्था छानि मुख्यानि यमा। : मा उथा मर्ज) (मिनिग्र (क्राम) मेगे (भावें वहार , जना) भप्तमा : (भीक्रा) षारं विकेन विकास: (विकिष्ठ हिड: अम्)। थेपाए (अपमन्डवि) हैं १ दाम्हा (प्रमाय विमाय क्या) वनमाः (समीममाय) (बासने (क सने की यह)) मुलाई अभग्रे (रामनाम । oo:) एक (ज्य) भारत कः नयधर्मिमा (नयः भार्याभारे, त्रक्) वर (मयसमुचिमा ५०) व म लाएमार नाम्य (म धरणाम्)॥ ७३॥ अमत्। जाम मामब्दाः (भामकृष्डिः भाग) भिनापि (७५७: (अव-अम्म व्याचन वनस्य भवाद्यव वनस्य केल (दर्दः) विका (विविधा क्रिय)॥ ७२॥ (वय भीवश्रमस्प्रमात्र । मा) प्रवृष् (व्रिक्निमा) देपास (दिस्मीमा क्ट्र मा) भ्रां (भ्रव्यासा ट्यर वमा मा) बार्क भाष्या भाषाहिला ह (कार्यन कार्यन (कार्यन)। कि।।

(उम्पारवर्ष । उपागः काहिर अभी अअभी अ १ वार्ष क्सामा सामके कई वस्तात । (४) इटकं । (४ म्यकिसा) समा पमा (रेमानीमान) एसी (रेकेटमरी) म पार्टिंग (म प्राविता) केल (एएए:) जाद्ममर् म आमापिकर (म डाक्रावम्) मूत्री (तम प्रमात: (मा म:) (क (वय) । मुर् ं (का क्राम्तु व द्या क्रांस्क (यानाभीताः समा श्रीकामा वय वहमा) मार्चिछ (काझा) क क्या कि (कार्य- महत्वा क्योंक) देखें (क्ला: बर्ग पडा:) अस: (स्थल:) न लक्ष्रेकिय: (सत्ते न द्वा: रिस्प्यासर्ट) ब्लामुक : (अभ्यत्मकाकारा)) र्याद (र्रड्यक) लार्या वामी (वाल्याम शास वामी)रे वि (यमक्षा) वि अव (के के) देश की (मध्या) हिस्सा क्रि (मिक्रम) 12: (मिर्भाव वहतः) न अञ्चलन (न अन्छम्) रेश्व (वनस्त्रमेतः) विनरेम: (मर छग्र) शात: अभारते क्छ : (अकालक रेकार्य:) 110811 (दिपार्व में दुवर । भाना : काहि व अभी अमगी आफ- भाना भाम-ब उर वस्तान । (इ जीकका) अम् दैवहरा (वैद्या कार्यान-उति प इवा इक्जाना मर्गवा द्रवेश: वार्ड) देव (वय केल्वा-सिकार्:) उस्तार क्रमार अवार (सामार) कान प का जारी (र शक्ताम । कमा) कार प: (कार्का कार हा:) खिला : (भूरवाष्ट्रकाषि। छः व्यार्) स्मोतः (इ निः नदा वाः) मारिका (मामुका लार) में के (अम्पेक) बकें (बिमा पर समित्रम्भि

कर्नुक) न हि (तेव) अद्भा आभी (मधर्मा हवासि)। भमा (कृत-एका) दुर्द क्रमः एव (मह) व्यक्षं (द्वामात्त) म लाउनत्ते (ससाज्याम् म केम्य वसा) का (वस्ते) के कि CALONZ (बेरिंग) १८५८ (त्यां स प्रति) व्याध्यकां मृज्य (वयसेका दिन) विमन्दः (विमिन सर) व्या (म्रीक कि मनः (कार्यः) अडीवी कृषः (मडीव अल्बीषः)॥ ००॥ (केमायन भक्ष्म, । अक्षि: हत्रावसीयार । तर)हत्रावाले ! (संग क्या:) के सामाहि (केंद्रां: अयत्म : न्यामाहि स्रीक् के कि अकाकी म ;) क्या (विन्य) सम वर्ण न (इ के :) म 15-विभारेड: (अभागाविड: क्या) मदः (अवसायः) हसायाः (देसभायस प्र) कार्ष सक्ष (वर यममर) आही केवड (बिता बन्धा के के) म लहि (म खाल्मा कमा समा कन) लड्डा निस (umminta कृत) रेपड (जव) या (अडीय०) काकाउड (माद्भाह ् भाय ्) ह न (ना दूर्। ववः) अमात्माकेवहरी (कर्मिक किया) मुन्द (असे भी) साममा । मृत् : (समाता) 1 (27) MIL (2 in out) 11 a 7 11 (क्यान सम्मान) क्यान (क्यान) त्यान (क्यान) त्याना (Contact) 13 no to (wings) was a (elone on misson) अउन (वर्मान्या) गढत्तर ॥ वन॥

(वर्तारवंत्र । ज्यक्षिक (ध्यान) कात्र । त्र) कर्त्राकु (धा । त्राक्षा : वन द क्षितं (या कं वात् क क्षात्य मत अमृत्दे वर) इस्मिष् (विश्वाप्) म लामी भार (म अमनकाम: , अड:) मना (अध्यामा) शक्किम् ; (क्रायवामुमार य अस्ताप हक्तपृथ्छिः) व ् डेक्टलम् इक्ट्नः (डेक्टलनुः धर्मनियाना सर्का मारक (मर्क (:) सम्मामाल: (सम्मिक माराजा:) कत्मे (असराता) प्रदेशमा (बाह्या)किस्पर अप्त: (क्यावक्रम-हें दि: द्रें वापु:) अधिक वं (अख्रिक कार्ड) का मर्डे द (मिन्दुर्)जाजाम (लोजाल) मीजियम-कारियण (मिला : यः मः महिलात उस त्कावितः ना उत्तर) (श्री से विस्ता के स्ट्राप्ट (म्या के निमान के (84 sin org farinas austria 354; grans 524) CLAC M) Star & and Mand) De Ma 116011 (विस्तार्यम्य । यामा व्यीविकासर । (ह) विस्तर ! (वीक्का) मम हिट बार् (क्याहियाने) ट्यार्थ मकः (ट्यार्थ तमः) वार्त म अत्यार (म अकामार), मिन उट थम (मभीष्ट्र) (ट्योन (ट्योनावलयुत) महता (ठीवा) मतीका (MG:) कर्टि (धारा 1 हैं,) भूजे (क्वं) ग्राह (क्वं अंत्र) ग्राध: (अय रमम्) थासार (निव्छा टक्ट्र । मालमानिक्यः),

प्रव (यमाप्) - वा: मण: (ध्य मर्हर्ण:) कमय-वमनपा (मस्याम - व क्या) केंद्र क्या (क्या विद्य क्रिकारकार) रेक्टाने ॥ ७०॥ (दिराइवंभ्र वेस । तह्यांगः व्यक्ति अभी अभगीमार । (४) अभ । रेकामम (केकानंत्र) हांबु (क्षा केंदिक) में ब : (क्राकात्र) में अपि (लाय का क्राय मान मान द स्थान के क्षान आन) मान्या समर स्था (स्था में पार्थी स्था रामा: मा लगा) देख्या (देख्या ह सनी) कर (शर्वर) विवादार्म्य : (कार्निक-मिन्ट:) कालकार (कर्म क्षामात) हेर्यान विकृषा (धाक्रमा) धामी) एत (हेर्यासात) हर् (भी श्रेष्ट्र) न धार्म हरेर (म अादिकत्रकी अस (कर्मा) मार (मह-अला) रेग्ले कुरली (कुराना मडी) अर् (क्वल) अराक्तमात्री (अज्ञाक्ष्मी) अवाने (अष्ट्र) ॥७३॥ न्यसारं किल्याची अव्यतं (कं भी यह स्ट्र्स) का आकर् किट्या के का मार (कर मी मार) लाक का मार (गाने का मार हर्या) कासाकित लाके (क: (लाक्सवंस)) कर कि: (महाबस)) नाम मामस्मित्रे देव (मामस्य वावादिक) मासाम् देवीकील (कमाल । य व बन्द्र : कांग ही वे कि व मांगर कि व व व जम् ममुकापिकारः)॥७२॥

मा मुद्रा करा अधारि ह अर्गक अपूर्व वाकु (अर्गक अपूर्व मार्भक्ष) त्माका ह कामिका ह काल- (क्रेस) हिसा लाई विमाल (देव किन विकारित । मानककिक्सम्मारिक - मूमकावाकी मामन (काकी-कामित्क मालाम । जना ह लाके सकार कामिक-भकीर , कार्यक्ष स्ट्र क्रिके क्रमात्र १० (६५:)॥५७॥ (मक्रान जीक्ष - कान कि दि देगा रे का नामी में गुरा ह क्र साम ।) रेक: वन (केके न्या) में व: (लमक:) अमर में दि (मातिक) सिनिक्ति (सिनिक्सने सम्पर् भीमार क्या-(किंक्स) (रिक्री) भुधामा : यममा अ ((क्तकार) माध्यक देश: (क्रम्मानका १० विषय (क्षित्र) किन क्षा का निकार किया : भारत मिया हा के निकार के नि PCI (Sally " Mail) Taying (Campaul) ga नी छल - जाल-वृक् - कुला ता शास्त्र (नी हलें ने) अम वृक्त्य) बरेलयम बेट (प्राचार्त्य मकायम (कुर्णायम) कांबाता : मिकालिनाश्राक्तमः (मिकारा: वार्वन्ति क्रमं देनारः) मम्ति (कर्बाडु के क्र) लाप्तः (अववः) वस्ते ।। तशा (ज्यास्या त्याक्षत कप्रकृति द्र त्यामक् । रेपा त्याप्यामार । (१ प्रार्थ!) धृर्ड नगरी-माद्धण विष (देर्ड नगरी नाम विश्व र्ट्डा: उम्रा:

लिक: (मारक:) रामेख (आही न्यास्य एएक क्रियेम्यर क्रि खाराक्ष अद्द : (याद् गावा काला कर मिक क यह सद : पतासम वरमा ट्रार्ड कु:) कार्य: (मानाकु:) ब्रह्मार (ड्रेड्रक्सार) दीकाटकारे (कीक्टकारे) अधीका (मुद्रेग) व्यानकार (धनुकाम-में हिक्ते) के बा आबीर सामें जातायर (स्वत्ये अक्ष बाल प्रथे यो (प्राहिक मुद्दा विकास अद्योग कि का विकास (हिंग से ब देमानिका (विकामा) हैं ५: (की मा) कता : (का मा :) स्तर् हेय दे वा वर्णाम (सम्माम्यम व्यव्य) विकास्य (अम (मिकार्ग: वर्षित्रा ब्राममा बट्यम व्यम्मका वस्त्र -कृष्ट्रका) न्यामार नव जिल्ला (क्यानुनी) हकाने (केवनाम)।। तह।। काष्ट्रि (यानुका)कान्त्रि (यह सानुका) जालका (छाक्रा मार् (डरवर, अववार काळियलका सिव भून; करिका भार) र्भे (दिला: त्मिक कार्य के के के कार (त्य:) लारमाक्ष्य (क्याक)। लक्: इसर (क्याक्ष काम्युवस्यर) (छमन्द्र मर्गाक्टिं (मामिका एममर्गित्र) म कुछ् (रमानिश्रिकामिकामिकामिः)॥ ५५॥ (अक्तिकार (अंत्रेय) (कतार अक्षत्म (अन न्म्यंति) या कत्या मुका (मूकाखिन अवविका) अव (डमार्ड)। किन श्रीपारगाएं (आगंग लाखादा १) दुक्त सँ आत्रक्षाम् त्वत्य (संस्था सक्षा

(आहा कृत त्वतम) अंदितत (यह (करा मता: कि कमार्टिक) । कितः अधिकाष्ट्र (त्याक) ।। १४।। Harrence (mare caper a gle anné min acarcère मितिका जन्मा विका मिना मितिका (भ्रम क्ष्म का ' श्रीना कि (एक (एकार माम्लान) दिश्व एएए (हारमार्टन-बिलिंद) त्यादि (काम्बि देवतः)। येत्रा १ क्या मीना अर्यात केल चित्रका भाग (सिमीका) अक्नाकिक) का द्राक (नवसं कार्य) द्र (वंत्रणात्म) लाभुषा: (मंखा:) ा: (त्यामा:) अक्षिय- क्रिया: (अक्षिय क्रिया क्रिया माम मः कम्याः)किर्दिकः ((क्राक्षः)।। ५०।। ला (लमक्षे) सक्ता क्राम लक्षा कर (लक्षिमा क्रकर) पुन्न थित (क्रमेक)। क्र (क्रमिक्) क्रिक्ट-मार्विका वाम-मक्का उका हेव्कार्रेश ह अडिका विश्व-लक्षा १ क्या अधिक काल १ टिमा खिल (अम्ब्रेड-डर्का है अब उभा भाषीत- एक्या ह (रेश्व- पार्टिशा COCH G(44) 1100-9011 (अन्त्राविकासार) या काह ् (श्रियं) अन्त्रावद्रयंद्र (ज्याम्ब्रापद्रंति) अर्द या नाम ना मान (कासमान -मकाक) (बारिश्ची- कामभी-मान (मा) (यहा

शास्त्री आका थात गमत त्याना : डे हिंछ : त्यव : भविष्टमापि : के का कि का कार का के का म : के का का कि का कु में की का : ' राजा !. मा) लाड्याहैका (ब्खर) ॥१०॥ (मा) लक्स में अक्रांसीमा (मार्क्ष मात्रायम् वर नीमा उका)रेच (जमा) तिः लद्या भित्र महता (विः लक्तानि का भेतानी मकारि मड्यानि अलक्ष्मका: भग : भा क्रिक् के क्रावक्षे (व्यव छ केनवडी ज्या) । मेरिक क्स्मीमुका (। भ्रेष्क्र ग्र नमंद्रकार नकता मका में कार यथी किंद (काइ ,) इति ह (max (43) 119211 (क्या क्या के यो में यो प्रकार के विष्य का भाग । (य) मार्ग । डांचु: (मुर्ककः) राजा (राम कामारिय) सह दूसार समः कामार्-क्षु (प्रमा : कन्दर्भ भी छा ?) म मानी (व (मायमकारे , विक) मन्त्र (तत्र सकारवं) है। त (है। काक) मान्यार (धरमतामम सद्याद्याक् माद्याः) केश तरं (इतः) स्था सर लाह-अवाक (आमका ह), आमेरव : (कला जीवा वक्षकार कर (डाकुर) लायामे (बाला) व्यंत्रा (मख्यर) प्रसिद्ध अमार्थने (प्रमार्थने) ॥ १०॥ (टम्रायम सत्येचारान क्र) कमा (यहक) एक हुं (प्रमण्ड)

(ज्य कारियोड अंगाक यात्रिम मेरार केर । जिल्ला या क्रमान । (अ) ज्ञूमाने ! ज्ञान्तेन- मड्न : (ज्ञान्तर अप्रव मड्न १ था। म :) कुर्तः (१ व :) बेन्या वत्य अवकार (क्यान्त) मालकार (क्यानमार) सकार (अमार (अमार) : क्राया :) मार है । क्राया है । (अ) क्षे :) व्यामी के (ज्यामाम समा) देम्बी कि (ज (दुर्दक्षंत्र कामावि है। वतः) हैं हम्माक्ष्रिक स्पान (हत्मेन कर्रानं न काक्र म मर्गेक र मर द्वार (क्या) माहका (बिलिक्स) ज्या) (क्षोरमन (म्थ्राडमी कन प्रस्तावन कार्यामन) व्याष्ट्रण ह (मणी) वर्षान (लयमभार्य) अवनिष्य हाक हवन हन्द्र (लडादुम्दर हाक रामरंब : हव्पृत्रक वार्ममार) कि (कथर) म प्राक्तिप्राभि (अक्षाकु अधर्मा मेकू ्न रेक्सि)॥१८॥ (वासस्यारं अत्यासा क्राम्येक स्मार्यक । भाष्ट्र क्रीनास्यक्षण । (र) याम । मेप्राक्षामः काल भार्य : किया न जिमिन-प्रामितिः (जिमिन कथ-प्रामितिः) मचीकार्थः (मदीकार्न प्रव्याने अक्रमने भाभार का: ज्याह्क : अक्र :)क्रम्यनाहर् (कप्रम् का नम धार्वा) वक विश्वः (अविश्वः) अविति (भव्यति रे। (म) असिमिन ! (अ-लामकृत्व!) जब जू लानेज: (ममनार) नवा: विक्रम्बना: (विक्रम्बन भी कवना:) जन प्राचेश्वरं: (वर्मे मेंद्रतः वा दीने कामित वर मेंद्रतः उम्में अवस्थात प्रमुख्य हो :) (शाया करहे (भाग का योग) । विष्ण (विद्यायणां) इति देश्वे

(७४ वामक प्रकामाय) या काएड (खिएं) धवामकवनातु (यभ काडिर्माय वामक-वन्ता धवमववन्ता , अभवा अद्मार्थं कु (अ वास्रमान के सवासक: - मानक (भाषाक्रमा : जन्ममाप) अरमक्राक (कामानकाक मार्क) मिल दक्र : (क्येन्यर क्या) (गर् (गर्) व सक्तीक (गाडि (मडमेर) भ अमक-भार्क्टि (5(39) 119511 मानकी जामक न : (कल्लिन्काली विष्कः मक न :) वर्षा वीकाने (कार भार्म निरीक ने) मकी बित्यप-वार्डि (मकी हि: अर विताप-वार्डा हिडाबितादमकभाषावणवर्भः) मूरः (भूनः भूतः) रें भुक्त प्रतः (रें बुंद काष्ट रें क्रिकाअस्त : इक्का के सका) MANI: (SIMEMONINI:) (ESGL (ELSG) 11 dd 11 (वलेसायंत्रा । मास्यस्य में का मामा भारा) भारत यान्या थान्या थान के की (राष्ट्रमुकार्य: के की के कि के का का मार्गिय क्यम के १९ र (र्जिंश सिंश आरंत्रीरिंग अमीनं देखां का का (लाहा मभे २० वका है वक्षं विक) प्रवः (२०) रवः (अयुक्त) काल आयहेंग्रं (अयदेंग्यमें) थिएक) (विक्री) । सुक्रमं भी (सिक सम्बद्धारा सिक र मार सा क्या है अ मडी, ज्या) सूपः (भूमः भूमः) शक्ति भा (अरिएकम मर मस्त्रमामन)क्मान (धनिकाछः) अलंग- विधिः (अलंग-

जयाद) क्षांत्र क्षांत्र (प्रदाकुणांद क्षिणा) समस्रि दी (मम्बिः गक् दी मरी) यदम-अभागानिः (अपन-अकिसा) कर्टेंट (धाका)॥ विशा (लारम् का कुरासार) मा लया मास (प्रचलवाद) । स्निकास हिन्द्रां (कामार्थ क्रिक कामार्थ में केस्ट्र माड) क देवस्य (ग्रमा ट्राय) भा डाय व्यक्तिः (हायके: नाइकि:) विव्यापुका थेका (रेक्ट) मधी विका (त्थाका)॥१२॥ इ अल: (हिड महरम:) त्वलम: (कमः) (इ क्वर्न) (जिन्नम) नमामस्य सम्प्रियासमार (राष्ट्रमार ७०० । विहात्ने) थना : (त्र हाय: नियान पालकार) बाक्षाभाकः (धाक्रविमर्कानः) ह वावका-क्थनाम्यः (अम्र अवम्तानाः विन्द्रवानिष्यानाः क्रमा प्रथम इट्या के सामा) व लम्मा: (व्यक्तकामा:) एक्ट्रा (SESS) 11 PO 11 (जम्दार इनेम् । हत्तावली अमामार । ८२) विश्वमूलि ! (ह अयमत!) याम । लडड (लाहा कद्रावर) मत (त्रमार) यद पान्ह मी। (क्या मेमार अमा) विसी (हत्य) क्षा ही मूरम (अस्व पि द्वारम) डिपिट थाने उत्वाचन नम्म: (की क् कः) भार्न मन्मान (मर सेका लाम पामक: 'कमार) लगंद (मुरक्:)

वाद्यकिक के कि: (वाद्यां के के के के कि के कि के विकार के कि : विकार के कि mad (लायत्या जाव:) खिस ने लाया दे में दं: (दम्भिकः) भवा विक्रः (लमे (वं क्ष्रे) समवं (निर्मे) काउं है। कुर्य । ॥ १ ३॥ (हर्देशकुवाक्षेत्रो सन्त्रमंत्रात्र) वास-सक्ता-त्रमा व्याप्त (यामक-मक्ता एवामां क्रमाप क्रमा) लाममे पुरंद्र) (खुराटम) लाज बना रिमा: (भराक-आनुकत्ता:) आउंवासी (अवास्त्रमिक सक्) लयक्तराठ (अव्यक्तरा) द्वक्रका मार्व (डस्वर)॥६२॥ मयनं (जिक् पिल्ला (सम्म-कार्) द्र अवण (ज्या) काल्ला (जय भविकासाइ) ममो : (गानुकाना :) टक्ता मं (का हि:) लामामान (लानमानुद्वाममन: भार विमा) वाणः (वननीधान्यम) (जामनाभा द्विणः (प्रस्थां विक-गकः मन समीयर) लामाल्य आ हि मान्न (टावर) । विम (अन्त) वू त्यामिनः ज्याम व्योम्हाचादि छ। क् (दासक्छ निः नामक इकी मातः (भोनक कमापि डमाछ या भ व्याह्ना) उत्यर ॥ ५०॥ प्रकार । प्रथम । नामाना: मभी बक्तमाना काकित मक्षेर भगाम । प्रमान । नामाना: मभी बक्तमाना काकित मक्षेर्

(अडिका) । आडं : (मक्रकं) मार्व : (लयकाकु :) र्रेलामुकं (डेक (प्राञ्च डेंड्स ' ट्या) डेंबट्टी (अवस्थर) अदह-मताहिंग (केल्यहरू ने अभ 'कमा) दे कः (कमः स्पर) मर्या क- सुन क कु तमा क्या तर् (भर्या उन मर्भ्राकेन सुन-के दिस्य दुक्त्यार विका) भाषा वार्यमा खेळा (साम्मी किकार क्या) प्रत्य (मगता) समा के में में सामा (में मार कु का लिए सक्तिए विभीति आप रेकारी:) द्या ea (स्थाय) क्या न (क्या के) सिंत के स्थाय बहु (Contas) Cocor (and) 11 8 11 (थम विश्वस्तामार) लीविक-वस्ता (विभवता) माडुक् क्का (लान) एर्बार लचाइ (लमामा सार) श्रेममामा-देवा (महत्वक्ति मार्गका) मन्। मार्ग हाः (मार्ग्हः) विश्वन्ता तथाओं (कार्यन के । या ह) नित्यन-हिंडा-त्यपान मुक्त निः नामिकामे जाक (मिल्मिन: देनामा हिडा Сअत: व्यक्त वक्त त्रात्र मं श्रिश निः व्यमिष्य निः व्यमः कमादिडाक (दिन्)।। ७ व ।। (वर्टारवेष्ट । मीमामा विभागामार । (४) माम । दृष्टें (६८३) पियर् (आकामर्) विन्दि (आत्यारि, मा, उन देवित रेक्टी:, क्याल) बर्ड दाल्या- यानंद्यम (मक्षी ठालुम क्याक (क्यान) बाकिन: (रेपानीप्रकाल नात्मी प्रभागत रेन्थ्र: । थन:)रेप

(लाभुम बर्द) किं के सहर (कंबराय कर) साक (अववंद) माप्तवर् (प्रस्तरर्)नारि (ठेनापेन क्रामिन (मकः), रेलि (लक्षेत्र) रिक्स प्र (सिल्प का का का का कि (क्राकु) काल (Just) 11 P P 11 (लाम क्ष्यामे खिलासार) मा अभीयाई में बं : (लाम) ला ए लाख्य इं (जसवाकु क्षासमार्था आएका: बालुक्) रसेक (शहर) के बा (त्मार्यम) तित्र आ (ध्यीक्रा) भगमा व व वावि (अम्बसा कराक)मा हि कमरासुविका (६(वर)। अमाल-मसाम-नानि- तिः बानेकाम् : (अमावक महावल ग्रानिन निः वा-। अबः सी नि चि: क्या सक द्र को तो :) का आ : (क पडा के खिलांत : CERT EXIB) 116911 (बर्टियाइच्यूम ज्याचा अधिकार) (काण्यु क्रियम (अविक्य) अंतर दुवर्याः (दुवरानकां दक्षः) अवाः (स्त्रणः)समा है में दं अस्ता: (प्रवेशा:) कम (का मुद्राक्षाः) स्त्रां : (माताव्धा:) वाह: (बाकाति) व्यक्तिवावित्रवादि (कर्मभारह) कार्म न क्ला: (न ग्रीजा: न क्रा रेलारी: किक) (क्रोरी-विम्राविकाम्भर (क्ये मार हिंद्यो विम्रावेज माविका निमा हुड़ा मञ उम्रा रेक्ड) नमन (सर्वारिता: वहन)नमः (काम्रानुधः) य दिसाक्ष (साम म रिक्ट ;) (क्य (दिल्या) (स (सम) दृष्ट सन : भूके भाका विड्रेर व (भूटे माक भड्ड प्रमामिक) भूटे विदीर्थ (विदीर्थ ()।।

(लग त्याम्बहर् देशसार) अवास (मिनवास) रें प्रायक अति (यान थानेका) ट्याम्बर्क्स हित्त । जिन्महीक्यर (जिनमा रेता मुमार समक क्रिकर) द्रमार (समका) वामव-काणका (बायकर अध्येश के आवा खायक: लागु मा P (e)) स्था अं लमनक्षेत्र (लाक्ष्रेंका) बाह्य-हिस्रामः (बर्ह्स-हिस्र-The said (Canade Chair) feet and) 110 mg मण: (हन्दे। (द्वित ममाण:)॥ ४०॥ (वर्षात्र वेष्ट । ज्यावाद्य प्राप्त) विष्याम (विष्याम-अव्यान्त्र) रक्षांत्रते : (क्या केत्रः) समायामा कामान (विवं तमा स्थायमा) व मिले (लिको छ , भवत) वश्व : (ज्या भा कार् :) धान भार (भाम भाम) अस हार (भवर्ष :) प्रकाल (प्रमान: भीड़ा) स्मान्ति (विस्वतंत्र)। लहर (लहा ।) द्राष्ट्र गु (नक्टिंवा) र्गंद प्रामा (म सहविष्यामा भिक्ता कि पृथ्यामा) मर अस्ता-प्राय-विसी (यम अजीकेमा डेवकमापिना आमेलामकाम) णडी।अउडमा देमाम-विसी अधन्तिमात) अशूर् (विभूर) विश्व (कत्यारि)। इड (कारा)! देर (काम्मेन्) किए अवरेष् (au man;) elson (elsono) 11 sou (ला अस्त्रीय- टर्क्सामार) अर्गक्रासस-यास्वा (अर्गकः सम्मी-केंड: लामसं समीलमवन एमिंड: हिर्म मभा: मा वक्षा) याण्या-वर्ग-विकीण- कुम्मायहणापिक्ष (पाणिक मत्र मानान अवार्ग ह किम्नेलं बिन्ति मुलं क्रेमेंमाबहतं : जे अह रंगमक बरात के कोर कुर्माम) क्रमीत-उर्द्रका उत्वर् ॥ २ ॥ (वर्षात्रं क्षा । रेखा (अप्याभी मार्थ) लाप काम्यत्र : (कारकः) मेता (रास्त्र का याम्यामा गः) भाष के हारंगः (र्ज्य प्रथन-म्मास) व्यवसर (वर्ष्यमार) नवाक वर (पका नमामिष्टिकर) कर्मन (विव्रामन , ज्या) अभिष्य (कर्मभूमात) भन्नामा अभी (पाक्षम व्यक्तिय कामक कार्यक्त मक्ता समा वर्ष) इन्दीयबन् गर् (शीलार्वा म्मार् क्रक्त्रं क्या)शामी (आमिर (क्लाबक्ष त्मावार्व) ह क्वायम (मयलाड्ट) क्रमम (वप्पट्) सरमा ((प्रमण क्रिक्स मर क्यूर) निवायात्रार् (नि कि भूतः) वादाः हिन् (नि किकानः) वस्यान (आमन्यमें)॥ कथा (द्रमास्त्रमा केवस) मान्य चुर कर केटारंग: (यह समर्गात) अयर (एमाबुक्सिक) प्रतं (केंक्) अ(आयरणं : (अ से ग्रीया) हिन्द क्षेत्र (माना क्षाप्त (माना क्षाप्त) नामी (बंभागर) RET (COLLER) SAGU (ENWAY) * A EL SE COMONINO) on (шाउर) आप्त (इस्मेमा) वमर- (म्यु (क्टेन-मर्बेड) कथर (अर्बिझालर) अरत (अरत्यात) में वेरिक् कें सिरितायम) इंडि (वर्ड) समाति : (भी का समा (साक:) मुवासे कं: (मुक्क:) लाज मुक: (भर) कमा लक्ष्यंद (बबर क्रबोर् सल्यार्गास्थर)।। ५०॥

एट (मात) दृत्र (मान्य पट्या) अवस क्षित्र कार्यात (अर्थ- (यत्रास्तुमकार) टिक्तम (अटड्र) अव्युर् कार्ज (कार्य -आमाम) डाक (किक) मार्ट : कार (मार्ट (मार्ट (मार्ट) हत्तर) करा (या) स्पत्त्वी देख् स्मागित (क्रमिक) ॥ १८॥ मारीम कर्म - वालका- या मक प्रकार डिमार्निका : (अपनीम-वाक्त रामक्तरहात वाक्रणां कुर्य ह देख दिता आग्रेश.) समा: (इस्पानुका: क्या) साहका: १ (लामहे काम शत्रा:) भगः (अभगः विधनक्षा भाउठा देव्यक्ति (कार्यक्रि क अका क प्रिया (शब्द) अका (आग्रेका:)।भूमा : (८ अस्त्रीका:) महत्रवाळाडा: (अमङ्गवरीता: जमा) अधमलाञ्चलक्वा: (बाद्य सद्ध क्या जिंदः क्र : रिश म्लानः अस बास इस्ट न-विमाश्च-वाधकालाता हेलार्थः , जम्मे हिसमहरू ६४ तमः (हिस्मीडिंगडिंगड इस्मरं)॥ १८॥ अय (भ्रत्मकानार् मार्निकार्) द्राव अने आस्त (अक्किनिकार्) (समकाउठ (राम (किम : अववारा प्र टिक्मा) वा:(भारेकाः) ह (धार्म) डेएडरा इक्षेड्स किन्छा ह केले विद्या (विविद्या:) काड्न: काड्न: (ट्याका:)॥ अना दे सामा मार् (मार्मिका सद्य) मारा । जिए द्यों (क्येकिक-चित्रतं) मवामं (मिकानुधानः) द्यातः (त्यमा) भवादे (द्यात) क्रमें (इरनः) लान क्रमार (यह मान) यात्रामं (बद्धांनुसम्म डाय:) भगार (डायर) देश्वे अर्थिय अन्ताल (अर्थार)॥ २१॥

(ब्याइमार्थतारवाकु । मामकः, र्यायर स्वार । व्य भागा । बाह्या) (स (सम्) अपुक्र (अपुकासक्यान) मान नाम (अमे)कर्व (असमाम् हें) काव्यक् (अक्षर) भागा (के समामक कर के कड्यार)देन्सान (ग्राम) दंग्रामा (दं : (अप: रमा: मा कमर्के) नाम हित्यतंत्राम् (हित्रमाद्र) कर्मां (अस्मार) न टबाक् (न खार्खाक) रिस (सम) संसा (मुम्पार्टिकमं) लाज ल्याड्याइम्पर्ट (ल्याड्न अस्त्रांत. ली से बे के प्रमाण के (भिल्माल) के का # (अधाः) ला है: (छिड्) विद्या (विदी ने द्वार) याचा प्रकातन नाम्य सरमाई (याम्य में मार्ग्य में मार्ग्य (व्यापाला) बालाक (अव्याभावे विवाबाक देकार्यः)॥ १०।। (मक्रमार्थाय के । येम् मासी र मीमाया का अभीतर मा (८४) उन्मंदार्भनार्थ ! (ज्यमारि त्याचित ज्यमंत्र कम्मामानी कार्य नाम कामान रामा : वर मामिर न्या) मार्म । यह । वर । (वर) कार केंद्रक रेता हु: (कार कार्या के कार) स्प्तां है: सन:-लीस ममा कमार्डे का जिल सममा वैस्थायर (वैक्रुरंशायर) अब समम्प (हिटिन) देवसम्माही (क्यान्याम सडी) किं (कार) समाप्त (कामेना मकास) हिरा (सिंगिक कार) प्रकार कार (द्राप्त) कार्य (क्रार) कर्य कार मा (अम्बामिक्ट्र) म डमार्ट ।। गेगे।।

(कामका म मात्रकाक । कालिने वाल्या (कामांभी र Canaras काक र्माम : हरावरम्) सर्वाह्रमं अम्ला (स्रवाह्म : न्युक्कम काट्रमारक कारत) ध्रमाध्य प्रदासार (स्थायर भाग्राकार प्रमुख्याः (प्रत्यः व ६) - व क्या (भाग) हमार (सक्याः) रेश्टर के के के कर्ड : (मार्थर) (स्थास (मार्थर के कर कार्य के के (र) के के कि थां (क्ये के क्या) म्यामुक (क्ये मा) स्मारहास (लामान्याम अभी शक्ष अदा (मारा इकाम:) क्राम के सिक (मा क्राक अठ) र व (काइत) अकि मार्शिक (केंक्रेसरा) कर्र (क्षित किय किया) सम्बंद (1र्ह्म) मार (32 ylle) Darsu (22) 11 200 11 अंक्ट् (इक: ठाक) मा: (आतुरका:) अक्रयमार्थ. (ठाक्य: वार व्यक्ति: किल व्यक्तिहः (वाडेमार्वकाश्रमहावाहः) लक्ष्यानः वामार भाग्र क्या विक्सानः ह मार (विश्वाक्षित्रं अवसा (ब्राम हिंदि)।। २० २।। ब्रूम: ह डेडमामिडि: अहि: जिदिशि: अख्ति: अव (न्यान्यार) स्क्रीर माला विकान समीसिहः अक्टर कुरा (मकुराकुक-अवज्ञानातुकां कामार (द्याः त्याः माम्याक (कृत्य) राज्य निर्माताः (अयर्षः) यह मार्ग्य 文明公: >11 20211 2 mi : M: (Elsir :) 2 m Desire (org.) var. गामुक्त कार्यः व्याम्यः (क्रायक्रम्) भवाः (असव्यः)

ज का खार रें मध्योगार (रिकाल बीमार) विकास : वाम् व : (मक्त्रकः) आल म्रापाति (म्राउदेम् - विनश्र मनाश्रम् नामाः) मोर्काष्ट-मेकर्त (मेसकार खका मार्क) लाप (प्रिलाम:) में : म्परेक (क्याक) ।। ।। लाकून-मूख्य: (अलमून्फे:)रेश (थामेन) लोजानात: (याकाकार मानक क्षित्राष्ट्रमाष्ट्रमान के कक्ष्म वे नाति नाति के अस्पार कमार्यः) न्याकिकार (बार्कार) कारिका (क्रेक) आधार : (त्रोक्त्रमातः अमद्वाद) समा (३१७, कमा त्रोक्त्रमातः) म में हार (महिर्त) मर्मः (रेष्ट) सिर्दा (सिर्ध्वाः) देक्यः ॥२॥ (गः) भूनः अलकः अभवा भका मृत्री ह रेलि विश्वा (विविधा: ग्रु:)॥ ७॥ अमन् बाका (अमस् वहना) पूर्वश्री आह्रवा (दूर्वश्री का म बाक्यमा गुर्द आयुक्त बहुम र तार्था ; आ) समावा (क्षेत्र) भाग (अभिका) व्यून (एन आधार्मन हेन ए विक ए याक) में ही दिल्यत । कर आशोई (कर्ताः सामान साम बर्ताः मारा समस्य) जागवा (महा) त्युर (ट(यप) ॥ ६ ॥ थारिका (भाव) थाणाडिकी उथा वद थालाक्रिकी ह रेकि विश (उत्वर)॥ व।।

(कन लाकाश्रकाम्य) मा मक्का (अलाम-अन्यवस्तात-मक् सकार्वन) नव लमातारी (मान्ने समा दुर्स्य ह ममा : भा क्या देवा, हरात) या लाका दिका क्रिया भारे (श्वत) यादा अस मा (वाकाडिकारिका डवार), मा व धर्मा (वव मर्गाष्ट्र-(मात वसाश्चिमां वार्षक्षामिक्रमः) " मर (ममार)मर्मी (बसुना) द्राम अमा (मामे क) म (मारे। थणः जताछ-मसार्वायम् सम्बद्धान में अभूः)॥ १॥ (बर्टार्डम्म । ब्राइमा: काल न्याममा आप) इड (कार्य) थावर (थावड् कामर्) हाया रेले समु: कर्म न निविभात दि (कर्त म सार्वेगाड माबर बाद्यामास म गर्माश्वीर्मः) जायर (अवहर् कामस्य) करा दिन्द् (हलम् प्राथ भाउभा) उपाछ (छाप्ता), जानी कम्मक्र (यम् मुष्ट्) नार्छ (आरमार्क) विमना भानीमप्र (धर्मेक्ट) जुनाके (लक्ट्रायं मामाराष्ट्र) क्यामान : लान दुस्मानं (भितः) देयसतो (द्येक केंग्र) (अवर (ज्याना) म्यान (जमाछ)॥१॥ (जारनाक्रिकासिकासार) देर (व्यामेन) भूगा किनाभागाः (मेर्जा क्षेत्र) मा क्ष्मिक ना कार्य क्ष्मिक) क्ष्मिक) क्ष्मिक क्ष्म एकाजा ॥६॥

(क्याहिल अअशामुकारकाछ । का कित् भूष्णमानी अभीवार। (र) मक्तिकां का । (मक्ति व अन्तिवावकलक्ति । नक ममन्त डेम्बिंड दीत! (र)मामिति! वन्तु (धवलाक्य, यर) संक: (लाक:) तथ्रानुकार (अवश्वतद्गात) विधालाम्।: (यल लववं लक्ष कार्यक (जान);) के के: (किक्यम्: मक्ष्रः त्राम्य :) जंदा: (जामक स (य) द्रावान (कार्यात) 1 प्रः डोक्ति: (हम्मीनाहि:) व्यानाहि: (अक्ट म्मीहि:) मम (पर) रेड: (अमार मामर) हुने (भी भु) थारि (यामन)। त्यानव्यमी वृन्तमा थान्या (मर्गामप्रतनाम-प्रमेश भाका आधारमा वस्तित्या। वस्ति। वसानिका) करं इन्ति हे (क्यां कर) कारामि (मिर्ट्य विष्णामि) कामित्र (वलीकार्लेश वेश्वर्णायक भीता लाक केरिक-बाहिक-एको इत्यम ह) न मा छ। (व्यक्षेत्र छ) भाव: (क्यानिक:) व्यक्षे (क्राका के काम्ममा;) मः (लामाकः)। किः क्रमिकाहि (क्रिमन-कर्ष्ट्र न मा कार्नामार्थः)।। गा। (लम लाइकमत्रोमेमार काल । काष्ट्रम मीतालक्ष बन्धालाइ। रह) देख् । अप्तामाः कताति (अभ्योगिता) (स (सम) त्यापातिः (मभीडि:) वः विदिश (काला) थात्र (धर मभी: मार्नमा-अरमार्य मलावेशमार अक्षिमाडिमवरी १ वार धललामिनारी:)।

वारेखन (देन श्रानेन) कारम् (मा के दमाया के) कार (का प्रवेश) त्यात्रम् (क्यात्रम्) क्षाह (काकां हाकुरं) मार्गाम (स्थानाम । मार्ड महलाकुंगमार (लाकुंशम अध्युक्षर) केर ईका सर्वेशय (सस र्रमास्) धुकं मारे (धुकं स्थार के मारा) कि (कब) यहा-(कामाय-साम् प्रमीक कः सम) या मार्थ कार्य कार्य (मार्क कः) खामकं (शामुखामबन्) भन्ते (लिस्से के)।। ००।। (लम लाकुक्त ब्री में स्पर वाकु। (अ) किंग मामा (१३) मव: (त्रमार) धम (सम्मानी (क्षीजिंडामनीहुन) आरी (डमार्स, करः) भार व्यात्नाम् (मुद्देश) अविकतिः भर न्युक्षम् क्षा (व्यवक्रम् का अभी) रेंडेड: (रेंडं) ला समाया: (य मध्र)। येंग धिरव (किव्यातांतार) तमेश-त्रमर (म्यक्त) खिला (अधारित) म (मामा) क्रीके वा (क्रीया) लाकु ' व वर टम्पुल्पु (हैं कारा हुए) सर कथा त्का कथा तथा विस कथा त्का प्रमान-हार्डिये लाही अर्था आं) साला (सप्त) मार्डेहिया (काला ब्यान)।।>>।। । ज्याहकरनं : (व्याहक्षक्रम) त्या पर्मित्रम) (प्रमेशन्त्र) १ मामार (मयण) उत्रव ॥ > १।।

(क्य समस्मित्रमार्थाला (य) जिसमाम । उस मार्क्स (कर (भम्)का काल सभी (भग्रह्मी) म क्यान (माम् विमा) सार्वे (धा एवल । व १) हापि (हिल्ड) कमा १ भावे हवं (जा), इ दि: (क्राकेंक:) (क (क्य) हिं पि शाका (किं क्रांचेताक)। अद् अविह्यू राडि: आसी अहेगडि: (अभी कृति:) (वाकिना (अधिरेश सन्) कि (बन) रेडेंड: (काम) हें से गारि स्वारी) का द्वा (अवस्थानिया अल्य भवत मासी मधी) वासी (उरामि । ज्या भाषाजिकमा अक्षिक्षा द्वार वाकामिक १ 11のくり (うなんのしんしかかかり (अम समम्भाम नार्याल। मर्डका डेका ता: मामा: 3 2 - Maley) 1 27 ANNI DIX 1 (X) (MICH ! (ECK!) मर (ममार) वय नामक-वाह (नमाद्या है) शर्व: (द्यावेक्ष्यामः) लायकाति (वैभीत्व काः वै के क्ष्माक्रिया हिन्या चार) देखां सम्मा (मन् वाक दे ध्यं कामक केक वसाम्मा कामाना) हैं कामार (क्य मका विष्) म्थेमा। न्यम (क्रम् ट्यामा डरामे क्रम्यान म क्रम्मा रेन्डी), थड : (ध्रमाष (प्राचा: इंट) रें बार (चंत्र) खेंग्राम (श्रेस स्थाम । समाम रें चंडाक ं द्र) त्यापा है कि । (द क्यूर्म कि । पक्ष सर्धाय-हिस्मेकि । हैं) अर्थ (धिक्य) प्राप्त (ला कें)। कुर (लार)

के जन के उक त्यका (के प्रकार मामानुत्मात्रा) जा मा राग्में मा मुक्रिय) (त्रक्षा जिलक्ष) मार्च (त्रक्ष्य) (त्रक्ष्य) कारी (कर्मा) (०१) मर्गः (सम्बद्धः) भाष्य विक्वकेषाः (Day went of the Color of the west of the west यक्षा: अण:) अमिक्छ: (महाव वाका अधिकवितास-वंशीरिकाः) सलाडे (सक्ते इवाहवंडि अक प्रकार कियेंडे) (कि अडिएळाड् मे अस्ता अल्य मक्र इवाहवाडि)॥>४॥ (अश्रमम्बीम्पारवाडि। जवा (अग्मी श्रीनावडी भार ।(४) कल्यान ! (मार्च । जीमाबाद । व दे हि (रेंगर) सस कामा: (काम-रें अ) मार्स (क्यानु रेगु काइड) क्षमार द्राक्ष: व्यात (श्यासिमा मार्गित अवन कियाम 'क्रः) श्वासि . (श्रिमासक ;) कार्क (सिट्यस्त :) स्थालाम : (क (24) मुम्हे (मक्टें) कर्त (क्ष्म मकार्ष) मह्याना (अस्त्रकं । क्रमाम वर शक्त है ताम अवीत्मा के प्रमा कि के कार है। किस कार कार कार अवद (क्ष्मण) इस कार्या (वाल्याम) मरे) माम (त्य मका (वन) सः (वन व प्रवः म्या कंकः) अव्त लाम (अप्विति अकृषित नत) हमः (क्रोरिंगः) न के मार (माराने) शुरं र सक् (माम्बाउं) के (2) I to (12 min) 11 > 0 11

(क्याद्रंभाक्ष केमार (लज भन मंग्रेश सामोत्रीसार्वात । कुंदि : उक्समार या विकास मतः मार्थं मार्थाय वयर महामान उत्ही का के मंदी काहित का पूर्व पूर्व प्रावेश का के प्रावेश का कि प्रावे कार्टान । खेना निवद अखेलमर (अक्षातिकर)चार्जा (अवानेका) सत्त्रम् (सस लाम्य अस्य:) प्रकास (तामक) देवला वार् (र्क्यालाम्। जन) विजी सेयम एम्रतः (विकासिका भोगावः) किस (कि लिसकाति। (य) में माळा हैयि। (शिज्यामात्तर-में कि । कार) कारमा समार (प्रमामिता) । मुत्राई (है स्पर्) (मानुक ६ (काश्वानिक ६) क्षेत्राम्य (केक वचात्राक्ष्य) अवसमा (अमा) अस (अर) व्यवना - ०६० (तममानुन्द) बक्साम (मक्साम)।। ३७॥ (अम मम जिक्द बक्द अमर्स ब्रिस्मर) मम : लात्माक की ह व्याका कि की ह की हिंदी (हिदिश) के देन (हे का) 112911 (क्य कालाकुकी, जमकार) इस (काम्मुम) मंडमाड्रियामार (म्प्यायीमा) मास् अकलमा है (भाक्ष) कात्मा वामकमा (असवा)या गुना (निक्की) आर (ट्रायर) आ जालाकिकी मर्दः (काक्त (कार्यका)॥३६॥ (कल किसिमार करणामें माएन मान अभवास मार बान । काहि थगनिनी अम्भी ९ देनामा छ । (१) (पार्च ! भार्थ ! प्र ९ । ब्रेम्म

34 मीर्ड तिन (विकार दूजाना १ विभाना भीर्ड तन अभाजान) हिंदी (हलान) ब्लादेवी कक्कातं (ब्लावन विश्वावीने अ वकातं नी कृत्क र्क्ष :) सार गाद (दिए) प्रमु (काम और के हा) कि विद्या (स्था) कर्र्य (इस्पर्य) किं (क्यर) क्ट्रिस्मामा मयलम्सा)। रह (कारा!) यम (म्लादेवी कार्यन) रिकिन र्वनाने (धमा बनमा दिर्धामध्यमः) रूपा (धनम्ब) इड्मा (वनार्कात्म) क- विड्व (अक्ता-मम्दक) कार्जा (लाममान) लानं (पढे अक्षत:) है: मु ध्रम : पाक्र क: (त्र आपेक:) लाक (स्मः) रत्या (यत्रकार्य) रक्षावर) रक्षा (क्षामाक)।। का (जन प्रमेनक्री मैं सार बात । यथा ह जा अधामार । वर) मान । हता-बाने! बन्नीका बीचिष (बनीका न्मा श्रीकृष्णवनीकवर्म) प्रकारतात) (म्युक्तराम्य) (म्युक्तराम्य) (म्युक्तराम्य) (म्युक्तराम्य) (म्युक्तराम्य) ममे कमार्क मोगन) (माक्रा सुममेकमे (यक्षममा) " हिल्मा: (यमनर्भ:) अस्त्रम् (साग्रं) मत्मे (यात्रा) बार्य (बर्द्धा सास्त्र) है। में (ब्रेंड काक्र) कानु कार्य (ध्याक्रीय) म्बम्) वलव (अवल १) मार्किनी (आमक्त) १) क्रिक (अवमर्स) नव मुकादि (अमादि। ताव:) रेक्सकांप (क्लिंग्लान) द्राणानाः (अडडाहिडानाः) नः (बामानः) का क्या (का गांडा। अभाभू वू भूवदामितियाभीकामोर्वे **डाव**:) 11 2011

(क्रम माम ह्यार मार काल । त्या अप हम्रे : । यह काल (मान वर्तर) एकर (त्राह्मर) अंदरक्षकर (अंद : म्योक्त पत एका : वर) कार्याद्यां (कात्र कान्यात: "कत्यातु)आस्त्रकरं (कार्य्य) 4: (लासाकर) द्व: (लामार मामार) काममन् (दिवसमार) मास्टि कर मार्थ (क्रिक कि इसिट । का) क्षांत (अमोत) कर वर्याहित्लांव दी। है: (वर्याहेडा: कर्मा अवर्ष: लमधेकाः (पार्वासिकितः ममाः मा) देगई हत्नावस् उदे ड्रिय (अम्रामा : जीत ड्र-डाला) नत्र (आपडार (ओ छ (लनभूछ)॥ १०॥ (लक्ष ल्याने कुड़ी अस्तर) तकः (त्रभ्याः प्रध्यापते तार् ला (अ (अ) छ) यः) व्यन्ता (व्यवस्य कार्यत्ते) माम (निर्देश) म काड़ आ काळाडुकी लगे : मोर (हादर) बामाः द्याविकी अम्रित व्याव-(क्रम्बाय-स्वाय-स्वाय-स्वाय-(अपन विविधिन महाविश्व) मृपूषा अव डेविंडा (mist) @ [19 11 22 H (उद्यात्रवात । माहिक त्यातिकारी अमा : त्यातिकारी : म्बोर १८४) (माम्स्योः । (यवास्तः ।) जारी समा निवानी से सम्भीतार (अस अवसी अल् भनीतार) व्यासार ने (एक्सा) भः अध्यति (श्री क्ष्मः) क्षमान (क्सानि क्षार्वन) बाक्ष (भारे : भारा) व्यक्त नेड : वार्ड

(सक्त अस्मार्भववाभावं कर्ण । भिक्र अराभामको दिया भः (क्यान्द्रिकाराम् सर्वेशिय आर्ते । क्राक्षमे (कास्यान् र समा मार् प्रमा खुक दकाल: \$ 1 ma: मंग्र) (m (mm) मनार (प्रकार) सम्भूष (काक्रामान्कर) देककर माड: (भर्कीनि: क्वाहि:) अने (अनेकासए) प्रदूषकार्यक-लक्षी (सस देए बामिक्स) महम लक्षी र (आहर) वर्ष्यर (विक्रावंत्र)॥२०॥ लासी (लाक) कि का कि का प (लाभे में कर्मा व ल्यात म ल (बर्ट कर्या) म लक्षें १ (क्या के आक्र मालक) म लक्षेत्राल त्रहत निक्षं) व्यक्षित (कार्काक्ष्म लकः) क्रिका (आक्रियां कार्यां कार्यां कार्या) में डाबर। लम्माः गः (मक्षाक्रियः) व्यक्षिः ह समाः ह लग्नवः ह (क्रेक) खिंश (बिस्सः) ग्रः (ड्रायगंः)॥२८॥ Car (ट्रबेंचा पर्मेंबानंग नामुक्कानंगत्त त्यारामुक्कम्स् (म) थान्या हिकार विना मक्त्रिम न भूजा डरवर (महरवर , ज्या) था जाडिकी १ लगू १ विना सर्वाम् वव व्यक्तिण ह मार् (ब्तर)॥ आमा (थाना किमारिका) वका (वक्रविका) वव (डेपिना, उभा) वाडिमा (वाजाडिकी नम्:) किया (म कम्मा वासे वाहिका देन्छ-लर्भ: जम जवमम्ली : भमा किल हिनिश्च रेपिया ज्या) मधार्गः (अताः भन्नाम्काः) नवदा (अवक्रम्भी, ममम्बी, लग्नम्बी, अप्रम्बी एकि नवनिशा है) केदिन : (हे आ:) देले (वर्) मूम मामाने (मूल-अभी भार) अल्मे विदा (७५:) द्वापमर्ग (द्वापमिर्ग) डेकिंग (डेका)॥

काम (क्षत्र वं) का जिल् - सर्रामायाई (क्षा जिला : सकामे अस्तर्यात् स्रक्रिका: सर्वामा : माह: बागर) जवागर (मॅरममंत्री पर) व्यक्तामात्म (व्यक्षामात्मे कर्मात) रेकोम कु: (त्पुको न्यतंमाः) मिलिकाट (क्य बिलासन प्रमात)। क्रांच (कामीम) मां द (नामे केन) ज्या व्याखा (विकामका ती) ह (रेक) हिंदा (हिविदी) पूरी मार्वकी छिंग (क्रिका) 11211 (क्य समेर में क्षाया) मा लाभेर में को कर में है हो (लाभेर में किय ना भक-अंद्रास अळू दिक्षेण करेडी स्मानडी बीड़ा सक्ता प्रभाः लाश्रिमार्डा यहा) १ समेल च बाहुमें हैं कि (अपहुसामें मा कार्क कार्य का सका क्र में कि) कक: (क्सारे दिवा: 'क्स में कुसब्दी आ) मा अंद्रिजी अपूजा (तिभीजा)॥ उमा ७॥ श्वानित्यामाः (अकक्ष-छायश्रमामाः) वाहिका श्रेष-हाश्रमाः (वाहिकः वाक्षमानः थार्शकः अम्राहकी मम्मानः नम्न ७ भ्रादित्रकाष्ट्रण रेष्टि) विशे त्याङा : (विश्विशः किथिनाः)॥॥॥ (क्य गाहिकधार) अय (आभीत,) गुर्थाः (म्म्यू गुरु नामुद्धिः गमा :) वर वाहिक: (डाय९) प्र: (वाहिक:) लक्षार्थ छव: (मक्डन: अर्थडन रेखि) दिया (दिविट्या डनिए)। प्रेखी खो. महार्थको) ह क्क-प्रवः क्रिक्सिएो (क्कि विस्ता: प्राक्तिका:

केकारी दे (या काल कामान आया का का का किया (डेक्ट कर में अं में अर्था म्युक्सिकार क्ये विस्तिमितिं : व्य क्या ह्लो प्रको) दिया (दिविशि ख्वकार्)।।६॥ (ब्स केकपुरम्या ग्रेश्या (श्विक्रामार) केकपुरमः : मः (ग्रेंग्) अकार - ग्रामान माना (माकार म्याना : ग्रामान : मालााक: जानार) हिया आप (विदेश डाउर)॥ ७॥ (वन साम्मात् राम्नामार) नकात्म लयाक्नामिनः (नक्ष वा त्यान था रक्त ह जमामिडि:) अम्भार (आभ्यम गुन्तु:) र श्रविध: ड(वर ॥१॥ (क्य अर्खन अरकात्यर् गुअं प्रमाश्वाि । की वादा की कृष्णपार । एर) रास्य । (अर्) मार्शिमार (भाव विकासार मारी भार) र्षाव क (सक् कालार्) हात्री (हर्ष् लामार केम) नाम्बा-सल्प्र (मामेखांगः मर्लम भाक्षं मामेखारका त्या जावविष्ययः छमी आमलंग आमका। किम्न नानि एन व्रष्टिमयं करण भविष्र्रित व्यामार्भन व्यामका) मार्सिन ह वामी (डनामे। वनः) दिन् (वर क्यमं :) अप्रमामा (दिलानेमामि मर) अन लाग (तत मसमसाल) देशकार् (पास्ति हों) मा ब्रिंग (म के के । मान मा सर् बेंबा वि वर रायं वर्ष याम्बोर्ड पे याद मा सार वर्ग कें भाई लाभाश्रे कि दे हे डे डे डे डे डे डे डे डे डे

(अम भरका न करका मह बाका में मार बाक । न्यासा क्या के कर सार । (र) क्यान-न्यामार्थः! (क्यात्मवर् न्या प्राप्ति कालाने धरम्याने वर्माधारिनम्। (र ज्यो रेक ; कें) खर (कर्म) द्रक: (लक्ष्म कार्य)) maing legit (क्राक्र प्लाखार) । क्रमास (विद्याव्यास) अर् मलीमार क्रम एक: (भास्ती अर्थ- भूनकिए।) अपन्य विक्रमान अमिका (विल्यन-विभाग) न्ताम (ब असी त्याविका द्याचि)। क्रमभि (क्रमहिर् अकार्यनान) यकाः (धम) धमाक् यार्यमिति (अधमाक्रमन-ब्राकार्व) अभावंदि (अषि) जमा विभाषाया (रार्विम्) वनः) काल असह (इमे९) द्वाली (सरी) थाइड: (वर् शर्मकर) यख्दः) डास (वियालमा । मिना मिना में भीमाया भीको धन भम मल्याराले न मडी कि मुळ्य भ नकाकिनी वाछा ए भा ० थायकामे ७ भा कूड़ रेक लाव:)।। २।। म्बिक्स सार । (इ) कृष्टिम । कर्दि । (व वस) व्यक्त नर् (मममनाम् ६) मा र्ने (मिक्किल भा कक्) वस (रेलार असर । अल्फ त्र वस्ति ! अर्थवाम र्थाम: आसा ध्या म उत्वि उत्रा अर्थिम र निः मका प्रकृषीः मा सार कार में में पास)। मंद्र: (लाम) लर्से ना दि (लाका अ-साहि भाभ नकारड) रू भए (राई) निक्रिका न खेल (न आ क्षेत्र (मन्त्र है कार्बेश इमियमार्गे: श्लेक आरंगे: ह्या कार्गे कार् अक्ष मक्षा वळिष्य-अस्तिमाद्यात्रात्र विमेखा दृष्टिकाराः

CLASS ROUTINE

| Days | 1st Period | 2nd Period | 3rd Period | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | ų. | • | | | | |
| Tues | | | | | | | |
| Wed | | | | | | | |
| Thurs | | | | | | | |
| Fri | | | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK



128 PAGES

Class

Prive -/5/-

लक्ष्या । यद्या (यद्या) द्राक्ष्या) दृष्या । द्राक्ष्या । व्यापा (व्यक्ष्या) दृष्या । द्राक्ष्या । व्यापा (व्यक्ष्या) दृष्या । व्यापा (व्यक्ष्या) द्राक्ष्या । व्यापा (व्यक्ष्या) द्राक्ष्य । व्यापा (व्यक्ष्या । व्यापा (व्यक्ष्या । व्यापा । (सा) गाय दिवसीं (दिस्तार्) म आमारा (म आमारा कार दु कल्या इन्से जिता साचितिक प्रतिक नेक्से बाल न त्यमा त्म मा इन्हें वर अनुम्हें ति अमार्ड विश्वकात : । अल्प भवी से वितासी के के प्रकर्त ाक्षीरीज हुक्का प्रजी भावर तेवन) १ प्राद्विक छात्र विलाय? म लामिने दि बार्ड राजका देश (मिने में)॥ >०॥ (अय कारकलान बर्याय वामाय मान्या वामायना । (र)कप्रावनानी-किछ्य ! (कपस् कानम-विशानि-र्रि ! वर् मार्) मह प्रपुत्रानेत् (भम कार पान) विकह (अभू दिन) नव (मूलन) वन-वर्षिया (दिवस प्राचित्र के निवाद कर सिल्य के में मार कार्या मर के प्राप्त (इवाम विश्व प्रिकार (क्या कार्य) सिख्नुर्थः)। य९ (भमा९) (मार्थः (बल्यूरः) विद्व (आछिप्तं बहत्) रेम्ट् अरेबी (वनर्) ह लम विवार्जा (बनमून) उराणि, जणः) थापि (वः) सा (मम) कृषियान् (क्रा कासा क्ष्यं विश्व स्थान नामकोत्) डाबर (केका खन्ने) इरामि (मूकामि जमा) थया (यहेकार) कः (ख्राः) अंत्रपृढ (राम यक्षात्वर दिवर) 113211

(कार ग्राष्ट्रीसार) लाव (लाभीम) मान्त्र अवास्त्रा (१) कुछ रिका भार्चिशालिक (९७५)॥ > 5॥ (वस मान्नारकंत अपरायर बीशो में यह देव । मान्यस मार्किक-यार । ८०) केक ; जैक्षायाय प्रत्याचिताये वा (जैक्षायाय्नु वैक्षा-(यस्न् विस्मा किन सत्मार्किम वास्मा हिक्का अवी अर्व) Q अंद : (अमलात्म) अ अप्रांग स्विश्वामां (विश्विता) मनी -भक्म (स्पाउनमा पक्मा) दाक्रवा (स्थाप्ता) काश्र (वाव:) धार् विकार प्रमानकर (विकार निकार कि सालकारानि सूम नार्मि र्जापुर मन्या: २० वमात्रक्ष साक्ष-विवास मायन क्यामिकोती कें (केंद्रार का बाहरे इका सामातिको मः । जाक केंद्र-सास्तुः केम्भवापः कामः वर्षिक्रेत्रिय सत्पाव त्रिम दुस्ता लडं में इ: लगलाए यात्कायमा समक् यम्मी वर वयम मक्षेत्रकमा त्म्मत्त्रि वाक्रका लवक्षा लाम् । लवः मार् विकायर भागमर आलम (सामाधिकारी: , टमालम् भाम मम्मा: जार कमा है कर के में)॥ २७॥ (र) की ला है क- म्थात । (को ले भी भी में त दे हैं व : प्रिमिट : म्ब्रिकाल: कामित्रमात्मा त्मम स वर सामि समम्। इस्) रेमा-

वंभूड (बेसावपड़) लक्साइड (सिबंदिवर) है अस-सिक्बा कारिड

(क्यान प्रकट्यन अल्यम् त्यत्र वाक, कामकर त्यम क्रामा दे गां कर ब्याव) 'लामार (प्राचा: 'लाइड) साव हा: (मकी वह ने सब) काळात्र (काळात्री-सम्मार्गः) क्रम्म-विदेशीं (अका नाम ?) म धार नामि (म हिलामि)। उन (एक्ना अर?) असे ने उकाटि (मुक्ल्यकार्टाक) केंद्र अवसा (अवप्तिय यासा) काम । (इं) मत्रीत (मार् मार् समाम दर । वन:) विश्रवः (क्रि प्रवं चिय- नियायकः) नेक् मम् पिल (परि। विकर बामकी (यम कल स्थाल म तहा। भी द्राक्तिकोड़)।1>811 (द्रमार वेना क्षेत्र विद्यारिएक। (४) मरिवर । (मर्वर व्यावस्थित) शक्का !) (इ० अमस् वनः (मिमिन-ट्याक्त) था छ ने कित (मामाधिकरमन) अस्क्ष रीक्ष्मात (अन्क्षाह: अमनिक्षाह: रीकृष्टि: नाकि हार मिरिए प्रामिन) यत हरामि (मार्भ) किय) हे स की डिकाकार (भश्य की डिल्मामिनार वनानार) देखि (लस्टः) कुछिति (अर्वभीतिता । लटः) स्त्रीय (क्रम्पर अस् अभाग दव) कक्कार कुक । अविद् (भव्य) वर्ष-क्में (अयम्सर्) मिलिंग (हे अमिला) विम्ला क्षा (अम्बार) प्रकार: वेषाठ सत्ति (मारियार । १००० १११ नमा नामकि के किने में वंसात्रीय असक में रिकार के कि प्राप्त न रेव: वसी मैक्समा वैग द यह निवै समको इन् कर प्यार कारा अवक्षमा देवादिति (क्षित्रम्)॥ > ६॥

(अवाक माठक में अदलाकार बरे अरो में मार वान । क्यांहित मशी च्यांकाम् र च्याकिक व्याम्ति । ८४) करमा ब । सराप्त (यस मकी क्रीवारी)कर्न हमते: (कर्म मक्षि:) व ्ली धनान- मवस्थाए (वर्भी स्विति क्षार् नवी नार् म्यार् प्रका आहमापि हूर्नर्) नाम अम्बन सक्ष (गर्मकः) भीषा विषाता (विलिन्-ग्रिमका) समार् (मार्मकर)क्याल (मिल्लिस समाक)) मिलमर गर्ट (वामर) लामारी (जाल)) विवत्र (स्मान्य काला (यात-प्रबंध काला) लाधिय-निकर्वा छ। निक भार्छ : (नाधिय-निकर्न नी क लम असूर्य हेडानिका व्यक्तीकृका भार्किमा: कमा ह भर्ग)रेम (व्य Cबामालनगत) अपर (क्यम) हार (पव) श्र करिं (हिन्दिरम्बन्दर) मिल्हिन्डी (मिल्नाचिक रडी-। मार्थः मधा बर्भीक्षामुक्तार में कर लर्के मर्केट क्ष्रे में एक : भी ह्या मदाती-विश्वास संदालनी विश्विष्ठ क्षाण विश्वयः गद् विश्वनः काम भी डा र था मार्ग नार्धम-निक्षालानिष्ठभाव : वर्षा । जिं लाइ समा क्र मन् केर विषयां का ममीद्राममाडि सम् क्रिम्यरं प्राक्षित्र))॥ > ०॥ (अवास्ताक्केना अद्यात की भी में राद्रवेद । व्या वाद्यां गाएट में भी के कि हार । (४) सर्मात्र । (सर्व खिला | क्या कि कि ।) कार्व कार्मियाली (स्त्रेमान म न्योक मा मा करें के मार्वेगु अर्थः) लाज जिंग प्रद्रम्य विमान् : (जिंग प्रद्रम्य :

स्रोग द्यांगः (स्रहाह: सर्गः) मेळे (वेज्य मा) विस्तृती (क्रियो भा अडी) उर थंडा में (प्रश्नी भर्) न द्वा (वामकाभी) इ०-एका वं (मैंबाजी एकार्यमभी) भिष्ण (यात्र) भाषा हता (धन्तर हो।) बक्त कार से (यस वस्त- शन्तर) क्रांस (नियम) भावप मार् म क्रांक (न निष्में भे के वार) कार (अकेंबर) लाम: (मिन अपरम्माः) (अपर (विस विस निकार के सप्रंड) भिन्ममार (जीप मिम्सा । जाय कर्षे म्याली का प्रम (का कालमामार) बना पूर्व दे में निष्ण ने का करो। प्रक क्रम आश्र हिर्मे व्यास अवसत्म् न क्र सार्व म्ये क व्यादियाला विश्व प्रकार प्राप्त त्या विश्व त्या विष्य । वतः नम्म ६ वर सभी : (अड ट्यान्याम लप्प्य स्वास्ट केर काम मा नाकामी प्रति । मुख्यान के भी हा शिकार 2 20 5 mg 5 20 2 20 20 20 10 3 611 (ध्य म्लाम्मार) क्रम थार्थ मालम (इलम) ब्राह्म: (डासने) अस बाला (रेक) क्या । । । ।। (बुलाक लाका भारता भारता भारता मार्गि । (मार्म अम! मम-मड!) आधिन ! (कतियत ! प्रः) भूगः (अञ्चार्जनीः) क्रुवलगा विकार (क्रुवलीम: डेप्यलिकिश्व: व्यक्तिर उ०कृषी १) मर्ब मेर रहमम्बनाः (मर्बनः मलादमः मछ-इर्मानार्थन : निमादा भमार णर्) धनक्य लिया (धनक्य:

बयर क्या जिना ब्लाइनो हेक्समार हे स्थाप्रमीर (ह साममुखार) मुज्ञ क्रिमी (प्रवन्ती शलार) गुन्न (मान्य वन) थरर (थारा!) किप्रिय (कयर) मली मन-भएग वन् गए (मालिन-मिलन-क्षान् भी । आले रेमार लाक्ष्मार (कल्माल मार) कर्म मानार (मनर्यान मही अयादिनी का कि व मिष्) उलम् (डेलमक्न) वात्र (दरात्र । लाक र ममाक ! मापन मार्यन थक ! कर्ड ग्राकर्ड्य-मिन्य-विसृष् ! भार्मन्! सीतालप्रका विन् ! वीक्ष १ द्व क- यमना किसार कें आमियी वर्षमार वसासाम का किसा में कार् ध्यव्यः गुलावः जमा जिया मम्मदा हेन्तामिनीः सून्छ-विश्रीः म् वि विनिताया वक्षाना मर्व व- मछ- १९ प्रमाना (मउर्भनमर्न जानि) प्रः अवर्षिनीः भए जासन् मसीसम- अर्थार्थ दार् ईसित- स्नी ् बाह्न तार् बाविनी ् कर्म-माला कस्मि विम्वाकिया ने माला (नाता यमार् जा ? रेमार समी लक्ष्ण अनवार्गा मिकार किमिन क्यर डकार, व्याप्त । व्यव के विष्य)।। 26 11 2011 (वरुभारतान व्याचि के के मुकायन कि)। (य) मदकन ! (मापन धक्रमा क्य में भनं ।) क्याक्य । (वर) मर्जुद्ध : (त्राद्ध : भाक्ष सर्थः वमनः छ भारि वासम्डीकि सर्भाः पाक्रमानिसाः (क वाक्र)

उद्यार मार्थकर भाषानि छाय:) विमुछ (अङ्घा)क्याभिव (क्न एडमा) ब्लायान लावेड: (मर्बड:) बाध्याप्र (बिर्वामे। oco भाकमाम भूनी प्राय व म्म एडआ अन्द्र मा अव प्राय अपनि जाति डाव:)॥ अधी २०॥ लाभ ड(व: (म्नाकेस्टसरे) लिका विवर (इर्ट्य त्या क्रमंत्र भाषा (ह्या ने प्रमंद ग्रेश्रीसर) क्रिका: (म्यम् क्रम्पाम्ये) इन्ट्रिं) में के (विधार)) क्षेत्र लायक: । मृद्रि (स्मुक्र पंदर्व स्रवास्तिनि धाश्रम् काश्रम्लि) बा की (बहु अकि)माभाष (हमार्थः) असः (डायनं डायर मः) ल्यः मिर्मिः (क्यारका कार्का:) महः (मिनिक:) 112511 अवस्थायम्नात (अय-क्षेत्र्रिक्षात् काभुगा (त्राक्षाम्) म्मि: (अस्म:) क्यं (क्य प्रद्या ७१०) व्यक्षामा (आममुस्मान) आर्मे। (४०: ७१०) मुद्यानिः (भू त्येः मा महिर् : अति:) था निक् (सारिकः) थारमान सुर्ने (लाख्यां असं मंद्री अस् माख्यम्) में यागं (वरामां रें ले के में में सामा की की की ने माति (डाक्प) कासर्प (आर्यमान)॥ २२॥

(सरमञ्च-क्रमूम-आलिमी) रेग्ट् ललामी (लला ट्यामी) अमनिष्ठ-हरी (स्वर्कतालिन अवहिन वन तनार क्रम्महणनर मूर्वर्म कमाल क्रामिण्यः), मिश्रिम विक्लाः (भावर् भाक्ष्म:) ह व्या (वाभीन विभि) निर्ध उभाद्वा: (जिक उथा: मरहा निवमडी कि लाय:)। (वन (रहूना थयर) द्वारी विविद् (यामिक) लेख (रेक्सामि । उक्स वार्) एपन (हेलाएमन) निर्वा (अक्टा- त्रिक्सानावका मठी) भामि (अक्टामि) वर्द मार्ट (अक्षमः) सकट्रें (यस्मायक के क)॥ र वा। (द्रियं इ मार वंद क्यम् मार् । (ठ साम् ।) लग्द बराजाः (धीनमाभा) त्रुक: (पूच: थीरुक:) प्राधनी मार (प्रवीमार् स्मीमार्) व्यक्त-वितापः (व्यव्यः भाविव्याव्याभकः वितादः एकी यभा म जमादूर रेश्वे) भामिकः (मिलाक भाठः), म्पूना (कासमा) प्रश्वाहा (गिष्मास्यर) आले निर्वाष्त्र ? (ढ्रिमिना नामिक्र) न अत्र थाप्र (न असर्था दमामे)। अस्म कुक (मान्त्राम्म वर्द नाम (कमान) मेंद्र (में मा) काउं गर (ग्रमार) यार्चन- सका आका का एड (कार्चनाक (यार्चम ग्रा-मर्भा-मणा-मानिगास)रेप (अभीम) भप्राम (मिनिश्रावारी) आरा (भावेत्यास मड)) अभा (व्यापार्ट मूलमा) प्रवेदः (थाय) विष्यामि (नि: अड्व : म्यामि, ७९) वारा विक (मर्विमम्)॥२८॥ (अम आमेकाम अवितासाम थार) मुक्तमा अस (मम्रास) वाक्राम- (यमिन (कर्मीमार विमिन स्मित्रेम् तम नम्म सकानमर्) माका मम् माधा के प्रश्विः (मालाम म्लम थ : मम्म: लक्षादि -(२० कः प्रद्वाहः एवम अल्यामा प्रवृतिः आक्षापनः) वदा (हर्तन) ह्रामभन् (ह्राभी अक्रुन्) कर्न कष्ट्रा (कर्न-कर्ममर्) जिलक किया (जिलक-वहना) ट्यम-किया (ट्यल-क्रवनर्)क्ट्वाः (क्रमुललक) मृतिः (क्रम्म तर्मकालम-चिन्नर्:) मभार पाल्यम - न ए त (मभा पालिकानर जारमक) अर्थन त्रा १०० : (५० लम०) श्रामि- एक: (श्रामितार अध्यतः) मछन- लिन्त्र नर् क्रिय प्रक्रमार्थन-क्षाकारी विकास कर क्षित्रमण्) त्यार्म् सापि- खक्टेन (मायस्मा-पीनाः अकालमः) कृक्वनीया डिल्मिश्रमः (कृक्वनामाः (अभ्यर) व्यम (इक्क) अवामा : (मामामी : (भंगायमा-मर्गः) व्याक्षिकाः (व्याक्षिकां हित्यामाः) भाः (द्या :) ॥२६-२१॥ (ज्याभ्रोति-रिमित्रम्पार्याच । अक्षिः भ्रवत्रभार । र माथ!) अनीनार् धमना (मास्री त्यकी) वनाकी (मूलाहना) रेपर् (खिलामा समा) क्रम र (क्षम द लार्तम मर्म) पद्या . (कालार हरकर) इन्ह (नर्ह हिटमा) राज् के सारि काडि-भूक अछ)विभाभाग मन्वामलन (मम विष्णुर)भार्षः (भक्र) मकमार्भ-आश्रायमी (अक्रमाभः वानिः उत्र) व्याश्रायमी वर्णान-

भर्कि:) व्यास्थमहे उ (मारिका। व्यानिस्थारेत्र उपा ममाडीके-सिटिं नामार्थे आरो सेमक द्रिकामो दिवेष नीममरात-नीजाबिकार्थः)॥२५॥ (अम मान मस्मान कं मर्रिष्म पार्वि । श्रीकृष्टः म्बनमार । (म सर्भ।) बेशव्यानुमाळ्या (कुरेंड ब्रम-मेर्याव्या) गर्वातमार) यर- अंड शार (समात्म) । आहरत् (लार्डेट) लाज द्रें (बाला-कायर में :) अहात (लार्पाह किक) मठ (ममार) रेडं (धराविष्) धार्म थामा (राम्)मूपः (प्रमाले) भरिन (वस्ति) व्याकृतील उ९ (जमा९) रेग्ट मतामम (कल ल्या) व्यव-व्यविद्य- धूर्मा प्राव्छि आ किंत्र मानेन असे (मर्बन वार्न्स मः अविख्यः ज्यानाव्यक् कः रिवन मा मूर्ग माम : उमा आमाव हिला ममा छ रूपमा) था स (वहरू इन्ह कर्ड)यान (लक्षावं नास)॥ 5911 (अभ मदा इलभनम्दा वि । दि मत्य!) मार्थ (भीकृत्क वनमूल्याः) कृत्लाः (मध्मत्याः) नव वाष्ट्रते (नवी गाविष्ये) वृत्त (मात्व अवि) वनमूल्यी मध्यभूभी (अवि) टलाका अंत (त्याक्रेम) वामने क्रिने) हन नार्य क्रिन कर्ष (यामन नर् यथा माछिया) किछिए (कियान) यथ ति त्या (अक्टिवर्ज) टिन (मिश्रातनं कर्या) समानम् (मध हिंडए) अन्यं निष्म-अहे अपरी (अनम्म) कम्ब्या निकालम मः अहे : लग-

ङ्मिका ७२० लम्बी १ कका १) आमामा (भाक अवान एकने (कमाल हारा) वरक्र लाम मक्ष्रे दिवीत्राको (वमा वन क्रामा: एम मकेट्र कार्या मकी प्रकार कार्य वर्गाः याम् मक्रामुम्बार्यमार्गः बमार । के द्वा (यावमा) की लिखं (व्यवकी किल्से) 110011 (लम क्ष्ये क्षिमार ने त्व । आ के मः से वस स्पर । (य याम । लाइ जन बंध अर बाल में था: (बल- से ला म्यांग : जी का का गा :) के में भी-निश्य- धरेन (लालभारी- निक्याम कक् ने क् छ मान- ट्रामिशक ? (इक्षाण्यी अक्रेनवामश्राण्यो उत्ता: । त्रिश्वणि तन कर्तन्त्र अविभिन्त्रा अखांत्रम् जासत्म तामानि धानि मानार्श्वाम मिन्द्राम-कड्मान मदाम्यामा वस्याः छः के का सरकित्या क सम्दित्याः अही तिस तत्र वर) नी (माफल एक नक - कुलल (नीन पा देक नडी मक्नली क्षक के दिला मान वर) क्षूक हैं मंग्र संगाह (हिरामाह्र) ॥००॥ (अम । विसक । क्रिया में मार्बा । के स्वयं भी की क्षार । (इ)। लेगड़-िया अवं i (८ सर्गे व पे क रि । मुक्ति । म्या किता) अने ए पे ये पर में श्री-(अविष्य वर प्रमवं मंगर माना: कर्माक्तिमा मा) गामिकिका (नीवार्वा) वार् मक्र (नक्वाव (मव) पालाक) (पृक्षी) कर्णाक्षमर क द्या (कप्रता: दुक्षमती सक्षपती के किय नम्मः मा ow मणी) व क्रकप्राजिमा (व क्रूक प्रथा वर्ष व खार्म त क्रवार्म न) मार्म (भामना) मिन्तून विम् कार (मिन्त्वाविष्न ना डेक्सन १) विनकः

सामग्र (मा भाउमा) कूर्मी (वहमंदी मन) (हल्मे (हिल) सट् (व्यक्तातावना) मामम (वार्याममे) वामकनायं (ग्रम्भ अन् ग्राम्भ) कल्य अक्षेत्र) हेय (वर छितकर) गरिः (भाषवादिकाला राजि) गुङ् गुजानी ९ (अकालिक प्रकासी १)॥७२॥ (लग प्रमाम्नेमें में में में में में के प्रमा (लग-मनेमा क्या भी य लामुक प्रचा न्युक्क में माला लाग्ने के वे प्रचा) भाष्री (काहिर मूलम्बरी ला निका) इत्ने (क्रीकृत्क) अवः एक (अम्मू अरक् अषि) कर् मलायन (मन्त्र वर मूर्वायसन मानिना) मितम कुल् (अमालमकन्त्रमण्ड) त्रां-स्वकः (त्रां-क्रम्म छल्) अलीत १ हे लागा (तीला हे कु (छ) र्थः) निव-क्ष व्याणु (श्रीमं-क्ष्य व्यामा : क्ष क्ष व्यक्ष) प्रियान (अन्यमाध्यम विच त्राथामास्मिकोत् :)॥००॥ (अम के विशिषाम्बर्ग । के मा विला भरत्य । (म) विलामित ! (वः) कारो सत्म हम इने के पं (कर्स व्यापनत ही स्पर) मिताः मैसर (क्रमेश पर) प्रदेश ही (सका प्रमेश स्तु) । कर (कर्र) भिकास (सम्मक्ष खन भीति) क्यमं (वम) ए (वन) म्य-मामकााडे मुड्या (म्यह म्य) कार्डक मा मुझाना र्बिश्यरं) महीत्रिन प्राप्ति के कं (मही क्रें : म्येक - 14 भक्ष त्रिक्षं : मपमल : कविववं : उर्) वर्ष (वक्षर् हमान्)॥७४॥

(मभागत्म सर्मार कार । संसम्बे की वर्ष मन्त्री वी मर्ग । व याम । वर् नं : (लय तार्य) का (लयरपकंग ग्रे) ष्ट्रमंग (वय का मा लाका) न मन-बी बिनका कि टारे (न यम बीटा: न यम प्रारम्भ मत्रीत वाल्या) वा मामाप्त (न्योक् एक) वा वा वं (म्यम-बार () कराके (कहात्सन वर मिनीत्का क्रान् , अनहार) हल -कनक-ककु ने क्वानिक खांभे जा मक्ता (ह लकार कमक-कक्क नामार सूर्वे र लगा नार क्विंगिक श्विनिमा क्राक्षेत्र वार्षिक : धानकी : कास: काम्ये अविकास राम वार देवमा सकार) सद्युक्ट-क लिए व त्था के प्र (म अ नी क्टिंग करोता वी किट्रेंग व्याक्षी सम्मेसण् तत्र वार्या रामा भाउमा) सक्ष्य (मण्) हिं वर् (दी प्रकात् काल)) भाव समास (amming) 110 का (ज्य स्था बार्यस्य र स्था विष्य । इयं। य९ (भन्ना९) खबर्भप म त्या अक्या मित छ छि छल-रे अधि मा (त्यव: अर अर सामार्गः ! १ वं ५ करा परिंगः । कथा मार आह आर । भिलम अश्मक्षी खरम् जिल्लाः विपूष् व क कलाः र्भाय: तायाथ्वाय: ताया: व्या) तायता विष्णामता महिन: यकी (मिश्यक्षी) में द: (ठ्य: लेय:) के दें (यक द तका मारका) कवान् (वानुवा वर वमा) हाम (केर कारु) सम: हिनदावीक्वः (देनदावनम् सम्प्रिम्। कमार हः) निर्मानन (अक्टर) क्लीक्यं ने का नंगासिक्ष्रं (क्लीक्यं भिलाने सक्षानः) विमेक (outsold) 110011

ह्या (भळाळ सात) वर इंग्रे का मी (सभी) से समाता मीक्वा विश्वेतम् (क्वा क्षेत्र (क्वा : (मंगरांग :) भाग विश्वेतम् (क्वा क्षेत्र : (क्वा : (मंगरांग :) भाग विश्वेतम् (क्वा क्षेत्र : (क्वा : (मंगरांग :) भाग विश्वेतम् (क्वा क्षेत्र : (क्वा : (मंगरांग :) भाग विश्वेतम् (क्वा क्षेत्र : (क्वा : (मंगरांग :) भाग विश्वेतम् (क्वा क्षेत्र : (क्वा : (मंगरांग :) भाग (मनन-मामन कामनिज-मञ्ज्य हेम्मिण अप्रसं्भाजा अली) इंद्र (लच) स्मि (बिलाभार्त कर स्वीक्राः) के लिख देव (इ र अक्षर्ममण्याम सर मून भागीय लम्बरेमा अमा रास किलामे, लडं ति वर्षाटुरुपं साम्मामा त्यावनिष्ठी) यमकत्त्र (क्ष्रियामा के) क्षा क्षेत्र (तक्ष्र के) मा क्षेत्र (क्ष्रियामा (क्ष्रियामा क्ष्र के)। सका । सेवय । त्रा स्वर (रामा आका) संद लका । (य) (सामा आका) संद लका । (य) (लन्त) अभ मक्ष) नम् सम ए (ए लिस् में रहा कि में रहा हा हा ने :) मार्ने सम्बोसाय (अभास्मान) (मोक्टिक म (म् असम्बर्गाए) <u> वर्ष: (स्थ्यात-मांत्रस्तान: "लाम. १ लामम्</u>) मेस्यातु (कें.) मध्यां कं यामा (कर्णे में कमम (पार्या) दृर्द (सा) का वैंड: (समामलाधा) के के के कु (अवि) 11011 (अय मलनाम्बिम्पार्वि । अर्कः मुक्तमार । (र मारा!) न्यामन्य विष्यु : (अविष्यार) भार वित्याक (र्यु) सकीम्भिया (अवसावं सहमद्रीसामा) साम् कक्षे प्रावस्त (सामुक्तं-यसरे लहा है:) में के: (बाव सायह) मर्के हिन ते बंद (मडी ने कहार) विज्यू की (अकाम मेरी मेरी) था लेख- वालामामन (कम भी वालाम)

लासार) प्रचारि (का मंत्रीय) आरक्ष (अप्रदेशमा) ॥००॥ (त्मार्थन अकट्रममेता ठ बाक् । ज्या के क कार । (म) कथाएन । क्या । र्मावमाड: (र्मावमम्माक) उत्र) मिया जवा: (मावद्राः) गाः मला : भार्षः (म्लुलिक) मृत्या दे (वियावत ह) इत (थारा ! मः मणः) अत्य (अयापात्म) भर्म मा १ प्रमामा छिटि (मस् ४०) यर्षि (शक्षांडे भव्द) जय वलायेनी (असमीएय जमान् ए०) बाटमाछि जम रक्षेत्रमणामा भाक क्षुत्रमुका)रेपर (सार्चा (बादमा विश्विम कवार) व्या भना (क्यार्कार) क्रम हे सामित (हसाम) मार्स्ट) मार्ड प्रमा: (पार्स्टिंग्या:) म्ति (मून डाल) नामे छ कृष्ण त्माके न (नामि अह: ल्यमालि : क्याम : भाग क्याम ल : (क्याक्ता (पत्र जर) ववातः (९७ म०) क्या (प्रवाताः न्यावस्त्रमः भामः कृष्ट्रमण्) व्यावित्र्ष् (व्याविक्ष्य)॥ ४०॥ (ज्य क्थानासि लिस्सम्भार । नीक्षा: ब्यामार । त्र) वृत्तः! मर् (म्यार (वं) जा। (जन्मारं) मर (ग्रमार) इ लेंगेश (क्लियर पा) कुर्य । खर्मम्भाः महस्त्रम्क (कल्पालक्ष्म) (तिकाम्क रहे (रसाठ) द्राह देल्ला की (क्लियमा) जियमक्षा: (स्वा जिर्म १८ १०) अ ते क्या क (शका ल) म्मिन्न (केंद्रेसिम) (म (भ्रम) ग्रम मिल्रिका

(कार्के-मार्ड केमार इंगड)(म (मडाड) क्रिकी (लातम कार्यात विकासमाद् । कार:) कार्य क्रियाः (मार काल कामा क्षेत्राधारमारमा) व्य में के (मुग्रिक):) विकेष (मित्रमण् । न एम आरंगा मिनायें)।। (व ख्रे प्रकारंग त्माममार वाक् । व्यक्तिः लक्ष्मामाम् । व्रम्मण (यालसार । (र यात्र i) लाक् म । लाक मावर (माभुमं काए) व्यवक्षणक्षाः (व्यम्लाह्यामाः) किराज (विह्निं) संभः अर्थार (अठ्रअः) निस्ता (पृथ्वेर) थार्ड : (ज्रममंत्र-कामन्या देवकका जीदिं) अङ्व (साठ:) वावर (वर्भाते वन)मा जमान-विदेश (जमामन्यों) कमसीज्याः (स्वन् में क्षा प्रामा :) महमार (यर त्रायर) विकास (क्षा) कार क्रिमुं (रिक्मुर्यन्) भार क्रिस्ताव (क्रीन गमात्र) ॥ ४ ।॥ (अम हाम्भान अहिणामान आह) त्यामिल क्रमूप्त (रमकामिष्ट्रामण् तम्मरामः अक्षम्मष्ट्र अक्षितीयमः) (न मा ह क्षम - क्ष्णित (त्या ह क्षा था भा भा मा हिमा धूर्मन ह क कर ह वाक करक) यादी अर (वक दे हिं :) वास दे क कि का (गमहळेता पुत्रीकान्डं) किराक्षाती : १ हाके मा : (महितास 2(45) 118011

(बच (अज्ञाअकर्मे त्रे के कि । न्यो मा मारे। (र) हे ए । (म्यान प्रार्थ । (क्यानम् (म्याक्रम्)) व्यवः (अत्म)कलदेन (इत्मन) वाडिलाड: (कललेमा) विक्र प्रः (विलामः कामाहकी-मिक्यः) में यमे कु (एका कंग कु) हार ल (का का) अय (आश्रीत) काजा (अलायत) हे देल (हलत) उन तिय (यन्यम् अयर) पटि इसव: (पट रेन्य भोरक्य डामर (अय त्या क्रम्या भूषा १ वर्ष । कृष्व मी क्रिका अर्थि । कृष्य मी क्रिका अर्थि । कृष्य मी क्रिका अर्थि । क्रिका । क्रिका क्रिका । क्रिका क्रिक नैक्षित्वं (इद्वं : ज्युकिक्स) वकें से सरसव में के वह नामह लाकाकाक लाभुम) प्राच (यम्पर्ममार) मेन्सवाद्या (मृत्री- द स्मार्स) कम्माड (वर्माड 100:) व्यापाः (म्याहक्तरा:)मिरिष (ममार्थ) जन व्यक्तमपूर (नग्न-कम्रत्)क्यश्वा (क्न वा प्रद्रमा) अर्क म्मीनिवन् न डार्विछ। (न डार्वियाणि। भन्न य९ अर्थनिमीनिछ माङ् ७९ अक्रिक (मय। अन्य हत्यने अर्थः। निधी निक् मूट्यी ने ह अर्थः त्रकाण्यहासाढ किंगमं)॥ १४॥ (का प्रमाधनमामार्थात्वाक्। क्ष्या क्ष्यास्त्राहा क्ष्याता भूकूल्पन (भीकृत्कन) वामे (बार आह) मृति । असा (निभेष)

इस (लाभुष्) अवं (क्यप्र) क्रायामुक् (क्रायवन लाश्वेक) करि (अाठम 'अंबन) करा (सामार (व) लमके रार (के सामार) त्र वं न वं त्र (यूक - वंत्र (जन) वाजिः (आ प्राक्तः) न अर्था सु (म के का विसा (यस गुर्म) लाल यक्षां (यम्भामार) कीला-मपाम (कीलामडाया १) भी: (धार !) न देलाहेला (म मिसिसे। १ पड: इ?) ज्यानि किं (क्रम्) प्रभागं ? (उ९ वार्क (नवका छ९) महेग्रि (मर्डग्रि)॥ ४७॥ (अ त्यात क्रममप्राय वाल । मानीभूकी (क्रोमीप्राय । एर एवि!) कानेलला-कूल-पूर्वपदं (कालेललाकूत्र) धम्नाउदेश पूर्वपद र्टल का केटक) रेट्या: (यनपटमा: ताम्पर प्यामपामा:) धार्मान (माल) अभ्याधिकती तला (नवीन-लाभेकलाः) अवारि (मादि यात) पुष्यक्ष ना (प्रमांगार्षेट्र ना) भाषायना उमाकिक् (पक्षामकः कम ह) हक्ष्यं (हल यह) में पक्ष्यं (मम्म-प्राउद्याम:) किन्दि (यमा माउमा) लके मिल्लामु-118311 (HE 18411 (HE 1890 SER) 118311 (अम माहीभामपारवि । जीकृषः मुवन भर । (र मर्म!) लते वर्षियाम्प्रिस (मलेया-विष्) में माम्म (में ययंत्रा की नामा) निर्णग् विवारिण-महेन् मन- विखाल (। निर्णक वकी खर्म उत्रामि विविधितः बार्याः उत्रामि नहेन मूक्रम मंग्रेश खिलाय: बेबुर्ला काला मच वर् ममा मार्व बमा)

र द्याक्षक (१५० मठ लाक (भाक ग्रेस्प्र) ७ व (त्यान ५) क्रमा - कथ- मक्बा कि - भवा मा यह (शह सरतं मा अदमा कर क्या र र सक्या क्रिय क स ्या वा वा या म वा पा या वा वा वि) आर मम: (उद्भात वर) निख्यार (प्रक्रार) विसमीकत्यां (बिश्वनी कट्यां) 118611 (लाम बास देक जिल्ला मार । प्राप्ति क्या का का का मार । (र) वाद् । डेमना: (हेवका के जिल्हा) व ् अर्थापा उ वासन (अर्था वन हेछ इतः हे प्या व व कां कि (क्र) व में रे मु बाबर (हम बामिन र) आ. ये म ह जा ते 300) अधारा (के का प् म , अधारा के का प्रस्त) वंसामार (ख्यामार् वाक ने ने ने प्राविण मामर) निर्मर (जालनः) अलान (यातम) (नयान्ध्रानिमा (नणतकालन धन्य मिता) निवही (भने) कृतु ह्वा थें । (कृतु ह्वः मम् पायकः यामिकः अभक्तामा आवः जम्ब आहर्म-भका) व्यम (द्याम)॥ १ वे॥ (ज्य क्रिक्टार) वावकामाः (त्य-क्त्रीनिकामः)भण-भवि-विक्यादि- विचित्र (भव स्त्र स्माप्ये द भमन शामारिः उड जामसम् विश्वारि: गजमालास्टि १व जाले रूआकार नका महाकृष्टिः जामण् विहित्यन हर्ष्यान् एवम) भए विवर्षत् (धाव्या थडामः) कता दिखाः (कता अभ्य-भाउनः ए क्षेत्र ् अध्यात (यहात्रे)॥ ००॥

(अक्टा में की का (ला कष्टा में में में हार ग्रंह । की के में सर : रें के का बारा हारण । (क) ट्या वं । या अप्त्य । (क्या गर्दा) स्क (कर) आर्थक वी (धून नकरी, भारक प्रत्यिभा हिंड आ हैक री) ((व) रेप प्र- जासा असरी (प्र जा सा स्थानक नी निका भवाभाषि (भ्राम्य भ्रम के कार्म विश्व कार्य के कार्म के कार्य के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्य के क (धानहर्षे राया भाउया) विवर्षा (विन यार्व)। यभाः (रेक का का सामा:) कान हि: (बरें विष्युक्तान :) मण्यी-क्लमारः (काक्रमीक्षा देखवाला भावत्मा वमा) भर्म-में ए प्रमे (त्रित्मी विक क्षेत्रिया) मिनी (त्रित्यः) त्रात्र विज्याः (प्रहार्यः) विमाविः (विमावरः) प्रहि (बाउमः, थड: उत्रा भर्व मूर्यमा) भा (यामका) लक्षानि वार्था-(अमान: अम ज्यान: क्माराख्र अला अमान: अमारा: सभी ह आरमी कमा मार्था) के (केंन या के हिंद 12 (00) र)110011 इन्ड (नवर्क्तान) क्ष्यर अपमार निक्यर (मान्तामार) रेग् दिक् अव अमार्ला (दिश्देश्मिका) एम कि। कि एव अमार्भ गिरिष्ठार्थः) मार्ग एक व्यक्ति विश्विक (अ) क्राम कार् (माख्तासा:) मामाहिक (रामामांक) तिकार. (210011;)110511

टिर (भारे) व्या (मुख्याका लामा:) माहिल्यका : (जान-क्ला द बार्ड , जमा) आकार मार : रेस्ट (क्रास्त : (क्रास्त :) ! अलावना: (अमेरियालिमेला: अयः) व (८) लामेरियाः (केल) मनीर्यकाः ॥ ए०॥ (लक लाक देलाराड) मा क्षाप्रकारमं (याप्य माधारी आछ्य) वाल विक्रम् अ (विकासमा) उने (विमालः) य के क्यार (य करवाति)। मुख्य ह (स्में में अप ह) या। भीनी (अक्षेत्रामामुन्नेम) १ लाभ (भा) प्रावसैक्यां (कारक एक मामान (मान में मंबी मरं) में का मार (त्यर) मा (पूर्वी) आमेलार्था मिम्द्रीयी अवश्री के विशा (जिसिका उत्वर) 11 8811 (व्य नामुकाम्सार) मा यांगः (यानक्षणानुकातः) अक वर्त्रा (जामित्र यमा कमा हिएकमा) वा के विन कार् (क्रपांड बार्) का का डेमार्न : (अर्दा :) (छो-(ख्री (प्रायाने (त्रायाने) कुर्न त्याम् वाम् (व्यामा स्व) G(49 11 0011 (लाम लाम्यान्याम्यार वाट । लाम्बार्म क्राहिट मृती क्रीकृष्टामा (र) यकां वक । (यका अवस्था भय । ज्ञीकिक ।) (a (a) कट्टाक -ना बाह्मिका (कटाक्र क्रांजन बार्न नी हिक्र) मान मा (न्त्री बंद्य)

श्री ५: (पक्षांत) जा- क्षाट् (जा पळ्या एए मं वर् क्षाट यस) बेमा (ध्वंत्रक) पत्रही (भ्रावंत्रही यहा) नव में म-ह अ विभाति हि: (मूभ-६ अमानिहि: भवत) मूलार (ममानार) अप्टां (प्रियंत्वा) अद्भी: (त्व्रुंत:) क्ष थु अर (क्ष्राम विष्येत्रा) म किय (म महिंगः) म्यू : (ठाअप्तः) स्थ न रमाम (ब्रिश्मधी अमानक (अन्मामाम। मुभ माना क्रानिक मान-वर्षत्य सरक्षवता लमक्वम १ थ्रम् । स्किगुक्ष् ० म मक्ष क्षियप स्मा (प्रमात्रोढं क्या। विद्व भीतास्त्रीक वंगमण्या) लामक) वयासव विश्वमीयर वास्त्राम्बार्यः)॥१००॥ (लाम प्रमिक्नाम्सार) मा (रें मे) यांगा: (साक्र) नक वर्षम् (थन क्मिहिएकिन) विनाम कार्या वा (विनाम : निवितः काम्रोक्ष : मभी का एम एम हिल कर्) में क्या (gowing) द्राल (त्ये) मिर्ति (स्प्रति) न का स्मिक्यमा (केर्ड) मिममा (क्रिका)॥ ७१॥ (निम्कीर्भाम्पार्वाक । काहिए निम्कीर्भ पूरी श्रीकृकमार। (य) लगरमम ; स्थाओं (स्थान्या) लग्नुस्था (लग्नुः लिसेंगें के वह तम्मा: मा) भिष्ठे वाक्षः (अन्वतामह र्याम : अष्म द्येवा) मा (भागता) न का (लाहुकार्त्त) विलमान (मिनामान । अवस) विक (धार विगमा) यर (धमार) कार् हार : (कार कार्य:) वार कार्यमान: (श्रेव कापिकार्य-रान्मम् नात्री न कत्रसाल । भेषा कर मक्ड देकार:) वस सुन: (अस्य) वार् कड्र (क्रा विवय्त्र महास्वानिकार भीडार वन मिक्ट) देना अ कामी (क्षेत्रका द्वाचि)।। एक।। (लक अन्य डायुक्त) म मैर्सा: (मानक-मानका के लस) रें य- तें अ प्र) अ प्रिकास कर (याष्ट्र कता कर) गरंगर (क्या मानार) आ न्या में क्या (देश - (व्यास्त) ॥ ए गे॥ (लाज अन्वज्ञानुका सेरा व वातु । काष्ट्र अनुवादी क्रीकिकारा । (द) यक्ष । कर उवासैवारे या (उवसे पार्यमा) करा (भाषांमा) धार्म निकुष्ट (बन्नार) था मालावाक (शाहिकी गांडा) मिल्ड (राक्ष मारङक्ष)काल्का (द्वाई मार्ड प्याहे मार्थे जार (माफलावाहर इर) अन्नि मूरिन (क मेरकुमिना) मृक् । (क बळक । के) सम भात्म प्र त्याद्य (मापट -इक् । (क बळक । के हे छे क्ष । मा भारतमा वाक क्रमा) असे त्यारं) मायुक्त राठ कर्यन्त्रास (१८६ ट स्राम्) नवर वर रेक्ट इस किए। (किरस वर सम्वर 370) 11 coll निस्कारी देव का निश्ति (बक्षानिकारि-तिमा) भावे कार्वका बाट्यमी (क्राचीरू) वनएकी 6 अभी 6 रेकामम: ब्रांस जा: (धारक्षा): भेः)॥७३॥

(अम निस्कारीम्पारमाछ । काहि । लिस्कारी हुली बीस्कार साक्ष्य काला क्रियांताः चेखरं व भुराख्य । (य म्यु केळां) वार त्यात : विक्: (मियाक स्पूत:) समार्क छ (स्थिस मार) किकी भाद क्यें (मिंडिंट) कार्य: (भाकि वसादि) वद (कमारि) अन (कामेन) ड्रान (काने) यह त्याकार वर (त्याकम् मक्ष : (नाके ?) क्र प ्र रिष्मि (नामामे , जि क्ष प ?) व्न ९ (मध्य) सिम (हिन्छ क् क । हिम्मा) रेक ष्टियासार्व) हिर्मिट्ट (व्यक्टिंट) यह (म्रिकंट) (अअ) (हेर्डेंग) आ एका (व्यासी वेदक्तिंत्र) एकामार (विकिश् ममार अभवा किया द्वित दिवा के अर कियो) अमा कियों अवहवी त्यायार् (अभीमार म्येष) हिन्तीया (क्षामहर्या के किया है।। कार क्षेत्रका देव कार्य क्षाय । (अम दिव काम्पारवाछ। (१) म्मिनाक्ष। (मवलनर्व. न्यायम विसर । क्री के क ।) लड्ड भन्यार (क्रियाक्त - लाय -समाव्यक्षां के लिए। (लाभूम पित) कल दंगारुनी क्षेत्रान्त-काश: (क.क्रा (चंग्रह्न)। व अहरक प्रमात्र मास्य त्मा र्मट-याभः वस्याभः उर्देशकातः म वस्र) वर नवार (द्रास्त) में ममर्था हुं (में ममर्था कार्य क्षाक mus) लायका (त्याक्षा) लाय (लास्तर स्थात

ब्द समील देल्ली:) व्यामका । उर (क्सार कर) यहि (वर्षेत्रमधिष्ट पाल्डाणा द्रियं द्रियं स्मेर का मह का मह) अवत-हिन्द्रापल लाक (अवस्ति कार्ये क्यार क्यार क्यार क्यार वामार कर्मामेक म्मामार् क द्वार या मा विद्य-म-म्मन्यास्त्रीक्र्यः , ज्या) ध्रमहत्रिक्षण्या (ध्रम् लेष् । श्रिमे स स पर ह समस्य के लाग्त वर नामिक में में नामाः मा क सम्भी छार्यः) विष्यु (कार्या क प्वाचिका त्मानां की भावा) के ब्याव (त्या त्या वात) कृत त्या विष्ठ (हममत्। दिना मक् महा द्वर केन्यः)॥ ए०॥ (अय लिलिनी झार) ट्लोन झामी वर् (टलोन झामी देव) जामनी- विवा (जामप्र) : जनिमा त्वर देव विद्वा मभा : मा) निर्ण नी (रेफ) के बिला (की रहेला) 11 08 11 कर्त) र कूरा (जिल्ला त्रिक्र मना (त्रिक्ष: अवन) यन अप (वन व्यात्रिक: मतः धन्याः मा) ह्यं वी (वृक्षा धर्मा वामानाव्य जमा का लितिय का नमा की का मिका भागवा) अ बालेका (मन्)। प्रमी , भार्षका अलि विविधारि ग्रक्नाने वार्यकानि म् विछि धनुसाल धनकालामा छार्य प्रमामा)

थर् उर पूरी थामी (उराधि, उमार) उत्त अमून: (भी कुक:) [(उद) दला : (दली हुए :) डामेजा (डामिमाडि , थए : प्रः) हिन्ता न विसि (न क्रम्)।।७०॥ (लाम आनु मान्याहरूर) नयमं मानू वी - छात्रभाषा : (स्वकं मन्त्रुवी व जात्राणी व रेकारणाः) अविवानिकाः (知:)113411 (भाविषाविकाम् पार्चित । सबलं सम्भ वी न्यावाधामार । (र) अन्यति । (त ति व । न्या वादि । मना) लगंद सर्वेष्टिले : (न्युक्कः) प्रद्वमविययः (प्रद्वामार्या मवियर (माभी उठः) अकर (महन्द) आबाद (मृत्व) विक्षे: (प्राकृते: कमा) वन अन्यान्यामार् (अनेक्नामार् क्रिनेमार्थामा माय) र लाक्षर अप्यमित :) च्यात्रक : १ (क्याप्रक किक) कारका: (मममत्मः) काक्कका (भाम्योरं) क्रानुक: ह (भीक्क) आ रेप्ट मिकु वी (अविद्याविका) भूत : व्याने किं करमाळ (विमर्थ किं केगार 'के विम) ति ।। ति।। (शास्त्रोसत्तर बाह । क्यांबामांगः काहि श्राद्या न्या कारक शार । (किं अस्त । लडे आह कार : भारता (काटा लेकी) आमी (ह्यामि) हांमें (प्रमिशील) किमान पहुड़ (कान्ट्रे) ख्युर) रक् रेप (अय) आसवा । असे (अभीत स्वर्म)

हिंच के व्या कु (कि काक प्राया) के में (न्या ना का कि के कि कि कि (कंक्य न्यासा कृष्टि: क्या हु: मत्रोत : त्रा क्रार्किय विक क्रिक अंगु कृष्टि: व्यक्तिमा: मा जमाह्ला) नियम (द्वा)मण: (एएकर वर) मुकाकरकमार्वरमा क्यान्त्रेत क्षान्त्रेत क्षान्त्र भ (मुकाक मा हमा नका कता देव क्रीना ज्या ववता भाव-वर्तन ह वर्षात व्यवनिक्व वाल अवक्षा विवर्त ह) आत्रीय (अख्यर) ॥७५॥ (अभ वन प्रवीमूमा एवछि। कारिक् वन्ति भी मार्थाभार मामक्राक् रेसना त्मावंका काहिमं बद्धाना मेंकी प्रमायमा क्रिक्टी हा बार्ड की बंदार कार मार तार होते । साह कारामां ही कार) लड्ड अवम दम तिरवा लाभ केंच लाभ (समरंग) ए (जव) त्यमण: (व्यामा (२००१:) डामिनी (अननं मन्द्रानी देश केंद्र (कार्यामा अधिद्वासमाधि ह) के नाम (केंचाएस) अमालनमी (अम्रामा भाष्ट्र लनमी अम्राज: मूअमानामी हुषा विषम्भादिभागि), कृष्टि (क्याहि) छिम्मभी (नामिना हुषा भाम (निक्रमामि) क्य थाने डर्ड् : (कारिम :) कमा (डामिनी कृतिमा द्वा अनुकामि। प्रत जमा जमा भार असमा : म का वर्षील , अर्रूना ओशार्लन पृष्ठाकात मन्दि अकाना बसास । जल्य) स्थार द्रमता (सर्का द्रमता कंड भरः भर्थे हरी पृष्टे हरी (बार्च भाविति रेग्ड- डार: 1 अवन्ह)

यर्टियां दिन्) न्यार (न्यामा द्र नित्यां म प्राम् वरा मानिकिष्ठि (क्रामानमात)अ क्रिक् (सम्बन्धक) नहरं (कुरु , ४२१) र ल्ला - क्यू व : (यल् व : आल : क्येक्क वव क् मूह : रही) जन (क्रमू का : एक) निकाल - क्रम (हमकाल क्षुपाल) अविनेम्डि (अकार्ने अविनाम अधिनामिन भागर) क्यीर ।। ७०।। (लाम अभी सार) जात्याची (अ के अवर) लाका पर (कार का - नार्वर्) आधाम: (अभा काकाममालका) वाल वासिकर (अस (ब्राफ्ट) के क्या पा डिका हिम्म (क्रिका सर्वेश) प्रती-विद्यापिडि: ब्रूमा (अपूर्णी) अभी धला (मिनीला)॥१०॥ (लाम सभी मिसासबाक । बिलामा क्ये के का मार । (स) महै खिला । ए (खन) कार्यक: (कार् निकार :) म्म क्यो मि : (म्मन क्यो-कर्ल: मार्न:) इला (मड़ी) यह (यदि) क्रियम भी देखें (भीवासा) अन्यस्य (अल्यमीयर) आहर (मलाही मना-मिक्रेजुः) म्प्रमेश्व (माक्स्पाव- 'क्स्म) क्स्पार (क्सं समात) (स (सस) (ल्यक: म (मा ह) ' मंबं (क्रिये) कसोत : (मा क्रियंग्रं) (तक्षार (प्रमुक्) विया मत (ब्राट) की म्र मन पर (किन्य रीक) छ मिला (जिस्का कि), अरम (आसा) अरह (उद) देवह ब्राय (मर्खाः च्यामः मित्र स्थामिकारः) देखः (व्याक्रमण्) ट्यामाम (उन्यसिव सम स्माक द्वार)॥ १०॥

केटरंग: (नाम्क्रक्र-मानिकरंग विस्तरंग:)काल के कल्छे: (बसा: मका मूजार) माछर नागं र (ह) रेशक- क्विंग (दिनिर्देर GC99)119211 (वस के का मिमां अक्ष के अपि के का विश्व का निकास -THE ICE) 21 y ; (& c) out ? The man (The little on @ mude कें के कत्रवा) सत्यं (स्वायं केंचे किया) वक्ष (क्य्यं करं वामना) । केल (मार बामिल) वा (वामना क्रमाद म्हामाद) बार्ड के में किया किया करा करा करा (मस) मार्ट : (हिंड ?) कादः (कामार न बदारा मुक्त मार्म मार्म विकास के के कार कार व बिवर् प्रा ि (बिवण दारिकारि) जर (उमार) अर दरवं: (मुक्क्य) द्वामां (विष्यमाल कामन्यात)सतास (पक्रामि वर्ष) अठे (तम्मिराम) क्रिव (व्यामि यर) था अर (प्रवाधा:) नवार (मिन्नूजनार) अलंग्डर (अलंबर) म अम्बायर (न अम्बर अद्रेश्र) भा न न्यामिक (न कीबकू मित्रहाहिक्यः)॥१०॥ (जार के क सिना ने के दियों के क कि वो मिना इ वा । का एडि मभी ओक्सिसर। ए) याम ! वं रेर (अव) कामेल-केका के कार्य है। (कार्यक के का का कार्य है। आप वह मांग आ वमार्टिश । अस्मि कार्याव: ज्याम्य्ः केस्टः तांग मा क्र लग्नर्थं (अं दे मभी भा क्रार्टिश १) विश्व

जमाग्य (अस्मितिका) थार्स (उरामे । थर) उपपि प्राचार्थ-सिर्दर्भ (बरका काल्यक्स) क बार्य में वस्ता: विकट्तं सिक्स अर्थं) प्रमान- याविकः (प्रमाटम क्रिकः आक रामवल विस्थापर) आक्रकाम्य (ग्राम्य) ॥ १ है॥ (दमार्वेष् वेदं क्रिक्ति । काष्ट्रे येश ची के क्रिकेट । (इ) यात्व । के । क्षाम्य (कर्ड) ठिक्क मंग्र दिए : (जाकार) ग्राक्ता (अवियासा) आर्थ (द्यात्र) दिष्ट् (कलान-बाकार) भूने। (पूर्व टिल समा (हप्र-मिर्पः) हे अवि) वित्रप्रत्वानः (वित्रत् धमतः वानः वाक्रिम धमा मः) विदे: (६८) १८ छेत् १९ अडी अ० (७ व अडी अ००) क ट्याणि। (अण: ट्र) ह ट्यानि! जन (ज्य प्रमील) असिमग्नाः (न्युम्पर) मात्रार (ममन्) विद्वार (क्रम्) ॥ १८म १०॥ (लम के कि पाछ ला को मार का । का कि मार को किक-सार । (र) के कां पिष्टः (पि अस्ता) लहे वर्षार (व्यक्त म क् जा व विशेष - म् त्येन व्यम- त्येन्तरी न्यानी प्रिक्री मार वर्में (मिसिस्पन:) माम (लाद्यम:) लाक विमामककरू (विसानं स्पक्कारं) लाग्यीतं (लाग्यतं) विप्यक्षारं (च्रिक्ति) ट्रिक्ति अपवाक्ष्य में (ट्रिक्टि में आदिन g-6 secrety goodwin of sin of Non (लंदर) नार्द्रक (क्विंकि) लाभी 11 न ।।।

(an secon soil ms) secon (se se o) a diginini. (@x) 13 inin;) dis: (als) wald (alsing to gre) हिशा (हिसिर्दर्) ग्रेम्) ब्रियर् । हिसिर्दर् ७९ (ग्रें०९) ह अक्षान के कार्य का कार्य के कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का or कार) हिं की (अक कर अयः हिनि कर) हमिक र (BBN) 110011 (वर्ष केक किरोत : प्रदे : के कि साम्या (हम नवर्ष) देग्रे । (वर्ष केक किरोत : प्रदे : के कि साम्या के प्रियोग्य । बाद्य याद्यु (राम यशुक्त) न क्यांग्य (याक्र - टाम सम मामार) । का कि) कामाम वर (वव: वे) मामाम (अस्ता एवं) अन् निक्कानिम (अर एउन) वनार् (कल्यालनी) व्रे (मख्य) म्याने (क्षेक्क)॥११। ् कन दुरायवंप्रविक्त्यर । निकार कार्किक सार । (४) वीकृष्ण!) वृद्धितामान्कृताः (वव वित्यद्मा की कागः: लर्यक्षा (त्रामा:) क्रीका: (न्युमान्तः) द्रधानववतः (उमराभे:) माडे (महार । लढ:) लाम (लमराह्म) ब्राम्या (राष्ट्रमण्यली वाक लय बराम्या १) राम (इसंह) मक्ष्यी (स्थी) विग्रं म ली-भूगं (म क्ष्यमुगं)

पना (अर्त्याकन गर) यदंशक्षित्र (क्यायर) द्रंगर व्यक्ष के के दें हे स्था विकास कर है । है है का वि (मनीप) मुख्य मालमाउ (ममाल क्यार क्यांक) ख्यार (अववर्) कराक्षाप्र म्लाम (कटाक्ष कंलाम कर्य-11 do 11 (consing) 11 do 11 (लग वर्तालामः वरः भाषाताम भाग्रेष्ट्रमारमान्। क्रिक्स की के कि सार । (क) डाखाला । (क वसरिवाह्यतं। निक्षा । अपि ए कपस्ति ।) प्रार्थ्यी (यभीकृष-श्वकाहा भएक वामही) भाने मता लामिका (भाने यात न वर भारति हमामनेका विमा) लहेक (ममामाक्रमा) है एक निका वाल का (हे एक निका है एक की , आक है एक भी कामका क्रा प्राथल में का १ मन्) वैंड: (लाम) equas (equaración de se se o se (ALE 0) 8 40 (ALE 0 आम रेक्स (() द्वामा) ((क्यामे)) क्य द्वडे (केंड) ज्यान्ट (ल्यान्य केंड्ड) द्रीलात मम (वर A 2) - COM 1 1 00 11 (जार केस्ट खिलांगः अवस्ति कित्य अल्यान के मेर्स मार्था । श्यकात्रमाः सम्मान्त्रकाकाम् । (इ) रेकं सं न्यंत-म्बर्धान-अवः (मून्छः पीनाणः म्बर्धानः किन्ह्रदम्) अस कारिया तः) नमा (भक्षमा) अखिमा लोग ।

(आडेमण् रेचे ् टार्ने ब ब्र् प्रवित्र मूरा भा म:) मापित्रध्विः (मापित्रमा जनस्वामान छिनेः कानि र्थाभा मः) West उराम् थाल मुक्सनी एक स्मिक्ट भागि जर (प्याल्यायार वस्त्रीय क्षेत्र कर्ता यस्त्र माम्बर में से कर सकिए पर के तित से अधिया के स्वास प्रमास प्रमास हेम्सा भा भा भा भा निवाडी विष्टु (मनीम विशेष-कारिः) कर हमाका वानिः आए (विमा) न मान् किस (देवर (MTGT) 116 >11 (क्रम के के कि कि कार के तक के नार किय के के से स-इ गढ़। काहि दू की व्ये क्रिक्ष्य। (य) भर्य मुद्रम! (य त्रसर् । लाक (द न्या किस्ट ।) वैज्ञान्त्राः (द्रमल्लीयः) ट्रेम्म: (अरे (ध्याप्त अर्थात:) विवामान (ब्लाह्न) ठभ (ले.सभ) ठेउर (ठेउन लाल) विस् उ (विभागनः) सर्: (वाक्रक ७: विवाम ए) ज्लीत (ज्म ली त्र) हे माछ वन (वियाव ए) जम्म (व (जम) वनमा भर्य हमता) रावी (भागवनः) जलपा छलः (जलप्तर विमागाल on) (या साम कार्य) द्वार्ष (श्रवताला) महीवार्याव -क्ट्यं: (अत्राच: अष्टिमारं: अवल्लावं:) हिमा: (एक क्याप्त) लाउनामंत्री (सर् न्ये) रे से (अक्रीक के से हार है अरक क्रिका) स्थानी (प्रामिशन :

भाभ जन्ना क्राहि) win ((व) अपनी : (भमन-स्मान) त्यात्मक (० (मन्त्राक) ॥ ७२॥ (द्वीक क्यात) mingers sour (2000 and (CRU Devay) स् यम्भारमः (अम्पः) भिटमं वयदं (भटमं मः) क्रिमंद उम् (मिर्याजनमां) अयः अकावः (अमानी) विस्तिकार वर सिरमाग्र : किमारम् (किमां याक : प्रमा कर्माहर अकदिलां हिर्मां असी विकामी) यादिक र (बाहा मिक्साक) ह देश हिंका (हिर्चिस खरवर) ॥६०॥ (ज्य क्रियमकी समाइबंकि। मान्तीम्भी कारी भारती भारती । ८४ त्मिर्) जरी (क्यान्ती) लामी (न्योनिया) पिरि (काकाल) नवा मुद्द (नवी नवा कर्तर) वीका (हुन्था) क्या (एम मकार्मन) अर्चित्साम् भे (अर्चित्सम) ल्याम् अंत्रम देशिष्ट् वाय्वयायात्रात्म जम्म क्वतामिन्यः) कार्या (मका लिखान) तहर (त्रम मकार्यम्) वाहा (वात्कान) रेर (त्माल) किकिए अनु भी भी (my 22) one amete (2) sour) sinos (समी) वार्यमा (त्यारे वर्ग)॥ १ 8 11 (दुमाइन म्येन स्टर) येसा (भव्या: न्युंग्सः) सेंडः (लें : लें :) (यर् (संबाध्यक) काक्स) (म्हा)

लड़: (अमार) विहें के (अवस) लाल अमर इड (काभुम) सम्हर्मा (मीककं मुक्) प्रमाण (मणाः) म म्यूड्क (बाहा म मियुक्त यही) आल हु (किन्तु) लक्षा: (अन्यक्षांत:) वर (भरीय:) लयं (प्रमुक्त) हिरुमही (अकाभाषाता) (अम्मामिनी (अस्मिम्डा) लक्षा (द्यान्नमला) कलक त्यान: (प्रतक वाल:) नव 12 mt (5 m x) 13 m + D T 3 (3-0) 21:) 11 + 611 (कार अपिक्सार) अपिक् वीत्रमुक भारत मारो का गांग क द्राष्ट् 12 (121880) CALSO (ELENOW) 11 POIL (वन बारो समारबार । नी बाह्य विकारमास्य । (य) यात्र! व ् वरि: (एर यदिकाल) हव छ: (विद्वरः) प्रमावः (सम अभि) लास (द्यास) वाम रड्डी (९०००) अद्भ (मेर्य) गामिल (मक्स आक:) १ (व्यास्थे) राजा (ट्राम सकाद्वं) (म (सस) अम : (मम ;) व्यत्न-मार्टिस (मम्बर) म मार (म लावर, वर) का) 115- (No 342) MAZZ (3/5/2000) C 3/ (QT MOLEY) 祖子(《本文》(本主)11月911 (क्रम क्रिक्राक्रम) क्रम के के के के का का क्रिक्स करका (अम्म म्लाकार उभ व्यक्तिका कि । विविधेर दिय । १०० ।।

(क्य अस् में यह काम) में ताइ का । भी बाह्य र प्राथार । (इ) समास : (८ मिलार : (द) यात्र ! देलक के मं कथा में (हरमकप्रामिकाम) क्लेलमर (त्रे प्रमे) नमा) अने 15 1 (3 1 of 610 1 010) 5 1 1 12 00 7 12 (द्यंत) कासार (द्रव्यास क्य) अन्मार्ट्युं १ (अर्प: मिट्यी- भाल । ल्या अट ं) य (य बासर हे । कड़े) में में कर (मेल्यु पूर्) क वर् (माम्यः) त्राम्य प्रायुक्तिकः (त्री बहरा अना मी बिलाय , नाक मूक्य भी बिलाय ? टिक्स वर क्री के ति है) नर सम्लामिक ((अम्मी ना रेक :) (302MA) 116 211 (32154 plane 1 (2) Comos i CA (NA) SHIS अम्यास्त्रात् रहें म श्राप्त (म द्रव्यात) किये समा (अवक्स) डाबाउद् कर्ड (डाब्स) रही लान मालात् ,) रीयववः (श्वतः क्रिके लाक प्रमा अवस्था व्यासी व व व द व्यादी व त्या थे व सीक क राम) वा की व (इकार)।। अ।।। (लाम वास्तिसार) मामकातः (माम वर्ष-महादः) ल्याक्रियन (स्थित) ट्यार्स्स्यातः (म्यक्रिक्स् ;) लक्षकंत्रत्ये (अर्थ्वमादन) एम्लाए दिल्लिका ह क्रम्मू में (1) के ?) व्यानक क्ष (व्यानक विर्देश में ख्रिक)॥ २०11

(क्य मध्यातः लगामाल्य व्यम्म क्ष्मित्रकार । मैक्ष्यामवरी क्रीयाक्ष विकारमाध्य (क.) याम । एव: (सस हिट्ट) मिश्रह : (मिस्) त्मेनान्मर (कटा:) (मार्क कर्तात (त्मार्क श्रिम कर्ताह: अ श्राप्त ताम व्यक्ष) भए (गार्ड: कार्ड) कि ((पाडि नाथ :) म वि व मराडे-(म राबराक , अबसे) रेम १ देववर् : (इक मार्सक-खिन्ना र मार्ग महीयर) कल (बासा) मीकारी-(सिस्मि) रेम ् प्रोडी बावरे (प्रम्मडीव्यम्) ठाळ्य: (मन्यामः) क्राह्म हर् (स्माहबक्रह माअवड यड) द्यं (दिनके बंद) प्रकार (१ ममा अ भाउमा) यह बाद (सार लाद गाद) देह (विभादा) किः (कथर) । व्याकार् म छत्य (का किर् । व्याकार् म 4411x) 11 2211 (द्याविन्तरतः सम्बद्धार व्यक्तिम् वर्षेत्र भेत्रो सराइ कार । न्याचार विकारमास्य । (इ) अस् । अस्य केस क्ष-मुक्कम (वर प्रक्म) क्वमिक क्या क्रियो प्रमाम :) क्र भी भेट (भाम) म रे रे रे (क्रा) वि मास्मियल) ज्याल- प्रथ प्रथ महिथा: (42 212:1201:) surt : and (62) 50) जमार जय मगील वनारि, यह

वास्त्र रेम ना के माठं (मार्क) किया सहार्वस (अर्ड्रिक्ट) वर्मा (यहार) राज (अर्ड्राइस:) हरेर कान काग्र (रंगमाल) कर्मा ; (कर्मक कार्ष :) र्टियाः (यनप्रत्यः) हेन्द्र (त्यप्ट) सर्वाप्ट (सर् कार्डा (सर मह महीकी है।)।। ग्रा (द्रियायं मुख्येसार है। (इ) द्रिया । आम । (इ) द्रिक-कसि हर्ग (द्वीकसीन निज्म) का वार्म (हरार्म, किक) उर्यादः (ज्यामात्र) तः (त्राम्तः) ग्रम् नः (व्याः निकः) माममः (द्वार) राक्ष्मी (राम रक्षाकार्त्य)- का वित्रांस कार्ट्या इस्क रेन्यः) मिन्यु वर (ले स्वरं) ह क्षारं बर्गार्ट (क्यार्ट, क्षा थाइ० नवटानेवन० आएडज्राः) ७७: (क्सार) मस्मित्र (काम्य विस्टा स्म समाउक् क्रान्य द्वाप का के का है है। कि के के)11 08 11 (अस स्थापतः ने अरु अरोप कार्य कार्य के के में में में कार्य निवर्ष अभीषार । (र्) अद्रक्षां रेडि-अध्यी-मक्षि (वज्निकार ना लक्ष्मा १ महार महार्थ)

र न्या दे ति व्या देश (व्यक्ष के का का के) सम्बद (मिर्जिंग्स्) न्यार ब्रायः (प्राद्धा क्राया) न्मास्ट (न्नायर) व्यक्तामा वार्म (नाम्मार्म) 58 (CARS) 212 DA (-1010) 0120 52 19 0 32 you (32 4 4000) Hown 36 (Hame). कार्यात । वैं काम्नीविनार्यम्। व्हम् यस्मावमा वार्यमा अवस्था अन्तर्हित्तिः) सम्मर (रिक्टर)त्राउत्वाराः (मन्त्राक्षित्)।। (द्याइ क् में बे क्या । न्या बाह्य हिन्यर मारा । (इ) मारा ! न्या (मा) अवसं में कर मी स्याद्यी (विश्व में कार्यः श्मामा: प्रामिताहेंबी भिवंत्रामी) हाईना (वण्डत) श्चिमा (हाल्य) काल क्रिक श्वीविक (शामका लाका इक्षा:) इन्दं वर: (राश प्रद्रम्ह) अवनमा (मभा) वयम (नवायोकत्मन) ह विद्विष्टि (७९) रेंग्र (कामीन भगाए) किं अहर (हिर्हिट वाट्ड ,09) 9000 (2000)110011

मरी रवम नीनावि शकाभार (त्यम नामक-नामकरणः लाधार् न्त्राह: " भाषा भाष्य दिना मानेक प्रमानेक दिना: विमाम-विलयः विभा विशवः विमाः मान्य एमानावाकः [क्सार्) मध्य (मुके) विम्नाविका (मध्यमाविती, ज्या) विश्वसुनं पूर्विषे ह (विश्वाम डाअमक ड्यू) उड: (उसार आ) प्रे (मक्क) विविद्या (विवर्का)॥>॥ - वक म्यात् वकाताः (अकाक्री सव भूष निवक्षाताः) प्रशीताः भर्गणः (भर्म) अव व्यक्षितः (व्यक्षिका अकृषः, ज्या) सम्बापः (सम्बासहितः) १ भैवत्तर हिता (त्रः) मश्री त्यम-तमे जाना - मामनी मार्थिकार (त्यम ह टमो डामा के माम्न ने १ माम्य ने मानिष्य क द्यादीना भा रे ना ९ (क्या) लिस्का क्या (क्या) वर्मास्थे (क्या । त्यभाष्ट्रमाश्च भाष्ट्र) मध्य ज्या ज्या ज्या वस् च्यार (टिकार त्यसामीमार ममेत्राठ (ठावा:) ममें: व्यमा (कावना) ॥०॥ (लग लगवा ए प्रम् नस्तर) त्यां द्याहिता (सक्ता त्यांच्य-में का क्रिया (क्राप्ति) में में हो रे वाके क्राया (में है के थाको र म्या: आ अम्या विद्यु) वर्ष्यात (व्यावम) क्रेमक लस्ति माल) मेही- व्यत (क्या) व्रमामा इ (उद्यादम् सम्बर्) जामन (याष्टा) भर्ग (टाइर्)॥ ४॥

wa (मग्रीमण) प्र: थाणां का विक्वापि एक: भूकिवर (त्याक्यः) लच मैनमामा (मैप्रम्यु) नव सर्मात बाका दिका मित (हायर) के लान (केंचाहर) में तम या (म्मनामा) सम्बा क लाल (क्याहिर) मका कृषिर (इचिहि) सूर् : (व्यर)॥ व॥ (वस लाका दुका मुका मानार) वर मुक्ट (समना मही। मर्देक इति का के मानुकार्य (त्यमं) अर्मित अक्षा (अक्षी 6 (मक्साह: अम्भामभीहि: लिलक्ष) व अवस्पत्वनीमं) विचा म अनिय धान्यमार् (आर्मने धानासीमर्म द वनेकार्यः) अकावान्य) व्य: दुकाल (क्याल) ॥ ए॥ (७ म ७०) द्वाधिक अभवा मुदा दवाके। भगमना आहा । (१) बील ! (प्र) नील मिटाल (मीलवर्न मिटाल भावा वनने -विलास) धार्मा (कार्य रे। (य) भाषानी । (पममक क्रम्म भाषा) अवार (भाषा) पार्टि। (१) प्रार्थ! हरास्तं । वः काला अक्कार्यः (कृका अक्यरेकः) यम जन् (अवीचर) लिखाय (लिखार क्रम । (प) दंभगार्थ ! क्रवं (अक्षमा :) क्य (कार्यम् वर्ष छ । जर) ग्रामीय (व्यवस्क्र) वन्त (व्यवस्क्रि यव) वर्षास्त्रभास (कत्मास्त्र) मिलाम्मा हेला क्राम्य क्राम्य क्राम्य

(यमारा) लक्षका अवस् (लक्षका मामा:) १४० के में अट-उसमार (इति का के का सहसह ;) सह वित्राद (सस्याई कर काए) 11 वं11 क्षारा- राम्यामा: (क्षारा- राम्याय कर्टा:) व्यक्षक वर्षा: अभीज्य: (३०४:)॥४॥ (अय अनुसाहकश्वीम्यायम् । जीनम् प्रभीमार । (र मण्डा) व: (मकाकर) समः (हिट्ट) लम्झाना वहत्वा वर (कन्तवानाधालित कक्षेत्रेष्ठः सप्) (६९ (थर्षि) क्रिकेटि (सिमीक्टि) जना सम्भिनकम् भीतः (अस मन भामि धर्मा मार्थि अहिमार मार्थ ! हार विस्तृ कृष्ण यार हार कार कार्य के कि स्रोत : विष्युति :) कृष्ण अव्य (अर्थिक तात) । ह्यारेम्स् सम्मेवार्थं स्टास्तः । विश्वार्मेस्य । विश्वर्मेस्य । विश्वर्यंसेस्य । विश्वर्यंसेस्य । विश्वर्यंसेसे (त्यारे भाग त्यान क्यान क्या : (त्या :) विष्टिक: (अनिस्तिष्ट:) भ: (अच्छः) किल म्लार् अन्य (ममस्यान्) में भई (मभ्य मोरवज्य) (अपस एपड (स्यमप्रद (यात्वन इम्ब्रिनेसक) मार्ट (उम्राह हारं में हु है।। है।। न्य अस्य अपने कार्य : व कार्य कत्याः त्याद्य । १००।

(अभ अन्ता किस्वी म्या इविन । क्रम शास्त्री ह नारवनी ममामार । (४) साम । (वर) वमार (मकर) वि : (मकर) न्ते (लाक्षतं गर्) सस सामग्राट (स्तमम) मात्र व्यवस्ति) का कार्छ: (रामि: म क्यांहिमाल कार्यसीकार्थ: 10 था) म्बनी मार्प (वन्नी भारते) क्रवंडि (अकामधात मार्ड) क्रवमा रेट्य (अवप्रत्मः क्रम्टिमः लार्डि लाववान्) क: जाम: (अविकाम:) वा (म क्लाइ। ल जाम रेक्स)। किन्तु (अडिकिरिमा नि अडिकारेमात्रि रेक्ट्स भर पूर्वा पर निमागाए) निमा (अषा) असूर (प्रतिक्तिम् अर् प्रकामर) मसामेल (असामेल सर) जनाहिति (क्रीकार क प्राक्षि (अक्ष पृथ्धः) । क्षेष्ठ (अविड क्षावि किमिनि क्या त्रीकि छारा:)॥ >>॥ हक्ता वसी - हतायमं : (हत्ता वसी ह दता ह दताता:) व्यक्तिः स्मवः मणः (मिर्नालः)॥>2॥ (अय आत्माक्षका विकार) रेट्र (अमन) मूल्यां : (म्यानवीय(अभा) अध्य (दीनाम्) त्या चिकी म्यीम्-(भार्य) गत नका (काक्रि) लायका जा मा व्यक्त (दिस्मा दिवर) मा लालाक्ष्या हे का कार (दिवर)।।

(क्य लाड्ड क मबालमा मंबाद । की बाहा मा साम खळी मान् ज्याकिय हार् हिष्मीकिवार सेम्म्यामार्था जिनसमार माल्या सामान मार । अ) की जा मार ! (य की शं वीमार !) मन्द्र । व व सम्यो (सत्र कार्ग :) द लाता : (अवं प्रें दि :) भागे कथ ता : (भागे कथा) स्ट्रियमा अवा: जारान्या अकिक्स) लिया हिः (पद्ः) अमित्र हिः (अमे कालाः मर्बाछ: मर्वट्यं: हाहे वाला विक्र्यः) क्षा क्रक (प्रथा भारत्या) म् पून जर् (कामनजर्) भ भामी: (म ध्यम मम्) खना निष्ठ-क्लेक डीरेट (मिडनार द्वर भूमेर क्रिलामा क्षत्र वरामा (क्रिक् प्रक्रू मर्थ्य कार्यन) कल रेलं (क न्यू) असामा: क्रेस (क्राप्ट्र) त्याम. विश्वमान (विश्व वर्जी) किंद्र (किंस्) ॥> ४॥ (डेमारवर्गासुवर अमल्या । नालिका # हिनासार। (र) याद्य । याभ । वं व्या (टामेमावनार्श्वेमी) डव । यप (यमार व) अम लावक्र नाम अविन : (लावक्र मवर्डम) क ट्यू बाबार बागावंत (काम्या बल्लामार) मृष्ट्री काल टिस (सस) कुला हा देवात (हा देवह प कट नाता) देवह : (क्षेत्र,) अर्डा (१८) हा) न्या (द्याम 'क्षा हैं।) ट मरेकता महाता भाषाता (मराता महाता पर कतामहत वस्र क्षणका इटलान) द्वन (म्मिक्स) यदाने

(मक् अरमात्मन) (करें (मूनः)) यभी म्छ (जमीनीक्छ) रेड (धम अमादत) अमानियो (मानिकार अमाद्रिए वि 12 माळवा)॥ २०॥ कत्र आस्थानित (आस्थामा: न्यु यास्प्रांत : र्राता) व मायामा: मन्यादिका: (ब्रिम:)॥)०॥ (ध्य वार्यक्रम्भाम् पात्र नार्वे । विलाया ह्य विका नामी मश्रीमार । (र) मार्थ । हर्जाने त्व । हुमा वन मामाम (न (क्रार्क) । जा तसमा काइक (। ज्यासमा काइक कार्यकर) सास (लामा) काक) छा । (अधी महाम) समा क्य (कास्त्र म्हात्म) के से में क विदिन् (के के ह म के कार्य)। र्ट (मस्ति) उत्त: (यास्तामन:) र क्रिक (र्टाक्रुम्मकर) सार व्यक्षक (गम्म म्यातमा) कत्मात्र (सिंह से मार्ड क्यार क्रम) ब्रार (काल) ध्यर म मुहमी भा (क विभाग थन वहाड रेक उर्मिमील नायर = क्याकिमाल अकालकीया)॥>१॥ । (देमार व भारे वर काम मार्ड । विभाजा द स्राक्त का सार । (इ) भाग । (लयर) ८० (०४) हिल : (दिलकाविभी:) महीवार्भः (भर्मीव: अर्थ: भाषाए ज:)। निवः (वहनानि) कथाप्रिव म अप-गर् (लयम)(धत अप्नास प्रेक्ष) । इन

प्रादः (न्त्रीक्त्रम) मिश्रदः (व्यम्भाव्यकः) व्यव्ययः (वेक्टेनडा कं :) सार के अमंग्र (था के ग्रिक) श्रेमा दु मामार (लामगढ) वटम (संकातिता) मा अव (लामा) दुलस्व (इमरावं अमाध्या) इड (कारा) आव्यक्ति (मल्या इंग्री नि निकान) भा (अक) वर्षमा (देवानीर) कं बंग्राक्षी- किमालांत् (कं बंग्राक्षा: व मासी र्राज्यक्याः हत्यावनाः यमा वा त्वल्यावावं ल्यावतः)॥४॥ लंब राट्य (म्युवासाम में अराद्य) विभागाती: लाइक-धकीयाः द्यास ॥ १०० ॥ (अय अविक्मिन्न प्रवि । ए मार्थ ! किर ! की वार्षान धान डमार्थ वर्षेत्र मडाल्यामः मन जय व्योश्य रेड वर या हा मा कर कर गांक जिम पर जब हार्वे मर्थ लाम का प LE PLANTED BY BY ANTHONE DIES DANS DISTANTE व्याप्त्रकार्क हिना अध्यम्भार । ट्ये हाड्। (क्यावान।) माश्रां मना । ज्युम ति है ति (मनं में वे वे के कि साम माहित्य) म्या (अयर) थाल मृक (मृष्टिः) म थाली (माक्का) स्त्रीम (इ १ मार अपन स्मन्ना दर) यह (कारा) भारी रूभा-(तका मोडिका) में द्वा लाम खार (सादककर कि) रा रे आ: (११ के के) य: लांड (म्यक्रक:) मान मन्यक-धम्बडः (म्मीभड वर) मर्गमक्त-

करायर (यह की हमनी सकता के के किए यन वार्कार राम भाउमा) भीमामाछ । अधाम - विष्यं) जामाडि (कट्डाक (क्सा) द्रेस (काश्रम विकास) भंग किं म् विश्व (किं कार्य के के मारे) 11 2011 लच (लाभुम मेटम) हिचा-सम्मिकायमं : १ (हिचा १ सम्मिका १ जनामाः) व्यक्ति भ्रवः (ज्यानि)॥ २>॥ (अय प्रमाविकप्रात्र) प्रमाविकः भादिवास् निर्देषस्था-वक्षः (टमो डामामा मुना विद्वा जाया भारः अविनिविषः (भा विद्यहः मक्रिंदिन : अकार्षः थः (अमा रखन वका: भवम्मवाका क्षामाङ र्य कर कमाहू उर्ड (वर्)॥२२॥ (बच मस अम्माम्पार वि । श्रीवार्शम कृष्प्रारंग : स्थान माधाः ज्यान्त्राद्यादि देन व आडिमवाखाः मधापार्थती अभवा आर। (र) मार्थ! वव: रावे: (श्रीकृष:) तो . (धारार) (ध्या) (पृष्टी) ऋषे एठा: (ऋषे छिड: सन्) अविभावि (अविवासकावि) पु अभि (उर्भने वर) वरी (व्या) अम्याप (नक्लाड:) भा अयात्री: (माताउवः र पक) लायार कक्षाता: (कक्षतीय) लाख्वास्त्रार (बिगेशिहोर) नमहै लमार्यमात्राई (क्यारत द्वेय नमेत्रोर म्माकार इन अविभाकार वार्येय कुमी में द आहार) यानिक (हामित माल) निर्वेष (गर्मानी वह नाम-) मूर्य

(पण माउभा) अर्भितः (विद्याव:)॥२७॥ (अम मममक्रमाम्बार । जिम्मलाः अलाक्ष्माख्याः 312 महाका । (द्र) नाता । (त्या कुक कुक नामाना : मत्मार्ययाच्या । त्या त्र) त्या । (क्यामकर्ष्ट्र त्यान्याः सत्मात्रसायकं । क्य कामसा कार) डावु: कै (केस) सुकाद (की जिं । तारी व वत्माका श्विनक्षा मिर्म्वाहक्ष्य मायमंद्री स्त्रकिक व मारामाक के में मेरी मार । (र) भाम । क्या मुहे हः (ध्या म् स्व प्रमे) कत्तरं (ह्या मार् म इति: भी का छ । छन निर्मा भारत थाना । प्रिम्मा दिन भदानु (वर्ने अविष्यम्) भगाभा आय) भक्षामा-नभा : (भक्षामाप्ता प्रिष्यम् नभा :) जन नक्षाम कृष्टि (वक्षाम काए कुर्स किन कुस महात) भाविक मर (मुभनाक मर मरावक्ष भर) किं धर्म: (केंबर है: किंग है भाक अमी नीरादः का लाग्र मीव्यमा पाक्षित्या हैताः पक्ष नमाः उब करिक्स अपूरण अप्रश्ना अविकार अर्थ : किंग् १ (नोबी प्राप्त) मामध्यम : (शिक्षणम : , माक कामियमाम-प्राम:) म: (मिल्य: , आक जी कृष्ण:) स्वर (भळातर आक प्रवती र्यानिः) कृषा प्राः वर पाडिणः (मर्याणा कारमा) काक्सी (काक्सी करवादि। नामा मार । (र)। मिया-माभा नहि! (मिल्य मामा वन ए नहि! मडीके! पर

डाक्ष्य वर संगील केंग्र कंग्रालाकर मिल्याचिका: । विसे णिर्मम् म्केशेन् त्व (com दिन क्रिशेन्ट्व प्रिट्ट) प्र - १व नमाम (या जनाम , अवसु । मिश्ती उनमीकार्यः। भाक वर् मक्ली थाण मानानिक प्रार् जामेन वत्न भ्यानीया पूर्मिय ब्राप्त रेज्यः)॥ २८॥ (अय समस्बीम् पार्यात । काहिए आने मभी धमभामिक्मभी यात्र। (र) यात्र! देल्प्यात्र! क्ट्यन व् छा भार्त्रण वन साम मुं (अन्या मि सामार) पड् (समान्न) ८म (सत्राम्न) व्यक्षा वा मन् (वा मार का मन्द्र महम्) । व : (वर (यद) कारी समीर (या मर्ड) क्षेत्र (यस सा समिर) कान म किएमामि (दाकु (मण्यमि द्वा) भा दा: (भा दिरि , किन) रामाए विम्य (भावेरामः छ) (कार्यः। दे ड ममाने विस्व भेषाति । वार । वार) वर वाल्या : (वाल्यार) क्रिण कार्म (स्रामाखनः भक्तामीकार्थः)।। 2011 (ला मन्तिकसार) अमे निकर जिन में मु (म्री किस्ति-(जिनमणा: अवः लामकातः त्या समा हेरकसार्यास्य टिक्टिक कार्यकार्यमाला माना वर क्या केवर दिवर)॥ २०11 यकाल-(यकाले) मका १ थाला नानिके १ (लक्ष्य विके?)

>95 मीर (बार) कमान वर्षा (कमान) मलेखा वर (मक्ष) व मदा माद्राय) (प्रकृष्टी (भक्षत माद्राय) मम्मापक-BLd) 4 M ((CE LA) 115 311 मर्ने: ल्यालाक्षेत्री ह लाकार्यकी ह कुछ हिसा (हिरिया) 3) yet (9.32) 115 P.11 (उन वार्याक्रकमभूमार) यान मानिवादिका ह कार्याक्षक्यमें: भाष्ट्र 115% 11 (क्य प्रमेस्त्र वाश्वमार्थात्र । क्यांचाना पारामें चापड कक्ष्रेत्री याम्बा क्रीक्रियाता सामालासवडा क्रीयं क्र-भार । एर) जबला ! (हलमाहिए !) न का धार्मम् मन्मनपत (भीकृतक) त्यम (थीर्वः) निर्धिष्मणः (निर्धाणुः कर्षः रेष्डः) (लाममा (बनमा) वाक्षम्भी (नम्म बनम्भी) भावा (अवाद!) विविद्धि (विवाधि) म थाडि (म आद्याडि 14 प्रविदेश मु: अवाद्यामी भावा अवडेंड रेज्ये:) रेडि (अमार्काखाः) त्मा अ९ मनः (हि७९) न क्र न क्र न व ७९ (यन्त्रमात्म वंद्र क्षामकः) राष्ट्र केमा: (राष्ट्रके) कृत्य (नव में कारवन) देखि (लामकला:) मिनाविका (संग-निकिका) व्याल छ भारी हु ज का कि का (भारी कु कर् नकी-केंद्र में है में में में के जार अर एक हैं है में की) राधवारि (सक्त प्रत्त) (आपंत्र (क्या लामन) म हि क्या द्या : (म क्डबरी, थाड:) प्रा किः (क्य प्रः) म ट्यापिकामि (त्याप्तनः कविकामि , भवन ज्याप ट्याप्तर अमूहिड (मर्बड)र्यः)॥ ७०॥

या भर्म म या शाम लाभ मार्थ मा (कृति) तह मा (हिनियी) ECAG 11 10211 (कम वाधाकार) धाम अदर (अमावलक्षान) प्रदा (अर्थिया) के मूका (छार्डेका) जिल्ला (जमा भानमा लोन भाना क्षित्रिक) रकालमा (कृष्ण) इ व्यादन्ता (म्रिकेड मायाना) माने (माने के अप) साने : (बार प्राप्त) के दी (कारेमा) वाक्षा रिक कीक एक (क्रमण्ड)॥ ०२॥ (जन मान अर म पाप्यकाम पार्वि। का कि पार्कि नार्क मूर्यम् नी : ७९मभी नाधा आह । (य मार्भ !) पूर्वकन-हर्द (मार्म-मिन्नी) समाम् (मार्म) कक्रम (करान) लायर जनकर (विवहमं) हि (तमार) कर्वसद् (वर्ष): वस्डा: (सम्भः मभ जिसेन) मकास (७० वर्ष क्रमः) माम्मे मे ६ (माम्म मन्तः डाव:) मः भ० (वय) दे च्या (पर्या) ।। ००।। (मान लाभेता का लनामूमारवि। नाजीमूकी लोनमात्री-मार। एर पार्व!) नवावित्रां एकत्वं (तत्व नवीत व्यक्तिएं) कर्द लामवाद्य सर्घट) सवल मर् (मरवगर् मा भारतमा) लाहकाहिः (जकालः) गारक (आर प्र माठ) मंद्री (मम-अडावा) उदा अधिवा (अक्टक्त) हहे आहिशह:

(हार् ते म्रोते:) अमामर (अममनार्) मीका (भाभनावि) अमन्त-मनी हिल्ली गानी भावे बद्र कि का (अमन्ताना कृष्टिन प्रजीता १ मारी ता हिल्ली करने वन कालारे मार्के मल्ली मानिको ज्या: भारिश्वार विवर्धत्व क्रिकेश हाप्त्र 'व वलर) हैंग: (र्घव्र) विश्व भिव्येश (अवार्ते शुर सब्द) ड्वार क्येष्ट्र (क्यां के) वर्ष (क्यां) 110811 (लाम साम्बा (त्यो में या प्रवाद । प्राध्य न्या केक सार । (इ) म्यास्य ं (टर स्टला ं) वय लांड साद्रे बेटल (स्ट्रिममें र-अकामात) मरिया (तेयू ने?) कायर (यत्यवर) दृष्य . यम् (डिकेड 'डिं) माका (मान डे) विवह में (कें वर्षे) सस बाज़पुर (अडमान्यम् म्सल) स करात्री: (म मळ) इड! (वादा! (र) अक्नी मिलिस अखनी मानव! (सक्य (आश्रीसम् गामनं) इन्हिं तस अउ श्री (क्यावाका) अधा (मड़) (गांतक में ग्रीमार शह । प्राथला मुक्क स्पर । (र मुक्किं।) हरू वनी दिन्ना किया : अम : (अडा:) अम्रायमा : (ब्रम्मार्यः) माद्रम् (मः मः न त्रका हार्ट-) भरासा (स्ट्रार्म् था।) दृष्ट वर सरम्मा (यमत्येम) लम्मा (सर्ह-अम्मात्मन) यव की उंदर् (त्या करा,) रेप्र थान (अव्यन्न

लाम म्यामण (क्षाना) महास् इ.छ. >90 असार १९६०) इति (इवस्त) विकार (विकार) म्य : (द रेक्ट्रं) क्यान (क्यान) अध्यम (अध्यमकः = त:) कडा (कथ सकारवंप) गमा (सिंगमा) खिले का ; (. अरीज्मिल् ?) अप्र (दमात्रे)॥ ७०॥ न्य रित (म्यान्यरा रैनमिश्) पात्रवाता : प्रमासमा 1 201: (901:) 1100111 with one missin. (अय पाक्रमायार) मात्रानिक्टि (प्रामप्रर) अमन्त (काक्सा) प्रामादक (या में कंड बार्ड) में क्या स्था (में कंड (ताम) द राहे के अभिमेत्रात दृख् क्या है का) (क्य (मार्क्य) सामादः (कार व दलः) (तिरोत् (राप्तः कोर्गात्व व काकार) ह माक्रम (क्षे) भाने की हिल (त्याक्स)॥ ०० ॥ (उत्य मान निर्मा भाषा मुद्दार बार्ट । कुंगानिया कनशासिकः न्य ना ना राजा। कि यात । वड) रह (तव:) । मुक्क (क्लसम -ब लाद) अभूम । विरंग (मी किएम) अ के मा (किप्रावा) व्याप्त (क्वाम क्या) यर (पक:) व्यनमान (व्यनमार क्वान क्यान क्यान सिएम) के द्वा (अकोक्सामा) नाम (क्या) मह (मकः) मार्गान (अमुनामम् कार्यम् । त्रारं) (विक्रमः (विक्रिय-महा) वास (किक) यह (यठ:) देसार्य (अम्कूल क्रिय किर्य) विस्मान (साविक्ता) भाग (भाग) थाने (त्र) विभवीक कार्विति! (त्र विक्का हवने प्रमाप्ते!) जिल्

(क्सार) कर (सम्राक्त) भी अ उ दर्खा (हमना मास लगन ?) विकर (मर विस्वर कार्जात) भीकार छ : (१ का :) कार : (म्केन प्रमाणकनः अनेग्र) विमः (। लालन्य) २०वर: (धार्मेंबर देक् अवीया क्रा) की डाम्पः (मिलाया भूम: वसा वत) गालमा: (मृ: यमार्थन्तम मनीगत्त के वर मान (सम्मिल्सन ब्रिय)।। ने।। (माग्रक में के यारियोमिता मंग्र का निर्म की निरक्ष वार्को कार मिल्लि की याहार मीका का हिर वरमधी क्षीकृष्म मारेका माद् लर्यमंद्रक क्सार (१) येश के स ताक । (१) के थ-किसक ! कवार यदि अत्यासार त्यासर यह अर (अवर्थार) मिलित जुना (जम) कः (नमः) कुर थड्यः (आर्थेरः) क में (विग्रे) या वसक (व कमार्गि विकिए कर्मान मार्था मार्थ) वे (किन) (म (सम) मृंव (कृषिन) क् यर क्यं (यन) साचा (एड ता) राठ करा (स्रायमण) किस क्रिय (वन माछार्य) कासात (मूर्यमान्त) आज्रा जाने न मानेड: (आज्रायीमाने विधारमा न 至3:)11 8011 (अय नामक (अप्रमुपार्वाछ । जूने विष्णा कन शास विष्ण् क्रीकाकाशाह । (इ) क्रियामानु । (इ९) स्थापार् (विमाया-

मामिका पीतार् पत्र के अस यह जिनि (डेल्प्स सामीर) योक्त (मिल्यार) य के के (म (लियमोशिय मामनेत्रीक्रि) इति भारति (क्स चामागुर) क्रकी (अर्भावर अत्राक्षित्र) केश (माड्य:) लाम्म महात्रमें (मार्काः) सक गाटन (४०)र्थः) भाना नियं (भामक्यान्। ४७: वः) प्रम्यप्रः (सम स्था) मेरे अमीम (सममा दन) भनः (काम) कार्वर (त्ममार्डर) अमर (ध्वानिष्ट) कलामीडि: (अटाटि:) मुटमा: (त्याया:) डभीडि: अमर (यारे) अभीकृक (2 21 21 6 M (20) 2 3 11 8 > 11 न्य (क्यां का मार मिल) ठे मार्थ में मार्थ के या मार्थ करा का EZ49118211 (अम नमूमकी ममाद्वि । हस्मक्रा म महेकाव्यीक्षणमाद। (ह) ब्राहिषाक्त्रता ! (मन-मन्ता । त्रीकृष्ण !) भाव नार्य-(मार्ल) क्या (मर) विष्ठ-मक्ष्मा (विष्ठा कृषा मक्ष्मा सम्राट्य मन् कार कमा हूं कर क्रा मिर्मा (मेर्मेर) स्था भी यस सभी (अवार्षा) विस्तर्भी: (विस्तरिका सभी) के क क्राक्र (कर्मक ब मा न वर्ष्ट्र मार) त्याक क्राडि (उ स्थाक पाद । वैगा मुके कार दक्ष करूम दुरिकारम न दें दें हि सार कार तार्म तर कर्निकोड़। तर ;) हैं ध्यासीर (मम्बद्ध मडाहिडा दर । ४१०) मकः

(दु अत्यम डाक्ड) के त्व (क्यांगास) का क्ष व्यक्तांगः अमापात) मानि डा अप (मानिडामा धार्म्य) विना कर् दरम्मक्षः (८४०: ६०क्षः जीवाक्षणः अमादमार्थः हिम्म:) द्रभा (भिष्ठाला डावर)॥ ४०॥ (कर ममस्वीस्मार बाड । हिमा समिती विश्वासमार । (म) यात्रां मन् में वेर (अप्यमेशक्य) में इः (बार्बावर) वर मामयरः (भामस्याः) थान कृषः (धनाकिषः) जमान-(जमान) ह द इ दर्श (क्षिक क्षि) खमा म मंद्रिशी (कामा धनुसर सकीत भवाद्यी) लाजा असि। डरड (अवम् कावर अवस्) यम् माजीर त्यामाः (अक्षमा वर्नााः) भक्ता (भक्ताभा अत्र) हे मक्वि (जानिक्वि अवि) इः विहालिक र् वि: (बिहालिका र्वि: दिर्धा: यभागः मा , ज्या) ट्लामाकी (हलसप्राधिक मठी) धारा व्यक् रामिशाम (हेलशमिशाम)॥ 88॥ (क्रम लाका दिक्स में क्रम) क्य (स्मुवा स्पर्ता) के में सिक्र-मिका आकारिक मार्थ: (बाक्स (कार्यका) यह (यसाव) र्यः (जाक्षिक्तभः) निषा हम भी यभी (जा ह-सभः ट्या कमार रेप) सर्वेश (अर्वेटा कार्ये) श्रू : 12 (ctas)118 a 11

(ला का का कुर में में में में में में में हैं। इसे हैं के भाष्ट्र का भाष्ट्र में में में मेमाडे । (कार) धाम (चन्याम) । खनमणी (व्याचार) मान्या (वें लाक्या) लाम (क्रिंग्स्य) स्थार रिम् छष् (जन्यू) टमावकका (हे-वक्केया मत्र वर्डमामा) लास (या) विक्रिके ना (वर लक्षेता दित्य) समास्त्री (मार्निनी) रेय रमण्यानि (भूरि) यमाछ (छिकीछ) दूर्य (१म्ड:) थर श्राव: (श्रीकृष्ण:) श्रमाय (७व म्यू?) भ्यति (धावत्वारिवः सर् लयावि) अकः (बाक्य-बिल्म्य:) (भीन् वित्वकार) विकार (अडामार्क) हत्रकी (मग्नः) लामाः (न्छः) न रेकान (म कर्ना ८६ छे ७ । अयगमः (मइदिए १६) के लाभ (लडे केंच मिं) रेगे (अवर) यर (धार्मिमार्थ) म निर्दे : (न जानार्छ। ७४० भन माना विसमानारिकारः)॥ १ ७॥ (लाम बासाई टक्सेस्पर) मेटमच्या (लाके विकासिका) अभवाषित अभावमा (अभग वा भन्ना वा म्यूर्का खरर। उम्राट् मा) नका वन की छिला (त्याका) प्रकेश्वा: (पारमार्कका किया: यमा: पारमार्ककत प्रयामा । विश्वः प्राण्यः प्रवाः प्रकाः प्रवाः प्रकाः प्रवाः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवाः प्रवः प्र मयमा (मय अकारा:) १व (दिया:) अका (धाना दिनी लकः) प्रमा लकः (६) देश्व दिया (दिवर)॥ १९॥

थलः (अमार विलाः) न के कार्मन यूष बादमदा (ब्राप्त-मकारा) दिए। (त्हरः) त्यत । त्य (त्यस्य) में भी । (पूर्वकमार्यः)- प्राः विषयः (क्रोलिकः)ः) 8-811 (23/62) 118411 म्बा९ (मृब्बिहिता:) भूता: (मामक-मामेकरमाः) थर कार्रमाम् ने (किमान-सम्मापन) ७० व (१व) व्य (कार्सन) दृष्टुः (दिवर)। उस (कासार मार्का) व्यासा (ग्या हिसा हिसा मिला है) जिया (जास्त्र) प्रिक माहिसा न्द (लभूषाङाखन मश्रीषा मह्दाए निक् नामिलेय) कीरिका (त्याद्धा)॥ वतः (वय) भर्गाह्वाः वित्रः (आरमाक्रका हेका समा आरमाक्रक सम्मानिक । जियः) मार्स : १ मण : १ म : (ब्रिय :)॥ इस १०॥ उत्र (वास सद्य) नामा (काटनाक्ष्याहरू) यानिका-कामा (बारम् पाहित्व ल्य)। ००: (०व) हिन्म (सस्त) विस्ता (मानिकात्र - सम्बद्धानि त्ना दिन स्मा क्यार भा भार्का ह स्था ह द्रार) के ब्रुवा (मालाक्ष्की यमः) व समामा (मार्म प्रमाणक ड त्वर क्या) अक्रमी (काका हिं की अभू में) मिक्रम्भी (मिछ) मार्थ) न्य (ब्राय) ॥ क्ये ॥

कामातां (लाका द्वका द्वकां) भागुना : (मक्या:) प्रभ : मूक : नव (डावयं:) मार्थका : म (म डावम्:। क्या) मक्रमार (वाक्राहक्टर मध्रार) म्यर्ग छा: (प्रक्री:) मार्का: वव (ब्रियः) दिल्का: ज्य (म ब्द्रम:)॥ दशा (वस मिक्र मा त्रामार) वस मा में मिल्स है। ज्यास या मिन्र नायंका दिवर । लया: (यूल्यका:) अडीव लिस्कार्वार (कार्यायम् गुनकार) मैं गर् (क्यापर) में के (वेश्रुकेक) म रिसे (मारि। त्यो मकता के वक्ष भविष्यः)॥ दृष्टा। इत्योधका-मनीक्षरी (यय्य-मधाक-मनीयनेक्षरी) या (मभी)यम (यम्मेर्) अलीय मामनी (अम्बन्धा) सा मंग्रसम्भेता (म्याम्यक्रा) कर्णाक (क्रांसिक) मुके (मणक) मिम्का नव कार्ड । जमान कु अन (क् महिर) कमाहिर व्यक्तार (मीकिटाला:) त्यान ? (म्याम्पार्म काल क्षमणं रें रेंडेंं) अंभित (2 m) () 11 a 8 11 थर मुक् दूर या मार्ग मार विकित विकित विकित वास वर (र्क्) लामने (रेडि मक्स्)। रावः (निक्रम) सम्प्रेट (अक्सर) ह वरवा क. (कामकार) ह कृष्टि अपूर्

उप (म्ण्य) हिना (हिनिय (दिवर) 11 कि 8 में एए।। (वस डाइ: सम्प्रः दें स्प्रे (उस ममक्ष पूछ रडदायार) अभक्ष (पूछ भणे). मा (क्षेत्रिक (माड्य क कर) साहिक (बाक क् छ ?) ह (३७) हिनियं अठम ॥ ६०म ७७॥ (७ म माट्या कि द्वार) ७ म (माट्या कि - ना दिक एगे -र्श्य) दूसर्पा : (किराक्षादिः) कृष्णः त्यर् (स्मित्री व्यक् ट्यमार्था) अपिक्रि: (वारामारमः) नामें (सात्मिक्क)मार (वायर)॥ व व।। (बरेटाइ कु प्रतिस्थारित मार्ग ना का कि के कि कि अमासार बाभार लाम असी अर्जा कार्य में बाप क्राया आहा (य) क्रिंमिशः Ca (24) कस प्राप्तक (मा. कारम) नर हैं सिर्दे लक्षा (ममललाहा) लक्षप्रमार (भी कृष्ट्) जनमानि (अवंत्री (सर् काष्ट- धर्माष्टी सर्) के कर्ड) मिनड (महनड oo:) अस्ति वा (वित्यादिका) अमि (दर्शमे)। अस्त ! (थार्य!) उन (जामन् मात) (६९ (थाप) करे किना: (करेक-मेका:) पदा: म हि यें: (म दिनमें: 'क्या) वर्षमार (जम् क्वार केक्सार) अस का भाव: (अवरे) अविमार म कामारी। (जार)न क्विक (वार्थ (अयवा वर्षवार वम्र इस्ट्राक्स मेर मम का भारे: दमा आडिसिश छा न त्यां)॥ वन्न

(लाम बाष्ट्रिकसार) सिमः में वः (चीके के मत्या मिता याल म ब्रिटा:) का जामार (अमाहर मा के का भारता हर के राष्ट्र मक्ष व्यापत्तं) या अकन (श्री हुएक मा मकार मा पत्) 31200 (09) 217000 (c(ad) 11 ag 11 (वस । सुमः में इ: क्रीक का व था ह कर्म तर बाह । म्यासमा क्रीक् सार 100) दिला ! (क्रीक् का) मना विति (वन समील) किंग्र अल्यामा (सिक्रामा प्रमेश) क्रिक्रिया । अस या किंग्र अल्यामा सिक्रा में यमा भी क्रिया । अस या मर्थी धारिक्ष (निवंदेवर) (क (जव) क्रम्म मसूरी: (दियामार्श्वामि क्रूम्यान्याम्कारि) म् क्रिकि (हिमडि) प्रा भा रेप्ट अन्ये (किन्ये अभाजनी अन्ये मार्ग बा सणी) असं पुर्वेद्धे (इस्र) विष अदि (इट्स समा) में (लाल्डा । क्रामी किं) राजा द्वाम टका के के सर्द (सराए) दृढ: (कासार द्वारात) र्ड न यार्थ ।। १० ।। (मिक्कम) भन्तर मधार वाहिकम्पारवि । जीन क हिमामार। ८०) मूमार्थ । व शक्तात्वार्यः (वीक् र्याः नवामः वात्यर्यः वाद्मारिता:) संवक्कार (सम क्कुत्ममार) द्र (बिल्स) असानि (बिकिसानि) ट्यो कि कानि (धाना दिन-मूकाममूप्र) बिहिनू (मर्ग्राने) अथ: रावि: (भीकृष:) किल

माना वहना-वामक हिंड: (अस्तुरेड आका वहनामार निविक-मना:) थार्ड (वर्डाक)। न: (धामान्क्) पिकीप (बालान) (कसर (मामर) दुधार्म् ७० (चा छ०) राठ लम्रे (कार्यः) (वर्: (वर्नी) हुड: (अमिड: प्रम हार्यः आस रेन्यः) इति (वड: वड्) नन् (तर्ने) भिरंते (स्मायक्षेत्र वर्षाट्ड) प्रकार (प्रायान्ट ,)क्रम्प (ह्यार क्रम् किरोत्) स्मान (व्यम्भिक्ष भक्षात्र)॥ ५ २॥ (मक्षा: अल्हार के एक बाहिकसँगांड वृद्धि है न्याया निकंक. सार । (ह) जन्न इं । (ज्ये के का) सम्बत्ताकु सन्। मा (हिमा) प्रत्यकां हिः (प्रम देल द्वार्य वहते :) विव्वक्रित् (प्राञ्चिक्ष्) धावरहरू (अर्थारीकर) नका (नकाकिनी नव) क्यमान (मामक गान कमाक्र) वट्र जैसाम् के (रस्या वट्ट में कम्म-कामन्) मण थारे । मम त्यरार (द्यमार) भार । (मका हर) किर् केन्द्रेश्ट (कार्ड साम्तास मेर) हैंगा संस्था (भवेषा) क्रेयर (हिमा) मून:मरमिया (म भीड़ मीया)॥ ७२॥ (अग इतं : अत्याकः मिक्सार)यव मभीवाया मभा: ल्य्नु (डब्ट्र सम्पाः सम्प्नु)या (लक्ष्या) मलस्यम-पिना (क्लापिना) छए लाल्ब (क्रां : मझील) (असना पिक् (समा: कि जिन्तारिक) वर उद् : (कक्षमा) अद्वामन (दुन् ७००)॥ ७७॥

(वस अश्राचा सका: सत्रव्यक्षक द्वां अर्वाक दे विसेता-इंबार । कलावली वंशास्त्री वार । (य) भूक ! (य मुनाव !) कार्वाह्मकुर्त (लाक्षेत्र: वर अस हिक्कार्त हिक्कार्त्र () भाभक्षार (कल्ल क्या ० वर्ष) अद्या: । भवा (कर्षाका) क्काए (१८२ निरक्षाए)।विकि (कामीरि।अठः अरसिव) द्रमास (द्रमां केंब्र) केंद्र प्रांत का (काह्या के नाम) यार्थिका एक (जय) भाग्यीन (भाग्यीमात्र धर्मनाविचात्र देवार्थः) मदा (मयर्पा) जानाई (भावकाम विक् । थय वन न्मे केस्पाह भवंदन स्मिमसामा लाल समादिक स्मित्र) कुला: (म्प्रांश:) किएलंटमोब छ- डोड़: (उभा श्रीकृष्टमा क्यां स्था व ला किया देंगं :) का किया मा ! (का हिस समा मी में-बामा: मह:)क भार (क भाभ:) (७ (७४) अक्रामः (लाड्माक्सान्) कामाडि (क्रकालमाडि। लाकः) मैंडः (करम) के के अविल (मक् के अवनार्ग,) वंगर (बायडार) क्र मा ॥ ५ 8 ॥ (अम के अस्टिल कार) डट्ये (मिक्टिक) (य टमा का मंत्रामिक्ष-सिया (त्माः वमक देवामन देवत्रवन करामीमा धर्मान-किंगा असर्परे ज्या) विष्या अवामक के मर्भ नादि: ह (निम अटमान नक जामहर्मी का जपापिक:) रू 75 ALPUN: (BLAS) 11 0 8 11

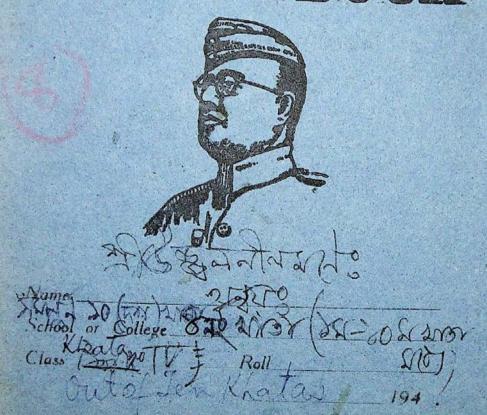
(छय लिका क) अपिएलान की श्रह : प्रश्ली (भ मक्या: (थर्न-के वर इत्दः अविकार देश मेराठ वृति । मीवाकारा : अयहावीर म् की मिक्स समाय नमाय नी श्री की का भार । (र) देशक । (द लम्सा) स र में की माथा हर (में को। असे। हर साभ (मिग्रामिक) मार्चे न (क्य) कि (क्यर) माहि (431 & NAM MIREN) CARLES (ENG OLANDE 1 (2) JENNON; (क्र कं यम्पा) अर्थ (ब्रह्म) लाक वर (लामुक्र) क्रियं यक्ष (वर वित्रमक्षा: क्ष्रीयाक्षण (प्रक् अर्ड) वैंद: (मप्रास्य) बाहम (अव) मिनून्यु डबस (क्रूम्प्रिय) स्मिवं को अस्मि बिला (मवाल-माम-मिकाका) मिनी-(त्र काममा) नेय भूमियमा नामा कानिया कामायमा गामकः (लाममिकामः त्राचमम्यम) (कामायम-कार्यकः 12 में प्रकास) कीर लाउंड नाह (लास से नाह) 11 9 का (ध्य हेलायम कालात्मन छपू पार्वि । म्री जन अ १ व्यक्ति । स्री छन अ १ व्यक्ति । स्री जन अ १ व्यक्ति । व्यक्ति (ध्यामा उने) वाला के विकास । देन अ विकास । देन अ विकास । देन अ विकास । देन अ विकास । विकास विकास । क्र पर (उद्याक्ष सर) विमक (वार्विक)व । पर्र) मिसक्तर (प्तवण-मेवानम् जपर्मिक्यः) न्यामि (पक्षामे) Brayon (अवण्यहर) अभा क्रेसेट (अधामात) करें। के कि) भाग (व्यवस्थाकर मार्क) प्रमार्थ : (मनमार्व : ध्यर) वत देशवर (बम्मी मर्कितिक पर) उरे विम्नी

CLASS ROUTINE

| Days | 1st Period | 2nd Parion | 3rd Period | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| Tues | | | | | | | |
| Wed | | | | | | | |
| Thurs | | | | | | • | |
| Fri 7 | | | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK.



128 PAGES

Price -15%.

म्बर् कामका काम (भाषामि)।एक। (इर

(क्ट्राम जात्र)। ८ ।। (क्ट्राम जात्र)। ८ ।।

 माककः) राक (धाम) नातीः (मलीया वाटकः कतावाना-मर्मामार्थकार प्रवंभी?) क्रमे मार्वि (क्रो ममील) मेराभु-अव्यक्त (मेन्य्यमंड वाक क्यमंद) मिल्यावारी (यस्का नि) हत्यात् (नामितः निक प्रमूत-नुक्र हत्यकात्) म केट (का क्या) अकल बंजारी (सर्वात्म हिन्द्राम नेगीन-यमीन वाक म निक्षः कमन्त्रान धर्नाकि मुल्द-व्यक्ताय) क्ष्यु (का कि द या अप्रकार) वसा (द्वाम्मकार) इ।७ (अवन्यका नमा) भएका। (भन्न वाटकान) क्या कि ed जायार ((कार कर) मर्ड (कं) शाम वा (परा) आरी । (उठ:) कुलिंग (कुका) रेन किमिन (क्रिं) एक मिलामि (अठ) बहुत्य)।। ७०।। (जार पातिका व्याना विकास) दिस्पार (क्रिका मही-संग्राम्) लग्नाभिका दक्षार अली के राह (राज्याह) कमाहिए नन क्रां हुन् पूर्ण (लाक्षक दिवर) करा: (कसार) थः (अव्यक्तिः । क्रियः) स्मानुकः आर्यकः (ALGULA WILDE E (4 7 ;) 11 do 11 (क्यांकृक अमवा में को तराइनाक । प्राप्त माला परं स्या कार । (र) महीस । (र रें वि । व कि) एडंडर (प्राच्या) (म (यम) भारमे (इस्ड) भारत वर्ष

(सारा हिलाया क्रां । वड: वड) वाक्रा क्रमं (व्यक्तिकारं तक स्थातक) कार्के (विमन्ति प्रमात क्षा के का के का : (भा कुक) अद्र मना (मिय्युवर) भी नगडिमार्यः (प्रोपय निकादि : अडिमरें :) (७ (७व) निक्र में (या भीम प्रकृष्ठमा (अपमम) मान्यक्) क्वयानि (किन्यामि) इंदिया (डालातेन) व्या निक्क भीयनि (क्ष्मात) समारीका (भाजिक अर्थ) किंत्र (क्यर) अस्टा (स्क्री द्वार्त्र) नाम : (नाम सलवर्तः अटम व्यक्तिका भः) म: मिर्दी लाडि: (इलाडा:, लाक प्रिटी म मृगीनार् भाडि:) विदे के व के हिंसा : (वव के व के स न का व के से स हा : माम. में आ:) अध्यां है (दुट के छ इब सक्ष स्था में भी ।।।वेश (अमिक्सकी दृष्ण मुद्दारशि । विभाग वाल नधी १ काकि स्था व के के समी-अस्पत्ती में कार । (स) दे स्थाद ! (व्यक्तीता) मा भीने! (शक्षीने! ट्यासने ए कमानीने! छ०) महा (भिनं हरं) मर क्षिक ने नाम हल्या (माक ब्राह्ना) नामः (क्सामः) लर्माम्या (म्यमान्द्रा सान् व्यक्तिनः) स्पर् की मांस (भी के ग्रंस में किक) रह (की कह में से प्रका (क्रम्मण मर्क) पर्याव वर्ष मिलासम) विम्मु (सर्

विकास मिना के समिना) भार इसमात्री (वकारात्री) ह , मना व्यक्त दिन्न (त्यक्तासनी) मः वर्ष क्षाः (क्षाम्न्र)ः अविकार पत्र) भागी (इडी) राजी काछ (धरीनी कृछ) वारे देलमहिंड: (भानिंड: मम् वर्द्रमा) विद्यश् (बिमामः) विवनुकाः (विश्वाव्यक्) ॥१२॥ (लगाईकर्मेश्रे को मारा। हिना काकि संभाषार। त माना। अर् क्या अमू पिन (श्राष्टिति) कू मूर्मिड-व विकन्।-व्यवस्थान्त्र भेषु (क्रम्मिक्रमा: भाक्षक्रमा: वविक्रमादीव-रणामा: मर्मेगावकु म् रमामा: केर्नु के के के रिटिंस) व्यादिका (क्षाविका) व्याभिता। व्यक्षका के (वर्ष्ट्रम्भक्षवस्थामस) र्राट वर्ष पर (याप) वर्ष अकृष् (अक्याव्याव) भूवः (अभवार्षाते) क्रम्युमार्थे देनमार्म (यामगाम) ००३ (०४११८) (० (०४) मा पिश्वाद्ः (प्रक्रिक्षः) अर्दे (भावर)॥ व०॥ (लाम हिमसा- विकसार) सरामार (सम महानामार) मन्मा-सद्भा- भे ही गढ़ के अंसे बंड (अएग्रेम) में के हैं आर्म के ह मधः (कुलाः भगर) उठः (उभार (१ए०:) छ्यः मिमभः (हिर्गातंत्र में के है- था एक के रिगर : भगा : क को (क) 11881

(व अय- स्या में वे ये मार बति । में द्राव्यम्भ : स्वस्थ अवद्राः सटका: चका कालवाश्वाड । (४) साम । साक (५०: अवर्ष) ट्या (लाबरमा:) मका खेबर (मकासमा खंग, जामबा नकर क्रांडर में को द ला से बंद की नक्षा में ताम वर लाम मर) व्याना न मुळा (अवस्था मुजीकार्स) निम्हिड (युर्भिक्योर्ग निक्राविड) अड्ड हि (अस्वराद) उन (ज्य नित्र नेत्र) जन अम् शन: (कर्वेच मृज्यावमवः अभूदे) अम् (व्यक्) व्याप्त वाम (थर्) (वर अमु () पु ज १ करेर (कार्य भागि । थड: व्) कलां (क्रा: क्रोडिमा) भूक () म) जन १ (एडर) सक्त (लयक्षेक) मर (तमार) (० (०४) व्याप मना (गमा) पृक् (गमन्) या बनी (सम्मन-वन मन) (क्या) स्पर् नाम् (क्यान्याह विक: में लड विस्त्र) (माकानंत (mकेम आमंते) धार्यवर (क्री कृष्णः) में सरम (व्यक्त्रियम)॥ वढा। (अश मममी दृष्ठ) मुपार्ना । नर्भ एका : म्या : क्यमा-नामक्यत्मः हेर्ड मठी की इयम में वी अक्य में बी द सरम्मा । वय कम्या सार । (र.) माम्बर्स । व । म्बंहिन: (अव्यक्त) भारत (राष्ट्र) गुष्टा (काल्टा) व्यम (लाट:) तम्म अम्पाट (अम्पुर्माट । अम्पुरूपा साइ । (इ) क्रापां इ है! (आर्रा!) अर् वर (वरी पूजी (उनाम । अव:) कि

(क्यर वर) म्या (विका) ल स्मि (निम्मि, कड: प्ररे) विक (रेडि अयम कारंत्र कार्याम अवस्थावर विश्वकार्त्य विष्टिल्प मिन्तिं भार्तिम् मिलिस्तिन सिक्ता स्म सेस : सर् रारे: (की कुक:) त्राक्षां (राष्ट्रां) (छ (क मना-क्रानिकान) यम न व (वका भीय न व कारत) क्रम्टम (वका में) निकार (क्ट्रा) देसपः (हेन्ना : माता अठा प्रभा म द्याह्ट: अन्) (अलिडि (विद्वडी वि) अला ॥ १ ७॥ (के मारवंभाद्यं अम्मिर्गे । विलाभणाः सटको सम्बनः माना अवस्तर पुड़ कार्याने छाड़ भी कुक्ष: भार (द) साम् व । सामाठिक मा सम (स्का) व्यव्या व व क (के व) हतात्र (मळ्ति। (१) अभवाडि! १९ व्याचि अर्थाविक्या ((भक्तः) व्यालका (मर्ग) के (क्य) त्या (गाम्बरः) गामि (बवाम) मवा (हलालाभक्रमः) जन् कृकाह्यः (क्क्निमा ब्रावः, नाक क भीक्कावारम द्वां नकारः) अमस्य-मारा का (अमस्य: मर ममकायः हे अम: किकारमा गर्मः (ड , यथाक्ष व मड- अवद्विकामित) रेलार्थः) भूबाः (धार्यवी-भागाणो)रेस (अय) अश्रि (मिक्स) ममंत्र (लियम्) काकि (व्यक्षर्) व्यानमा भू (7x) 720 (4001M)119911

स्त्राकारां: प्राक्रम् (स्पूरं:) लिख्याक्रिसर् दं (कारकार अक्स अकता का का का कर कं सामायन : व्यक्त) मार् समाने के जिल्ली विकार (त्या क पडाड-(लग समस्वीतिकार । मिकिकः धन्या बाक्षा न्यास मिवासा-सन्भाम । (४) सरेस । मा सढ निरं (मिक्स के के के कि क्रीतः (मिक्न मक्र क्रवनः) देलमीयं (आमीतं) मिकेट (पि: वार र रामा मारामा मार्ट) यवाक (मामावर मक्रिकि (जार) सन्यासाम्भी ए फकर (भी भर) व्यस्भवत् (लम्मक्ष वं) भ्रिक्त (म्यामा । (य सन्माना क !) थाइ० रेखि (वर में का रबने) जर मशी वारकाम (अभी: भाया क्र मा : पात्का) ठेरे में यह (जार मा अस्ता) लाउना म (कामन्याम । नन् नकत्वर नकाभन् एरा छउटन मानत्व त्व मान्ति के कि देश के के का निर्धां रेक् क थार) हि (यठः) विदे : (६००:) प्रभणावत्याः (समत्मः अवकत्मः) मार्जा भूतः (भवकवर) विक्रम अध्वाहि किकाला । दियात पक्रमारिक नागार्गड मैं दर्ग स् द्या न्या का का किंद प्राखासन का मी मी कि GTT:) 11 9211

(लाश सत्रा आ जा चिकस्तर) जा मार कार्य-सत्या-सत्या नि स्थित वामा: (व्याहरकीय) समा (अवस्ता) है छ । व्याह । (त्या) इसाः (तवाः) सथीयाताः (व्यक्तामन मभाः) मक्नीडेंगः (ट्याक्सः)॥४०॥ (क्य प्रतिमंग्राम्कोसिमायं कि। क्रिंग्रिकी स्थार । कि मुलाई!) प्रयं (व्यक्षः) हिन् (पी क्या में) हिएम (सममा) वेतर यहमं (बायनमं लाटम) हाड् (डिका:) कम्प त्रिम ज्यानिक: (कारमन भी छेक:) हुम् (व्यक्षेर्) भारतः ६ (मन्) म्याममार्वविद्यार्वन् (म्यामा: मद्यार्व: म्यामा प्रवाहरू (विस्वा क्षा कर्म के) आर्ड के का शि (कर (क्राप्ट के के इंड (लाम्पर्) अन् ५ (अन् मका मर्) लाया (ब्री का का मा) करें (CHIZEMS) ONY & SE CONDER (CHIEN) TOWN - HART-नवकीए (काला : क्रांडिय : पा अश्वीतव : मक्यांडि-लिमा: उम कीए) पाल रेव डेमामिक अपासि। (ठेलामिए धाराधि अमासात आम आपा एम अमिन् क्रिक्र भे कृत्य) अभूमः (नक्रापिए प्र में प्रक्रितः) कुछ: (कम्पा ९ उनि । म क्यमा प मान्या: कार्प हेन्य:)।।।।।। (काम सक्ताक्रा में को में ताइ बाहु। खिला का क्रा का का का का का छाड़ । (ट क्मलाम । त्र) जिनमाम । यह जार किया किया ।

के कुष्टिक: (के कुष्टि कार्यन वक्षकित केपा मा क्यार्टेश) देश (आश } 136 समा) आष्ट्रमार (सम्मेर) मण: (रेजातीसर)क्रमसरिटा: (म्भ हममार्थः) रेश (मस्माविष्या) (काम्रवा (क्षिमीवा) व्यम् (व्यम्) इड! (कार्याः) कु के कि (श्रमण कु कि कि) ला : (मही हार्या) सिमीय (कार्यासम्बद्ध केंद्रा) अद्भे (वक्षाप्य) विषयं अदि -में ये (प्रस्थान के किस्ट व्या के किस वा (क्य के का (व प प्र कानारि (ध्य व्यावमान समा न सूर्व काउनिक्रें!)॥७२॥ (लम समिष्य में तो मेराड वाल । द्या मार्ग । विसास । विसास । हः)क्नी तारं (केनी क्वमं) न्यारा (मानुन्ते) लच (कार्यम) मुक्ट (मिस्टिंड) भारत्य (मिर्किंड) मिरायम (बस्मकासम) रीम म (७९ अछ शम्मकारमम् कक)। वार् इन्द्र कि ब्रेम: (६ सकरं :) भू स (अ क्षा कि कि कि कि कि कि अकरे (क्सूम-कार्यका-सम्बर) वार्यामि (माक्रामि) ॥ ४०॥ आयार (आत्मकिका कि का दी तार छित्र केर) अर्थ कार्डिय गामिकारत एवा महा (अवस्त महा विवा) दिवर । काहिए (६) अभिन (मार्यमा (प्राम्य) अमा महा (आयर्थीना अन) अमा स्मालमा हिमा वि में १ वि का देव के उप रिमेश द मूर्य जमार्किया कियी - वर्य) 11 68 11

(क्य लाग्रास्तादवाक । लाल्डााम् मणी वेस्ट क्यावनदी की कावा नामक्या । नावेर प्रशे वाड । (४) नामकत्य । वर मीनक्क-कें इंडार (क्षत्र के के अडि हामार) मना ग्रियां (क्य बाक्रवायार) क्लाकामार (धर्मन-वेक्पायर) त्यापर (क्यानर) आर्य (आम्म) रेकि मम्। लेखा (भ्रम बाक्य) स्मिश (असक्ष मिन्यमा मेश) मार् (वर) मक्टमर (भावार द्य) यान्त्व (मनाम । इस्मि) मसीम्बार (मम्झार)वर (ठ लक- एन १०) हमा (वार्षांत्र) कि र (क्यर) (६ लम (यासन) वार्डः (कालामिडः) क्यार नव (कार्यक) हत्त्र (हत्त्र का कर (हत्त्र का कर का कर) यह की (का के तहा) किः (क्रमः) नम्रा (मळावित्रा मडी) मृश्य भन्ना (क्षाना) काम । (संग्रा कल्ल नार्मा क्षाय कार्य के मका वर्ग व त्यामाणमामीवर् वपाम किर्मकारक क्षि त्र भी कि ति । । लच व या क्षा मा : के ह में या भारे के कि । प्रक्रिक प्रतिक किया निकास अविष CRINE) 11 0011 (का विकाना मिराय के हि। मिराम का मिराम मिराम का हिर बाधार । (व) येथे। म । (व र) में स्थाप्त लयह नाम वा दे (क्रां मक्टा ६) सहं र्केल्या : (वावं से रंड) रे त्यां विष्णे स्थ प्राथ । (म त्यनं ग । लडं) लवं (क्यमं) उत्मा अडीक्रा (लालामक् (म . हत्रका में : मर भागित हिंग एन) इस (राधान)) अगाम (मळ्याम)। मम ((७३) मामेजा (मम) उ: (मम् (रहमानम्बर्गा) (अधानिकार्यतः (अरिह क्रम) (कार्यामा काल्यामित्वारः (की जानाभागाद्याद्वार ने) व्यक्षीयन (क्विनः)न (न डावर रेकि) प्रकः प्रकः (यमार्थापन 11 0 9 11 (Blirad (अर्थ मिछ) अर्थामार) प्रत्याम (अर्थी लाखन) अर प्रदा श्रीका (मक्का) मानुकाकाम (आक्रमी (मानुकाक दं म लिकाक न रेक्किया भा) मिछ मभी ज्या (भा (निक्रमभी) कू किश (द्व । क्य) नका काका है की लग्न : क्या काहिए ट कारवाक्रक मंद्र मार्थ (कार्य कारवाक्रक मंद्री हाड) भोरेज (कीउँवा) 116911 (क्य काळाडेकी १ समूर मिक अभी मुक्तर यहि। मार्गम अभी माडि-मान ट्यं की बार्च या निम्रका काहिए मभी जा बार का गृहे प्रक्रमा मरार्क अग्रिसा वर्षेत्र मार । व्यक्षातः) विमा मुन्तिपणम (मृन्ति : निन्ति) अर्थमा अर्थमा) यर मूमर द्वत्यात (लय द्रात) वर नव (वर से मेर) नाम न्याकिकः (श्वरं बर्भे मधानातात्र) म्द (महन्द्र) वापन् (मग्रामा) जक्षी: (विज्ञिकिछा) भानम्यूनी अधिक टार्वेची दिश्यां (अ अयभ- टार्डिन्ये कार्युक्ता) भना, के अविप्तिक्या अर्ल हुन वित्ताहर अत्ताहर प्रभा : भा उभा दुना भी अर्थ) करा वानु (अश्यान अप्त) व्यक्त्रभव्यक्तर (वाहम्पतं म्यार बान्धृर) त कक्टि ॥ ६६॥ (एम आ(माक्षे की तम् रिनि प्रश्री मुमार वि । श्रीकृ (कन असमार्य) अला किं काहिए मश्री अविवासिक वाम हार् के क्ष गमाम् दे के नामा वर मधामावर महोत्ति कार । (र) (भार्य । (अर्व रेंग: मुक्जामा - रेंग द्वि: ७ म ना कार्य में भारतार अ व व कुळाम कपार्ग में अपने प्रति हैं अपने में अपने में अपने में मार्गाणकवा मका ब: वस तह शर्वे ए दिन दे दे दे हे बलाइड वतापुड यानावाब्र्यभवाव की (कामकर्ष्यमान मिलित त्यमेत्री मार देहिं हे श्यास तम में शे अलकः सत्मवं म-विशान: जम्मान अयादी असमीयान) डवदलं मलंभवाम (७३७: उव अम्मास्य प: वम: मूम जिम्म) आभ-\$ 6 x 4) 6 (or 25 5) & or 28 (2 or mine) 11 P. 9 11 (कलेकोसराज्यात । काहिट सन्। न्या ग्राम्स माड्म कंतरी. भार्षक (यार । (इ) रेमाव्याव्या हता । (र्मायय हता । मार्किं।)

अभी (भागाया) अनुः (क्रुप्राक) न श्राविमानि। क्रून टमरमी नीया (क्यूक क्यू खनमक टमक्ताए द्वाका वराने भीता क्षा प्राणामता अभी) (म (अश?) कू का कि (का कर करवारि) उप (अमार कर) उन्नेविक क्रवर (उन्नेविक क्रिकीक्र के (बार कार वार) इसक (समीर व्यावनक) कार्यमा (समयहार MUNIC) 11 90 11 महाने आमर्गः शास्त्र ह काल कालाक्रकः (कालक्रमं रेंद्र) दिन्दे कमान सिमें बहता (मर्घारमोदित्त्प) अर (कार्सन्) उम् विभिन्न: (वट्या: मार्थि स्प्री वर्षा विलिही ?) म अविछ: (साऊ:)।। २)।। लार सामानुसान-यदाय: (अपमान्यानी में अद्येष) राजा-मक् (मकारमा):) भावतः (देकः)। तमका लापि-ति नि एके (द्याना पी नह दें नि एके) मार्ड) अमा (भामकी में-* @1 2 to) on or 18 mors. ((garajo) ,) > Ded (@(ad) 113511 (छा वामर्ग्या) विमर्भम्म मार्गि । यानिका अभिनी श्रीकार्य आर 10) मार्थ ! जारमे रावें : (वाक्षः) श्वारि : (जारकरंगः) माए कमार (मिकिडा?) कभी ? (का निः क्या) शावाम भी ? (अवसवायामका०) र्किट्ट (ज्या) हतः (यहतः) व्यामिस सम्बद्ध (राखदा। मुं) ह लाय्त्रेम (लामहायम्)

वर हार किं। (वामक:)। डा ! (वाहा !) त्यान । क्रिक (अअ) स्थार (कर सक स्था त्य) । संर (कर) व्यमा (विलाम)करणे गुराम (जदक्षानियम क्रम)मानिजा किर्द : (नामिना- नामक:) थयः वन: मुक्ता (मस्टक्न) उन भदः न्या (अपुर्ध) मावत (इस्ट व्यक्तात्)।। अला (मार्क्समा विवर्ण ग्रमात्रवि । हिया कीवा वीवा वारात्र। (र) मार्थ! कृतिन-भी: (कृर-वृद्धिः) असी (अभा) अनेस्वत-कृतिः (वर अपाया र मेरायम) समारमां : के दुव : ह पार) कार किराक्रिउवनी (किराक्ष विवाधी कृ विवाधी) ७९ थानि (उंगानि पुः) क्र (त्रम (रकुमा) अअप् (विनय) म दे क्यामि (म) अपि) केस ((बार सान स्मार्ट) केंक दे पहर (मार से दे केस) कार्यामि (उदा) अद्या मृद्वा (मृद्वाया) आरो (मक्षक्ता) हिया थाले अटमायवि (अमारि छाडि , आर्थ-अमारा: हत्रावना: मना देवाने) विक्रकि (क्लिक्नेन-मध्रः) रेव उप्तिहिनी (जिल्कामा अहिनी : अहिन उपकार्मान -क्र अडि यन मिन्नाः) विकामानि (कार्विभारि)।। १८। मकी अभा: पूछा कूर्वछी- अभी वशमि (विक्ति चीर्कः) मळेल (बाका मडी) कृत्यान (अमजेनर्यः) आयोजान (मिल्लामा) अभि क्या अभि (जय) सम्राज (श्रीकार्म अ) म मार (म डावर) ॥ किया

(वर्रेगाडबाक , काएडि ब्यांश्रम्म रेंक् कार्कक, कार 1 (य) रेक्स-देश- १ व्य । (रे सावय- १ व्य । व्य के क । व्य के) कारा में स्वायमा (न्यांशाना देवान:) में त्वां (में व्यक्त्या) प्राप्त (प्रक्रांत) (क (कड़) प्राम्माहर (सन्नायर) माहत का आ (का महा 106 हैं।) ष्टि (कार सार बाह) कत्त्व हत्र क्रें कंट (कत्त व्यो सर्वार कार्ड के कार्य के कार कार्य के सार्गात् (अस की बन्) कार्या कार्य (सम्पानिकार्य) र् (इन्ड) असमान्छ विम्मा क्रान्यकार् (न समान्छ: विभन्ने हुल्या विभन्ना: कड्याम धानुवक: मृहनानि राम गर) नवार वर (व्यव्य) य (याल्य मिल्यास) ॥ भरा। । स्य: त्यम अ (मारक) युः (मानक-भाग्रक त्याः अवस्यवं माड अवंश्वत्मे (समें : अप्रो दुरक्तिप कुर्युं) विताः (मायक-मार्किएमं : अवस्म व । भीम) आत्र कि काविल (लम्बाय-व्यक्ता) मित्यः नव (वट्णः) व्यक्तिकः (अवस्था वाक लाड् अव सस्माग्य) के कि समा। समार्यः मर्भ (अविद्याप्र:) आश्वाप्रम - (मंभ्या) : (आश्वाप्रम : प्रमण्डि (स्तार्षे) हिन्ममृति: (पाध्यम् वरे) लकारः (माम्बर्खिस्क्रम्भ) अस्वक्रम (अवावनः) (क्रियासिया सामकारं। (क्रियः) काट्य (तक्रव्यक्) मलंबन (त्रामनमभन्न) मनमापि डि: (उत्पंः) (मयन (विक्रम्य:) क्रा माल्य मानेक पः (अवस्था वे क्रा अवस्था में में कि वाक्षास्त्रक वालपुर) मामुकाचापूर्वका व्यवाताताः (डिसपटि एलस-एमामा: सस्यवयान्तर भानुन्छामा: सानुभ्दं बक्षांगः, सत्रायाः) सन्माकृत्यः (सम्पाः क्लानि डिर्मः)॥२१ - २२॥ (वच के कि यम कितार की विषय में में बार । हिमा का मिकिं भार । (य) सेवडव । (अ) क्या !) केवज्ञानाक्या : (क्रेंक्, आवस हिंच्या अधियाः काक्र्या द्व काक्र्य) राम्याः क्रिया : क्या मा क्या (अर मार क्या क्या क्या के कि मर्ग)क्यामिय (क्य प्रकारवन) बाछ): (की के नी एम दखर। यात्री समे बके काकी (कुछ है) मा (म्याह्म) (क्राम्य-माल्का (मैं: मसामा न मिसा) लाल (क (कर) किम म कर (माडिडानंड) म क्राडि (म असिउ दाड) ॥ >0011 (समार में किक कितार की कि में मात्रक । कारियमी भी अस्त र अपर 1 (र) ग्राप्त । मैं गर्यः (मुर्के क्रमें) म्यावं (काम्य रेथ-भड़ा) किसीकमाम (वाजिबिसा(मध्) कुभागः (निध्नाः)

कार्न का बाजीव-मीवक पूर्णः (बाद्यादमाः लाषाः) न मार्ड (म वर्ड हि। बश्च अन (भाषम् लाहमा: प्रहीक्यी: । किन् हैंग रह (दे कर्ड) का : (क्वाक्त्या) का क्षानं (वे अव् कें के) यह (मसार मस्र क्षेत्र; क्ष्यातिकोत्;) नतः मारियमं : (मुर्केक:) अवं (क्षियमं) वात (वैर मिक्रि मद्यापंजायः (अवतः कर्षाम कामाक्रम्भ स एमर्देश 2850) 11 20 > 11 (कर्म क्रीक्रिक समा अपिर की विस्तार का । नामे का मीर कर यार । तर) वर्षाम्पय ! (योक्का) द्राप्तवा (यक्की वाल) यमा: विरे (लाहार) कार्यका (मेरी) मियर (मर) म् प्: (अरीन्) निमिष् (निमिष्यकी ज्या) अहमका ह (आर्मकान रामाः) अने हार् ही (अने ते स्कें) विहार् (प्रक्रि)) पळाडं पटा (मासा) व्या (सम मणा मुक्ता) यम बमाह (साक्राद्य) का (अभा का वसमी) (क (उन) धन् समा (टमामा) थारे (न काहिममा ही कर्यः) लक्ष्र (किक्क) अवसपूर्व ला (म (मम) मधी आ (भी वाका) कन्नड मिन इ (क्रिश विमा त्कन भारा मिनिका व्यक अस का दक्की। (कन भूम का ब्यू । धार्मा सुन् एमा-मा काहितामा दिन्दी। अपना द्यार भारत मधी करा नक्यांने

(सकार क्राइक्क कर्मार का विस्तार के वि । माले वा क्रा के कर वार। (र) प्रार्थ! मारा ज्यानिम कती मान विकाशिक एर प्रार्वः (मरक्सानेमकना: रेक्स नील भाने नाला: मार् नर्या विष्मुंगि लिक्टियां या जामूमी एवर कार्ड रेगा म:) ब्राय क्रिक्सा: (भीतम क्रा-६व्यः) कः व्याले नगः यू वा (सम (यो नमा किछ:) भू गृ वि (वि नाक (क) भिन कुलालेना-निकत्नीवि-वकार्या छिपाकव्रे को विक्रामेल् भाडि-इ (क) निक्र नामा कूमाओं नामा कूमा वी मेर निक्रमा अमृत्रमें नी वि-व था। रिनमें किर्विश्व न स्वमा अरिममें की नहिंगी हिमारकार्य (हमनकमीन क्लेंड्रे व्यायमार्चि:) यम् वर्कीकानः (ब्रुक्ती-मिनादः) वर्षि (हेन्द्रार्थन वर्षात्र)॥ 2001 (इरक मभा धामाक कार्यकाम मार्या भामवा-विभाग स्थिश्यात्राक : 10) ग्राप् ; (a) में वर्ष ; (a में ग्राप्त ;) कास र (अन्मिखर राम भारतमा) नि की कर्ष देश (मि की द भर्ते सक्येकः अस्यास्टक (त्रम (त्रम) भर्ते मेर्स्सम (कर्णात्म की किएक ह) मर (के (मक्षा: कारक (मादि) विषय- छवः (बिनामाजिलायः) न । क्येष , त्रोवाद्यार्थी-मानि पिक-पिन हुना (ओन्डामिडि: भोन्डअगारे: सिकार गायर प्रमस्य र माना आ द्यारेखा)काल भा भक्त (हम्बकः) नक्ष)ः (नियुक्त (सर्व) हात् : (ब्रम) विडार्ड (अरवथार्ड)॥ २०४॥

(अकार भी कृष्णमा आक का विकास पारविक । विभागका मुक्तारात (४) र्कायमनं (क्रियेत त्राचं हेत्। मा १०६ कामक!) जु थाम ववलानियाना वद्वावि एकार्मवा पार (वर्ग देशसम् वामिसालम् भ्राडिमा वामकः वामिडः विल्यमासिय हेर्मवः भारता गर्ग क्रिशः) नक्रिशः मान्या मार्थकात्राह (मान्त्राक्त्यात्रह भाष्यकात्राह) न त्मात्म (न विश्वामि) ७७: (७५१) नय छक् निसाद्याप्रिनः (मदान कर्नामेम्न (भोबासन देशामा थ: कमा) (क (०४) दे (काम्यांड) रेगा क्यांड (रेगाराक्) सिमंग्र किया छा ब्रीडि: (विश्व न क्रिक्ने भार्ते:)कः वा अर्थः (स्तानामर) भगड (दिन)॥ >० ६॥ (क्स्म्याडिभावनिम्पाद्वि । सममञ्जूनी नात्रक्मालाः भ्यान्त्र वार (४) मार्म । माम्बा (भाषा रंग) र्यं वात्रे (वक्षकान: भाक्ष मालवाकानेनी- रेप्ट वार्टे) लायका - मेबार क ब्रह्म (लायका लाइक में मेरिला: हलामी विकरं विसारमा त्यम कर्ण विक अमक मार् विवक्षण् मूचार्लाः हतार) वे उवर लाडामम्बर वस्यवास्ता एन ७:) मर्वा प्राप्त (कलः) वित्र प्रसः (डिल्प्तिन मेरेड वस्ट्रम, आक्र मार्गाड मान्य म् कि मिटकार व त्याक मड़ या सक्तार दि। में सूबर । के वह र

के के का मर् (के का पुर मर (ता मा) वाक की के के पे अ कि (ता का) यम्य (यक्ष्म भृशेषा) रेट (व्य) समामहा ॥ >० ५॥ (ममा काडमान ने मुदायन्ति। मुदावी श्रीन की ना किए थार 102) मटक ! धर्मा (वेमानी १) (जिमार छ ! (सूर्य):) प्रम्यामान (उर राम्मा स्मा) सम् (१००) सम्म (सम्म मं १ रामा माराउयो) अहर भड़: (अहारत वाह:)। (मारिक्स भी (क्री क्रिक्स) सामान्य (रामार हिमास्तर) भरत (भर) वस: (क्षा कर्ड) १ सालकर (त्र्या १०००) मारक । (क्षि) लाकामा (हक राक्षमा) कक् मे खातमं (कक् मे रेबिनिमा) सम्भी (क्ला) सप छात्रना (धरा अपर्यन ह क्रमणः) मीर्मा (दर्गाठ) जिए (जमार का कमाद) विलायन ? (गाम (अभागः) विकल् (मिश्वम् द्यान) जार्भा (कत्ताम) उधाः (रेसपुराः) व्यह्मस्यम् नः (ONE MAIN ALM: 342;) 1120 911 (कृत्क मभा: ममलनम्पारका । विलाभा भीकृष्णमा ।(य) मंबरब ! (च्यक्ता) तथा : (रिक्रमे माधी मे क्या (व तका प्रतं) मरे देवं (त्रिया लिखेंबर लिखें क्वन) दे आ मिट । (सामुके उत्र वात्रः लक्का चिक्र्यः) कद्यम (पाति (क्रुक्तान) भेक् (यवाडि मा) कर्मिया (कार्क्प) काल मम्मं (प्रभाषकं) के परमिन् ((अविहिनिक्) ७४: (डलभा १) ६८म (इ व राम्)

नय अर्थ मार् मी- अमप (मद्रा (नवा निक्र नवी मी खन्ती भा व्यन्त्रशाई ही बना मः वयर लाउपः (क्य ध्यरेश भिष्य मा) इंग्ट स्थी (ब्यानान्त) लाग समा खबतः (०४) थरं (र्द्ध) दुमराशक्ता (नेनराव्येश समाल्या)॥२०४॥ (मर्स डेमाप्यां । मानिजा श्रीवादीस्था । (१) (कोष्ट्रम एक मार्क ! (क्येंट्रायम रे बे किय किया लाक्ष्मा मन्ति नन्ति क्रिसिक्ष्यं इवना तुना स विव् त ज्या भी वित्राभा म्मप् (इव मातुना विद्या भारती विवया: पूर्ला : भारतीयां: कास्यः वामल विनामम् चुंडामा लाक्ष्म समुद्) ((१ (१) (अदीवर) आदिका-बाल (मलामार कारण म्याप) मारामार मा क्या: (मार्कें 不要如)1四次用只需取零而本信:(四次有交換四个日報四1 यातार्वा अवि: कालिया: क्षाव (रिक्रा) क्रिक्रिकी (क्यूवियाविती काहिए) एकण माडि : (लाजाकि:) लाहै खां (में स्पर) मकार (क्यमार) भारा (क्रिंग स्थार) केर (कार्यम) वत्र (वनभटि) भि: अद्भ (२००० भारक भर) ansage (an sa 2 2 1/10) 11 >0 0 11 (धालामनम् पांच्या । लामिला भीवा थाया । (१) प्रार्थ। र्मकार असि । (वर) में दः (अवस्परः) के मर (कारिः) सा था: (य मळ) लार्चे : (में यू ं) श्वणाष्ट्र हर् माप्पि करं (द्वारम्य-म्हें कार्य का अरह असाम दुर कें दुर में कें)

मिन् (बानीयि) वन: निर्मः (हलाः) के ज्ञ न त्वेन देल-भगाय (क्षांका (अवय-धार्मीय-के क्षेत्र था कर) विर्देत (खंभ) प्रायु (ट्याक्र पर में खि:) न्या प्राय (क्यां में) म्रा (मिर्वे १४) डाब्बेशिक (हेम्स्ट)॥>>०॥ (दन लश्रम् भार कृषि । श्री का माम दू स्वी नामिण प्रभावेशपः आह । (ह आर्थ !) ममा ए (जय) जात (मनाए) मृगमाजिमा (क्सु विकाग) थं: धाओ वन ७%: (जिनकः) विवधायन: (सिनमामः) लाकु। यः (अयद्यः) स्थामिषः (मूर्ण-अमननिजन अधूना धर्मा अल्पन निष्: निकः, ज्या) विन् क्रिन भड़त् (अप्रतम् मत्) ११ वः (अ कृ थाम) व कः (यम्)लस्टि अव (क्स्ते । निष्य सम्बाक अमिताय-Man(名) 1122211 (इम्ट्रिंग द्यारे नाहे वसू पात्र के छि। भूवर्गाल निम्हिं विकावः मभीभाभ भकारिय लक्षामा र भी श मुर पालुका में कर ही-आर । (र) कि ट्लावि! यामे! (वर) अङ्गा जर (क्राय क्यार) रेट्या: (यनप्रता:) हे हर (में भयर) प्रिध्य ने ही विकेत्दी मडी)न रि मकुष्ठ (मकुष्ठिएन कुक् । किन जिन जिन किन किन लामे द्र (लच) म्हार व्यार (महाद्या मान का का का मास्केर!) यत (मकायन) माश्रुम (पार्किप का (पम बत्ता)) विरमानि (डिडीने) नमा (अन्यक्षा । न मानीकार्यः)

माविष्ठ विष्य था कृत्द (अध्यामित क्षेत्रका) भाग : (माथा :) माथकार्य (ज्याक्यात) किंगा जार म कें सेत (म ध्यम्लाक में पुर्वे हारे) ॥ २००४॥ (द्रमाइंब्स्डेबर व्यक्षित । यामला म्या का का का का राद्य) ही-लखा न (हिम अन्य स्टा स्ट्रा स्ट्रा (का) अत्र ! (क (क्व) रम: (रेष्ट् नव टारेवनट्) प्रकार्वन्थः (कमर्का) मामाकाः विवन्त (विश्वाक्षेति) टार्मका १ जिल्ला म्यामा (बिड्रत-। देवाता क्रातार पृता १ तेथताता आत्महनकवा ट्टि: अन्ड व्यम्मापकार) जित्री (मध्य वि । जब ट्रोन्सर्भः मुकी मिलाक-अवन्तानार् नम्नातार् वृद्धन्ता न क वर्ग छ र । । किक) महिन्छ (रूषः) महिन्छ (उद्घा छ व) मारि (मामिष) धार्म छ हिन् (ट्यामा छ) म न यहि (म सारिमा हि। प्रकार) इस कु लि (इस मारी मने प्रकार) भका द्व (भव) बिल्लिक (शक्तिका) आमि (दिनामि) II > 2011 (हिम्मस् विम् पार के वि । श्री ने मारा: था ने कार भी के कार भी छ समम् अर्वि हिन्ने वे क्या ह अ कि विकासी वि कितार प्रवादभन्ती विभाग आर । (र) प्रामी ! मार्का उदमक्ष्माडिः (अवनीत डेर्माय डेड्यून्डलमः इप्रार मामार् जाडः) भ्यानि छि: (यहा किला बी छि:) भूता (इत्ये ने) विले छ: (मिकिल्ड:) श्रिमा- प्रविधाः (प्रवीद्व-श्रिमार्कः)

नगः हरेतः (अम अवार्षः) व्यान भी निक्डर (विकार् भीठ-क्रमेका वालिक) मुक्ति (बस्) त्यार्मिला वार्व (बार-म्यानार किला देकार:) नार्ने म भारत (स्वत्रिक्) किंग-म्बी वा कार (मार् वर) न्यर (कन (यक्ना) कार्रानिक-इमाड (क्रिंक-क्षेत्रः) क्रमणात्र (क्रियात्र) 11>>811 (मजारमः भविवक्षमा दूषा १ वि । ल लिका विश्व - टबल्म मा गउर श्रीकृष्णमणमणडी अकामूमा विष्रु गालन उठ : अवमान्यडी मात्र । (२) था डीयं! (८ (भाव!) अ(भ (बडाए) योकी सियक वर (मिन्ट) त्राश्चर (तामा मृद् :) आधारामां: (केक-वर्भः)क्यानि महेः (क्रिया-निष्न तः) मर्निक (श्वः) । व्यक्षः अव: बर्द वर्ष: (विश्ववास्त्रः) समान (मूर्रि) आवितः (कामीड:) एवम (रिक्रा) दें कर्मा (मर्मालिय अक्रमेनमार कार) जिलाकी (जिल्ल मर्मा) अवलं जिला (अवलं र) मुर्गम बीजिवाबिती ?) नार (बाजियार रर्वत ?) मुक्राम (विट्याउप व रेखा) लग: (रें छ वं) लग्यमं (लग्यमं) लड्ड ड्र अदिः (अलेः) भारतिः (कम्मिः) अवः (धानारः) क्ववान (वहाधियामि)॥ >> ०॥ (जिल्ला मुमार बाड । कारिए मधी कारिए थाडिमार्ग मीक्कार्य अम्ममं छ । वा मानिना । (म) मार्थ ! इ वन-मार्गक-व त्रीपत्न : (डेडम-लभ्र लिका-लिसः) अधीवने (वा भूः)

अवंस (सकायम विका) धरे बंद (यम सर्वे) हवंनु अस-प्रशादमः (म्बर्भलागाः प्रशाहमः वर्णनः) विचिति (क्रम्। किक) कर्त्राम्थीं (कर्त्य में अपड) जयम्मा (मिया में की-करं एम महामंखा वाहिलाई) वीरिकाई (बार्से प-बाद्री, मिल (म् केक्र में देए ए) मिन्र (समक्ते) इंडि (वदस्य कार-(सराविकारित) नवालेमा (नवीम अलेमा नमती) इटड: (अर्केत्व्या) मिप्तिम् वर्ष (सप्तियाः त्यन्त्राः वर द्यापर) विकारि (लक्टि)॥ १३ ४।।। (द्रमाद्रवम् देवं वत्न्त्राह । यान्या मान्य कर कारा क मार् (वं) सरा (भवने वं) (सम्म: (म्यांवमभ) में किस्म)) विनरेश्य रं कार् (किंत-रेश्य किंग्य) अवसार कं (अवसर नात्रं) केक्नुम : (केक्) क्रम (किनम :) बहमी-मर्बि. खिर्द्य (आअभीम कड़े- अधिवं () श्राप्त (अम्माखे) अख्या (आयर एकीर) अभी कृक (अयम स्था । किए) उपममाल (जम) धमग्राष्ट धनिह (अप्र) निमाडी एके (अभगाडिलाबिए) धार्म के () (कस्मान) (हिड़: (हिड़:) रा के का : (क कं এर (मार्ड) अमर्भन: (भण्न: त्यावादी) थाले म: रामि: (क्रीकुक:) दूरः (मयनः) जम धरीनाः (यम् वार्) आक्रमाड (यामाड)। १२११।

(ज्य कार्त असंसम्ब्रुमा र बंहि। क्लम्सू मी मिल्या वी भार । ए यात्र !) नामेज (प्रत्याय्वा नामेजामानी मनी ह्र) देखंब-मक्रा (ठेडवा अविनेका अकाम) वासवीय विवय स्म विकार् (वासवीय: मिबनीं : थः। विवदः ज्ञानि एव क्रामन क्रामु विश्वासकामु (माहरमार्भम वसम् ब्रायानिर् (माहरम् वसरमा देशार (बाहरम् काडियर्म देवलाम् वर्म्सम् वनाडा. कथात्रा त्राचायमः विज्ञायम् त्याः प्रधाः यदं वत्यः यत्ताद्वयाता: ययद्या समयायमः है प्रेष्ट्रमात्मभाग प्रमा: वार) माहिका- क्यमिनी (भीका हा के लाई के मामिनी) स्विता (हत्यंते की वृद्धात ह भय) यह म् वासि (अंत्र प्रांति) 1157611 (अभ क्षानिमा (स्वास्मार्बि) वासवीक्ष सका हमतीका (हामनीक्वा हामनंकना कार्येवा प्रायमनी प्रायमेनी-त्रां भा) पालुका के की द्वा में (मिके के दिवस) ताल कर्ता के स्र (अर्किरकात्रे)टमकुर्याः (भाष्टिषः) मानिषाः १९ (भोबानिषः भामाः । श्रिका कृ छिए (धर्मावावि श्रिक एक शर्) अनार (नज्) मा भार अनीवश्र (गणमकात्रात्र (मिरिड-बडी) 1155 2 11 (काम क्यामिक नामित मान इति के नाम में मेरी-उदात । मा म्यापार भाविका का मार्म में में में में की किस द नामिका डेमामड् (छ। (र) भुजनार्मन ! (मेरूफा!)

स्मिश्चार : (लोका भिका ब्राहिस्य म :) ना रहार ! (मन्द-भाग्राय: मेर्रः) हेब हैं लामा : (त्रास्तः) धायां (लामे-यामर नाक या क्या पक) द्या (लाक्य मप) प्रद्यं (दिक्ट्रायन विश्वाप्त) हे अभीय (आअय) अवादि (उट्यान वन) जी द्वां (मिन्द्रेसक भाक्ष विकासकार अम्म बार) देक दे कि कार (कार) सम (सम) अगुर (कि (2) su que () L CUIS (12 10 12) (OU 2 1/2) 11 25 0 11 (लग समा दुवासरि में तार बाहु। लक्षमार सामुखान अमार्ग श्री बार्न में विद्या के डिर्म छ म मान स सर्भा ना नी ज जमार मणांग दांब- खळ छम् नालि स्र अकार्य के कियी ए केस्पिक न्त्राम् कार्य । (४ कि प्रिय के कि । (मुद्रा एक के कार्य अभितं) ति लाम (व्यक्तिका के कि ए ए) व्यक्ति के प्राक्षित (लामक्ना) अपनाम (अकामानाम,) मकत्मम (भीकृतकम) श्री वार्षाः अन्तर । (१ अर् हार्ने । क्) मिला (अहिंक तन ब्रिन) साक्ष्युं (लामक्ष्यः) क्ष्यां (क्ष्यः) क्ष्यं (क्षि प्रकृति (अव्यक्त) किलिक्ट्र (कीडा किट्र) लाउटक (प्राट्ट लगा) व्यू (भगाउ) (यम् मार्ट (कस्मार्ट-(मक्षाः) कलाग्र (मुनाम । व) में (रेमा) उस सरी A सर्वा (कुला) अव (यमात्म) महत्रकतार (इस्ते- कितिर) कामश्रीत!) बंद केंद्र: (क्यरं) (म्यालाक्ष्यं (क्यालाक्ष्यं) सम्में सम्मेस (मावनाम्)॥ १८ ।॥

(अम प्रत्य (असरेम् मार्चि विक्रियां म्यूनारेड मुर्का अन्यार (सम्मित्रीर 1 (म) (आमी विषक ; (म) विमरी क्रम कर्म पा की मं अवम !) क्रम किस (एए (मर्ट) क्रिंट (याक्षेट (विभाव) विभाव (विभावन व्याजिक क्रा हित्मा या अड़ : (मस:) का क रात व यु : (माम) के कार म केंद्र (किंता ग्रित सत्त सन्तर म में है। 13 र वर्षा) व्यय (व्ययहरू) मनी (भीवाका) व्यावन-क्रूम वाली-वि-मले: (ब्लाबकार्यक न्यूक्षवानियोव दे: (यूकि:) दूरा-(आकः (अश्वावकत्ता मेटल्लामारं) (प्याकामारं (प्याकम) बारमप् अविकामहुउ १ रेपर) ध्य र् न् (दिनमस् २२) क्र (क्रम अकारक्म) (मय) वि (मार्गिन्य) कि) 11>2211 (ज्य मार्ग्या-वाम्यका-व्यववार्ग्छ। देश्वरः भीयां हा-ब्लाउ विकड निक्क वार (क) मार्वक । (की केस्ट !) मार्च (व्यामी काहिर मश्री) मक्त्रव्स (मीन काम : मक्त्रमा धाराम् देलकास मिछ जपान्यामनार्थः) क मुवा (मिकार) हेमर (अयमः) पिने (अअभर) कुर्मेटी (मने) प्रिं निष्मे) लागा दे (लामक दे न के क लामक कि लामक कि इरके दे क्र गिर्ट । (क्रम वरक्रमा मवर्ष म (मयर गर्म मीन) प्य: के लिया क्षा क्षा क्षा क्षा का) लाया (न्मुमें) वर स्प्रमणी संब् (कड्डिकि) म्म्राह ।

रास) (यमकार्ष्ट) (रासी (रहला) अक्टा (राम्ना (रहम) क्रमाड (अवग्रेस्थाय अण्डे विस्त्रे मी ह्या का क्रिया प्रमानि हैं बद्धत कृषि क्राः) क्ष्र क्षिक (क्ष्र ट्रांगः (बाद्द व्यविक) विश्व (कट्यार्क । वर कुष्ठा आ)कलका (व्यक्तिमाप्त्रम) क्षाः (ज्याद्यक्षाः) क्यं वं यम् (राष्ट्र वार व्यक्तिक्राः)।। कार (क्षत्रकृत) वेत: क्षत्रक (म्थानक)क्षत्रक: क: कथि-तिलाह: (वानक) ् त्यम देवतः) हेह) त । अवक्रमा : (अवक्र-पहा: यका:) कि दिन में अपूर्वारिक है अप्रार्ट अप्रार्ट है। (हिनिर्दः) (स्टः वदक): (अव्यक्तः प्रकः):) विविधाः महा: (सिरींहा:)॥ 22811 (वन लमसटमें डा लप्ड) उत्ते (मिक्टि) विसंस्था : व (Bray 2 (20)) (200; (35; 122): (2M) 20: (कमार उर्द: डिव्याला) दें का) emis (किंग म कार विकिश् (सूर् वर्स): मनः) व्ययप्राप्तः हिसियाः (12 9 Drar:) 401: (ANTOr:)11 >2011 (जन दर्बा: (स्टाहिक: आट) अप्र र्दं (क्री क्कार्य) व कारी कार्य वार्य कार्य (यमाप्र) के (यमाप्र) के (यह) प्रा: (र्क्याः) व्यक्तिः (व्यक्तियः) यहाः (व्यक्षः) का के जात लागेन (धार्मिश्राम लाग्रेस रिमाल लाग्रेस निमाल होते नियात्र (रामा लाउम) (सम्होर (मणीकार) मिलान हैं

चिनः (आञ्चाः) छत्र (जिल्रेन) प्रश्वीत (त्रीकृष्क) प्रमाक (असर) उत्र का हकः (गिलावयीय (अस्प्रीम शिकः) (अर् (अवतामः) यत्रकः (मर्यानाः) ७ प्रकातिकाः ६ (७२०) यार वर्भव मुलापिय निवंदा:) देशा: (मका:) वर्षे (वीर्क) (म्यांकिमा: (र्वा) प्राचा: (मिन्हिन:)॥ १२०-१११॥ (जम्मार राजि। भारिती १ की वा शिर विति की आर। (र) मार्थ! (म (मम) टिलिम (हिट्ड) थरा (१ वर् महिट्ड) महामे (गाल) मं : (हिंद मक्सर प्रका)) मारे (का वर्ष कहिंद है कि) म (नर् म डवि । लक्के) (७ (७व) मृरीयान (मूलडकः अयम रेक्षः) धानः मार्थ क्यमान (कनानि प्रकार्य) मूभ्र म अभ्यां (म विष्ठा संगिष्ठ)। व्रवः (मूर्याम) बार्यम (मसारमय) इंड क्ष्मुं (क्ष्मुक्ष्मं)दुरत्वा (धार्विद्या वव) (भन (धारमन) अभिकः (देल्लापिकः) वकारवः (श्रीकृष्ण) वर्षु भूष्यचिमवानिमा (वर्षु एपाः मम म्या हिंदा: कार्ड: व्यवनिधा मानावर्ष छ १) भर् अस्ति (आधुं चासरा में अमेशकार:)॥ 250 11 (हमाउन मा अवंद सम्मा राष्ट्र। काहिर सभी अमना आरा (ड) वदानि ! (र मुक्ति ! थर)थामम् (मर्ख) मूरक्रम (एममनः) मुक्ता (ममु (कम) अनेम (मका) अमू (रेमर) स्य चं (दु कर्ष) प्रचं त्यात (क्यं स्वार्गाप्ते) क्रिक

तमा (त्मम सकारंभ) यदः (भ्रवेषेवं) लाख्यक-(मबर्ग (वटमा वाडियामा मूक्ति (सर्मिम) भ्रम्मम् (भ्रम् कः) वार्ष्य ह सम्माम (क्षत्रम्याम)॥ >२ %॥ . भंभ र गा: मारा: ग्रंडि देखा: (कार्या:) वा: व (न) इट्यो (क्षेक्टि) (स्याविका: (ड्य्यू:)॥>७०॥ (ध्य विषयकार (स्राविका: शार) विनेयुषा दिसानिका: (क्या : न्यां वा वा ना वा वा वा वा विका रेका हिमान मुखा:) मक्ता द्वा शा: मर्खना मणाए क्याए (क्यमालका) अञ्चारिकः (शिक्षिपिकः) (म्र (अम्बागः) थामिन: (पर्यास :) ज : कु (२३) म्रे (स्र्वारिका : (इक्षाइड्यु क्ष्याल्यात् । स्त्री वाक्षरा : काहि स्प्रेयश् भीवाद्याह्यावर अठीर कर्मिस वेस्तास्य (८) अप्रमाव! इटल । वर दे विरावित्य हत्या (देंद्र यह रावित्य (प्रेंद्र भं अ क्या अरहत्ने:) विवस् (विकेष) विनित्र हा (सरेश हैंता) ट्याएक सरेरें (स्रारकः) सार (बिकालपं, यह) विश्वम-विश्ववंग (विश्वमा: अक्रूमा: उसा) क्ला वार्यमी (मार्च र्वर्ड) रेप (अय वार्यकीए) (कथ अथादं) अद्भार (मजील भुना हिन्द् । य कलाल.

उत्र क्रां व्यक्तावं १६ सम् (वर । कि कि निर्मः म कार्यानि-मल्यान: व्यासमाडिभवनीर देव द्या:)॥ (द्रियात्र भाष्ट्रेयं कामकाराष्ट्र। कान्यका की कार्य म्यायार (अक्रमेश) साइ. 1 (इ) हर्टियं । सरहायु । यम 6 इस्ट लमे हैंग (अमसप्टर अर्ट वाल्क्रिय वेडे) । असमास: (दुलस्थात: र्ट) राक्ता (भर) न म सका के के सा नाय (मी शक्स प्रका) इतियम् यामा सक्ती: (इत्: मिक्स) सप्टमंत त: स्माद: लानम: बर्जिका: वरमक्षर) प्राट्ट (ज्यार्ट) अद्भार्ति (अद्भार्ति हराडे)॥ 500 ॥ व्यह (याक्) आं ने मार्ग : ह मिन मार्ग : ह (रेडि) की डिल: (देखाः) थन जः वर समीयाउः (विषादः) ममीरम्य-1800 : (510) (200 : (2000),)11 > 9811 (कम समद्या: बार) के एक क्रमिन समाद ह क्रमें कर कार (शक्षे) अर्गेयवाहिक्दे (ग्रेयक्ता काहिकाप १ शहतः) (अरं (कार्य बार्यः) में तुः (ताम मोरहम) वर्डाः (प्रधानाः) कृतिमः (र्याः) मम्प्रम्थाः (डिट्यू: 101:) व द्विभ: (रिश्म: रहित)।। २०६।। (क्रमायवपुर अम्म्यान । क्री ग्रेश भाष्ट्राण अक्ष्मामामकर न्यास्त्रास्त्र क्रमस्त्रास्त्र हस्तक्ष्यका कार. (८४)

यार ! क्षः विना (श्रेक्कविव्दिता) नान्त सप्त वन: (१९३६) असरार (अवर्व:) मामान (भीकरार माम) व्यव्हा (लाहा ;) या कुर हिया (या का राहित:) के कि : व्याल सार विव्वयंति (मडालयंति)।यत (यभाव् वातो) अने ० (अन-भाय () नाम लाम्मा: (भगपांग:) मीयत (मेमायत) अन्दर्भ (देरमव-मगत्ति) अम्दर्भः (त्रीनाक्षक्ताः) मक्रमान्त्री (में मिएल्या) त्रावर (पक्रमार) म स्किमार (म लाला मेरिकाम:) (म (सम) अर (वाद्रामी) कार्तः (बम) धर हर (धर अम्)॥ > ७७॥ रिता: क्ष्र (भागत्मकिकारंग:) वैभा सम्प्रकृ (वैभा-अविषिष् (अम (अम्बाम) वस्काः (प्रवाताः) काल- यम् वासामा: (वर वासिक्सा:) रेडि (वरः) कार्टिशामण्डिकः (अक्यरं) देना विषाः (भाषाः) छा: श्रेमा: अवसर्वयो मन्भः ६ तिक मन्भः ६ महाः (निश्वाः)॥ > ७१॥

(अय मर्यामास्य व्यम्भवार् द्वां द्वां कार) आमार्मिमार (वर) देश से कार्ड (विश्वसम्बीभर) त्रात्र : में श्रिका : वद्रे : अिलक्षक: (रेवि) हल् विर्व: (उप: प्राप्त ॥ ।।। मुक्त मक्ष-किट्यों व (मूक्त नकः किया) भामाक्षेत्रका (क्रमंग्रायहक्रम) हार्याले (देट्य) मिनम- विनम्मारम ह (अभाभा: विभाभाभा: ह नाम) तथी तहती नव वसवत्ती (व्याचिक्राव्टि खर्यण्यः)॥ २॥ उन (जमार्य) अभक्षमा निल्मन: (वेशमेर्या) भूकर् अव वि (वाराव) टकाछः (कार्यकः । देवानीः) मूक्ष-भक्षापि एक पानाए पिक् वव (अश्क्ष्णणः किकिमात्रायाय) प्रमाट किन (निर्मिनाट)।।७॥ (वय मूम्र्लिक (क्यावाय) मूम्र्लिक: रे के मार्वक: धानिके-यार्कः (केडि के विशा) हत्वर ॥ १॥ (क्र इक्रान्क विस्था अंति । केल बसी ल्या मार्ग मंदर पत्रा-जन्म: मङामधीयात्रीमा जासात्र । (य) त्राभी ! न्नामात्म ! थमा (वर) अन्दिः अविकतिः (अकतिः) अपर (भर)धमानिक् (मस बाकोड) लाक्ष्म (क्ट्रम्) हान बाह्याता : त्र्राप्टर (मूक्ष्म थार:) नगाकित्यू (मर्स्टलाक ८६७: मू) हिनी गाउ (डिडिश् मिथिड् हिमामिय (भावति । व्ययार) भर्यमार)

क्या (अक्ता) मध्य (अक्ता) समान (तम्मा) क्यो १ लेक- (य मंत्रेस) (म्याम में का व्या क्षिय) में किसी यसेट्य) आमः (आष्टः) धन्तास्त्रः (यर्श्यम् :) त्राथ-बाग: (र्बेश-१ त्या हक कर्षिका स्थार का प्यातः) क्रमाभाग (भाषमा लाई त्याम् भाष वय गास्त) द्रियामार (लाममाद्रियार) किकोब (स्थामार म्यूक्सम्मात. Carps)11 @11 (आमिशेयार्क्षम्पार्वाचे। अमागा हे अनामार् वर्ष्ट्रवाचि कू माडी विद्या डाडी गाडिम् भर महाडी दिवादा मज्म न्यायमा अवार् अद्याविवा क्रिकी वार अव्याद ।(द) न्याता! (अद्रर) मू ए नम्मा (अड्ड (माक्सा) भी डि: (बहते:) अडिड-याद्वः (माद्या पर्दं माद्व पहण्या सार्वन्याः मा एमा मा) मूक्त (क्या कि (क्या) भूका (व्या) डाडीव-मटल (७४९) वरमा वहेब्लमा छल त्वाल) महराम (भागानि देनच थात्राभीन्थः। भणः) उन देनित्व (देक्नि) ध्रम यलम्बी (अवला) श्रजीवि: (विश्वासा वर्ष्ट)। त्याक्षेत्रमंत्री-दित्राप्रिक: (त्याक्षेत्रमर्गः विव्याप्रिकः निर्मातिक शामाजितम् निष्ट्रनः) कश्माविः (श्रीकृषः) वर्त त्यत्र- कि दिना मित्र प्रमा (वस्ता: भी या-स्था ह्य (यतः किया मध्म-कर्-भी वापि हाल में बाखा है हामार भ स्त्रम)

ज्यलन (अर) विकास दारी (छाडी स वि भारत) मिन्नावः (अग्राम: इस : जर्व विष्य विष्य कि विष्य कि वेश वर ब्रमार मना वर्डे स्थावर)॥०॥ तः स्थिक-मेश्विकः (स्विक्स) मेश्विकः) मः द्र (यम-भासि) उद्देश (३७) देश एव ॥१॥ (क्रमात्रवं ने विमानि । लमा नामाम् वानस् म देशका वात्र। क्षेत्रमा : (म्याम ! (प्र) माता ! वं वामा : (ह नायमा :) ग्रमत (समाद) (अपह (कार्य छाल १) म जलारि (म प्रकाल भि) काड (धामा: मद्यापि ह) हे लायः (थीविः) न वर्म (म त्रामं ग्रेस । किक लागा:) त्याकाम् (एम) उप्तार वान अकटीकृ एको (अकामात) मियर (अवि) म हि दिश्म (त्रव कार्वाधीलार्थः। धन्ताः) मान्ति (विष्विधिन) श्यम ह (अम्बालन ह क्रं) अक्षाक अस्तामानः (अयाकिस अविद्वालिस मनमः भिः। किया यमाः मा उशा कुल वर्षा । थड: वृश्) अय (अमार्) म्यावत्नी (ह अपवनी : अणि) प्रज्वः (भयर्षा) मू निवृष्ठिः (मूत विष रेडि: लाटवंप्रक्रा: य ट्यारें व) रेम्प्रिम ॥ १॥ (अभ विभक्षमार)रेक्ट्रा (अडीके विभावक:) अति के-कारकः विशाषित (असम्बर् अि विश्वमण्डाः) विभाभः मार (द्वर)॥॥॥

(क्य रेक्ट्र मियाडवाड । क्या वीक्क सार । त) मूक्त! क्र स (क्षांभा) भेंबणवः (स्वध्येमार (४) ग्रिश हड़! (का)कृत्य (क्यू प्रार्थ) वर अपनी निर्मालक मृत्र (जन अपनार व्यानमनमार्स नियाला मडा दक्षितिन क्या द्वर्) रादिः (जीकृषः) बानकी (अयलक ही मठी) कृतिना (इका) भाग वय (वास्त्र के कि) म्लावनी व हमा (हासन) मिनान (नीकनकी) शेखि (क नर गक) (अपकर) (क्रा) क्री (मश्) वक्ष (एम मकारतम) मिला (प्यार्श्वा) यभा आठ: (अलाड) महिममा व्यमे (जमा: न्तीतं व्यक्षकातं वाहमाधाव (मामनीर्) नीम वही ? (व्यातमान) प्योग जाली वा (उर्वाचिका)॥ २०॥ (अभानिक नानिक म पात्रवाछ। कार्टमा-अभागा काक्र अक्री। नारमा आया (य) अस्म ! श्री ! (य वर्षा !) असा ! (कं) के छ: (कस्तार क्रामा रा अवास । अस्त सार । (द) अस ! (क्र कार ! () कारिल ! (अप ?) । अनिर्म व करेर (त्मा यक्ष मानित्यः उठे त्मार थामजाभी। कारेना थार) वर्षः (अस्वाक्षा केत्रा किं) टिक्टा व (अभ्य क्ष्य) टिक्टा (भग मा अस्ताकिन। बाहिमा पुक्रिन) के में (क्रें पूर्वा । व्यक्ति प्राप्त) विविविद्य करमा (मूर्या मिन मा) ने देव: (कारम रेक्टा। त्याव्या यात) गना (पर्हः) हिन्दं

किंद्र (मिर्जाकार अपनि) कथामिन (कर (प्रकृता) म ommo (म्यर न अकामहांक। लाग आम) अम (मूर्णानिवम्मील) राह्मा (क्षिक क्षा मा) प्रकार (ध्यातिक यहा) वर क्यापर (सम्प्रमाय) अक्षिति (सुच्निकात) काउत (काउर !) द्या के सा (कार्य वस) स्वर (क्ट महार)॥>>॥ मान्यम्म द्वाहित्य (स्ट्रिं) हाह - एक्साइ : (देक मंगर (छक्रे : कार्मामका लावाक काहि:) हत्मका- हालना मूंग-म्ध्यवास्त्रस्ताख्य ०० (हम ह अस्त ह स्वास ०६ व्यस्त ह क मरमवन थमन्त्र मिल्ल न जिल्ल न जिल्ल)रेप्र (डावका हरे) माहिः (विकाभः) माडि (वाटमाडि)॥ भः॥ (अर् देनार के कि। कार्य सकी साम्य सम्बद्धी र कार । (र मार्थ ।) जाना (कराधकारे मठ) काम् याखा (४ वाटम) व्यक्ति हैं। (त्यावक्षत्राभावे। ज्यारं) की ठक (वर्षा अर्थार मायूता उक्र कारम में किए में किल में क्यान हैं। क्या (काक्ष्र) के कर (यर् स्वामे र सका क्या) लागान (क्या मर) व्यम् (रस्त) रे मेर १ (वर अर्थक सका) ल मिन । (कत्न-अर्भाः) वलावः (भावः ७ व) भावः (इ. ७० था है किंड) भीवा (कार्श्वमाड:) प्रः थान क्यर (क्र (यक्रम) क्रिकर् (क्रामिर्) श्वामि (इड सक्रिमे। व्यासा वार 184 (00 x) \$18 (230) 6 (16: (1 1 10 14)

(प्रकार) लर्भे (बाहा वप् (स्थापायहत्र वाद्याला) व्यपार (१ लचार) लाग वकार (लवर म्यान्ति। Art) 526 out (out at day) sight a inly (भायानाता: क आहम्पर्याप्) वेबार (योगकर) करबाछि॥ >७॥ (अय मेर्जामपायवाडि। श्रीकृष्ड प्रपष्ड-वनद्यामा श्रद्धानव स्याहामावितंकर में में में ही लिया ले आमें वास विते । (४) टमान ! (१ १) कृषित १ कर अअ १ (टकल समूत्र) देन् प्रदेश (देन् भारिकः कृष्ण) किं (क्या) बर्धानार नर्भामे। (८२) ज्याने! (अर्थ!) अमानित्य (अस जानित्य मुद्रकरि:-भारक) नील भार्क वर (नील वर्ग भारिक। भ्रेषक तास्त्राव-। में ए १) वर्ग आले में (वस प्राचा का सिर् भी कृ कार्) वक (JUST ((JUST O) OLAND) 113811 (द्रमारक्षा वर्ष वरम्मार् । अभा वार् मेक्टाई शाक्रमात्र । (य) मुद्र ! मार्थ ! निक्षि अवर्नेन (आ अरा विमय मवा गर्नेन) कल्मिति ना (अक्टिम) आक (रेड: प्रवि) अर्जा आर्थ: (सक्टिक स्मित्यात्रः) माल त: (हाड़ः) राज्य यातकराभी (राय-यवीयांगिक राम) माण) (यह वर) त्याव (अस्मिलागमनकानकानका) (इक्षा) न क्षेत्र : (ग्रीक:) प्रकृष् (थाडवर) मम्ब्रिं (देपाती १) म: नव प्रथ्

प्रयम: (अध्यक्षकः) डाब: किंग्र के (केच) अथ: (आय:1 कर) इ. इ: (अर्थित:) व्याल में मु: (व्यान मिस त्यान विकत्त कः) भार कारको डेब्गका वामिति छ: (अल मधाने निमम्म:) एकु: (अप्रिमित एमस्यमक: लाग्ड) मार्क (मार्क्ट विमा) भेगान (मार्डाड्रेमनाम)॥ १६॥ (बार मानम समादवाह । माइक्ट्रिक भी के देश माहिमार्ग वय मीक्क म हकी व्यक्ति त्यावक्त मार्थ केटन के दिन क्रमायनार अंग्रह हर देवी अन् अविपास हिलते का किर क्री राजा मारी वाम एक व लाग अला ने म लाहिला क् सार्शिमार । कि) मात्राक । (है) इस (लाम्य) मिक्के-प्रति अवाभर् (प्रथा भाउमा) माउर (यकामर्) क्रुर्वेश (भरी) लात्मा र (यर) रे आ (अवस्तर) म के मर (में : । मह ं म (क्रिक्ट प्ल ट्राट्स अक्ष किस्साल द्यात)दुराहा (दुर्स-मूली उद्यमि आ (अप्रिक्षा) विशु (लाउँ १) भव विमाम् व (विश्व) व्यक्ता (त्यामा । नाक (भाषात-नामी बलें विशेष्ड भा स्था सिय विश्विम् क्षा G(20)11 > 511

(लग लर्गम्मा द्वाल । वश्ति व लगामार । त्र) अला ! जव अर हते (यभी) या द्यामा अमित (अम्माम - बहु में प्र) मत वा तयर (रेकोर) म का मुठ (प्रमानुकरत्न) वर (वा त्यर) क्सा (वस्त्र) विमालनाएं (विमाये वनाम्क) म मधवनि (गर्द)। सर्वि-अवेश (सर्वा महात्म परेश में मंत्री) अ स्टर् राम वही (क्या हो) मा (लगा) (६९ (थर्र)) । भीकेटा (हमा । भेकार मार्गका) ह अ दार्य में ८ वट: (बरा) अर्थः लास बराड (अक्रमा (क्रिके में विशासित्य) लिया या में मोरे (में अ ल कार्यकोर इ। ह) यद्य (ल उं नि। कितारि) ॥ > 911 (ला सरमवस्तारवाह। अमा वन्नावनीकार। (य) में त्यां र्दिय (यक्तिय) ठार्चभ (मार्किय) देक प्रात्मभ (दे मे म सरवा सरामित्यक) मः ग्रादम) वादा- करने (बाह्या गा: क्रमण क्रम) वाम ० विम (वाम के वर्ग) ू (किन) कर कर्मी अववंग (निक्केंग अलात-र्वेच (तेक्का) त्रथा (ध्यम्) व्य इमं क्यं न्त्री: (कवव्या (कनवक्षत्रम) थी: (लाखा अम्हापिषा)।उथावी व ् मानिव (मानिविव) दक्षा छीछ (म्य पुः आदि- वक्ष-म्:था जा माजीवर्) व्यक्त (नि: मर्मायर्) ह मन: पर्वी (मडी) विभिन्न-वितापार (अकृटक मण वन-विश्वाप) न विवस्मि (न निवर्धि ॥ १७॥

(अमर्सारम्बि। हलाक्ती सम्मी (असमर्म समामका । (४) याम । लाग सना म्प्रा हि: ह (कम्प्रि मार्न :) त्कार्व : (क्रम्म-काल काहि: लगा) अलगाहि:(हेडाले:) उन्यू प्रमाते: ह रि (के स्थर) खिबरते (सिस्तार) सबस्वार (मार्क तरार) बिक्या नुक् (क्षक क) वित्ता लाच (काभ्रम) गा विका- नाममि (ग्राहकामा: ज्याम थित) वर बेडमं धुक्र) (हेर्ह्या) रार यर (शुरं) सयः दुए मण्ड (दुए मण्ड कं स्वयः म तैः भं तर सक्रामकामिन्यः) वर मः (अमाकः) काल्यामया (सामदायटम) यव (अहर । जरामी क्राचित्याल स्म. स्मार : अव अव वं अंदा यो कि कः क स्रोहित अगादी वि 312:) 11 > D 11 (यम मर्सिक्सार) नव: मर्च: अडक्षेत्रः व्यक्तिय: ह मर्भ: डिकामें छ । अप अप: अ अछ) १ (६) शें छ त्यादा (मड्या) मिमपाट (कीड)ए)॥२०॥ (ज्यारक्षावस्तर) वलक छनेवनवार (वलक्षत्र) छनेकी देनार) लेबार्स ल: (मंत्रमे वाट्लम्स लामल: व्रिक्षं:) अर्द्धावः (हर्वर)॥ २)॥ (उद्गार्वित्वार्गार्थ । क्याहिए ह आवती मडार भाग मिला आमाहितंत के का कार ला हिल हार क्या मर अम्म स्थार । (र याम् । अस्म ।)मार द्रम्मित्रीयाल

(इस्मेश्राम द्यादा राम श्रेम) लाक्षाला (ममाम विक (यात है का प्र) रेस लामे था (प्रिक्र माम मिन्स) भारतिया।) भारतिया।) भारतिया।) भारतिया।) भारतिया।) भारतिया।) भारतिया।) भारतिया।) सीछ: (ग्रंभा अल्बिक लिंडमन्त्रीम मीछ: के में हैं) न हि (तेन) अल्यानि (अक्षान नड्ड । वर्क वर्तनीरिः। इदिया यथ्याया माहित्याः म रेक्ट्रिया ज्येषा मार्चि विकि) नाबर (जाबनु काल प्रव) अभूते भी: (अक्षेत क्षेत्रका मी: आहा त्या : मा) (माराहा (कटि: मी. स. अवर (स्मासी हन्त्रम्य) के हिलयर (कटि से से से से क्षा के हन्त्रम्य) ल स्थारि (हर जा मणाई)॥ रहम (अभ अडिमानभाष) डाळेड: (म्यान्ता) निवायामपूर्वा-भामः व (निवास: अमः हे दक्षी भागः हे एक में प्रकार) व्यान्त्रात्रः (ब्रिट्)।। १७॥ (उन क्टि खलक ट्यमा भागम पार्वि। ह नावनी : अवि नालिन बार । ८४ हत्ता बार्च!) 📚 देरे हैं है श्रेष्टी: (१र्षे वे-मार्विवास) यथ (मार) अ कार्न द्वाप (कार्य निष्य) शक्सम् भागार (बदं : व्यक्तिम अवस्ति से पुर भागार केमार) मिश्वमाः (राम भाउमा) भम गारिक (शिकारिकः) अर्वेश (दुर्गी वा लाम् । १७ में) सि (ससे) वर्षा

(म्लय- र्यांग) (म (लाम) अन्ता (मा अन्ता) व्य (खाम्पर छित्रां) लार्षेत्राक्षं कल्यां (त्याप्त्रां) करास द्वारत लान (शमाद कम सर्कार कार्या द्वास मिक्का: वाक्ड : ७२० कर में भी सार्मा कर्त) व्याल के में वी (सेकी) या : (में में में नियमि (कवामा उत्र भी कं मी छ।। (क्र म्रमाक के अर त्यमा भाम मेरा करा । पाप वास भी मक्रा मार्थ मिलही ० लक्ष थार । (य यारे ! रेश :) क्या (सम्बद्धमाना) लाभ (द्याभातः) केक कंद कार्येत -ममदत्ती-वद्यानिका (कृक्षक्यकार्त्विया अकृष्ट र छ-विव्हिण्य भववल्ला भवक्ला । जिल्हा के व्यक्ति विश्व विश्व क्षात काश्रक अपाद (जाता ; प्र व द) राष सर्व बाज्यी -(यापन भावन सम्बान जानमान जामान प्रभा : भा वभार्षा अवी)। विश्वस्य (विष्याम । वन म्मान मार्शन का हा दिन अपना: किसियर के (अव)क लार) हा। west! (अर?) मक्रिका (डाएम) सेर क्रकारिका) कामी (त्रव:) पायवा-धेत्रात्म (पायवार्ग वेशकात कात्र) कालिए (म्ये १३) आक्रमाने मुब्कातं : (भक्म -। में मक्सा- विभावत :) थाले प्र : (भी कु छः) बाजः (सरेकार में बेतामक) माड़ (मार माड़। तक: म लभाष्टं लतारि के दृक्षाय वली वहनायां ध्वमव वव नार्डी करें)॥

(अम मलकार) विद्याति क मे मुहक्ष (विद्यात्म के कर्य-(21 0 20) May 6 2 de 10 10 10 (27 18) 11 5011 (उम्मा र वार् । कमाहिए यव वी महायार अम्मामाम छया माभीमका कका सामाकाः ठेवा प्रकाराः अवप्रमावा मार्यिका : भी प्राम् भी भी की उसही लिया आप वा मार व (ड याम्) मना (बंग) डिल्म् (बायात आमु टिकाल दिन:) नारं पिर्श्वास्त्रमाः (अव्देशनीत्रम) रेट्याः हत्यम मामाड: विवास: ४वला: ८००वला:) अम् आ: (याम्मा:) कारणा दे अरवन (मिट्या प्रत्वन) मी यस (या कारह) रेट (कार्यन वंगमणल जार) क्र नव यूने वरी- विकार-क्रीम १ (पूर्त विशेषण हुषाक्रीत १) विश्वः (वय का नीयार। अंदे) 4: (क्रमाक्) कर्ड क: (क्रवेद्) क्रमानुष्णी (माभु क क्ष का जा कि:) कथा भी (माम्यं मामाना । मा :) र्यापेरी कल (वं (इकावका छाउ (वं)कं अंत नामा : (क्या) करी (रेसी) क्रम्या मार्मन (क्रम्या डेन्सा दम- मन (यम) मित्राक्र थें (नि तार्थः क्रेयः) कर्गान ॥ २१॥ (क्य देशमिक्तार) विभ्यम् भा भागार (यक्रमः) डेलरामः डेकामेल् उत्वर् ॥ २५॥

(करेमाइवाक् । धनावणा असिक्सार प्रवास स्थित का कारामक द नामकार प्रवाद नामका-सिमिक् भी केक देवार विध्याकी खिन्नु मुड्डी ड अम्म ड खिमा का कार 1 CS) अंखा साम । (कड) उत्के: न निकामीर (भाविजालन कि दीक्निकाम १ न जुन) अभी म (क्या उम) अवास (हेउस) मूर्वाड (ह वस्ति) मद् (व्य मद् मान्यामामिन्दः) मक (भ्रम) दर ! (याता!) (७ ४) स्मानि (भ्रामि १) रीक्स) (मृद्धा) रें अता साक्ष्र (सस क्यार) द्यामा (गार्क ५ डबार्ड) भना (अवत्याक्य यर) अव (अभ्रत्) विद्याद (विलिया डम्ट्र क्रिल) यामिण-वाम् वाष्ट्रवाड्या (मिकिया वारभव वाक्राय बाह्य भगवभनी उभा आक्षाद आकार) कथः (आहतः मन्) न्यामः (क्षणः) इवभी भाव: (श्रीने:) य (आक्रात्) भव म किस वानी (कालामाध्य विस्व वानिकारं)॥२०॥ (अम सरकार) समामुद्र कर्य कुर हत्यवाम्यूकर्य (टमवा भी कृष्ण मार्ड क्या जमामार कर्य (एड कः) भर्यः एकः रेडि वाहिस्या (क्यार)॥ ००॥ (जिम्मारवर्ने विमर्माणे। मूर्य) मूलपर्यं प्रश्नमविशास्त्रामिकाः ममा सार । (र नामर ! भाड़: (भूमाड़:)कार्वनंद्र (अर्थना)

लहे (शिष्ट (अ मा भाह: (आवं व में () लाग्रा ह: (तिकः) जिल्हाः राष्ट्रः (स्कः) हम्माति (क्रायाति " वा:) र्रेगर खयान भुभा: (जयर भी। कत्त्र)। यह (लाह्यां) यहिरामार (कामाक्ट लाणकान समा: १ न्यानमा:) बनी-अनि (वनभानारार्) ७२ (जान्क) गडुमनः (आत्राकः) ब्याक् (इटनमं) गम (त्रम सकार्त्त) मः (लस्यकः) काल्या-मेर् (काक्रामेमुर्वास्त्र) में के कार्य (क्रम्स संचंड) म व्यामिकार (न विकोर्ड)॥ ७३॥ (कर दुश्वीराह) स्थित् (अति म्रिट्ट मारा भारता)(मार-केंद्र मार्थ (यम द्रिक्षक मार्) क्षेत्र के द्रि की छे एड (क्या)॥ ७२॥ (वर्षात्वात्। यमका स्वास वत्रावका अर के कार् म्मर्काण जापर सिंहिय प्रिक्ति माली ब्रूमी मधीरम निभागाए क्रममंद्यातं परासितं लायाक्र विम भामका वर क्रम वर्षन माकी हुर अधेषय प्रमण्वसु शार । (र) भार । रह! (पट्य!) लगानी- कड्यान कीर्ड वेरावा (लगाना कड्याना कार्वट्यमवडी कीर्विस्था प्रमा: मा) माक्रार्थिक एपर वानन भार्षः (भर) म्हाकालाः (भारताः वादा) अवभागतः म: (जाम्क) क: (क्रम:) जावर वना (भामर्थः शख)।

के आना ; (सटक (मारिवाना: लव:) के विष्याप्त्री में (स्थियन-मर्गाइन) कार्या (म्याम्) न्यत्वित्रः (म्यह रत्ने स्मिन (एव: एक राम्या: वस्या:) राम्या: (म्या काम्याः) टमब्मा (टलब्द्य दिन) हिन्: (मिनाकः) व: (मनाकः) भर् (कि। कि एकास ?) विस्थ का : (स्थारमाणा करन (प्रशास्त्रामा): (प्रवार्यः मडा १७१२:) उवार्व ॥ ७७॥ कृष्टि (क्निहि) जायाए (काल्यक्सभीमार) विकासकी (मिलक- निल्म गर्छ करेरें त्या: रारे भी) । अत्वास् (1 स्का (स्मार्थ हाक:) व द व वार्ग (द्या) 110811 (उम्मायवर वेश अमल्यां । सम्मि कमारि स्थीमार स्वार्थ-ट्रिक्सिन-बिर्वान क्रमणं हन्त्रावन्ताः मनीः हकानानीः हस्सक-मण बार । (१) डट्य ! त्यानिका विषय उता (व्यानित्यन की कृ टक्टन जारिए कार्जिए महत्र अन्द्रा द्वा यहें। मा। स्यानाक (मार्यनाम) व्यव्ह व्यक्त वाक्ष प्रवा मा। मा) विश्वका का कि अमालाल मिछा (विश्वका मृश्मिका कमा वारि: बाहि: उर वमार्गनानि दरमहारवम्याचे देखिला वृद्धि। निकालाक विर्याः ची कृष्ण्या युष्ट्यासुरमः उम्रह व्यवाहि: बाहि: व्यामार्भनाभि हे।क्सेंचा) प्रमा (मिसूना) लम्बेक्या (वदक्यानेका) वस्त (अधित्र) में दः (अन्देखें वर्णमान कि (व्याम विवनम् धनार निविद्य कि कि।

उर्ज (तिष्ठावयकी। अस्य निकालाय अमन्नवाले अवन-मियात मका 'एडा तेंतः काला ममके हुई एम् द्र से स्पंत कारि उन्ने) अर्यान् उस मार्ना भा कृष्टि: (अर्बा अर्था क लक्ष्या भार्यक्षित अध्वासार केष्ट्रियार माना : मा । युल्ला मिन् मर्या वा प्रकार हे वा स्वार का भार्यकालमा भार्य : कालमार्ग कृष्टि : कार्म यामा : भा कार हरका: समा (भाराम कमा) ईडामाड्या (EMMe-न्यात । नाभ नाम कामा क्षार) हिमाहि (मिन्छि) म व्या भारत (मलक) ।। वका (देमारक्री कुन्सार के अदर्भ एडि। टिमकार अछि क्रमंदिकी अरर) प्रमस्कात (लाह ताप्त्रय विताद विकादिती (ममन्त्रमण मकिताकम् (त्याह्माना विताद व्यामणः उर् मिश्वाम मंति कट्यां भा भा नाता विस्ताम : विलासने (मारा मुंबीक्वन ए जे निकार माड या भा , ज्या) विस्मन मिनिका-विहालिका अंत्र कि िं (तिलक्ष में विहिना पर गाडिकिंग न्कालियः ज्याने वारिवानिका । निका वर्षेत्रमार यथा भी प ने । में ता ता का में राजा । भी के न के वा मार्थ है यमाः मा नाम विगणतक्षेत मनी जनी जना मान नाम नेप्यमा मा साहास्ना क्या विद्यायक सम्मुक त्रांत्रामार्थ

क्तानिकार ने त्याहिकार विक्रिका मार् विकित्यामा थमा: भा) ((वन) कर (वन) मर्थी (अमारवर्धी (क्यामी) कार्टिमान्दिः (कार्टिम एक्या देविदः का डिवात:) राविकालव (श्विकाल मारक-या कुविलामाह्नर) क कि ए वर्षे (का हिन्द्री?) मिन्त्री (मक् क्छ) रम-म्माम् वर (इटमम म्माम्वर में को भाव विलास तम नवर भाग भागामा विस्ता अवस-भामिक वस्ताम स्थाप थन (कृत्य) निष्ठ (मृष्ठाव । वाक राम्छान : एन मानिला सम्मापि भर्फ: जान: जर्मु र: त्या इनिका १ डी मिला बंगं : कर प्रबंग लाग्य : एडम देख्य हे कार दे नाकि। बंभार अगुण्ड द होट का माउता समृत्)।। तत। मः व मैमाहमामाः (मैलक्ताः) मेः (ल्यमः) वाः म्यासीन्यम्यारात्वत्यारं (म्या यासीन्ये का क्रिक्स का का का का का का कि का कि का का का की कि हिं। जमामीनार् अनेपनामूप्पाप रहरा:) विल्ळाम (विलळ विले) माक्राप (अक्ष) करिए (मार्च) न मेर्चा वि (न भेर्च) ए क्रमांडे)॥७१॥ (जन्मारवि । वृत्ता त्मेर्नभात्रीभार । तर प्रवि!) भन्नेना (उनामी भूष्णणवी) विलक्ष वृश्मी म्रा (विलक्ष वृश्मी: क्षणकि : अप्रिक्षी: वृश्मी: अप्री: अप्रिक्षी:)

मिल्लानिक मर्बक्टिए (मिल्लानिका मृहिका डेक्नबिम) अवर्यन में समी भर्ता प्रमा है। मना कर्वमा है कर) विद्याका (प्रश्वेष) किस विवस राम्या का मार् (विव्या ममः रात्र वद टिनः एक डेड्यूनर्) उर् (क्या हुएर्) विनयः निसंबर (विमय प्रवायर) अमाकूमर (आकूमणरीमर भाग माभाउका) ज्ञान (विस्पविष्यं) एम (विम्पनिक्स्त्रं । सरमामक कचा) मा (मन्ता) सिख (मारं) वर्ष (बल) भाक्ति (आञ्चारिका, अठ भर) मानिका (मेर) मनि (उर्क्रने वर) विकास (अन्दाडालिस भिर्मा ७)॥ ७४॥ अम्बाः मान ममनः (ममः) विभक्ष मूममाभागः: (स्थाक निया मार) में दे हैं (लात) सक्दे (स्पक्ट तका भोताका) (मक्रें (अस्मित कर्ं बाक् सिक्र मुं) व्यारंग्यः महि (देनव)ल ल्लान्ड (वपाने)॥७०॥ (बर्पारवृष्टि। बागस्या जभा अकरेषाय निम्डी एम्साक-म जार अवि मृतार लक्षा प्रवृत्त नार्वतं कत्राधार। (र) भूका! यत (मधात) ल ले (म स्थाय पर) लाम आमा (तमयामाः) oc र्यडाम्का (अर्वाका) विवयां (विवाव (क , कमार) दिखेता (डाला रेमव १९) दूसुवंड: (प्वाविक्रम्नी पार) मपुक्तिनाजार (धम वाग्वक्रमार) मुक्ता आमे (मार्के माधार्मे। लड इंदर) लक्षे (मिमायाक)) र

अअम्म (म अक्ष्रअम्मि मा राव) द्यावत् । अन्म प्रवी (अन्त्रेश) काल त्य (त्रेश) आर्थ विक क्या कि वि (डाक्सरगामाळेक-गिक्सुकार्म) (प्रस्क्स्किश्विमाधाम (मिर्ड : मिर्ब : किटिएंग : ब्राक्षीयामा देनमा दिकाला यभा: म जम मडी) नकार्मत (लकाममूट्य) मळाड (क्राक्ष क्ष्यात म्रेक्ष्य:)।। 8011 इमिलिंग जात (इरवं: सिम्बनर् अछि) (इयाम्हा: (विश्वक्छ्मः) क्राकाः देविकाः (युक्तः) न (न कर्त्यः) रेवि एम नाश्चानि (दराउँ)।भेले (भार्यमार्) (क्राः) अभूकी-रामिकाः (लहिक-वास्थाः त्यासम् लः लकावः र्वासम् का त्यार eneal: लंबिका रुकेत्:) (त्या: (त्याक्का:) ॥ 8)॥ (अस माधावनमामि म्माववममा अव्यना प्राम्यामिम खिलेव उद्यास मनम् क्रियन मीक्कनीनामभ्या ज्याजार) कन्तर्वर्षकाः (कल्पवृक्षानि अविकास्त्रज्यः) प्राधारम्य (प्राप्तार् ल्तम्णः) अधाविषिः (अधमाप्ताप्त्रं निमृष्त्रमा (अध्यन अवसामामार्थकृता मक्त्रामि अधमा भाषमा विष्के: अष्ठमा , म कू तो किकक न्यायि (एथार् मा स्वक्षंक स्माक्ष्ये:) मुल्लायः (डेब्बनयमः) मूर्छः (मूर्डिभात् मन्) नर्धा विच प्राथः (त्यम्त्रीमने विलाभ स्वत मक्ष्णामिव म्लंतर्वा र नि । वियममी -प्रभाष्ट्र) द्राल वर्ष्ट (विवावार्ड भव, उठक) भव:

(लक्षेत्रः) मिल्या विभावी गं क्रम्भाः (।स्र : अवस्म वर् विक्रम -Leginangiang (it;) an it; (americale) (rula (ट्यानमात्य थम्ताः कम्ता थाने लाम्कामः मरहानमहा-रमामास्त्रमः)मासके विषे (म (मासक्रम) स्व किसमी बेंद्र तं बेंद्रोगुम् अं अलं यो क्षा मी मार न्या कि का बाम त्या कर-क्वाफिक्यं:) अभाविका कार् (अत्र म्यां म्यां प्रात्मात अविवाद ए अत् अकारीन (अकारीन जायान)।अल्यर (मकावयजीकार:)। लाक वर डि चिटमास (सक्षामार में मान के के कि चिटांग न-मक्षामा) वासार (अवम्यवर् विका की म खायामाभाव जमा अवस्य रे) ट्रिंग अकामा । 185-8011 (जम्मारवंडि। मभ्या भए कीकृष्म जम्बिवराने विमीमनी क्रीकारी आवर्षतालामाण् अविविधिष्ठ अमृति हमावनीस्म भिन्दिकी कार । (४) में यां । हत्तावा । माद्यः (भार्तः) क्ममः (ययवाना विशिष्टिविज्यः) शक्षिविश्वां : (अक्रिश मिलंतिः) मक्तिः (१९७०) (७ (०४) रेप् अर्थः (मृडिः) कारी सिन्ही (बाल्येय (डिवेस) लमना डिव-बासना (मार्केस प्रविद्या प्रविधामंग भ्रम संग्र) रे द्र मं। (वर:) क्ष्मि : (अक्षमा) क्रिंगि छ्म-मूलाक्षेता (क्रिंगक्ष्मा) मत-मुमक्षिम) भी तिम करे थाडिए: (प्रमक्रेसम् भरिन्छार्थः) निरिक्त (म्नामिल्य) निकर्षिन

(य-ट्र न्यालर) मक् (वारिष्ठ) नमार (ध्र मध्र) सक्रिक्त (अप्रक्त) 118811 लम (लप्डेंबर) में राममारंगः सममाति त्यर दिव : (सममातु-(क्यानार् (रष्:) देहार (क्यार), अय ावमा (व्यमविलय-क्षा) प्रयोग (प्रक्रवकात्वर) माबाल्ड (प्रमानीगं वि मिल) मलक्षण महार्।। २ ७ मह (अयम्) प्रमाक (अयम्) तिलाए (विवाजीभाष्ट्र प्राष्ट्र) मूक्त्भक्ष वर् क्षेत्रिक् कार्यक्षा उभा भागानुमु अनुष्य (प्राठ) जिसूजा (धार्यम् १०) (क्रिंग, (ज्या) मर्स्या लेगाल अनू आविमक्रा (विभक्षवा) मिलिका ॥१४७॥ डाक्या मिथ: विवाल (मर्क्या विभवीणका छिष्ट्र घार्ड) जात: । श्रिय: (अन्मावर्) म त्वाहाल (म कि विष्णी प्रवित्र)। लग्रं (ब्रार्थ दाय:) ला चारक करा पत लवार (सरवार) mange (marks & man,) AUCAS 118611 (उम्मार्जि । नम् की क्क्रम् प्रभानस्य ज्वातम्भार् उक्र मू अर् ह अन बनी अस्ति। ल भि की कृ एका ल खल जना प्र क्र कर जार (छाक्ष, कन्नदंश भा अवास्त्रामां के अवस्थान क्यो के कान है के भोग्राह र्षि। (अभिकाषानिक काम् कामिन क्लामार्भी वन प्रविष् ब्नावतम्यत्री जीवादी ज्युर् वार्यम्कार । (र) मार्थ । या ह्यावती (हज्या द्वानम्मात्रात्रात्रात्राक हजा रेणार्थः। मल् हजावतीनात्री मृत्यन्त्रे) भरीक् लापम महुनक्ता (भर्ग्याम् किन लापम भामिना-प्रतित हिट्टिन प्रकृत वन प्रक्रिया मुका न नक्ष प्रकेम्म पर वप् ब्रुवमामः द्वन मुका) अन्या (भक्षाम् क्रम्न क्षुष्ट्राष्ट्र आविमाना, मार्क कथा मार्विक व का वा सं त्या वी विन्ता) अर्जा (मडारवन) लड़ा (भाष्ठ) पू: अदा नक्क आपत्वन प्रभा निकालीकानि कृष्टिका) त्येमकी नानिनी निमीलन अपे : (त्यमकारा विजवीख-नक्षरंग असम्बात दिल्या मालेगा निद्योलल मूज्रत वहें ; पाक रमेदाकार्य मालेनी औकृष्ठ अभव्मे मूस्ता उसा विशेतात त्मारम भर्दे:) त्याया स्ट्राम्मा प्रेमी (त्याया बाने: जम्ड त् जमार्क वर देनुमान भीमा वालक त्यारेकः जिस्मादिक लिसाव अनु तं असम्य हम्ममन्त्रीया) अम व्याल रावः आकाराः (3-21 x) -) ou min : (4 24 : 5 2 x x 1 3 2) 2; " or (x - 5 (4 : न्यु के सक्या जालागा: व्याहमाम्य) के अपूर् (अक्या का अर्ज. क्रियायमाल) समाम्बर अस मुक्स (असमा) मार इंडि ट्याहमंत् (विधवंत्रम्) म्य इहा क्रिको कः लगः (मार्ट् (ड० अनु १) के एक (कर कर के पर की की में) 11861

(हक्तात्रका अव: जीवाद्यार्थ म ब्लाहत्व मृत्विस्। जम कारंग कार कार्या हाल का बहुन प (का हि के प्र मिले मार। का कि अभी ् कार्र ह जा बना वहना चित्र भ् । (४) वामा लाएं! (८, बद्दिः) वि (बादेन्धाः (त्वादेन्धान्तांतः) दिट्यः (अवस्थां : अर्थे अवस्थां : अम्बिक प्रमासी : म्याद्यां) अरम (लक्ष्मणाल कुं त्रः त्रक्षिप्) माध्य थानि (नाम अयर्न भानि कि ् भू नल्हा मिल मेरिन मिलि छानः) विम् क (ब्रास) मा (भाग्री) क्या भग्र छ। नमा १ (भक्रम छ न-आख्या) क्या (म्या क्या क्या क्या) ने था के 100 100 (क (ब्रम्डम् भावित) टमार्थियम् ए (की कृर्य)भाषात्ड (अस सार) अप्रिक काल काम (मिक्सिक) साक्षित्र णाम (मार्म मात्राम) म वन कुक्छ (छार्)। म क् (धाम , किक) क्रा : महिकः (वार्षिः व्यवनयमहत्तः) माराष्ट्रामः (अभावाहिस्त्र) मतः भाज सनः कूलाि (जार् अवि क्रिक द्या)॥१९०॥ (अक्रिक विश्वनक व्यासः) मम (मिर्माणात) निम्जावमा आमः (ध्यावित्यान) जूना-समान्त (चाल्यम अन्ताम समाह क्ष्णमार्नः दे अरवा व कर्षः मर्भका) भोड (त्यर) मः नव मकः क्रियानं (म्यदं समा-मानुक (वमा) प्रतिकान (प्रिक्षित सम्मामानुक) ह में का (व (मळंष्ट । अय आर्ग अर नाव यविकिमायमू न अमाने प्रश्ने

म्बाक देकान्:)॥ ८०॥

(ध्वानंक)॥ ७२॥ र्याम नव (कत्म सर्वेद्रोश्) चिन्यामि) इव लक्ष्य-व्यम नव (कत्म सर्वेद्रोश्) चिन्यामि (चिन्य-सन्य-व्यम नव (कत्म सर्वेद्रोश्) चिन्यामि (चिन्य-सन्य-व्यममार्थ (ल्यामोर्वे क्योगमाम् (मान्यामोर्) च्यामो : (क्याम-

भरी बकुक्तिः)॥ ७४॥ इ.10 म८) चरं कामंः (ल्प्णिस्क्रिप) में मैं लुर्ं (क्रामं चर प्र साथाकोरं (मार्टेक्षां) क्रिंग विक्राभितं (व्योधार्यकार्त्तः) मुमंबासमंभी सद्युनंकासन्भी ह लाबसो) अष्ट्रिंग (अश्चिक्कर्तिन्) इस्मः लाकोश्चिम्ब्रिक्षे (र्नेलिक्षचुित्व) लाबसो (मुर्केक्कर्रिक्ने

(हर (श्राद) भूमाभन्माभाग (ध्यमादिन्न : श्रुवमा छ । धेर प्रविभा भागान (जूना अमाने छ : ह) भार (हित्र क्रा) रेर (भेर्मार भूष्मिश्वा)। ध्या धामि (मूक्ष्मिश्वा) वन भमाना (मिन्छ्ना)। ध्या धामि (मूक्ष्मिश्वा भाषाभाशेन प्रविचा अमादिन) विन भेर्मे नम्य हातार (नम्मा यहाना (स्वा) विन भेर्मे । विन भेष्मे हे हित्र । रेनि एक हम (नमा अनिद्वा क्षा क्षा क्षा है। । १ का ।

इद्धः (च्युक्कमा) बसुन-स्वरंगम्ह ६ अन्याम-१ चिक-म अम-प्रमाणिन: (अन्यामिश्रक्ता रेक्या) उरेग्दाः ह (डाबाः) উलीलमा: विकास: कार्यका; ॥ >॥ (वन विभाग) विभाः भागमः वाहिकाः विभा क्यानेकाः (देवि) चिशा मा: (जितिशा खरमरं) ॥ २॥ (व्य साम्यामात्र) के बल्का-कारि-केने व सम्या: छना: (डिर्यः)॥७॥ (जम्मारवंनस् । अतिम्मामः काहिए सभी धनवासात्र । क्र भामः) ला मुक्ता (बर्धिसाम्मा) लाभ स्वमा वक्षा (क्षिकाम्नुमका अवहर) मः मर (जीत्र) थानात्र (क्षेत्रार्व) विदिष (क्ट) काल । आखामार (भरामवम्बर्) अवदः समाव (अवंभे दःमाप्ता सात) लाल कावनं (मर् कावनं वाद अवर) लमें राष्ट्र (का रेक्ट) दु ही का (लब (पर्क)) (स (सरा) मतः विकार (ज्याकारणार) जतावि (विस्वार केरा केरा (अभ वाहिकात अभागार) कतानमकलाम्य : (कर्मांताः वानमक्षा श्रीविक्रमक्वा व्याप्त :) व वाहिका : 341: (2:)11011 (वर्षायक्ष्म । (इ) लाम्। (इमाम्।) क्ष्मलयार्धवर्षार (क्युन्वराष्ट्रित: क्युट्रियंशकत्का यूप्न लक्षत्रापु नयो। वार्

लक्षक र यार्व हा हि: (लक्षक ध्याह) वं या यार (वं यय या हु हा हि: सम्बद्धाहर (ब्रुक्क्य ग्रापुर) मारका (बाक्षर वार्ड) न (लाम कारिकाम क्षिम क्षाम) वमं: क्ष्य-चान्त्र) (क्ष्य कार्यमुक्क) (यान्य के व्याद्य का (क्याद्य का) का राष्ट्र के राष्ट्र कार्य अमेर : P कार्नेकाः स्माः कामुखाः॥१॥ (वंग लाक) लाच मर्नु (वं ब्रांस वं वंगः साम : वंभा वन्द् (वंगः) बरेक्ट (रमः) , प्रह (रमः) द्राष्ट्र कथात क्रिक्ष कर रमः कार्यक्रम् ॥५॥ भेष्ठं एक सब- यह स्ता: (स्विका सिवा:) ब्रांगिय: (वगः अश्राताः) अभाः देखाः। एवन (राष्ट्रमा) अप (आश्रान, अक्रेष्) कामका: (त्याहिक्ये) वर्त्र क्रियं मां (क्रि क्यियमे जिमाः (अम्मी: वर्षम्भवाः) (व (वटमंत्रमा क्ष्मः) अवकार्ड (क्यामिष्ठ) ॥ ग्रेम (ब्य वमः प्राक्षित्र) वाना एमेवन एमः प्राक्षः (प्रमन् वयः प्राक्षः रेषि श्रेपीर् (क भाष)॥ २०॥ (व्य न्त्रीक् क्या वर्गः या क्षेत्र पारवाव। क्यामि व व्यार्थि । विश्वेतः चाककर मंदाचलादकामाद्वाकार नावाकार मारी में नावा (द प्रार्थ!) कर्प्रविध: (अक् मप्त्र) (लाधावती (वाध-अङ्ग्रिः)

क्षिम-हामार (लिक्स वर्ग) विद्युष्ठ (ज्युष्ट) नामसम्बर (क्क्वत्व व) भारी (अव) भार आगातः (कल्प मेरीलावः) व्याकानिविवर्गणड्कि भप्तरी (व्याकानिवः नाप्रम-तमः क्रमा त्र वर्ग लक्षक्षम् वर्महाक्ष्मित्री व्ववहाक्ष्मित्रकार्) ला स्थावि (यव्य)। क्या वया) क्या के कि कि कि की के विश्व (अम्बक्टायर) लाक्ष-अम्बद्धकेट (ध्यक्त-अम्बामोसर्क)-ममस्क) लाड्मवार (म्बमार) बाक् भे मीवळ हार (बाक्स-क्लमा मीव्या हिं।) मनाक (अध्य) नक्षा (भाषा) डेक्सिक ० (आहिं अमर्ष्) नाम् वि (रेक्वि)॥ >>॥ (लाम जीक स्था) वनं : अ क्रियार्दि में मार बाह । कर् लांग विषमें सन् : पत्रा लिया विकि क्षानं के ज्या के के भाषीया कारे समास्वासम्बार्भा (देशस्त्र । (देशस्त्र ।) मामुष्ट् (अर्बना) रेप्र (अमन) उन प्रभानं मूलंग वारि (इन : अभानं: मंग्र आर डाल वह लालं श्रीयमं- वर्मणायर् वपू वि हम् (टक्र थर) प्रमाश्चिम सम्म कर (प्रमाश्चिम व : अक्र अव : कस्म नक प्रका नार्यः छ०) प्रका का मा (यात किया प्रका । लक्कामकार्थः) विलाउ (शिरिक्ष उ) अट्यक्ष) (मृथ्वि) मृत्वाय (म अपा अविकास का (सर्वाय ग्रम्भा मा मिक्षा) कृ न्यं -मममायती (क्रमंत्रमामा म्याम म्यामा वामनी, पाक

क्रक्णमार् श्रीनेमार् मयमायमी) मन-लाने अव छ (प्रद् छये रिक्स आंबु से ब खंड हा अपीर के अप्रक्षा अप के अप (2787) 11 5211 (लान ब्राकिक विमाम्मर बनं साह सहिक् में सारवंति । तेंबार ब्रावाकार मुद्देर क्षीकृष: प्रतमार। त्र मला!) नत्व (मृबता) व्योवता (टम्बय-मंबर्ध) क्यापी अत्व (सहायात्य) वेद्यांगः वर्षेवाण इ (अर्थन- वस्तर) वा गोर का कार्क (अक्रिक मिक् क मी (मह क्रमेनायी) मिछमः (की नार्नामा निषम् दानाः) हे लहमः (जामीम अनेएक मानानि भम अमाडि क्रिकी कि विकार) निक्रिनि (क्रिक्रिनिक्ष) यादा व्याद्यां (कोलातन यादंग्वीक्ष्यः। भरक अनी यम्बक्र-लाइकवान निष्युः डेलहमें ट्योन् काष्ट्रा कि।क्रिमिक्यर मान भार वृति । क्या) दूसद (द्वासर का लेबत) सक् सर (सक्रिया: रे र् आर्मन अवाने) अभ अरमर् (जनहरूर) परवड़ (काश्रा) मिलि: (काम् : मध्याति है ल्यापु:) त्यायड (अक्षर्) श्रिक (श्राम्पति । अल्यान अत्रक्षेत्र (अल्ये द्वास्त) व्यक्षः (यामाः) क्रमें यन हरें (अमर्ग कं भारति क्रमें) विहिन् ए (अर्युत्राठीक्रारः)॥३७॥

(लाम वासार बरंडमा क्राम्य दिए में ता रबेल । खिलाका क्या बाहार व्यक्त डमश् कार । ८४) येमाडु । वर किम्अमर्थेल : (क्राक्र सरता क्राइ:) माननी वट्ड (ममस्ता मीनक्रमान) भन्न (भग्राउभा) माकुर्द का माटक (दृष्टातु । एम) ८१ र वासका भाक् : (हिडक्राला प्रभावकः) कि।किन्द्रीए विप्राकु न् (किकि क्रीड: असल्का उर्का: निमाकुन: म्नानाकुन: ७०) म्मम् (आर्रिक) छ। किक्क) वपना (स्वाक (स्वाकमाल) मस्मिल्य में करें। (मस्मिल्य के असे म : हिंदा) दे सी गढ (oma ह्यान । व्यन्धं) भाषा मार्मिक केवी (धार्मव: वम्छ:, लाक न्युक्कः व में वे य सम्मारात्त्री का कि द स्थार धाकामि (मक्सी कि) भरक (धर् प्रत) ॥ 28॥ (ला वासार प्रके कर द्रा द्रा कि मार्था हिस से पढ (१ वर अपर उन्हिट्यो हेम्मली मुत्तो पत्र ७२) कि। केछ मा अ १ (कि। कि ९ हत्न हकत्म आक्रेनी नम्त यत ७९) भन्तं-।भाउ० (भन्तः सर् । भेठ धम छ) समामाछ - भू मेरा वर (धमक भेमर लाड अर्थाकर कार्यम मानम आवा तत वर) प्रकार त्या वर देछाए (क्या एक)॥ >०॥ (जम्मात्रवाछ। कृष्मा श्रीकार्याभात्र। (१) सूर्यम्म ! (जव) देव: (यमः) त्याकाळ्म (अयम्म वर् बावम् । वमा)

उठम् (बाक)) हिम्म्प्रिक्मम् सन् (हिम्मम् अभि हिवन् विकित्मा 1 का आरंग प्रधा प्रधा मा वर एक हैं के साहत । खिक) है ख़ि: (मन्त्र) मर्वासम्प्र (अम्म् म् प्रमुक्त वाल । एका) बन्न-कुर् (सुबस लाम:) असर नम बर्ट (शिक्षे में यं बाकर । कमा) (अंस्पराम: समक् (अंसर) ग्रेक्स (आर्यम्पेर थाता। 19 क) द्रमण् कि विश्वर (अयर) कालाहकर (अभ्रवं पालम् । वतः) वत वर्गः इत्दः (अर्बक्त्रा) (अत्य हिछ) ((अवस्थाम) छार्) 18418 (MEGO) 112011. (जमार्चि)म्मारवि । माहि त्योद्वर्षः असम अमाराष्ट् अन्तनालम् वानिश्मती जल्ला विधिषमती भार। (र) वाल! थम (ब्रं)र्वः (अव्यम्) विकास-वन्तरं विकासर् बहिलारे (वित्रारे) भन्द अवं विह्याम (विश्व । किळा) उद्गम्भक्षां वि (अक्क मामाभेन डमकाता) भयत भूनां वि (अवराह त्राह)दमाना (दम्मानितका) व्यम्। (क्रिक) मिकिकीनार् (ठेडम-र्यम्मार् श्रीकृष्ण वामिकामामिकार्थः) वमनार् (माक्रिकाम । जाला रहे राभ) (क (क्व) राभ में में (स्मर्-हत्त) डारामि: (अ वृष्ड डार क्ष थ : अमा:) के हुं (निक्छ) र्रुक्मियेष : (र्र्ड्सम्ब्ष :) जारि ॥ २ १॥

CLASS ROUTINE

| Days | let Period | 2nd Perios | 3rd Period | 4th Period | 5th Period | oth Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| Tues | | | | | 3 | | |
| Wed | | | | | | | .0. |
| Iburs | | | | | 14 | | |
| Fri | | | | | | | |
| Sat | | | | | | | • |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

METAJI EXERCISE BOOK.



Name

School of Calege

Class

- Karat M

Roll

20- PC

194

28 PAGES

Price . 181-

(Man sie, sin general) sice crysics in inde (ower falls sug O MUNIA MO MENTO Sing in the Man of the Sons वर्षः धवाक-वाक्षणलाः (अवास्त्रेत्रभाष्ट्रात्रे बल्माली मुत्तो माम ७५) भक्ष ६ भवाम- बमंद (देवस-वास्त्रमेक्द) कमा बक्तान डेब्बमान (ड्रायः)॥४०॥ (कर्मारमात् । यान्यामेश लाक । ८४) इत्याताल । वय दुर्धाव-स्मितः (केष्टत्राक्ताता) भवतं त्रमाळ्-। युम्मेपर् (क्याक्रत्मायरं) अकट्टनाड (अकामांति। केटनेशयर टक्टनाक्- खिमें परd अकामाकि इक्रम्: 1 क्रिक) हिल्ला: (ट्राचटना:) त्रायर काम्वे बिहुर (टकाक्रीमिठ अभे रे व्हिं लाहरं न विष्ट क्ष्म का सुक्रित्) र्जनाकि (अकालायां । अकिक) राम्यार (विरामित्रण) उद्यं- ड (भाषास् (उद्यानी ् ड्या विनायाः (व्यासणास् आर्थिकार) मिल्लि ह (१८७ ह। एक:) ह ् जर्मिमार्ज्यम (त्युवमत्मालमा) अवसीकृषा (भूक् असवसा सम्बाह ब वारे भी के कियां। जिल संस्था अंतः के अर्थी किया मर्वाबवध, , हक्तकाम्भून-भक्ती मृष्टि- जन्ने छ भे भकालान क्षाक्रमाम व हार याजा मिट्ठ रहा।) मक्स समाप्ति (CMRCH) 112011 (क्सार्चेन्येसेमारबाट् । न्योसमा खीवाहासर । ८४) इर्वि(नक्षर्य । (य मूलाहल!)धमा (इटवं: मिर्दमा, भाक नीकृष्णमा) होने गहि:

(दिक्याम्माहः नाम देख्व तंमावाहः) महाः क्रिकाः (देवस्वा विक्रिकाः) भूषविष्याम् (विक्रिकाममा (विश्व विक्रिकाम-कामः किन के वसायता विक क्षा काम्ति खिंदाक मता विक मिसाल) कन्नलालगा) थान्ड किं : (थान्षा थाक्षाविषा के हः कारिता (तक्षे कि) लाही (ति) वन ति स्मार के भमा: (क्तक मध्यक राजा मं अर्थ त्र बंगिति । द्राक सत्मित्र अरमा । (माक्ष्यमा: काश्रुमार समान-सामाग्रेशकामां:) क्ट्रिये क्ट्रिये (अवक्रिये) मागर (यमप्रिक्रिकेश (प्पृतुन्तृ अंवाक्तम: व्यो कार्डे : यामवं : त्रा अवाक्त इकार्यः) व्यामार स: इति: (१२०४: अक क्रीर्कः) कें द्वार नकें व-वरद (दियाय नव अर्थें वं वदद वर्गात) क्रियांसी साखिलां क्या (लागंतिया सका) है मा प्राचन (सर्थाय- प्राचंत्वन) लाभ. १ के हा) कर्या (एम कार्यात्म) वहा: लाहें (वह्युकेट:)॥ sou (अम मूर्म १ मा ७ छा) भून त्मेयत निव्यः विभूमः (विश्वः) सक्र (काहरतमः) के आर (क्षीमम ' के आ) तमः अं में से हि दि अस-(मालामक) केटम् (ख्रिप्) भीत्म (स्टिप्) देकमें भार (दें के मिनंड) असे ति (असे विक्सरेंगा दे स्विर) ॥ ५ >॥ (जर्माइबाड । क्या भार । तर) भीलामाड । वर मृत्मा: इन्दर् (गम्य-म्यारं) बच्चारं (केषुपारं) अक्तायाम-प्रशुरं (अम्बाकी-

म्रामा देनाम-डकीर) इवि (अलक्षि , अलम्पेकीलाई:) ब्रुओ: (मूम-(माडा) अमडः (मम्मः) विर्म्भविद्याने (खिद्या: कल्लमा सर्व विसान : सार्विक्) महाराजि (लाव क्विक) के एते (अरमे) मूर: (मित्र उत्र) धारिकलार (भावे भू मेर क्रिका प्रिका भेड़) केस नाहिं (क्षि-केस तसर) क्ष्यता : (लाई यात : वक्ष्यां व क्रिशः मे । वर) वर्ताः मान (त्याता) कर्मक (425) ORES (QLON) 115511 (इंद्रिंट । न्या बादा टिम कामोर विश्वाम की विस्त्राम की लामा प्रयाश्वामिति। (य मार्थ!) एक (उव) मूभक्क किं। (यूथकानुता o मर्भात तालार्थ:) का अिंध्राणे: (अिंधिक (आभी) विच्छा (दिलिया) म (म लकेंड) वि अम्मम विद्या (अकिक वि अन-म: अन्म: (अस स नव मन: (मम: ज्यू वस्त्रीन क्ल्यूस्तिक्री) का दिश्वाई (लात्र्यं सामिक्ष्र) म त्यां (म देववती में। किक) ब्राह्म (ब्रह्मार्थ) का (यूबार्ड :) कतायार (कंत्राविद्याप-खिक्यामाई) ख्य क्षिया मार्ड कर्टि (म स्थाका 1 (अप्राह् ;). रेडि (एटा:) द्वः हरतः (श्रीक्षम) निक्मुतानात्मा (निक्स माधाला) भिष्मार्थी (वर्षम्या) वर्षि (वर्षि)॥२०॥ कामाकित रक्षम क्यार (रक्षम मंग्री भर) वाक नम नवरि (भरे) मान (क्या के विक्यास (क्या हार्य मा की वें अस्पेन वा उप्विल्यिन) सूर्य देव अकामा ।। 2811

(जम समस्य) टक्निष्ठि क स्मारिया अल्पान (मामायम्या:) धार्षिकानि वय (थाले) त्यन कृषिकवर (कृषिकानि रेव) लाष्ट्र (आरह्य) वर मार्थ द्रात क्रमा ता रहा। (वर्षाद्ववि। र्या भार । (र) तालिए। आमक्षावं विमा आम वार्वार् वित्ताका (मुक्त) लगा (हन्त्रायमा: मनी) उभाउ (तका ए भम अभी हक्षायती नवर (भोन्दर्भ वडी न डबडी डि विहार्य) भाष्यका त्यनुक्रेम्;) वर (क्रमार लग्गा: म्यांम्यांगः) राम्यां-म अन- म अन- ग्रमा- अभाष्मम (भी नियम मा भाषा मा अन्याम अक्षा मा भी मङ्यर ममूद्र: उपवन्तामा: व्याप्त्रम ४८वर) अवर (aline 45 42 8/2) 2/3) 115011 (क्रिया प्रचे मा किंद असम्मात । ज्यो के क : अव्याक्ष स्था अव्याक्ष स्था । (र) मार्ष । (छ (७४) असर्व र : (अमर्क :)क सु विका- भनक ९ (कल्पानर्गः कार्नुकः कम् विका-कार्नु : अवहरं) भूतक्क जाः (भूमकं कियर मिन्येकपुर्) मीलर (भाजिल । ज्या) तनालार क्रमाल्कर (क्रम्माल गमिर) क्रममं म्यूर (भ्रम्भाग्यार) ह विक्रतीकृष्म्। अप्रकारिहार्थे हिः (। अउर् प्रम्यामः वर्भ) का के बिला है: (माडा- विविद्या ने) रात्र: ह निसेन त्या शहा : (विसे क्याम भूतः टलयने धमा निस्कृत एका निस्कृतीय उम रेकार्यः रे । उठ: वर) कार्यः (वर) मिल्सर (वकारः) त्याविता (माइका) कामा (कमार वर) महातम (दिमाप्य)। कुं

(लाम पात्रम्भार) में काम (यत (वृत्रक प्र में का समें टर्ज) हा गांगः : (भाटक:) व्यमक् (व्यक्तांत्रसम्बर्) म्य लाक्ष्ते (आचार्यात्त्रे) लक्षेत्र (माक्ष नत्र) मेर खाद्याति (स्थामत्त्र) इंद (मात्र) वर मानके देशक ॥ १४॥ (जम्मारवान । क्यो कृष्ण थार। (र) कार्य कृत्रे ताता। (राविन-नयता !) वार्ष ! विवि: (विश्व अवे।) क्रायमा कि ही : (बन्य मू मा लक्ष्या: प्रस्था: करनं द्वीकरं लायमं वा चर सक्या:) विहिळा (जलमुण: अमाक्रका) # जन प्रशंकानि (प्रयम्बान) वर्षिक (अकरवाद रेकि) मूनक् (मिक्किक्र,) थानि (ज्याअपनि) क्रिन्मान्य (मी छ सम्दिम) भान्यम कूल (मक्राप्यन -का नुक् आमलि माले) विष्युया है (ज्यम्ल-नायका खावार जिन्क्कितीय) 11 2 रे 11 (अक्रिक्मण्यं भावन् मितार बाला। विलामा क्री वाद्यासर । (र) प्रार्थ ! (७२९) अय (अभ्रेम्) ज्य कर्न मीटि : (अमुकि:) र स्याम (यर कमाराष्ट्र वर) में (वर) समार वर्ष कुणा (निवर्धकर्) आवार (अश्विममिनी प्रमहन्त्र विवर्भन् (राष्ट्रमरं) सा विविष्टिं (म केंक्)। सँउंदिः (अवक्रमा) संब्रहः मक्रा (रेज्य नामान्य क्र के व व पार्म (यकाम) लागा (लावा काहर) में भाष्ण (में लेब) न (माह किने) ला हि (क्ड) द्रमंद हर नव विशिवा (माश्रिका) नाम ॥००॥

(थय त्मीनार्ग्यात्र) थां खानुमं माना (थांतमार् खानुमंतमाक) म्। भी के मार्भवक: (मार्भिके: या भाषित् भाष्मत्यिका प्राप्तः अक्षीतार् वरका अभीन् अ: अपूक्) स यरणाहिन् (यम यम पर थए दे विष्टु ह्वां जिम्मा किम्म (भः माने रियम : (मर्म्हि :) भार (लावर) वर त्यामा में द्राट अमित (क्रमात) 110211 (वर्मात्रवात्। जीकृष्ण भार । (प) वार्ष ! जव सूर्य धार्मा : (अप्टल्स) व्याम , द्वः (वलः) देक के एत्राव्वि (भीप क्षेत्र-मैंगय-प्पाट्टर) वेद्या (शार्व) कार्ट्य (क्राक्ष) असी. (गला) भर्गा (क्किकामक) व्याटिक: (भववितिमें) कं व-वावित्रिक् (करवंतिय अत्रीकृष् नक्तामिकार्यः)। त्यारी (मिवसः) मिन्द्रिशवा (स्विश्वा) किक्रेग्रामर स्थ-प्राह्मक्ष (द्रमाविक: क्रिस्प भम दिवात के विस । लात से व) प्रमें (लाय) प्रं) किसाल ला लेख् कसमीनंद (स्टाइनंद)लर्देद (याकर) 110511 (लाम लाह्य मा कारात्र) राठ ला की मा अपिक द्य : (लाकी म-उत्तान् अ अतानार् देवकोष: डेउम कि :) निकरे । में उर् धन्तर वसे आक् को (क्रमार्ट को) मंत्र (त्रावराह) माए : (विवाह :) ख्र बाह्य का डेका (क्रमाह) 110011 (अक्कालमाडिक्ल) मूमायवाडि। अविक्किन वामामाय वर्षीर मैं बास्य स्त्रिष्टी डिस्मारा मी अस्प्रस्त । (य) (स्त्रिष्ट्रा)

लिया केक को बद्भा करता में स्थाय- किंदिए (मय- किंदम्बार्ट्स) यसा (लासवा हक्क) न्यारिकी देव (म्विक सानका स्टिव) कें ब्री (स्थालाया विमा) (लाए (बक्र पए) कर्न-संमुख (इस-कमत्त) नमा (मर्मका ठ०००) भाभवामी देव (अमरास-समुकाश्वित क्रियमी विमा) केवलमं-कर्ष (भ्रम लम्म वर्-का हिम्दाः) भटिलामा (कालाम-कारह क) के अमी नी देव (हे अमीन-श्री-कार्ने एवं) बाजा (प्रकी के प्रमीन) चेत्रकाष्ट्र (कार्क-अमचासिक्याणक्यार्विकाम् वक्षामार् सिग्ट विकार्) मूल (पर्कामान् करम् मूकिर् रे (कममंदि इति हर) वन्ता ॥ ७८॥ (लम बांध काम लाड्समोर्यराउं । बार्क क लार । (र) भादा । अक: किव्य-काव्यः (त्थाकार्यमकार्यका) अव **इ**से (मृत्य-केटिंग अस्ति (अवस्ति वेद्र्य) देकत्या तः केंद्र: क्यमः उप्रमास उर्जुला) उव विकाल (सन्य छल) हम्मकारिक (हस्तक लक्तकाडुः कमा) । मुर्णे वं : (शिर्के वेशमाल) में सर्वे (कक्रजम भरायतं) कर्जल काक्रम । निम् (काक्रमम) मिलाप्यम मा जियर का छिर , ज्या) शेमिनिय- वक्र देव प (इंग्लिस मित्र : क्षम रक्ष दिन भागत्र वर्षे) हिक दिन प्र (कलप्रमूर्म)रेलीवनाकार् (मिलाएलनकार्डर्) वयम (भावमन) प्राक (कारिक) भूम्यामी विषय (६४४६-१०४४म-

भीत्मार्भनामार् विकार् मार्डर्) विवन्त (क्रम्पे पर्यू मा-श्चित हमन हाहा (कर सर्वेत्रोस्पर) कानुक्षाहर (कामान्यायात कि प्रमुक्ष मान) (देकारक गानना (वर्मा द्वा । विचा भा की वाद्यारार । (४) म्मा भे ! वकारं: (अक्कमा) अब्द न्यामन (जनमनीन) किल्लि (विवन प्रहाप्र) लक्षां लाश्र की (लंभ-समाक्ष्यी) का लाल संसा (लक्ष्र) में करं (मार्ड १) स्मिक्छ (वलामलप्रवि । किक) भर्ष बीनाएक : व्यान (अमिक्नाछ:)मवाविष्ठं: (म्डमः अविभाकं-विल्म्यः)कृत्रश्री-हस्रहर्गार् (माडिक्क क्र म क्षी ने एट एम क्रमी: आहिक्क मन क्से हर्गी का प्रमा) हिं परि (हक्ष्मी क (च्छा)॥ ०१॥ (अस साम्यसार) ट्याममस् आले (वस्तर:) प्रवस्तानामा (यर्माय् (प्राष्ट्र कारमाया) माम्य ((हायर)। 26 (माम्यर) देखम ् मरीम ् किमिन् ह रेखि विश्व (विविधः) (याकम् ॥ ७४॥ (व त्या कर सा एव में ता प्रवात । सं लस्य वी वा विय के वी मार) आ वार्षिका मिलि (वाट्यो) थाडियव-यवध्यालका संगृह (थाडि-मवाना निम् अम् लिक पा मवधानिका कूमूमविणामः नम्मू क्षंत्रक्षेत्र) आमेमत्रे (द्रव्यामामार्) त्राह्र । आस्त्रे

लामा लामी (किस) क्मूमलि लेख्याले :) मना (अमर) न्यान म स टिया (भार्य वाल म । नान के) वर : (क्या मानम्) वर जमम्हरार (क्यूय-अहेन भर्भानार) मन्ने (वार्षार भातिः 116011 (0120) MAIN (NEED) 110011 (अय प्रश्रीय भार्म वर्षार्या । न लामिल आर । (य) भीतस्ति! मार्थ ! रामि एक (वन) मू छि: (अनी नर्) ही तमा (विन दिला-मुबम्) उत्याममः (धार्वमूक्षायमममः) धाल मण्यम (मर्म्पा) त्यात्रिक कर्ण तम (क्क क्यातम) निष्ठा केव ट्यारिका (ट्यारिक्यना, ज्या) विज्ञा (विल्लासन पूरा स द द्वा ह) लामी र (लाल्य ह दे छि) हि यह (ला अध्योस) 118011 (ज्य क्रिकें क्रिक्स मार्थित । जमामाः सन्। सम्भीसार । (र) 212;) on CRILLES (ONANDERO) ON CRIMO (CHISED) काम द्वाम (कारा दिवार कार कार) मिलीन-भीलालक क कारी कर (मिलीमा: व्यवस्मान्य मना देशा अम्भूका: भीतामका: मी तर्म-र् य के म्या भित ह का बुका: त्रा मात्र वर) अमिर्य मात्र (AMINI ENDRY,) CANDUNI (DIND) SIJON) ONM-व्राव: (म्प्रेंग) विका (किंव तम) अग्रेस (अनेकास्मम) न्म (अस्वर्ध) न्यामी (अस्वर) ॥ १३॥

(अम नामाक्षमाणीलमस्तारवार । रेना न्यक्तार ।(४) यामु ; ट्यावाम् ; मन्ते (लव त्याक्त ति) वे वि के बार ; (तम यांगः) डिट्रि (अवद्रामे) क्रम्भी महात (शिन् मी प्रक्रमधार्य) नंभी (विमाझकीतः) क्फ्यावः (श्रविनिविष्णवः) भूवि (विवाह्य) मद्राले (भूखनारक भूगत) देखि (नर) उनदाक मान् (कृष्क-सार देळात के कि लुक्त अर हरत : लाह न्रर राहा) कर मेश 🖚 क्षित्र में वर्ष: (प्राह्म आत्री) आ (स्त्राचा) लाख्य में पर कंद-स्तम (अडतः कमर्नः उक्कानिएन धूर्मनस्त्र भूर्मम् अवाद्रम र्ज्या लग्ना लिंच: अवम: म: र्ज्या में : (विम र्ज्य में न्या) य ह्य (मान)॥ ४२॥ (लम श्रुंबस्य)लयेद्या : (लप्टींग्यंभा दुराम्बामा वाहिकाभाष्ट) भीला ह रेलि द्विमा (दिसिमं) हिन्छ हेछाउ । (ब्न) अम्हानाः आस (देवन अस्तू) तक्षाः (नक्षारक) अर्थेया देन्द्र भीया क्रमाद्य ॥ १०॥ माकानिकी (प्रतायन कीडा) जाउन (यर् वर्षन (मालाय: लक्खाक्षावं: (पावक्ष पात्यामनः) (मक्षि: (गवायाम्यानः) भवनापिका भीता भगर (व्यप) 1188 11

(व्य शक् विकीलामार) लय वासकर्ष क्यालियारी (वामन कर्णेक रममा १ वसाएंक वा) मक्त्रीय भावता ॥ 8 ६ ॥ (ज्य शत्रमूपार्वि। भागमता श्रीयाधारामा । (र) वितामवि! मूनाकंता: (एवमनना:) नाममकल ममुखिराविधमः (अस्व: अयोक देव: वियावामार विवास वियासि त्यय वर) वर प्रचित्रक्रमणम् (अ) केकः) (का) (म् क्री) सरम-मस्तार्श्यातः (मद्दान कार्यन थ: प्रमुद्धः प्रभूष्ट्याद्धः वर्षेत्रिः वर्षेत्रः) वसमः (माउ। वहनः)॥ १८॥ (लाम कर्षकम्मा ले में से ब्रंडि । बर्तिः मह तममह तमा कं कार नमादी जीवादा समग्री मिलात) लक्ष्रकाहर (लक्ष्रप्रमुर हिनं तमन व कि वा मिकार्यः) का कि वा आर (के कि वा अहा आर) विने: (विक्रमती किक्ममूक्त भावतमा पुरुषि नामपूक्त नीर्था विने भ्या मः) कल्यका एका सन् गुरु विभूसन यन डमी विद्याः (क कलकात्मानतम म्डाला: विल्नामर्गम्मार्गिर केरा विसम: ट्या हार्यित्या भमा मः) मक्षः (क्षेत्रकः) नः (न्यमान) त्था कर् (त्था व्यन मं) व्यक्ता व (सम्योव)॥ ८१॥

(अर बाउनम्पाद्यकि) अरम-अरमाक-कृष्यः (अरम् अष्टिकम् अहताक: भिन्छ ् कु उत्मूमक थमा म:) धमूक्तमा उती- हर्ष बी जबीठ: (अमा मूरमा अमार विकिश भा हली जानविलाम : ज्या भनी छ: आयुगढ:) लगें डार्ड : (मीमक:) ला अवम् व मी कर्डवालं (मध्यालिकाल येश्राका) मह्मं (मेके क्ष्मं) तथा (बार्चामाः) वर्भः (धानम् (६९मवः) आउत्नावि (डिक्कानंगाव) 118411 (ध्य त्वन्वापनम्बादन्छ। तालिक भीवाधाधार। (प्र)वनार्थ! यार्थ ! कर्म कर देश समित देश हमा में नाम निष्ण ने वार निष्णा मा मर अधिमुरिन अर्थाणालन भाग मण्मकण् पार्मनेवपण् भमा छ) कि। किए विद्यानिकर् (कि। किए भेवर विद्यार वकी कुण विकर् भक्त काला यम जर) माहिस सि कक्ष पर (आहि निर्म माहिस मुद्ध कार्य नियम नियम कक्ष मा अीचा भमा ७०) छिन : मक्कानि-तियाक्रम (विष: बक्र प्रभ भारत्या भक्षाविती- तियाक्रल सिय आह लाली यमा छ) कू प्रामिए (अयम् विकामिए) थर्वत् त्यामानं मी- मन्त्राष्ट्र (हजनानं मीभ्यत्मार) ब्लीर मधान (भित्रमेड) निलं म आयर (विलंदि के रिकारको सम्माली द्वारा रामा वर) मनः (वामर्या र) लच्यामल (ब्लियक्षर नाम कः) म्मिकं (क्राक्षाम् विम 四部一季年)118かり

(काम (आस्वार मेसार वृक्ष । खिलामा न्यु केकर पेल मेरी म्यांशासार) (र) प्राम । अर्जेका मित्र ता मुवाज्येष्ट (मार्क्स) मामित इस्व: (मा लाय: (वय मानुवा: यर् भिक्षा: अर्थ परं : मयो स :) जासक मानाक्ष्यक्षक इं: (मानाक्ष्य भीक्षा आज्यन हं: ह्वन् त्यम मः) ला मालास्यः (अक्षिः) हितः (शल्याः विक्रि) अत्मा-विद्रां : (मुकाविद्रां :) भूव : (आक्) आजीमाक्रम् (आजीमः 34: अरे कळपढ क्य स्था) कास्त्र (कास्र केष्य) न्त्रात्वात्रक्ष्मिर्द्रियादिक भरीवक्षात्र्वात्र म्यानका वार्यात्वात-प्राता-इवर् (मुक् कि।किए दिर्का यम लाम हरे छक्षक्रममन् क्यात्री नास्का प्रमायकं ग्रेसी मा मही क्या नर् बक्रास्वायं कर्वा की कोर्यः) 11 00 11 (लाम सक्टिक स्मिन से से प्रेंग वि मी का द्या वि आस । (४ अस ।) कम् किछ-सम्ब-स्माद्वापि (कम्किछ: कीलाक्षिय अव-नी तरेमव कलकी कृष : मन्व-(माम्यः भन्यू वूनाः धार्मः (आवस्था ताप वढ) अयो (बात) कबंद देखी से (दुन्माल)) लामकर (पाक्षिप् कर्ड) कार्टि लाय (क्राह) में मन्य (मामन्य) (आयानन: (भेभक्रमिणवपन:) क्रम-मृत्रकात क्रवीक: (हाल

हणाल म्यकत्त नयत्रका हत्या वन हक बीटको प्रवास प्रमा) इति: (न्युक्तिः) भम हिलासेयर (हिल्से मर लगार) रहेयी-(लक प्रमार्किमेर्यात्वाक रिंद याम्) भिष्णाक्षं । श्रीक सिप् । स्कावं (१ के पर जिस दिल्हे) 11 ६ > 11 सन्द-मेशि । अविश्वान । विषयमिति । र्मा । मनान । द्वान । वर्भी खित्रं । देखि (ववर्गामा त्य्रामात्रे) विम् वंभवर् (वाकिन्नर् गढ़) समें कुर्य के (प्रधानुपर्वे यह) लाजनमं (लासमें नमं) स्यः (यूनः पूरः) देपीन शिशिकानेः (देपीनः देपाडः शि शिरेन क्षानी: आरका भन्ना मः) रातिः (अप्रिकः) रह (आरा अम) 1500 2410 (mays) 11 0211 (अस्मसूकार्या विवादा नामिकासाय। (र) स्रवाद । व्यम्पद-मक्मका (क्यान-का कर्मना क्यों : (धन्यक व्यान कार्यक करमन मक्र भा भारका धालालियाः धालात्रन-नानिताः पाक्रित्यः बैं बस अर्गः ज्यस्पर्मः ज्याः ल्या का रम्भें मा) में ब यथ- के यक्- शक्ति-पदीकं कानुः (संब्रास्ते क्वाबलसे क्षेत्रस्थामं तः भक् : हर शिक्षेत्रेड र्यात्रेड या बार्या अधीय द्याप : क्रांटा विभारिक त्रमार मा विका) रबेदक करा के हिंदे के हिं। (रबंद अवि ककारा: हमसा: हाक्या सामाप्रकाम: ई हामा: के हि: Care धमुन् मा)धार्यमा (अक्षिमा) भाविस्याधीकी (भगत डमी-मार्क्ने) सार सम्मात (लामक्तात)॥ ७७॥

(अथ मंखनमार) गामाह्या-मानान्तलले: (वाम: वमः र्या समयकार दिहाति: सामार न्यालयक () हे स्था (हर्वास्त्रें) मडम् (लावर) ॥ ७४॥ (व्य बस्मित्रं वात । त्या का भा वा भारा । (४) में के । (४०) अञ्बीकत भन्न (वीकृष्णम) करीय-मछल (कारे-छाला) अमून-मान खालाक्षम ् (अम्बद्धान: मूर्यामा कर्णाह: डेक्बन ् व्यक्तिका हिका-मकर) वाहिक-दिशी अस्वं (वाहिक: क्ष : दिन्धि अस्वा लाला (यन ७९) त्रमा (धाराइवं) अष्ववं (व्यः) म वि भन्तामि कि (क्टिंस लक्ष्मिक्सेश्र)॥ ८६॥ (द्रायन्त्रेयं क्रत्याति। त्रीकृष्टः न्त्रीनियासार। (र)वार्षः लयप-क्रमण-वाग-बागर (लयपः तः क्रमणवागः अमबागमणुः व्याप्त बारमा बक्तिमा ममा वर) वर नवर लामे वर (विक्तिर) म्कून (अर्वमम्) क्रिके (अठोक्) ब्रामित (दुरकात्र्म वक्ति)। थ९ (पूक्तर) अय (अभीम) धम कारे (मनित्र) मिन नामर् (प्रथम) वामर नाक्ताप र लाप वामक) मन्त (लाम्त) लाम मिछने वक्ष वक्ष (विद्यान निक्साम भाम)॥ वडा। (अम ह्याम्पात्रवि। औवाधा आसिणाम् १ (य) विभमार्भ ! रविभा (अक्टकन) (माभविष्ट् (त्माभवीकृष्ट्) (धार्मा अप् (ल्यामा कर्ममा मेलमें) ते करमें में (वर मार) मडवंत

(रामु समावं करवार ' कुने) प्रत । (लारा) नमेग (अविमा) व्यवकाश्वः (ज्ञाद्यम्यम्यम द्वः) काप्त भीसक्के लक्षः (सर्भवालकर)सम अपि (ध्याम) कर्या विक कि (सम्बाह) ॥ ६१॥ (दुराप्रवंप्रवेद वरम्ना । ज्योककः आहा म्यद्वी व्यामुक्ट वम्नेप र्वे व्यासार) इनंद आयुका का के में किया (वाटका में अधार सर का थि: एक कार्न दिशिया एक)शासन (किक)कालाम-एक (क्रिक्र मिना (मड्यमल आस्तिमनिक्ने) कुड्रमर्गः पूलन (कूड्रम-इरिम्म कि) देख्यं डामा (दे-अष्मु बिमा) कनका शंदम (म्वर्यस्म) मालिक (क्षात्रमा स्वी) प्राप् मितावि (MB: 4/2 1/9) 116 A 11 (अम मानामूललत देनायकार । नी कृष्ण थाय) के भी मानामान टकटलर् (भाषाकार व साकामित्वक्षाल के दिल्स) भाषा अद: (स्मेश्वं) नात्मात् : (वर्षात्र क्रमार्वे क्रमार्वे मर्क कर्दः (वसर्वः) धर बीगति (अर्यासन स्थांति । किक) कटमायदमाः (भिन्दामाः) का लाक्ष (ब्राष्ट्या) कार्यः लक्ष्यवर (स्माहोसकः) शर्येष अमार् (समायमात । क्रिक) धम्मना १ वार्नेशितः ((त्रे विषः) धात्मन माक्रेम (हन्त्रामान्-(स्रामक्रम) लर्म हैं मंद्र (त्यांग्र) में में म : (म्रामिष्यांग : ज्यायाकारा:) यतः कः व्याल- (व्यानक्षाः) विस्ताः (मेलवः) स्वमः म्यूटमाः (ध्रम त्मनाताः) मूभः मूख (मनप्ति)॥ वन।।

(द्रमात्रव्यात्रवर प्रम्यांग्र । में ही चीकिक मार । (x) सात्माव । मर्): (लक्ष्या) वर कलंगाम: (म्यन-क्षुमार)म्यन:) व्यन-लाग्यास (असपुर्ज) लयम् दासान (लयम्बाम कामबायर भयानिकर) प्रकेष किए (सन्त:) किए ह कि है। सभी वासमार्थ (विट्यमात्र) पास काल (सामक) दुलासकावान (यम टक्तारम विवर्गाला (या छाव: उपर्रः) व्यामी १ (वह्व) 18 N 3 11 00 11 (ध्य त्रम् । श्रेन धार) लगा: मा भीत्रेषा: ह शेवि विधा (विविधाः) प्रश्वाकन: याजा: (निनीका:)॥७३॥ (ज्य नमान ममाक्रेन थार) वर्ली-ल्लीवारी (वर्ली ल्लांप वर्ता) भीडर त्यो वडार (अर्थ- मुवाड:) द्यनेक्ना: (इक्नामर क्रन: लाका अन्ता :) अत्राह्म प्राह्म व्यक्ति । (अम्राहिक व्यक्ति । विभाक्षित्रापि-निकान: (वीनाम-क्विन:) । जीत्र-क्लिण तर् (ह) रेष्णम् : ध्य वृक्षः नगाः प्रद्वाक्रितः कार्येणः॥७२॥ (एस वर्भावं वसे सारवात । रेसा स्राधा सहित्यार । (र में तता: ;) वक्ष्मता- च्याक्षित (वक्ष्यवाधार द्राब्सित में अभ्येषाप्त-अकात्म निमित्र) पात्रपर् (जमानम् किर्मिन विलयः) निक-डिक-कूर-अवभाग-लाबामित (जिका: क्याक्रिया वव हिला: विकारिकार के ई दंव अक्षारंग विस्थाव : वर्श आंबानि अक्षियार वि

मकार- महल छत् : (मा पिक्म- वृत्ताता: माक्रकातीन : आक्रमार्कनारि-आगः लामार (वम्बा भाग्रमक्ष्यक । तिकक्ष्यक क्ष्रवमा वादकः) कान्त्र में येश-संग्रम भिल्प दिस्क (बानुटबं से में भागड़ आममें से बुप् से में से बर का का का मारे । भिभा नार् हे प्रार्क हेकी असे) असी सानिस : (असीत: सीमा प्रक: लाम्यः वामे अवस्था सः) वाका दिन्ति ववाक् विक्र टक्स (वाक्रांग सिर्मुक्लम् रवार्ष्यम् अव्विवानम् प्रमक्षाने)प्रसामिः (र सम्बन्धः) (यत्नाः (क्षीकृकवर्भाः) नवः कलस्तरः ' (कल- निमाप:) हेन्सील ि (प्रकाम () 11 ७ ।। (द्याउवमाद्धवं सर्भाष्ट्) काष्म्य कि (काद्रिका तथार्था यह का मारा ता वामान) सक सार्व : (मीक्क:) विदेश है-उक्त (अक्र समय प्रक) भर्म कार्य बील छारा अरल (कार्य साम-मीत-वाष्ट्रित (लाबिका तार्भात क्षत्र भीत्र) वाष्ट्रित बालिक विश्वी समाक्षाक (पाठीकाः) (वर्षमा (बद्धा) व्यवप्राक (कालाकार) अद (प्रमेश राम भावमा) मन्ध्या (भामन 日本日本)11 78 11 मतिकार देली जनानार्था क्या मा क्या मिथी कर (मिक क-प्रकल-मिनीर)भूनती-निममाम् छ (क्ली न वाम् छ) सम्बं (टमके) अग्रित (श्रिकात) 110 011

(मेश्रीवयमेटा उरात । व्यावावा लाय । (य) मार् । अर्यर ला- धमा (सक: देवसार बद्यार त्वाना: माक क्रमार बस गमा: मा) धाक्रीतमा (यवणांक्या वक्ष मवय-ज्ञाका) वक्षामानं ने क्या (वक्षम-मन- अका आरम (मोन्यम्का) म (मानेमा) मन्त्री जमा (मानमा) कर्मायातः (अकिका) प्रक्रियं (मिश्रव्यं) में दें (यकः ममा स्रोडिमा) । लयक (वरामारयः कर्या रेट्या : । क्से) व ं विसमा (स्त्रेल)राम प्रक्र प्रामान्तिका) उन्ता (वक्रा) आग्राम-काली (अभाववर क्ष्यावनन मडी) अभी प्राचन प्रमु (भीक्ष्य-मानुन्मुः) लामान (भीक्र) मह दूर्द हैं हं (हु प्र :) द्वमाम (करामंत्म) उ द म माकरगारि (अमाक प्: 20 वमप्मीक र)॥ ५ ए॥ (लम भीवमतार राव । रूपरा में खिला क्री मंदा भाष्य का सार । (क) माम । केक (मतः (ज्येक बक्त : (मतः) तर (तर) मामुक ं (क्युक्षरं) सायायपरं (सायक्षातास्र्रं) आमन्यं (आरानुक्रं) (अममा छव । किला) निक वि म्यारे (यम) वि मारे मूर्ग आक खिमारम) लय (किकासक) र दं में (द्रावा रें कें Main) 119011

(लम (अवंड) में यार्वाड़। लाड्सवंधी जीवाद्य वसस्ति चवार। (स) आरे! (नानिए!) कम्य अल्यो अविद्यालामी: (लोन्ड-ज्यूनंः) यस वर्षाव्यामार (एरपवामाई) (यामा व्यामा (प्राथाक-(मालमा) कॅलेपाप (कॅर्येस-काबेकाण लाग्य कॅर्येस क्षिकंक-ब्यो (राधकप्रमंदर्) केस्बी (वहनेशी मही) । स्याव (समाछ। लाइमा) चित्रिक (समा माझकावड मठ) म: संबद्धिमा (स्थाय-(स्रोबंलिय) के खि (के वाप) का पाद्ध (स्थासुई) थां करवाडि (लडाड मः) भाववः (क्योन्क नव) ११ (अभिन् था प्रत्य (सस नियम शृत्य शृत्य माराल्य) कार्य वासी ह (orthox 6) 11 9 P 11 (52 MLG) (द्रमाध्वमाष्ट्रका । क्ये के क लाय) मर द्रमें क्रियाल (लानुक्साणं) वरीम: (डेल्सर्) नव सोवडर् धाकाटि (धनवमत्व धकमा-एक्रे.) सम सम्में सम्मेल (इस्मेल) वर (क्सार निक्टितारि थए)। ले अन्- षिडा (। ले अन्ति अक्ता प्रमार्डिम-वीका कार्न कार्न कार्न देव विका महा यथा: आ) वासा केस्य-सर्मात (ब्रिस- म्रामात) द्र (लास्मा) । म्यापन-Gटे (अर्केड-डिअफाल) वित्यम (अविका)॥ ७० ॥ (लग लिय - केप मिरार बाह । बेसा क्या कार कार) र्भ मधास्त्री (इर्मरम् पू मन्म गाठिलीला की वादी) रेर (काक्रम, रूर्भ-

महिकः (स्माकणाना मध्यामा द्राज्यः) द्रेय (व्यक्ष्यं) व्यक्षितं (बीच-धार्क) कल इर्ममाप्र (कल प्रामार् वयर्) निल्लाय) (क्सा) वर प्रांच-स्वाप्तिम (लग्द का किस्म) प्रींव-स्थापः रेनि रक्ता) मारे असा (एकमा मार्ग) । लेक्सः (अस सकार) छ छाए (हिल्ली भाविवार) आने कलमी , म त्यम (म छाण्यजी)॥१०॥ (द्रारवंपाद्वंता न्यां मार्था हार प्रिकें मार्थे का विक्रांति) गा मर्बिय-नत्रवी हि: (धार्य)- अवादा:) असूर्व (अलामा) भाव- घष- भवमानाः (कलल- घष- वम- प्रकाताः) भवमानाः (क्राका-माक्रमार्) क्लान (मदान्) मुसुमेडि (डिक्कालांड) स्य (अ (अभ) कृषि (मनार्म) विकिथा छ सुनान (विकान- भरेता:) अर्थियमंदी (अर्थाक वालमंदी यही मा) देंगर वाका-किछ्नी-सङ्गि: (भाकाकाराम: किछिनी-।मनाम:) 34210 (ana Galo)119211 (लाज जत्मक्षीयुर् द्रतारंब् । ज्याचा लाड) स्रव-र्ष्याकेश-लक्षाद्भिणां : (अग-उडाकु म- भीम: थाक्किणां :) भद- ७ विहि: (मद-हिरु त्यानी हः नाम हिरु त्यानी हः) लयह वा (छमा) डेक्स्मा (मिलिसकी। किक) मश्रव-म्विष-क्ष्मा (मश्रवानार् में छिए में ल्या रमन् जमार्गिन कूष्रापि कार्यान गम्भा भा विश्व प्रत्यत प्राव्य के विष्यं स्थान विष्यं कर्

कमा: या) दृष्टं वयाया (वयत्त्रा) जाक वयक्ता कार्या मभी) (म (मम) अड्ड दे (एड) किलन (कार्यक्षा) । हिस्ताह (यमात्) मुरामा (कामाना) १ (आ. मान का मह के अर सभी । भ्रेशसी आए भूयथे । विभवी ज-मास्ताम-हिसा मा कम् रेंग्ड ह वस्मित्र कात्माद्राक्षावि (दारः)॥१२॥ (दिलकी-प्रकान्मियार वाड । क्षीककः आसमार प्रिकेश्वार) इड (लच) सहिवा (लारेवा) न्यासमा-सड्या (न्यासमान मर्गि रीमा) अव्यानि-नारे नामी (अव्यानित्य मार्क व्या मामीर लावस्त्रिं दिक्ष्यं आव स्वार) आस क्रा जिरे (अम सकर धम् ब्रक्ष त्यमः जमा । व्यापः सहसावि) भूषः (सिवस्वर) प्रवी-(जलमंत्री मन) रस सडवां समं (डस्) वडि (धमनेवान्)।। (लाम निर्म- क्ल्याममारवृति । जीक्तकत कमा मूहत वरात वहार इस्टिन (अधिकार अपनार विलाक) श्री वार्श विक के गांव) वर - क्रमूम-निरवश-अकिशा-त्मिकेरवन (वकानाः हेउआताः क्रूआताः विस्ता-व्यक्तिगांगाः प्रदेश्यालय-विषयाः त्मिकारत्य त्यालयमा) वकाद्व उदि। भुष्ये। (मकादृत: स्थाल्व: र्दं : अर्थिस) भुष्यः गंग मा) भड़ेश्वाक्यतानी: (अहेश्वन डेक्वना नीर्यभा: मा)क्ष-विनिश्चिकम्बा (कृषि कृपरं विनिश्चितः कृषः कास्मासी भक्ष्यं कस्मः तर्ग भा) गता अक् (लाया) प्राच्यक-व्यं व ज्येक- स्रायं व शुक् महीतं (मिमिकः अस्मः अप्तः अधि उर मार्वः कमार्म मार्वः कमार्म महीकि विभिन्

भ्रम् क्षां : एक अक्षार माडिर) समी शिर्मियी (कर्नार)॥ वरा। (लाम माम्राह्वाम् सम्राज्य लाम्) मिस्मामामाः (निस्माम सहकरं :) वर- उस्मार्सिका : (वर: मम्बालकः उस्मा क्रफ्यर् अमिनार् ट्रमाझकारि:) दिमहिकीयार् (डेड्स-व्यम्यार्) ममूप्रः (ममूरः) मछछी- त्वर्-भाक्षेका: (मछछी लग-ठाड्य-धार्षे: त्वर् अरुकी न्मात क) कर त्यक्री हा (वर त्यक्षेत्रे क्या के का निग्रम्भ) मभारतः मन्तरः) तमर्तिः त्नावंगे व्याख्याः (व्यावमा-चिन: भगर्या:) (मार्क्स: व्रविम्न (प्रम्म) GM वाम-अस्माम्मः (दामक्षी-सर्वमः) माम्राह्वाः (वदाकाः मञ्जिता हराय:)॥१० + १७॥ (उन निर्माना प्राम अक देपार वार्ड। श्री वार्था विलाभाषात्र। रह) मार्थ ! (अप्रा वंश्मीभाष: (श्रीकृष्ण्य)) अल्लेडी ने विलाभाषात्र। (अअंगर देशीरं देमनकर विलयन हमनामा नामः) अमाकारी-क्रितंगंड (मैकश्रियाशकत्त्र) राषु: (लाकत्त्र- दे सेकातु- राषु-यक् भर् ड (वर । किक थात्रा) नाम मूर: (मर्किता) व भीकृ वि वि वि (जामार् बलीकवार्) मनः (उरमक्षर डावर। किका) रेपर् मिस्मान) अक (मिस्मान भागा) रेप (अन) याउम (जामार हिडम)) मत्यात्रत भारतेयायः (वर्यक्ता डायर । वक्क)कः धामन (अस्मिडी निस्तिवन - माय- नियान) अम् क्वार्यः) विस्ताः अवसाहिकार (अक्रम् अर) अखायायमीर (अखाय-प्रमूशर) न

14 pla (4 2 ming) 11 da 11 (द्रियात्रं मार्थेनं जयम्मां १ १ म्लायमा न्यामार जीवाकार जिल्लाका (द्र) म्यामा-माने ! (द केट्यामाने !) काल्यव-महाम (काल्यववर मैवनुवर मर: कारिर्म्य जार्भेर्) थार्भेर् पृकृत्य (अदेवमत) विद्यानिष-में आ: (अम्राप्टि शक्ति में भार मंग्र मां क्या :) कि (७४)र भ: (लाबीनः) किए (क्यर) भत्तः । (प्रभूतिः) नीज-कूम्रिः (कम्मुप्रिः) जूसमार् (माम्भार्) वश्वि (विख , क्यर् (यामाक्षक दिवश्वीका : 1 किका) यम्मरिंगः (यसम्भाममा) लामी (नक) (कार- अन्नका: (अय- यमन:) किं वा (कार्या) करेडी हि: (म्मनही हि:) महरिक-क्षी-मानाहि: देलकार् (क्रूनगर्) महरह (आयू वार्ड) ॥१४॥ (त्य बर्छ द्वी द्रमाय बाल । में में वा स्थाना क्षित हिल के एमें भ्रम्भी त्याकांक) लास (अवावा)लास (अववः) । जास व- भव ० (समंबर्धार मत्) (मक्ष) (म्क्री) (मक्षा (क्षेक्षा) देशकार (वरम कमार) लाममा (लाम ग ि) उन्यामार (केर क्यामार) मिलाकमार (म्म्यर) में : (अवस्मिरं) भामरं (लाम्बक्ष्य प्रव) भावि त्यामारे (डेकि: क्यां । उमाप) अयं कः मवीत-यदः (अभिक्ष सरम्भाव वाम): तम भाग मृत्य- सरः) वालुक्य- महेत-कीडा- इस्कार्कार् (अहुक-बिनाम-बिल्य-देन्श्रक्) बन्नन (हिल्लाम्येन) बामांगः (गंकांगः) हिल ह्मिल् व्यक्ति किम (वाबिके शेंड) ता कात (न बारामि)॥ 90॥

(अस्तिशक्तारवि । विवाहिती क्षीवाका (आवक्षत्रकः (क्षाविकः म्द्रीय) आछीत्-त्यारिभ-तम्मम् (आडीत् त्यं लाभममूत्रः उम्म कहल: भीनमध्यमान: उम्म नम्बम्म भीकृष्णमा) कटलवना की: (भाक्ष भभ) म:)।क्रिटक क्रिक्र (क्रिक्र हिन्क्र : रेक्टालमा वर्षाहत-वक्त मी निल्लासमा अव्यः किंग्री [मम मः) लकार अयः (लक्ष्यः) लर्द श्रवंग्यः (प्रायंक्त्र) विष्या)भम बागरं (क्ल्यमक्सारं)व (पावि (विश्वावं मेवि)।। २०।। (दिनिकी-मम्प्रमाद्वि। भभा क्राहि भारक्र भ्रम्भूकः यत्मम् त्यवंगव । (इ) मामत्यत् ! मभ्रात्मात्व (मभ्राम लाख अकाल) विलम् (विनाम्प्रात प्रात) (भाषे) अरकारके (लाके मा अकारके निकि अदमानिकाम) भाषा: (मिलिका:) इद्वावत्या-मूश्र विष्मूशी: (रक्षा-व्यम् धावरह्म हे मूश्र विषाने का स्वाने मुभाने भागाए जा:) द्वा विश्वीता: (ज्वम विव्य भूका:) मिहिली: (ठळम-तिम्बुल्) त्यका (र्षेत्र) अड: (क्राप्) विडाह्मिक-मार्ड: (हिस्म स नू हि:) मन्त (भीना) हका याने : पना (रेमानी?) इट (उत्) कमर (क्य सकारंत्र) ज्ञान्वमः (स्त्रम्यमः) कार्का (३१०) कारे ए (कहाय विकार :) ॥ ७ ॥।

(पक्ष्णे मेरा इंग्रि । सर्में के काहित काहित काहित (भाषी यियलाक) डावु: (म्माकंकः) मर्थ (मामुं) मैंवः (लाम) वें वु (हिला,) विकुटि (ल्या है)) कि अवेश क्टिय (मत्त लाक्टिय) ₹ विराष्ठ-हाक्-हिवूर्कन (विराष्ठ १ प्रश्नालेख हाम धानारपः हिन्द्र भाग (एम) कवं-वितिन (इस-म्मालन) मिर्डिटि पीकाम (किसमम्) म: (धमारकर्) मप् (वर्षः) धामकार (लक्षरंग्रे) इ दें (लिक्षां) आ त्राकु: (भक्षेत्र) जिस्म इत्यं (अमार्क्ट् विष्ठः)। जमिर्क (भीक्योर्क)॥ ७२॥ (अस रवन प्रपादवि । प्रभूतामु अीक् मार आहे नाने वा रूपकाता सल्मार (समग्रि ।(र) गामवला वंभी (वन त्वर्ः) विमर्यन-मेका लाक (एव लाश्व-मेकार द्यात मा आ) इन्ट्रिवर मेमा) मन लम्भा: (भावादारा:) द्वतुः (दूर्यावः)। बिट्य य खवं अवलः (बियर-ध्यय-विय०) अप्राम्बू (निवावार्येष् अम वर्मी जनाः) इति (इनटमं) महा (कालिक मही) अर (बर्की) हुनं ० (मप्रकर) रेपर (बिट्याय-खन-गर्मर) भाव छ ने विकास (खिक्रावंगामाम) अला: (मह:) तक (में माड) विवक: (अश्रम्द्रा छ्या)रेर (अभीन क्रां)क: वा (अष्ममुकी (का या खन:) म रि अर्म जर न दि अरम्बि (न भीड़ एवि)।।

(लम कालकामें सार बाक । बेबाठ जैंसम्में बार ने देखें : केंद्रवासि-बाबा प्राच ड वी क्षार । (र) बना बवल ! (यम म) बन (म बम) आवरम अन् कीन् क!) श्रामिति: भवन् (ध श्रूमन् प्रामितामितार्थः) वित्नाहनाट्य (नम्माट्य) बालिक् (गास्त) बलवर जब रेपर् गरमर (कार्य (मार्य क्लां) अहा (अर्मा) क्रमम-म्मा: (मीलापूर्या: आलिका:)क्यलपृष्ठि (यश्वि , क्रम्बित्रहिषा: वा: भुद्रम्बुट्रम् :)॥१८॥ (उर त्यके मृष्टिम् पार्वान । क्रमम्भू वी अम्मीभार । (र) मार्थ । कार्यका विकाश - कार्त (विकाश मार्ग क्रम एं) प्रकर्ती: (अवख्की:) श्रिकी लाक (खिंदरमंदी लान)लटम (अर्याकारा) में रचं (मक्स्म) जिनेभड हर्द स्वल्याभार) व्यक्तम (र्द्धा) म्मक वरी (दा साक्षिण वरी) वस सामित् (क्रीकृष्ण ?) नित्र (अक्रिक्क) ॥७०॥ (द्रमात्र ने मानु वर अपने भारत । वीकृतका अर्थान स्टार । (र मार!) नि। भेल सू करा (वास्तु प्रवास समा दी मार म स्विवा १ मूक क्या माना) व्यान दार (वर्ष वरामकार्य प्रमा देव्योव-म्या विकार -मामिनी कर्मापी नि अएग नगानि एवा ए आग्रास अनुकारत) विलाधिए हि छत्र: (प्रशास निए हिल्मा ध्रम) मा भ: कारी-विट्यामप्रमः (क्यां वाक्याविवर्यक्यः) मिन्नी (अमन:)

यश्रकालमः (हिडिकाम्या का वाद कि क्रिमानी क्षाय : सन्) समाक (असत) मेर्य कार्ड इव मातः लर्ड (मेरे क्रि बावः) मः अत् नातिषा-माना मृश्यमश्चिमी वन (नामिषामाः यः यातः मार्के प्रवः जिल-पार्वजाकः मीन र्वात्वमः वर्म्याल्य मती ख्यमं तिविडी ख्यमं) भूम: थानि बलाए (बलम) रेटक (दिम्पुक्त: यर सर् संधामत्रीकातः)॥१०॥ (पार्ने मिसे तारवं । भाग म्लावश्वीकार । त) में त्या है। न्या। ना सर्मात (सर्वित्रमान्त) नान- मैसरमार (म्लाम्र) वीनभेटि: (टअनेनिट:) अथासाना (विव्हासाना) जारमे ह्रेक्ने (क्यामा सामा)क्यर (क्य प्रवेश द्राम्माल) ममाछि न दि (न महाका द्या । मम्बा कू) म: अप् निविष्-धवना-धृति छकामुवाद: (निविष्: भाष: ४ बनानाः र्षम् विल्ममानाः भू निष्मः क्षेत्र भूत्वाचिता भू निवालिएव लर्मे कार: (पता:) ट्याभीयंत्र-100/194: (ट्याभीयढं पंत्र-क्राम् भीमता धर्म्यम्) वित्रम् (भीनम्म) त्यामक्रमार् (ON DIM- SILE ME) SAMILE (1) 10 9 11 (अभ वृक्षाव्येष्रमारवान । माभूव विवस्ता भीवासा विमलान । (१) प्रार्थ ! काला (मलायम) डीकः (ढम्मीमा) धरः नव-मटेव: आरम-लाटेम: (आमाक्ते: वक्रतमर्थत:) यानेवक्रव्

(आर्यक्रमर्) क्रम्की (अभी) भूम: काहि वास्रकारि (प्रिमानि) का मुद्धा (मार्साम्बास । क्रिक लचार दिवाड्र कर् ,) दुर्देखाः (लूक्सापि-ममाजा विकामिणः) २ ए तृन्यायम- विकासनः (इक्षावनभाः छन्वः) जान (ध्रशीन् व्यान) विसाभान (क्रीकिस्थ्य यह सस विठाबार) सप्तंतिहः (सिंहिं मालमंड: मड:) वचार (वचर केता) यस सम् (क्रमंड) सिर्ध्याति छ्य (देव आद्रांषि)॥११॥ (वराज्ञवायात्र) मभाः (वाक्षितः) देशः र्थाः क्याः त्रा: ज्या वूलमी कार्याव: ह कपद्माणा: ह ज्यानिन: कींडियाः॥ ५ मा। (क्य भगानुपादन्छि। ट्लोनमामी मानकामु श्रीकृक्षाम। (प्र) कर्भावात्। (अक्का!) (प (। भाभिनः) व्यक्त (वर्षता) काल देसी मह (दिम् मळ हर) नी न व्या वंतर (स्मार) द्वार प्रका (मिन्हिन) असम्मिन्यलमः (असम्मित्यः प्रहः) जाउवामि (न्छाविलामान्) जन्छ (विस्वान्योर्ड) स्वरूपक्ष-भिक्ष-लिक्षावल्मात् (डवाल क्डा हे लक्षा भिक्षा हाकाहिका संग भिन्धावक्तः भूक्रभ्रामित्यक्षिनः तोः कात्) वात्।भागितः (सर्माम्) जामाम् कः मर्म क्रामः (वसकामः) म । म्रामा (म ट्रम्मटल्स डबडि)॥ २०॥

(लम केंद्रामार । डिवंडियी क्रीवाद्या लार) बेन्सवरं प (मिर्ना:) अवामि (कर्ममर्था) विभक्षी-निक्रिण-भक्षम-भरमात्रक् (विभक्ता बीभाग निक्रीता निभक्त गः लक्षमः अविक्रिमः जमापाल मर्गा-इरं) निमम् (रवर) धारवंड: (थारवंडि स्माक) र् , वर्षमा) ए कि अप्रमा: (इग्रंग:) क्रामिल भी म (आ वर् (ववा गार्कन वद कीयनेर) अड् (सिमप् अभ्याडि) कि त्व (विश्वे) वित्वा विति (अहि) त्म विस्था: (विकाधित!)त (त दबाडि) 11 2711 क्यामर (अम में भाष द्रांद्र वि । स्विन्धवाध्ये मार्थेन-विक्टामाएन श्रीकृष्णम (अश्री आर) रविक्रिवं! (avar! (क) रानि न: ! एवडी हि: रेप्र (म्लान्स) भाउपावी (क्रम्मक्षी) रिनि: (क्ष्रकः) लवाश्याक्रमेयशु (लवाश्याः यंग्यवाद्वाम् मद र्भाष्ट्रिश् वाहित्रम्। मेप्र् जरमनी जम्बिलारे:) कार्यामे (क्ट:) । कुस (लाम्ब अप्राप्त क लाममीम । कुस डे) प्रम-राविट क्ली- काक्नीडि: (मक्का प्रक्र (एम अम्बानवामा शादिकामा म्भा: काक नी हि: काक मी अवर्त में) य: (म्थाक) भूरमह): मान-भारा: (लाक्ट्रा:) मैं मर्बिक्यमा: (मैं मर्था: विन-यात्रा:)म्प्रांडे (द्राप्ते भणाडे)॥१८। (ला केन्द्री ने तार बाड़। अर्क के के कार कार नी बार कार माड़ सदमक् टिसम्ति। (इ) कास्याक ! (इ बामे वप्रकृत्व ;) सम्म

स्मिम्नाम (विभायमेका ल्याम्। (प्र) साम् । (सम्प्रकः। विरं) केस्मा (क्षा प्रकामि प्रायमेका ल्याम्। (प्र) सम्मान (क्षा प्रकामि प्रायमेका ल्याम्। क्षा प्रायमेका क्षा प्रायमे

स्त्रमामे (वित्ताममूका ह्यामे। (१) भ्रामे ! (भ्रामे । पृत्ताम । प्रामे प्रामे । प्रामे । प्रामे प्रामे । प्राम

(अन क्रिन्स्मारक्षि। नवक्षावल कमडी विव्हिनी भीग्री विनलि । (१) प्रार्थ ! वा प्राप्त । विद्यारिक - वर्त : (वा प्राक्ष या १ अनुर्विक -त्रमर: यन) भिन्द हिंतः (चीक्कः) ममा ने द्वाः सम हिक्दं (काला) हें लेंड १ कावं (बाष्ट्र वामं) काल्य-मेडिंकें : (गर्ममांगः) कृत्त (उति) र्चकमनः (काउनमाड्स्मः) मः अग्रमकार्मकाः (मबीत: कर्निकान एक: रेपानी १) मूल: (मिन हुन्र) पे पेरी छि (अठार्थ् मराखे)॥ अव।। (अय कपसम्पारवृति। भाष्य्रविवृतिनी काहियाय। (य) मार्थ! अवस्वारक्षेत्र (क्यम-त्याहत्मर क्षीकृष्क्रम) नुक्षावि (नुक्रम) मान पाला) मिला : (लाम मानि मिरे:) य: (कपम छिम्:) (कार्में : (इरामी :) सं लारं करत्र- लिख: (करत्र- मिनः) कृतः (अत्र-पूर्वभाषि-अस्त छा अमृकः अम्) वल्लव-वर्षः ((प्याथ- वर्ष्य अपूर्) वेषात् (क्राजांत्)॥ अत्। (अभ लायक्रमम्पार्वि। विव्यासाक्त श्रीकृकम्बार्विशि भ्याम रेळाडु। (४) प्यायक्ष्य । वैं रूट (लम्माई) प्याक्रम-माभे ज्या (त्माकूस-मम्।की- ज्ञाम ।क्षः प्रम,) क्षाः (द्मिक:) ।भ्राया ह : (म्रिंश:) मह: (व्यक्षण प्रवेष) व्यक्षिक (धाक्रम) विखामि (विवास म) एव (१ दूरा) भावेण :(ममजार) राविण: (मिण:) अव लाक) (मुक्का) अम्म (अर्थ्या) व सुवस्ति:

(मारेक:) केंन (अल्य) नयं (स्थाड़ (क्युट्राक) कृत व्याक (क्युक्ति :) वस (अअंग) ॥ १ ।॥ (इविम्लायूनाय्यंति। श्रीयार्थाः काहिए मश्री मान्तेमति।(१) मर्भेश-पालक (राजेश पालप्रं पार ;) मैं आ (म : (अ राजेशा मुख्यो अव्यक्ति) मार्वि (बावापाल व्या) यस्त्री-वहन् (mod मामिपः इस्यम्) द्रमामां (कुक्युनम् , यर) मम्या-सम्प्र स्यः लाल का लिंग-अंबरायय: (काल्रियाभये विसाम:) क्यां (DANGO) 11 94 11 (ला असम् भीमियाइबाल । ट्याकार मर्जेशं मैं प्रम् प्रमाता रासक्ती व्यक्षक विकार मार्य । (मानीप (म्मुक्तबंद) लाम लक्ष्यक्ष साम- । कुर्या कर्तान । क्रियं (लक्ष्यक) -मारा रिक्षामा क्षित्रक्षेत्र क्षेत्रकः (में बारान) मतेः (क्षिम्य क्षेत्रकः (मय-विवर रिमम् कि) हिड ह अव छ हि (हर आमन क्रिके) व्यक्ति (व्यामिक्यकित) मामनियान-ह : (ममनीजा तमन्) कें अंभी रिक्षार् (प्याल- में (पारपायार) द्राम्तिमपुर इवरेखिं (बिल्क एक्से ?) कूर्मा मा (भारे) व्या (व्यव्या वामार) आरोत: विष्यंट (मानामं गर्गाक्स्टीक्रमः)॥ गग।

विकास कर्यम् । ॥ > ० ॥

विकास कर्यम् । ॥ > ० ॥

प्रमार कः ह (लेप हल्यक) मस्यार-समारमः (मस्यारम यमः ।

स्मार कः ह (लेप हल्यक) मस्यार-समारमः (मस्यारम यमः ।

स्मार कः ह (लेप हल्यक) मस्यार-समारमः (मस्यारम यमः ।

(लस कर्यमार दुल्लीमयायाय) हाल्यम-स्मारमः (हल्यमायाय)

क्यानु स (साल)॥ २० >॥

(प्रकासमार्कीय क्ष्मित्रामा मिळ्याः) रे द्रीत संस्थार (स्पर्य)

सम्मान शिक्टं अनुक्रं (क्ष्मित्रीत क्ष्मित्रीन क्ष्मित्राच क्ष्मित्रच क्ष्मित्रच

(एम स्मिम्मा प्रवृति। इत त्यावित्र मृत्यं भी लाइतः विस्था वित्र व

सा कामड् (अयाने मंद्र सा केंक् । लाकुर्ड) असी (यत) दुर्ब द्रि ((क्यात्राक) हेमत्र मूर्लं (त्यावक्षत्र मिम्स) अने कृष्टि अक्षानि । अंक: (विम्हानाम-भावेष्ठः) अवः मणः (त्रमः) वार्मक् (कलपः) नामक काम्यूक (इस सर् :) मक्व (कार्यार) दुस्माव (ans 603) 11 >0211 (लम विर्वे वसे सारवेति। रेसा माल्मेमी मक्ष्य रेखाकमार । एक हारि!) जासू वर्षात्र अनेकक् प्रकामाए (विष्यु प्रविक्त वर्गाष्ट्र महारा) (मालाभंगा के प्रार्थ वर्ष प्राचीलिंग (प्राचीलिंग प्राचीन) भा विष्यु ह जमकं टमा छार (जमा अक्रामाडार) मीक्रा (इस्म) द्वीता (माक्ना) देव द्वार (मायर) व्यत् समाद (प्रमास् विलीमा वर्ष)॥ २०७॥ (अभ वमसम्पादन्छ। काहिए विवृद्धिकात्र। ११) आर्थ। यथ (धमाप) भामे बृष्ट् (ममन-प्रमूप:) वृषायम- कृष- मन्सा (उपायम्सामा कून प्रकारी मानास (क्यावनामे कि: कूटेन: जमाना नी कमानीन-अदिन: यह सम्हा) सन्ताम्बर् (इवायहर) अहर (क्रम्पर) था। (वर्षमा) ह्याम अव्यवकः (अव्माद्या २०कः। निर्वाचितकः * असे में के के हैं। (विश्व निष्टें) महित किया (CREAS 12 W) 3 11 >0811

(जाम अने में में में देवाला । का हम विवेदियी अवेम विश्वाला । (द) काला । क्र-मत्रा: या भाक कनर्यामार् देख्यान बासा भाव मा) अकारिक-बंगावानाकमार्थमा (अकारिक अका मिक बंगायनमा) देक दुक्रमर सार्विय र गांग सा) इत्यं : (व्यक्तिमा) में ब्र द्वा अवर स (यम) देखि (रिक्स) ज्या कर् (ज्या प के) सिमिज (2131)1120011 (लाम अंस् में बार में में में में में में में में हा है। यि आशा क्यम में मुंबार मां में में का याद्र । (र) वाकाम वीरक्ष मान । (लिन हत्र वरत !) वाकाम कर्छ : (लून हमः) अर्थे म लाल रेसाहिया था व्याप्त क्या न क्या न का का न उसार्मि (लाक्षकानाम) इहि० (पृत्रीकर्ष्) लाखः (सम्माः) म लक्ष (लक: भः) वस क्षक स्वास्त्र- ह्यान (क्रम मक्षामक-गानान) हेन्छानि (अभाषानि) जानि (अमक्षाने जम्माने क्राइ वराव (क्रिम अक्सार्वन इर्ड् आरटा दवक)॥ ४० ७॥ (थर मक्तरम्मा द्वाछ। वियमका श्रीकारी विमलि।(र) म्याख्यातका ! (अरमाख्यम् कामम् प्रामक्षम् ! 🕿) हक्तानित ! (समय-अवन । वर) अभीम (भर अ वि अमत्या दव। (व) पार्कन ! (मार्किन प्रता मियां निक मयता है साम क्ष्राम) गामणार (व्यक्ताक्रम):) मुक्क (मानेक) मा । (य) ममद्रमार्थ! (यर) भरेः

(अपुकायक) मास्यक (मार्थक) मार अव: (कार्य) प्रकृति (कार्यान अम्मार सम) साम् प्रवं: (सम्मार्ग) विष्य क्राम्य (सामार्गिक) मः) (लक्ष मार्थात्र । क्षेत्र का का का का र । त्र) मार्थ । यमार्थ ॥ >००॥ (अमलामाल वर्षाती देन्न्यः) अक्षान-भूक्षात् (लालव्यतीयः) भारतम भाग (भर) संग्रम सामा (इर्म व्यती) छात्रका (महा । वर्षामू क्रमागमर मृद्धी भानिती मार्थाता अठः इर्भान धानम-सर् मा रेका में। किक नामार)कम म-क्सि विकिशीयमा (बिश्वामिक्टा) सम् (भर) हाठकावनी (छाठकालान कि) मधाना (लालीना मितानी एक प्रमूक्ष विश्व मिका माछा ज्या सारकामार् समारायक काछ:)॥ >०৮॥ काम- नदार (श्रुक् जिस्नाए मक्किन गामित निर्मा अमलं ्पश्चात्र-ममाममः देखान लम्बाद्याटलकार) म्यीर आष्मिन (अभीत्) प्रश्री सर: (मभीतश् (प्रर:) रवं: (ट्यार):) हिजीअतः (प्रठः)॥ २०२।। (वर्षाप्रवेष्यं। संकामके हा. समग्रीसार) गाहिका प्रवः (कार्य) डाहुं : (मुक्किं) लाक्क्र) (है भीर) डक्ट : (के राप ते :) हिंग (छटांन) भदः (स्रः स्रः) भक्तत्ववित्रा (भक्तत्र भक्त-सिवास्वर लक्ष्य : वितास मार्गः आ एक) लर्डि (अंडेड) न्तिक में सुर एम्स्टर (बर् अब् म्रम (मार) विरं व (मकामुख साह) हल में गळ्या (हक्ष्यं मन्याह) न्याहि (अक्रक) ।।०८८।। (मिलिम्यामानक म्यात्रक। प्रायमान छात्र

(अम अम्लासामार) विवृद्धिः अमङ्गमाः जमा वन देशामनाविभः (दुन्नित्रचं- यदं त्थका:) याष्ट्रका: E इन्ह स्मिश्चा (त्रकाकं त्रतंत्र) लाह्य धमुखायाः जू नाविकीरिकाः (व्याकाः)॥ ॥ (वस लयक्षेत्रंगराह) वासार (अक्क त्यनंभागं) त्याया काटन (त्यमि अक्ति) प्रक्ति। (प्रक्ति डात्म) अडिनियमड: (आमल्टर्टा:)मञ्चला: (वीक्क्रमम्।किटिकोण डार्विनामासु ० हिन्दं अदे ं वसाक्तावा:)लाहिका: पुरंगार्क: व लयक्षीया: (बाबाममं :) द्रमंति (आविद्वादि)॥२॥ (काम बिछका सम्म्रीष्ठ) कन (अमक्षातम्) छाप: शय: ह ट्रमा ह (इ. ह) चर्मः लक्ष्यः (लक्ष्याव्यः लयक्ष्यंः) त्याक्षः ॥०॥ टमाला, कार्डि: ह मी छि: ह मार्चुर्में ह अमस्वा केतर्में ्रिक्ट इं कि च दि मह वर लाम क्या : (लयही का :) की : (लियं :) 1811 भीता विताम: विक्टिडि: विश्व : किन-किक्किए स्मार्गिष्ठ् कू दे । प्रेंडिं विरक्षाकः नामिछ् ज्या विक्षं ह दे वि प्रम बायार् (म्मेक विमानायरं) महत्वार: (लपक्षेत्राः) ।पुक्ताः ॥ ७॥ (उस जायभार) दे क्यात (म्अता वं विमा वे वे विमामने) लाटव (म्हामिन लाटव) आपूर्वावर् नेकावि (आधूर्वाव मावे) अव नि किका नापाक (लोग खन् दम् द्वा कम्म में अवमा खना व व विका शित) एक (मा) अभस-विक्ति (कां माभी लाई व वेषाः समास मः कल्ने (आकार्य दव: यः) लाव: (मृक्षिति)॥ ।॥

(क्य वाहीतिकक् नमने वरम्नाति) विकृत्तः (विकायमा) कापरी (मून्द्र-ल्क्ष-म्म्त-व्रक्ष) मिल (आमे) हिसमा अविकृति: (यर सिक्यां वेद वेद) अवडं (वेष धन: मान्यां के के के मह मह महिल) व क (काभीर मिछ) बीलमा आदि विकायवर (भा वर्षा व्येता विकाय-कारंप सकाल लानाक्रें सम्भाष्ये वास्कास्त्रीक्ष विभावता दिसह-दिस-स्मिन मा लामु दिका : टमा मा) लामा विक्ति (क्रिक प्रमाना ध्याक्षा हिमानसभगी विकृष्टि: त्र:) डाव: (८६) (७) ॥ १॥ (उप्पारवर्गः। काहिर अभी कालक्षाल क्षर्माणारेनलारेववडी अमृत्यवाम् मामणीय थ्लाव । (१) मार्थ ! विषू : (७४ मनक्मा) (पाइक (त्या हानं प्रकास) क्रीक (ब्रिमास) के में लिए (मैं क्षा त्याहा-सर्मात्य) भारत्ववात व्यं (व्यंत्) सर्मन्तर् (कृत्रं) व्यक् र्केर ८० (२४) सर : स्रायपं (स्तक्ष्य)) म लक्षार (म मान्या इसामुः) रेखावित्र सर्वेत्य (मार्कि) वं : (लमकात्र) मेरा (इरमेर) विश्वार्व (मार्व) किः (कमः) ध्यमः (तम्त्रमा) ध्याल्यातात् (आत्मानमार हाक्रमापिछ)र्थः) क्रानि-कृष्मूमः (क्राली अवउर्भिन् (अक्टिक्षमधाक) इन्यु प्रवं (मुट्याद्वमसं) लार्देव (लार अग्रस्तिकारवा नग्रहाक्रिकेट हाय-भक्ष नेम्)॥ ४॥ (ला रावमार) भी वार्षिक मर्नेक: (भी वार्ग : वित्रेक कर्माविष्मत्र : ७९ मर्भू छः, किया) क्रांत्यापि विकास क् ९ क्रिंत्यापी नार्विकामः

म्छा-धूर्रमापि- विज्ञाम : जळानक : , किक) छात्राए (म्म हाक्र नामान-में छार दाबार प्रकालार) अमर सकाम: (व्याहान विवादा विकास भेमए दिन: जका ला गमा म: , अर्हक्या:) म: हाव: देखि क्रकाटि ॥१॥ (वर्षाठवेष्यं। न्यास्य कार्यक्षमार । (क) साष्ट्र-शिलकार् । (माहि यकी क्ष: मुहिक: समु छार् मीक: कर्ला थंगा वर्त्रामाध्यम्। (द) (भी वाकि ! co (बव) प्रचाति : (ममन-ब्राप्तः) भू भने न (र्म्या हलते) केल्य-वडी (मक्ताहिकार अरक सावट्राह) क्रम्य खाड लास्त्रीत (क्रम्य कार्य प्रत्येत लाह्ये मारात । क्रिक) क्य-ब सुनी (क्य-ला) प्रमाक (असर) विकासिका (मणी) म्लान (मरान । वय कारंप मार) लय छाट (मम्मानीरं) मैमनमारं (यायतीयाम वाक सेम्बीयाः) द्यायक: (य्थात्रक: भाक यत्त्रः) यम जित्वर्षकः (समस्य । कुर्द मामार कामार (वन जिम: क्वाक्य: जर्म क्रीमार अला वम (मय जिमें मामार बामार वर्षा वर्षः) स्पत्तः (रस दः काम निक्र कि विद्यः (व्यात्म) अप्टें (गक्ष. रंग्य भावमा) व्याप मार्थेड (कार्यह्ट: वसात्मयः सम्पर्माम्मान) र:)॥ २०॥ (कार (प्रमासार) दाव: वन गढ: (अविकृषे: ज्या) मुभावमृद्द: (मन्) ट्रमा व्यव ॥ >>॥

(अमेराइयेख । बिमामा आयासामार । (इ) माम । त्वरम्न केल (सिंह) Ca (२३) इक: क्रिक्ट जाहावर (क्सावर काममधी मानुसकारवर् प्र (का से वर्ष) में खिल- के हर (के हरांग : का से ये प्र में के अहर वर कि बम्मर (मूमर्) छिट्याविकि आश्रर (छितः बम्प्यम भारतमा विकिट्स कार्भनी भन उर , जला) भूम किउ काला मर् (भूमाकिएने कालातो मर्डिं मा वर वमा लाख्यर किक) बाग्यर सम्मत्काक (काकी समामम्म) जिमार्स् सिवामिहरे (जिसन ल्या निवं लाकक । महरे बमन भम वर उम्राक्तम्) थाने (अक्वर्। अक्षु १) ब्राम् : क्ष्म कार्या : (अनवशानः मा कुके) प्रत्य (बामकाल) अनंकनं उक्षयः हर्ने (ब्राह । एवर माक्री अफल्म भक्षमानाकिः मृष्ठ भी भूतिना छित्र (न्छ) ।। > ।। (लग लगतेखरी लगकारं में मनाव: ट्याकामार) में अरव्याप्ती: (क्रमक त्लाम : क्रामिडिः) १० वर्णाविष्य में (वर्णामण विलासने स्वर् मार (हरिर) मा लाका (रेक्ट्रकार)॥>०॥ (क्षेत्रवन्तं। स्थिकित्वा स्थाममामामामा) बाव: (अलाद) केन्द्र देम् मीर्न काकी (देम मेराका द- मर्म) विभाग बका में नि- किमनिमः (क्ट वर्गण्याने-अमर्थः) मीललाभाव् (क्रम्-नाभाव्) र्या उठाछ- दवगा (मठा ग्राय) निकामकी (गर्मकिन) मर (राष्ट्राके (क्का त्राला) व्यक्त मू उनर् (व्यक्त म्रानिष्ट) (वर्तीर करही (ह मडी) मा कारड (हिल) नमा (आवक्षा अख्वर) भा देगई अमे (देमनीय)

ला भन् याद्र: (मायाम् याद्रात्म अर्) माद्र लामागी (मायम्हिकोत्रः) ॥ 28॥ (का आद्रिया) भसामामाम्याना (प्रमामा कम्म कम्मामा कम्मामा र्का देख्यमा सरी) (लाटा यम मार्ड : (हाड) व्यामाण (क्रावेषा) ॥ २०॥ (वर्षेत्राद्वम् अम्म्लेश्व । चार्षकः भवत्रातः । ८४ अला। अर्थाव-मर्देत-सेश्वः (कर्छो महात्म महुंग मीतुन्योत: आ) लय लाम (अर्डीहैं ने-मृद्धिराके)देमका के निय-भवनकी त्मभ्य (देमका : ma दिवा : क्रंप्स: अक्ष्म प्रा मानकी: (लाहा क्रमें ट्रिंग्स क्रिंग्स) गारं (अम्प्राहर) लामां का का - (मध्य त्या) ' क्य लाज (करीत मणाने) अमा (अर्थूना) मन्- प्रमन-विश्विष् : (ढेळ म- कन्न भी निमारि :) क्रमांचा (सम्भा) दुर्गंद ग्राह्म (स (सम) अर्तंद के अध् (लार्येश अञ्च) सम्मेल (इस्मेल)॥ अवा > ०॥ (लम सी हिस्तर) कार्ड : नव बट्ण-टलाम-एम-कास-छ नेगिरेडि: (रम्म त्या : मासामम एमम कामम रामम रामम डेमीलिका एक (मह) काली मान माला (दिवर करा) मीलि: १ ००० (क्या १) वावरी (वर्षेयारचेत्रमें। केलसक्तिंधी समग्रीसपर । (र माग्र ;) भिग्रीय किन-का: (नित्रीमाणा: निजावालान मूजार्गकाणा: तिजारंग: भी: (लाका यत्रा: या) अहरू मभी बाहमधका भेजी क स्वया श्रु: (अहिट्टिन अहल्या मिरीवादन शक् वा सन्धन्यिक सम्मन

मिलीकर ति: लामर पका भारतका भीजर वित्त की क्वर व्यक्त ख लस्याहे मना: अर)कद्रममश्राद्याल्यमकृत्र (क्रेज मामल अध्यसम शार्वने डेक्ट्रान्ते कृति थानाः मा)कानी किन्ने किनीरिनिक-उटि (मानेत: हमा) क्विति । किमीनिवंद हिलिक् विदेशान -ट्राला मा) काम्रेन) मिट्ट ट्रि कि काम्री (कि कार्न करमने इविश्व (वाक्रिसाम कार्य मार अप) किट्यायी अप वर्षा श्रिमनार्भ (की कृष्णभ) हिल्ड) अमंत्रिक् (काप्र) निर्दा 119011 (MASSIFERED) (अय अर्थे अर्थ) अर्थायम् मू टब्लेगाए (कव-लपापि-विमाम-अल्बामार कानासमूर) महत्त्व (सम्प्रमाबुक्ष) सम्मिन भार (ECTS) 1170) 11 (जनमार्वनार । वाजियमु वी मृदाद समग्री मर्भग्रि । (र मार्थ !) अटमाडी भर (राम क्रींक ट् एडी भर ममाड राम की (एड) में :) भरमाडी भर (राम क्रींक ट् एडी भर ममाड राम की (एड) में :) भारत है भर क्रींक ट्रिक कर कर कर कर के स्थाप कर कर कर के असव) (पाक्र न) कवं (ज्या) निव (क्या नेगर (ख्या निक्यादाला) अकर (यार करक) इसा (भरमाण) वर्षे विश्वासिक करा (बामें वक्क नक्ष मधाला विके। हिल् विगोरिं अल ना नार नार क्या) मम्बन दिनं अंशमन (मम्बन् भेम दिन : अंभि यक्ती क व की की है यह का कि की की मार (भियः) पर्यामा (क नेपन् मही ह अने) मूद: (निव्हारः) व लि (आनि मा) ॥ २०॥

(लग अमर्शियात) रेट्यु: (प्रशाह:) अटमारवात (यसे Givens) थि: अवे कें (अवेगवाह्कार) समस्ता दुका ॥ रं ।।। (क्रमाप्र केम् । रेम्म नार) रकान क्रमान (क्रम न श्रीतानार) अश्वीप्टार (एमचार) भवा (काला 'वद्या) यम- मभाव्यामिया (ब्यामार त्रिमार मामाक लाल्न म्हार्क आताम कामाक-कर्न केल्य देला) या दिला यह आविक्या रेव (वामायह) डिर्मिश्च (स्थामनेश लागाने) (केन डार्ने: (म्राह्म) लाक पार विश्वित (अव्यात) म्या (काक) ॥ 55॥ (अम केराक्त्रमार) वृक्षः सर्वायक्शभवन् विनयन् केराकः आयः ॥ २०॥ (वर्षायन्त्रं । त्युक्ता सर्वत्यमार । त्र अत्म ।) वन्ताः (हजाबनाः) मन्तारह (समकारह) का व्यक्त अवना-निकी (मान्सामा मिकी ।केटि:)मानिमाछ (निविधी, ७३४) यह मि (बाट्य) विन द्वन (अप) विकास त्रायकशी (प्रप्राणिविकार) ह माबादमी (निवामर कृष्यणी, किस्न) आरो (अम् विकर्ण) क्रमार (वयन:) मध्या: (भोववब्राक्ष:) धवान (काड:) हा भूगे (भोग्रेन) १ (धान क्रमा) १) वय क्रमि (क्रम्माउ०) ममू (क्यक्) के के कृत (क्यक्य माराख भिवाक माराजाह,) 115811 (कर्राक्ष्रक । त्याति हर्क्ष्य स्थात्र कार) द्वि : (म्यक्षिकः) कृष्टक: थानि व्याप्राञ्चन प्रवि: (अम्र देखाना अमीका राष्ट्रिं राष्ट्रित्या भः) लाल म्लब्सिमः (मानः मन्तः

खिसमं असे मः) लक्ष्म लाह्लामा (क्षाप्रमार) हं काम्पु: (क्का) लान के आ- या गृहाह: (एमा- यामनः) लान लाय:-अष्ट: (विद्या किए:) धार्म २९ (माम्न हुन् (युन्म्नी?) म आवार्ति (म विद्यानि, ७९) रेप १ धरा अव समाह्न-पूर्विष्-में के ने मारा के विकार के में विक्र भाग तिय में के में में ox) अन्म विष् द्वि)॥ २७॥ (लग दिस्यार) मा हिंदा (लाय सम्प्री) मा ए दिवायाद: (हिल्मा हेव्हर्वविलयः) जव कू त्ये की की की कि विकास (जन्मार्वाछ । भी गरी ववद्रामार । ता) भार्थ ! तो दी (अवमः) नाममभूष्यः (अव्यः) अमामीमध्या वर्षा । क्रम्म: (ज्यात्रामात्र) मा ई: हवं हमा नवीवं ग्राह्न सम्में माने क्या अर्थ) हानु (सार सार) अड सर सार (यद्माम भाग) कामर (ग्राह्रः) काण्ये (धिस्म में वेर) oum des (munia) 194 (ne) (eg: (120) जित्ते हो: खितं (अवसाम्रात) ०३ (श्रिमं क्यासमम्बद्धं) समानि समानि (कार्यनार्वे कमानीकार्यः) क्रमेश (क्रमेकामकार्वे माडिख्वार थान-(पाडिम्यामान) मनिष्पामात्रः (यम्मेन्स त्यमा यह मामाः (अद्भेत् १६६) म श्रामा (म लियमियो छ) 112911

(लग मकावधार्वे लमसार्वे भीमाकं लमपदी नंस्पर) विका: (प्रत्मारेतः) त्यथाकेगामिकिः (त्यमक किमा ह क्सासिडि:) जिलारक्षेत्र (जिला क्रीकिक के तर कर्य-कम् न १ वर) भीता (रेखि क 20 रव)।। २ १०। (कर्माठ चेष्य । अवायात्वा क्रास्त्रिक माना है। (४) में क्रापुन । (इर) लागे विशे लयं केंकः (त्याह्र) गुनु (दुका) अवसा (अमा (अराविका) ह साय व कार्याहे (सायकारेन रेखा) के स्वा भी अन- अस्त्र (भी अना मा अस्त्र मा बडिं भावकवर्) धामस (१ श्रीववकी)॥ २ गा। (द्रमारवमाधिकारं । यदिलक्षित्री सम्मासार)धंसमर्घत द्रा (संभरत्य केंद्रियम केंद्र एक्। याजामें (मन्तर्भ राजा या) भुव क्षित्यनं स्थातः (भुवे क्षित्यन वायः नमीः मा) इ किंद लोगी ली अवादिक सहिवाली भी लिस खार बाद वी मी ला लामा (काष्ट्रिं: मलार्द्यः लिकाम्मेमे अद्भः धर्मे वे दि : लाबकः बहितः वास्त्रिमानामाः हैताबस्य र राजा भा) लाई सि (क्रिक) लर्ब (उसं मार सारकार) निर्वाहित (स्थामकं) मंदल (टबर्न) दुन क्षाम्न की (अयन्ति) कुछ सर्विल (वका (कुछ: अर्बिला: क्री मुक्त्र) (वासर nin ou) enough (enough) sign (Figur) out (300)11 0011

(यथ विनाममार) विगममंगर (विगमा ममार काममानः) लाकि-मानामना गीनाए (लाकि: लमन् मानए।मिकि: आमनः केलदममः जनानीमार्) मुभरनजामिकभीमार् (मूभरनजामि-मह- किंग मर्) वार काप्तकर (जिंत अल्प वंसे का प्र च व नक्षामानित्र में:) द्यालकी व विनाम : (क्या (क्या (क्या (बर्माद्वन्त्रं। लाहुआक्त्रामी कार ची कं कुर ची के काएक बाल के केक्युक् शुक्र कार 1 (र) सर्वे व राष्ट्र । लगराव (क्युकिए) भूग : (((क्रा) भूगां (क्रामि क्षां अ अ व व) क्रम (क्रम राष्ट्रमा) नामिका- मिभा अभिष्ठ- एमे कि लान्न प्रत- किल्यन (गामकार्गः । जुमार्गः वाय हाय माम्बर्म स्माहिकमा डेन्नम-केष्यम डेन्नमम्लाम)।भ्रेष्ट् (अल्यामर्) क्र ने र सि (आ वृद्या मि , किक) यमाक् (भेकर) धाले देवाला (आर्विष्ण) जब मत्र मृष्टिः (मत्रामाए कार्तिः) मुक्काकेव्र-टकोम्पी-भार्ष् वी: (भूशाविष्ते मा द्यामा कोम्भा: लारुआगा: माइनी भागमं के) लिख्न (भीम) भिनामि (चिन्छ-23) 11 0211 (द्रणारं भाष्टं मार्ग । त्याद्र भाग्यायाकारं म्या व्यक्तं रे या स्परं। Cx) ज्वाके! (Cx कुलागाकां!) धान (धाक्रीन) कपश्च- निकार (कप्रमु- एक अधील) शिला-कृतिन-भूमी (विश्वन- खनम-क्षित्र) विकासीन् (वर्षेत्र्क) निर्वाक्षान्) वर्ष

लाहीरवस-कमावर (लामवामयन्त्र, न्याविक) में वः (लाम) iezus (cyasus) oucusiau: (nacusiau;) उव द्वाममूज- म्यानश्वी-मायने निमानित : (द्वाममूज्य) रक्ष भरती १० में सर भरती माध्य भरक के प्रिमानिक र नीमं ट्रिम् ले:) म्क- ज्यां के - डिंग : (त्यल - विसामाहि-क्रांत:) ए स्था (अम्बा) भारत्य (गर्मेया) अम्पारिक (MOINTER 3-4(34 AD) 16 50 30 11 00 M (प्र मिलिडिमार) धानुष (किकिर) पान प्रकन्नकन्ता (यय-वहना) कारि-लाय कु (कारह: क्षिकार्यनी अली) बिक्रिडे: (३15 क्माल)॥ ७८॥ (वर्माप्रचेष्रा है।रेसा मान्युम्पास्य) में केस- एव:-अस्मित्र (की क्किडियम अस्कर) भारतकाकीएम (ग्रं नक्शबादिन)क्राव्यं निर्वादिन (क्रिंग्ड्यं रेखिन हित्य) प्राप्त (प्राप्तिय) लाक त्याप्ति (लाम लाय) शक्र-सम्मास्त्रक (म्यानास्त्र मैमलमा) द्र-समाम 1001 (CMNSILOWARS 4 4 4) 11001) ्रियार बना विकास । त्या स्था में त्या बेश विकार वर्गणि) करे मूनावना द्विमा (करे। मुख मून प्रश्नामा) मन्धाक्षका कामीना (स्मूबाण- प्रकामिएन) आसनम्बर्

(कामनानि कामना वर प्रामि उद्यानि कार्याने वलीय स्वर्ध अभावात प्रय (वर) नार्ष्य (वर) गर्थ अस्तर (mis of 1054 Total) sind (changonio ous) 110011 (किया की या विविद्धि में के भाउन शार) विया गति (अपकर्ष अभवादि मार्) वन्त्रीतिः (डेडमार्भनाडिः क्वीर्ड:) अभी प्रभूष (प्रभा ध्राप्) देव प्रक्रमार् (लमहाना मार्) (अस्माय तन (भ्रम्) य का ला मत्र यह भागा था) शाने: (आवसे अम) विकि हैं : (हत्यर) शेन (करून (अडिल कराडि)॥ ७१॥ (बर्माडबेपुर्णा त्रामुत्री च्या के का विकार अरुएड । क्सामु !) प्रदिशं (मेरवराई) मेसाई (क्यार) स्थार (क्या) निहिल (अलिए) अलि (वस्य-यूग्निक क्षेत्र (इह द्यार लाएन ' किक) क द्रावर (प्रदे ?) मार्डे गमा (बिशाय) व्यक्तिक (बिमास) व्यक्तिन) इवः (लसार) कब्राठ चर्यात (एएएत । ८४) भेट्य । मैक्स्वम (मैक्श्वमित्रीमा) के क देवाने में प्रिक्रमा (केक द्वम्मी केकमत्म) नाक मुक्क संत्रा कारकम में कि (अस्ति) में बित बे के प्रश्ने के प्रश्निक के अमेरिक) CH (स्ट्रा) सन : सनाक (कोक्ष) (कार्य- क्कार (कार्कार्डकार) प विकार् (म क्ष्मिंग्रह)।। विकार ००।।

(लक दिस्तार) बसे हता ह (व्यान्य (व्यान्य क्षान) यमगादामा अमे मार (कारणावामा दिक कार को कार्यात सकी है) इंडिसामीरि-लें मार्साम डिलासें : (अंड सामीरिया ई है मामार लयक्षावाप्र सामग्रिक्स:) विस्ता: (क्यार)॥ ज्या। (वर्षात्रं पर । भाजवा सी वादाहारा । (य यात्र ।) वैमा-शमिल्ला अवि (शमिल्ला) तकम अटन् : दे आवे) नीलव्यू विष्टः (क्रेम्परीमर्गनेमगः) हातः आएमलाः (विम्नुसः किक) कि १- के सित्रा: (स्मर्भात) के यथ रा त्या प्रकार -प्रमूत्र वाहिण:) मर्डक: (किल्लाहिण क्षात्र) विका छ: (बिक्र) कार्य व्यक्ष में हाल्डि (बिमिख्य जिम) ट्राम्य देगाः (समस्यात) कर्मिका विमित्रिका (सिम्हा) कर्भाव: (म्येक्स) महम्मयम्प्रह्माह्यार (त्यहमाद म: अमेर: वैंस एएए आग्रंड विंग) स्थंड क्रिकेश (इन्ड) धरा (थर् निकितामि) ॥ १६॥ (gestägitein) miss: (mais: 21022 Cours);) लिया ड): (लामामू लालार कू वर्गाना: , कालहत) अमृत्यक्त : (भाग्यशान्त्र विद्याताः) कान्ड (कान्डिए) (नाहत र धन्त्रकाः (नमनमूल्य धन्त्रनाय वान्तर्माः)

कान्देर गण्य वसाद्वेशः (विष्णियुन्वसम-द्यमाः सक्:) र्कारिक (मुर्क क्राभीक) नर : (प्रवा:)॥ 89 ॥ (डिस्म्म) तहादि अभ्यामा) विस्थिम) (यमाद्वार) लाभ काइस्र (खिन्स) (अवागार (बाइ के कार्य (वस-रियामानिक लागामिकारः) वायाला तकार (वायाकारः कार्टमकाम हत्मकार वार्मिकार कार्याः यर)व्यमान-नमन् (धनादव: प्रः) विश्वधः भगर् शेष्ठिककम (का मुटे उमक:) लामाडि (कम मेट्र) 118511 (वर्तारवंत्र । म्याना का कि का मार । (प्र) (प्राप्ता । वर समा कवरी-वक्षार्श (कल्लाल-विव्हनार्थ) किं न अन्ति : (भार्यकः) अपि (विन भार्यक रेक्ना: १ लक:) वन ट्यालान (कमनी-नय संगासन) लम्द (विविश्व मु , पण:) हिंदून- एसामः (कम्मनाने:) धवकः (वक्ष-विद्यः सत्) वव ८४ (४४) भूदः (अविः) त्या थे (सम्मेश्रेश्यः कि लग) यक्या (सम्मा) व्यव-माळ्य मर् म केक (त्व:) मार् (मार्ट) ममास (त्यस्व मरं) (त्र (त्र) (बाहात (मृष्ट्र का बाजीको मु: े किक) भाष्त्र: (वसाम)-अक्ष्यान) य द्रव्ध संग (भिष्मे देस्पृत्ये य कार्य में में) शहा अर्थ : (शहरू) दियम (क्रियम) CME, (भीक्र) लामा (नामा) ॥ ४०॥

(अम किनाकिकिकार) र्याप (ट्राका:) नर्या दिनाय-कृषिक-श्रिवार्रिंग- कत्रके हार (अक्ष्यक व्यक्ष्यक के मुक्ट (बाह्यक भित्र मन्य असम् लार्सिंग ह द्याक में एक लाक्सा)सह थी-कंत्र (सिम्पर मामप काकर्रामुकामः) क्याका केव . देकारक ॥ ८८॥ (वर्षारवृति । अक्रिकः स्वमकार । ८० साम !) समा ब्या कि चेर के (ब्या द जी कि नच वर तथा माडिया) खित-मरहवी- त्याहत-लाश (थिएत्रभीतार् पृष्टि लाहत्व) वाथा-केट में केम दंग : (येक्स मंग : क्षेत्र कर नंथ :) त्रमार्थ (वण्ड रूपा) भगने कलत्न मुट्ड (निहिट्ड मार्ड) देवक्यां क-टिए (केप काम जामिकम क्या : Cour 6 केर यम 69, (किक) अवसक्त (अयकतक्ष) लाममाह (क्रियेक करा स्तर्) यातिष्ट् (बिकिए भवाव्यः)। श्रीष-इ-पिष-कास-मुनि (।भीष-क्रिकालाए कासा व्यानीया न्यानियमा वर्) and: (म्यानाः) में अर (लड्ड) ला : (क्रमां) श्रवाति (हिस्माति)॥ ४०॥ (दिनारवंभा द्वारां । कारां निक्ता वार्मक माना मानी वार्गाला नामक मे छि। तर बार्यका: !) भाष (बम कार्य (अध्यक्षण्न) केस्थानाः (ध्रिवाक्किनाः) केक्रानाः

M.इ. ट्यांब्रकंश (ल.इ. ल.ह.) वेदं ट्यादंग रथा रामरेत: क्यो हाय: ला : Caraal eru) दुब्बाया (क्रकाम वड्डी) बनकर का की म लक्षाकु वा (बन की न गाकी नमने गालभी मळी मूर् (यन त्या सेर लड़े ग्रीन वेयाप तथा: या) क्रिक्ट आद्रीमिलाक्ष्या (माइडार्स क्षेत्रव कार्यम्) वामकावाद-मिका (राम्रका द्रिम्या काम्यिक) में : (लामकार) थ्रामुका (सहित्र काका) भई व - गार्ले य- वार्षाक का (रह्म कं तम माडम पालम पालम क्या कर अंग करी। शका हमा उद्याश क्याकी) किस कि कि छ - स्वाकिती (किस कि कि छ प्रय के बर्ड अमा कार- में से दे के किया में में कार कार में में में कार अम्पेर अवविलयः वन्ती) मृद्धिः (त्यार्) वः (म्याकर्) मिनं (सम्बद्) सिनंह (कटबाक) ॥ १०॥ (अभ आहेगांगेकतार) का समान न नार्वा (का हम मान्ते बाकारने जन्वाकारि नाटक ह)क्रिन (हिल्) जहाब-छावकः (उद्दाव: क्रायी छाव: बावि: जम) छावछ: हादमाठः) पहि-मक्सा (कार-आहिवान्तामा: यर) बारहो (बार्नेश्व : वर) सादेगमंकर (इन्ड) दिमीया (क्या क्या व) 118911 (वर्षाप्रत्ना । वसा की किकामां दि) सावासेय । मार् आनि हि: (मनी हि:) अन् (मका भरे) भूकी (जिल्लामेन) लाम भारती (क्यामा प्राणिका) रामा क्रम-बीवार (क्याकरवं १०) र साट (र कम्पात) करां (बाभुमं काट्य) बराह: (ल्यानुड:) धार्दिश्य (हर्वेशवरंत) वरमतः (वर्भा लक्ष) वत्र कथा (क्यम्मान् राका) नम्ला (क्यन्त्रा) विस्त्राकी (क्रम्बन या जायी) क्षेत्र (क्षेत्रकाय) व्यह (क्रेक्ष) क्षेत्रकी ब्राम्भन-वपना एकाला (भेवन विश्वासक-म्भक्तान मजी) प्रकु: (त्यमाकि:) में मार (प्रकामवार) कथ स- विनर (कप्तमा लाखाः) विक् बिकवने (धन् क्ववने) 118611 (अम क्रोकिकमार (अम क्रुं मिणमार) स्तानिवादि-अरान (काड कर्न - समान्याद-मार्त मान) सर्माले (सरममा) ठम भीरको बालागासाल) महासाद (aca:)गामिक वर (माम्बाया मेन यः) महिः त्यानः (महिः त्यान प्रयामः जर्) विद्वा केरे विके दिवाक से 118011 (ज्यार्वाव । अहर अमारिका की वादा भरवाम महिला-भामड मुर्किक सार । (४) लग्न दे । इह । (लाक : हैं) करने का छा १ (कर्मा के का छ देशी-माराल आयार मिछारे) म्मां (विवावमं भवः) (म (भम) कववी (कनवारः) विधिटेख (भिनिन्नी उपा) मुक्त (वसन्) ह नाक्रिक (मान की जार्थ:) जब विश्वमिष्टः (श्रामः) धाराः

(स्वंत्रते। १४) भिष्यां वैं सम्पर् (सक्कार व्यव्यः) व्यवमार्ड (कारा वर) किं कर्ड व्यवसः (क्युरिकः लास) नाता (लाइड कर) जात जाता जाता (मही) आरोहें क्षेत्र लाज (अयर) खिल्य (यह)।। ७०।। (द्मारवंग्र व्या । म्या के कः कार्याहर वंदः वाकार म्याक्र करक प्रीयार । (र) यमान । (वं) क्या वं प काट्यं (क- क्यु म कुक) इसु (किया निशंतव ७० अस कवा) म वव किय (म मूद्र मृद्र निकिय) क्लेकिकमाउ (क्रेकिको प्रमिक्क माख्ये मत्त करे) दृष्टं बकें (सेम्) १ म काश्च (काम लार्षे) लाम मर्मूमन: (मल्यात्र नमन:)मर्द्र जन वर्षन-नम्-बाद (लक्ष्य-असल म्रेश्चर्य मेर्स) सर्वान भीवा स्थान (THE OME DIN) 11 6 > 11 (ध्य विट्याक्यार) गर्व- बागाणार् (गर्वन बातन ह ट्यूना) रेट्ये (माउर्गामण-यम्नी काट्ड वा) थाने (य:) थानामवः (मः) विद्याकः म्याप (उत्पर्)॥ ७२॥ (ज्य मर्कार्षक दे विकाक मुमार वृति। भूक्षमय हिन्नी क्रमान्धेदी केवणनंषाणार रेंद्रामालने क्रोहर । (इ साम ।) लाह-बासा (अवियक्षकाया) न्यामा (नेमण स्मोनेना (क्रीकृत्कत) विषक्ष अविदेशे (विषक्षानेष्ट् त्याकीनाट् अभीत्व) विद्याकि -पक्षित्र (कात्रका- छाट्रैयासन) म्हीकार्यकार (साम्बार्)

स्मित्रमा (वात्मावस्थे) लग्न अवार (स्वयां नैकासम्बर्ध) एका मार्ग (अवव लामार्ग) ट्यम्प (लामणात्वन्) प्रकाम (हिट्या देखी) मामा ॥ व ७॥ (मन- गरिट ! त्र) आभी । ज्यामाना श्री वाची आहा । तर) क्षीता! सर्मा (द्वा व्यवाभाषा) वालीकार रेखा लिय (मैट्या काटम) विक्रमं वय यं माम्ब्रियनं (वय येन एड-ए। हैं : अन्) या गार (बिवाका । भवक) कर्रेर (आस्तेन) क्रिक्टिन्याम् - उस्टाना- अवस्य (डेक्ट: अन्यवक्टि क्रिश्चिम्म् मेर्डा मान्य मम्म क्ष्या राज्य क्ष्या क्ष्यामंत्र जव राज्य क्ष्य धर्मामं रेष्यामं) मूल (तत्वरे) इमडी रेव मक वनश्यमा वह समि (वनशाला- वहमार् करकारि)॥ ६४॥ (समद्रक्र विकायम्मायवान । क्यरामुविका टम्मी सथी- लार । ८०) असे । त्यार्थ । (वं) द्रिक्त (क्राक्तर) क्रिक्स पुर (अर्जा स्थार) द्वार मान्या (स्थार अर्थ मार मार्थ) मर्गेकः (ल्याम) लायसम् (लम्बिक्त) लागे (इम्प्रमुर्)मंत्र (वर) मेश्निकार (इतं के का का में का में पुरिक्ष) लान न्यानुकार (त्यामार नाम्नुर) रेमा (प्रमेशकर) य लक्षाकर (टर सम्बद्ध। इटन कक टमाबद्याति बत्ति म स्थिमें)।। दिवा

(कर पापुकराइ) मच (ममारं वरमीमारं) ज्यापाम-प्रताइम (धराइम-क विभायमका) म्रूक्षाम (म्रामिका) क्रम्मा विमाम- छ। दें: (मर्मिड-मारेवर्) ट्यि हर मिकर द्रिम्बिक्ड (अधिकार)॥ ६ १॥ क्रिका में चार वाश्याणका वस्त्रेश क्रिया (सम्प्रमा) व्यक्तिया (सम्प्रमा) स्त्री: (क्यल-अवस्वानिक सिमिन्वकित्रीन् हेर्वासिकाः) यहाः अस्टक्षं (मैनाक विकाप गम्य के का दिवयं मार सरवाति में मासव सम खार्ड के यान मार्मित विधालाक में ही (अम-अम्मूम् क्रिके (क्रिकेट) अम-अद्भाव (अम-अम्मूम् (अव्योध) (क्रिकेट) अम-अद्भाव (अम-अम्मूम् प्रश्निक हा देत: (क्या नव प्रत्य प्रत्या प्रत्ये कार्य हा स्तः एक (रमका कर्म वार्) मह अग्रम (सम्बर्भ) सर्मेम (म्लामास) करवेन मार्चनि (लाने हास मंदी मही) के के कलवं - ००९ (के के मिस्ट- उथा कारह) रेलानम ह्या : (इन्सर्केश नकी:) देव मन्दि (अपमन्दि विकाला)॥ ०१॥ (ला विकित्यार) नत्र (मस्यारं लक्ष्यांगरं) ही - सापन्नापिष्टः (द्या: मक्स स्परः त्याहमाय: मुक्स कर्ति एमामाह (स्ट्रीड:) अविवाकिए (अम् वक्षानिक वसु) में देवाल (अव्हें) एकता (लग्ना कार्याप्तकता) नव इसे (मानुवाम्बर) में कार्

(क्रमाह) रेक्स: (रेमका:) कर विकेट वर्ते: (रापडि) ॥ ००॥ (क्य ही-टिक्कमराप्रकृत । स्वयः मिककार । ए) मेळेल । न्य रेस्ने अ (नार्य) सम्मार (स्त यंभाव) क्रमात्रामुक् (९ वह: माज्य दे हिंताम) यामा (क्रम) । भवा (ग्राम) वर)म थाडिममण (माडः म वर्ममाविः अक्षणामम) किनु कालाय-क्याड्या (यद्याक मे वित्र) में पाल्य (व्यापाक्य) न्य (वर लाह्यका । लक्ट दमाः महत्यक र में की प्रमा वस समादिकार्यः)॥७०॥ (द्रमात्रस्म में बेश विकाला सामुका काल- मी बादा छा बे बं प्रत्यमा हो का । (य) क्वाक्षां (य मार्था : मो कार्य !) परं में का (हे वि) एवं मिकिला ((क्या का के) हे हिंद : (मम्ड:)म (म द्यार । भड:) हु कूलवा (मद्रूलकार) मासी (माड्यूजा ह) आर्र (डवार्च । अड:) अत्रीम (भार सममा दव ' एक) रके (त्रिं) विवक्त (लवावक्त) भागे रावः (अव्यक्त) नव-क्षेण ते (अयक्षक दक-यत- मेल्स्) राजा इति (अस्काक अस्त्र) अस्त्रे (अर्थ-राम-वन्त हिटक (मार्ट) वाहिका सम्पर् (म्याविक्यर on was in gan grindshop; (grid angrad मान्ना दिया र त्या अवस्था) राह् व्यक्षिक (व्यक्षित) मान्ना (अम सामाद्वक विक्षम्मादन्ति। भीक् के देवव मात्रार) भागे क्षं द्यात्र (द्यात्र १०) विस्वि क्यात्र प्राप्त (सक्रांगः अभार्तन का भारत) आत्रक वालि (निविके विक त्राले) भानिनी-भा साला कर्षिका है- सम्देशका (श्रार्थिक वर्ग दल्ल प्रत्मा विस्थाना अमेरिनेका लाज्यमिका) लाम एमुप्टं प विकास (न व्यास) किन धरमे (मण) नाममन-नष्ट-मम्पेरम्लन (नाम्यासन कृष्णवार्यन क्षण्याम् सम्लातकार्यः वष्न सम्बद्धिना ववाहरवं- टबाद्रकाम त्याच लाववमार्का) में मठ (हलक्ता १ वनमा) कि कि था क्षा (विस्कृत्) विश्विष् (वर्बेक क्षाममस्य प्रमान्तिः) यह व्यवस्ति (अर्प-अधि। हिमी :) हिमेर (क्लाकार) सार्माह स (#11 & 14 Marie 11 (14 Marie 11) 11 () 11 (अकार्यकर विक्रम्पायक्ति। ब्रीक्कः मुक्तमार । तर) कक्षिते ! क्राई (लस्टबाई) (स (शस) संबुधुई पुरुष (खरील्से) अक्से का का (राष्ट्र पार्शाक) इति (नवर) सम्भेव धर्म -विवेद्यते (शक्त देश देश देश का अप प्रधा विवेद्यते अवार्डिक) वार्ष्टक्रिक सलाम (ब्रिक्स नव) लाइ मकार डमंदर (मडमीयक यम भारतम) देनीकिं: (निनी किंछ:)॥ ७२॥

(भार) मार्जाहे जला: (मार्ज हिट ह भारत:) विश्माति: लचक्रेंग्रं: युगारेका: (त्याक्रा:)। समीमाहः (वृद्धः) काइट्स लास् लास (गात लासक्राताः) म्यामहिन्दं (ममा-(2000) (20 in: (@1000):) 11 API क्रान्ट्र (मान्द्र) (क्राक्स: क्रान् कार्) (क्रमदं क्राप्ट्र) लभाक्षेत्राः सापः ((द्वक्रम) लसमाव (वेप (क्ष्य व्यमार्वे विष का भार क द्वास्ता: (Cush:) किये 12 12 थिया किया कार (त्यक्षेत्र) भी कुर्व वी प्रक्रिय प्रति) (त्युका १ १ म्हरू १ मुन 18 and (MES 14 2 nd) 3000 11 98 11 (बच तमु मोसार) खिंग (खंग भाष्टि) कावस नाम (प्रमाम) (कत्वर (कत्वर्गामा) जन्म (12 mus) (myas) & myas (gen) 11 nou (वर्ते मार्ड्यम् । ज्या अधिकार ज्या के अध्यात । (द) ईका ; मायाई (प्रामाई) क्ष्यई (समयम्बर्स है) में क्षाक्रयई सर्के म् में हैं (सस कक्षे में मान विमारे विस्ते (MA:) QI: MQI: \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ (\$ \$ MA @ QUE) \$ (क्य) वा (काः) भाई (वहरह) एकत (करतन) वा (काः) त्यामिन: यित्र ॥ ७ ७॥

सम्मास (लामानाम्म)।। उ. ।।

विकार (कामानाम्म)।। उ. ।।

विकार (कामाना) विकार कामाना) ज्युर (मामाना)

विकार कामाना) विकार कामाना (कामाना)

विकार कामाना (कामाना) कामाना (कामाना)

विकार कामाना (कामाना कामाना)

विकार कामाना (कामाना कामाना)

विकार कामाना (कामाना (कामाना)

विकार कामाना (कामाना)

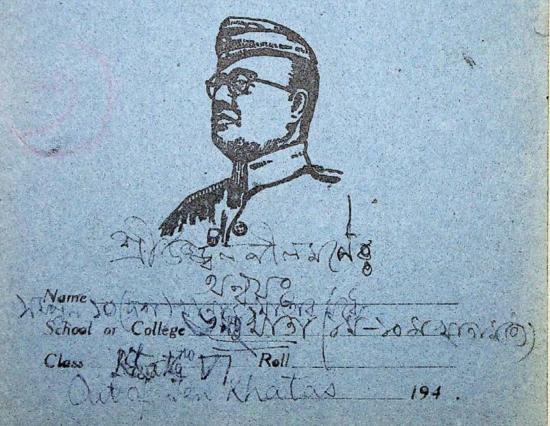
विकार कामान

CLASS ROUTINE

| Daye | let Period | 2nd Period | 3rd Parlod | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| Tues | | | | | | | |
| Wed | | | | | | | |
| Thurs | | | | | | | |
| Fri | | | , | | | 177 | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK



128 PAGES

Price -151-

(जम मिनि-अश्मनम्मायन् । त्येनी जिल्ले की कृत्यन मह विद्रम्हीर भी मंभीर मृतामातमाया मृत्या कार्या की कि महिला मह क्रम्ये (क्रम्य कार्या कार्

क्रेंबर (वातुन्धामार मिलसान्तमक) क्रेंबर (बक्ष: स्मार) त्यात्रहेर मुकार (अकेल्स्याल , नाक भी मुक्त नक्षां का कि वह much (कालिस) इ. (- 145) शहरमार्ट (सक्र कामार्ट क्रियार) कुम्मेड (CRUDARRIES & क्रामिस सामाहिक) (स्वक) (म्ब्रेन) उन भागाना (भागा: क्रिया: धर्माः महामानः लक्ष मक्तम-म्याने यागाः भा) देग्द मीचिः (कार्टनकामः) स्मार्ग (स्था म्हिस्ट अल स्थान विकास) सर् (दे वन के \$18) all (mas real) 11 4>11 (डेडरीम-अर्मनमूमारवि । अक्कः अपनित की वारीमा छेखनींग-अश्मनमयत्नाका जार वाकित्र त्राजि। Ex) मा बिटक ! वय कपि (कपटनं)सम बामार (बाक्टिसं : सकामार , प्राक्र क्यार्ड) कः लाल (लापुक्ट्यां :) मिंके : (मंद्यां) वेर्याः (लर्षेत्राय:) क्षंति (क्ष्माक) वर (क्रमार) ल सर्वेते (इत्या उसमारी लड्ड) नव्ड (बायड) बाकड (प्याकर खंड) कत्वास इस्ट (नक् मिराक) अर्थ (बानुकान्ति (क्रम लायवंत्र) राक्ष (माराइवं) सार् के - मन गम: (मक्का का में दे व वीगवमार) Ca (21) 22 md (222 H;) CA (NH) DAG: (QUACUM) मिकं (सम्मकं) देव (देवीटियाता)।14511

(शमिना-अर्मन मृपायवि । वृक्ता कीवावीर मनमे भात । (र) टमार्ड । में बेळीयार (मैं कु हिलायार द्याला मार्ड) लास- में कित (टमाम्यत) में यामान (मार्क) में में क: (लयकार्य) में मेर (स्वामक्षत अवि) ए (वव) मर्भिम : (वक्ष क्छान्मंगः, नारकः रसाः) क्यः (क्रमाः) यह व् क्रिं (प्रत्मारं मरं विक दस्रिक्षि) अम: (मार्स: 'खड) ब्राट लासिक (लासिक) १ (म क्यात) ॥ वल।। (मा सारित्र पात्रवि । नामी मू भी वृष्पा आर) द्वारां त (बन्मा प्रमात हकार) वसववाम्बर्भा (मीक्त्मा) भवं : (लमहात्म) कृतं के बंग्रीयतमा (अप्पाटमा) सम्प्रमार्व (भीमपा मर) कां कां (भामरमादेम) के बर्की कान. जबमा (बालन) किन ध्यमं डमं (कमाल खरमं) म्बामीर (विद्वारकी)॥१८॥ (मृमुग्रम्पारम्बि। श्रीकृषः हत्यामीमार । (१) प्रार्थः। हत्या-वाल ! सम्म : (कन्मल :) भूरेका : विक्लिय : (भूका भरेग वेगरेन :) किस (मिर्बी (भार्ड मुख्य) ड मरी श्री प्रमानीए (मभी मर्द्र मामागर) लायन (काक्ष) बेस प्रमें (बिसा प्रक, काम ; वक्समीलार) अभीन (धरमन) अमड् (रामर) क्या 12 (इरनीर) यमी कार (यमी के वराप) राट (रामार) ता (यें) टा के मीकति (cord ans) भूतः (निण्डवः) व्यासा (ब्रिस्ट करवात्) ॥वदा।

(क्रमत-त्नाहना देग्र) वाची व्यामिष-भवन-त्नातालानिमा (कामिष-भवतः मिकामानिस अव काला त्यहमा जम जालालत-न्या) टमाक्किक् (गमामक्षेत्र मिक्त में केता विक निम्मे Curenité (राष्ट्र : 1 अभवत्रा लामकामधा आवारी na ed) one na to (one garyon) myonin: Agnis (न्याहरे) विक्री (प्रथम प्रक्री) प्रभागाय (प्रभागायार) वर धम प्रमात्रे विमान विमान (निवाला थाहर)॥१७॥ त्राम् न क (ग्रीव-अर्ध्यारतः) (मार्गित्व- विध्यायर्गः (लार्गामेखमा बिनाममा ह) बिलामा: (त्या:) मा: (द्यम:) ज्यामे टमाडा-विलय-टमार्बेषार (लाडाविलक्ष) मुर्वि-करतार) अंभक अपुरा: (दिमासक्सास्य भंगक दुसा:) 118411 (ज्य वाहिकात् ज्यू दावातात्र) ज्यामानः ह विलालः ह म्लामः ह समायक: लम्माय: लममाय: ह मत्म्य: ह लाहित्यक: रामात्मकः अमी कादम मनीविष्टः वहनावृद्धाः (बाहिका WA CHUT:) की 8 8 : 1196# - 9011 (ला लायालया मार) हाट् छिटांगाकु : (हाट्रवात्म म (3 in ECULTU 318:) MULLIN: (5000) 11 2-341 2011

(वर्षाद्वन्त । देवरित्र): मुर्क्षित हैं) गर्भ । (टर प्यातुन्त ।) ए (वव) कलमाम् विन्त्रीण- मामारिका (कलपाने अगुक्रमर्भू माने ममानि ट्यम् अपि जमा अम्बङ्कानि ह भाने त्यन्नीकानि छः मस्याहिन यही व्या) लेलाका स्रोडक (चिलक्षरामम्बं इंगर् का भर् विशिक्ष (मृथी) जिस्माकार (जिंद्रता) का अी लामे हार्यकार (अपाड्रेक कं सम्बर्धार) न एतर (न म्या (पर) मर (मस्पर) ट्या-डिश-सँगाई (याद: डिश: अर्थन: संसा: र्यमाल में बार्यमं (वर्ष्यावर क्रिका वमा वार्यमर (क संग्रक चित्रीक्षे) जिलकाम (ट्यासाकाम) अवित्रम (रेक्षि:) ॥ +>॥ (दुराठवंप्र देसार । ज्या रक: ज्यांबा क्रामर । (र) भा हत्तः । (व ० सार् मार्ट) कत्यां त्य स्मि (स्म-महत्या) य (द्य मर्वाट्य) द् (सप) ज्ञानाः व्याप्त (द्वाम , यहः) हत्यालभार विमा (दिनी गा- हन्द्र मार्भ विमा किल् सूमहन्द्र मिछार्थः) हरका क्या (जरहरू-बीयम्भी लाक्ष्यिसम्म) जमा मिं। (जासमः)म जारे ॥ ४२॥ (जा विमाल मक्ष ने भार) में : अव ६ (में: आर बाव) वह : (वह बढ़) BATA: (30000)116011 (वसमायविषेश । दिख्य मार्स त्याका व्यायः) द्राविषी (केंचित्र) भिक्ता (व्यामी काहित) लास दावामार (क्यां- त्रकेरें) हि (वर) लर्ड (अन्सर) (अमुमाड (ममत्यक्षिक्रमः) लाम कर (अयपत) छ९ (ामें ना बहन) जान जी ना (आमे) न:

(क्साकर) क्याज र कि (प्रस्त) कामा एं देश में (प्राचिक राज्य राज्य राज्य कार्य) 116811 (ला मर्याम प्रकृष्णा) दु। ह- मकाक्षित (हाता : दु। ह स की छ -स्तर) राकार सर्याम : गृह क्रिका (क्रमा)।। म व।। (जरेगाठ नपूर्ण। यात्र स- अल्लाल (योका क्या वितामी क्री के का अधिवासाराह । (य) क्यापु । (व :) क्य लाक्षेठ (सम्मुलक :) स्म (AH) orisid (AHUA) a Caj (Cymerino) 32 37 (orisis yo कंद । चीकाका व्यं, इक वंक-अन्म सकामक्र समारे इ स्माकु जाकु हता जयमत्त्री जार) स्म व (वं : (वं अभा) लार्यक्री सम का आकु: (क्रिक्सिक (क्रिक: । च्रीक्रिक क्रार 10) म्ट्रा! (मप्रमामानिक। लड्ड) भाषात व्यापु (प्रमुकार) ल्यामारी (इस्पास । न्या ग्राक्त वर्षान- नक्स स्कि अपिकारक के अध्यत्ते कु वार) द्र (क्य) बंद : (मिन्से स) क्यमार (क्यानन) अस (माम) का वार्षः (भार्षः व कार्य-वार्वम्छीकार्थः मे । नीक्षः भार) स्त- अत्रां (स्तेका-मस्ति) देग् माद्य (क्ट्राट देग्ड त्यतः । न्यां वर्षः देग्ड लक्षाक्ष्य) अकी द्विक्याम्ड व्याल वाक्षे क्षेत्र) आवर्ताः अल्लाक्ष्य क्षेत्र) आवर्ताः (य लिस्सी) इंग्ल (चर्डिस्स) क्रिया (क्रम्य) खिल्मा विक- सिबंद काण्यक (क्या कंत्रक) लाग्य माग्रेस (कट्य) ॥ २ न॥ (क्रिस संग्रेप का भा: अभी माग्रे वर्ड)। ख्रिका सोई (भ्रेक्स सोसे प्रहे)

(लम जयाल-यम्भन्छर) केमायाल: (प्रवेश्वरू वरः) जयातः मान (कवर)॥४१॥ वरव! (वजीकृत्र) (ल्लेसाठनं भूका । यह आ (या माहा न्या मात्र में मार) यं यु (उन नक्ती) न्ती न्ती (रेक गल्मे मालों) न्वालंगा-क्रमाणम् (बकार्यमार् क्रम्मा देमापमर्) अमर् अमर् (वे विवं वे दिने मास्तो) मान् (वर) क (काि । ज्छः (कमाप) सिम्मा (कार्य) मामला (लामीविलाय:)। मेला मिला (केल सिवर्याको अर्थे) हरह वहार (प्रयाण) व्या वार (रेवि मिन्द्रीकी ment)110011 (ला ला म्याल-यम् न स्पर्) में क्षि हः (वायं वेतं व व परं) WARTA: (ECTQ) 11 6 211 (जियार सम्म । बक्षक- म्रेलेक सता छार । स्रिलिक क्रिका कराय- रामाक सारणाक मी बाद्य पामकार सम्मारी अवस्त्री-मेक्स लससाइ। ए साम । यामत्व ।) लर्द रेक: केकः (शक्षा हवि।। ११ मनार) न वि वि (श्रीकृष्णः न इक्टि अंद्रम कर्ड) exique : (कस्ति इक्टि)। टबर् : त्वरं (करं वर्मन त्वर हबि। मिल्हिक कार)म विमिन (वम्बर्टिश म हमार , किस थर) द्रांगप र्याम: (म्यम-य त्या दक्षि)। एक्ष्र अक्षर (रेग्ट्र कीक्ष्विक्षकार्यका एन्ट्र माना दबि। निकिन आर) ने हि नहि (उन्ह्यामाना

म छर्छि , किन्) वक्षमानी (वक्षम-पूक्ष नाकि दर्गाठ) त्राय त्रस्य (२०९ व्यक्तिम्मम्भू ७ विकि। निक्ति) अपर) मार्च महि (दमयम् १० म डना । किन निष् निष्) अमानमू (म्म -असप्-म्यन् दम्ह)॥ १०॥ (लसमाल-मक्रम्सार) भ व्यक्षिस (याक्क्ष्याक्रम) लयेका टमाय्य (हिमाक्ष्म प्रक्रम्य) व लालयातः खर्वद्र ॥ २०॥ (जम्माद्या । कल्याहित की की नामा (भोएम्क) वर्षी व्यम्भय (क्ष्मेन दुक्त्यमा क व्यस्ति रम्भ मास्य वा क्रे) व्यम्भय (क्ष्मेन दुक्त्यमा क व्यस्ति (वस्त्री) क्ष्मिक्वयः स्मित्र (अकिक) प कामाति (प प में सिर्ग । खिलामा लिक कि । (४) अरम् । (१०) इ अरम (म्येड स्थाम) अर्थ उत्तास (मर्का विस्तर-स्रिवित हिरास किये वे लाव स्रियार " क्रास्त्र न नमस्त्र है के के में के किया ह कर माना व तवालि प्र जिलि " अर्थ कर्" रेकाभी ह व सन् विकि अर्थानु वर् अमल्येडी आर । त) ते विमे ! (विक्र (विक्र न-डामिन!) में हि में वि (अदे दस्टम न क्रियादि किन्तु) मात प्रमार (अवश्वासार अवस्थार)॥१८॥

(अम सामाना मार) टक्साम् अप (अयाम ग्रम गरम का मुमा क् मिल्किन्:) अवाक्ष- त्यस्त (अयर वाक्ष त्यां के । व यरमाः व्यवगण्णा (वर्माठंत्र्य । आमा न्येकक साम्यात । व्य) मार्थ । (सर्भेय- व्याम् । वेर) सर्वा- यात्म (म्योकत्क वर्धस्या त्म इंडार्थ:) यस मल्या-अवस्तिका० (प्रत्यम-वाम् विलायण) रोगड्य (अयम । यासाड) के डें हिं (क्याक्य-स्थम हिं लेसा-वम्यादिक) विकला (वेक्क्समुख्य कलाशीम ह) क्षा द मान भी (क्या भाषा का का मान है) के (क्य) परं (3 mistr 32 mis) 4 eco (320 mis;) 11 98 11 (कार्टियम-नियम निर्मा) सामुक्तानि (श्राम देकानि कविनानि कारकार्ष) वर्षे क्षाप्त (वस्म मार्त्रकांग न द दक्षाप्त व्यक्षि) इति (वदः समापः) यर १६: (बाका) सः वार्यासः ((() 11) @ 11 (वस्यार्यम्स । स्थान्त्री व न्यान्तर क्ष्र्यासितः अस्तर्मा दे क्षेकिक शिष्टि चेक्र क्षण्य देव: अमियत्र के मद्रा क्या वर जामर्गर्स् थं अविवि अभिवा-अक्रिकामि लमक्ष के स्राज्यकार कि किए वह सक सक्षा साप के कर सार बंबाठ । ८४) टमार्के मास्री अव- अम्म । (में कि ज्य- अम्म ।) वः ने लाम (लाभार पामका- वहति) में का (प्रकार्य)

विकिथियामें (मरलयाम्) भ कुमा: (म कुक । थठः) रीपा (डिलकी दार्गे कें: एक मार्) भी हिं देव (उका भी भा असम्बं हिक्स कार्या अस्तान कराम के कार कार के कार है कि थासका (काल) आसी स्मूका गाः (क्या का मान व) का बे महां (एक सकार) भिरं (गार) के प्रक्षि (क्रका कर है। कर : णान काम उत्पर की करकाम व व वह मामित सका किया क्ष्मक्ष्ये। माडि हार:)॥ १८॥ (जर जनए कार) यव व जनार्थ-क्रम्म (जनपर्मन ल्याम का हिर्दारम क्रमम् अमुक्म वमुता भव मृहम्) अ: क्यान्य: देख अखिड: (कार्यड:)॥ . ११।। (वर्तार वेषण । यामी सेश टला सरामी साम । ८० ट्यां ।) तया पाडिमी (रेप्ट् मुक्ता पाडिम् नाविका) विक्र वट् (ख्या लाक्ष्म अव्ह) ते में (म्य) दुख्य पढ़ (ह) म्य-द्ये के (क्यम्सम् के क्या) सर्वास (सर्वाप् केवर्त) हिराभु में भिक्ट (इंडिम्) ठामें (टासे प्यं) ठाम-नित्र ह द्वार (मामार्थ) न्यामा द्वारा न्या नित्र न (सम्भी) अक्ष्यात्मारक (अक्ष्यमस्भेष्) राष्ट्र (१३०) छिम मन्गामिक (मन्या बाह्र) लाक्ष्य (क्षक्रा) क्राम (अविविक- एक व माक्षायम) स्मापः प्रम (क्षेत्रक-

(साडिस डे अरामा अरे टासे असे में के असमास (काला-म्यास्त्रम्)॥ भ ७ ॥ (डिलाइमारेक्स मार) यर व विकास - वह मर् (अकामिन वर गळा) यः देवात्यः देवात ॥ भगा। (वर्यात्रं मुक्तं । वैक्रान्या स्पानुष्ठी व व्यविष्या । (य)सेत्य । (मूट्ं!) टारेवन-त्रभी: (टारेवन-नी:) विपूर्विक्याला (दिक्य दिलासेव ९ एक ला विविश्वापिती ज्याः, किक) क्रामाभाष्ट्रकं सं (चिलाक-मेंसंब: लर्ग्ड) (भाष्ट्रत: (अक्टिका हाल) कार् म राम: (कार्क मिल द्वार) जि (वसार) उत्रह लेग्रमात्म (वसन-वस्त-वस्त्रि क्षास्त्र) मुन्दायम कूट्यू श्रीमाध्यम (श्रीकृट्यम भर्) स्मान (। सिमिका अने) अवध्या (2/2020) स्विमिव (Ext 40) 2 30 11 x00 11 (लग पुरस्ममम् प्रमार) लग्दं यः (बमा लग्दं) लाउं इं ब्यापि टास्परं (क्रमपरं) व प्रिक्तिः हित्तर ॥ २०१॥ कार्य केकां (स (सस) कास्त्री सा याद्या (क बाख कमा) (क मार्थ में । विस्तामा प्रकेष की केका (कार्य मार्थ नार्थ-रेगर ह (म (मम) मर्थी लालेखा (खराडि, ड्या) रेगर् थाइर चिशामा (डवाचि ,रेधाः) छित्रः (वपः) भूकार्यः (क्रूस-दमयार्क लच) लासका । १०६॥

(अभ रा लास्य-तक नेयार) मालत (क्रमानि एलन) व्याच्या हिता तथा है: (व्याच्या व्याहित सम्म हे कि: कम्मर) ग्राप्तम: रोडि अर्थात (क्षिक्त)।। >००। (जपूरायवरेम्। भामका: प्रश्री अक्रिक विषक्ष ताली वृष्टि-मामसम्विक्षा जम्य कृशंमात्र) काम्युवत (जमाक्ष्रकामत्त्र लाक कामार्ट वता) विलम न्यक-सुवका (विलमन् लाख्यानः पदकः पद्मातः से विद्या ३७: " अकि लाकुमार्गाक्री। स्थम यय मा) भाम की (माछिं, अल्म जमासी लाजी ह) क्रिमाडि (विश्वाक (वेडि) अभा (ध्यामक्य, उत्राजि इ०) क्यामिव (क्न एक क्रा) वृष्टी (धमावू) हुमामि , अभवा (वर्) ममवः (इगः , अल्भ काम्यन्त) वाभी (दिवास ' १६:)। १६० यस: (वार मा मा ए असंग्राम रेण्यः। निम्हल एमव छाए थाछ गृहि पृष्टमान ज्याने प्रिण GTA:) 11 208 11 मक्त (लाक्षापो काल) राम नंद्र (व्यक्तिका:) राहिका: अम्बारा: दराहि (असुवाहि, क्यानि) सर्दे मार्सि) भार्कार्ष्य - त्याचिषा (भार्क्ये का कर क व्यक्ति (साम्माहकामा व्यक्तिवात) देह (सर्व-वम-सत्राप) 27 (20) अर्विकी छिंछा: (CAYST:) 11 20 @11

(लग साहितार्ते वार्यते उस्टिकें के सिमें माठबंदि । च्युकें दका मेर् में संसार । व्य सत्म ।) अव्यानिका (लक्ष व्यामन : सम्म : मस्तः सा कलाकेंगाल मृगंद) चाहिका अक्ताम्या (अवप-अरकर) लक्षेत्र (असे कार्यम) भिक्षेत्र (अयाम् कर्मा) अरकर (अयाम (असे कार्यम) भिक्षेत्र (अयाम् कर्मा) वारामेश (यहमामा वमा) क्षिक-(पादमा (मेरिक-प्रमा म सभी) क्यर (एक्य (प्रवेश) अक्यामुका- मुम् (अक्यामुकार्म : अञ्चलकार मुस् निक्ष व सिक्रम । क्रमम (अम्ब्रम) 11011 माइनिस्त्री क्लोर्स्स् । तह तारि ! (उम्टिइन् अस्म्मायवानि।) वय-अमी (मिनिए-क्टा)वेप्ट्रे विशक्ता (भीवादा) अन-सामिक-हत्स्मे (अधानि ट्यामिस्मुर्यन) ह कि वा (क्र य स्वा सरी) रार्च (धार्मिशे) (धार्मिमा) मिन्हताकी (अझा) यद्य ॥२॥ (आक्रि) र वृक् क्रमु मू मारवाछ। वाशिष् मर्भम मर्थमणं नः श्रीक्ष-यार । (र) मूक्स ! वाका जिनमान क्राण्याए (जिनमान धामक्रा म भक्षा म में भारक मा वार्ष्ण वैषा द वसा मकासकार्द्या) वन मर्बावेश-मक्राए (धार्वफान्येर) विलक्षा (पृथ्वेर) कार्त (हिट्ड) यत्र वक्त सर्किया (वत्र वडी हसराकिया विम्नासन यका: मा जला मनी) निर्मित्रिया (निध्यक्तानमा) ह निल्हता (क्षेत्र) ह अस्वमि (अवन इति) क्यर (अभी)।। ।।

(खिमा म- टिल्क असिमें मा रवित् । एतामाः मधी असभी सार । (र मार्थ!) हिन्त (ज्याका त्माभी) अरम्हाक्र-त्याहममु (कस्य-मन्मक क्ष्रिक्क्य) विसम् (आस्याम कायरक्षा) वित्याक (पृक्षेत) प्रमाविछ-।विधल हा (प्रमाविछ: भाक्षिड: विस्परस्य विवं त्या तता सा लगा सत्) ० म (शस्य) मर्इन लिक्स (मर्इन मानम क्यूम) थर्ड (प्रक्रित) तिलाइ ((अ) र्रं) हिमा थिल (हिमम र निम्हला) वहुम ।। ४।। (लसम्द्रेक के सिसे में से द्वा । न्या स्था मा स्था क्या क्या स्थार । क्सिश) क्लामला निलि (शास्त्र) भारत्य (श्रीकृष्टम) ई अर्धिक दिन दिना नार (अर्धिक कि क्या दे क्या दे क्या कि गास (र भाष्र । इक्षाकांवर नज वार) । भुवर (प्राटर) भिल्लामनी (क्टडा) अभ्यं (अभ्यायर गाला) प्राम्यासी (सिम्म-न्या)-(मच्म विभा) हार्ना (कास्मा अभ्य वर्षा प्रकृत्या वासा-छायक्षणा) विश्विष (श्रीमा) ह (स्वी) (प्रविधारिष् (प्रवाकांना) रेव ध्या भीर (धर्वर)॥ व।। (लग उम्प्र के के मिस्स) उद् : (मिकिस) विकार त्यान् क टवाय - संद ट्यान ६ (ट्याल्या: क (आयरिंग: यतिंग: सर्टियहर सरमाक्र) लाहुना (माला) मै पकालम म-आमार (म्म काम्ममं में के भार्या साम् के) (त्राम में - सम्बार (त्यमाद्वाडि: अर्धावाविडि:) अत्राष्ट्र (सभाष्ट्रम् , मार्थि प्रवेष्ट्र) मिल (आरखे)।। ७।।

(देगात्र नेता हुन भार । त्याली अक्रिशार । (त) भारत ! वादा विष्य (विश्वम्ला) देळ्ळ्या - एल का मे पत्री (देळ्या मा म्लाकास्त्रिमा मन्ति कंद्रमृहिकता) भित्तिका कास् (३१७) क्रेन्ट् (मिक्टिस्)। यद (यमाद) जानकामा छत्त (वायत्व ह्यमात्त वायाहत्त्र स्मारत्त) द्रमकाव (इयत् प्रकाश मात्र अर) स्थित देश मार (कार्य प्रधान करा करा प्राचन) प्रकार (जनमाण्) विडिडि (श्राव्याने) ॥ १॥ (लगरत्वर सम्मात्वा । क्रम महकार बिमायार दिवाप अविद्यात ट्यालासम्म अवर्तम विक्र की श्रमाम्म अविष्यः सार 10) ख्रमाला ; (वं) क्रमा (दिन क्रमा) सार्व : (म डर्म। थड:) जम जारे मार्ड: विष्युड: (कार्ट्सूर्य मिछा । विक मेर) महाकृषे (महाद्यम) मिलिडा (श्य न नमान्छा अस्म मामक्षा रेड्यः)। त्याम निष्ः (मस्यान् कन्यस्य: ०व) कालायातः (अववारा) सरार अगाप्त कृषा: (विकिषः) अकवी: (अयडभीः) विस्मारि (विस्तं भगाउ)॥ ४॥ (क्याम् विवेष के व्यतमार कार्ट । मान्त्रीयेश व्यान्त्रीसाम । (क त्यह !) आया (क्याम्मा (आया) (आयम्मायतम (मास-मायाम राम्पर एवं जिएं नामाया । देखि की कुक कर्ष के मासामित्र) भिन्न (अड: प्रहुका) कार्ल ह्मड: (गालम) भागीन डावं

(त्योभी मुस्य) गुठारी ९ (यदि: धका निवयनी) । व भावि on: (लाला:) अदेव (यममक्) व्यत्मेश (व्यत्व क्रम्से) (अमास्यासे : (अमिमानवस्ते , कारणः) के रा (वा में स्ट COLMS) ONLE POS (SE TURN CHO) 21:) 11 911 (कामान मित्रके विश्व मित्रक मि नीतार प्ष्डी र भागीर (योगमा प्राप्त) हम्क हम्मार (विनेन-यम्यायारं) लर्षसारं (प्याण्यारं) सर्वः (रेक्याप्) म्यलर (समकातः) म् सर् स्वादिमः (श्रीवृक्षः) आरमाकी (पृथ्न) ज्य (जप्यामनी नारक्ष मधी लाउ:) त्या भागांत (क्षक्राका क्रांस) असाम्मायमी (एव दर्श्य) भनः) र् (बाक्स किंग (मर्ग) विकृष्य थि: (विमाय-विकारिक [MENT 5 20) ONALO (# (ALO) 112011 (लग इक्टरवेक ं प्यासक्षमार । खी छक्: नव्याक्रवं बार) काहिर (लाभी) ७० (अक्ष०) त्यवं (अन (म्यनिष्टिकार्वन) क्रिकि क्ष (क्षप्र नीका) निद्यीता (त्य निद्यीतन केका) १ दुल करी (लामकारे) जैसकार्थ (लामाकिक एरका) व्यामक- मर्भू का (व्यामक- विम्ना ह त्रही) (यानी (भर्याकी) इंद (राजा मारक्या) लाटक (वर्ष वि सा) ॥ >>॥ (द्राडबंभाष्ट्रंस्। काक्ष्राज्ञेत्वज्यक्षः ज्यामनीव्यवंत्वी- पारा: खाल्यामार) ज्या (भूतमाश वाक्षप्रमार ब्याक्ष लामक मृत्र न्यम्। महत्) (कार्यक्षिक मिहः (कार्यक्ष मूक्तिण अभ्यामे: यभा : जभा :) जभा : (कार्या का :) बास हाराह (शम-सहावाद) सर्वान द्वास्त्री वाली । खंग्रे कार्य (खिले अक्षिय किया । खेल (अपर्या ;) से ब्रे हेर्मुकानि (ग्रभाने) रेव देम्भी विकासानः (देम्मला भीवा देन्भीविका जमा मामर जमालने ० वर) देव धनु दूरम् (श्रीक्मः , श्रीया द्वा हिन्न निर्ण्यः)॥>२॥ (द्रम्टर वेकर द्रासाक समाउदात । माणा: समा समग्रायार। [र मार्थ !) अप) अविद्याल- हिंद्राल (अविद्यालन मुक्रम) (अवटलन म्हेल (माम्ल) वित्यक्रम् (इयं ममूर्य) सँभं काल्या पाल (सँभं माल से व सम्माध्याल साल खांता) भामी कामिकाअंश्री: (कामिकास्त्रा विभा) विभान मूलक-लामः (लाक् बाह्यक्र नेका 'क्या)लह्य के क दें। हैंया (लक्ष्मकिवा भुशुक्ता अक्ष्यांगा द्रेश्यः । द्रिंगः पत्यांग र्द : खार्या गाम भा क्या ह सदी) द्रां (क्ये किकं) धार्मिलें (थालिंगंड वडी)॥ २७॥ (ज्या विमार (इक्कं अवंदिक में मारवाह । मामक-भन्नामाः श्री नार्या मारी जी कृष्णः अवि जममा क्षित्र विष्ण अम्कालः कालगृष्टी (प्राणाससमात्र । (प्र केट्डा)

भागमधा (अडी) म्माक्षी (म्याहमा क्षी वादा अना) वर अमल कला हि छाड (अयत-कामिकार्) विशेष (कृषा) व्यक्तानिविममा (डिसममेर प्रिया) डिमें प्रेयक लाखु: (लिखिमाक चाल-मका १ सब्) म्युक्याविकायं (म्युक: अत्रिम्य : अपिकाव: र्याप्र प्रिकारिया राज वर्ष राजा भी छत्रा । क्रिक) ला के स्थि - सिंह म-काक्-गाक्नर् (अनुद्रः अडाउर् किनिष्म कार्द्रमा भः काकः क्रामीबिलायः (छत गाकु सर प्रमम् भाषा प्रिकार्यः) कारवरी (सिल मही वारक देखि एकमः (किम माकावम्ही यहरा देखि (भम:)11 28 11 (विसाग्दिककं अवल्लसे माउवाह । सी बाद्य प्रामुक्तरमा । (र साम ।) वक्समें साशिम् कक्कार (व कं : सरामं समैता: व्याह्मा श्रेष्ट् क्या द्या हिता है है है के के र मार्थिया) समा रे कर-सर्कता (इस्माइक्षि) य्वेश (यदमाः) व्यवाद्वा (क्यान्त्र) क्या वि व व्यः व्य (क्या) श्चित्राप्त (अक्रिक्वर्भी रापन-काल) नाम् कार् म्मकाम (मूलकापन धाम) म विल्याकिववरी (त पृथेति)।।) ए।। (अस्तिकं अवह असे सार बार । क्या बार्म अर सकी प्-

प्रसामानसुवः कपाछिष् वदाप्रि श्रीकृष्का विभाभाः प्राच

सर्भागमारमार । (य) साम् । (याकाश्व (देवस्क)

CE (NE) अवसार आ: (लाब्रिस्ट्या:) काब्र त्यंत्रित: (बलुडा:) न भीकाडि (म कीकाडि विश्वाहि वश्वा नव मडील्यः । किन) वा वा वा भागाः मूर अवके प धव मार्था क-. १९५: (म्यः म्रः प्रः प्रः वर्षात्रीर व्यक्षर क स्वत्रामात्राई कर्यात्र विकाला महा विस्तालकर काम्या राज द:) त्वात्त-अर्थत लाद्धः (त्वात्त्र प्रमान काळ्यश्य लस्ति मीकार् लयाम सम् विक स स्थान प्र दें।) किते: (हि-नि-अविकित् प्रक्शिक: विक्: (हि-चि-प्रक्र (हि- कि हिंदा: (त्ये अ यत्ते य कि:) व्याल्यन यामियेतिः (विवक्षाय- याक विन्त हि:) ग्या (मामूक में द्विश अप अ: न्यास) वामार (पाक्र विमंत्रीयर) दे क्या म- मान् लाया हिः (हेक्ट्र माडि: अर्वेशम-वहन-व्लिडि:) व्योवे ज्या (वाहरू) (उद्ध) वृद्धिः (भरक्षितः)म अपकः वाम्म ॥ > ७॥ (अग र्मात्रक कर अव दम्मार) मा (कार्मी) कर (माक्षे लिया (सम्म) मामार (यर में में में में में में में मामर (क्रमेडी;) अत्री; याति:(बार्क):) ००० १ क्रिय (बिक्विडि रित्र: श्रीकृत्य श्रीक प्राय मार्सिक वरीक्ये:1 किन) भी छ-कर्न क अखा (भी छ: श्रीक कार्न मा अस) कर्न-बलवां भूटक छा?) भजानि (आक्षानि) अवरेव कृं छानि (श्रीय-अव ख्यान्) म विषामुद्ध (म काठ यरी)॥>9॥

(अम की विष्यु कर्यव को म्याम कारे । श्रीकृ का विमा आयार। (क) प्रार्थ! प्रविद्यम्भ (प्रकारमा) मिरका अभय-मक्तान (अभ्य-मधामध-विलास) मार्ववय-म्यानिक्या (अस्मित्मन डिएम अभिवत्ता विकेटिनकता) व्याच थिया (याहा) अस अवि-व्रहे (क्रेस आर) का केर (का आ व व्यानिकार्) मय-मूरी-इपिनीः (मबीनाम्छ-(आठमाछ) वियोदर् (अयारिवयो)॥ अमा . ४०॥ (अम जामटहरूक दिलम् मूमारक्रि। कमाहित क्राहिनमा निक्की-मनका दिवस थाडिमर्बम्भमागः बीवार्याः नार्क मीरवय-साविति की कृष्य जामन हेमारिये वि अकसामा दिस्तारे ह उत्तर भूष्ट् ।के किन कार्यार्थ् आरे से राजि छी जार भी नासी द विभाश मी देवार । (र साम !) वासिक ! धर्म (कमर : मवाह-त्यम डाक (यूराछ-(यमर्थः अम् रहाछ। । किक्क) अञ्च : किल (स्वाडाल) वर मानेम: (मिर्वाक्षे: मिकिमान छेरिष्ट् न अक रेलार्थ;) भनि: (आकी आहममूर्व करक)। ७९ वाली (लगा नामकावंपा म किंड ली की मः) लाम (लहुमा) कि (वन) मूर्डि: (मनीयर्) किर् (कथर्) श्रयाण-कप्रती-क्रुपर् (सर्दित प्राचा ममार कम्मार क्रियार वरमार्मार कम्ममानम् सिछ्यः) प्रि (वृज्यकी) ॥ २०॥

(क्र ठम् उठकर त्यलम् स्पात्र नित्र । लका सन हिन्ति। श्रीनिधीए नानिण आर। (र मार्भ!) व सुबबाल कू भारत (इत्यान मान) पूर्णः (ध्यालाका)। मिलिए (यादि मार कर) किए (क्यर) भाउकस्मा (म्बीठ-कस्मा) लास (टचास)। (अध्या (१ व्यंग) वृन्द पायुका (०४०) कर लारक कार्स (शह । लकः) लाक्कें (न्ह्याहरं) आर्ड रं (आर्ड को आ र ।।। र ।।। (लभ लयम् उद्वेष्ट् र्यम् सम्मार्यात । मिक्स स्मानिमी अमार मकार । (र) अला । (वर) मार के प्राथ (यर अछ कुक्षा)म धार्स (म खबामे , जपा) किए (क्रम् जव) जमः (मुडि:) अम्बर् (१) ८-० कमा (७ (४) र् कम्भक्षामा डवार्ड)। मिवाए (मिर्वाड-अर्पाल)। मिर्ट्य-स्थित (में व्याप-त्यका व्यत-नेका) सुलासम केवः (क्रभार) विष्या (क्रम्भाव म विष्या निष्या ।। १३॥ (क्र प्रमात्र ठक द्वन्त्रमार्गित । विस्मर्गितः स्थायकार्यः सनी क्ये के के रूप । (ह) क्ये कि का नथी- विटला । (इड प्रामा: भाषित्!) कलाकुष-कृषुत्रः (कूषुत्रम्रामाने निवाद्येः) सर्वास्य- टर्दः (अस्तास्य मार्न्यास्यर्गः) कर्षा (कार्यर) में क्यों (अड्डिक्यों हे बन्ह) ए कार्त (अस्थापर) ए के

हिनाम (हिन कामर्) हिन्द- युप्त- (मात्रीधा छार् (हिन्दा १सी छम् नमनवर म स्वर (का मीर एवजार का कार्मी छिर) वपुर्) पुरुवेढे (त्रकामान्यः) वस्याः (ज्यावार्गाः) यस्य (मसट्य) प्रिमः (हमाः) न्याल (क्यामा) व्या (आर्मा) लास: (मास:)। लाव: अवंद (क्या:) मार्क्नक्रा: (युंप-प्तमार्गः)। इट दिल्मियर (अवाल्यः पैस्टिकिक) मः) व्यस् (ed) 12 (& c war) 115511 (लम द्यान्य प्रकेष (क्ष्रम्थी सार । सत्ता श्रिसे क्ष्रा के स्वास्त्र हिट्याक कारी में च च (हा पु स्पन महा की की कार्या की कि कार 10) भाग :) रेमावक भीमाविद्यातं (रेमावंद् भीयंत कारतंतः थ: विद्राद: की जा जिसे) विले मार्ड (विवाध साम प्रार्ट व्) थका (ध (धनवमाद वव) क्यू (क्न (यक्ना) निम्बद्धा (आवक-वपमा) वृजा (आजा) आमि (शेषि) क्रम (वत)। मिक्सीरम (क्रक्स वाट्य) व्यावती (व्यव द्वायामा) СМ; (ला का आ 6) कि शिव (क आ 6) स्त्र वे ते में ने का असे ने क्रियां (ममवा सम्बा द्रम्याम म्रियां में वक्तिमा अहः स्तिम् विमा अभारभा वक्षाह्वा) माग्रह (स्य भागव म्ब्राम्:)॥५०॥

(अम की विष्ठूक र तेर में द्वार । कुमा त्यों मात्रीर अनु। र उरे कृति (भयमा उरि) भाष्यत मार्ज्य (भर) कीए हो।: (हिर्नेशा:) सम ० न (जार्मम्) था ग्रं (स्मीर्म) भावि लबलाक (में ही) विकेषांग : (हते। व अंधांग :) अस्थांग : जन् (एक) धान (नभीकि) एमा (कर्ष) कामिमा (सामित्र) व्यामी (व्यव) एक (यम के कार्य (यह ना) TOY (जा) दुरे (स्मियादा) कि सार्थ (कि कि टीक) न अम्प्रिं (य अर्ड्सिंग)॥ 5811 (अम इस्टिब्र अक दिलाइमेडि। मीयनेएन क्रिकेंग्रान: बार) विमेवय- यत्तां (जिन ब्ये के क्रिक्र) सद्यात्मक सद्या प्रवास) काला) काला (नम्म का में व्याप) कार् क्षा (वाडीक)) व्यम महर - हारं (वर प्रवार हक्ष प्रवार वारा कमीयिका मच वर राम मी बना स्त्रीक समार है। लाइकत्मः (अवत्मः) प्राध्याः लड्काः (यमपद्राः) क्रामु (बरमसर्ग) व्ययम् मम- मर्गे में - अमय- मर्गिसम (अवने (कर्म थरें हे- भामन-क्रिया आसने) - वन समास:-असरः (मस्थिमकार्यन्) देव र्माक्षित्रः (लायलाक्र-कार्ल:) लकार (वाहित्य केवर वहूव)॥२०॥ (स्थान कामलाक प्रमात) में मात (क्रिये भारत मा (क्षत्रम-क्षिकं) १०० (मिमुक्स्) 115011 वर) सत्यासाकः (प्यासाक्षत्र अह पक्षाप्तं) प्रामितं कामणवां

(लग ट्यंबट्ड ट्यंड लक्ष द्रयम् । महिलां द्रेसँमा: यभू म्मश्रीमार) वसा रेल्मश्री आवः (अलव-माल) देवः यूर्यम्क मानी-अमार्कें किंच-सक्ते-भक्ते (दिव्या क्राम में बंदे सकालामायं लय-याम्य लवन-यात्र्यमः वकाक्षेत्र-सक्ष्ये अवातीव् <u>बियत् - १९ ४ से ४ से १ से १६ से से १६ में विक</u> के के भेक्षाना (मार्जी मार्जी) कि कि वाल वाता (वनका) क्रिक - मिंडे: (मिंडे हिल- मंत्रा सदी) त्यामान - निर्मे दरं (च्यास इडिक ६ लाक्स क प्याम ६) यद्या १ (० क्याल) ॥ ५१॥ (स्यांशानां वरें राड क्षाड । या द्वार ना का का ना का बहतम् । (३) शार्ष । ध्यार्यत । निता वव ध्यमाम् (लक्षामं मान) कसार (द्राखा:) (व (वर) कसा(पासन) भक्षा: (कर्मा:) मार्ड: (बाकानि धवर्डा रेडि लाम:। कुक)लखा । कम् (त्य प्रवेस) (व (वर) वैदिर्म ; (स्मेम्या) इत्वाप कावा: (मकाश्व-सर्मी:) व्वपान्त-क्षाया: (एक लाक्य- वयाता:) अयति (विष्ठुण दराति)॥१७॥ सी पार अ एक्टेराका - द्वार पर (अक्टेराट के के कल पर) । आवा कासी (। भिवं प्र: कमा वा मक्) प्राप्ति: न्या प्रः (पीर्धानी: न्या प्रपृष्ठः) क्षेत्राकु-कत्मामकं (क्षेत्रा ३ त्क्र कत्माल्य भरिक ह मन वर) की मान के के दी करें के (कि मार ह कि के दी ह वाक सी मा राम वर कमार्टेक दिश्ह)॥ 59॥

(अम विमार- ८४ वेकर लाम द्रिश मंति। स्मामित हर्नेकार अं अं कु विकास कार । (य) क ब ति कं । (या या दां के ने या-न्याम् । क्यां पत् । वें) ये महत्तर भं मा से क्षां में (काक -म्याद्रम्) यास्यर सा केंका (त्वः) ककं म- प्रके स्पर्माः (क्याम्स:) राष्ट्र: (जाककः) हात (क्रार त्याः) हैं तः (स्र राज) कक्षा विकामाद (कर्षिमाद) 110011 (लाम समाइक कं समामियार का । मास्य सामा : मार्कक-ए स्थायक जी याथिवा हिम्मार्ग सरा स्थाति । (इ याश्रां) सामुख (मुर्क्क) वं वं : (लमत:) साम्मार कार्व (यम्पूर्व) रेए (आर अपि) मार्गा म्निव (म्निविव) गर्थाः स्टल्य (अक्षानेयप्रं) स्विष्वां गाव (प्रम्यवे विपादि इक्ष्यः) ध्यार्गः वृत् (यम्यम् अयरं) व्यव्यक्ष्या (स्मक्तम्मा लाज) करें: क्रिष्ठ-निथन: (क्रिजाः सुक्ष । निश्चना : लका धन म टकाट्ड : बाड :) मात्राज्ये ह (माभा मेट्रमेशक) मिमादिक-मामा (य्रिक-मामा हरे त्यति। किक) द्यमः त्याल अवस अरस्य-त्रवृत्त (अवस्यम्य-म् एन) स्थें जर् (अभिष् त्र न) त्र भाषि के परिवासिया था उर के) अता (धार मिलियामी)॥ ७३॥

(लक में:गडबंकर त्रम नसितात वृत्ति। त्याम्सम्मे पर्यमं) त्म (कर्मर्भिन) (भाकी- व्हास- व्याव पर (भाक्ष अम) उदानमा वियाभागा का भीयन क्रमम्म नः वार्यक्राम उड़ि: (याककः) द्व: (यवाठ) रे पढ़ (समें यामिकः) लाल-बार (ललक् नेवः वमा) क्ष्मम्लम नक्षा क्षा-बस्म (केंक्सिल्म) के का (स्मिष्म) ते के आ: (ते क्या) क्लाबार (एम्बाम)। या विक (क्या ककुर गर) कृत्र कें सार (ल.व. माराखाः) धार पेवर माया (संविकार्क अविवर्षमान- एक किक)। भागानिक-न्यामामः (भागनिकः क्षित्र के प्रकार अवस्था मितः व्या से स्वरूप के स्वरूप राज्यः अव ow मही) ध्राभी नाहि (कला भी कला कार अपि । केपरेनी) D: may; (amin:) @ 26 11 @ 511 (लाम र्सात्वाम् वादाममाउवाद । काष्ट्र सिस्यामुका काम्मन-विभान-काचिनी एपवी श्रमम् अपर। (र) अर्थ ! मूरार्थात ! (एत- प्राप् ;) राक्षेत्र- वैश्वास (राज्यां सामा) अंद : (यम्प्र) त्य लाक्ष मा (यम्प्र माद्य मा क्षेत्र मा क्ष का अक प्रमाश्चरी (का कर्ना (क्रें) अतिसत्य हे कर (क्र (रदूम) भूम: भूमारे (भूमक-मुंक ् मार्जामंग्रं:)॥ ००॥

(लाम क्यामुकामं अकाम तार के ए । हमोरं सक टिंसमी कार ! (१) मार्भ! रेस्स मानिय-मार्थ! (क मल- वपता!) थता! जन देक्त्रमारं स्विमं (लक्ष्यं) अथात्रक (स्मिलकर)दिवाद-(मारमाद किक) व में याम (ज्यान हार :) यम् (अपक रे eale ' क्रक) लाकी: में (मंत्रमें अपर) लाख मंत्रकार (लास्कर लगात)। वर (कमार) दुमेखर (मण भिग्रिक थर) ((व र) दिना (लालन) मीन : निर्थः (मीनवाना बक्रामिष्टिला , जीक मीककः) बदास (नकार) क्रमाइकर-० मर् (कर-कश्म ० मर्) अलगः (बाह्य:) 11 08 11 (यम मीक्षाम् लायम्माय व हि। विकारमा क्षी वा स्वसाह । (म) माळे. यमा । (लाळ-से.म. याम ।) (व (वर) मडिक-के (धाः (क्सम-ळ्याताः) मार्भाः (यग्रामः) वर्मानित्यः (क्यक्षा:) क्यानः (है खिंड) आई यमाद (अडिनेक्टर कर्यादि) ज्याभा : (ज्याम-अवता:) ह्वार (वव)देखाकार-किर्द (अया के प्रमाल्य प्रमां) ठाउव गार्ट (अस्टिल्य त्यु १ छत् ;) कि लड़ा (प (०) (या मा त्य में की ; म (ट्यास्पक- प्राथत:) १ अब्द (स्वब्द) ही द (जव महीवर्) मस्वयंहि (माजानुकार् कू वर्विह । थड: थरः) सक् (मिक्ट्रास मिर्)सम्बन-सम्बनी (सम्बन्भ) अविकान) स्मियी सार्विक) अवप्रांत: (एव क्पारंग:) का क्रोम्पर (अभीकर) ताकोरमान्य (व्यान के कार अविष्ट कार्य में किया के के बार्य की.)॥ व व ॥

(कर दुम्मीक्षाम छ करमें मात्र के । स्त्राहिको भाष्ट्रकाम म्लास्त्र द: अर्थिक सार) कर जे जार्य का एक (कर) वर-मलंका (मण्य मणं लाग () मला (मण्डिय नेतर्म [त्र अ- निर्मात (((प्रम अ वार्य) मारा ((प्राह्म करा , 6 मा) (यमस में कार्यान, (मार्या मंग्रं में कार्यान,) रह्या-(यक्षा) (या सार कार कर - कक कि एक (विशाक काम केरी अप Daley estate Jesus (asses) Halles (asses) Asses अर्थिते. (अमाउन म्लन-म्ला ला वें म्ल में मुर्थित्याः अर जास विमे विवास क्षेत्रकास्य वर्षेत्र मेर्स्ट्र नेस्ट्रेन्सर आ) अधि स की प्रकार (कर्म है। कामार्थ था अबसी सकी असी प्रया त्या कर म्या अस म्याद्या वर मा कक क्षत्र मकता: मन्। टरा) राष्ट्र (सिल्का) क्रवरी. (अकामभामा मिछी) देखि (वर्ष्यकारंते) एए (उर) वर्त-अंग्रेसर् (वर्त-अम्बार्मार्थः) अळ्ला (क्ष- विकाप-CMY OT) सुस्रा जिला (सुस: आर्य कि क्वाबिलाय:, क्र ग्रम) र्म ह डं ब्लाक्ट अही) 4 हर्ड 110011 क्राहिए (कार्यालिय) के दे जी छा माए (जपा भागमाए डाकामाए) हिनाः वन (एक निलामा वन) मुक्तीकाः (इस्पीय-20 किया:) आडे (दर्शड) व्या (भूमी छ छत्र) नर

मार्डेका: (वता मार क्या:) अंबरमार क्या दिए (व बरमार -कर्मण शियार) विस्विति (डिम्हि) ॥ ७९॥ (जममात्र वर्गा । भूशमा डिम्ड) भूकार वन आस हमडी? कश्मात संबंधी गात्म मिल्र - आ दे क का का का का मिल्री में एका वाकार महिन्द्र सहस्ता सामणी वस्तर । त्य) साहत । ल्या (ब्रामुक) कुर्क प्रकृ कि (वर) सवणुक अस्त्र त्यति: (अमिनाने:) मिलक प्रामित्र (om निक्र के क्रामित माध्याद्विः (ध्यक्तालेः) वव्त्रीः (त्या-वव्य-अगृत् निष्ठ्यः (क्ष्मण्यामः) विष्किली (क्रूक्ली) आम्मलः (आम मानावड) के नामड: (अस्त्रमाम नामिंड) व्यान-क्षानि छ : (ट्राम्यनी छ :) भ्रम्भनी (क्षानि ट्रानिक 721 1 201) 231 (020) nad (2121) 5131 भूति : (कार्यास) विभागिर्द : (कारी व्यक्ति : मानादाः) हारकी-वाक्निक्या (अवास्ती-मिर्ट्निया अर) त्राव्यक्षित (अकार)॥ अवि।।

कार के कि धार्य- कक्ष्यं न मं

सिट्यमाणा: एम मंग्रिक्ष दावा: भार्त्रकी देवा: (त्याका:) क्य (क्या कर्ष) द्या पत्र (क्या व्या प्राक्षित हार-मग्रे) विमा एक (नकार्यः लावा:) आत्र (आभिन अकन्ति) मा हिमारिन: विक्या: (काजमा:)॥>॥ प्रभाषिषु (प्रभी अविषेषु) निग (अमा (कृष्ण न न जानाः पः [स्रिंस (भाउ । ले) सक्यामुखाई (शाद्यानुखाई) रेखिई (माक्ष्रे)॥ रा। किस संस्पारंगः लच साम्मारम् हता (मिल्सिन् मार्मारम् सिन) म इन्द्राः (म प्रकृत्त) व (कुन) कश्च (मर्चन्यम न :) क्रियामाः (महः) छन्वार (छन्डायर) देलाह्ये (ल्लाह्या लंके मंद्रेष्ट्र) ॥०॥ (उत्र धरार्डि रहकू नियरि मुमार गिर्छ। निर्वित वही क्री गरि क्षेक्ष सहामात्मात्रां सभा ते मस्या अभूपं व्यालकार लम्भिस्या सार । (य) यात्र । संग तया (स्प्रक्रिंग) द्रवंत्रां-यमाना (दुरमा ना में में किया माना दुरमाना की मुख्या है।) कक्छ : (इक्वमार) विक्री (धरही) चला (भळा) । भाराप्रहा (अपुकितक्ष):) कमा व्यापक्: त्याल यश्वमा: (९७म-र्रेश्ट :) र्रे गढ़ (मका:) लानु दिश्वाम् हा : (स्टाम् व टिंग्य अग्रिका: विक) आसीरि: (अविव्यकाह:) (अक्रामिक: (काळेड:) म: धम्म मर्मी: वार्य न मिर्टा (म बिटार्निड:) o में Course (Con मार्केटक्स दुरवाकुत महा) ताम वास्तुरंगी लकं कर (क्रमार) भावता मुन्या म् (काम्प्य क्रवताम् क्रमार क्रमा) द्वक् [84 (as)11811

(लाम विकारतामार के कर सिर्वित समाय नित । टब्सामुक विका स्मानामा प्रमुख्य सार । (म) याम । में केंद्र (में केंत्र व्यान) सत क्यामुगान ((कार्यः) कास ट्रमम्मः (ट्रमस्मनः) म (मार्षे) व्यरम (अद्भा) मन (यमान) अद् (अनम्बल्लीयनाभेत् (अनही ज्ञान-अव- जात-मूर्क मापि- विचित्रा वित्रमही भा वर्की बहुन्थ-माम-मल्ली अय वलमं : जम्मूक्) जर् (काम्म) मक्वाविष् (मूर्य- मूभम उत्) अमात्माक (अपूर्व) भक्तालमा (लामसम्बर्धान) मर (ममार) सान्कीरे (सान् न व थादः वरं प्रचित्रकं सर् म्यम्माल) विलास् (अक्रांस नाममाध्य १ वसप्त) सरं थ्रिकेट्र अग्नामा (लडें अर्कालार्भि वर्णिक्तं व्यर्वः दम त्यमवाची वर्णमामिक (अगटक भिया अम्बार का अमारिय) कथा की (कथा महाराह) अलीके (वरतीके)।। ७।। (लाम अस्पाट्य के प्रसित्त से तार का । मार्कार त्या त्या ना अक्राहि अर्के विकाल विलाक जाममहमाना विक् मार् रेक्प्रकारमार्थाक्षण ही ए ह ज्या वली र मातु मही लगा आर। (र) याम । वि वीमंद्वरमा (यामंद यामि लाक्द वर्ष र मारा ना ब्ला यहा-) महीत्र- आनुसानः (महीत्रः सकामं आनुसा क्रीकिन्छ-मिक्ट (अर्थकार) क: (चयः) हज्यात्र नि । म व्यक्ति (म नि ।) व्यक्ति (म नि ।) व्यक्ति (म नि ।) व्यक्ति । व्यक्ति ।

इस्रास्त्र वर् वर् वांग मक्षेत्र वाक वाक्र वांग हो।) अम्बर (दिव्हर्मा अक्षे (प्रकृष्ण हिल्पर) म द्वां (न वामान । प्रमित्र नामडी कि छातः)॥७॥ (अम देखानावाष्टिकक् विकासम्मायवार्ष । भव्यवासवरी भी बाक्ष गिरियाम था केर क विभागाए भारत मिरियाय। (य) याम् । सन्त ला इति: (म्युक्तिम) प्राथमिक (अक्षेक् mãos) marão (mãraspes non susans) + apos (क्रमाख्डां न मृश्विष्टिक्ष) अम्म (त्राव:) वपान प्राक्रमण् (क्टाक्ष) ह न मुस् (त निक्रिस्) । हिनार (वी र्यका मार अवं) ब्रास्ट (वसपुर्य) लायमा व (टिशमर्थरायकार्य) न द्वापात्म (वर) प्रार्थिति (प्रिलिक) मरहीकात्मन कर्छी-छालम (अधिमान्ध्यमा अ४०) विकंति विकंता म्बार)॥१॥ (क्यारविषामें के क्रम्मात । उक्रमण्यः अवभावतातः। (इ) मक्षः। बम्टा: (अर) लम्म (भवातीय) अमृति (वलाम्खाः (बनाद बन्न् मदमानाताः) म्राथम- में वर्गः (म्राम-मन्यरंगम्याम) लर्म-त्वर्न भुष्ठे (अमूक्ता त्यर्गा ब्रुके त्यविष्)अमूक्क-क्रिक-Cousts: (त्य चिट में बर्पर के क्ष्रिक Erus: क्ष्रिक माटिन मामें वर) य कें (मार्क के काम काम कार्.) पा: (लक्ष दाहि:) प्रिली वर्ष (हक्र का नामात्वर) द्य (दक्षर) लक्ष्मेवर (क्ष्मे सावर ग्यायर)

द्रमा (तत्र) म्हयं (हम्मा: मान्यामिक्या: 130:) अवं (त्राम) व र्या) प खिलास: (यम व स्मीसर्य) ॥ १॥ (बाइइ-काम्मासिक्षिटकके विद्यारमें ताउने वि । क्यमिसि दिला अवाका प्राथ । १ प्राथ !) याप्र (वावक्ष नियं मे-मनका विज्यः) मनः (धम छिछ कर्ष्) भए विना (भए अर्न-जुमा) विशावि नि (विश्वर्ष क्रू क्रिक विका) भूना कि (धनाम्म) रम्बारक (वरमक्षामातक) के एक लेम: नाम (लाह्यास्) करवाति (क्क कन) अपमार् (अपमर्भंड) भन्में (खिराबंत्ये) क्रमें (कल्पमार) काम- हारह (अक्सान टकायर) म अपरा (म कर्त्वामिक्स) ह (किक) मार्च विष्ठ (ट्यार्च आरम अज्ञाल मारक्षितः) रशह (रहि) त्याम द्वा (प्राय न व) विद्या विश्व विकाल । व्यव : व्यव) किए करवासि ॥ व ॥ (विभावि एक कि विसाम हिमाय के । स्थानिक हिस मी मार्थ विल लाछ। (१) प्रमार्थ ! (मगा) र्वः (चीकृष्णमा) नर्माकी ने गर्छः (अध्यामामाल:) काल्मी दिल्या (अत्रम्याल आत्मन) (मृबंद (अक्रमं) म निजील (म म्योल्क्रमं) म्यलाक्ष्मं म महः (बम्म-कम्म-क्मस्यः) निः अद्भेर (प्रथा भारत्या) न मुक्ते (क्रिक क्स) क्षां भीवे (क्षाः मृतः) ध्रतः (मादः यभा भाउभा) किल य ल्याम् के लहे (मास्तुम्) में द्राह (नवड़) ह्यां ह्यां ह्यां (काक्ष क्राक्ष) राम समः (कि) लामः (अमः कंटाप) में क दिनामक भारत (स्थानका अह भारता (विदीर्ग्य)। अग्र

मुरेष (मिन विमान भर) क गूर्गिक (निमीकेटक)॥ २०॥ (लग लवाक्रक्ष कं विसारमें मार्वाक्। क्षराप्तिका स्रोक्ष स्मिलिड) सरा इरवं: (अकिक्स) के प्रवित्व) रहित (बाल)) क्रिकि: (अवरे) म मित्रिका (म पडा) मा जगा (वस्त) मंडः (लाम) व्यम्बलाख्य (स्मिटिं केक्प्रम्) श्रेम्य (र्द्य) रेक (र्म) लाल- म लाल्क (म केका) जिंत्रमणी-(ब्रुला) डिल्लाक: (डिक्डम्पर) लाल- में द: (ब्रब्सिरवंड) किक्ट्रा (अपकाला) अप्र (अप्रा) एक (एक्रा) (स (सस) सम : सस्व- व्याप- व्याप के से (विमार्थ के से अं मर) अमारि (अतुभार्ष)॥ >> ॥ (ध्य पु: भरद्वकर् तिम्मुदादन्ति। विस्म्यंता वन मानादाय-लाम् वामे: कर्प: सार्मात) लाम । सर्मा स्थान मान्त्री न क्रमन नम नम (क (भूक्षभ) (भावर विकाभ उर भामा मिन्द्रभी गढ बद्भाव विष्ट भैमलमं वम वसम्बसः में दक्षांत्राम्य-सार्दिन् (क्या वं वं दे कि वा या साहित्य) । सं वा या । (वर्ष्ट्रा) and mande (my m) out (our my m) ब्यक्ति (वाम) भर्षे वंद लक्ष्य विद्युं (मलभूट्या: क्ष्य अके.) (क्र में म्याप) शासमार (शत म्यार कर सा के ठक का अप्राय (मारक कर का के ठक का अप्राय (मारक कर का का का का का Mfais) DNi (St) 11 25 11

(दुर्मारवंशाय वंशार । या अवित्स न्या के का भी भी की क-बास्क्र माक्ता (मान्त): प्रहाहे थात: । (प) बाह्य मालत! (मालाख्यालाय । [४) लेक्स देस १ । क्ट (क्सार कें) भः (वम्) विरे जास्यामाः (व द कुलास्त लामा माम्म हाः कमा मक्):) रमत्री: (म्यानि,) स्मिक्) (अक्रेस) (व (वर) ला में में यह (अम ल मंद्र) मा खा: (ला माना:) वि (क्यार कें) म: (अअभ्रत् व्यक्ति) अभीम (अस्मा द्व) द्वरम्भवन् भिद्ध-सिचीअन बीव कात्र क्षा ग्रेमार (एक मर् असर । सुरु धलकात्रः क्ष ७०० मिनीकति न जीवा यः कायः (७२ मडिकारा वामार क्रिक मिला) मार्स (जर वात-(प्रकारिकावर) पात्र (विक्व) 11 2611 (अम माम (इक्क् तिम म्पाइयार । वमित्राएं मीकारी मुर्कक्रमध्य । (इ) लाममाय । (मुक्का) भन्म कंद्रीएडिं (इस्रकायपः) ललम् मः (युनानुकः) काल- कर्र क्या: खिद्यकः (चमनः सम) भेगड तका (मैगड मान भ्यात । व्यभात हैं) रात् (रार् मृति) म्याप (म्यासा द्या प्राप्त (मार्भाष (स्रोमि ६) कड़ में क् क + अन् (नळ) मैं कु (रैं ये को एं हिर्य ते ,) लिय का मैं (ATTAY) 11 >811

(का कार्यावाइ ठ के ए मेरिया वे कि । मिकिस समामार्ग भाग चात्त केंद्र वाप्रकार गृष्टिया क्रमण काम ग्राम अवस्वीव-राक्ष कत्रात्रक के उत्रेट रेक्स विमान सम्यिकातिता में बुद्रिक्राक्रम का क्रामुं विमाउं में बुक्का करिक अस्ति संगत्य साम्रकृ कम साम्यात्रा वि विकार में न्या का यात् । (त्र) ल्याम् । (त्र यात्र ।) त्रे स्थात्र क्या क्रिक्त सामम् राज प मा मा मार्ज म में द्रांग क्षेत्रक कार कार कि (वर सम्हा) ० % (मछ ६) गत्र का न वा म ६ (का वा मू ; कि :) कार्यम (इस्पेम्ड क्रिये) स्थम क्रेयर (सर असी ख) म्मनः (त्यायः) व्यम् (कार्यका) (व्यक्तिकार्य) विकृ दियोग्ने: (12 M - das Eng. 7 2 de:) on y y rese (200 (क्षं वाद व्याम: क्रिन्टार)॥ > ७॥ (का सामाद्वा कार मामुस्य माद्ये । रेसा क्या प्रसाम-सार । (व ति वि ।) असे बाकी (कस्म (प्रान्तर) अस्प्राप्ती (बरी) चार्चा लागे आस्वाम (सममामनवीम) मन्नी के-(साक्ष) लिला के प्राप्त (अकारक प्र मार्) कार्य के (अव अव -मन (अविद्या (क्याल) क्राविश (अवी) कंतास्त (इस मासार)कालिकी-लग्ने (यम्मास्त) स्मित्र (स्मिन्ड) स्मिन मार (स्मिन्स क्यून) न करवास (मास्त्रमार द्वाकें प्रक्रा प्रदेशकाहः)॥१०।। (अम आर्टरकुकार मामिम्परवि । मामिल वर्मर अवि माडी बीकुक्ष्याकाणि। तर तमारिका!) मक्रमायकपर-लाल: (ग्रकः पर सरकपत्र विमितिक्स सर्गेट्रक्रा भाष : वर्षात्र : वर्ष में स्थात : वर्षण व) दुर्गेर अर्थ प्र (3mg anggag) अंदम्य : काष्ट्रस्यक्त उत्ता: क्या: (किक) अव्यक्षित के अभिष्ट में के कार्य कि (स्वीका के चिन गारिक में आ लग्डं म थी कि में की हा लिया सह त्त्र कंड के:) अधिष्यः (लभावंतिः)। सर्वेद्यामः (व्यक्षेत्रमः) कवात ते का : (मिलार प्राप्त : ज्या अ अ अ अ अ अ अ का : (अ अ कर है) अमुक्र (अमित्र वही) अटमे द्वराला-भ्य हरी (देव समाम का एक: (काका का मन वा भागती) (क्यम (का) म्यार (मन के के ए एमा:) काम्य त्रकात (यक्षात व्यक्ष्यक म्)।। 2011 (क्र चल-डिकार मार्यमायवार । समाः लवस्यवं न्याविक के कार्ताः वं र भाष्या साम्याता है। या बादि है (सार्वः क लक् अअवं क क्या लक्ष: हिक्ट म्ल क्या) निकलि - अक्रू त-कार्य) कार (भावास ग्रं) कार य ग्रं (कार : विकाद) वंश्वास (याद कार मिन (प्रमाद) कार हा दाय वंश : कम) क्रमान (० से कामिराध्याका क्री होता;) अम्मार (क्रमावार) अर्ड सक्षार (अरड माहकारकः) विक्रित (विक्राल-इक्टा)

यांचाह (यांचे हैं विश्वाद द्रायुष्ट व्यार:) स्नाम्य भी निकाला (अद्वार निर्ण) (नाकि भी: (द्वा-लंडा) ।क्रीनिंडा (अश लाहा) उक्षः देवकासावः (मक्रममन् उन् था वर किक) ठाक (प्याम अयर) त्यामक (मास्क (श्रामुक्क बार्का)। अग्रिक त्यो कम नमः (त्यो कमः अस्म-अस्की एत द्रमः स्मः मः) क्षः (क्रमः) कि । यमा व अस्ति क असाम न अस्ति के कि ।। अन्। (लाम अमालमाद्राद्वक जाममार्थाव्या । मा अं अवस्त्र मी असिका कार भी भारता सम्भार के कामा महिल्ला : भी कृष्ट : अरि यहमा (द्र) क्रेक ं बनें (के लाक्षी की बादा कर वर) त्यस्य कि प्रवास का प्रकार (त्यस कि प्रवास वर्ड के त्रिय के ला प्रवं प्रभा : छभा छाव : छमा) दूरा छिमा वा छ द्वा (प्रवाडिमा व क्रामा १९००) दिले : (प्रो वा करणा वा छ दिया : (छ) मात्म भट्न: (आमार्ममार्भः) किलिश्वाम् १० (१ अर्थिक मीनारुधन , ज्या) चि-हजूर : (ब्रिडि भी हजूरि भी ल्या) अभिन्न स्ती अवार (क्लावक्षामार्म्डा श्रामी भागार) क्या क्षेत्र (क्लांस्वर) है कि सह हिसा वार्ष :) क्रेशर टमाकिक स्पानका (में का स्पान) के से प्रकंतार (मन्यां प्रमान (प्रमान राम भारतमा) (मा मु दर् (प्रवर्त्तर) लाबास्त्र) अवं (क्षित्र के) मिला (क्षिक कार्या) ॥ २०॥

(क्र रे) उठ के जामसमाय का । रेन्स ट्रियामामार । उर (मारि!) जय र लील-बाट्यं (य लीलार बामम्डार जमकालं) (बिक्सिका: (खका भक्तिमिय अभिन भक्ति थाना जा:) व्यत्त स्कार (आमिष्ठा उल मूर्य के:)। आमिमालिमाभाः (भिर्मिस्सः क्षत्यः (ज्याम्य) अव: अवित्राम्याः नाम्यवः । १०००) रार्डिश-लार्डलारा-भे सर्भार्यिताः (इतः है अवस्थित) मार्यमाय मी म के असी आस असहार में अपात के में रिया है होता है गेरि अमाल के इसा बाबिया वर्णा वर्णा प्रमाल स्था: 1 किया) असल् लिख-ल्यारे : १ श्री की नाम कारुए : (असरे मू लिखा: अक्षः लला दे । भी काः टकाविष्य भ्लामाः भी तालकाराः काम् रेटक- वे प्रेड प्राम्ड लड: लय खारण राप्ता छ: ज्य मह:) अल्ला (अल्लिन (अल्ल) भिष्टि : (CAUTSIT 453:) 112011 (लाम के प्रतिक के जामधियां के । जा कि : अमें कर मिल्लि भार । (१) वनानान! (भूमार्थ ! (१) विकालिएक! max : (alti) og Beli: Evic (Augo) emis (ल्यामु मं) मिं म केंद्र महत्यः मियर (कार्याम मिन) ह ममामार (माम पाष: (आस मान वर वर क्या हे) सम्मान (जालम्)। जमान- श्रवधित्रम्य छि:

(रेव सहै सिस: सार्टे क्या के वि सिस्टिस मारा आ)का नाम स्तिः (वर काकितः) कार्य मेर्ना शत माहे (हिन्ने) वसर- महार (बसला इव्: वर्ष सकता महार वर्षावर) नामाह (ज्यामाविक) वर्गमंत्र (कार्याव)॥ २०॥ (अग. मर्वाम कर मम मुमार अस्त । क्लवली मालीस्थीमार। टर टानु ;) म अल्याय- खिट्यारी (ट्याल- करानु :) क उमा (प्रथमा) इडि. अंच , (म्री रिक्स स्मारता) काम व्याल (श्राम्याम काल) में मर्सात् (सँमर्स प्रसार प्रमार प्रमार) तह कर (दिम् चारे पिंडू शकि कि माने अमा के र कामिलार्थः) न अरीय-मामो (न रेकेवली) भा (रेमानीर्) मर्ट्स (भण्रेर) भीषा मार्चिश रेव हर्षे (क्रिड्) भवारे (भारेट्क्टरडी)॥ २२।। (का त्रान्त्र) (इक् कर् मर्यम ताइ नि । विकास क्यू -यानुवस्त का अक्षाका का कार । (य याम ।) नव: यव : (मार्कः) मिनकमम्मानं (वयम् न न्यू मन् मानं) मूक्षम् (भाविष्ठाभम्) दुरमेश: (वरमानी मृदं सामग्रः) मान टिमम्मः (लमाः Command:) अल्लान (अमार्थीक वर्षन) व्यामन-जिटी-मास्त्रकर्नः (ज्य मूम्र आटस पछ मृद्धिः सम्) घार्व (ज्य घार्षामा) खिकात । यंके (x) भारत i (समात i) पारामी ने ने प्रथा-(मलम्मात असकम्डा) द्वा मिलमू भी (ममम्मामासमा) वं मंभी छ: (वर वेद्याः) सक् वाकाल के हरं (कर् है वन्)

म क्रम्ब (बिर्मिन मही) र्भः (ममम्) व्यक्रमः (आह ला करे करे। के) का न कित किलारि (लिसीन marin) 112011 (अभ क् भरत्रक् कर् भक्षिप्रकृति । कदाहिए अर्पि हन्यावती-(अमार के क क द्राज्याना के पालु बारा असे वसिया र) अस्मामार (हे काप) लाइनार : (अम्मितामार से प्रमणें) लान-कः (अतः) हायावती - वषन - हाया नि प्रमु ् (हाया मारा वत्तर क्रा भरी हिंदी के स्माद्धि नामार) (स्माद के (सामास्त्र) न यम्ति ६) अस्ति (अस्मित्रि म त्कार्याल अस्ति मेर्गाः) (यत (हक्षावली-वपत-हक्ष-सवीनिष्ट्रात्र) अयह लिच्छ-मक्टे: (विमालक्ष: अक्ष:) कार्न कार निक्क नारी-लर्भनु - कामम - कृष्टीय - छत् ! (मिल्ड-वार्षेत्र हलावला वाम-ड बनमा मार्गु कामनमा आनुवर्डि- बनमा कृतिव-हवं: क्रम् उसन निशानी) कुछ : ॥ 28॥ (द्वाउनमाष्ट्रदे एक्स्मेट् । व्यक्तिक जमायाक भावपूर नलिल माछिलमाद । एर) भर छाते ! स्वतिमा तृथ छात्रभूग (द्राम् मामीय-मिल्यां) प्रविता (त्यक्ष भाष्ट्रा) आपूर्वात देनाए (आर प्रक्रि) हकावती-माजानि (अभ्भाष्या:) अभ मिर्वकारी मि (अवाद्य अवामि) क् बाहि (आम प्रवाहिमा ट्याक बाह्या वृष्टा मुका भी करिया

मार्द्धाव देवामाक हम्मायती-मामक-(मायीवाकामार्भ निर्मू का ही नि डयरि)॥ २०॥ (धार अन्यक्षे अस्तिमार काछ। सिम्म म्मानी-प्रभाष नामिकाया: मधी आर) कारकी नामिका (जमानी) कनक ही (त्याक्षा) भावत है देश (काश्रीत) कलाए (मर्थ न नाप्त) प क्रमक्रमेड (प स्थितिंगेड) अवट (बायक द धार्में क्रम ग्रेस) (साम् श्राहका: (श्राहकाव्या लगा भार रेण्यः) अमलेः (धामाश्वः) क्षिनिष्डिः कृष्णः वस्यानु (By 4 n. B) 11 5 0 11 (अभ मर्व्या अमा अमार १ क् कर मर्वा मा पार वार्त । श्रीमका जामा-सम्म अधी अ अ सामी आह । लडड) कि न में अपन (क्रेम्र) ए (७ व) नाडर (भामनर) सामाम (किन्न ७०) विर्णालकं (सरकलं) सामान । तमान साममी (026) (0 (04) + 46 (105) onigenes (021-10-6305) 115日 (11日 (11日) 115日 (11日) 115日11 (रेन्ड-यात टडिके शस्तितार काल । एम्बिक्ट न्त्रीकेस प्राची रशमि अमगी-मणि जीयाचा माला अमार । (र) अछाडि ! (गामिक !) में के ले - यकि में - साम् यी - याम्का (मके लेस) एए बाक्नितः संभटतः व्या सार्वेनी-श्रीका सार्वक्तिमानकार्विती) बर्भी (सेंच्या) प्रमा (क्य विमणव्यवा जाम वस्त्रा

लवनका) म त्वक । (भवन) में यह - वर्भका (में यह : मेक्सा : त्या मक्स- मक्सिक्स मार्था के प्राम् मा मात्रा: व्यर्भी) वें बेमा (भित्रम्कतित्र) स्थिति। (सुद्ग डायः थ्रम्पूरं) यशमि (थ्यमस्य)॥ १७॥ (दुराठवं प्रविष्ठं जटल्लात् । प्रकाप्तिंगः अंते सैवं प्रत लामवागाः श्रुवर अमस्य वमा कामक्स। लग्रं) देक-क्तुन-क्षत-ष्ठिष्-माष्ट्रमः विकास्य (हेन्सी स्यापी क्रम् मा क्ष्ममा कुल्यामा विष् अला मलम्ल यमा वर) बकें (असे लंड) दु सार (दुसेवर के की) क्या<u>ना साम</u>-न्याक: (लबत्त मण्डमण्ड) वात्वः (हर्व्यम्ळे) गाकः (ध्यात् मन् अभीत्) मित्रीका (पृथ्वी अन्तर) ध्यात्र -र्टिंग (लर्डिश स्त्र)) ल्यास्त्राम-क्राक्र सार्कः (। नाम्यः। नाम्यं करार्छवित र्थताष्ट्राविषः रामः। प्रिष्ट् ट्राम् जाम्टेम: कराक्षटमाके: अवाकं-पृथि विम्थितिः मत्र) धें बादवं : (ची क कमा) जिल्हा (बा क में ए पे प्राथिता इक्रान्) स्र स्प्रमार् (श्राम स्प्रमार) स्मित् (व्यक्ष क्ष्ये) 115011 (लाम एक एडिट असी में मार्जा । आ या त्रिस मा में वसी-(छान्थ्रियार मका: अवस्त्र स्प्रमान हि। (र मका: 1) प्रकृति (अक्टिक) मिनारे (मिनाभाग मिल)

भेका अम्बराश (मालकार्क) भाषा (मालकाव-मणाए वाट्यो) नाल्य प्राणं (न न प्रमुखां) नीना (भड़ी) कबाद (क्रिकेन्द्र हार) त्यानु में समी (०२) मोगायमें) उत्ती (१६० मर्या मत्र) स्था (कामकार्य) नार्य (निवयपत्र माहि : नियानि ए प्रि) अर्भ (भा) अस्प्रमन-म् मा ने कि कार कार कार कार कार मार्थ) कारम (आ) अवतस्य- १ ज्य है। हिंदी की (अविद्यामुम्भ लाग्य-हत्रभा मिल्सिकार भाष्ट्रस्वित्राया) विवरमक्रर (श्रीत संभ काष्ट्रीयर) सिल्लाक (त्रामुक) विषि (विश्वमूक्ष) निष्ठि (धार्ये भारि)॥ ७०॥ (लग लमग्र (उ दे अहम में राउग्र । रेपा मार) क्यां आम-अम्बर्जन (क्षमः लक्षकां मे क्षिमः वाज्ये अमर-अभकः थाडि सार्व अम्बद्वाणियक्षः काम्मर्) विवधि (वियर मक्टाइ भाव) देवासा की (लाका । त्या व्याव व्याव के मध्य (मार्थे अमिमा दी विश्वमा) धरमे भारी (व्हाका मार्भी) माकाना का (दून भी: तका शिव भाग नामि न कार्नि हिताकू रेकाडि ब्राट्म र अवनमनामुका) अमु त्वरी नृ छार्मा (मधील-भाषाराधि करिय सार म लाने हिरमा के उनि ने स्था सम्भा क्षिक कर निर्मियम (बका बाद्व-बाएस्या) मिली

सिल (मान्यिक) सम्भण्ड (उक्काभावप लाये सामय-मकः (लाभ मामकोत्) में (नातः (च्याताः) खन्तः (मेरायः) mis () 2 mis) (maria) (amina)) 1 00 (2 mo) 00 50) (लाकाता) १। कुल (भार) सम्बर्ध (भारता) के उर्देश (मार्कः (महार्कः) विकार (क्राविकारिके) 110) 11 याव- स् १६ (९७ म- मी १६०) व शक्तार (शक्ताव-ट्राट (अट्टा:) अल्या लंगकेंट (स्त्रक्सावया) ल्या ॥० (७५- विमिक्ष) ७ ति ॥ ७२॥ (लाम अव त्यान्त्रिक द आक्षास्त्रिक । ज्याक्र त्याक्र विकास्त्रिक नं भ्वत् अवर्ष् मात्रा लिकिया अधिकम्मानार कालन (पाभी मार् म छार् अपन मील सामामक) म जी खर कार । ज-व्यमम् हस अरम्य भाम बालकार) इर इड । (वर्षा !) धम वक्रमा-विसाप-वृद्ध (टालमीय-विमाभ-वाकायाः) ग्राहुं (सकाक्षे) अ वि (अह) भारत्रक्रमतं : (देवायतं :) लाहिस्त्ये: (भावास्थाः लाहिस्त्य): लाओ त्यारः) हरमा (मन्दे) में हैं: (अत्) गर्या मदान (गर्व) विकरी ('अम्बिकी कुछ) विविष्ठा वा (इ स्मूर्तार्ड) वा * मर् राष्ट्रायुक्त भी (सम्बंद) अमि मृ (स्राक्टाक्ट) At 110011

(अय त्थान्त्र प्रदेश कर नाम मू पात्र नि । की कृष्णः भी संभर आत्र । (त्र) मार्थ ! अप) जनकी म (भाउर् प्रिकः न क मक्ष न मूनः । (कर्मा ! केल्स् प्रिक्ष प्रमित्र क्षिणे कृष्ण न क मक्ष्र क्षि न क मभ्रम् मान्य मार्थ (मन क्ष्र प्रमित्र क्ष्र क्षेत्र क्ष्र क्ष्य क्ष्र क्ष्य क्ष्र क्ष्र क्ष्य क्ष्र क्ष्र

लाम सम स्मार्ड (इस्ट) काक्षेत्रमाड (काक्रांड)॥०८॥ (अभ देस-निधन-रिड्क् नाममूपाइन्डि। श्रीकृष्ण वासा (स) (ह) मान्य ! (अध्यम्य !) मत (ममात कें) कारो (इसामी) हरता (वेता) वाम्य : (अक्ष्यभाद्मः) सापर प्रवंत्री (मुवाह्यतंत्र मायर प्रीकृष) हारिष- त्वलम : (मक्काफ-कम्मा भा) गर्मा ममुब्नि (सम बक्षामि) जिल्ला (म्हालका, जमार) इर्मम प्रभा (वभू:) आमे (डवामे) शेषि कियु पढी (लन व्यक्षि:) हिवार (पी र्यकात्मन) ज्या (अका) मुक्तामें (कूला) ॥ ७ ५ ॥ (लग जिनस्य्य दिल्क सारिया में एड दान । लयं बामा आ-में में ने-जावनकी निवासी विक्रमें । (४) प्रश्नि ! मूर्पिन-पूर्णि : (कलफ-कार्नि:) निवालकः (मिर्टमः) भाषा नाज्येल-विजयः (भाषाणः समयसमा भाष्यं म्या राष्ट्रितः। विश्वभ रेय विश्वस्था वियाता गत्र म:) पुरावक : (पिल्म:) क: लर्द मंबा (किलावं) कुछ:(क्रमार भागार) ब्रह्मि (ब्राधि) आहु:(आलड:)। कार्या (कार्या) मः (कार्य मेया) देनम्बार्टिः (इवस्टार वित्रमार्डः) हिंदेतंः (हलतिः) प्राक्रत- क्रातेः (क्रमारेक्तिः Ceiça:) इत्र (लाभुम म्हात्म) सत्त (हतः क्यानार (हिन्द मार क्ष्याभाषाद) र्शिक्षर (दिक्षा के लड़ विद्) विन् के नि (WAZAID) 110911

(दुराइवेम् केव्यवं रा भार्त्य विकास क्षेत्र के क्षेत्र क्षेत् यात्रमात्रम क्यांचा संग्रियत यर कासा सक्यार आक्राहिताआ-सानु द में ग्यातालक रावं। यामुका ह क्यां कास्य वित्य स- क्यां मावा ट्यायक्त एडमजन क्रवी काम्यण अइएसन ग्रीका अवून् आत्रीका वक्तारखन भागिका कासूवकी वसूव। मा हिन्द्र नीत-रापु - आर्थे प्रसाद्भारं क्ये के कंग्या काल्या निस्ति वस्त्रा निस्ति वस्त्रा -एरिय कायर मालमासास । र्मिल क्रीयक्ष सके लामाओवना समुक भोसप्रकाहिसायलमा भाषत्यं यहकात सत्राख्य मर्पे। प्रमानिका ह प्रक्र नहीं: अक्षि: नामुवड: पूर्वी समाम। मामुगाएक मुकारि मनदें भार्ति ए वर् मप्रमिष्क देनावमा रिक्षाम्याम् वार्षः भारतः म्यासमार । ताम अप्तः कर्णाष्ट्रव्यवेता त्याक मक् ब्रामा नामिका जी माधा आहिमार भामसक्तान करी ममली की कुक मारे व कमारे बा विस् । वह वार मारिकर मुक्रेका: श्रा भा मा प्रकार जासक मारकामामक अक्रिका सर्वसम् यर अभित्र । (४ वन्त्रा) नर्ड दुनक के (विद्या : यहारिन) कर् मिल् मा : (जर्भात वर) मनाहकार (मान हिन्) अर दिस्त्रक्षा (अहाय-मतावंश-त्माम्मर्) शक्षकृति ? (म्यासामा: माटक हिं) १ (म्या) (म्या) अडि रे वा पढ्यां (अदम हैं ता भी दें को स्पृ का अपि हिंदेन (ता का का समर) हैं सुना (भरता) सम्मामन (लाखामन) में दः (शवसे पंड) दुममान इ (द्वार्त्रिक अपदाः)।। ०१।।

(सिंगे अव प्रसादिश में माइबार । के सब भी नार) में बेची (क्रा कि कार) यंभी) मदं (में के किया सब्द) क्यर (शहरं के के अखि (सरामता । णवः (x) दिन ! द कळा नमुक - वाम मम्म (कळ्ळा तम भूकः रीयर कामम्बर मार्गः स टार मही) लाम देवन्यर (क्रियर रक्ष भारतका) हार द्वाद (म क्टं दिया हमें भड़ । (म) नाटम ; (वः) अत्मादाल्या (अत्म केट-वल्या प्रकी भा भारा। (के) मामान ! (य) स्वनातक न भूव- धना (अका गमानिक न पूर-कार्नि) मडी धा किया (क्) भाम (माभमा (क्राम् काकी मही सा क्षा (प्र) महाम ! (वं) मालाम -क्रिका (भारत केल लियकरेका अनु से मेरत । (र) क्रमान । (वः) त्याल्यायकका (स्प्रापं : व्यक्कवामः प्रामा था दाव)।। ००।। (कामन्त्राप्रकेशातममेसाउदात । तमें से कराप देमां दे हं मुक्ति लालाकनं मा: मास्मा: (श्रुट्ट र्मा प्रमृत्यु) रेगर वाचा अर्प (कराहिर) विस्मालकी (देखेर्विमाण् क्रव्यामा मिं) अला भे प्रमा) भूवं । (ध्या हाता) विन् वेडि (दिस्स महा पक्टि) अ पुढं (क्याहिट) डानुसेल (क्याकिस) मू अ अ वि) वाका असार् (वाका व्यं भर्) पृष्टिं (द्रान्) किन किन्छि (मिक्कि अछि) अरे (कामिए) प्रभाता डामुं छ . जूरी

(मंद्रास्त्र ट्रेन्ट मेंक्रम अल) मासमी (वयतिक्रा) कास नक्षि। (इंग्रें) कर वा (अयर) कंद मास्त्रात्र-केंग्रांव (कंद मा मायर-मार्ड) म । क्रियां (अर्कातम । क्रिय में मुने । । । ए पृथी भाविषा-(सम हिंड काक्मेर्यक दिवनीहि दिन:) 118011 (अम अखिंग अवन् करं व्यात्मित्र वित । केल क्षेत्री मानी-म्भी (अार। (र) मिथे! ब्रान्वला (ब्राव्याम् भीमलम्) भिया (लाएक नाटक) यह: अडा (बलमभववावलायः) स्य (माधार्य दिए साव: कार्य) यमव्यवतं (मर्मेक्ट पक्) (जाए (जाड्य - अने में) (माइं (गमा भी कमा) सम् (त्यास्तार (वाडा-सावर)कावाछ। स्वन-अमवीः (क्षणम्) लावाडक्रा (मळक्री) क प्रिलायना (क्रवर-ANSIL | non (consylin) onezylpie (moderie) & mi (मम्दः) लाह्याद (मस्यापक) भेदः (ल्यः लेपः) लाक्यं (लारक्सरेकड्) दाम वर् (केंग्र) 18211 (अम त्यो हान कर दे क्या मान मुमार विषे विषा आप) वस्ती (त्माजी क्षांबाद्या) शहर (क्षांककः) स्त्रीका (हिंदी) दे-सर् - स्तर विक्रुवा (हिमाद विक्रुक्त अमारत इसिन विक्रवा विश्वता प्रकी) क्रियुकार (क्रियुर्) अल जिनमनी क्रार (जिनमभी कारी (रं) शतिवाकि। सर (माड) अत्रीत (अमन्ना छन) सिच कुट

भंगः (ल सकारम) श्रिम छ (बाह्र) मित्र - मिट्ट (समय- काहर) यम् (कट्) म सम्याम् (क्तावः) लास्त्रिके निकास (13425 24) 1180 (246) MACA (ALEXINE) 118511 (अभ दिवर-१र पुरुष्त्र मुनापम् पात्रवि । देकावा व्यापामक) (धरवा) क्षित्र काह वस्ति। (४) मर्थे मार्थित । (कार्या) ग्राम्य कार्ये प्रम् विवर व्यावन (वि विवर्जिनि व्यावन क्रिया) दूरा (डेमछक्षा प्रकी) क्र थाल (क्रूमिहर) आत्मानिष-क्रुना (म्मिष-क्ला अछी) विन्योषि (ब्लिस अया वर्डा के का क्रिका) क्रिन्ना (क्षिण) (क्रूमिष्ट) जू अश्रेष्मः (कलप्-क्रम्माना मडी) प्रमानः (प्रकेः) प्रमान (प्रहान) विद्या (विल्लावन प्रथम) अलं नी- छनं छ: (अं तीताए डमंड: किरादेतार) कर्मर अलाई (आक्रामांड) क्य लाक क्रायर काप्पाक (क्राय- कक टेर्की) दे वर्षी: (क्रिय-हिंडा मरी) अन् (अकास्) शवां (काल्यू म् क्ल् मक्)।।८०॥ (लाम लालमाविषेतायं । शक्षामित मुक्कि (क्याल शक् नार्ने प्राम्ने भाषि। (प्र) कृष्ठ ! यस प्रश्र (श्रीन किए) प्रम्ब ि (अर्मा) वृप्विव्याचिते: (जय विव्याव हेष्ट् ते:) अलेखन-विधामिडि: (अभानार (अभर रेज मु उभाननर जम् विधामिडि: उक्तमकः) तिवि छि एक कुं अतारि : (तिवि छि छ । अभारा : दुवेगा: दुक्स: समाना एमर् दुः)लग्रं (अकारं)माराम-र्वाडिक - जात्र - त्या हत - भूरि: (मार् डेप्वार्डिक डेप् भूरिक्ट

यादं पत्र-कत्तीमिक रामः कमार्केट्य (पार्य-क्रिं) क्त-क्रियमार्वितः (क्रमामार्वितं केष्ण हेमाय्याह व्यात्र हार के:) अस विकारनामितिः (अस्तिः विकातः उन्हां) प्रहार (अक) (म्थून) अववः (एक लगाः) जनमार्गिरीर (ट्याक काम्राज्य कालमार्वावाराय में कर्ट) खिल्का मानु (रिहाइमार्ड)॥ 88॥ (लाम क्याह में तार बाहु। क्या आ का का का का का का का का विवेदमार। (र ट्यावित । विरं विवेद-सडिक्षाना: जीवाहाना:) मांस्क्रिक (यात्र- प्रदेशकार) मैक्ष भागी (मैक्ष कार्म हा) कारी भड़ाम-यम्बार (लाज्य अम्बद्धामर क्रिम्म के में स्पार है। प्वकरा भग्नान (ग्रथ्यकर्ता अश्रिक्यम् अम्मल्यान) यात्राक्षाप्त अभ्यात्रकात्) लक्ष्यक (त्या स्थाव) लाष्ट्रक् - वायर् १ - याप्यी-(गाय-महालिम)कामारे (क्रिकेमि दगरि)।सनमक्त गें बर (काल्व) सम्मां अं (हम्म प्यात ।) ह भी मारे बं (मर्क विभीनं) नक्ष) (७ (म्ला (७) ह्मा-म्नाल ना : (बिसा अम्तारोपडी वस्ताः वाम-आक्रीश्रं मिस्या-कुवा: मबीन-धूनातानि) क्वाथार (००%-४०%- जालन थः क्वाथः लाक: कमार) लाक (क्या में) त्क्यित में मा : (ट्रिक्स मा :)

(लाम इक्टिट्रेक्ट (मारमिंग उंत्रि । ज्या बाक्ष किलाम प्राया-विसार अलार । (४) मार्थ ! (अरह) पत्यमीत नी त्नाव्यम पत्रकृ हः (मन्द्रं मेर हे सीता वाक्रिकः मीतार्वत्रमा क्लक यव पत् नरं वर केक् काष्ट्रिष्ट्र केक् राभ वन्न) वसा (मुक्सा) मिविजार (अमाहार) कर्-मरामिक-म्हर्ण-कृष्कर (अर्थ-क्रम्स-मणः (जर्भने मेर्च) प्रकार किला र्यार) विक्रामार (क्रिस्टामार) (भाडाकेर (धाउदिभातार) मिनश् (त्रसूत्र) मद्री (प्याता माजी) देश (धार्मार्) थायर इसा (कूम मा मार्ड) थायर का मा (डिमास) प्रदे किंद्र किंद्र (केंद्र किंद्र) के देरे (नवर मर्सर् छ छुर्) जमा (जार्मन् काल) न थका मियर् (जान्स्वी) 118 भा (दुस्तव्यादिनं ब्रेट्सिंग् । ट्याका: अवश्वतात: । (र ममा:) विमान-भण्यः (खाम्यास्तर धाकाल-मार्दिनेः) (प्रवाः (भूवांभ्याः) वानिर्णिष्मय-क्रमणीयर् (वानिषानार् हेष्म्राया भमाप् कर्ष्ट्रवर् क्षर भी तर हार्बे छ क मा छ) के क ल मिर्बी को (है की) हिर्देश हिर्देश है त्वन् विकिन्तीष्ट् (एक क्वानिष्य) वापिष्य दिनाः वर्माः विविक् अप्रकृति भीवर्)अप्रा ह आय-तून नावा: (आरवन कारमन नूत्र: ह्राण: । भेक्ष: मार्या देक्षी भागा । जा हा । किक) चलार सम्म-कवंगः (जलाडि मामाह के सम्मान कूम्माने कर नार (कमनक्षनार धामार छा: जयाष्ट्रण: निक) विनीनाः (विभाषा ऋभिषा नीवी कारिवक्षनः भाभाः वा: क्या भकः) प्रसूत्रः (LM36 MOL 124:)118611

(लग विद्यात १३ वर्ष त्यारमेसार चित्र । लामे चर्ममंत्रीमें साक्त मा न्। दासा कर्र मंगा अपुरिक्तिका विक्रिये में स्थर नाड नी के का मार। [र मरम!) वय (बाल) किमत्मकूते: (अस्वममूरि:) कार्नेख (इस्टि) मण्डि (मण्डि मण्डि मण्डामण्डि) में दा (जारार किक) मीन-सुवक्षि मृलाव् (७९८ स्माप्ताम मीन् सुवका थान एका: यकीश र्टाया: (प्रात्माः मामारे वामारं) यभागारं (यवस्तु मरं) क्रमाल: (महाल:) उडा (वामन विक) कार्यम कलिन (कालमा कार्लान कनिण गाला, किक) करे मातालकारे (करे-गाममा देलकाले आहुडार्भ)मालम (मिकिस नामम)धारुर्मण: (यज्ञा धर्म) अनु मिछ- भाने मक्त (अनु मिछ: अनु भारत काछ: याप्मे अक्: काश्वर् मार्गा: मा) व बाक्षी (हुक्सक्षी) भर (व्यावात्रा) (व (व्या) म्योगा म (काव्यकार्यः) ॥ १०।। (अग विश्वाप- (रव कर सारम्पार विवि । व्यीकृष्णमा तास्मा भ-कार्यात्वमा के क- व्यासम्यामात्रारमें के कामन (माट्ना नकारिक कू न र सी दिएन ल ना सू नि प्रा सूननाएं रेव वमसाल कर्ण वरमां तार वाहम वेक्रम् वालम स्त्रास् व्यवनात्वाई अवस्मव्यातः। (र मणः!) वस्रिक्ने-भविः (भव-ब्नामाव:)भावक-त्वन: (बाह्रक-त्वन: म न्नीकृष्ण:) वेबब-वळ-नीव्वाकुल-विच्य-त्यामिः (ध्वक्रम) वक्रम) नीव्वम) अप्रम) व्युक्षमम् विचित् तमा अर हिरू ट्यापू के :) मिल लका द कि ते : (अलम्पिक्स) वेशहेद: (वेशहिता:) मैंदालारं (त्या-भंतामावश्य) है: मह नम्प्र (निवाव प्र) मुगानि (भकानि) एकम (अकिएकम) अविवास-रीक्ष नार्वि - प्रताहन रक्ताः (विज्ञासन अष्टकृष्ट् यए नीक्षरे करेग्राक: (छत थार्वड: थारिक: धाताहरमा काम्मा) (बागा मार्थे था:) इनंट कें ग्रमाइट (क्यम रेक्ष्म माट्ट तमार प्रथे वा-मिछ्र रे:) भाषिषा: (धामिका: मछ):) कन्मात्म (त्याद्म एडूना) क्रमन् (भवि। रेड् बर्) क्रवं (रकभवक्षमः) वा न विदायः (म्मानिष्मान मायगढ्यामः)॥११०-६०॥ (लक्ष में हिं उके में लक्ष्ये लाएं) वस । युक्स मार) लस (लास्य मासि) में कि: (संबन्ता)क्रिक्सान : (दुलास नव) वर्ग : (वर्न नीय:) प्राक्षार (वक्षाठ:) थर (मृक्) न वि (देनव वर्मनीयः। मनर्थ-ममन्त्रमन् म-अर्थायने न्यापं कावविताः जीव्यक-(अग्मीमर् भिक्तामक (धन वरमस् वापिक्यः)॥ ६२॥ (वर्षात्रवन्थं। अवात्ता पामुळाडं अकार १८४) में माम । भाषुरमंगरं-उस: (माम् (मम्य) लर्च प्र) लये क्या: च्युक्ति के म्रीयं (प्र व धात्रर:) भारत किय गाम्ड (क्र संग्रह सकामः) न त्वर (म भकाछ) खरह त्युं (बारं) महा (ममक्छा) क्रिकेट लासेम्याम्त्र (माम्नाम्माय । वराद लडड) ममाः महन्तः में त: (विवयन) में गांव : (व्यक्ति क्रमा) कप्रताम (क्रामहीश्वाम)

टा :)॥ ७ ऽ॥ लक्ष्यं क्षेत्रिक्ष्य) सर्वे क्षेत्रकारी प्राप्तिकार क्षेत्रकार सर्वित्रास्त्रीकु-(स्थापि-सर्वित्र) सा इंग्रं सापन्न पाप्त्यमुग्त (स्था वे अपोत्ता। लक्ष्यं (के विवत्त्र) में सप्तिस्ति (सर्वे में स्था क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षित्रकार क्षेत्रकार क्षेत

(मालाकु अवप् (४ दे कर बाद) में मार बंदि। के मह मी भागीमें श्रीमार । त्य त्यात्र ;) त्यावीरवं (अवहारवं) केत्रक-रें वीरवं (अक्रम्भे रें ने ति) इंगिड (लक्षाम्कात मार्ड) भरमव्या जामे (क्षामा) निक्रमण महत्व (ग्रमण) (म्याय निक्रिमिष्ट्र) हुड-मम्बा (प्रमाय (क्षामा) जाले की निका (आवका) रेव भवित्रीति अभि (नित्रीति - नम्मा प्रकी) भीपि म (धरममा थडर)। ७६॥ (लाम लामुक सनप्टि के बातो में तार बाहा। स्मिक भे समें बा-अम्रास टक्नेन साम अस्मिस्तर) हा उड इक । (कार्डा) हता-मी मूप: (भूत: भूत:) धानी- मानीक-यहत्तन (धाना: भ्रा: अभाः अभागः : भामीकिक वर्कालम्) विद्या (गाक्या विक) इस्विन्ध-विभन म् आर्थिक भाना)। (इस्माबिनाए विभन् भान वार्ष-सामो इ मार्गा : मा में बका देवा ' किक) का हम में विमार माका श्रेष) किरान (काक्त) र आ दे वं (काम्य र नामा द र नार) व्यक्टबार क्षि (मा अवश्)॥ ७०।। (अम इत्येक्ष न्यक्ष : बाली मानवाडि। मिलाम जीक्रिम सिमिलागा: अभिमासागा: (सरमार कत् देशक में ब्रेस प्रमात) मा काउर ं माः (मान्ये : मर्द्र दं कामक-मय-माम्याक्त्र हः (कामे आ मूत्री जा न वा अभूकी नार्मा कि: आविता प्रवहन व त्मम् हिः) वितासः भक्षाहतः (चीक्षक्रम) अत् (स्रम्मः)

कारमाई (रात्) मे काड़ (के काड़ि थाः) स्थाः (सम्बंभाद्रा ट्या है अवसे) यर (सर्गार) ट्या (लारे कुड़) स्थर लास यह (ममप्त) सम जिनमणी गुरु इंड (अस) श्रिम (म्युक्टरक) जें : (कार :) मार व (समायात सेख) व्यात्म-मिनिङ्गे (कार्डमा बाएड)न निनिङ्गि निन्धतानि जलंती यभा : या ज्या मडी) वित्रवेषि (हूरमे निव पडीयुर्थः)।१६१॥ (कम लागुरक्रम् १८६० का श्रम मा रवि । इसा ट्रिम्मा मार्ग । (र पिति!) स्मी वनार्ड (यनमध्य) श्विना (क्षीकृष्णेन अर) विश्वानिनी (विश्व कुर्म ही) याचा लाडिस मू : (अभा (म्ब्री) क्या छिप्रिका (मिन्हमा मणी) ज्या (जारुक्) अख्यर (त्राता) गमा (त्रम अकारंत्र) में द्वा (कारद्व) र्व प् (त्युमें) यास्त्रिं (न्यांकाराता: साम्याणः) दलतः (साम्यवः) व्यान लामे (लाह्मामा:) त्यापु जाह्मा नस् (र्मे द्यामा: नक्रमा: वाद्या पेशि: ग्रह नाहुं) सह (अप्रात्म)॥६११ (लाम विच्ट (ठ व कं बाही में मार के छ। विस्त्र में गं भी मा प्रवर भी लेंड के में ने ही रेसा मीर्क के बे बे वि । (४) में बरंब । मूसूकी (क्वीनानी जन निन्दिन) अहः नूना (नून कर्मण मजी) भाविसन-वर्षां (भाविसनानाः आश्रवारेकः) भूशिषः (अकिक्सान) वासें यह प्राम (याद्य) अवान्तर (तात्रकानंतर) कान-न माराडि (न हिस्पेडि। एउक्ट) क्रिक्ट-क्रीन क्री-क्रियां

(कार्यकर रेक्ट म्ब्र्यम्मा: वार्षेष्य य कार्गः क्रियनं क्रित् (मन भ:) ७ अग: (अध्वासाम:) इस: ० अर (वार्क) नव लाइ (प्राक्षितः सर् किनेकिक्ने रा । किक) के सक क्य-म्यानी. व्यक्षिक (क्षेत्रक्ष्यम) स्थाक्र ल्या मान् मान् व्यक्षि मक्ष्मिकोश् ;) लाम् (संमक) कम पत्र (लार्टि पत्र लास्ति । उक्र स्त्राल न कृषात्रिकारः)॥ ७०॥ (अभ नवीन-मर्भमाजा वीडामूपारंगि । मीक्कः मुबनमार। (र सर्भ!) विक्सिंग् । (लान कल बर्ध ; न्युंगर्द ;) आन्मार् हन (श्रीकृक) कि (क्य) मछात्राम (मछ-मूभी) वर्डाम (छिन्न) मन्द्र (जाकाकर:) जर्द (अक्रक:) कर मं दः (वाव मार्ड) मारत (मार्गात । ००:) समार (सममा डर) रेजि (नवम्बकारने:) धरात्रः (नश्छः) हहेन्छः (हाहे-यादाः) यम ल लेश्ये सामा (साम्येसामाराष्ट्र) मा ग्रामा रेर (धात्रीन्) मार्नि (निक् स मार्न) निक् स न्ती: (निक् स -मक्षी:) रेव ग्रेक्ट्र (मिक्टमा आक्किपिन् र्रः)॥७०॥ (नकाम् आवार बुद्धार्म स्वरंति। राष्ट्राः सन् काक्ष्रात्र। (प्रमाम !) भेषा ! (काम ! सापाह ;) है : ट्राम ह : (अलास्मेय) विलाक्ति (धनाक्ति) अहे : (मिलूना) किशानि वामि (द्याम) यर (यमार) इरवं : (न्योक्कार) व गर (वनर क्षा)

नव् अवसर् (अम् लमर्) रावर अवकार्य (अवक्रव्यक्ते) क्षेत्रमार (समावासत्याः) मृति (चन्)भड्डाकं कि (मम्मिल) हलानस्नर् (जिस्कायवहनर्) भूवेडी भागाजी भीनु अभव ट्याक मार (अ-अय तिला स्प्रमंस) ज्येक करां मो मक्तार) मूर् अवाक मेर (अवनख् कृष्ठ वडी)॥ ५०॥ (मेर खान कार मिटा मेरे र मार । मा माझा मा सामकी मा भाई माट व्यत्तिक टिल्म प्रथामार एकार क्यानाकार्य मान्यानार (अरक्त्यान मक्षितांगंद क्यार रेना मत्याहि कार । (४) बार्स ! (१९) ज्या वहमा (ध्यार्यवास्कृत) त मकु ह (अक्कु किए। म ज्व) जव की ई त्मे सू पि की हिं का त्मे सू पी (अक्किन का तमे सू पी (अक्निकार) यव (भमाव प्रः) रावः (भीकृकमा) हेन्त्रि (वक्षित्र) धक्रमा (थार्वनाक्त्री) त्कोब्रकी-६ क्षा (कोब्रक्ता लाए मागा: ६ क्षा अप्यक्षा) लाम (त्यम । त्य मार्फ्यमेवना ख्रिके विवासत्म रेक् र्ः)॥७२॥ (जार लकत्वाभुक्त चीत्रमेयारवृति । अल्य स्रांश स्र्के माल्य वसार । (र) किटर ! (रेंड् !) जरा जिंगावारायक-क्रीचंडर (जिमामा : कालब-त्यामा : लायामाक्रियक विवर वाक्रिक्) वहिः (वात्राणः) अभव पन्नवागः (अभवन अ त्रकाआई मळ् वे विष्युक्त : क्षेत्र वात्मा नत्र कः वर) इत

लक्षेत्राह (व्याक्षेत्रा:) वस देश क्षेत्राह (व्य म्मूक) भिक्र क्षेत्राह (व्य म्मूक) वस देश क्षेत्र (व्य म्मूक) (बन्नाक्स) सम्मिश्रम अप्राट्यम (बल्लिक्स म्म) हिलं न विभिट्ट तम (इक्स के अमिना) (माकार काम किमान (न्यान्यक्ष्यान तमा मात्रमा न्यान्य क्षिक्षते : म स्टा) प क्ला इं सन्भाष्टि ॥ ७७॥ (अम रेन भा क्यू न निष्म य वि भाम मार व कि। सम्मिना नामी प्राक्तिक) अम्मा: (भी वादी काम त्या आ अशादिना: का क्षेत्र आ) (आमीन ९ करान सर्य मा बा : (त्या मीन ७ : अभू छ : क मन मा धर्-कांबा: मक्रक्त अवादार्) इत । एवं: (वाक) गान) मिली ग (सामाइ क्षा) भारके (धकला) पह : इत लाहक (तमा माउया) मात्मी नि: (हक्ष न- हुड़: , ज्या) देम अवकाम: (द्रमक्षम् द्रियक्षम् कामः तम् वमार्कः) लग्न अस्मनं कथा-व्यालय-लवं: (ब्रह्मत्रा) कथा हावता व्या व्यालयवं: (आलत केवनतेः) अस लग् ठिष् : म (म्यर प्रियर (मक्षम्) भिष्म ए १ (भिष्म प्रमासम मुख्य धानाइन् राम स्माउमा) कम् के उत्ह (हक्त बाम वर कमार मार्ट-(Br) 11 8 11 (अम क्रिमेरे- पळा मानुकास मार्च काम्मार के । क न्यो के क्रिक क्रिके कार कमर्य हरिया नामा आर ।(र) जनात ! (हजात !) द्वि ! द विम्ला-डीयर्डम (पम्महीयम् र्यः रेड्म) महार हर: (अम्मल) सा प्रत (य काम) समार वस) भारत. (का कुढ आय कुढ़) लास प मर्य

महना (नार उन मारिकामीकार)। व्यव कार्य कीरेना (कर्तामिका) (जर माक्रिक) जाने न प्रवाहि या मूमार बार । जी कृषका धर्ने-रिल्यसाइ) क्या (हत्तावयात) अत्येल विसेति (से अयं ल- १ त्र-महमार) भर्षा । भाव त्लाम मी (समया अस था हाला का) न दिस्य (म मनाक्का (म आक्का का किका) मिरीमार (क्लाममामार) मिना मचार (श्रीभवाकामार) धार्यक्री: (मार्चे मे) जीर) (धर्व वं ठा-भन्नत्) जाने न निवाक्षा (न निक्षा कि) अप निवद्यानामु देवा आम्म प्रिंडि : (निक-सप्तः मा मेल ल सका सा प्रेमा लीखा कर वर्त्राष्ट्रः) मरवाक्षण-स्र-भटि: (मन् असर डेक्रण: काम्लिण: स्राट्गः महः लायवन्यम् द्यः छः) म्यावर्षः (लायबी व धमाकः) कारकः (असप्टिः) नामः अव बनाः (हत्रावनाः) क्स: (व्यह्मवा: क्रावा:) शाल्वा: (मृहिवा रेज्र्य:)॥ ७६॥ (था दी-निवासविधाम्पादनि । त्लोनमात्री भाषी भाषा वरात्रव्यादार् (वम् कला कला क्या वाल मुव प्रदेश मळी ना व्यापि) "लम्प्राव (प्राज्यामाम्व :) सत्रीयः (भ्रत्यक्षं मभागाउभा) क्रमण्य मद्रामं (अनाममं) दशक्री: (क्रेम्क्री:) व्यत्र सर्वामाक्ष्माः (कत्त्रप्रियाष्ट्रमातः ज्याचारातः) प्रवृद्धाय-सर्ववा (मर्वन समारमाद्यन सलगरकर अल्ये मड्का क्रिका मर्थेना सार्वे ग्रेंचे) अभी ना (हक्तम) ज्यू-वर्ती (ज्यू: नव वरी अपूर् नम्) क्रिय क्रिया (क्रम्य क्रिय क्रिय)क्रियी-अलिन-

क्राल्यमा (क्रामिनी प्रामिन मम् क्रिन: क्रमाल्यमा क्रिनाक्रम) (सक्) प्राष्ट्र (मक्ष्यम् विक्रमान्)।। त्वा किर ही- लग्रामुका सर हि आसे तार वं लि । न्या कार्या व्यक्तकर रें भी कारक का कार 100) स्थान । सा (का नामा) मारी (क्षाविलाय:) पर्ने (धार्मिक धार्मे) वेच क्षार्थ वैद्यान-वायह (व्यापवायह) एक्टी कि (अअंगेश सद्य) (अस्म ह्राह्म: क्रमा अपादिकाकार वाक आह के कर-य पार) मार्ड: (यार हार्या) सर्या (यार्या आम लास लाएतिका) म्ये बार (2000)11 6 pu (अम डम्कानिजमसर्वितास्मार्याड । लामिकामा: काहिए मभी र सा बसी शर्व में के डिकार कि कहा लाय में में महिंगार कमा असारवनार) हुछ। (हरूना) ह आपने नी अर्थ: (आमन:) मं सार (लास) हिन्द (मिल्लान) भार्षन-महामान (भार्षनम) र्यमा भवमान हमनकभाग) वाक्की (क्क्की) क्ली-निमाद्यम (अक्कम) भूबली-वय-अयर्गेन) विक्रा -कम्पा (मम्भूष क म्मा मठी) प्रमा कर्णानी (जिल्लाम आ जान, [म्या-श्वतीत) निनिष (निष्णि जनवडी) ॥ ७ छ।

CLASS ROUTINE

| Days | 1st Period | 2nd Parion | 3rd Feriod | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7tin Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|-------------|
| Mon | | | | | | | |
| Tues | | | | | | | |
| Wed | | | | i i | | | |
| Thurs | | | | ., | | | |
| Fri | | 21 | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

EXERCISEBOOK



Name

Class

revened of - 128

र्या याड) रल्तिया (व्यासी क्षार्कक त्यन्या) अकरे-यानुकार (निरुष्ठिति छ)भागार् प्राष्ठिभक्ष-क्ष्मा पाकि (अखिभक्ष-देवाम (पाल्याम: क्रमलक अवत्या) विष्ठुश् (विभक्षा) लायका (रेक्ने) राम्पा (क्रिकेशिता) लाल लक्षराप्तार प्यास-क्रीयका (ल्यमस्यम् मा न्याकिक यो नार दंगास्त्रिकः म्मिला (जाममात अक्टक म जाम : क्री छ : जप्रमिति: जप-अगरेर: मुलिण ममुख्यादा मली) वृक्षी वहूव (मोत्र 1200 2:)119011 (अश्र अम्लाकानिकार् अम्बिस् मा दवि । मार्चि अस्म अरब्द्र सर्भेचार् गाम्येक (अक्ट - माटक) विशासमा (विशास) क्षित्रकार (अक्ट - माटक) विशासमा ((कि.स.) क्षित्रकार (अप्तिम्प्रमण्डः) आत्माकाव (मर्मनाव ट्राला:) तमाविक-प्रावते-व असाउक्ष वर्षः म्लक्ट (लाविक्रम) श्रीकृष्टम प्रावन दिल्यन विद्यालन हेडिछामि वभूविम प्रमा भाभाव जा स्वभाष्ट्र छा:) प्राहि (वर्ड रहे)। ध्वमार (त्रामव) हवान कामिभी-प्रामिन-भिलिये: (कामिन्या प्रमुनामा: प्रामिन-सकारक्ष्य ! क्यांकरं : भावता :) लक्ष मचता : (सब लक्ष में म-मास्तः अमादः) निक्रा अभूरं (अभूमायं) भाष्यः (समरं समरं) बामार (व्यान की मार) त्यमर (मार्म मानार) जाममान (में युक्त कर्म) गारि। (क्षिकंड क्ष्य क्षिकंड) ॥ वे ३॥

(लम रेटा द्यास अप्रवाद अपृतिस्मार दे । त्यामिक द र्भ स्रोक्श वित्रमही टेफवर् प्रकार) जम् (की कृष्णम) जी गृम कि बार् (अमृठ-विभी मार्) भिवार् (वाहार्) (छ (अभिकाः) भाविभवाः (मंबल्मः) दुक्ताया मा विन्दे हैंदा (सर्वेष कर सन्। हैंदा) मिके सपाइवा: (सर्वे लेकिय वस्रार्कः) वाः वः व पक्षः (लाम्राकाः) (लाम्याः (शर्यावसाः) (व (म्यायमाः) क्रिया: (क्रीडा-क्षिड्कामि) अविषक्षित्रीक (अवस्थापान-मन्तर) वर इके (ब्रायर) में बनुक मिन्। (में विद्युक्त) (अठलम म) भी: (अविश्व आहा रितास) (व (अमिस्म) यमत (त्रवम्लयर) के कि अप्रें (अप्रकासर) व्यक् व्यविमार्व (सिम्हिल विभावित) सम रेम् एक: (हिंडर) धार्यन एक (अभिक्)॥ १२॥ (अभ विमर्सर्व्यः विषक्ष्यान्यवि। वस निर्णाष्ट्रभीकृक्षप्रिने-ब्रेसी न्यांका मिलक्तां) प्रमें प्दः (प्रतासाः) तार्था (चति धर्मितर: (अमना:) (लोक्सर् (भूक्समम् कि) धर्म म निर्दे (म निविष्ठि) थएं ठकं : कलिए- लिए पा (कलिए : श्रीकृष: बिल्सा खादी र त्यं य व्याहिक : यम) माहिसक्य र आपल (क्यमार्थ न मुद्रानि) विविती विवता (शनिता प्रनी) उतिकर (न्यासव्तुः) मर्गमर (नम्यास्तामरं) म हत्वि (म भारति

इंडि गर क्रियार) इत्य व (क्रियार) इत्य व आश्री (मध वास गर्व:) अप्री (अप्रिकः) कारम्य नमा (तार्यन) के वर् (मि विश्वासन) mud (40214) 110011 (लाम मर्मारहरूक विवर्षम्मात्रवृति। त्याविवद् क्षे मीवादी। क्तिमासारित क्षेत्री लावक्ति स्थामार्भार्भार) मून्ति ७-न्त्रिकाम् : (यक्षित म्डिक हैं हो देव गुर्थ । क्षेत्रकाम समृत्रमुक्शातार् धावाल: त्यानि त्रित मः) धराने कर्माविः (अकिकः) प्रमुक्तिः (प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः) काम्य-अविवृह्ः (कृ वा निशंतः मन्) भूयः (ध्यवः) विषृत् (कार्ट मूट्यं) विसमारि (रे लिक्ष) ए । असा) थार कार : (भीक्षः) त (त डवि , लबतु) प्रवणिधित्र साधार्थ्यः (स्रेमा हिस्मे : इ अस्येत : श्रीत का का सर्व : भएगड व :) <u>बिर्सिभाग्राची</u> (मिर्ये स्थाने स्थारं निकः) ष्ट्रपहुरं (पर-मिय:) मिर्नि ((mक्षिन) ध्यममास (धार्मे रेडि) MCB (ACT) 119811 (थय रेखे। नना कि कानिष्ण हिंदा श्रू पार्व कि। फाउ उद्या भी विभास निस्वामक्त्रीं क्रिक मिल्लामार्ट हिसे ते की के क्रार ल्कान । क्र मिनं त्वः मार्भ । ति (वर) भाषात् । विविधः (मिन्डि भाषा) प्रमुखियम् आस (भय-मार्भाष-एडाम)-यिक्त्यात) अवा (स्वा) (९८मा) मिर्डि: (त्रेम्भः गठः)

मासारिय प्रमार (विकि वहार) जवर ला अवं मर (भक्र प ई टरिं) सन् (क प्रत: १२ लाम? (ध्रमम) न डि) के (के कि सर: अक्षामण् (ध्रमम् छि द्वि वेषि) यए ६ (अक्रमासुन् ब्बिं) देए एमोन् ह (यम ब्बिं) देम ए ह प्राथम विष्य न्ति है कि सार) ला लाहि (सकामा है कि ह) यह (द्या) वर (बसार वर) त्यांभिनी (त्याममुक्त) काम (ब राम) कि किं वा विट्यानिनी (विविधिनी-) थारि (के कि) क्रया: (14) 119011 (द्रायं प्रिंक । नेक्याया दे न्या का मा द्राया है हिमा है ज्यकिक देवासाल्यक (अप्रथम) खिक्तांक) येवादं: (म्यक्ष्म)) लास्ताः (यम्पाताः) व्यव (त्रापक) त्यापम -जायर (मन् असर ह म्यूनम्याक हे मारह जात थन जर ज्याष्ट्रक् मर) श्रम्यार्च (विक्रमि) श्राप्ताः (निश्वाम्भवनाः) किल विक्रिले: (धान्नकाष्ट्रीका:) इकुष्ठाए (विकिक्ष) , स्थानुकार् मामानु (कुक्रव्या सामकार अवनातु) Curaca (ब्रा) क्षमा इंग् का बस्ती बमार तम (बसमा) लग्ड (में सार्थः) लाल । में कें (भारतः) जार कार लाल भ्रामार (अवचार) ह्यामिक्कार (क्याम असंग्रेश) भी छ : (emas:)119011

(ध्य धानिसे। हिनानिकार हिनासूका दलि । मानी मूर्गी त्लो नेधामीर अगार) बानामा (बाम बाबमा) हाक्र ते बेक मा (मर्द हिम सामक मा है वर्षाव त्येत्रतार्विष्टायत) ग्रामाः वालं धर्विय-क्लेम्पी-(रार्ट्य)- छाल्या) राया राया (यापुक्) दितील (अदीखा and) umin: (edendin: Thouse as a source orin: (and).;) रेम् म्र-कस्तर् अकः मडामाम् सम्बर् (अडः अवःकवनेः o(तर अमाभाम् ।भ्रम्भ समाता या अ वर व्यास्ट अर) om em (लाइक्) मिन्नी मं ध्याप्र (बालम्) ॥१११॥ (द्रयामवं प्रवेस । ज्याचा मामा । आम्यामा : सम्बन्धां वरमां । क्र) र नामान । ग्रमान : क्राना : क्राना (म्युग) धालिना (मानिष्ठा) भा उन (पूर्न उन । यह:) क्या जिसिन: (कालिय-आमुखा:) थान विद्याः (बाराहि यए) कृत्क (क्किमार्क , भरक क्यीन प-मन्मत) किल जारा (किन्यमार्गिः , लाभ कर्नित्मममामी भी गरी) यत्र वर्ष (अवमा द्वि) (लक्ष यि मेर्ट मेर्ट । जीकाका (भी न्यामी : जिस । (क) ट्र दिन !) मानव: (श्रीकृष:) भाषवडाः (ज्यूनापानवंडाः) धर काम्मि (यार स्प्रिया) सिम्हे (स्प्रिय) बा व्यक्तिर (मन्त्रमम् द्वा) अमित्रकः (वातः नीछिन्) कार्या वा । ग्रा क्या (यळ में) विम श्रेष्ठ (कार्या) वा व (किन्) मः वब भर वार्ने नार्मः (भ्रम वार्मिकीरणा उक्त) अवर : (काल्याम) में (धर भार्म मार्थि म हर्या)।।

(द्रयात्रवं एक वर्ष । चीका किए। चीकिक के व- व बुरामार न्या के प्रत्या है (द्र) अभवना । (द्र) में समयते । मून्यामिलाः (एवमनेयामिलाः) उयामुक उयाप्यः (उवः असः लर्मेश्वतः रेक्षा वर्म्येता. लाल) एव तस्तसिकाला-समार् (जामभाभा डनमर्) हेनाडि (बाक्षि) समाय नाः (लाय में क्षा:) रेला: क्षिक (सक्षासिक गर्क कुळी न:) (अभ्रम्म कार्क) (अभ्रम (अप्रिक्ष):) भन्न विश्व : (अप्रिम्म अप्रिक्ष):) के : कम्मान न रेड़ (मकासमंदि)॥६०॥ (लम टैं:भालावस्त्रिकार रीविष्टेयारवि । बाम्युयाना ह वियंशाने लून गावि हुं के श्रीकृष्णमा लाका बन्मू मवीना प्रवर्ष : अ समामक मैं सम्म व वर्षे का एक का कि का कि का विषय व प्राह । (पाका :) छान्भितास्माप-विर्ण - इप्रकः (छम) श्रीकृष्णमा प्रभिकानिएन लाउपात्तर विस्वाः भाववा कर्मकः सामाग्रेम मामा वास्मा प्रण:) कृष्क कुमाद्विः (स्मगठ-कुद्भवाकु किः) विः (पिकः) दे वर्गार्मः वाज्यक्षाय (म्येक्काम) व्याप्तरं व्या लिहीकेलर (दुलका दें) मजा केलम : (सर्वास्त्रसः) लाम सामायमा ६ (राम्यमामा वर अवस्य का कार) गर्मः (बार्स: । बर्माल बट्य त्मारला इस न्योक्टिन मर्द्र वर्ष अकृत-कूडूम-। श्विष्ठ- व आर्थ-भिष्मा कषा विलमाध श्रेष्ट्र रक्षिष्ठा ब हुत्र विक्रियः)॥ ৮ >॥

(अम देवमानुकाने छार् देविम्मार्वित । किर्कासन्मा अन्तरसम क्री वाद्या त्यव क्षा वर्ष व्यावक वृत्ति कार्य वाम में विकास व्यस्त १८४) भटम । याद्यामाः सम्मा (स्कर्णमा वमा) मुख्या न कार (नकारा उन्ही) हिन्छन (निक्रमाधिनी) त्मोनन मकू नी (की क्क कि ममन किला कर्य भी ठार्य: , ज्या) सण् ह रेप (आ सीन बटम) अस्तिन में भी में आर् (सि.स्य प्याल में से वृष्ड) विस्तालयं कासानाः क्रा त्रत म लगार्डः , वर्षाद बम्मारमया मे वकः। से कड़ा () । क्या (की सुकार क्या :) ला मर (इंद्या इ का) किं लिलक भुनं (साम् भुनं) 1802 (म किंस भुक्रेम्;)॥ १८॥ (लाम लाकु त्युक्रम् रहकूक र स्मित्रवृत् । क्रीक्रकरिया प्रमृति) टिम् के (चिन्वसर) वर (अकिक) व्यासक विलाक) (रेक्स) लामक (बाय) ज्ञान (में भा ज्ञान : खिलाक) अवव्रा: ज्यः (भवीवानि जमवस्या रेक्ष्यः) रेव (मर्याः) व्यवाः (प्याक):) मुर्केट के में रेम : (मासा दुर के दम रेक्स माम्मर हा : om soi:) म्मलद (समकायः) दुलम् : (व्यक्तमार्यः क्षेत्रच्यः)॥ ० ७॥

(द्रमारविष्येक सम्मार्ग्छ । न्या याका वप्रमात् । (इ) के प्यारित् । (स्माहं। यात्रा) नमः । क्रम् (क्रिं) त्यालका-क्रमे एथी-यैश-धीहितः (आज्याकामार् केर्यास्या मार्वे सेक्षित्रा कार्यात्कः म्लासाः) वतः । श्रम् (क्षिण्) मः (माकूत्र-भूग मेल त्यारे मालगार्मनः (ट्यार्ट्स क्राबुव विकालिक मर त्या प्रवाश में प्रवाश्यो हात: उद्दल : हे० तर:), वत्र: किस (किः) प्र: प्रमानः विक-। विताप-প্রথাকর: (রম মম মনো রূপ মার পিক্সার কেলি মার বিনাদ: इस्बार: लेक्सक्वं: यम् ३:) लर्बिनिहिं (येक्स- वर्षः वस) मृत्या: (त्रमत्या:) हमी (यूमत्)। मिक्कि (मि आ क (वाकि)॥ ५ ३ ॥ (अश अडोक्ट्रना खर र कूक र र म पार स्वि। म म् किम किम सिमा-वरह न्त्रीवादामा लामम त्विमा न पर्मा वर्मा वर्मा क्रमेरियाः (मेट्याम्याताः भावाताताः) मेट्यम् (यत्ता) मध्यामादं (लक्क-भाराजाठरा प्राणी)कम्प्रमेश (भीकृष्णम्) व्यालाक (मलकाविष्यं) न अस्म (म सम्मि लाक कमा) हुमा-वल्ली (ग्राक्त डा) व्यक्तिम अस्। (व्यक्तियत सुद्र वा मुक्त स्वी वस्र) आत्मार (धानिशंत) कित माके डाक (माकि मुक्त) न (न माना) यामा परंपत-क्रीश्रदा (परंपातम क्रिश क्र कामा मरी) देखन विसी (देखन साम अपारत) म जान (म अधार बाला) हिस्मार्श्व (हिनाव देलार्श्व) अअस-गर्म (अअसमा आर की रे क्सरें।) का नाज (नाधक्षित्रों।) होह: (किसे चव गोलावं ;) विम् : (विम्का) व ह्व (थह्व) ॥६०॥ (अम इस्रान्त्र म्हार्यक्राप्रे म्याम्मार्याङ । मण्या मानित कार्क काहि प्रेम् असम्मिन्न असम्मिन सम्मितार । (र) में क्यां सम्म ; लाम कर् नर्ष्याकार्यम (लहेक प हेत : पाश्रेष्य : न्यक्ष रमत ७५) अमर् (मार्थन) अमर् (म्बन्) विकास (म्याम मधी) क्रांग्डा (अल्प्सीअर्थ: । वर) विवस (सस सम्भवन क्रांग विवल ज्य) लहैं या सस एक : कि (मिर्फेश्यर मास्री की मः)। लसमार (क्रमम (अवयात) मंत्र-मंत्री-क्षक पात (अंत्रावी प्र कप वंवात) लाकाति (क्ष्मास मर) बेसावमक्रमसम्मित्री (बेस्सम्म) क्रिमान्त्री संहित्या कर्पा:) व्याचितार्य (य्यवार) विक्यार (विद्यार । अन्यानियाम् प्राप्त व्याप्ताचा राम्प्राप्त में में में के का मार्गिया डार:)॥४७॥ (ला दे में का दिसे का उठ के ति प्रे में के से मार के । बामक सक्याना : यश्याः (यश्र वाकान् वश्रक्षकाव् वा) आङ्बंत् कत्वावि (द्वयाग्रम्मा-आगा लामक्षेत्रं वात् त्यात । किक) वात्र सक्षात् । (सक्ष्त्रम्ति) ठाण- विक का क ((का कर) अस्व अर्थि (समात । क्रक) अत्योद <u>पिल्येति (ये के ते के) हुन , क्षात्रक (क्षित्र के कि कि कि कि क</u> (नरः) ७०० सु- विक्त - जत्न- वहना- प्रकृत्त्र ती लामाड - गामका

(ज्यन्तः त्वनः विक्तः विछर्षः ज्यून्टमा नामान्टमानेणसः मह्त्रिम तीतालकः विकिश सक्ति विविशः मक्ष्माण्ट एक कात्रका शिवका) लान वंबवर : (ह्यामा) मा)न मा (मार्थामा) वैगा स्था स्थार (कार्यर) प्र त्यमि (य मानामें मी)। १४।। (कम क्यार बर्कर वस खिलकतार) क्यार (हिल्ला) र सामार लम् ६ स्रोति (यांत्र दंग: भवस्य व- क्रिय व द्वार क्रिये के स्वर म म्यापिकार्थः) एवम (त्यूना) म्झानियु (म्यान-कारिमापियु) देशित (वर अत्रोरं क कारत। वत्यामा भागकरंगः अवस्यवर स्टिश-भादकाधीर म्हार्यन्यार्थः मसुरवर)॥ ४४॥ (जम्मारकार । मामकार्यम् अविश्वी-मामिर्यो भक्तान् कीक्कमकमार जामावा में मंथा शुक्रों दर केंक द्र स्थियामार सद्यों एव हि वियम-हिन अवस्थारिका मारीकिकित्स हेम्बिंग वास्थां म गाव सा मामर्कमार (१) हिल ! (हकत!) नम्मा श्रेक्ट! अत्य (वर ममाल) मदीया (किल्मानी) म हिर्दे (अझ त्मेरियी वहत्) धर्मा १ जव डगं म हि (त्रेबान्ड) वर्जाः (ब्रक्षामाः) क्य (म (मम) रेम् पृष्टः (मम्मः) अटके एमि (एमम सकाला) व्याच- वर्षः म (मर्भन-समर्था म डत्यर)। त्य (थर्म!) मलाष्ट्रस ! हर् यादि जयमा (अभ्यर) व्यक्तित्व (मूर्म) व्यक्तिक अक्षेत्र) म पामि (म राहिर्मलामि) उठ : (करा) नाइं सिल्पास (सस तथा हा त्याता माने) सर्वे में यु (कर्

(लम व्यक्तमत्र के मर वास्त्रमार बात । न्यो के क्षांत्र रास्त्रण क्षा कि न्ध्राक्ष्यी आक्ष्मस्य (द) अक्रिक् लान्कस्य । (व्यक्तिस्य !) अठूड ! मूछ-विविक्ति महामू (मूड: लस् : विविक्ति: मुक्ता छर्गा: सदाम) भील (सारवंद की शिवा) मैसावकमा (द्यास्त्रिकमा) मिक् मर्थित (म्याहे क् प्रस्थावर) प दुलमामार (प माळड) स्नी प्रे मेर्डिक अर्थ-प्पा-क्य- विहास है क्या : (अर्थ: प्रत्य क्या ह सिल्मान हे के अह ति बड़ में सिर्म मुह्तिम दे बर्ग है वर्ग है वर एका: (दुक्स: (क) रेक्स: (एक) आस्मारं ;) क्यो। (श्रम्भा :) याः (माठि दिस्यः)॥ २०॥ (अम लक्सामरहक्षमसम्मे मार्या । मान् अवक्रेती नामिना भीवार्वाचार । ११) वनता ! (अनि एक ! षु १) वन्नवर्थावक-स्रमण्डी-पंजाक्रत्यापिकः (वल्लव ट्योवषत्र आव्यूवजीव्यम् स्र हरेडिंड पछर निकिन्छ । क्यारम अपनि अपनिकित नमम भाउनामि एन उमार , वत्रवल्ला कांध्रधावाल्ला काल्य (व्यान्तातिक छाव:) नाम भिना विमा त्रिक्र एंगर (काम किमा देव विमाभ वर्म or मिट्टिमा E (बालकायं मिनंद तयो लकात मिकिकार) (१० ६ (१९ वर) अधर (गरमकः) अवावक्रं (सेवर्ग)। नवः दृष्टः रक्तीवः (बितारमः) कूनका: द्रिण: (द्रीहातात) विकृष) (धाकृष) क्राङ्क- छाछिडि: (कपड़-अमर्दाः) अक्रियम (गानीकुर्स्त्र) मि: लड्ड (पण माउमा) देमाँकाव (लख्किम्बाव) कर (वर) कि (वर्र) म हि विम: (न मानीम: । सानीम न त्याज्य:)॥ २०॥

(अस स्मोजामा दर्भन कानिण प्रमू गा मुदा र व जि । वात्रास्क्रीत जीक् कार्य-मोशुमार त्यानुमर लद्य जल्ला वात: (त्र) (ताना: ; वर्ष (स्वांकार) वरण: (अरकान नग्जः) छानाकासुत्रा, कामिन: कृष्णत्रा, देशानि व्यक्ति-म्यानि (ज्रामे कार्विकः अविष्टानि) अमानि (अमिक्सिनि) अमान (Lie assurena) 119511 (दुराठबंपार बंश । त्याका: अवंश्वरेया ठः । त्य) त्याका: । जतं त्वन् : (क्युकेक्ट भी) खिं के अप (व्यक्) त्या के वे स (तर्माक क्या मं) रत (मकार लांद (वर्ष:) त्या खिका यां नाम- (त्या जर्न तश्चार वरक्ष जा थान) मारमामवा व व प्रवार (मारमाम वत्रा अववा मुक्) अगर (व व) अवा न से वत्र (म कार्ना : म थाकार्य : वम: क्विक्रमात्यार भि यम कर यथा माउमा)

क्षित : प्रा (कावम् केर्यू व्यक्ति : प्रा माउमा)

क्षित : (भवि । क्रिक्ष) हिम्म : (मन :) स्मा वृष्ट : (क्रिक्स - क्रिक्स) क्षतादि प्रियो भूतकविण वहुवः । किष्ण) जन्यः (व्यापक क्षतादिः । किष्ण) जन्यः (व्यापक क्षतादिः । किष्ण) जन्यः (व्यापक क्षतादिः । विकास दिनि निराद अवस्ति । विकास दिनि निराद अवस्ति । шरमा प्रा महत्त्र भागा। (देमार्वभाद्यम्। काहित पर्यात्मामा लाभी भागे श्राविमकार् वाभ-राबी काकि वीका देशारात्व उमा: बीक् क मासाममाण मामूग-यात्र। ८४) क्षाविवस्य में सूरका ! वर प्रका (पर्यका अविकार्य वसर्य) निवानि रेडि (प्राण:) देनामा (हेरक्षे मक्ता)मा छू: (म डव)। मून्नी-लक- विम् कि (मूत्रता आसी कुकः भम्हाप विम् कः म जाकः भव जामीत्) जन (धर्मन-मर्मूनि) उन्ही (इं°) रेन का (धना नमनी) नमा

(अनुरक्ष उर्वाज)॥ 28॥ (अभ अने मन्त्रकामिकामञ्चर्मा मुमार विकि। अति। मिक - यमधाना द्वामायमान यमा : ख्रियामां : समी काष्ट्रमात्र । (४) में त्यां द्रियम (द्रम्परा) व्यक्तक याता (त्वमाळ व्यक्तः) लग्याः (सस समा प्रव्यामानाः) रेकि (पनप्रमार) भिक्ये (लाई को) एवं (मूर्ट) कार्य (क्ष्मेमण्ड) त मिकाह (म लाम् कित्याक करा) (म (मम) मेश (बिकार का) केंक (वरमाया:) अर्थे (वरात्र के) वदः (द्वार) आन मरीना (क्रिक मित्रुम हमि)॥ २०॥ (अय नामर्क्ष हालममूमार्वि । मरानामार्क्षां म्हांभार् वमविराव-तीलायां कलले विलारभाष्युकः श्रीकृष्ण वाव्यंती निलेख श्रार ।(र) केक के में में ((दि केक व प् के में म । लाक, के के मंथल के में म ।) है । Сман- कताय- लगाय (шक्षत्र - क्लाम आयात्र में अल्प (प्रक्य-संग- व हाथ- खा बा से किया में (कार्या वाम वाम र स्रीकार्य) वरं भार्ष्याम (वं के देवमार्थ भार्त्याम वास्याम वास्यान धावागाम द्रक्ष- वंत्रमुक्त) प्रिवं (सुन्यापं काका) पु: अहै (तका सरेडिका) कि लिं (कुलाबिमार्क) लाएं (के के मालवंस) लारे में खुर् (कामपाया) लपर्य- के यसार (लका के में मार्ग वे वास लका है-उस्तीं) न यार (न वार) माध्यमुर (मास्त्रमुर मास ज्लाय कुर करवंत (क्राक्षम विकार उटिसम) या वास्त्रकर्म (क्रमा: म्मम् रंत 香香) いからい

(दुराइ बंपा दे बर्ग । सहा लाब- धार्ब हैं का स्पु: म्या थ गरात्वा वर्ग माद् ग्रामामाम हिंद्य (ग्रामामाम हिंद्य क्षिक क्षित्य) विकादिक्ष (क्मून म्क्)मिन मान किमानाः (अभविना प्रदेशीनाः) आडीत-शसक्षा (पालरेस गुम्ह) ला दिए (स्थारित उस) टमला अन्त (इससे नक्षाना संहटन के मृ:) याकृत्य सिहबंड (पार इ तमा मोरक्रिया) हेव: (क्क: फून) मार्चकड़ (amasis) भी क स किया कार (भी उप) मायत्रे मिक्क केव्याके हा मिल का का का कि महिला है (अर्थियर मिस्वेशिक्ष ;) विर्वर्ष (७ व वर्ष प्रें में) अर्ष-(Смено) के का मामक (हका) हिन्द हिन्द हिन्द है निहिन ? रमा भाउमा) हार्यणः । भ्राष्ट्रयातात्रात्री (भ्रिएन हिस्स्कर्यकः)शवः (3/3/20:) 4: (3/3/17) ONIE (2000) 119911 (कार सिम्टिकें धालस्येता प्रवात । चीकिकं में वार विलाक सार्यामी-मशाखायवा की मार्था वनभागा दिया भागिष्ट सन्तर । ट्र मार्थ!) केषुपा (बक्त) मा (इंग्रं वयसाया) य: (लस्माकरं) लाभ्यत्मा भी लारे (लामुनम त्मुक्षमी मैंक लाव सी लतं स्ववं) लसी (मारदं) कर्व (गमरमण्) करा (धार्ष (काभ्रीभाष काल)न जत्रावि (न जुनारि, मा)रेग् वनमाना अनेत्रकं खाला भाषा (अने: मूम विषयंन वर्षकरम्य त्यावांत्रका व्यक्षां वाक सम्मान-विष्मक्रम् स्वा) इर्ष: (न्युक्तिमा),) यहात्र (अर्थ (मायर अरम (मामक) मार्व (सारमार्वे) ॥ १०॥

ड्यं: (आर्क्सकः) लाल्यं-चामच्यः (आत्मक्रांगः) सम्म नैयकार कथित्ये (ध्रांकाश्यांग्र) कार्यः (सम्) (लाम क्रेसक्प्रवार्वं प्रामित्यं वृत्तिः ग्राम्पुर्णे गुरुक्तारः (य प्रियः) (wie dyanano) valy ((Come no) grain - by zyle (\$2 -रें में ,) दुलकार (दुलकार के का) समाभाके थां (अवदम्माणुवां) भीरी (भीराकारा पर किरीबस मक्षर)कमपम (म्रामम) भाम-सामान करवास्व- कल् (अभ्यामासन क्षेत्र मालामक हिम्बलम् मक वर कमा) मस्मानमी-अवन - ककारमा किस्यान कमा मार् (Long of man a maning of a sel contraction of गर्म: संभाग्य पात मच वर एम) तास्त्र (कार्यास्त) निम्द्रों (निक्रिक् करः)।। भेगा (डेनार्वमानुवम् । नीयामव क्रीवृद्यावनमान् आत्रान् लीवरम् ि गुन्यू गरी नानिलात्वी भगूवाम् १ वी क्ष १ मार्ड मार्डिला वर्षा विश्वमेरी शार । (र अक्षः !) कालिकी कप्रत प्रृव (को (कालिका : कप्रतायः मून्डि: तो उड्या अमन्) कुन् वम्ड : (निकृन् ड्यनमा) धिनित्य (अनिक्यारी) यम्रहीः (अत्रः कूर्माडीः) या प्रही- सव-अवि-मत्मारमान् हिक्र का र (शमरीत सार्वीयकार्ता लक्ष्र वरके में मापक नवभाविमान् नवीन-त्रोव छ हेर्। भवि वि विरे अप्राव्पे अप्राव् । (क टमा भगा: अ?) प्रमुप्तालं (वर काड़ पिला) निमामूम के -मैं के खिला की है (सिरामें लिय में मिल-मन्मह) इमार (स्था मार्क) किसलग्-कताल-बालिती (किसलग्रामः वेयलल्यामः कताल:

अमूर वन गलन जम्छी मणी) धर् भूम: करा (कामीन काल) त्यावित्य (अविहान्यामय)॥ अमा >00॥ (लक्त माश्चिमार बाहु। स्लमक्षेत्री प्रश्नमत्राष्ट्र होता नाहर बाहुमक्षेत्री द जार । (य याम्) नर्मे ग्रेम् (लामम्) क्ये वाका काश (यश) इर (लाम्य) त्वीरकार्ष (पायक्षमकल बसर्वा) इरवं: (नीक्षमा) प्रग्र (गम्) ड्ला हेलप रेली (हेम माम कर्म ने) हु क - विहंग् क्मिककृष्टः (इक्कार्गः अभाजार्गः अध्वेदी समवेदी क्षिड्या अक्षिक्षार्टिक्षिनी विलायमा कि : दी। किर्यमा: या बमा सब् के (४ मोर्क का) (म (मम) वैं वं : (मम) नम्मर् बोस मह (ममार क्रं) लयमा (लामय नमा) मस्मार मामि (मक्सामि) हेन्छ ((वबर्) गावकार्म (यमसी सकी) निविद्र (mis) 12 21 @ 36 (Adulano) onus (Test) 11909 11 (दुमाउबमायेक्स विका माम्युर्मेश्व काधाय । (य द्यात) जदम्सम (डार्बन्यम्या) था (भावादा) (बार्षा: (भाक क्राया वर्षाः) डबर्पाठ-मर्ब (अमर्वनेक्टल डेर्मर्व) १७ - म्वार्कणे। (१ वा नवा नवीमा हरका छठमकार मा या वमाद्वा) वाल (व्यादी तम मुक्स) (नमनमनमा) भड़मूक्ट्र (कालायकात पर्यात) श्रामी हः (अन्नमम्। भीति:) भीताहि: हेन्यार्थेड् (अकालेड्) भूतकः (carentos) le (Lage) enviato (ON. enviato)

मिल्हिन्छ (मन्त्रामा ७०००) हार्कका (मम् । उप प्रकी) कन्छ: (अक्क्रिम कनार) जनाकाल (मामा भारत) विश्व हर् (मानिडर्) णान दं (त्वन्) ठक्ट म लक्षेत्रमामा (लक्ष्रमामं म कृष्यवी)॥२०१॥. (लाम माद्राम् मार्थात । रेका (अप्रायी कामर । ८४ एतु ।) भिष्किके-अप्यामि: (विम् मूक्टे: अक्क:) प्रष्ट्र विवृक्त-लावे से बाक्र-बाक्रा-अर्ग व्य - । भवी अ- । मे क्री हिका मं : (व्रिट्रमा मक्री-अवरित महन् विक्षा अरमार्थ आला अति भ्रमाभी खरंत P. क्या मन्या P मा सम्य क्रा: अम्मिन मं क्या हार । भुन् मारकार अर्थ ज्याका ए। मिल्री जिलाने व्यानिकंतन भी जिलाने व्यवंशन मभी भः वक्षाद्वः सर्)भ्रामासास्य दं (स्टावप्त - यम-विभावकः) काल कली संस्मा (। प्रत्या) देक कल मायण (देक ः ध्या हु ् क्ले नाम ् मळा न मेवान १) कु किय (अभाभाष्प्र) ॥ २००॥ (मभार्यस्त्रम् पार्वाउ।क्षम् मी नानिकामः काकिए मभीर् प्राप्त । त्र मून्यार्थ !) त्मिमस् कि (भावक्र मास्य) शर्म (श्रीकृष्कन प्र) विद्वती (विदाव क्वर्वण) त्वाधक्ष्य-कवाधिक मुर्डि: (चामक्सा : चामक्राक्तंक: कराहित कास मीश्रामा: आ) गामिका)मिलामा: (मभा:) मामिलामक् (बिकिलामक् मुक्ट्) म्माने उर् (म्मार्यः) धात्राः (म्रक्राहनर्) धार्षे (नियायमर् ス(ヨレ出 の 出 が あり) H 30 5 日 の (の は (い 生 に) 11 >0 811

(लम द्रमात्राम्- १ मपट्ये कुर्मियात्र व् कर्व : समस्मित्वा -र्षात्रवाद । पात्रकारं यक्षेत्रकः न्याकिक्षा वास्त्र । (४) नामुर्धायाः (इस्रमान !) हर रेपर (स्वीनाका) स्टूर : (मृत्री) रेष्ट भा नामी : (र क्रमेर रह: सम) केंद्र (क्रिके) वर समा: कार्या: (या क्रकाम:)(मंक्त (अक्ष्मात्व) में महें वास गृह (न्यं संस्ता) क्यम लकाक (वय स्थारत त्याक ता) सर्वाय बर (यस प्रमा) दे मतित्तु: (क्यमन्यांगः) में लेश्व-वर यहाः (में त्रीहुं के हिथा है वह कर कर तारा मिसी ;) या कुकार ; (अवस्थामिक) म्याभ ॥ २० ६॥ (पत्र माक्षम्मारई व्यव्यः अभम् मस्मां माक्षम्मार्या । इका टमेर्नभात्रीकार) हिंदाही के ट्याक (हिंग प अही के विकास का (अभा भमा जामेन) प्रमुख-प्रप्रत (श्रीकृष्क , जन्म)क्या (कार्यन) उक्षि मि (उक्र टर्न) व्यक्त मून्टे बहामि (व्यक्त र माम भारतभा मूनरे बह: बाक्क रामा वार्म में) माळा (लाहस तारे) ह में (या : (यम पां) अमर (मार्न) विकार (आयुवार मार्ट) अरक्षास-यमा (अम्मूकी) रेग् (की नार्य) मिथि कतात्राम् छ नग्ना (निसिधक नन निर्धाय -किया लग देमात वाहिए नम्स यागा: भा किका) निष्मलानी (निक्रानी निक्तानि अंत्रानि धनाः भा ज्या हू वा मेडी) अवसे स- अल्कृति: (अर्थिक्षा) रेव वहुव (अरथा)॥ २००॥

(ला नक्टर्नेश त्मा इसत्यः आसी सेता र कार । त्या वस्त सावन्त्यत (भ्यामी-स्माकाक ह द्वाराधाकाम विकाकमा भिमात)। समिन-करं विक्र क : (जिला में न : ल महत्य) (मार्यक्षेत्रम) क्यं : हार्य : क्या चिक्कः इक इक हिन्मा व्यास अवस्या विम्वसम्। भ्रेबीय-क्रमम प्रक्रातिन हिल्म सकाकि त्रव ग्राठ रेक) में बरु (भियं के क्या) लश्च्या (सक्ता) जित्तमा (अकिका) क्या कर्या (मर्स्त्र) ममर् (मार् मवः) ममस्वन्ती माः (कार्य मालीताः) क्रम् देर (कामुप् आवश्य मार्त के में त्य में त्य का ने में कर (नक्षाप्त) ल अवस्ति द्व (लाक्ष्य) अक्षत्रे) हिसा (हि निक् 4 4 (west) 11 >0 9 11 (ताम । ह माप्र केंगार का का में माप्र का । (भ्राप्त का माप्त माप्त प्र Emyglepole at to the discount of the by the by the sure de to the ७८८ हळावती वाभार विशे कामिडि: प्राई७० द प्रात्मकी दिवसदार् यात्रका (माम्की व्यक्तिकार मार् व्यक्तिमामीय व्यव व्या क्रम्मकार अठ्यात्र) स्पत्त (अकि क) शामुकां (श्र बाह) भववा मठ (मबीराष्ट्राक्टि) मृत्रमें कि (मृत्र क्रिके कि प्राप्त (धन एवर) भामकारं : साब (रसार (लमायवर का ह) । सुबं (बाहर) म अवी (कुम्पत्) वस (बास्मर्) नमा (म्याम्याः सभी) म्यवन-एउसारम् (६०० प एवं माजात्माय) शर्वेचा र (हिंख र) व्याप्तम् (लक्षेत्र के) विक्व-यम्य-लमा (विक्व काक्ष्र वर् यम्मलमः मभा: भा लभा ह सकी) सिर्द्या (स्थम् कर वहूर)॥ २० १।।

(अय नावना मूमायवार । कन्त्रात विश वीनार्था व्यार)भारि: (मर) भ: (क्येक्क्क्रवंसतः) भवीतः मूचा वंसाख (कीलंडि) व्यः डाह्रमुस्यः (मल्परम प्रावमेसक् द्वारः) द्याः (अल्भार्म द्वाह) इड! (वारा!) मलिल व्यर् हालम् (सम ट्रम्बाम्बर्सा ६ दिल्य वार्) लक्ष्यमे (रिक्री) स्थर भिष्माह (सस प्रयार कार्नमाह)। यां (लायां सस) एक इस्कार (हम्मवत्रः) द्यावन्त्रं (क्षिकः) वाववन् (लास्मिक्टं) दुरक्षिति (दुरक्षित्रति क्याक) 'ट्राप सामार्डिक (सामम्कक) भवना (विवर्) निर्मात (मिर्भिष्ठ वर्) वासर् (क्वर्) विधिर् (विकालावर्) विक W 3 1/20911 (लम नमियामनाह । मान्यमेम नम)म: (मामा, ७३:) धानीयाकिक्वाविका-अरिअडि: (धानीका मनीका माकि: देमएम नव क्रियंका क्षा एटन मार्सिका दें कार अरिमार्ड: टेम्यूरेर):)हिमार् (ट्रम्मर् मिथाकर्) म अर्पाद (म आल) भः ह कार्य (काराक) मू ही- ब्रा द्विन निकाल (मूठी तार का ने छ श मात्र पाव निर्माद : सम अवार : (जन) हिंदर (दीर्धिकार्मन) कु (कून) वार्य- न देखानिक: (म देमाभिताः अभिकः) कमना- एक मुनिय सेनः (कमनामः हिस्मा करी- विशेष :) अयर आयात ((कार्क अव्याः) यः । अर्थ भाषा भी: (भाष्ठ भी कर (भाषा) हे म्यू माण (हिल्लाहे क्ष्ये ।) अः । निवाम - वार्ग प्राच्या) । भी अर्थ (भाषा १) हे म्यू माण (हिल्लाहे क्ष्ये थे।) अः

क्य (कास्त्र) न्यातं (कराम-च्या) धर्मा विशः भागी छाव:

(अर् धर्य गर् मार्थ प्रायमार्थ) कामादिवक विममद् यम मायकामम् लामी-म्मक्रम हम् कृषि-विक्रममी (कालात्र: कालमभी) वादुः मूर्भ विनम्ही या वसना लिखा जमा अमारित का अर अल्लोर्भ स्मिन कुर्कर मर् ट्याली रे मळपढ (यालीयमं म माने हाम : क्यो १ सर्ड की १ सर्व-कृषितात्वेत विकल्मम इम्म रम्म यम मः , विक्) अक्र न्यात छ -त्याद्या छ - अकार्य है। पढ - अडी अपनं : (कार्या में प्याद : बाकर्म : गः त्याहरायः नगम-वास्टालः कट्राक्षाम् करः व्या मक्रायन हु नि छ , मिं के मिंग् विद्यालिक सिक्ती: मिंग रेन्प् रेन्प रे पार पार) मकार : (त्युक्क: मनाकं) अस (में गढ़) लाए एक (कांग्रेक) ॥५॥ (दिमात्रवरा नुसम्। त्यावक्षत भट्टे अने भिरमन मुवनी निर्वाष्म्रम अक्कः अविश्वासात्मक सर्ममन् प्राति । (र मार्भ !) = थरर ! (लायां) इंगरं का ट्याक्ष्यरं मिर्डिं दिला (सामा) अभ्यम्ने सम्नु न्याला व (कप्ता: क्रवंदी मा सम्मिया के ब्यक् वसमार-मछ० ज्यूनावे) कराअवान्य (क्षाअक्तान वान्य) प्रकृषाता (टिन मेडी क्या) करीत र्यम-मिछ-म्का (करेत्वः र्वत्तन कमातन त्रुहिड ् लूकन ् एके फी ए परा मा आमी) अस्तिन कार कार्य श्रीकर्पाठ (खिरायंग्रेट)।। इस ।।।

(वयोर चंत्रमानुकारत ध्याक्ष्तुकार का वमात्राह्र) महितामार (हा वबोक्षः) प्रकाव: (अस्माम्पाप्तमार) अतेखाद व्यहस्यक: (व्यहस्यप्त) वसुरं-विल्यावडाः (विभीगामार् व्यक्तिकश्रमात्रिमार् विल्यावडाः) देलमावः (यार्नार) मालायाः (महायास (प्राचा:) यातः ल्यायक्ति। नमार् (माद्यामाध्यारं कावपापारं सद्दे) मात्रा अवं (अक् विक्राण कारे कंग्ने दुवन्त्राध्येत्री)दुवस्ते (क्लिके ट्रार)।।।।। (क्यानुरम्मसार) त्यत्र (लालाया) भावन (लामुकाम्परि-में कुस्पर्ध) ह (म) जान-कार्कः (जायमा गारिक) महतः अकामनामिकारः) व्यक्ति-CMM: @ (46 118# @11 (वन आहत्मामम्मारनेति। इडाइं म्लडीं विभागां करि नीगंबा व्यद्र 1 (x) याम ; (कर्ट) कार्यव्यामा : (मभेगामा ;) वटु- चित्रिय (जीव-वत्न) अपर्यत्-वित्रेष् - वित्रेष्ठ नातः (ध्रा धर्मत् धर्मवः भार विम्वेन मिलवन वित्ताहनएंगः विश्विके नंगनएंगः अनुः आह-लाहार गर्भा वर् सम्बन् अवि निकिस्क केलक मिलार्थ: किक) मुमूल-यवा- प्रलाम वर् (भिष्यांगः सिक्समार्गा प्रवाण प्रवल में वर्) ममा ((कार्भार क्वर्य () विवेर (आकृष्णः) व्याताका (हार्ने।) मिर्म में बा (क्रिव किसी मर् क्ये लिस के के मर्द मत्राम : मा क्याक्रा) नाम कार्स ॥ इस ७॥ (क्राप्रवं मा वे वं ने ज्यों के के : प्रवत् प्राथ । क्र प्राथ । क्राभी

Xi: (nnua)

(हक्ष्य (प्राष्ट्रमा) लाभ्य कर व्यम्षा-व्यक (मण्यावी त्यं) सिल्ल प्रिल (अक्श्रेस मिक्के) ट्याष्ट्रम- हा लापाठ (मनेप्रांत: हा क्षेत्रोठ (प्राचा :) कू बल भ-वि भिना नि (नीन क सल-कातना नि) मू सही (मार्जी) बनाव (बन्द के द्वा) सम एड-एक बीक्ट (एड के लट समन्) इबार (काक्ष्मित्र)॥ १॥ (लाम अस्तिमाल्या अमेरा ठवाका। आहित अच्यांची में की न्यांकायें माथते अक्कि आहे बाक । (र) ब्रायान्य म्या । अही व प्रार्थि (अयम प्रार्थ भी बाका) के ही तं ६ (एवं सह कि) सम्रोत- साक्त्रीक र (सम्रोत के कर यक्) आलीम (मामक लीका) महायलमा (मक्तापामीमा कर्मा) धार्मन्मामा (त्र्य) निर्देश ह मडी) मीबी (क्टी बर्म वक्ष) मानडीए (आले)म विमाककाव (म का वनकी)। व्यक्त ।। (लग ख्रियाम लाड) अन्य-स्थार्यात: (अस्य स्थाप्त स्थाप वंत्रक भक्तक निक) भक्र किल विथेगः विक्रकाः (विक्राजाः)।।।।।।। (अम नवाय वाल कार्विकारम्मात्रवारि। कम् विवन्ना त्रीरि लानिकमा लखी भी गरी भार । मार्क (र) प्रार्थ ! क्या करम्बिटिना-उन्छ: (कपत्र- एक मनीपर) विमर्जन (हर्जी क्रू अमवन)क: गाम गाद: (अकः) कर्न अपनी ए (प्राम कर्नामर्) धार्मिश (जानुस् इंग्ड) न साथ (स्तवसक्यास) । हा हा। (लाहा।) CAR (मास्य लाइड) ON) के यापमीर गुअप मर्यां (के प्रश्ना-यत् - त्रिम शुर्गा ,) कार् कार्य (कार्य स्कृष्युकार) ममार (कारमार)

लाहित (मानिता) व्यक्त ॥ चेम >०॥

(द्रटाइन्माउन्मा । प्राच्छी: अभी: वाक ज्यामा लाप । ट्र मका: !) अक्ष्य (प्रथम) क्लानिनामाभन् (कामान क्षावनामिनि प्रव-में कुंगा अभिक्रमा के का क्या कि के हिंदा के का का कि नाम दे अकामन) अ ७० वर (कर्न वाका आसमे साम अस) माउ० (कार्य) नम्मिष (अभन्माष्ठ) अम्मिम् (असम्मा) वर्भीकनः (वर्भाः कतः अग्र मर्वन निरापः) आत्यामाप- अन्माना (आकार अवसार हेनाम- अवसावार हेमाम- वादमामिक्र :) देवनगढि (अवगढि)। नमः (मिलामा-मार्लक-हिन्महिकी नहीं)। में कां-धनकुछि: (नवन्न व्यक्तिः थमाः भूम्धः) मकृष्वीक्रमेर (नक्षावं ० प्रम्पालक) एम (सस) समाप्त भ्रमः (भट्रास्ता भाव: । लाव:) कतु (ताक्षां सक) <u>क्रिक (नाक्ष</u>) जै के म मार्ग (सस) मृद्धः लादेव (बाट्या त्रावः स्परं) । इकं (क्य) स्पृद्धः (सम सबन्दात) टक्तन्त्री (भीतिवाद बराहाक) भाने ॥ भी। (धम मामार वाद्याविद्यायमात्रवाद । मार्यमामामान म्लाहीः अमग्रीः काहित् लाभी राष्ठ्र मर् अव्यमार । (र) प्रार्थ ! सू वि मारा (मेक्री यात्र काल-प्राप्त देळ्यः) क्यास (क्रम कार्य) उसक (उक्रमूबर) निमिन्छि (अअछि अछि) (म (न्याग्गर् मळ छा सम) थमं (भाग)रेम (उत्न) त्रेम (अक्साप) = भवनी (यर्कानमाय्हा) कमाहि (अकालमा स्वामा) अवं (स्त: ठेउमर् का) अमर्भ १ (मार (अपर) • जमकार (जपकामादिक)

ममर्कः (अकामरकः) धानं न- मीतः (ट्याम-अमृतिः) मारा वन (खुंब दे दं) मा धामाया (आयवंत्र दे व दे के हा;) में द्याल (मास्त) आ काम काम (क्षियान) अपन क्षान प दुवरंग (त निर्धिष्ठे) अभागा। २२॥ (अम क्यार बर्क्नाविद्यम्मारवित। प्रमुवाम् व्योक्षर् मनिष र्वामा (मृत्र कार्या की नाकी कि कि का कार्या कार्या कार्या कार्या की नाकी कार्या कार्या कार्या की नाकी कार्या कार मस्योत वर) वर किमाल (लिनिक्ट्यार) केल में में के संबंद में के (अक्टाइएमर) मुर्खा धारिक-विक-खारिमाध्माकतार्वः (अम्मम-(मार्वाहिक-वृद्धिः प्रकी) अष्यी (भारत मी धमनामिव) मन्डमः (मत्भः) ट्यमानमः (जन ट्यमस्ममार्भः) धन्-विभावी (अविभादी अली) आश्रामः (यर्) मूयः (निवस्यः) मारिवन (मक्ष धकट्बार)॥ (जम वमाम् वाख्वा विकायम्मार्या । कारित मभी अमृत्मम्भाः अन्ति विद्यालामाना वव्यभ्याधनक विरोधनामून-किर्वानन-हैंग वरिय बीहिका-मन्। पठ् केसे। बामपाक वर त्लामगामा। उठम जार प्रमा अत्वार्ण भ-विकाबा र विवलार ब्लाउन जिर विकरी काहिमनर्भ मारी अध्यामात्री के अध्याप । त्य) व्यानी ! (त्र त्राम !) भव (भन्नाव) अम् त्रमाः वव (देमानी एव आक्रमा-एकोशः) में आ (इमंद क्य स्मा) mis (अर्म) में सक्तांद्र

(प्रकार कर्तान कार) मानहां ((कार्या) (सरह (लाक्स ने) द्वार (समाय) व्यं कं (लच के। म सम्मेर सम्बार) वश्रिष्ट) ज्य (जमावमान) प्रण क्ष्य किल्लान रे अमा: (वर अमा:) लास) (म्ला) बर्न (क्रिकेट) व्याममन-बटकारम्भीर्न- व्यम्न (अधममनम् वीकृकम् मुभाव हेम्मीरं पुः में के वासे पढं श्रिका मिछे मः) लात्रा एक (लात्याक राजा स्मावना क्रिं (मृत्) मुस् (धार्मिक मारि)॥ > 8॥ (ममार वाक्षानिहारमधारवाह । अस्मा मान्नार लाख्यालव क्रियार न्यकिक निमान्यों भाषार ज्यांकी मात्रान यर्थे ही में इ नवें है। ह यादुर्मनेयाड । ८४) साम (माभुमार) में दुन्न : लये लमा (लब्युमा) इत्रं ज्यां शि (क्यान्य स्प्या) के का (अष्ट्रिया) लाकु टमारुमा: (राज्यारं) याभुम: (व ल्याभुम: (र्व म्याः) क (क्य) विकालत्व (वित्रमार्क)। भन्म (विमर्गतारूग)मा (प्रथमेश) भावमामा (ध्रुप्त आने हैं का) नाम नार्केन रमन-अदमा (लाककृ समन-अदम् समन-अमिरा मना मा कमा मही) क्रामाड: (अकृष्ठ:) नार्नेभीत : (अम्राहे:) ला सम रहत: (हिंद्र) यामर (म्यादे लाग्या मिलो म्:) सम्बं (स्कृ कर्यां)॥ अना २०॥

प्यात्मत्वन-अमान्यार् (महाम्यदक्षवंत्रतारं न्यकिक समीक्ष्यरं लकाके व- प्रमेगार)कः मध्य (लाम्साधः)लयस्यः (लयमः) निक्र कार : (माक रिल्म थः) बिल् कर विक्रा (क्रिश बिल : आतम्बर) १ चकरा (अद्भव) व प्रिंश मिता हायतं (वर्षायतं) ॥ अकृ॥ (लग सर्वसमात्र) क्रय-कं लाहि-सामसी- ट्यांचेवर (क्रयंक् लाहीयार कूत-सम-ल्यार्-त्री भी मादी माद्यी प्रमाय ए जमा टम्मेंबर क्रमादीमार्मम् प्रामिका मिलारी) मध्यः हरवर ॥ १००॥ (अम सम्भार केल काविद्। वम् पात्रकाछ। क् नालंकाणः उव वन् प्रकास कि ट्नाहित्वि वह त्यम भी त्यां नाम) कि कर्ण क्वाहित ह। (क्रमूकिण: क्रमूक प्रमुलीकृष्ठ: धार्मि: लावक्रें त अवर्व रहा ध्राप्ता १००० विर्मुल (अम्बार्स १४००), अर्मुल (अम्बार्स १४००), के स छ था के मुन के किया के अह (एम क्यू के त्या है। क्क) ला नु क- अंकल प्रें (Cull लेक्स) स्था लेक्स करा) ख्वाप अस (कार्यक्रारा हास) भारत नवाई १ (अ राक्ष त्रामि नारत भम्मे के समक्षा देवार:) छमा: (शके) अभक्षमर काछकरी (नमम्मिन्नियी) नाम (अनिक्रीका) भीता (डम्ह) रेकि (अवस्था) अवमा (बमा) (वर्भवमा) (मारकाउदा (अलमिकी) मृष्डि:(इविन) क्रमा: (यमना:) क् विष् (क किर) अने (अनेका समान) ने अपि (न क अगर अमी छार्यः) ॥ अना (अभा हिमात्रभार) द्वीनि (बहुति) वक्षाति (वस्ती गानि बसुनि) सन् (व्य व्य बहुआर , कमाल) द्रेट ने दि (सर) मार्के (भारतः) स्पाद दृष्ट (उक्) मः सिस्तः (सिन्छतः) मः स्थादंः (अहरी:)काहरात : (इन्हे) देशा । अम ने ने (लम लाल्यामर बंदिया विद्या में मार्थ । यार्थ । यद वम वर दिलाम् मार् कार्डक कार्डक (एक्ट्रक कामिन की क्ष्र वार्षक को कार्य वार्षक वार्षक की कार्यन मग्रहन्याह नैकद्त बाह: काट्याह एतम अध्यक्षाप्त मानुरम्बीर मान्ध्रमेत्रीरं न्यावाद्य सार । ८०) यात्र । क्रिक् (केंस अपन) महीतुरमाम् स्मुद्धंत्र्यः (मर्वेष्ट्रियासी्मार्कणवृत्रिव्यंत्र्या हार्व वर्डः) उभवाले-भाष्युवाहिः (उभवत्यः अभवाः वाजाय अव भाष्टिमुदा: म्रं भाष्ट्र वृष्ण: कार्ड्य : जारि:) वृषा: (मिटियन थीरु आ: धार्मिका रेक्स्) वरवः (धाराक) विम्या-मन्तः (स्टिक क्ष्यकाः विक्क्राक- वस्ताक्षरतः) क्रवन (खिबाल मेरार् । कुने) मधे । खुवास । चास्र ह त्यक : (धर्मिन में किं म (मार्ड) माल त्वर्तः म अव (द्विवारि किक) ज्दाने (नवीरम) शक्-त्राम (देलानिकादिनीकुक : अलंगाम:) न (गार्क्ष करं) वर् विभागे म यारे (माट्ट के किय प्राया के करं) 115011

(लग वर्गन- खिलाकामात्र) अर- त्याक- जिलात्म : (अस्त अराह्मी: टमाक्षे त्रिम्थक विराय :)विश्वामार (म्युक्स सदी श्रमार) Benal: D: (ecar;) 115011 (अस मामात्र) अस मानी महाका: (क्षीक्क महारिक्षाने) D: (CLAN;) 115511 (लग एक वरक वादि द्वानमा प्रवृति । भीवाद्वा दिमा भार अन्यर । (र) मार्थ। वहे विच (मध्यांगा: वहे किला) कत्री (अंकत्रमेरे) वंगामा-टम्रान-मरहानि छाला (र्याकं हमर् थास्तान मार् मरमानि: 1करं वर्षाकारं वराक्षित्रारं) भदायारं इतं विकता (सिस्ता) अ अडिं : (ट्यानी) भू विष (विस्मिति) भा (अप-अडिं :) यस लर्खन-संप्रसाद् (लर्खम क्यांग्रहा लाएक कु मार्थे मार् मा खेप्त गार्रेयता क्या लामा कं लाप्त्रकुं) राद में दुरमाद्रे हुर (ज्याविक्ष्ण) (ताकामांक्र म्ल्यकी मडी) उन्माडिकागा (त्र-प्रमार) केले पर (स्थावक र (काराक स्थित :) व (पाति (स्थिन में मेडि)।(१७। (लाम ट्याक्रमाम) रेमायमा इक् (क्षा) (या है (हा वह) ॥ 58 ॥ (उट्टा वट्ट वाविटान मूदार विचि । त्क्राहित (आटाम टिमाइनार अवि मीए जीनक ब्रांच अवा अम्बामानीला काहिए नववर्ष् र्वलङ्घि-मास्यात्यते बावलामा अय्यी क्राया । (य) याम ! धर्म उत्तः कृष्टित काल (क्याल क्रम) अमुके ले त्वः (क्रिम पुरकः) धर्माविमाडि: (अर्थरेपर्:) क्रमण् धमणि (हर्मणि) विद्वनम् अत्रम् हिं (मिमिनमाम निष्यंतः)कः व्यक्ष मामान्यः (मामनायानेः) रेड (ध्य कुरम) विश्वि रेक (इं) धरवि (कामीरि) ॥ २०॥

(लम् त्रिम्बनमार) मः त्यां कारामानुषः (त्यां : अनिमवः त्म हाव: की क्काप्रवाम: एवर अमृतिक: मूक:) = जन मः वसे (अक्रिक्स)) किरंग्नः (क्रमेट्व) ॥ उड़ा र १॥ (लाम क्यात बेलके गान क्षान में तार बंदि। तर यद्या में कि । तराकें भ-अमृजाने शक्ष मह्मजुत्राका कृति जिया : मूर्ं प्र भा कारी-विकि क्रीक कामा अक्षेत्रामा है मिना हिला के कारिर प्रकृतियं जात्रबालाकी क्षाक कारा कारायी अमूक पर् एकम्प्रकावन् व किटिशियर । (र) वार्ष । (केम्पाक्ष ।) लक् उस्डि: (मध्यादिहि:) मित्रिक्ष धार्म धमर त्यां ममर् (मिलिसमल्यामार्) मप (धार्यक्षार्) का जार् वावार् माबड लास्मा: (प्रमारमा:) अयर (भाष्ट्) लाम नर (नीकवडी-) छात्र (जमबार) ८४ (४४) सन: श्रिकः (इक्नामुक्त) देव मिलि मिलि (अवर्ष) विश्व रेडी ९ (बिसमही १) भगमना १ (भगमन १११) भगम द्रिश (ALBERTS) COLANCE (OLANDE) 11 5 8 11 (लटमाकामामर) जन्मकामक (त्य व्यमान मकार रंप) लाभु लक्ष (मर्बक्क्ष) मार्वेस्से कुससा द्वादिक (GOL) 11 50# 50.11

(जय दुलमाना विक्यानुक्रान्यमार्वाद् । लाभार्यामान्यामान्यमा क्साहर ट्यामत्री कैं सादी सलांगंड रें ने वेड क्यान पट्ट व्यामके स्थार वीका वस्त्रीर मानिमानमाइ। (म)क्तामि ! प्रमुक्ति ! प्रमु (यक्नमं)यामेत्रक्यो (लाम्यम्यो) (यानाव: (आन्यो) (य (यम) खिद: प्र: (अरम) मह: (अमंड महक:) मंड अमे के हो (मस्याम -क्षेत्र के हा) रे के क्षर (रे के ह्या) प्रवेश (प्रक्षावं मृष् क्षिक्ष (विश्व क्षेत्र किंग्न किन) देनी जात (हमडात) नया मुर्यम भार्य नी-(मवसम्बन्धार्थकी मुक्त यम्) महिः क्रावि (नामाल) म अर्थाः मवा (०१) रेटामाः अरुत (यमप्रमाण्) इंगार (लायतः) Par 11 2 011 (द्रमाउनंपासिक राष्ट्रमायिकारं कथ्याक्ष्ठ विषयायामा वक्षेठमास्ट्र अर्थिक सुक्रालम् ही रेसा नार (य) मृत्या (प्रमाह) नम: नवश्रत: (नवलस्यः) (अग्रम (खिंग्रुम: अव्कः) देव म्बार (मारामात) द्रमं मैति मार्मे (द्रव्य सर्व :) वसी (कास) । अम्म छ। यार (समें व में क्या पार) ट्या पुड़ (समें रहे) व या प्र (प्रमुक्तीकट्वाि) प्राप्ती विश्व वाटमानभी: (वस्त्रकािक्तः) देव वित्रवा (बिलमि , त्र श्रीकृष्ण!) देवि (चवर् प्रसीवहनर्) निलामा (अस्ता) सा (असवामा)दुस्त्राक्षी (व्यावह् वाक्रम में प्रतंता) श्राम (श्रार अर्थ) मिरिक-वृद्धिः (१० मिक्स अर्थ) नियमार्क (वर्छाक) ॥ अस्त

(अभ अलायभात्र) यारे र्यप्रमामकी (गरि: यात्रार् रिक्र्म आलकाल मः अव वर क्यामादि इब्लिक्ष्यः 'नवस्वः) लाग्ः (लामार्गः) व अल्प : अक्षीविष: (ट्याफ:) व्यव: (अल्प्य:) व्याप निमर्ग: E अक्स ए हे रे कि विशे (विविष:) दवि ॥ १० १। (बर निसम् मार) से दें धाली सकत्यों : (से दें दें दें ता मूर्व बंदे ता कार्यः जैयः जैयः न्या इत्कार्याः तथ्या : विश्वतः तः) यद्मातः (र्माक्म १६०: यः) भियम् १९०० । अन्य मक्स्वः (अर्किक्र) अने क्लार्मः अवने) जिल्लाक्या (जया निमर्भया हेम् (वार्षः अहि) मनाक् (धनायना) कछरेमव) एवं : (क्रव्ने १) प्रार ॥ ७३॥ (अमार वं एक विकि मार्याह । कूनक मार्गः भवस नका विकार का वक्रमान विद्याल भूक्ष भामान गुक्र न्नामल अध्यर्भ समू हिलामिन मार्यमं क्षिम अवीक्षाम् सम्मा (क्ष्म) वाल सम्मा । (क्स्म) । (क्स्म) वाल सम्मा । (क्स्म) सार व्यक्त (व्यम्भव) यह मुक्रमाधनः (गाम्यमनः सार्) जुमकः निष (अभकः) कित वित्रक्षण् (लळिखा डपक्) लसे (याल) समर्भर्ये : (यारे-मंगम अपा) लसे (दवले । अवसे सम) मनः ऋ छ अनि मं (श्वीनाव मारिम् भाव का अना : श्री: स्मेल प्रक यत्रा ७०) ७० यद् भूमंबर् (यद् ववर श्रीकृष्ण) वव प्रक्रिम (प्रक्रिक जारकत) ममी ऋष (आधु मिळाले) कमा धार्म (कामी भार्म कात) हे ५० १ नुषर् (भिन्नभानर्) न वू (तेत्र मधीर्षं)॥ ००॥

(द्रमार्वमायवंग्। त्यम अवीक्षमामार् श्रमणीर ताल काष्ट्रमाइ। (इ म्म याम !) लयं सरं : (केंक टका दिवलें) या (लाम या) ये सरं-(अया : (अवध-म्या डवडू) छते: विश्वीत: (वर्ष्टाण डवडू), या (लामा) विभिमार् क्षं: (ज्याको हत्वे)। साम (सर अपि) ष्ट्रिमी (विट्यम् कः) भार (ज्यक्) मा (ज्यमा) कक्नामाने: (अन्न के मार्गिक्य द्वि । सक्या) सः (सामुक्षः) लगढं ल्यासः (म्केक:) यत लारे सस प्या : (ल्प्निट्रा हराह) 1108 11 (लग अस्मसाठ) लख्याः (च्युक्ककं अन्ताना हिस्ता म व्याव व्यक्त । अवः। मिका भ्रम् वं देळार्) अवः (व्यूर्भाप्त वमुनिलम:) व सक्ष्रेय)ए (यक्ष्माञ्चलका ७ विके)। 200 (मक्षर) व क्ष-मम्पालम्मिकार (क्षितिकार मनग-यक्का वर्षेत्रापुक्रकार ?) यह (स्थित कि से 16) 110 का। (जम अक्कानिके क्ष्य अक्लमार) क्कानिक वस्त्र अदिका: (देन अ अकृ वि ल्यार देन :) अदेन : अ ममर् (मू आ मर् मार)।। (जमार व्एवाबिकाव मुपारवि । क्रमा प्रविध्यी-माताम-असमार्थि स्रीतिम कारिन की कृष्ट बनमानी मार्ग हलहर यीओ विद्यान-छाविती सकता (पव) अवस्म वर् सविवर्षमू : 1(र) त्रिममार्भ । लंब : (ला वहमामा)इमंद गाह : (सम :) त्याली र डवि । किनु भव (भमाव) अभिनमून क्री: (अकनाद ब्रामी:) 4: (लक्षामं) देश्वि (लामे: कम्प्न- त्यंत्रिम कक्ष्म गाव व्याप्त)

10

क्ष्रिक्ष (१ केवेश (क्ष्रेवेश-भं :) शर्व : (ज्याके के के के प्राची-चिल: (अधीक महाका लियह)। अमरवन त्यम् जिसक प्रक्रमा (सला : सर्वालम् (तयान) त्यान मान मन् प्रम जिल्लिय र नेता लम्द्रमाहबर् लामकाय सामप्रहिर्) अस्वस्ति (स्किर्) विमा (मम्म क्या द्रिमार्मक्य (mma) हायर (म क्या भीछ्य:) 1100 11 (अम तननानिमें कार)तननानिमें भवता भग्र के (१४) दुमें खे का कं) उत्पर (जामें गंड े सुमस्य दे दिसात् के म-विभादिक्त वपालका पाशिकोत्। १००% वर) मिक्तक लर्टि आने धाक्का धाने (६ मि लामित्) ६ छ० (मन् माम) डेकि: (अक्ष्यार) शुटुरं कत्यार (हर्दिनासरत्तर)॥००॥ (जमार क्ल का वि का यम् पार कालि। वाल प्रकृतिकृता का नि तामकृताकी. किया भी वार्षिय श्री कृष्ण प्रभी अयोग प्रविद्य स्थार क्रविद् न्त्री के मर्ने हैं ने धाव खाया कु समयो कार्य , लेक की हम मार् में में में (प्र) साम । लर्षाक्रक १ वं (में स्वरं म में में : म क्रक म न वासि हा) म : (खन:) विलाकार (विड्यत) क्रित धार्म (प्राम काल वा) ना है देखि ममुख्यामधी (आलक्षामधी) कक्षा (भवती) भ्रम प्रमः विष्ण) (कार्य न किशील (न खाटमाडि) अरह ! (जारा!) अम् ((द) काकिए सर मुक्तु में (व-नम्मे प्रिन मनी कामिक्र) रूभा भीकी (मडणाल) ॥७३॥

(लाजा लंग्युक) अस्त्राह) केक- येक (का : (काकिक भी से कर 1 प्रयामाश्र हिला देव) अक्षत् (मत्याल प्रति) वर द्रवन्त्रिक AMG (ECAG) 118011 (क्सार ब्राचित्रम्मारबाह । श्रे में मास्याम त्राम प्रमान भारित् भीकृक माहाकड उर्याम मानिकान - जञ्जाम जलमत्वन भीगविष्टिक्षित वर अविकासन मिसामा की गंभा अमिता अक्राम । (४) मर हानु । त्रभारक (बाक्षानुष्क ,) सम्म : (मास:) नमः (लानः) रिनः (क्षीकृष्ण वन लावर) देवन्म (धानाभा) (धा (सक्त) लाग्ड लाम भारता (हिड्ड निक्य प्तापाल (समः) किड (के अड) विक्रवार्क (धन वालनार्क् डवार्क)। लाल धव मिनवी (हल्लाह-माने त्वापिका)कूमपवाका: (छात्रा) स्मेस्पी ए धानुर्यने (कारिशा-अम्मक्ष् विना) त्याप द्वा नार् (त्यापा न व्याप्त)न व्यम् ए विन (दिवाबिश्वर्वाक)॥ ४ >॥ wa (आम्रेन्) विमामाधिक) (एण विमामम आधिक) (रण्य उक्तीमनक्वारिकारेम्य) व्यक्टियामाणाः (याजाः (वसुक्सु) टमाक्त-मुक्त वार (बलम्मवीक्ष) बाह: आम : (व्याधिक) म) श्रायका वय स्त्राह (डायर)॥ ४२॥ Wind (बिंड:) कुद्वापिय भारे बीय ह (भाक्त-एबीय ह क्यड: (पभाक्रमर्) अर्थावृती सम्भूता समर्था छ निगमिषा (प्राक्ता)॥४७॥

(खिक) इमें (प्राध्माका के मार्त्य साह का के पार का के पार कुर्य ह भिष्य चेतुः तम्मक्त)समुबद (स्पृत्येव) एकासपुबद (एक्सम्पृन-वित) कोमुख्याने वर (६) माजियूला (ध्यानि-मूला)ध्यदिष: मपूर्वा (मर्स्य मपूर्व डा) अम्म माडा (काम म मडा) ह (३७) विश (विविश) काहमा (विभीन) मार ॥ १८॥ (वच साम्राच्यासार) मालुसाम्य (लया व-समाटा) या तं : (आर्थिक) र (व: (श्रीकृष्ण) प्राक्षाक्ष्मन-प्रसूचा (प्राक्षाक्ष्मनाप् माल)मदसालका निमाना (मदसालकामा निमान कुण)रेप् रेष्टि: याश्र केमी यवा (मिन्सि) 118611 (स्टिम्पार्कत प्रियार् लास्ट्रिक कार्यन् त्रिमा: मा लमा के वा क्रेंग्रं बादि: आदावरी घटा (स्पीका) 118 611 (अर्थाइबाल । असे का केंद्री सार्वातु: मीकेकाराइ।(इ)लार्थ-कर्यमन : (कसल- (पाहन!) (अक) ((प्र जिन्छ । हैगा) रेड (लाभ्रेन स्रात) कि हिर दिना नि प्रमा प्र हे माणा (विम्ही गंबार) नम्म (प्रमा मर विश्व । थर्) ए (०व) मनं १ ७) ह १ न छे १ -मरर (टनक्लामि)॥ 8 ७॥ वात्रा: (मार्कावंका:) वातः लमान्ध्रार (निविष्ट्राकावाव लमा: सकामार) प्रस्तितिका चिडिने (व्यक्षम रेमोसाप हवाह)। व्टिके हैं है (साहा त्रक्रा दिक के हैं। है । व्या : (यह शिक्षा दें।) द्रामण: (द्रामाप) गण: धाम द्राम: (छत्य)॥४१॥

आदित विकेश्वेश्वाह) मान्या (मिन हा निहः) प्रमान्त्रमा (हमान्या (लग्न हान्या) (लग्न हान्या) (लग्न हान्या) क्ष्म क

(काम्र पार कृति । श्रीकृ कि की श्रीकृ कि श्री श्रीकृ कि श्री । त्र क्ष्मिक् श्री । त्र क्ष्मिक् श्री श्री व्यक्ति । त्र क्ष्मिक् व्यक्ति । त्र क्ष्मिक् व्यक्ति । त्र व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति । त्र व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति । त्र व्यक्ति व

(प्रमायक्षणं। म्याक्रकः प्रशापः (त्याक्रम प्रश्न महंभाकाः) भवे । व

क्राग्वरताक-तव-मार्लक-छानशानि-क्रमध्त-अहिक-क्रोवक-समुमिकः (माम: अवि विम् एका थ: व्यवताकत्व: क्रेक्टिल : उन प्रिक्टि त्मा श्व : लाह्यामं : त्वत ग्राची ग्रह् वस्तात्मा त्म द्वेत्रसामा स्मावतः ल्य मिरिए: (आविष: जमा स्मेन्डिन म्ब्डिन मार्सन (मोरिष्ठ: अमरिस्वाम) अम्मानात: (काममा नानकाल:)क्वाती: (जाय-श्यापि ति विशिष्ट:) थमा (बीक्कमा) दे जिए विद्यानिष्ट् (विस्मासन मार्थेष्ट् क्यालां प्टूर्)न लाकः (त ममर्था वहूयः)॥ ७५॥ (बार ममर्थामार) काकिए विकास (अक्लाला हा प्रार्वा की - प्रम् क्रामाजार सकामार क्षाल लाभुक्ष म्यानं) विद्यात (ज्या के क्ष य क्षा का में क्षा के क्ष य क्षा का में क्षा के क्षा के क्ष कारम) वासाळी ६ (वराठी मान इं विसं सर्व) लासमा (माझा नाप) मा (गडि:) असर्भ केड डकेट (देछ ट)॥ १।॥ (जन्दकर्ममात्र) श्व-श्रक्तभाद (श्वम् त्रता-प्रम्वाकितः श्वक्तभाद) वा (लममा) विभाव (चीक्क महाक्षमः) भवाकाकित्म गार (मस्वादीमार अक्टन्मा मनुका-माञाए) जाला (wind हुला) मर्मानिमानि-अका (मर्क् कूल-धर्म कियी - त्याक - लक्ष्णा देव विमार वा पेए व ली न व्यम ज्याद्व: तक: (तलाराने धन्ना: मा) मधन्य (क्रि:) माञ्चलस (बाद्रेवान जावासुर्वने अत्वर्धे मन्तवाला)मण (मिनीण)॥७०॥

(बार्स माइबंदि। क्रमोम्ब्र चेश्वायांगः श्वेव द रेमा स्रोक्स्यात-मंग्रि । (य व्यक्ति ।) अकृष्टिः (बद्यामितिः) व्यामाय (मिमित्य) ख्याल अर्द (खकुरोर) वह (यह बार (क्षेत्र) रश्क) (टेक्स) Ca (वर) लड़े ना (गात्री अभूष (गात्रा क्रिय प्रक्र प्रवास अवार अवा-म् द्याला का का : (वर्षा :) भारत्र थाडिक : (प्रवर्गकाराय में) कर-अमनं: (वर अमनं: छविषापूट्यमः) गुनावि (निवाक्षः)। वर धाने (क्माम)मा दूरव उवड: (७व) जूना कारिनापर (मू पूर्व मेनाने?) क्षा नक्षा नक्षा है। (र्म्स्निक निक्र) नाम रा क्षा है। है। क्षा रे वही (देक्सावंगरी मही)हमार कि (दमारम् अर) वात्रीर (बहुद्) ॥ १ 811 प्रक्रीहु ज-बिना (अगार्थ- हम १कार्- कर- । व्ययः (प्रक्रिशिष अहु जा: अक्कियभीकाविष्यम विमाग्यका : था विलासाम् । विलामक्यं वाडि: हमरका नक वी की र्मा: वसा:) वसा: (अमर्मां:) वाढ: (प्रकालाव) प्रस्थितिका विलाध: हार् (क्याहियाने) न डियार (न डिअप्तम अनीगिक) देखि (प्रत्या:) कामार् सम्मार्गण वाली) रक्वमर् कृष्टाने आर्थर् (अक्षात्रा त्रम प्रमादार्थकर्) अव देपाम: (ननमानार् एम्ब्रेन दावर्)॥ व १॥ उत्र मूर्ममार् (ममकू माग्र वालो)क नाहिए (कार्म् । मेर काता , म कू सर्यामकार्यः) अमूभागं (अम) मूमार्थरं) थान क्य हिमायः ARTAG 11 GA11

इंगर (असमामा)क्षः जव त्यांता (अर्वेस्थारं भवा सत्) तथा -अन्य मार्ट (अग्राहा वामार्ट त्यार्ट) नाथर (भा अंगार)। मा (समन् देख:) विमे स्वापार बच्चानेसार (दुक्सपार) हकापार ह में यात (लयम (अमार) मार (हाबदा म है साका भार विमास्त-भाविषाद्वीतार् मूर्त्वा प्रशादिक्यः)॥ वन॥ (उपमात्रवरेष । वन्त्रधात देश्वाण एमाओ: एको छि) धार्मिनाष्ट्राति (आर्थनमा निभिन्न त्माक्या धाल्यानि धालाकृष्ठ)त्मावित्य (श्रीकृष्ट) भद्द सि लाता: (धाव-रेडरं:) मवा: त्यान द्वा: (त्यान का भव) द्वि (द्वाक्षात) अव् (क्वतनः) वत् इठ : (प्रार्थक कारान इक्रायः)। हत- हिमः (प्रक्रमान हमा है वा :) समम : नमें ह यह (यर अक्कित्यमहाक) राक्षि (आल मिळ कि न व मालूबाह). लम्बेक ग्राव्यम् (लम्ब्रम जीरक्षम क्रमान क्रमास्य वर व्म: धनू बाला धमा जमा) देश ल माडि: (वल्डि: भवरामी है बमाडि:) क्ट्(म किकिएलि अएमानमामिक्यः) ॥ ए ।। केल (ममर्ग) केल: मुझा देयर (मर्द्रवाशा) वाल: मृता विकासन जारन आख्या त्रजी) (अया (अयार्कः) मार (जार्कक्राप्त) । (महाक्रम्पत) आरं (मह (अया) (आयोजन (आयोजन) में मार (स्रेशः मानः मन्तः रामः लयं वामः हातः इति काल भार (मप्राहादः) रोडि व्यान नगर (डायर)।। दिशा

(अकारम्य वस ध्यक्तात्तात्म हेर्क्य-जायक्तात् माधारक्त् महात इक्र रेक्ष्र कार) मुक्त (इन्द्रे स्वाजनायम् रेशमृकः लिक्षे वः राम्ब)गमा (भाराय) द्रेक : (द्रक मा) भार (त्राबर में वर्ष बिर्वाय Can आठ) स : १ (रुक्रिक तका) वस : (मार नवड (an (सर : मार) म: (यम निया) कि हं (स देंभ त्वंत मार के हं मार दिया त्यक्षेत्र सात: भार 'क्रक) स: (क्ष्य रे भेदिन तमा) मह: (भार ' टम त्यामन रेसप्त: (मार) स: (म्मावन तमा) मक्षा (मार उमा त्यामे वा ना भार है। किक रेम्रावय प्रभा)मा मिला ह (मित्री कि आ का आर है नवर त्रियेय ज तुनाम: भार , किक इंभेरंड राजा) सिकालमा (उस मिट्याल मात्रमा त्याप्त श्राह्मय: मार)॥ ५०॥ लि : (लि न) (से द्रायन: (स्त्रेड-साय- त्रेन- बामार्च काम-डाबाभाः) अहे अवाः लू त्रिमाचिमात्राः (त्यम् वन विमात्र-(छमा:) मू: (ब्रायम:)। धारी (अत्य महे) मूर्विडि: (माउति:) अमा: (क्या क्रिक्) में) ट्यम-आकार (क्षममाना) ग्रेमाद्रे भरह (नायादिव मिल्लिएड)॥७०॥ मभा: (असमाना:)के क (वर्ष अति) मार्मे बाधाना: (अमा कलिसकार (कार्य ह्यान) क्रारं (अय्याना) केक्रा वार्य जिन्म बाडीय: (अम हेमीया (बार्वहबार्ड) ॥ ७२॥

(ब्य त्यमान मार) अक्मकां ने (अक्म मा विमालमा कार्त (एक)) माछ (बढ्यात) प्राण नक्षण (मर्काणा । वन विक्य-विकि (कार्यमान) भूता: (भूवक-मूमाला:) भन लाववक्रमः (जालामः कारकार वस्त्र अ: त्या (मृत्) आवक्री दृढ: (त्याक:) ॥५०॥ (उम्मार्वाछ। त्यम-अवीक्ष नार्भे त्याक मेक्स्नामिएडा डी मगमाने मानी-में भी दे बाल प्रमाभवती स्थामा बार । वि विद्या । याम । (लार) विकार न्ति (श्रे प्रश् वक्ष्यामाने सम्वाक्) न विष्यामाने उपा उव समीरिक लम्भर् करनामि ,थर्)विश्वकार्(लिक्ष्रकार्) विस्मिक्षित् (वर्षाभागामार्) अनू अवका (अनू वर्डभाग्या) धर्म के अमाह : (क्लिकाह:) डाना डाह : (बहर्तः) मूदः (द्रनः प्रतः) मिन्सः (निन्धिन :) व्यक्ते न्यान्याव्या (न्त्रामक्षाः) प्रः (त्रीकृष्कः) एम (मम) वर्ष्म (सार्मः) न वि (दोव) नुकार (मूक्षि) वर्ष (पार्टा!) त्थावा (क्षियता) पालर (मियाडे:) मार् बमायं (अमिजवडी । छछ:) मूर्यार्डः (धम मूर्यार्डाष्ट्रम लाह्र अहीक: № . त्याल्यने विल्ये :) आराष्ट्रिं (सस मन्) विवह मंद् (विषया क्रिका क्रिका)। ७४॥ (दुमाठवना वेका केलय खाड महार 1 (४) याम निमाम्स-कारार्दं : (म्यावनी नाक गाकिछ । आकृषे कारम श्रीकृकम लक्षं क्रमें एमः ' मुक्क माम काम के विक्ष के वर्ष माडा देवर धना काहा ते:) मार्थाण: क्षान्यामानि : प्रम् छोते: धन्निक् (निव्दुवर) प्राम्मार (बीवार) ग्रामनिवार (हमावनीनाम कामोलामा

लगम- प्रमुखना नक नेष्ट् वि वाडिए , बीक् क वाक अवि करिवारी नेष्ट् लामाक्) भडे बाला: (जा कारांग:) तथा रारंग: (ह न्या प्राप्त- ह ने का-क्षेत्राः) अन्यास्य विष्य (क्ष्यामा गः (क्ष्यमः ।) अवस्य (यामाने (अरमामः) के लास (केमान लक्सामं आप प्राप्त वा) मामकार (प्राम्काः) म माल (म मकः) व्याम -£ सका कर प्रांग: (६ स्थान भी के किर्ताः) वर द्वार स्थरं (त्रम-नाइनाही:)क: विडि (म ल्लाल का नाडीक) र्यः)।। ५०।। म: (त्यमा) त्योद-प्रक-मन्त्र थालन छ: (त्योद: प्रक: सन्त कर देखि अरडापन) विश्व (विश्वितः) क्यादा ॥ ५०॥ (वय टक्षे द्यार) थिए कान (मार्थिक काल कान) विल द्यादि छ: (वित्रमुक्त कदा हि९ अमामसमक उदादिहिः) अडाउहिड वृद्धी (अकाडा हिड्ड डिर्म अ) निर्मा क्या हुए मान) भ : (अमा) देवन-क्रिमकारी (१०वस्र मानका वर्म दिवसकारी लाभा न गान मा भूक् मानी महाविवारने की इक्ष हैं के बाको शिखाल आसर :) मः त्यम त्योदः देश्व ॥७१॥ (जनपारवंतमा । कसमार्मिनम् अकृतका मध्ममने आत्र । (इ) मत्य! (इः) निक् समानि (क् अल्बल) नप्ता त्रियाः (त्यरमूकाः) प्रम त्यमंत्रीर् (विभार् कमलार्) किरि (यर्माललर् वर । ११) कमात ! (वड़)म (वडं सस) थामाने तडं (थामाक्रमडं) लाक्यत. (हेर्ही) रामि (सर बाव) मचद्यात् (लायुन्मायं) सा के मा : (म के के)।

A#:

अदर अव (आअरेत) (माकुलालं : मूनर (त्माकु तमा जीक्याचिकार्थ:) मुळे पात्रक (आनिके प्रमुक्) हिकिएमम (अधिक क्रम वर्णाय विमाममन सिनाएणार्थः) मार्क (भारिक्य) अने त्यान वन अनुनम्थी (अमेर-राष्ट्र) अमार पर् : लाभी (काम्मीस्प्रेश) ।। तमा (MA HAZÓ COMY HIZ) N: (COM) YOSI Y ESICHANIÓ (इंट्या काल अधिमा ला अभीक अकावार लये व्यालकार) मक्ष (रिष्ठ केष)र्थ!)म:((अमा) प्रयाम: (उनिक्र)॥ ७०॥ (जमूपारविष्ठ। हलावलीर्मसुन्तान: लीक्क: अभवसात्र) अभादि (रेमानीर्) प्रकारम् प्राताश्वार् (अलेर : आवरेष : अमलेविमारेम : य(गरंबार) १ लावणी (विलव: (ताल वव:) (स (सस) मार्वर नक्षी: प्रमृद्धिः (नावम-वानती-(भाग)ः)वन्नः (विशवः) वर्णाष्टि० (स्मान्) वत जामारे (अन्छ:)। इतं! (जारा!) ज्ञानि द्यस हिछ (मन:) धर्मना (वेदानी स्वव) क पूर्ण हमू हसर कृ कि कर की खामि-किमी विजाए (कन्निह सूनाए काम सना नाए हमए कृष्टिक वी छि: विमाए। भाषिकाछि: कीरलाकि हिंदि किमी विकार किनिष्ठ) वार वारी माभाव अस्मक्ष (वाकृषि) ॥१०॥ (अम सम्मर क्रिमान्सार)म: (क्रमा) है जाका दिकार (मूर्टाय) प्रमा भविष्टि प्राप्तः (त्रमा भविष्ठि प्राप्त प्राप्ते भी कि ध्राम्माः) हिल्मार्म वन कट्नांडि धालकार्ह न (न का्नांडि) प्रः मतः CAM 9010 11 do 11

(व्यापाद्वि । काहिए भूरवादिल-भूषी- अक्रिक्सार । (प्र अक्रिक । दि) माममा (सकारामा: ममा) संदूर्णा (मन्द्रावयामा) लामाक्यका (वियासी) लाम भुति (लम्मान समारी) लामन (अमधीयर वालम । यठः) (वसवडीनार (मन्नत्म) धनाक् (मन्ना) उत्यभा (अमाप्यः) व्याल त्यायाम द्वान (त्यायत्य द्वान)॥ १२॥ (क्रीकृष्ण त्यमंत्री-विसंगर त्यम त्यम अम्म) त्यमंत्रीनामाले श्री कृष्क विस्मान जान प्रकारिक भार) यन (भार्मन प्राठ) विल्ला भमा (विवयम) अमिक्का मार (दिन्द) म: है ट्या खोह: (600) 11 9 0 11 (ज्यात्रवं नेया । सामर्म जिल्लाम एक व्यक्ति सिल किला किला भी मार्थ । (प्र) खिलमार्थ ! प्रः थित वा वस्तावः (अतः अतः) राई साम- मिक्सर मार् (साम- स्वमार) हिमास (देल दिनास दिस) कल्माविस्कार (अक्षिविभयम)शिवि (मार्य वं) यन वं (हिन्बिक्टि) मिक्सिए (क्ट्रा) विषय (मर् एपरि)। व्य डबन-क्ट्राव (म ल्मर्ड्स-ग्र) क्क्रक्तानुवा (तिक्क्रक्त-उम्म के) लाइड मह (म्लाकड़) लामा ही साइक्षांचा (लाइड सडा-मानिती वि वार् मूमार्ष र नवि व्यक्ति ती मेरी) गामर् (मुद्रहः) मंग्र (अरमम) मालाम्कामि (व्यक्तिमामि)॥१४॥ यम (भाभीन (प्राप्ति) नृष्ट्रार (कारीर) प्राटिक्ष छ। (विद्या प: आएं र नकार देवार्थ:) मः (ट्यमा) व सक्ताः हेकार ॥ १ व॥

(वस्ताइबंदि। काहित असुन्नी काराह । (क) मुस्नि । वादाने मान्नागर (कार्रिकीर्धः) वामवः (किंवमः) धार्मिक भर् (मण्यम) भामिक जि मिर् (with TIME 1925) | How: (DOHN:) A: HMINE; (BILLE) मामका (मधामाक निक्ता) कि व्या । यम (मभीम निमानस भिष्मभवाभी (मत्राभ-४ अवस्तः) om कृष्टिः कि भरतान (मकार्भ्रत्मामानिक: र्मानिक्ति:)क्रामिक-क्रुत:(वाविकार्ध-(क्य:) द्राध्यवंत्रलय: (आर्थक: प्यामानमाधि द्यर्वत्रव्यार्थेश लसाकर) में मार् (मन्यायार) लाहिर (क्रम्स्यायवं र श्रम्बार भुद्धाः) मलावि (गामगिष) राष्ट्र : (किल्लां :) यः विभावि : (अद्भाषः) या अद्मकाि किं (अधानाा दिवशा किंम्) ॥१५॥ गन (गामीन (अमान) क्रम वान (कामी मना) करता अक्क-अमाक्रिनि वस्ति विवरण)विभाषिः (विभावते) ज्वर (भार) म: (त्यमा) मन्म: (देखि) कार्याख: (देख:)॥१९॥ (अम्मार्यात । काहिर स्रीर अक्षार । (र) सार्थ । अविभक्ष वरम्यना (अञ्जिक सम ह विवाही में हार : अक्क क्यांग्री काला सन : उर वार असमा रश्कुल्या) तम (सम) वनमाना - अम् त (धीक्कमा वन -माना गा अथात) मारि: (मायते)न आसीर। (रेमानी) विष् क्रं (किं कर्निमा मीर्ण न अरात । यण :) अव : (आर्थ) अवार् ((मा-अमूर्या) अशः श्रम र मार्थाने : (धनः हमूनः र म्रायनः) . में सिट (दुरं भळाड़ । मी के प्या टमाम्कार के ये ते विश्व देशहः) ॥वे!

(ma (# 5 ALE) (ALL dates digit (marine tale) all \$2) (मानर) हिल्लीम-स्थान: (हिळ: (मान्यांक्यानारक: मीलन: डेमीलक: त्रत् किक) क्रम्यर जायगत (आर्थीक स्त्र प्रत्) मन (स्र : रेलि व्यक्तिम्रिक (क्यार्क) # । यान (स्त्र त्र) हेपिएक (आर्र केरा मिल) बाल (कमाले) मन्द्रामिन (स्मानिकारी द्रमा मनमा के मर्भना विश्) १ छि: (मर्जा हिन्दिः) न टायर ॥१०॥ (वर्गाड वेन्स्। लक्षित्र जारका भारता सर्वे त्या मार्था मार् प्रावते विषयमार जनित्र क्रा क्ष्य का का अल्ला वा म्य व्यान-विश्वान-नाममा छा (७मा अक्माम) पार्व में नर पर समर पार् - प्रवामें मी की यर उन्ना कम्नी रा भारत देव धाम् उन्म: उन्ने भान विशास माममाडार् मना मक्कालार) अलम-विलाल- त्नाहमानु भाडापर (अमरम रअमग्रमार्च णद्यश्वन धालमार्थक विमासम विलास उर्ट्योमर्थी-टमानुषष्ट्रम हक्षत एम विलाहमानुष्म नमनकात बाह्यार) अन्य-मान्य- वृत्र-वादितीयार् (अध-वावि-अवाद-वर्ग-भीनाम ् म्रामिष-रमायम् म् मीनेष् व्यामी है : प्रवट मूक्ष् प्राक्षित रमिति (भम:) । ४०।। (काम्राम भएता की क्यावतम्बर्गः, विक्रिया क्रांगित । क्या भीना शिमा भीना शिमा । विद्धाः (अक्क्रम्थ-६०००) क्राल्या-नीर्व् (त्काल्याक्रव्नीर्व् मिन्नार) अन्तर (अस्वर्) मिन्ना थिन क्यमिन (क्यानि अक्सर्व) लाइ: (एट्ट्र) विश्वर (लयर वासर) म सामेदः (य सक्दाः)। ११८ (त्रसार) मन (यमन) येटका (तम्प्रमास) जान (वेक्ट्रामा) मरक्षत्रां (यत्रका) न्यामा द्री (म्यामा अत्ये) हैंगः हैंगः (अयः अयः) इस (ल्या) वाक्षा ले वं कर प्रमा (वाक्षा ले वारकर प्रमा) वर (क्यार मा नीहर) वम्ड: (क्राम्पेव छ:)॥ १ रा। वस्तर्विता देमन्या छ: नार । अलाक दुर्वली क्षेत्रामकि वृद्धि हार । (वर माक्षितारका चारके दः) ॥ मा कां मरलं (कां म्हाल मार्क) विस्तारक (६ (प्रभात मार्क) व्यवभारते ह (अष्ट) अ: लर्द सर्पा में व: (समर्प में नर्द्ध) क्यार (क गमाक सर) कानिके: धरीय: (धरि) किनिर्ध: (६००) म ४ १॥ (ত সাঞ্সর্জে প্রােড ব দুলেখ্রতি। পান্যা: স্থা প্রক্রিকার । হে) গার্ধক! वृ मनव्यक्ष: (धनव्य: निविष्ण व्यः, पाम अन् उन्क्ष:) आप्र (हवारी किक) भारी नायमे त्रावस्ति (तायमे का के हाकि हिक (यव यारका तत्रो वार्मात्रो में हिं: 'अल्स पावपोर पवप क्र आया तत्री. प्रम्भा र भे पः व सांस्थिः हरत्। १० वाः । १० वः) द्रमात्माता (उवड व्यानिश्रंत) ध्या: (भागा:) प्रवल (व्याप्त्रंक्) कथ् न डाविजा (मूख्यास्मय द्वापिक)र्थः)॥ ५ ७॥ (अभ वित्मार्क मत्मप्रवस्पारवि । नामामा : मभी वक्तमाना मीक्कः अकार । तर)मूक्षां प्रकाल-मूक्ति (कमनव्ता, भक्ष र्मियकाल)विष्यमा (एव साम) व वसार (लसा :) माक्रि (समाय यत शक्)लत्रातः (कारमानाः) प्रता-दिनम् वीत्र (प्रतास्त्र शक्ता-

मावर में कर) माम स्वत्यर (बास्यर) व्यक्तिक (बामक वरा वर) लाक्तर्र प (प्राष्ट्रपर्व क्षात्र)। क्षि कामार्थे अपन (कामार्थ में म-म्राम हरक) सिमिरक (अवतः सारक राष्ट्र) विवास कामानः (व्यवः वर एक: एउटार मास्मान: एक का देशान: यः) व्यवमा (कारे राते आक्र समातिम) त्वम (त्यक्ष अक्षम्) र्मः (अमः) नार्मः (असः भ माम सकतः) देव (साल इन् मते वर)द्रम् लाक क्षेत्र)। १ व ।। (अम न्यर्न सरमास्वसूरात्र्वि। विमाला न्योक्कलार । ११) मून्द्रमा ! वर गामः (क्लान्त्राहिभागमा) व्याक (व्यक्ष लात्म यव) व्यविभावे मय-कम्मरं (क्युतासे अपद्याः) गाहि (कामें यह माट) के वयने माम (इन्मीयं-ब्लाह्मा अवाका) मृत्तिकां क्षां (तथन प्राचिन-प्रवाहते) स्री छ-मानी (विर्थेष - एका , जमा) महत-समस्त्री - मूक सर्था - मस्कि: (सम्मम : शाम-सङ्खा नव सर्वेश सर्व कर्म में त्या में हा पंछा विका (मिश-मम्कि: वृद्धिविडवण्यभाः आ द्या भवी)मृत्य (क्याहिर में सार्क करवाडि) अस्ति १ (असा १ त्याङ)॥१०॥ (अवनादी रेण्ड्यापिमक् यादा भावतं मता प्रवस्तार्वि। अक्सार अक्रमन माजबम्मार् की कंकार् मृष्ट्री मान्तीयूमी आर । (र मार्थ !) वु ० कामी छ-नानी (भीउ-कामिउ एकरा ना क्रिक कम्रा कमा का ना कि का वपूक्त पर प्रकी) भाका कृष्ण वर्षी में (वर्षे , अस अकृष्ण भारते) कृषा निवा (बमानां के बामस)लाभ (बनमान गर वर) सामे वर (मं सामन

ब्द्र । किन) (सर पूर्व भाविणा कममर (सिर भू बर्ग) भूकापि त्यार कार में अस् आक्रमंत अर्व पृष्टिम्ममं कर) ((व म) शम : । कर (स्थार) मिया मर (म्बीक (विनय आहर)न हार्वकारि (आप्री अञ्चलिए मारे अवन्य विभी ते हिन्द्र अविष्य क्षेत्र के प्र : विभी तर क्षेत्र कि । क्षेत्र के प्र : विभी तर कि । क्षेत्र के प् डिनिकारि। कर्मि स नारे में दिन अध्यातित्व धाउर्मनत्मा प्रकारि-म: (अर: लेक्ट्रिक्ट हार्व:)।। १ त।। अस्मक: (अल्यक:) भरंगर में मुन एक देखे (विविध:) हेक्ट: ।। १ १।। (अ में द्रमें हम्में (अ में द्रमें हमार) ला ओड़का मंच सर्ग : (म्रेसिर्यम् :) (सर: में व ं इंग्ल अन्मेल (क्रिंग्ड) ॥ १० ॥ (व्ये मेवयानुमोर् प्रम्ति । लर्द खेठाल: (यह:) लाबायेवा खिए: (बाबाक्ष्यं कासाहित्या सर्वत्रम्भात्मः त्वम लार्येवः रेखः 'र्वकात्रः खारा के के का क्या मिक्स मिक्स मिक मिक मिक प्राह (स्थार) " मास्यात्वकः (श्रामाष्ट्रिकारं) अक्ष्यं (कार्मेक्यं) अंतं वे म (श्रामा-प्रकर्म भक्षम्) मित्रभाविभीकमार (मित्रार्थने श्रास्त्र व्यक्ष्मीकमार भागकार्यः भागकार्यः क्रिकंट) मगुल्दिर (मित्रिकेट माल्याक), क्षित्र (प्रदेश) आहा-रंबमां: (म्युलिकाम्बालीक: लार) (मेर: मेंब्यह (मेंब्यम फृट. (इकि:) में के मार (में बर्ग अपुं रास्ट्रीत) ॥ १ 9 ॥

(क्रमाठवंत्र । मंत्रक्षेत्रलायं त्यालामा स्त्रिशत् मण्डिला : क्राक्रमंदी लभाइ)मर्विता (अक्टिन) विद्वा : (प्वाद मन्त्रामायामव) ललेकान (ललेकान्ड के है।)मा आपंड (लायांच प्र) ला क्षेत्रात (मालकार)या नारिकाम्यित (मिल्ला) कमर्म (धरवा) त्यादम उर् (भर्यक्रिए) वनीकरवा जिन्न भा अपरकार् वृद्धाः (ज्या भर्वक्रिः किन्द्रिके कार्मिक्षमानित्रकर्तन) त्रिलामना (प्रव्याकी उलार्थि भाग) देव । क्र अर (भी भूर) बिल भर (प्रवल) भाव (आर आहि) IR ((((MILI)) (M (RM) XI M) M E EMARY WIN ((MILINE) MEL NE) दुसमार्व र (महेक्स कर्ड) त्याल में का (अयोग कत्याल मह वम्या: जूनमान कर् ् अकुल रेड्यः)॥ २०॥ (भृष्टच्चर विजामादावाल श्रीकृकाविष्मक्रमामवर व्यक्तिएम मन् वहसाइ। गात्र नक्य गुरुता वैप्रज्ञा मत्यावादं गुर्हें निक्त रीय माना हमावनी वर्ग ही कृता नाती मुनी अलाह । आक्रामिका भी (त्याम भाविष्य मंत्रा) (र पिति!) (मोदी (हमावनी) आधाविष्य ना (श्रीकृत्यन) थर एम (जरेम क क एएन) मह (मानिए) निम् (भीय) प्रकृ (वासर्) इसर् आकृष् (आकर्षतमालतीम) रेश (आमीत काता) प्रभर् (माक्रमेर देखें) मित्राम (माममंदी, बमा) मरममर वास अकरो (कराहिर सिंग मोशि सम बार कार्य : मोग्रिड टीडा) कि (क्रिक्कृषा) निक्निलही (ध्रामे वित्रम) ही मडी) अलिम्बलि-रतंत्रीड (माल्मकर्त्याव: माम्म क्राप्त क्राप्त कामार कामार दें बार नामासु (आवतातात्र (आवार ग्रामानकार क्षाय)॥ १०)॥

(वर्ष लाम वं: क: १ व्यार) ट्यानावाताः (त्यानवर प्रक्षांद्राहः वे हिं: कर्णन: (म अव: असेसा भी: य वर) योत (लियह। अह एमंब वसीस कर् त्याष्ट्र कताक) इन्ते (व्यक्तास्त (प्रत्या:) मर्द (काम वर् (आंबर का शंभयान) लाभाभाजिक (अवस्थित साञ्चात दे को मृः। क्सामामार्गिय वर् मळक देखि म ल्या छ छ छ देखि छातः। मन व्यम्दर् हत्र कामर बे कामा बर्स लामे व हर कर् (मार पत देशक विषय) उक्सास (के १७ - एक स्था: वर करंड) यर लाम (वर्षमा मार्स) स्थार (वस रंग्स) से राज्यात (संस्कृति) इस (स्मार वर) दुरा ॥ १५॥ (लाम सर्व स्थ्र सार) खिरंग (खिंग धार विवास) प्रमुमे विक्रियों हार् (यसुन: स प्रक द्राव पारक अंगरां) (सर : सर्व (वर्राम): हे व्यव ॥ अव॥ (म पर्मामा अम्मिन उमा नाम : मार्थकामार) अपन् अकरे-यार्ने ग्रे : (अग्राधय सक्दुरं स्मक्त्य स्थानस्य र सार्ने ग्रें राय सः) बाबाव्य- ममार्थण: (मनाक्राम: नानाव्य-मधाकार्ण: (नामव्यानाः भाग है दिया अवस्ति त्वो स्वत्व प्रेक्ट मः अर्थिकाक वर्वात महत्वा द्रमा क्या जिम्माटकार वंग्रं चामसामत । क्या ने अहर) ८ मह : सम्भायमे (हिंद्र मार्थ) सर्व (द्राक) द्रवात ११ १८ १।

(ल्समाइ बंपूर्म । च्युक्तः संबद्यमात्र । (ह स्र (का) इत्र ह (काशा) (सरमात्रे (स्वर्यकालम्) मार्श्वम्यावन् (मर्ववतात्रमा दुवकाकार प्राप्त) वाहता (विकास आवंशतिता) मा शका अवा (अक्षामधासम्) माल्या (म्रि:)देव टेक्छोत: (नामिल्यामित्रक्टिक्रकेट्य:) भारा (मान्ना कार्वनिविद्धकारः)काल जासाश्रोतं (अय: अर्ककार्म वर क्या दिना (कर) किस्का (महित स्वक्ता । में का । वस किं समाप्रमाक रहर सन् मृहन न विकास) भर (भम्राद कमा:) नाभनि कामते (म्र-) न्यान अभावन (अम्पन्य :) (म (मम) अस्पर्म : (क्रम्याः) क्षामान (मर्ट्र क्यु रेक्ट्री:) मार्क (मक्ट्रिक मार्क्) मार्भ: (ब्रिक्रप् वर्ष) मान्स-मसम्मे (मिनिकामसमाधीका) धर्मसमा (धर्मिकाकार्ड) हा सम्-विम् ि: (बमर जम्मर मर्म सम जम विमान् ने) हकारे।। २ १।। (लग मामसार) मः (अप्रः हर्व के म वामासी (हर्व स्वासी) पक क्षार्मि कार्याप (क्षायम्) लास्ताक के (मात्राका मार्य वासार) भारता रेस: साम: र्य मुश्रात (देशक) ॥ कता (जम्मात्रक्रीयः। अक्रिकत मह यस बित्रवंडी ओवाका अधिय प्रवाचि-मान्त अव्यक्तिः भूषा वय दृष् हव्षामान भवाव र्वितिसवावारिया उर्व ्वत्यु न्युक्कर्मनायहता (य) त्यान्युवं (त्यनायक् युवं) वर पार्शियाह: (भवार रिश्वाह:) नव (म (सत्र) में क्या (चनात) त्रवरत्र-ङर् (बिस्ति म् मूर्ति) कृष्ट । पर्वता वपनाति लिः (क् नग्नभीलाम-

ब्रमान वर यंगराकृतः वर्षत्ररात्रात्रात्रः) १५६ (सामायक नामीकार्थः। वाकः) विवस (वर्षानार्का निवर्षम) रेकि (वनमूक्ता) में सः (प्रेस्थ) स्थार्ग) स्थार्द्ध प्राच् (देव्या । याप्त स्थानामान ब्राट्मकार्यः)॥ २१॥ करं रात्र: दुगाव: प्रमुक: १ ड्राक्ट हिम्मि: सक: (सिमुक:) ॥ अम् ॥ (वित्यामा क्यार) माक्रिके वाक (व्याप्त क्याप कः) व्याम मरनम्म (में त्यान् ये कि में के) लाधा क्रमें (आदी कार मंद्र के अपता अपह) केंच हिंदे बालो माओ ं ह (शहबाल । काक्ष्टे (का लक्ष्टु पर) श्रंत्र भूष्ट्रम्यः हेमाछः (व्यारमा भानः)म्नाष् (ब्रिपर्)॥ ग्रेम (व्य मार्क्षकामाउम्मार वृति । भी कृष्कः कुलब ब्रीमार)मार्भ वृत्ता रेखि म्मिना हित्व (हन्नायती कि केळा का में जू मुहित्तर के समाप मम मू आप वार्चा रेखि नामानि अकानिए प्रजीक्षर्) आ ह आवती ब्रम्तिन्य अवारा (सत ख्रमक्षेत्रो शेषकामाः अस्ति बक्षममान) लायोग्युक्त (निश्म्भाषाभ) क्रांद । खेळ (मुद्रास) हि अने मही (काक्रक , वकायन दीळ्याः । किक) व्यस्ति १ (अवस्य वर सत्य कार्य १) विश्वतार्थः विक्रं (मेर्टा-मक्रं) लाइकं सार्वार्ट लावमेवी (विक्रामंती प्रत्) मर जिने में के बिन्या (मम जिन्यं मान) किया ने देव (किमिग् लाख-मासात्र भि अममा न एए विमाएन कार्छा-मनार लालकामीय) म्कान (क्वन्त)॥ >००॥

(लग शामात्त्रामात्रमेश्वरवात । रासानिश्वापायनेवर त्यामुर्देवर क्राकिकर बिट्नाका सामवला: कल्लालिए टिकिए लवाकारवा वर्तमार्छ) काहि ९ (may) नमान्य कर (ममान कर) का कांचर (का मी पठ) र मा (क्यानर्य :) शबं (क्या क्रिक्) बिलाक (हर्मा) नमारे-क्रमक् (समाद्युक्) त्र कर्में वं (सक्मीतकः) के का प्रचित्रात्मार (ममम्बाही वसराही) वसम्भक्षेत् (वस समाता,) भर्मे (मनामधीकिवनिक्रीः)॥२० >॥ (हेनार्वतीसुवृह्ण् । हलायत्राः काहिए मधी काझणात्र । (र मूलवि!) म्माकी (* मूट्याहरा हत्यावती) वक्ष मञ्चलि (शृष-मङ्गल) अर्देश ह-अर्नेन (अविवस अभिक्रेंत्रस्य अर्भा एम एका एक)भारीपन (क्षेत्रक्ते) सिक (अवानिक) अली विक्रानिमा (विक्रमणे-मका ' अंग अर्त मर्कार केस्पा (म् का ! 10 मा का अन्) देव (अमध्य) इस्मिन (रक्षा में मह मार्थ भाषी) भाषि विभू ९ (क्यामाअख्यामकर) वर् (क्षम्यर)करवं (इरक्ष्य) केकर्य (बाजगासास) ॥ २० ८ ॥ (लग चाल्क-सामपार)लग्दं सर् (सर: व शावने कित्रक्षर (शाल्डिरेन अंगतिव अवायतिय स्त्रेंभर्ने य व मेल्डिर इव सर्वे-(प्रशल्मकारिष्ट्रावण्यः) किरिनाः (ज्या) नमिनित्मकः (अविश्वम-विस्मान) ह विस्त (कान्म) नामित: (हेडि) हे मी केडि (कार्का) ।। २००॥ (क्य कोहिन नानकममार्वि । नामानु क्रामार क्रीक्कमारलक महा। अग्रकांग यामवळा: एष्टिक् क जी क एए (वर यम्नेक) ज्यस्य देव न विश्वमा (त्थमः प्रव्यक्षिने त्वलाम विश्वमा विवला) कारिए(लाबी) कर्याद्ध लावक्र (का अस्तेक् में दिन म बसी हमन्त्र अवन्त्रआतात्रेक्षः) मिलके-ममन-क्षा (मिलकी प्रेंडमा आरही प्रमानक्षी अमेष्ट्र त्रमा या कमा यहा) कहात्यात्रः (कहामानिक्यात्रः वर नाक्ष्यः) मुडी रेव (अरवहीय) २ अ१ (२ अ१ ह पृथे वडी) ॥ २० ॥ ॥ (देमारवं ना तुवस् । धलंतामा : मभी कामान श्रम् क्रमार । रह मार्थ !) उर अपनी मारी प्रमासा (काम-महा मारी) वर्षानी (भार्ष) (म (मडोर) मर्ने अर्थ (अर्थ व अर्थ अर प्रत्न लार भर with मर् लामिन्नर) लया (मड्या) रेडि (नवर) देक्रव उर् क्कं क्रिनी खनम्भी (नक्षांग विवाकिष-वदमा मही) अलंतर বতংসেন (অবতংমেন কর্ত্থারের উৎপ্রাদিনা) জখান (প্রত-वर्षी)॥ २० ०॥ (दिमार व भारतिक । सलमञ्जूनी वाजिमञ्जूनी १ माजा । । र माजी !) हिनम्मर्भम्भाग (हिन्द् दीर्थकान् भवर मार्भम्भमन् विष्ट्) हहाक (आर्थमामा: कॅ मामात्याम) लाक्ष्यं (लक्ट नमा भारामा विमास्त्रात्राण्यः) हिन् (भनवन्नापा कु ने) कुक्त द सिना में नीक ए (श्विमाः स्मित्रेका अमेला तमा २०) (क्षाव (स्मिक्क)

Pany ((कारील अप लामक) लिल्लामी लिस मा के स्थान ने सा रंग्ड (त्राव्यक्) वीयकात्क्रक- व्यांत (मित्रत्य त्यात्मारं यत्य प व्यक्ति मुका की: त्याचा भमा (वन) माला न (यामन) कृतिन (स्टान) हिल्ल (दूरव हालयामात्र)॥ २०७॥ (अभ नम् नानिष्यू ए१२ वं कि । इह ! कि कातारी कामारवरि धम बिशा मिला बकुर्न कामार्ड, धम वर्णनमह इते व्राडी विम् म रेफी प्रय-मन्याप्ति - म्यान् प्र यस धानर्थनाविको धान्य र ना ट्याला शंसक्त कि विमालनमे दि देख अपन क कार् नामिका आहार (प्र) अधादिला ! ए (व्य) था व्यमा (बिश्रा) सत्त्रार (तव्याक्रमंगर) या त्त्री-सर असर (व स्त्रीमार के प्रंत्र मुगर) विद्याक्रीम्ड (सरवाद (अर्व न स्वीक्रामार) भूके। (अविना) अकृष (काषा आ वसमा) कश्नू (क्य अकारवर्त) मिका वद् (जमा । मिम्रा । विक) यक: (धनमानी) गः (कवः) मुक्तवार (मूलवीकीर) नीविवकार (किर्मियात्राम्) अभि मुक्षे (अधाक) (आहर न अस: (अरा ! मुक्रीयक्षित लामार त्रहासिका में मंद्र कार माहमान वर तमा नामामिन भी में सामको व्यवसार सर्वित्यह (मार्ने ही को इ.) नामें द्र (तम्मारिवाको का क्रम (जलताम्बन भूज्यास्थि का व्यक्ति हार:) त्र (भ क्य) क्य : 6 कमार (टि. का.) प्रचार का ने क (के कुछो अवर्डार) 11 >> 911

(लग अमृत्याक) साम : विक्रविं (जिनवापम सर स्थारित्यामम्बन्धः विचाम: मम्मानाहिक विकार्थ:) एशान: (श्रुग्न मन्) मूर्व: ayi: (300) Carolo 1130011 (जममात्रवारि । श्रीकृष्का मसुक-अमाधिकांगरसम मर कृष्णांस मेंत्रमें अक्या है। क्या का नामार में में के के की के असके की वर्गिक) में में की के किया की में किया (की के किया) के लिला दि (अथवाकेलाधा) अने की (क्या) वर्षेष आ ने खिदां भे के श्रीया (छमा क्षीक्कमा हुना लियामे अप्रमूल यामका मेठार्थः , हिर्या-ग्रह्म किया आवा यह प्राचा मा भी किक) व्यव दे हु : (व्यव : क्रिंत पृथि: मर्लारः यमा: मा की कृष्णम आ क्रेन अमा ही छार्थः) क्राक्री (प्रक्रम्का) वेप्रमूका (क्रिक्म) क्राक्री (प्रक्रम्का (क्रानिक्का) समा जामा काहिल्ला न्यहेमा स्त्रेम छा: मीहिट्रिस एक) जिस् (अलामा क्षेत्र) भारेन (भीषाम् रंगे) अस्मामा सः (अस्मम-भारते: अक्रांड:) स्रीक्र् (आविष्र) निवस् अर आर्थे क्रिक्स मार्क नि (उदक्षीयाभन्यत्तन ट्यार्न्य की की थी:)॥ >००।। बूर्य: बिलामु: (बिलाम वंब) धमा अनेपमा अवे पर (कावनिमिछ) कार्यण:। विश्वाद्धः धाल त्रेच्यं सम्भंद ह रेखे दिया (विविधिता) निम्माए (वर्नाए)॥>>०॥

(जम मिनमार) छावरकः (भाकित्वः) विन्मानिकः (विन्ममुकः) विश्वहः स्रियर् (१%) त्यानुष्ठ ॥>>>॥ (लम्मात्रका । बात्रा के स्थापत वर कार्य के कार्य के क स्थापक में ग्रेस ह आत्रमा: रहाकु वर् का अध्य व म्माक) क्राहि (com) मिता (इस्म) अक्षाम्या (अक्षाम्बर्धिय क्ष्रमात्म) (आदं : (क्षाक्रमा) क कार्येश (लामुलमार) ए कर्ट (र्डाट बन् । esu) कार्ट (बाला) धर्म (मिनकार्का) एकम-कार्मखर् (एकम बिलिखर्) छप्याप्र् (क्स) अविकास बाय) प्रवास (विकासी)॥ अर।। (हरायमेग्रुवम् । हन्यावनाः काहिर मभी आसीतकास्र श्रिकात । ए माम ;) असे धाम न: (मार का:) (व (०४) आर दंग : (१वं न्रेंग्रास) न्भारं विषया (अविषया । वस प्रः) म वि अकु ह (अर क्षाहर न कुक्)। कत्रश्मी (कत्रश्मवर्षः) देव विभक्षकाचिनी (धालिक-लें का चंस्पी) लगांगः (पं में बंदायः) खायाहः विषक्तिता (वि त्यो रामारिक पर्मातन नाकिल हरक)॥>>७॥ (अभ मभासार)माध्वामानाक: (डम-विमुक:) अवभाषानमण: (मिर्गा-ति क्लीहर हेकि लावगासनः) विक्रमः सक्तः (रिक्ट) (\$ DDCQ) 1122811 (बर्नारकृषि । विचाना क्रीनंकार लक्षाह । (इ साम् !) विना मन्त-विटमा: (अक्किमा) अविकक्षे (कक्रमा आन्ववित्रं) संबद्धर

(अलोज्यत्) व्यानिकाकार् (म्यानिकाकार्) निक्यार् यस्त्रीकार् (खळ्ल मकालाएं) जमा (शिक्कमा) नितिन् (लिवः) धावनमध्य (अयमकर मुखा जमा)कर्ल किसिव (किर्नाम) व्यम् (जानार उद्भेर)कामिकर्रा ॥ >> ६॥ (द्रमारवं भारे वेल । सका सार ना मुकेक सार । (र प्रके म) सामा (मकेलासा) (स (सस) लक्षेत्र) (लक्षेत्र) हिना (लया) म्यु (प्रकंशिक्ष) ((व व) वर व छ : (वाक) । गाप माण (प्रमार्थ वर) वहर करं (मायुक्तकाम):) ककः सर्त्यत्र भिक्ष द्राम्परं (सस वेंड बाज्यार्स् बात दुर्थायानं वर्व चतुक्र्यः) भुनेकारं ॥ >> द ॥ (देनारवं नेत्तु क्र । ह अस्थाः म्रेश अमार्खनीः काकियाय। (अमार्थः) मम मश्री हल्मश्री कर्मच्यम (श्रीकृक्तम) वक्रःम्ल दावितीर. (माना रेके द्रावन काक) वाका के द - (कावक व नी (सन में के प्राथन) बिरामा (मरमावा) आलिक (छमा समारि) कुन्न मिन्ता भमाञ्चर (जिलक-विलास्) मिर्याद (विष्णाद)॥ >> १॥ (ठेपार्वमा देवस् । श्रीक्षक व्यार) उत्तर (ठपन दुवर्) वत्नाराममर् (मन्मे कार्य आई। (माल)) में है। (मार्थ्य से (माली) (कमत् ध्याति (द्यार । (द मक्षा) वाद् मिलू (मकु) म लामरां (म सम्माभी। वाद:) एवं (वय) माम (या सीम स्वातन) मन: (भर तिलू मिला ड बार्ड, उन श्राम) भर्म (क्र आपी कृष्टी वर अपूर्व खालात्मे श्रेश:) ॥ >> ॥

क्याहर (अहरे) स्मियार जम्म : लामुका (लाप्तर्हित) स्थावार रामि (मात्रके बालेग्ये)। शह्दे (केवह्दे) (सेत्रार साम : हैं हिंदिय) कार सम्में के अमें (बार साह) 11 >> 911 र्थात्रो रे विकासित्रात्राहः (विकास त्यात्र के) ले अक्षव क्षा (भार्याक देवड वार्याला)॥>२०॥ ट्राच्य-अटम (द्याक अभारक) (स (नत्व) ग्राम्थम हेराड-मिनिषाचार (देपालम नामिष्य ह) मूमलं (पूर्व पठी) मूर्मे बर् - मूमकारम (मूर्मेनाक मूमभाक रेडि) हेरी विड (हिट ७ वड: । हे पालम पूछ् प्रेम् र प्रेम्ना ब्रिन निवान कर मुक्क प्रभक्ष प्रमभा विकि कथाल रेकार:)॥१२३॥ (बन मूर्प्रेया मूमार मृति । याव: म्यायता: म्ब्रिट्डर्म्यी क्राक्टिर । (र प्राम !) वन (वासन्) प्रमिष्टिक (क्रिका लामी भू : (वाली मार् मभी मर् भू वं : व्यक्त :) व न मी- वर्त्रार् (त्याल युनंद द्यम के बड़) क आ में के द दे अति (या ह) से में या (से में-बहावा) ववाकी (मूत्रममा मा हलावती) वमन्यः (कड्यंमुका मत्।) वसीम में दाववं मार्ग (वसो में मर्ने दें लाका समिवें) इ कें दुद्राम्न (दुर्वाया) ग्रेक्सम्भी (उधराधक्रमातं न हार्वत साम्ये अमृतिकामिक लळ्या मा (क्राहाकार नजमूत्री- मणी) भून: ममन विषे (रक्ष रममूक्विकी) ॥ १८२॥

(द्रमारंबमा केंग्र) के त्क्रम अव्यामा : (अव्यामार) क्रम्मार्म उद्योग आ- भू त्रं (धम्मा-मालम अवादा) वर्गक-डामांन (हिन्न मार्थन-इविजानापि-सम्माल वर्ग द्वा भाव)। भएड (मार्ड) जावा (कामा (पाभी) केंडर के प्रियार (बकार) लाबितो (केंबा) खिं : (किस्में-जारक) आत्माकम् दी (मृदि ए मधाना मडी) भी वरुम विभामिए (প্রীর ব্ম-চি হ্ল ক্ষেপ ভিতে) রক্ষার (প্রীকৃ ক্ষর্যা রক্ষোরেশে) এর্জনী মিত্ (मुर्क्ट् मानाम्डिन में प्राण्ने व्यक्ष्टिक्) कियर निवक्षा-कत्तुन (श्रीन के वर्ते समाद अशिवन) लया क्रिय (समादि तिकार्) कालीएन (कुकू (मम) अर्न् क) भार (कृष्व) ॥ > 2011 (अम मूमअ)मूपात्रवाछ । वृत्ता नानीमु भी १ अछ नामाना एक किछ १ भार । (इ त्यात ;) के ति (किक्मुला गढ) सर्वे (कथा व त्या व) मान-विसी (भानमा विसी विशास) भनी १ए (मार्ड) अलूड (मिक्टिक) छिद्रा (शिव्हि) । यह (मकीयर) अके हि: (यावहरे) बिवाड (प्रांड) वल्लवी (तमाभी न्माप्या) में वित्रीकृत्य न (क्रियांक: मडी) वाम पार्म (मन्यूवरमा) उठ (कार्क) काल वयम (जमा क्रांट (वर्ममामाम्बर्भः) 112811 (हमारम्भाष्ट्रवर्ग । क्लम् क्षेत्री अमूरुक्षाय । (र माम !)कृत्क मभीनार् भूतः (धामकः)।मिष्ठा (शमिष्ठा) भीक प्रकृतमञ्जू सन्मा (भीक्स्प्रिक मूक्त्म) देखवीयमा मक्त्रमा देदाभाषा)विक्र्यत्व-

म्ला (य्रम् (य्रम्वतः सक्तिम म्लीम्सम प्याः सलाभावा मरभारत्रभा स्म मभकाहिसानि धन वर) अवभाष्ठिए (निवयभ:-असमार) आर्य में स्वति (त्रका का मानि सार) मा मार्चिका (भावाका) गामक देश: (क लक्षेत्र क्या) त्या मर (स्थर) म् मेर्स (क्यारं प् कस्मिन्दी मन्त्र) द्वास्परकाष्ट्रम क्ष्रिक्त (वासारकामा : मूनका-विकास यह क्रिक लार्बन् मात्रा दिन केटिला : विद्या (सन-ग्मात्तत) अवन्यासर (बायम-मामयर) हेवं : (अविक्षम वर्षः) ** 4 (oudo 201) 11 25 611 (लग दासमार) गव: (ममार) सम्द्राद कमार (समार) दु दे के के के कि जा करके में में का जा सा मिल में मिल-क्टाम) न क मेट्ये (विश्वामा) म : व (सप्टांग कम् :) गाम: रेर्फ कीकाल (कशार)।। रेटणा. (जम्मात्रवार्व। श्रीवादीक् प्रवाद व्यात्माक्य मी निवा अम्भीनिः मर उनीयना सामामान्य । (र मक्षः!) कार्यका नी वार्कपूर्ण-मीलिक: (अ बार्क: रेकाका मीम- धर्मारु मू: मूर्क: वमा मा जिल किर्दि: दीलिएं: किश्वीक्टं:,किक) आम्रीन हार्या मात्री है: (लामु: मलें नव पता वस्ता हावा इव कवापा हास्या लामतः काना व्यवार् के:) मार्ड जा मन महत्ते: (मूर्ण का त निमा ममूरि:) मु भू हिए (न एन न की कृष्ड) अस्तः (टमायक्र न मर्खक्या) जिले (करे-अदरला) उस्वी (अन्वन)) आसी गार्वका महायमनमन्

(माउकड) लना थी (सभी) इन्हाय दि : (भ्रिम लाह्म :) जासे ति (काळ्यामीक) वर्ष (काळार) ग्राम नवा मुना (निहिक्साम -भाग) देर संस्था (क क्षेत्र सरी) न सम्मा (धार्त्र हता गा विकीष । न विकिमाल मः अमनु खरवीकारः)॥ ३२ १॥ (देनारवंत्राय बर्मा । भ्यवासवडी काहिए बहार्समा तकताले वकारं ने केक राम कराया किलो न यर विरामका देवा अनिक्य -मार् अन्तर नाक्रि लायकात्रान हर्त्याः हत्तर् कपक्ष सत्तिम मामुश्र लाडी, ७६ मिष्ट कप्रक्षेर साम्तात । (४) वाया हिमानक ; (अया लाख्योतराः वा: लाह्यावंत्रवाह कर्मि कमार्ट ; १४) कारामुकाल भविवर्कत ! (काम नव धमुकाल : प्रमूच : जमा भाई-वर्षत हे हिंद्या ह नामकवं (दा) एवं ! (दा) हरू भीने भार-ममार्के ; (बायसामान-१ बेग्री, शुनु मत्य ;) वैह्ये जम् : प्र (यग का अमित्व) (वन (मुक्का(मीप) मना (मवरक्ष) प्रक्र) तम (सम) अस्मानिति : (प्रमंद्रिम का दिवि सम ह (आरम्ट् बारु रेकि अवनुक्रतेत्र) काडिलातत्र मिकि:) मिक्राभ-वादवहमा (विभाक्षत अमवाद्यात्म) व) अर्थे @20 (suriais) 1125 p. 11

CLASS ROUTINE

| Days | 1st Period | 2nd Period | 3rd Period | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| fues | | | | | | | |
| Wed | | | | | | | 4 |
| Thurs | | | | | | | |
| Fri | | | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISEBOOK.



128 PAGES

Price -/8/-

Con (our gand and and sour and) on it in : भीनिया ब्राक्टिया ह रोक दिवित: माड: (बिनीट:)॥ १८०॥ (क्य भीतिमा अ १ वसार) नीती न्याध्य हव : (भीती न्याध्य ह उद्योश विलात्यो । भी भी चय : अम्मा करला नि ना धा कर क रायः रेट्दः भानुसा (कृष्ट) क्यात ॥ २००॥ (जय नीनीवानाधार) गुगमसुप्रवादीव : (गुगम) धामनाधान मसायन मा लाकु मालि हीत: नहिण: तकाबि आवना भर्ड सामक) रेक्स:)गरे: (गरापण)गाविष्यमाग् (धनाविष्यकि :) अप में हाबाववंषु: (मयमें में) हाब में) शामातः काक्रायकः Cur बेगाः मः) भीती रामः (१७) प्रवार (लिखिला सरः) सवः। हत्या वार्य-वक्ताना: नव: (भीयांगः) गम (गमवर) व्यापाकि ह (一本)(ま)(1)のり11 (जर्मारन्त्रेम्। लया जीक्काय । (प्र) यमक्त्य । अमन्तिमना-भग (अम्र : मर्म्य मन् मं विम्म : निर्मातन व्याम् न वर्ष : कर् ने ० भन्ता : आ) आ हत्यावती कृग विविध मुम्म (विविध ग छ गंता) मिसिकः (केळं) महायम् लाम अनुक्ता (अनुक्तिम्) में देश (मुक्स्म्य मात्र) कमा (वर्ष मका (वन) के बर्ध गरं (जाहिवछवडी) मभा (यम अकार्वन) मभी हि: जाम असी (हजावनी) हामें (हार वाह) जहमून (हितामीना) शेडि जिंका (विद्याविका)॥ > ७२॥

(लग न्यामा ज्ञामार) म: (वाम:) भी क (लोकाम त्यकार : (बीक दिव उमार्श (मक: भूटे जावन (जादि: मश्रम् थम म: ज्या) जामान (भित्रांगात) कि कि विकाल क (क्षिर से कुवंग मकानिक: किक)हिस्न (काम बिमास्त्रम) अव भाषा : (हेर्भाषा :) मार् (द्यर) मः आधायामः (द्राह)द्रेशात ॥ २००॥ (ज मुमा रव ने म्। कलरा नु खिला ? हा पार ७ ९मशी काहिए वार् र माले। (क) ककार्य । मा लक्की (वं) भू वा (लू का अप्रें कार्म) ध्व लम्म मार्ड (अनाककाववि)धान मामू नि (वातार के) कू त्या असा (हाकिना प्रथी) मिवा (पिवममा) धातुवर् (धर्यर् गामा दिवममा अर्था रेकार्यः) लाभ मेंबादं जारम् म लयार (म प्रवश्) करं (लारा !) व्यम् (व्यक्ष्म) आ (७वर्ष) नव आनिनी (क्रममुविका प्रवी) जमाले: (जनामा कृकार्यत छक् छि:) विश्वनिक जिम्स (विश्वनिकाक -कार्य) काल जामे आर्थ (जाम व्यवस्थानिमार्थका कि) में पिका (इस्नेका अभी)७० (सेबाविं) संभगति (लाईसीए)॥१०८॥ (लाश राक्षिमाम् रागमार) क्रमह - मास् का महतः (क्रमह्माणः सिक्षे के। बारक) बाम : वाकिया (रेफ) पड : 11 > 0 6 11 (वर केरे में या गरार) त: (या गः) पृद्ध के वर (भी में) मन्त्र कि (मन्त्रा हव दि देश) अरो बामक विक की (अरो बामरो टाक्ड प्रारेकोई भिक्षेत्रक सकामन्तुति क्यार्टिक : अर) मारिक् (काठकाः)॥ >०७॥

(वर्तमारवंपुर्ण । न्यारामाना : काष्ट्र लामुबाक्त सन्। जीक समाइ। (द) केकां (सम) मा जिल्ला अवभावति (अव मास अवभागावेली) क्राम जब बत्राप्तवा (सर्वाप्त किंद भी कि) मा (क्रिंग मन्) है अर्थ (केंक्श्र) रिक् लाम वानक-हैमा-सामार (वर गाउ-मार्कार (राजा:) आसारतासका (रामासा अहर) जान (लक्ष्या) या कुर्म (ताम खिल्म मु मार्थ) क्षेत्र : (का का) कार टलका (रेक्स) कामाक (जानुक्स स्थाना) यक्षार (जाकरार) क्या (क्या वर्ष साल न) या हा ता हा ता (मर्स अप दिवसा) an: कि वलवान (धवल:) गाम: (Glac) अथवा (कलवान) विद्यान : (दिवर शेषि) न कार्यक (न कार्क (त्याना दिवर)॥>०१॥ क्ष्रेम : हरमह बागर) काल कार्य निकास के अमादाव-क्षित्रहः (क्रूह्वामः) धाल मपावावविकारवय (मर्वाय-मिलास) हिंब: (क्यां) वितर । इन्ह (असारकाराः) किन्य मार्ति (स्प्रियादि-रिक्त स्पर्के क्रास्त्री मार्थ्न) लया (क्षेत्रसुवामत्रा) मानि:(मानजा)न पूकाल (न मस्यान)॥>७४॥ (अम सम्बे मे बाम सार) अमार्यः (मक्षावि छातिः हामार्ग्यमकः) थानन) प्रात्मकः (या : प्रिकः) यः (तानाः) प्रदा (निव तु वर्) काउम (ट्याडमा) वर्षा (नवनबीडवजीकार्यः) आरो भाक्षिके-चामः दिवत। तका अक्ष-सक्ष्यत्मः (यामः सम्बेक्ष्यामा हमि)॥२७०॥

(वर्तताइ बन्म । यास्त्रीय भाषाक्रम् वाख्वे के द्वा त्या न्या य कार् मक्षार) राश्र-स्पर्याताः लग्डं निकं लशः (लब्धभीतः) (समाम्बद्यारमय: (शांशवादि- अभाग्यमय:) मार्क(भावित) अम्मारि (अग्नामिक्न हे नारिक् १२ पूर् विति खार्थः) न मा भ्य (लाठी वका मार् प्रका । किका) किय लाग् विविध (क्रियम विकालीमं बाव वित्रातका भी भी आक्का (क्षेत्रपान न विष्या । किक) ति (त्रक्यार्व अकर्मः) एट (त्रि) सिम : बर्मान (अवस्त बर् बर्श मालामेष्ट् द्वाह , क्या) ध्लादि मक्या में : (अक्षता कि निवधात छ भक्षेत्र मृतिः) आलि व प्रः (धार्यापाविलायासव) मूर्ड (देर्भाम माने। किक) हमर् कृषिक (बाष्मामन्त्रासाराउदार (१ सर्के विक् व : दुलासा लवात् : ब्रासार न व दुल व : वार्व प्यासा गमा : वमा हेवार) आहिं (मम् किं) प्राक्रम (व (ममुक्र मार्व) ॥ २४०॥ (द्रमारवमानिका । वेक्यां त्या क्ष्यां क्ष्यां कार्क काकाताकात में हैं के बा मार् (ला न्यायार कार जा जा जा कार 10 त्यात) यता (क (वय) पुत्रक्षार (लामअम्ब्रक्षां) में बर्शाम् (अर्कक प्रवत्ते) बाय: (लामाक्टः) मार्न महः (मार्न केटः) के में मिक (वन (सेड प्रियत) राष्ट्र द्राष्ट्र अंबार (द्रुटमार्ड) लाज्या से खर (लाज्य त : अवस्मिताई) समार (ब्रम्भिनंत) महः (मम्म नाम्मिश्व (इत्वाः) क में आसातात्वाचे चार्य यातुः (में आसारा अर्थकर्में आप्रवादा करें

म: द्रमातः वन महिता महन्त्रीया कहित्याः भा लाइ) जाता नव हि (आमिरत्र दिल) अफायायरह (त्र ती मूकायरह) विदान-वन-प्राता-धर्व करी (की क अम यनमाना अधार्म भी धर्क करी अपनी)आए (कर्त्रम । अस्टर् लेका लाग्र नमा तथा तथा वर्षाक व्यक्ता oung-क्षान: क्रिने वा सिकार्य:)॥ 282॥ लुक्न लुक् : भ : डाव : (ब्ह त्रूर : हे माड : कि अह मू कि वह तीनिक रेक्सि:) प्र: द त्यामाकारते (हक्षायमप्रासी) द्या डीकामूलाको (बीकाकिनाको) श्रीयरव: धार्चेनी मार्न ह गामान (1500)112821 हेल्याङवः भः मिनाः (भर्तम्यः लालिङः मकार् म्मकार् बाकिक रेक्साद:)दिवा:(डाव:) भ: वारिकादी ज्या मका-काखानार डेमहर (कताहर) मार्थ मार्क कार्य क्य हुन थाकार (बित्रप्राष्ट्र)॥>8.911 काका मार् रेचार (धानन अकार्यने) (कामन मर्कालाकून मुक्तार (अक्ष (भाषत्र मार्थ) आठी अअ - श्रिकामान (दिना: (कार्यामक (म्यक विभक्तादिक आ एडमा:) भूकी (अभक्षिकक्रादिएम-2001) Bed (gar:) 1128811 हावानार हावानुवममुकार (धन) हावममनकार) अवना : (धनाः) कार्जि था: किमा: (क्का: विविधा: (नामा अकार्गः) हिन्दा: (टिन्दाः) (भारतः) अक्रम (अवस्था) (क्रमः (क्रव्याः) गा १ ६॥ (भारतः (ज्याविद्यादः) वः (ज्याविद्याः) वृद्यः

(अच अमूत्रामधात्र) च: ताम: मवनव: उवन् (नवनवापनात्र: प्रत्) सराम्ह्र प्रदा (मर्खना) धान ख्रु (आसादि हन-कार्य-शार्किक) व्याल विग्र (बालिसिश्य लंगर) न व मवर (अन न पूछ-र्सास्त) केमार स:(गाम:)लम्साम: इन्ह अमृत्व (कन्ताः)॥> 8०॥ (क्यूमाद्वनेम्। ट्यावकति मानभटि विकेष्ठ श्रीकृष्ट पृतार ला(पाकने ही स्वांक्र रेलाई में कार 1(४) शाह ; र्ख : (करं मुक्कः)लमधनप्ताः (लभाक्ष्मन्यम्म) मर्थर्ष (muje) लप्रकेंद (लापक्षावंद) मान्यः (विस् वात्यार विवर । किने लम् लर्षा (प्रथम:) महाव्या (क्स मर्ब्स,) व्यक् (१०: माक) है। हु (कताहर) लान न में कु: (सम्प्र मार्चे दिवार हि)। नक्त्रा धलंगा (रसुवानाए:) अनीटि (अकाम्रान (धन्याय) धारे में : (अंक) मा में ड : (चित्र के वर) मा (मी : (मास्म) के वर्ष (क्रमात था) इतं देक (हे कि:) व्या: । ह्या : (त्याया य) नवर ((लभामायर) व्योव माड् (वाक्षानिक) न मधर्मा (न आद्माजीकार्यः)॥ >89॥ (दिमाध्यमीनुद्धः । कपाहिश्यीक्ककत्माभकत्म धाष्ट्रदक्षायदी

(क्या द्र वेश) अवस्तर्भी त्रि प्रक्षित सः) लर्ष कः (त्रिक्त विश्व विश्व

नाइ । (४) म्यास्मां (असम् लाकेंदिक क्रमा लाक्ष में (हं । प्रकाशः) रेमर् किर् (प्रर्भेषर् किर्आस प्रश् किर्ज् का नामिति जाय: । न न मज़र् जमर् म भाषे हिता भी छ। थार) ७ वर्ष मदा (मर्नदा) यम जम (अक्किम) देवाम (वक्राम) की ए कि (विश्व वि । श्रीवाकी आप) रामाः म कुक (अमस्य वरममा शामा वर वर्णाए विकि छाय:। आम्बार । (व) (माहित ! (अबिक कांग चे ब्रमर् तह !) व : अर्थमा (र्मायास्त्र) संग (वर) लस (क्स्म) इ (वर) गमा (का लंडा , बर मार्थ वर् न अविक्रिया विश्व वश्री विकास: । श्री वर्षा १) प्रछ र प्रकृ (क्रमा प्रार्विका प्री कि डाय: । उर कर्र न वर्न-हितामी काम मामी करात्र) था। नव (मका नार्षे धर्म तेव)विकार्त्रकः (किन्न क्षेत्र किन्न में कार्य केंग्रिक कर किन्न विकेश्व कर्मान-साय:) कारम् (केक: सस) वें अअंतरं (विद्या: मंत्रमतंत : ताअ्यरं मामिक प्रिकामिन के अक्षानिक) लामार (मारि: 100 कक्ष महाक कार्याहरू विद्याद्यानि दाव!)॥>86॥ रेर (अभिन अनुवाल) अवस्तवक्रीहार: (अत्मान वक्राण-क्ता हार:) स्त्रक्त उभा (अमर्विहिंड) क् (विश्वलह:) अवानिने हें क्टि (वीक्क्मम् ।क्षीने धवानिने वस्ति) कार्य क मारिश (क माना हार) हेन्छ: (देशकहे:) मान प्राट्य: (मक्ति-अभः) विश्वलाह्य (विवर्गणाणः) ध्या (श्रीकृष्ट्या) विश्वति : (विभिन्ने श्रिष्टः भागांक प्रभागात्वा थः) (प्रकार अकामः)रेकापाः ।क्रियाः (ध्या अवाः) मः (द्वायः)॥>१०॥

(छत अवसाव बली हावस्मार वाड । अवसाव साविका छा वाका कृति। वं केंद्रकृता क्रमाक्रि क्री अत्वामार् स्थित त्यां नाम क्राना-श्रमित्रां: क्रम्कि द्रामित्रम् कार्यक्रिये मात्रामण्डी व्याकमार लागाजा कुलान जा आवसागान पार । (र) अध्यममन ! लाय म्यायक-विस्तान (अवस्मवं विकि ं वभी कई सिक्ताः) सत्ताव हर (सर्भ ला व हिं (१ कार्) समत्वा : ((प्राक्षिमाव के क्राः) बार (मेंबराम:) इन्हें का लाल क्या मध्यक्षे प्रेंबं (९० आर-लबस्य वार प्रवास द्वार)। यव (यव:) लयम (भ्रायमा) गानिमारे : (धन्वामकाम : मिमार्ड : लुड्याने :) जब प्रानायकी (माना का रही) नहां (यभीकृत देन् में। किका) व्या वार्थ-(आमार्मय-नव छोने: ((आमार्भयकोष: नवीरेने: छोने: मुह उक्षाहः) कामाः (या का काराः) १९३ व्यक्षितः (१९३ व्यक्त 213(41 AD 218 (MA:) 11>0011 स्कृत्ये विश्रममु: रू (१३) त्थ्रमले विश्रमण : (अमर्ले विश्राधिक

साम । (बर्न) त्वर्ने ते (वर्गाश्चि) सर्वे : (धर्म) वर्गाने दे ते सम्मान क्षेत्रक । त्याने विकास । (क्रिया क्षेत्रक । क्षेत्रक । क्षेत्रक विकास । (क्षेत्रक विकास । (क्षेत्रक विकास । (क्षेत्रक विकास । विकास क्षेत्रक । क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक । क्षेत्रक विकास क्षेत्रक । क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक । क्षेत्रक विकास का क्षेत्रक वि

मर्द्धा मभी स त्राक्)। स: (श्रिक्स सः) रक्षीक (अम्मर् रम्भीकोति)॥

(साम्मेह) कथत्राम: (००: कार्न स्टीस:) व्याभागार (मध्यार) मूल मुका ए (हेर् के ले लामान् धार्या) ०० (त्यर् लामा) वत्य रे (अक्,) माना: (हैं आ मार)। मह (ममार द्रेगड में बेपु दुरकः (दुन्यम) कथः (काराम (काराममा) गर् (यन् म अम) देवनेक्छ (भीक्छ) प्रवाबातः (जीक्क मा) विद्यार्व निर्मान् (ख्रियाक) सार्यो) वस मार् (त्या आसमार) 1126511 (थम विक्रतामु विक्रिकि मूर्तात्रवेषि । मभूवाकु व श्रीकृष्क् निका भाकु हावा मार्थनाछ। (म) मंभू वाक्षतीत ! (धर्मना-भाग्रक!) वि ममूनामाभः टर (अकिक) देका क: (ये का कुर तमा स्मादमा) इक (नवर) से गा: (e अ पत्ना अस । राठ) अपहर वेश्वरेष्ण्य (Cuny) यग (तालावा) (व (वे हो) करान (बक्षो साप अंस मर) अपि मर (वाक्रारं) आहरपार (त्वावृत्वत्वे। व्याव सत्यन्नमार । (र) अल्ल ! (अल्क ल्रू में ! हर) यापि ल्य (जामान) आपालि अल्ल (याञ्चा यार् राज्ञ द्वारार्) यव: (त्या) यकः (मार्ड वि सम न कालि अमझाि विकार्थः। किन्)रा! (अरहा!) अई वा (रेमानी ? प्रः) मिलि पिलि (प्रक्ति) विक्र वस् (भाष्मार अकामामा : मन्) क्रिकेड (विम् नियमित नीडिंगर)काल (मा) मनी? (न्याराहकार) १ के (क्यर अयः) कि न्याय (भावतास) 1126011

(क्रम्) म व्याद्व : याप , वमा म:) हाव : देश्व व्यक्तिमंख प्रत्यमा मरम्पतार्थ या ममा वर्) वामा व्याम्म रेग्डानमा मर्)स्ट्र(यम्) या ममा वर्) वामा व्याम्म रेग्डानमा मर्)स्ट्र(यम्) या ममा वर्) वामा व्याम्म रेग्डानमा म् (क्रिंप्स) म व्याद्व : याप , वमा म :) हाव : देश्व व्यक्तिमंख (क्रम्णाक) ॥ > @ 8 ॥

(वर् मारवनम्। क्यानि निक्टि अवस्त्रवार्वित्राश्चाम निम्मुत्गः हमील-माडिकलाबायकेशां। ज्ञीयाक्षकतार्था राजाबलाकेंगे-सर्सामनेसी रेसा अर्धिकतार (दर) लात्र पुरेक्ष के के के बाता (काम्रिड के का आवल प्रवास्त के के की प्रवाद । एक विमामभीन माजभं वाल!) कुडी (श्रीय कम्पि भाविछ:) क्यांद-काक: (अंगवंद्रस्ता: विली) वादामा: क्रवंक: ह हिछ लाजू ती (हिछ करण अ कृती नात्र) (खाद्रा : (त्यामाकाडे: आक्र आश्रमहार्ण:) क विनाम (क्वीकृड) कथाए (अते: अति:) निर्विष्टिपकार मार् (निर्विष्: नि: त्माथण्या वाविष: टिप क्सा: क्षित्य वर्गमा भाउमा) मन्त्र (त्मनम्) रेप (क्षित्) ब्रकाड्यमिरामार (ब्रकाङ्स्य वासाम्मारी, नाक ब्रकार्ड्यू भानि इसीगाने विनिमार बामा: जम्मान जम्बार वानिक नक्षाएं वाने-आतात्री एक थमा में अव (मृते,) एतान (लापका कि के भें अत्भ, ष्टियर विसान बालाम्बर) समर हिंदाम् : (बद्दाः) मत्रवाम-हिन्म छोतः (नाया निछ) नवास्त्रम छात्रधाना नाम १व विन्नू महनः

हिमंत्रकाल: (क:) अमेवक्केंत्र (लमंबाकेंदि लका कर कर । हिमं पांवहको भ वं यः ल मे क्यार दिलं पाक ने के सिर बळे के पि कर ता स्टाल वाका ने से-Men) 11 > ce e11 आत्रो (डाव:)मूक्त-धिर्वीकृति: (श्रीकृष्टमा धरिवीमोर्ग:) win-किक) युक्त एएए अर् प्रविष्ठ : (अन्या विश्व क्रिय त्याला : अर) महा वाचाकांग (महा बाच दृष्ट सर्क मं) दृष्टा ॥>६८॥ वचार्वत्रकात्रीः (वचार्वत्याव सक्षामी ग्या सः सप्राध्यः) समः अरं अस्थरं (श्रीनंद अस्वरं) गरंति (सामरंतर । लाम्त मान भरा बा वाष्ट्रक सिय मुगर)॥ २०१॥ व्रांश: म: (ध्रमा छात्र:) क्र ए: ह व्यक्ति ह रेखि दिवित: देख्या ॥२००॥ (७३ क् द बार) धन (अभीन भशासार) माहिका: (७४। आ दावा:) दे भी छा : (श्रू:) म : (ध्राहाय:) के ह : होने ड मेल (क्रम्य) ॥ २६ गा (उप्पार्य नेस् । बाच प्रालिश विद्यान नार्य ने : अवस्थ वसाय:) केमी तर्कतर्भ-भद्भद्वरा (केमीलन् अकामधान:कतर्भामामिव गर्गत्र द्वा गत्र या भारक देमीलम कलप्रश्मात् मर्गत्र द्वा गत मा) कम्मानि-विकारण : (कम्मम्द पानिकारक जाराम् , माक्र क् अत्राहिक ् भीत्र (प्रमार् एक कम्लाबिन : बार्मा एम बमं : वाक्रिने : व्यक्तामाडकः) मङ्गीन्। (स्राम्या) र्मात्माम स्रम्मानः (अर्रहराप्टि त्वासर्भः तथाक्रिया वार्ट्या पाक्रक्य रामाः मा नाक ने मेरवा सार्म र स्थान के क्षा मान : सवाद्य र स्था : सर)

मका कारिक्साक्ती (मकानाए श्वाक्त ने ए हते कानि : जम्माविनी, भाम ग्राकाक प्रतामिकार देशायक: वर्षेत्रमास्त्र) ब्रास्ट्राट-(सर-भाविभूजा (बाजुर् # बाजु आवाध : सुह: उपुर्माकन उद्वर्शन मार्वेष्ठ अम्बा नाक आडा लेक ए प्रायम भविष्या माक्तिका मा क्षेत्रः (मक्ता) क्रवला मानामः (कः लामवी हिलाम विकास) विक्रि (पर्यामा) रेगर् (माजी मार् अनुकार्मका-मनिर (धन्वागक्षा वधी) बास (अभवता) व मर विष्य (विश्वावयाभात्र)॥ ३७०॥ अकार प्रमाण है। प्राप्त विद्यामा । (प्राप्त क्रमाण विद्यामा क्रमाण विद्यामा । (प्राप्त क्रमाण विद्यामा क्रमाण विद्यामा क्रमाण विद्यामा क्रमाण करण क्षिति वर् (अभीभक्र करामार् क्षिपाद्यलमर्) क्ल्र भेष्र (क्ल्ल का न्यामिक अभिष्य मेडी में सामक) विद्यामिक (वसे मार्ड कारा में महात्व) तान नाडि महिंगा (भारत में गा) । भिभुष्ण १ (Cभम:) टभादाका ज्ञात्य काल (सादानी गर् का कार्य शंभे) प्रका (मिन् उन्) आजादि - प्रकारिमान ने (कारिक किए (की कार्या किन्छ प्रवर्षाक विद्यु छि:) अपने मा (अपने काल प्राणि) कल छ। (कल काल वर् अभूगमायकः)ह्यामाः (लर्यात्राः क्षः)॥>२०५॥

्रिय विषयामर्श्वमूपारम् । क्रिक्ट म्यायाकाष्ठाताः मक्ति वेतान हिंगर (म्यक्षापादकावर) महाकृ केक ह लाय (oume काला) म्प्रकार्प (मा अक्रिक्स म्प्रक्राणात्क) है न्ति (त्याक) प्रकार विवेश के प्रमा विविश्व का मार विकास कि विवास मार र्षिक्ष्यार्द च्याप्त) नामाड् (त्याकामाड् । क्रिक) रेगांड: (यमप्रार्मः) क्रिने कृष्ट् (क्रिक कृष्टमा विद्याय) भागद् ७०) धान (मकासर) अर्थित को (त्यालका) मिकोमेबार (यार प्रक्रिम इकोड़-सानि मीमर भड़े महिसी मेर) वाकी है मूमा अर (मूर्य छर) वन हा कर (७० लायर तहा हा सिकायर) थाल : (वासा :) ॥ > ७०॥ (आत्रम्कनजाक्ष्म् विलाजनम् पात्रवृति। का। अहेप् श्रवकावात्रित्रा त्र विष्या दका नार्यः कृष्ण प्रयोगाधिन्य अलानामा १ (०० क्षान कर्म (कंद बढ आग्रम अला, कंद त्यात १) लामाक (लक्का दिवि -मिछ , नाक बत्तन मार्क भाविषान कृषा) अ काकि कृ छाए (अश-रामाराम , भाभ बद्यानकि । निवः (धप्रकर् भाभ ान्य मार्थ) व्याम् म्यही (विमार्थेय (ट्यामाय स्त्रका कार्यमार्थेय लाक स्मावामन क लाक्नमंडी) मार अमा: (भाववा तान विक मः मा: मार्मा वाका)वायात बरामा: (अवसा : बावी:)

चित्रमाही (खिरमा: केस्बी आक सक्लमहरात ग्राक प्रमिश्र) अक्ट स्य (त्याकम् भाक्षं सम्पाका आए द्यमविष्यक्) या भावड (ला में बर डेहा) दिस्ता : (मात: भा लाक आशु :) अकार कं (HOLIN; HO CLENN OR 36 HY; " MA HOLEN HAD CLUE) man (and) visio (game) gady og ingil (galga) न्त्रिक्त्र क्षेत्री विभी के मिल भाक्ष त्वेष्ठ (पाक्त्र) क्रेमी: प्राक्रामाला गर्) आला शिष्टिल (श्रमामा नाम व्याक्षिर्) मेचीर (क्वरी) 1120811 (क्नुक्रनेष्ट्रमूपाइकं ि। त्लोनी मामी मामीमूशीकार) नारम (मममीमा गर) अव्दाराश्मी (अव्वकानीना त्याप्रमावणी वाचि:) विविवकानिका (ब्र बार्च क्र ना) थाने जामां (त्मनीमा प्रमील) निर्मिश्व-अव वह विस्मानिक म (विसान कार्य महामान) लगान (बाबा मुह) म् (आर् प्रकायति (म् (अव्याप्रमावति वन) भराकत्रकत्रा (यशक्तः यक्रानः अवयक्ष्यान अक्तः अम्मार्या राविक्रास भक अवसूषा) कार्यक्ता (कात्रमण्यामि) थर्र ! (थर्र !) निर्मिष-न्यकत्र (निमियातममपूर्णीः) देव प्रभार नडि ॥ २७६॥ (उरमोरभारभार्मा अन्य मान कर्ने । नास अर्डाई वर् क्ये के सामिन्ती, विस्व (क्या (भाव) व्या द: 1 (४) विसं (वंतर)

((तत) राठ में भात- देवा में कर (में आवर में में से वं ह के मार्थ ह में मार्थ ह में मार्थ के कर में मारमारं) कक्टम (कावारंक) मार दे द्वारा (लमाक क्र्म-मुनम्पानिया भीजा मापि। ड्यूसा: मण्:) आते: (मार्यापः) एस्पाड (शबंगाम: यह) एवन (ध्यम् कंटिन) कार्या (लां प्रें) लहार्य (मार् नियम रहि) ७० (१ वर्ग मुक्र १) कृष्णिहार (म्या-लाशा नापिडिवाल) किए विष् (किए) म वाया (म भीषाममहत्रि वेचि विचित्र) अवधायमार् (अवातव आयु मामार् जामार्) न: (अमाकः) भी: (मार्च:) धमार्च (माक्ता डमार्क) ॥ 22: >७७॥ (आराष) डातराल मर्कानियान्ने मुमाइन्छ। देक्र क् प्राटि श्रीकृषः अर्मु मने असाव मान्विम एक श्री जिस दु भर्ष द्वाप्ति अर्थ नाम ने मा लवा काका (माली खिलांड वा: वर्षाविष्ठ का अपने प्रमानिकारमन भूतः भावे छाम्माछ । एर मार्थः) प्रवादी (प्रमाधकात्न) व्यूत्रमः : (टमास्य:) राज्य लाष्ट्र (समेत्र लाप) मानुद्धा: (सिल्बा:) मा : सम्बद्ध देव माम काल (माम ह क्लाक म विदार्ति) ज्या रे मार्थ अनु केले वक्त विगः (अनु माले ने व कु व माले न वक्ता अर्मा सुर्मित्यात है।) का: (पाकी:) अरं (शारं) लाक्षम् (त्यर)ला : (मन्ताक कुला) दे पर (देमर नाकर) म धारिषम् (म हिस्पामम् विकारी:)॥ > ७१॥

(क्लूक्रनेशसूमात्रवि। श्रीकृष्य देख्यात्र। (क्रिन!) र्भारत रामकार रूकायत टाएक रूकायत- टामिट वर्ग (रूकायत-भिष्म) (अकेल्यम (विम्लामन) समा का (भर लाह:) ला: छा: (अभिका: देरभववछ:)अला: (वक्स:) अनिक्वर (क्रम्य काय छेत्र मही ने सामक्रम) मावा: (मालवा:) समा हीया: (चित्रहिन:) ल: (ऋभाः) भूतः जात्रार् (त्माजीतार् त्रधीर्ष) क्सूमा: (क्लूकालवकी प्रश्चिम प्राची प्रधाना:)वधू व्: (काला:)॥ र्म (म्मर्क्नोम क्लाएकामा रेक्न) वारा मदार क्कार्य-ভावकारिडा (श्रीकृकम् आविष्वायकाव्यका) (थाङ्ग (अतहाब-उमा भ्रोका)। मा (अक्काविद्याविद्या । भ्रम्प (अयह:) सरितालित विश्वकुर (त्रमा अधिका) के वक्षेत्रित (वस्तिकिक) ॥ १०० ॥ (अमार्ककं कार)मन (मम्मर्भशास)क्रांति केरालिंड): (क्रमशाहाय कार्य देखा) धर्मायहाः कार्याव (कार्न्साछार्) विलेखेनर् अथाकाः (आकाः) अनुडायाः (मार्जुका:) मृल्ला छ प्र:(धत्राहाव:)ध्यक्तिहः (देवि) विमाधा (क्या (क्या)॥ >90॥ (जम्मारवर्मा । जित्रमा काविका त्यास विजिक्ती विक्रमा श्रव है: जित्र माधार। (र) । नियं। त्नाका छीछ (तेक मे मछ , ज्या) व्यवा अव्यक्ति भर् व्यव-(अभाउत्वाहि गणक) विकानिकर् (कान्यग्रम् कि) भर मू भर् मः भर १ देखि (व लकः) ति देख (म्मारं मा) राष्ट्र मा

(7 sight (con 14) sty ((AM MANU) HARE (10 Hail) & galo (भामकार) यद्यः (मामेकः) वर्ष माम (कमान) वर के दुष्टांड (मॅमटें मचाक्षितं) चाक्षका कालाति मेमटें भामके कवाताः (गार्वकांगः क्या देशासे देल्यासे एवं मूर्यः रात्रिक् वर्ष्यां : वर्षाता:) विस्ता: (त्याता:)कान का नामक्रमार (अकार् अप्राम् अप्रामि) व अव वित्यर (तेव माउठ) ॥ २१ > ॥ ल्या लाह्केट: तम्प्रतः ध्राप्ततः ह (द्रेकि) हिस्र द्रेके 11>9211 (० सारमधात्र) मत्य (माश्रम् व्यक्त संदर्) हताः (अव्यक्त क्रिकारः) मार्थिक बी श्रामेश्री वर् (मार्खिका मार् ब्राम्भा का मान् हे की अन् के कि का मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्य का मार्य का मार्थ (जम्मारनं नेम्। नव वृत्ता अनिक्षाकृकरमाः हिवानीलनश्वनं पाछ) वार्य कत्रक के नामण् (कत्रक के: क्लाकिन: जनाम म् नाम करना धर्या-क्रिय: अवरक्ष: ७१) धा व वन (प्रभासिक विद्याव मन) महिल्लामा (समः: पूरमाधाविष्य अत्माः , भाक्ष भाविष कार (कदः कमा । अमा मम्बङ्गा) दे ब्लाहिड ! (बिमानिड :) इतिरकाल नम्बु गः (इतिका देळ्यह: देहवत: अक्षा: कल्झा: म्लक्ष भ्यत्र:) स्वाप्तु-पूरुप्तिः (श्विष्वनकारेन: मूक्त्रभतिः) अनिष्यान् (अनिष्:) हेम्प्राम् सर्का दार् (हेम्लिक क्रम् अ- अर्थ महः) व्यक्तिः (वितः) धान विश्व ते : (वीबार् नाक्रिकार बाह्य : ज्याने : , नाक्र विवारित :)

हेर्यम् वातं (हेरके:कम्प्रयुकः) नामाभार्यवायाः हे नाम कल्रामः (हे नाम वर कत्रक्राः ७एगः वरम्यमा वादिकतामक वाक्षि-पंत्रमार क्या कं:) हिवार (हिंका नीत) विवा था १ (विक मेर्क) 11 > 4811 थय (थार्श्वेर (सापत विषाधान प्राप्त) प्रकास्त्र (मासाहि: प्रविष्मा) रावं : (अक्कित्र) विकाल- हर कार्विहा (विकालार्क्स्या मक्ता उभा) ट्यासाक मन्त्र विकाल-कासाजिलाग्जाम्यः (त्थासेव देकः यद्भी सस्र द नंग भावा : अभित्रा मा : कादा : हत्वात्र ग्रीत मे : वाल्यार कि लामुला अंबरसार कस्: लग्नामन: खेः)॥ > व ७॥ भ : (दमापन :) श्रीधात (धरा अव :) इतापिनी आर : प्रविताम : (भवसर्षिक स त: त्यस) नितः (भर्षे वं अर्गात् कता क्रिंग भवत्र यतः (कताल की नार्याप्य वार्ट क्षिम प्रावर्य छम : भग ९ म :) व्यापी टमादन: बार्स कामारा १व (विष्ठ) प्रव्हिड (प्रत्न प्रवर्गिन) न इ (रमय वर्ड एक) 1129411 (ब्य सकाक्त्री रावं: (कालकाविवाधिमारवाह । केंक (क्ष्यमायां कें वुअप्तरीतिः प्रय व्यक्षिमा भिन्न वृशास्त्र ह्यप्कानाविमाएं व्यक् व्योक्तिनादियु अगद्यीपन्ता लियास्त्रीयु अअगरेग्र उष्टात्यव उस न्द्राम अम् जमानीताव क्रीकृका, क्रीतात्थन क्रीय क्रिया त्यामाम डार्यरमादिएन श्रीकृष्ण्य कार्बिमादीमाक श्राडाणिमार् मुकेवरी काहिए की का कि की का ना उद्य वम श्री आर । (र मार्थ !) करना

इत ! (लादा !) माना : बिष (के के किता में कार में कि (ह्या के मारेति) वाशिका हुए-नदी-। आप्राधितिः (वाशिकेव अद्वनि अमा: त्याने - शरमार्थाः जाि:) प्रश्तुष (काक प्राचि) छ प्रा-मन्त्राची (७प्रा मलंतम्यी अपवस्ती निविश्याः , लाक कतामाः श्रीकृष्णमारे भी-विष्णभा मन्वने नाती)सहकनार्यन (समुत्रसा) थलू ९ (बाडा), लाक्क्वला (धम्माननी लाक्ष कालिनी मान्नी ची कृक्कारिया) गंका (बाताकान : के जाक दकाक ह) माराम (मक्किन) प्रणा (प्रत्या दिन)नर्मा । (नि) अ अमर् (लिल्म) मुख्यारा थ हु९। मार्क नर्माना अनित्र भिष्ट् धाराजामे भना भन्ना अन्या विस्त अत्य मर अधिमानमावि भाष) मही में द्वार (अद्यारा महीका) वाल काले जीक्षम्ल (क्षेत्र: मूटन थमा: भ मक्न भाक्ष अक्षकमा कमा श्रीकारी) ह वर्नावकृष्टि (dady) (GET (2101) 1159911 (लज त्यामक्त्रमार्विन रेनाविनाम्द्रमेराव्यक्त । माममेश्व लाउ) वाधा मुकाम प्राप्तः (बीवाधामा धामूवामक्षः मम्मः) नश्की ० (विरायजनं प्रातार) प्रमार्थ (विश्वाविकार कृषा) लाहे बार (लाहमे का मार) डबा ए म में में के मार) मिष्यारं (भाक्ष्मित क्या)यमाने (यामुक्षारे) सिर्मायः हिलाई (जिनेश चार्याकर्त्या का अध्याक्षां) प्रकाश (त्या) (याकाशवः

(आकामार) अधिवार केंग्र मानुशुरं (ति क्या निकंत्रा हिल दे म्या यद्भाक्त अग्रवा गानिरीए भाषानीकागाए) त्राक्षाए (मण्डाभार) ह सार्वेत्या (महत्रेक्षा) मक्त्ये मान्य मान्य मान् (मर्वे त्ये माने माने गाभ- लीक् का प्रा कीयम प्रश्व वीए) ह आवती ह कि लम् (नियमाम्) रावुढं (क्या केस्ट) लाक्ष (लाच्छ्याम राष्ट्र) लामा ॥ १०० ॥ लगरं सार्यः (व्यास्था वादः) हाब्रास्थमणांगारं (क्राकेक-ख्डर में मार्गार) क्षिर्य : (वर्ष मर किए:) कत्त्र । माश्रीर (क्ष्ण्य म-डारम)माद्विका: (ज्याकान डामा:) मृत्वीछा: वम (मृत्वीछा आ वर डवाहि)॥२१०॥ (न्त्रेताप्र के पूर्ण । त्रेकार सम्बार अव देश्य : असु व हार क्षाकिकार वार । (४ स(म) द्रियेत्ववम्याण मामम्मम (द्रिया वकाम-मार्नम (मल्यूमा क्ल्यम बाज)भाम-मल्यमा जाडाभाम-महा)करो-म्मा के किला मेन (कन म्मम) मन (मन्मम) अव वडा के दि में केन अर्ब क् सार्या क (स्त्रेन वास्त्र न मार्म पर्व हर्त को र) बादमः (नग्नवितः) (लाक्तप्रवल् (ब्र क्।मेर्) नपीभाव्कर् (मनीमाङ्कादमामिक भ्राविष्) विद्येषी (क्रवेषी)कारोक्षिन (बामाकिटिन) आत्मन ककेकिक्य दिस क्रेक्टि (वर्क्यामान-बाद्याय त्यासक कुक् विकालां कु कि है।) वासा अम्मयवाभा व्याभिष्टि: (जब धनवाभवाभिष्टि: निविषान्-

यानासम्दरं , नाक मिनिल में के महि:) वाल टक्की के वा (माव में में वा) 1952 (\$12) LE 36 (OLOREZEN) 11 NA 011 (अम् (अरवावम्) अनुकानामाय) अम (अरवाव) विद्वितः काउरा भीटि (का डाहि: धामित्रिए) अनि लाबिल (भीक्राक) मेक्ट्रा (सक्त) लयक में अश्वकारे लास (अंत समर मुनं मंत्री-करं मारास) वर्त्रमाधा (अकिन्यमे मार्ग्या) ने आर -(का ह का विष्ठ (क्या छम) (का छन क छ) हिन कहा (वक्रा भी मार) न्त्र द्वादन मुक्क अविक्षवार (म्ट्लाक्ष्मीक्ष्मेन) कार्य महीतः (मारामसिकः अक्रमारिकः) विश्वभेष्या (माक्रकः मकं मामिज) कि लामापामम: अभी अभी अम् जारा : व्यक्तीहिनः (१११७८१ः)॥ ४५ > - ४०२॥ कार (एएरपडाय:) क्यां (क्या हाक्य) रे सामा सम्पर् (स्थान्त्रातास्त्र) दुन आक (क्यान्द्रव्यूक.) राम (त्याप्रमाध्यम) मार्ग्य अन्यान् - त्याद्व : (मकावित कालकावित त्या त्याद : दमार) मक्षक विलक्ष ने (विलक्षिण वर्षात)।। १० ७।। (क्य कासा मिल्कु मान राम में का कार्य में मारवा । माने में पामल अविका काहिए उत्म निकादि-मनीमडाए अविन) अकाममभार) नेष्ठामाळाविड्यामधी (बंद्रकामाह : वंद्र-कारिड: इतिष्ठ वाकुष: क्यि : अम्पा एम क्येन) शक्कामाः साम्बंद कार्किमी अवस नेपाका स्थित (अवस के मार्स मेरिका म् का मार् द्या सारकाशक दिए हैं : दुर्व प्रांता नत् वर मारा मारका)

ल्यामुख्य (ल्यामुक्त्र) अत्व. संवारवं: (स्विक्स्म) सर्वन्यम्या-भ्यानीय के कि (मर्थाः रस्यानीयमः एत रामीय के के विक्र-तिक्त : जिसेन) ना भारकती का भाषे वाल भाग मूर्छ। (नार्थाया : म स्क्रीडवं नीजािणां (क्लीनार् बिनामानार् भः शविद्यात्रं: (योद लाडिलाम: अर्कामकानिका सक्री) विकार भागाव (वंक्रडे)॥ १० ४॥ (लमडोटे:भन्नीकादार वर्त्रेमकामवामें एडव् । वेश्वर ममें के गमारें वैद्वात् भने कर सालकर दुन्यां क्यात्रात्राति वे करि में सेवर त्राक्ष म्यात्रा यात) मूक्टम (मार्थ) (नम्) थार ह (भार मिल) यथ वार्थ (यगान) न: (त्याकार्यामाम्) वनवर (धर्य) (भर्य) (मू भर) मार (जल , जमाने) थि जमा (ध्यानमान नीक्षमा) लाया लाभ अश्व: (ग्रामु:) दुर्मनिक (खानिक विमा) क्या लाक् (कामिनाले कारल प्र:) भा भाव (प्रच नम्मक छ । किक) भव आने (पक्षांन बाम्रेन) म मनार (प्रभूगांड:) आर्म्य (त्यारे) व्यक्षारेड (थमामाउ प्रांड) म: (अमाकः) हेला (ध्रमा) धर्मा : (निन्द-भेटा) एए ((क्यान) (हर (श्रेष) ० मा (अस्य कमा) साम (हिड ज्य समार) (भी अ) र्यू यह (वार्षि वर्ष , करा) ज्य (मभ्यानासिय मः) यात्रक कट्युक (हिन् विके क्रिके)॥ १० व॥ (अभाउरकाड काविष्म मार्विष । द व्यार्थां श्री वार्षांग्र ट्यामिड डर्क मार भारत छा व त्या दिन व द्व दिन

मक् बार् वाचार वापाय नार क्यार (मार्टिक) व म्क्रेवन अंगक विषय । विषय । विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय । विषय । विषय । विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय । विषय मार्क) हि। में कि। में भिर्म) हिन्द (अह ड० राजा मार्डिश) विभाव (या किर्मा वामा मना प्रमाण मिला में किर्मा कि) हमें ((पाक: प्रायक द्राम:) है क्याम (द्राष्ट्र: मैं क के के के द्वार)। मिन कून (धर्मा प्रष्ठ भावानम् ० अस्मामास्) गाकून (नामः) अख्यर । मुन्तामकातीर (प्रमागर) मृन्त् (अपूर:) (अपर (अरमर) देश (हवार) विकृषेखाद: (नाभी प्रवृत्या विकृषे मामिना:) महं के लाक द्रमें हम (मांब्रिक प्रका : 100 कर) द्रम् प्रवाद (अक्राउर्) भूमिनाम देशक्षि (। दिया) व्याल मेर्टः (त्रेक्नेपि) व्यविः (व्यव्य ह व्यक्ति ह वन्) ह व्यक्ति (भी दिव्य अक्ति) वासी (कड़बढ़) ॥ भारता। (देमारनं भारति में । टक्षामिक दर्श सीनांश विभागार सकार । (र) मार्भ ! स्म (मम) मूर्यत्मन हेन्सा (क्षिएमन) असि छा छा १ (गांवनानस-गाल: प्रकाभाषाल) करे: (अकः) इतिविव्दल: (अक्षिविव्द-मात:) त्यार: (वर्ष:) वाम: (भारायिक्य:) मात कर् (क्त अकारम्म) प्रकृत् वर् न कात (ध्रुष्ट्र न का नामि) थत्र (जानमा (जानमा) रूमकरी (रूममा रही किल्ड) आले हर (भरी)

अस्मेर प्रक्रिका (शहमका) दिव्य (क्या)क्यामें (बार्डिक्रमे वर्महाएमत वा) व्रक्षम् सम्भ क्रम १ (मम्मू १) प्राण का का क्रमी वि (andoes-200) 11>6911 (विकेश्याम् द्यांस्य में साम्येत्वि। मान्युमेश के सावताठ छात्कः नका अन्तर्राहिक्ट क्या मुल्यमी अम्मायमग्रेक। द्रात्वा) मर्विल्ले (चीक्टक) दाववनी त्वर्थाल (लाख मान , धर्मार जमा र्धांच्या यांग्याहा ज्याप् अहि) (आदक कुर्ग (हु दक क्रार्जिक ने ' किक) वर्ब से बरे बरे पर (क्से बसे भी का में वे ति व सर का प्रमें के बी ने त्या करा) बाद्र का शामित्री कि के में वसी पत्र का लियी-उद्देश्वित: कुन्भू मा बन्धु न तथार गतीव् नाविकार्) व्यानमा (व्यानमा) एक्याका नम्नम् अवस्त्रवर् (एक्षि: अयति वीटेका: नम्मन निक्ति विक्रिक विक्रम् अम्मिकार्य अस्त्र क्षित्र विक्रम् हित्सः अत्या भय छ अम्बू छ हे भरी छ (या पर भारता भी छ विशाप देव देवी कुछ रेकार्यः) एमन (देमनीएन ट्यूना) अहलान नाविष्टः (मक्न-मर्मा आरापिछिः) थानि सम हरिनः (किल् सूनर्म-क्र के का प्राप्ति विकार) है एक (हि का कुक राजा माडिआ) है र-केंग्रिक (दुएक: केंब्यर केंग्र)॥ अन्।। (मृश्यीकागर अद्विमानि वरमलकाम्याम्यामना । श्रीकार्या मालिखाः अछात्र। एर मार्भ! भिन कीक्टका मामात्मरावि निम्हमं

ब्या कार्टकत्त्र व्यक्तामाम ट्याल कर्ष व्यक्ताक विकः क्रियमं (मामरं) न व (मक्त) हिंव- सुत्रमा : (व्यावस्का : अम्मन्मिमी मक धरा के काथ) मार्टिस (यमकास म्मियास) मेर्टि (क समेरे) विमास (मार्बमास)। इसं (कार्याः) कम (वर्षित्राम) वर्ष (लक्ष्) माहावर (विमालावर) । आवसा स्थि लाहा ववर (क्सीस्पन-केंबर) मार (साम्ताप्त मत) लगः (व्यावसक् क्षार) व्यवस्त्री (क्या मीलिकार्य 'क्या) त्यातिः (वर्षा नसकः (वयः) वर्षा नमकितं (कर्म मार्भ क्या) ट्यास (टमरमें व्यक्तार) वर्षामां म त्यामी (क्या अत्यान गाढ लाकाम क्या) द्या (व्यावास्का लाम्बी) विमुग्नक्राम (वसर साप् विमा) लिस्सः (वस्त्रम् सामः :) उलाम म् (जमा मानात खरक)॥ २५ म।। (अभ मित्यामामभार)मामान (काममानार) भारतः (ममार्)हेल-ममः (बाद्या) एमरमाभामा नवमा (बायमा) ज्यादा (द्याय अकाममाना)का थामि (काहिए) त्ये क्विने (विहित्य हाय:) मितार-माम: रेकि कोरीए (क्याए)॥ २००॥ डेन्स् मर-हिस्मानाः (देम्स्मर हिस्म विहिता मन्न वम्पनाः) रश्यः वम् एकाः (वमः मिलानाम्मः एकाः) मनः (विमिनः)॥१२०।।

(डलाएम् नामात्र) विनक्षने (विकियर) नामा वियमा कि में छ (लाट्यकारं प्रवानाम हिल्ला वियमाना किक्निक लाहबंप्) Set al 4 2016 (CCAS) 1129511 (स्थित्वा) दास-सक्कार्गका (गमकसक्कायत लारवेश स्तु) क्रिट्ट क्षेत्रिक्षणहरू (ब्रियामंत्रम् । द्रस्य : मेर्क्डवाये र मार्किकण्य । (प्र सक्त ;) सा क (कम्मिन क्रुप्टर न्मार्ग विवर्ष (वहमेरि), कृष्टि (क्रावि) कार्यन र मार मा का सक्ती मिया में है (म्यीमकामा में यह सिन) क्रकारि (कार्यामारि), क्रिटि (कार्मिर) था हिमार मनुम मधी (लाड्र आकार्य के बेरातका सही) एडिए (टिमार) स्थाप (लामकार) लास्मारि (स्मार । नवर) यादा (०१) द्विताम् समाम्बर (। उन्त्रकामिक देलीय पुरिस्त प्रमास्था नाहिल यह) कार् म प्रभार् म रिख (मायलम् एक)॥>०॥ सामुक-साम्द्र (क्यारिय मादुत्क) बेब्रागादिक के तक मर्मकं प्रमंद अटस (कारक यान) यादाता: दुत्तः कुल्लाप्त म्य पुर (स्म कुर) अनुका (म्पिटा)॥>98॥ (अभ म्याम मार) त्यक्षेत्र (वी कृष्ट्या) मूक्या लाए (म्राकातम्मित माड) भूड द्वामा छम्। हिंड (भूड द्वाम-अकामिछ:) द्विस्वयम् : (विविधिसायमुकः) द्वित्रप्रकारितः (भित्र हेन्किकेन हेन्किम भन व्यक्ति व्यक्ति मान्यम् मः) र्: बार्यः (लामने द्वात भः) कर् हिनम् मः (विधारका पिटिशासापः) अम् सः भावे का भूष्ण् विवाद्मा का स्र प्रम् नाः (विक्तः रिष्यतः प्रश्वत्मन) ध्यवत् : था हिना चेष्ण् ध्यावतः वाष्ट्रनः ह म्बद्धः ह केल म्लालं : (म्लालं कार्ले डे:)किंडिंड: (ट्याकः)।।>००।।

ममन- भीका-भी: नहः (हिन्ना हः) मणाम (अभिमाभावना मणाम-1160c11 (: amusto: adport (12) कर (मम) लाम- लगढं हिनाम में : लयं भारा त्या द्या हुना हमदका -मूर्हरं : (अमर्अगिट: अम्रुगिट: हान दोहिमीता विहिम हान-मस्यानार् हम एक् विवि: एक् विः स्मूखनः मुकानः विभागेकः य अकेट मुक्ता,) त्व व्यक्त (क्ष्माल) समाक (ाम्मिर) اا عود ١١ عادم (वय सम्ये मात्र) कर्रेटनेस्ये प्रमें मा (क्रिंग ह अस्। १ सर: प्रवा १ वर्गकर्त) लबस्य वंप्तेत्यं (लबल्या श्रूप) सित्यो (महाक्तेत: लिक्नु अप्याममाव: (लिक्नु अप दीमका क्ये) दुममाव: वर्तरः) मः ६ (ववं) अवतः (४६) भिष्ठात (क्यातः)॥२००॥ (वर्म सार बे प्र । ज्याम में में वर सम्बे क काम कर प्रत्यामा वर्ष के लया प्राप्त गेष्ठी व्याच समय क्रिया समयं क्षेत्र भागमात्त्र मक्काल्य सामर्-ट्र कु ट्रिट्र एट्र ट्रिक्टिंग अस्त्रामे अने म्ली के बुकान दिएंग नात्त्र उमर्थी ग्राही मम्जू कम्मा: श्रीवार्थ सम्त्रु । ति) विकय-विका! (किन्यमा धृक्मा विका! त्र) भर्षे मा। (त्रमव । वि) मभन्मः (अगमाः नीकृक व्यपमा देवार्थः) कृष्टित् निवमाना-कु म- भाग्ना (कृषाकार विम्निकामा विम्निकामा भागामः वस भय देश्यः तः केल्मः सः सक्ति स्माने ट्राम दिः

क्राक्ट: में अत्यासिट:) म : (लासाकं) लाहीं (१ वंपं)

स्म स्मा (स्प्रम्यव्तिष्य क्रम्मा र क्रम्)। मर्स्माहः (पर्यण भारविद्यासार् भावः मः मक्त्राक) जनमाननी ता (जा आर सानिनी ता र अधिरेस्नुभूर) स्थार् (लर्ड चर्ड) बर्ड (सार सार्वे । त्या व यथा समायने देखात:)। रस्य रेड: वें अर्थि (अस्तिम्प्राय-म्ब्रिकिको वी विमा मामि (धारवमका भे विष्मार (रिष्म् तरमन, भन् की भए वर् क्ष्म) क्षिरिकालका काकी कार्यत क्रिंग अ विशा में क्रिक्स के स्टेस मान क्षिणक) 11 200 11 क्रिंग (क्रिंग देशहत्यान) आका: (क्रीकृष्ट मां) मिर्फ्स का - मार्ग- हाम ना मुल्याम्याद (मिन्युष्टाम-अल्याम्याद) श्रायिम्य नवा-मार्छः (किस्मारकंत्रकः) क्यारेकः (किन्य): सः) मसमसः (क्रम्मानः रेप्रव (स्थार) (क्रम्मानः) कार्यकः स्थार । 150>11 (क्यान मामा म कुर क्षेत्रानि भट्टी जीवा क्षेत्राची विकार कथा) प्रकार प्रकृष (अक काव दान) या (श्री या) टामिक में (स्माय-क्ष्युर) लक्ष्ये केंद्र अन्मित्र (वर्तार ने भर) क्यार कं (बिक्य): मः) मेसप्त ; प्र (क्यार तमा से सम्म : सम्म हा: सकेंद लक्ष्म में कुर व्यक्ति का का के क्या) लसाम सक्ट (नक्याक्षिय) खार (भीगर) टमार्ट्यी (टमारमन्त्र) लम्ब महार अभी मुखा स्थः (व्यम) वळाल (अविकास नाम)। अभा कथर में (एक क्रियों) वर्षाम-लमार् (क्स) मिल्प्या हर्गकममार्) अविहर्कि (स्मराज,

वर्त्वन इस्मिमीकारः)। काल यह (कार्याः प्रानमा) वि (तृतः) उत्तरः ट्यामन द्वाः (उद्याः ट्याम केल न्याः प्रानमाने प्रान्त-प्राच्यानि टेकः) अवस्ताः (काय्ये हिंद्या प्रवी व् व् व्यक्तिक्वी वि प्राच्यानि टेकः) अवस्ताः (काय्ये हिंद्या प्रवी व् व् व्यक्तिक्वी वि

सक: 1150 का। (मठ कट्टाट्स्म डास्म का से:) क्ष्रिक्का विश्व में: (दृष्ट) विर्मेत्त्र क्ष्रिमें का क्ष्रिमें क्ष्रिमें का क्ष्रिमें क्ष्रिमें का क्ष्रिमें क्ष्रिमें का क्ष्रिम

के क्यः (अष्टिक-के क्या थाः वा) (क (क्य) इन्हर् (मार्क्ट्ड) क्रिक्ट क्षा का क्ष्म क्ष्म

कन्नमंदि क्रमार्क (विधायन हि)॥ २०४॥ (लूम द्रव्यम्मार) भक्षमहिक्ता (भक्ष: महिक: ब्रह्मक्ष प्रमा: दम) अस्मिन इत्तं क्रकामार (कपट्ठा भुष्पं दमा) सार्थने: (लर्थनेन पड्का) लिया (क्सा (क्सा लाभमा : व्यास्थरं) म क्षात्वः (मा अद्भः) हेल्यमः (मह) भ्रेयी (क्या)॥२०८॥ (बर्मार्यम्भ) मिथि (अल्म) इति (द्वात) द्रमाण् (त्रमाजल) ह का: । ख्रेम: (अह) था: (क्रिम:) कलिक कि विश्व म क्रा-बिल् मुका ्रमित के हित्ने सत्तार्वि रासिन क्या विक्सि विभाभा तमा क्या) वर (क्या मिक्स्मा) मं माला: (रेस्ता:) या: (करवा:)। हि. (अर्थ अभी:) त्रा ध्वेष्वल: (अप्याम. (ये प्ट) दुसा ((अवाव वस) करां करां (असारक) पीमामार्का वा (६०) मं)। काल ह (किका) देखमः एमार्कमार्थः (देखमः एक्सक रेल नामः कार्टियातः) कूलने माभ सह (तीनवन-मक्तानि मुक्षि नव मार्थि:। श्रीकृष्ट व व मुक्र मा हाकार मिलिय हेल्म: एमाक एक में!) 1120 के 11 (प्रम मण्डामार) स्माम के प्रम (मान्यम का कार्यम) HXXIN (ZMAIN) MAKAN (18 DING 18 CE X) व्या (अविक्या) ल इवकवामाक: (अववद्यादि-वभम्) दूरिः प्रक्तः (२००) नर्भवः ॥२० १॥ विभवन डामभातन जान्यम

(करेराप्रविष्टा । क्यावा विर) । ख्याप्र (थ्यामहेशक केवर) भारत (सस क्वंपर) विसंख (लोबा) संकेत्यार (सकामार) करको (क्रिक्रकाम आर कार कार कार) हाड़ कार्द : (जिल्लाह-रेट्यक्ष,) प्याका: (र्वकमाट:) लायेयने प्रयेश: (लायका-अकारः । ली के वया :) ए (कार) अवर वामि (वय अवर् भीमार्पिक्षर मामानीलार्थः)। अकृष्टक्षः (म विमार कृष्ड देलकृष्ड ८६(अ ४२) मः अकृष्ड देवार्थः।मः) देय (आभीत्) अकृष्ड (अमा बमा कृष्ड जमर्शसिक्ट)र्थः) सिश्की लड़ाम छात्राताका : (अविकक्ष-नूय-अवि-अव्लाकाः टमानी : अमानिकार्) मम्बद (मान्काक्यार १०५) लाभीम (बाज्यम क्रीक किर में मामें (यमाव दामा थानि ए तेव कि कि ए जय मक्सम्माहि) ॥ २०१।। (वा व्यक्त मार्य) गम (भामिन डामान) 'इत्ले (मिन्का) काविना-कामिष्ठ-ट्योर्डराष (काविनाक कामिष्ठक ट्योर्ड्यक (अप्रात) क्षामका (क्षामक : क्यां क्षामक क्षामका) (अस्टें (अस्टेंग्रेस अड)। हिला (ब्रिंस) देव देवा (ब्रिंस) मः ध्यम् द्वः (२७) मगः (भावकामः) यणः ॥ २० छ।। (वर्षे ताडचन्त्रं। ८४ त्रमतं ।) तः (म्युवास व मक्ता जंत्रावस्त्र) अमुक्रु क्रिकी (मुक्किम) कार्य मानि वस्त्र कृष्टि : । थान कार्याय कि वाममान न रही जार) श्रम में (कार्य देव छक्ष: मन्) वली व्यक्

(अमन्वालार्वालिमर्) विवासि (विक्रालम्। किन्छ) क्रीकिछः (भीत्रभीष्ठ : प्रः) काम्यानार् (कारमन प्रभागकार्)। द्विपर् (स्रुमाहिं ने मेल्यमारं) प्रसंतारं (मास्र-क्ष्रक्रित्यत तिमक्स भार) अकृष (कृष्यान्। क्रिक ज्लाराभ भूविक सानि असरक्षः) श्राद्धित् (काक्यर) यान् (ल्लालयार्) कर्ता (द्यात्रेता) लाम चामर (वामवामर व्यव्यात्राव-सार)कार्यक्र में (हिल्म य य में) मा वर (क्ये वसार) आमेज-मिका: (कामिजमां क्रक्वनमा जमा मिका: अने रिम:) अतः (अएगननः नामीकार्यः। । अन्) उट्क्यार्थः (अमार्गिः क्य कमार्भः व्याज्यमाग्रह्मा वार्मः राम्भा) दे मानाः (मिर्ड्ड्स मक)ए । थाडिक्स अम एक न जलिंड सर्वित इत्यं न प्र व क्षा का का का विक् दिकी कार्यः)112>011 (यम कार्टकार्यकमार) मय (भामित जारात) भागार (मार्क्रनीर) लाम- त्राममार (त्राममकामकत्रार) काग्रा (वट्याक्राम) अम (अक्किक) जात्मिहिन (जामामामान) मानूमायर (अम्भट्यम अम्लालम सर) ट्याका (मेरेज) जर था हिना सूर्क (दिवर ॥ २) ।। (वर्षात्रंतमः। (त समनः) यमन्विकतीनाकन्तीम्म-विक्रो-अक्तपत-विक्छ-चल्चिमां: (यम) अत्रविक् अविक्रत-टिष्टिण्यान मीला टेमन करिभीमूम् असमास्त्रीन अविमूमाः

जमानि । च अरे बिल् : जमाने मक्रप्तर । क्रिक्मामाप्तर (छमानि-विर्व विलासने अल्ला इन्हर्मा : अप्रमानि अवस्वरामिश-क्रमा रिसी (एसार (ए कम्बा:, प्रकार) वित्रकी: (वित्रके-व्रामा:) भीता: वहव: विश्वा: (लाक्रेन:) त्रलापि (ज्लूक्रने-वव) मुमर (र्यावर) म्यक्षिर (अम्प्राप्तकर) देव मेंका (क्षा) देश (ब्मावत) डिक्राहणीए हराडि (आर्क्सानकर - डिक्रा-अर्ब-भारितेय की याहि)॥ २>२॥ (लम लाम समार) मच (ग्रमेर लास प) प्रिक्ति (त्याप) क्या (न्योक्क्य) क्षेत्रमार (क्लेडियार) क्लिक्ट (क्लिडायम्बर) १ (कमा) हम्मे (अमं प्राप्टिकान) लिमेर्स मर्खे १ (लमक्ट्रिश-म्भपानक) की छिड् म: धाक्क धानतः : देपी बिछ: (हेक:) 112>611 (बर्मायनम् । व्य)द्रम्माद्वरं । (व्य व्यवकां) के केस्य न्यः (केस्क अर्थ य न्यः 'अर्थ, स्मृतिक यक्षः) लाखाः रामिन): क्रें उपे कुलिक कृष्ट् (गार्थ मा कृतिमर् भीषर्) देव वयर (जमा) विकामाक्षण (क्रिवहनमान) अठर (सक्र) देव जाम हामा: (जाग्रंग सम्सा : सक्:) लमके (अत्मक्तावर) । जिस्साम् जी म-स्रवंक्षः (जस्र मर्थ-स्मि: वित्र : सावक्षा कामणील गमण वास्ता मण:) नव्य (क्सा कर ह का अधि) प्रकु: (प्रामिस रेका रः। क्यार) अम्मका (अम्म) वाठा) हर्ने ठाए (क्याठार

त्मिय मूलका द्विप्रिक्षे)॥ 2>8॥-(क्रम साश्वाय क्रमार) मान (मान्य हामार) में में विवास सार्व (म् अग्रः व न्यकाव: काना शिवने । मिर्म्य नीका त्या क्रम्य क्रमा क्रम्य क्षित्र (क्षेत्र क्षेत्र) काडि: (मन्नः) म कर्रा (म त्याना) रेकि (नवर्वाकार) मूजसमाप्रत्य (मूजमा) समाप्रत्य) धानुकार १ (अस्मिनंड)दुक्ट (त्यत) स: मारु असे क: (व्याप) 115 5 11 (वर्षाप्रत्या (द) खिन्नमां (सर्खिनमा स्मां वर) जैयः आमाः (प्रम्वाक्यवाष्ट्रिकारावि अमाम्छात्रेत मम्भवार्ष् लाम् मुक्त न्यः लच लामाकः । हे () त्यांमा (यद्यां निवास्त्र) किं त्यास्व: (यदसकामां त्यान्व: 10 र 🕿) लणं । (य त्यर-लाभम । वें) कि (सम) सम्मामः (लामन्त्रीमः) लाम (एकाम । एए:) किल् धन मार्स (धन के ने एस काम एस ७९) वर्ग (रिप्र मे। लाम सामे बाद मामे त्यामे वह वर्ष दियाने DOLPCE- 1CS) CHIM! (&c) DIO (CREY DAVIAY) ON MINI द्र (मळेंग्रेगाक) मैं की अमे से लाज्युर (मैं की अर में से मिर्या-लाया तथा वरमान्त्रं) यत्राम (कामार्स्याम) का: (प्रका-मुला) वर्षः मल्ल् (मर्वादेव) माकः (एत मरं) देशम (वक्राम्) आरह (भीवर्मद्वभायक्षा वहरा । यह मः सिर्के म बहाद दिए क्ष्र क्ष्रिय ने ग्राष्ट्र क्ष्र के वेसन ग्राष्ट्र क्रम क्रममान (त्र विधारी) ॥ २३७॥

(लम सम्प्रमाइ) मा (श्रीम् कामान्) लाक्ष्यात (अवनारि) मामहीर्य (महीर्य ने पर) मत्ने मर् (देलान मक) मर-मान्यर (मान्यम मड्) (सारककुर १ (दरक्षुण मड्) इ डि: प्रेकु: (क्यु के का प्रकार के का क्षा एक) सं में का भी : निममां (क्यार)।। 2>911 (वरेसाउनमा । क स्कां) लाम्या (ख्रिंग्यः) लक्ष्म यह अन्तर (यम अवारा) लाहि वाल 20 (200 किए) ! मः विविध्यात् (विविध्यः क्षीतम्बोल एवतं एका) यक्त प्पाणानं व सारात (र्यामीलल सम्म कार्यात क्रिं) र म: मुक्किए थान (कार्य नाल काल कार मार्केन)क्किनीक्र (स्वरास्त्रीयारं) यः (लस्तरहं) कम्परं में मुखि (इक्कार्यार्ट-किर्) हे कसा (काभी में कार्य) में (यदम सः) लाइक्स्मीम् (लक्स मिल्लासम मिस्ति के) देवा (स्थान के लामाकः) . में थि (म कि कि मारे कि मारे कि ।। 520 ।। (अम मामनाभार श्री कं द अवसार) में के जिल्ला मारी (मर्लिकार व्छापि-प्रशास्त्रा हो तार हा वाना सूर्वत (ध प्रांच डे न्ता प्रभीत:) भवार (टमार्काम्) वरं: (इडमर्) लम्बे (काक्सं :) मार्यः (वर-प्रश्रुक : श्रास्)। इसामिती प्राच

(लग मार्यमाइ) उपाहित्रीयावं : (उपाहिया : माव्यक्षः (अमा) प्रके चारवाम्म (मणाप-भश्राचा हामः ज्या मामूर्याम मका मामार्गित्र करा) लाक रास्य: (म्कारिका म म) ने बेर (स्मारमामान) अवः (ठेउ एक उपि)। यः (अभनः अक्) प्रमा (निव्ह्रवर) श्रीव्रक्षण्य १ वन (क्याहित् ह : क्याहित् वि :) बागाद (सकामाद भागात्रकारः)।। २>०।। (कर्मार्वना । टब्रेनियामी नामीम् भीमार)धाम्टरे : (म्नि: अन्ती अभाक्षी ह जाए जामाहिनामा के सर्वितामिन्यः) लकानुंक् (क्रमस्यायमाव्यक्) अपने विर्वेशप् यावप् (इसमंक्ष्म विर्मात् : हत्त्रके मित्र : मायन विकालक) . सूर्र (मिंह) पाल विकारें (कोरिक्ष) हेम रह (प्यापर) निवकारिया (धमा की छिना भिना) मार्थिक्सर (उप कायर) मास्यम् (हमरे) स्वरंममं दे (रें बी के क्षेत्र हे) सर्पात (अक्रिके मार्च क्रमंत्रिश्व वाक रेष्ट्रीमिक राज) आठ (मार्गिक (मूर्) जनामः (विष्ठान्गढः) १७-नवनवल मस्ममः (का निक्रम्क मार् प्रस्मित् भाव महर) प्राप्त प्रार (प्रक्रिताना-स्टामक्क (माप्त प्रश्क्षकञ्चार (एडा: धपन-प्रमु।के- हुमुना निकंत्रापि-मर्वम्म - अविक्र ने त्र हा कर शाक्ष (शहा:, वाक मर्का भागायनामक-शाक (राता:) अप्रिक् (अहिनीयः मिक अमिन्त्री:) मारी-प्रमूक-

विभाग्रता: (अत्राक्षा-क्रकाता:) अमे वर (विष्ट्रकः) बायहन्तरं (हार यर हम: क्) त्मीमि (स्क्रीमि) ॥ २ २०॥ लच (लास्य सारत क्र) अस्मारंग: लाताता (ए व्यान्यकार भक्ताम क्रमार्ट बस्ति) काल ख्रमा विश्वण प्रवासका-ध्यकता केमा) सतारकारम कार्स (मिन्ने मार्ट में दिलास मकाल) वर्गम्मानाश्व स्वाम्यः (वम् अक्क्मास्मामा रे भक्षायर प्रकायर विस्थायम विस्थायमार्थ श्वारंगः अव्यानात्रा द्यातु)॥ 55>॥ (क्य कात्माकार हि अकाममार देखि। जीवास त्यावस्त पानगर्भनः अक्षिमा वनभानार वीकामना जार थाउँ प्राकेर भाटिकार । (इ) वस्ताल । मा (इ०) लाम्य (म्याव लावहा) क्षा क्षा कर् कामाम् (भाम मर्भेष्ठ) देम् म्यू : (मर्कम वीवर)भविश्व का (ammin) प्रश्व (बिमाल) इत्तर्भ (क्या वक्षात्र पर्वपा) विष्णात्र (विकासमा किल्मि क्री किल्मि का किल् विकासि: (विष्ठक विष्ठा छि:) ब्रम्यिने त्रिया छ: (ब्रम् एक नमर्ट: धमारिएमिलीडि:) प्राक्षः (प्रश्) क्रिपि (क्यर्) माभाव (म्मर्केट) ७० (भामकार) विदियर वृष्ट्रभामे (कार्या)॥११२।॥

(यमात्वाता हान वर्भस्याचासा व सिक्ष विषय विष्ठ । में सुर्वाः क्। कुर मामुभी वर्ष के का का कार । प्राः) मामुन्ये : (सबवाक्ष्याः) नव) भूत्राः (स्त्रकामाः , वम् कास्ता वत्रक्षाः। ग्र : दा:) लाल्य भावंक्षः (लश ह्नेन भक्किम भागि मन्तिन स्वक्क् कल्ल्लीड्न पात्रार् छ: ७०० मछ:)मार्ग्छा-अपसाद्धात्र (रामुटारें : अर्थिक सिर्में में से से से मिर् व्रेम्निक्षित (वन विशास अविकारम्मना वृति नियान) दुक्यानं वटा श्रिका अविश्वीतिय (राम्का अव्या जम क्षेक् करा असा के मा ना के के पर ता का की में के इस्टिन) लामम-कृष्टिये (लामत्मय म्याये कृष्टिये ह) मिम्मड): (विलाममर् कूवर्यनी: प्रछ):) जमारिर् (कम्मनीछार्) मर: (अविश्ववका:) 1122011 (द्रमात्रवंशास्त्रमः। आवासा नामिनासार। तर) व्यमः (यारः) इह! (अर्था!) त्यामना (मूक्मादी) अमना (विश्वका) रेग्ट मामडी मूना (भूर्यभगामि) कडन्ए (किल्मिनिक्) र् कुन् (कारा वर) तमः (क्समार) व्यक्ताप् (व्यव्यक्त । यमा उत्मः अखायार) या (देशानीः अमाडीकार प्रडी केंग्रः) [मार्के लाहिन मा त्माल मेर (अ) क्रिक अपू मार् मार्मिन) GENTO (क्सामां करं) दुनम्पराक (क्युम्मान्)॥ 558॥

(आरम (सरम्हारम) वन वन: कः वाम (व्यन्तिकितीर :) विचि: मामन: डत्यर (विश्वनास वू तिष्ठार्थः)। यम्बिनामाः (यम् मार्यम्) हिमामकामाः) मरम्या (लम्लासकामः) विकासीला: (विका: अविकार हिना भीता व्यक्तिकंत हुम्रतमा):) विनागट (विनामार्ड)॥२२०॥ कारिशमम्बर्ण हलामात्रा त्रीकृष्टमा प्रमाम (विचाम) देवं प्राम्यमा भावि: मुके (त्राम्) पूर्णामा (द्राक्त्या लिय)। एवस (त्रव्या) आसी (माम्बर्भ माड:) मित्रम (खब् एव की मुक्त वा) थान ध्यार (वर्षा छर्) भिक्षकं (प्रिक्षाकार्त्वं) अक्षा (त्यामा) # दिवर ॥ २२७॥ (रेमानी स्मार्थका वस्त्रम्म, त्यमत्त्रमाती देस्कारिक इकाइ) अहिर (क्याहर) ग्रामः लात्म (क्रमक द्रहें में)लय-दामका आमा वर त्रमः (प्रमः) भन्दा प्रमान प्रामान क्रमंग्रह म क्रमणिक (बारकारि)॥ 55411 वाक न व वाच (वाभित्र,) मा स वामिकामिन व्यविवास समा लाक मक्टि (लाड् हैंक्ट) सामाक्ष्य के मार्क 11550 11 उत्तरिये (त्मा भीमें) मा: भवा: (हेडमा:) डावाहिना: (द्याय दिना :) १ केन्द्र में केडि (क्रामा ह) दा : (द्याय-हिमा:) विकारमाध्यकमें (त्या किक वर्ष स्रोगिक मी कर्मा) रेप्र (अस मार्ड) मार्क (म्मर्कः) म करिनः ॥ २२०॥

यामावकार रेका लव वैमान्कक्रेम (र्स्टम्बर्सान द्यात:) म्लः (मिन्ह्लः) वाडि-ट्यामाः व (वरले ट्यमी ह क्यान भास्यम्प रेटि: जिसस्मार्गा दिल सम्बी अग्रे सम्मार्गाक, " नवर (अभि) न्निन : (डावा: , कि) (प्रशापि अक्षेत्र (८४४-मात-अप्त- डामार्डेडा(पर्के) थुड़ा: (टाडा:) क्रिके क्या शुर्क क्या कर हात दिलीका: (डाया: क्रिक) स्मार्मिस (डार्क्स) म्रिष्ठाः (डावा डवार्ड)॥ २७०॥ इगर् (सहावन्याम्कार्यक कथवा) सामुक्टा विक्रा (रैमान्वहासुमामेरात म: क्स: त्वाक: स व अस्तर्भ इब्र्यः। आनेमा नय क्या क्वाक्षि य व साक्ष्यिकारमं विनेस देखि दार:) प्रक्ति एमनासन्तरादी तार् (एम-कास-भाषातीतार) (अमेमिमादिवाव : (ट्याकेश्वार भर्माश्वार किर्मिश्वास) क लाम (क्याम) नवार (हारामार) विमर्गर : (तेमरीक-मान)मार (दिरु)।। 20>11 (हेक्नामा डावा मामा अभावसम्बद् मिकि(माणि) जन (एमू डारवर्) लामा (अर्थवरी) वेडि: टक्साइसर (टक्स कार् डेरेंड) श्रीमार (टिंग) ममन्त्रमा (बिहः) लर्ये सामाधाः (लर्मे बागलारे केर सुमारं 'कमा) सममू (ब्राव्ट:) - व व जाना डिमार (कारण प्रेडार भीमार) अवना (बाटमार्ड)।। नर्मायभ्यामा (क्लाकिमामीया) वार अनुवाला हमार (अन-गममप्रहार)। हिडिए (निकीए) भक्ष वि (आर प्रावि। किंड) टक्यू (मर्प्रवर्गम्) १व भूवनापीयाः (विष्ठः) छावाद्वारं १व (डाकमर्पत्रहासिय। भेटिए माग्राव)।120011

स्वस्त (अप: केट:) वाम: (व्रक्षिम) हेंग्य (क्षेट: विश्वस्त (अप: केट:) वाम: (व्रक्षिम) हेंग्य (क्षेट:) मित्राः (शांक-भांतृक्ताः)। प्रिक्षः (श्वाप्त क्षेत्रः) मेपाः (क्षिण्याः (क्षिण्याः)। प्रिक्षः (क्ष्याः)। विश्वस्तः मेपाः (क्षिण्याः (क्षिण्याः)। प्रिक्षः (क्ष्यः)। विश्वस्तः (वृद्धः) विक्ष्यः (क्ष्यः प्रक्षः)। प्रिः (क्ष्यः)। विश्वस्तः (वृद्धः) विक्ष्यः (क्ष्यः क्ष्यः)। प्रिः (क्ष्यः)। विश्वस्तः (वृद्धः) विक्ष्यः (क्ष्यः क्ष्यः)। प्रिः (क्ष्यः)। विश्वस्तः (वृद्धः) विक्ष्यः (क्ष्यः)। व्यापः (व्यापः)। विश्वस्तः विमा भूष्यः (व्यापः) विश्वस्तः । विश्वस्तः विमा भूष्यः (व्यापः) विश्वस्तः । विश्वस्तः विमा भूष्यः (अपः क्ष्यः)। विश्वस्तः । विश्वस्तः विमा भूष्यः (अपः क्ष्यः)। विश्वस्तः । विश्वस्तः विमा भूषः (व्यापः) विश्वस्तः । विश्वस्तः । विश्वस्तः विमा भूषः (व्यापः) विश्वस्तः । विश

सम्बद्ध (अम: कृष्:) असः (सर्य-सार्यकार्यः) अस्तार प्रम्) विवक्ष (इक्ष क्षितः क्षितः ।।। ।। प्रम् क्षितः (विक्ष सः क्षितः ।।। ।। (क्यं स्वर्षा स्वर्षः क्षितः ।।। ।।

(मिममार) लुक्ट मर्भम-अवभामका (मर्भम्यमामिका) जाडा) भा कृष्टि: हेनी नाहि (अकामादा) में आ देखें! (बिहार्डि:) मः लूक्टका (हेकि) हेहारा ११ देश (छव म्ल्यमार) मामार (वडामार) हित्य ह अन्तारते ह क्षामा म्ल्यर

(छच माभामन्त्रम्तार्वि। विकि: खिगमर्मम्भा पर क्राग्र क्रमड ् श्रीकृष्ण् वन ही- लान- क्रमार लमा ही- श्री वाक्षा विमानार् बार। (र मार्भ !) रेकीय द्वापव-अरहापव-तममूब-क्यी: (रेकीयवमा भीमभामा भव देनवं का कियं करमार्यात्वा करमम्भी स्मिन्न क्रिका भी: कार्डिर्भ मः) म्यरकत्रक्रानिष्ट् (विभार्विन-बाम्सम् मण् भीजामिलार्थः) बात्रः (वसत्) प्रधातः (धाव्यतः) आमूक एमे किक-मात्राय का व वक्षा : (आमूका नि मार्थका नि स्मोडिकानि मुकारकानि एकार्मरामराम शाला कारी ममा मः)लगई कः मचा (वक्षाः) बमह (विश्वितः द्वारः) अन्मम् (काममभर) क (काल ॥११॥ (हित्यं पर्णतम्पार्वि । श्रीवाश श्रीकृकम् प्रिमात्र । त्र मुक्ता) एकर (विधायकं) किलाकं (वक्षरं) रिक्री म्टिं (ममनम्मर्) मिलियमं (मील्यी क्रमें) देखि (नवर) अविभन्न निवार (अविभनानार् वाकानार्) विश्वासार् विश्वाभार प्रभा) विनामकता किए: (विनामकत मनी हिविना सन कृष्ड हिम्बरि आकृता मिर्भड़:) दूर भोक्रड: (१६:)। सिव ! स्ति (धारा !) अवक्षिणः (मन्त्रवक्षणः) व गर् विविष्-र एका राष्ट्रिकाता-कताम विकातिमः (मिविष्क्र काष्ट्रातव्य)

कारा करा भर किया प्रमुक्तिय प्रकालन (मिथिए: अभाए: इक्यावकिः राख्यामम देव लामाकमाभव् । लाभाष्ममूरव् किम्में हि स्थारं में हि मार्थ में हि के में के में (क्म प्रकारम्) ज्यामीयः (अवमळ्या सः)॥ ५॥ (अप्र मल्यमात्रवि। हञायती लमामार। (र) भरहवि ।(मग्र) म्राम (निचागर) कामही-आमनीवा (कामही विस्ति जन्द न्त्रामर् क्क्मिन् बीन् लमर् भमा : मा जमा हुन काहिर) मिन्र (मनी , किक्क) कमा: (प्रमिकः) जी ए कार्यक्षा (उक्कान-वह जम वक्ष्य का) भक्षी-क्ष्य भागा (भक्षी नहास पर् के अदिव मक) रित्रा (क्रक) क्सार (स्मिश्र के असमार्गर) कालिलका घन: (कालिमर् लीख वर्भर् का घन र्घमा कर:) काह: (मारायः) अवीवी (विभवतात्) श्वाद्वामाः (छिमिन भू दिश्वन मुके:)। मः (क्वास्त्र मार्भः) हक्षा कार्यः (म्म ट्यमीय , अरम म्मायाम् मासी) मढ लाम ना द । (अप्रिष्) रेण्य (अडिनम्) अखोरमी (अव-क्षार कममीर इंडि) हिन्दर (कान्स्मर)॥ गा (थम अवनेयार) गर्न-पूछी-म्भी-वक्षार (गर्मन: क्रिक-मावका: पेंड): अभागर कियां ब्रह्मां से गार 'लेगा) भावातः . 🗷 ६ (मभीकानाम) अनिः (अवर्) द्वि ॥ २०॥

(क्य ग्राम्बकार अवन्त्री माठवात । प्रकामां भेश कामार हि) मार्थ ! मन्द्रात! अन (अभीम) वामिवर्ण (मुक्निमोर्कवरम्) मामक्षां प्रथमार्थ (मक्टक्य सामक्षेत्रमा अवासस्य म: मिल्यां अयोग्नां केल: कर्विमार्गे गुरं) विक्रावास्ट (मक अमे संगी : अमसी हरा गुर) अप वि (उक्का नंगा ह सार) ति (वन) वनः (अवीवः)क्यर (त्वन तिव्रा) भूनकक् लान (त्वामाक्षताक्षता) किस विस्थानी (विष्टिया) आसीर (MRES 410 Cd) 12 (SAN) 1122 11 (म्बीबक्नार अयर्मसमादवि। इन्ता अक्कार । (प) मूक्म ! क्रमण वर अमलं (अम्राप) आविद्व (वर-ज्यादिक सकी अहि) वादावती (व्याक्षा वह त्यंत्री (माभी) प्राक्तिक महा (द्वास्मक्ति (प्रमहा विका) महाभी (धरहरहाई: मही) कम्म है: (अगरेकार्का) वार्स अम्म नम्म कं के के वि अम्म सक्ती अन्तर द्वाराय कृतः कला धनाः मा जमा मडी) वय कमाविष्मक् मकें (मिलामार्येष्ट्) म अक्सर (म मम्मेर्न्ट्र)॥१२॥ (मगीवकार अयर्न प्राव्वेडि। विभागा श्रीकृष्णात । (वं) क्क! देसम- हत्मय (नाहना (देसल हत्मत्र-नम्त्रा सम्) प्रश्री (अ्याश्वा) मायर सम्माल (मम मेगार) वय क्रमार (श्वेकः

यकाई) दुलामिरपूर (क्रावश) खायत (क्यावह) प्रियं दियं (अबिफिन्) भारम मधी (अन्द्रा तीना नदी)रेव जानवर् (* meis) orang (norge) 11 > 011 (अभ भीवार अवर्मम्मारवि । मक्षाना अम्भीसार । (र) मार्थ ! किली मिल्: (इश्ट्रमन माधकत्र गाला सम लिल्:) त्रमात्र (मडागार) अवीत-भी: (निम्त्रेमिछि:) (वेतिक: (मित्रामक:) मार्नि: (श्री मायम:) छम् अ: (हेम्मणाक्ष: मन्) मनः (अग्री वर)मम मन्द्र (प्याष्ट्रमण्य) द्रम्यनी (द्रम्भवायन्त्रित्) मम्ममं (केंक्य) कं दुल्याम्मित् (क्या शब्द भुम्म PMMINIE) 11>811 व्राचित्रमानि (व्यूर्वाली) (२०वः (कावनी हुताः) एप लाहित्यात्यात्याः व्यवा (अवतः) द्रकाः 'लाम (लाभ्यमं) वस्याता काल भीतं: (सिमार्टः) (क (काहत्मामा)ः) र्गामहरू (रमामस्यरं) (क्रांताः (क्राट्याः)॥>०॥ लाम मान्य वास्त्र (अक्किक्ष्यव्यासका) मात्रा (मान-माण्डि) मसुवि (मस्यान माड) थानि थार्ति (अश्रमः) र्मेमाभी मुद्र (वर का यायार) चाप (मंस्वाप) टकारक. (बिनेट मार) हाक्डा (मताशाविका) कार्का मार (कारिकान ढिए९)॥>७॥

लम (लाभुम नेक्नुवार्य) गाहिः असे। लर्थेना ज्ञाः क्रमः (क्या है:) निवरित्ते १ मूका के नामि (निवर्तः क्याः छ ९ मूक)ः (मेमक) हिंदा समा नावा त्यर (आमन्त्र) सिका विश्वाम: अल्बा देनाए: त्यात्र स्वता मण: (त्यात्र स्वि: मन् भक्क क्यारं :) सक्षांतु : (क्या आ कावा :) र स्वा : (त्याका द्रब्यः)। सः (लेक्क्वामः) व त्यातः समक्षित्रः प्राश्चित : ह रेडि मिथा (मिसिर : प्राप्) 11 >9 - १० 11 (व्य त्योगमार) समर्थविक्षः (समर्थविश्वक्षः भूवर्याणः) ड् (वर) त्यो ए: देखि व्यक्ति माड (क्यात) । क्या देश (त्योद्) मासमापिः मन्भासा (मन्भाभामा) प्रभा खरार् । (मन्त्राभि त्रा प्रभा) छाद त्रकाविखावानार् (एकार् एकार् मकार्व भार हामानार) देवकदेवाय (कार्ट को हवाय) अतम का (अदमक अकावा डिविष्मर्घि) क जमानि माकते: (माठीम-व्यव्यामुकारेविविविद्धः) भवामणः (प्रशामणः) अमा (त्यादेश) मन व्यवसाः त्याकाः (व्यवः) वरम्यासम (अकन यह नानू ट्यार्थिन अमाहिन्य) जामार् (ममानम्तारार) नक्रमं ९ डेकाए 1128-2011 वा (त्वोट मुर्खेशाटम) हू नाम त्या दिम भाम था: (नाम प्रः मालमा हत्ममः मामार्ग मामवं १० ह) जामवर (कृभाषा)

244 (दिग्रह (ग्राया) गारि: ह-मार्प: (मार : म्लू:(रेक्ट) मम ममा: (लमरे) मंक्त्वाममो ट्याटिकार (दुरेकद्रकार) मक्षा: एचा: लान (क्यां (दुरकद्यः दिख्यः)॥ ५५॥ (कम नामसमात्र) का की कु निक्सरा (सी मुक्सरमाः अवस्मवं शासीक्यां) माट्य हैवा (मार्यादक्येंड) मालसः मकः। लाम (मामास) क्रियेकोई हजाकी ।। रहा। सक्षात्रकावा क्रियेकोवा (वर्षायम्नम् । मान्या भीवाद्यामात्र । ८४)। हिल्लाहि । अस्मे विर लगानु क छक्ता आ (लमानुक: लाब्धाविक: कक्ता : कक्-मात्रा : मात्रा ध्या मा जम मधी) भी का-भाष (भरिकाकान-भाकी) अखर काकार करि। जिल्ला हे दिवामिनार (ग्रार) व्यभीयान (व्यभा भीयापर) निद्धायही (निद्धमा नण्डी) भूम: (ह छछ:) आरिमही (देपवित्रिष्ण अक्षावर्षभावर) आयात् विम्हा विम्हा (मूक्रम्क अद्भा) किए (क्रक्र) भी लाव ते (क्रमें काममर माह) में टिमा: वर्ड (यनम-मैममर) यदमाः (वध्वादान्) किलामि (व्यव्यामि) ॥ २८॥ (दिमात्रम्भाइम्म्। जिलाभा अविक्षात् । (द क्रिक!)मा ध्यम्भातः (धारा अम्भामाल) मृताप द्रंथान व्यामर्थिग्रम्

(वर मामें: नकामु मेम्रतं रिल) काहरं (मन्तरं) देख (मादि

मिन् : मङ्भूतः व्ह्रप्रेस्ति टाट्न ध्रमाः आ मिल मा) भिर्दिक्षेत्र (मल्टाक्स अविश्व) त्यानापण् (हेमाएत अप) विकवि (धेराह: लक्ष कूर्वि मेर्ड) मूर्य: (भूत: भूत:) (यमभूर (कस्तर्) शिष्ठ (अयममुक्त)। आ: (रेवि यर वे हि से वक्ष यो गे लत्मा । वसा : समि (क) कार्य (क ल वर) वा किं कम्मीमं (इकः अवं किस्मिक् यक्त मार्क मेर) ए वार (अक्सार) अपिए (मित) ववास्तिधिव (ववनविष्) मे त्म (साब) के (प्रवासित्र के मिस्सा) लाई प्रके (आनि केंक्र) देन मुक्सिं (देन मुक्दिं मडी-मा) भक्र-मिनोर (विद्यार्वर नाअने मध्) द्रावि कार्यात । (य याम । भी में के ब्रिडा हा अस वें ने या मने मार कर में का लड़ में क्री में धाकार्ण श्राञ्चिम्मानिशंतवी जिल्लार्थ)।। २०।। (हाक्ष्मर्थ) (धाराहिलमार)मनमः कम्मः हेर्डिमः (रोडिमडः)। उत्र (३८६०म) नि:याम-हालात (त्रि:याममह हालनक) अहः (कल्यः) हिडाक्य-त्वम्रं-त्यमाम् : (हिडा व लक्ष व त्वम्रं वर्गा विकृष्टिम्ह त्या मह जनाय !) हे दी विका : (प्रक्राविता हावा Bor:)112011 (बर्ममारविष्णं। त्याव कर्त्वाक्ष विमाला सरात्मेर माद्रियात् इत्त्रीक्षकार म्बाहि। त्र) हस्तकत्मीति ! (हस्तकवन् लोच वर्त ! त्र) यात्र । अम् हिहामहिं (हिहा अवाद:) विर् (क्यः) (छ (उव) श्वाह्म (ममम:) श्रीष्ट्र (टिम्प्रेट्) कृष्ठि (छिनाडि ह्र्वीक्लाकीकार्यः)

लाहर्यमास् मार् (मक्त्रम्यार्) एष्ट्रवः (देटमकः) ।क्रिं (क्रिंशः) वा वासर (वास्त्रभर) लसंबर (बसर)। सकात (लाम्सर्वाह) ; कमा: र में: प्रमेश्व (कर्म मान्य कार) वचा व कर्म वा प्रमाख (लासमगढ़।लच) कमार् (मकार) मार्ड (यम। तकः) मार्थकाप (मक्षारते) प्रलंगमार्थिकार : (हर्मक द्वारार् मसुव्राप्त-मम्मर्) प्रभंता (अ छ (प्रकुः) म (म छ (वर्)।। २१॥ (लाम खायम्साम) मिराक्षमं : व व्याममा (गृत मवा । मार) इड्राम्बनदार्ष्ट् (इड्रम्ह टमामः मायत्मामने नदः भीड़ा ह जमामिनानिका ख्वर)॥२७॥ (बरेटाठवंत्रां । इह इके अक्ष्याये : वैंदि लय वीरक्षंकर् व्यानभाषि कत्र वा ज्ञाम मूर्याम्म नगर जाने किर न भाषी जि हिन्यं विक्री प्रही विभाग्न श्री वार । त्र मार्थ । निमासमा) मभी काक्ष (माळ्य न लिए (काळ्य न ए किए न मन् धमा छ?) कक्षम (कवाले) अगायर (अगायम् विष्ये) अप्तर (अपमायर् सार) अन्यामी (मार्गालेखा) सार लायमा (हवाटनकार:) विमेश (ज्ञा) क्रिला (ला । भून:) म धानके ए (म मार् कामाकि। वर विभाभ कार। (म) प्रामे ! द्वर हिसार (अक्रा)वमा: (मिमार्भः) मान्यक्ति (मान्यमायम्बर्भः) मान् मान्य (मतानितमार् कूक्। ४७:) जिं (निहार्) निमा अमः (अवनः कारिने) सनः आश्रिक- जकत्वा भत्रवृति (शास्त्रिकत्रा अश्र हव्त्रा

8 bm क्ष्मं मेरे वर एक टिन दे मेरे हे अरवंदि लायने (मेरे) आकः (मेरे रे) म (म डायप)। = २२॥ (अम लामयमार) मात्म कृमला लामम् (त्याक्रम्। उक्त) त्मीक्मभा- यम नामिक् (त्मेक्मभाक यमनक जमामिकनक् डावर)।(00) (क्रें स्परंबत्म् । युम्मामामेः सन्। व्यस्पर्व । (४) साम् । विमारमा प्रकृर (नक्वाव्यात्रक्) मून्ती-कत्र (पून्ता: कन्धिनिः) निममु (अमा) वर वर : (अधीरः) व्यामिक हर्ने भी आभिकता के आवर (क्कनम - हर्जामी दिला: हलक्यावर क्मडार्) यारी (पवा । ववः) रथनं सकत्तं (करं मैं आर्मेल-रथनं समें रर) गे कि (स्थायक सात) अवस दिक्रका- मैं सन्योगंग (अवसर्गर विकलाक्षर इस्टिंगा: कक्षिमारिक्षेत्रोकाक्षर विस्पृत्वसम्मार वसी समाम मृबीकन्माम) निरिष्ण (रक्षमी वर्क अव वनमावनिष्ठत कार्मका) के भिक्का वामि : (कां वी भक्त-मन्द :)काले अक्रूमा (भी भूरमव) म्यूना वि (मृता कवि । थर्या ! व वाय १ मृभव् माणमिडि दार:)॥७२॥ किन्दिए व (माछिएं:) जामब-म्हात निमाम: भवि भेगाए (मिमाभमा बारे: क्रिया)॥ ७२॥ (वर्मारवंतमः। श्रीवाद्या विस्माछ। एर) मणः! अस (आस्त्र) नवतील दूक्त्रकरे (नवीत-कपमुष्कृत्त) शते : (भीकृष्टः)

वित्रावः (कीछाः) क्रक्त्रं धामीर (थाडिकेर) # । धन (थामिन)

हअप्टला- त्याचीत्र (हअएछ: मूर्ण: उक्का प्रमूता उमा: (म्छारे उति)।मित्रमहिक: (म्यामाते: प्रमः) जास्वर (म्छार) हिं (इंडवार)। धर्र ग्रामा (देरकार्येका मही) लाडिकास्टर (प्रवार्जिशक्रिक वर्षे वर्षात्र या) भित्रीमे । भेटित (कार्वाधानमं क्षा लग्रम्भ मही)अभि (अभ्याम १००) जन्मी (मित्रीअभिम लायम । लादा ;) हिंद कर्तामि (द्रामु द्रियम र मार् किर्म्मणमी)। मकाविति (मूर्टियम अर्थूमा) मार्याभि (मायाममार्थ) किस (निमाछिन) आमी (धर्मा छम न ममाही मदाउ० आहः मस्पाममू खादी कि सर्वेश्व मिन्मा मी कि खादः)॥ ००॥ (अम बाल्यामधाम) धन (धामीन,)रेक्षानिका वानिकानर (रेम् मम रेमेर रेम मारिके एम वर्क भ- जा ना छाव:) अएम मू (मआगिक्टल्यू विकामायहत्त्र) अनुक्षर (देख्या छायः, किक) मन्त्र-अवभाडायः (मन्त्र-अवन्त्रिम्टमः अडायमह मार)म: बाडिमा (३१८) थाडिकीया (मणाड)। व्य (कार्सम् कार्डमान)क्ष्मात्व (क्षमवस्त)काल द्रशान-स्र भाम- ममाम्भः (यहाव अह सहाक अवाम अह ममक उपाप्त : प्रकावि (म दाका दकारे) 110811 (जममारवर्गा भाजा: मश्री नामार । (य) भक्किस्यम्। भी! (अभमार्भ ! (प्र) मानि ! (ष्ट्र) अकार्ष (अक्रवप्राप् वर)

800> ं दिस्थानं (४६ कात वक्षायलमर) व हताम (कत्यात) हिन मन्।-क्रमामार् (जिनमप्रद्यीम्नामाणि) व्यामावर् म भूतिमि । मृतिः (डक्का)रेव सूरः (प्रतः प्रतः) विः न्यात्रिष्ठ ह (विः न्याप्रकः क्रामी करकार्य)। उठ: (क्रमार थर्र) मास (मास) थर) देने क काम मूं भी (देन भी त्यन्म मार्भिया कमा त्ये पक्षी वसर्भी वसर्) कि (वन) अवि- ध्वकारंगः (अवन्यं आरंगः मामभायत्याः) वाम्यनेकलार् (व्यक्षित्रक्) भरम् (वामा)॥००॥ (अम दिगमामार) कावमासी में- विस्माडामर्ग (हावमा मारी में अवसम्मर्भाका एवत एम विस्माद: बमामित्रिक्ता) (वेष्यार (देवि) दुरोत । लच (पुरस्तर) मिर्धिय- निर्मित- त्रिया में ग्रेमरें (धार्वासकः विवयन्वादिक्षः । निवर्षः । ध्यमः ध्यमः । जम्मः मकावित:) प्रहा: ॥७७॥ (वम्मात्रवर्तमः । (लो नमात्री नामीन्त्रीद्वार) मूनि: (मन्त्रकीनः मार्च ने विश्व पंड: (विश्व एएडा:) प्रवः अन्तराह्य (अन्तर्व) अपने (अपनाममाल) शक्रिम, मिष्मा (यम क्रीकृत्क वर्मम: भाव मिक् मिक्टिक) बाला (अवितकवर्ष) असी (अवाका) ब्दः (बसार चार्कमार)समः खबारमधी (खबायहत्त्री-

मकी वर) सिम्नत्में मिरमिष् (क्षेत्रामें मिक्षि)। उद् ।

(कार्या) टक्सी क्रमरां (क्रममात्र) मत्रा (क्रीक्रक)

क्षित्रमम् (अका अत्याल अम्डान छ ?) प्रम् एक गाउ (सथकिदक्रामिक्स प्रकृति) प्रव (त्याराः) लागी (यह) इंगढ मका (मेरा) अमगार (अमगमः) वस्र (ज्यक्षेत्र) सम्माहः (गरिन्मन विमानन्मिक्रार्थः) व्यक्तार्थः (रेक्टि)।।०१॥ (अम गाविसार) असीकामाहकः (असीकेम अमाहक: अमारिक (क्रांता:) ना उत्पादा अमारे (क्रांतिमा (क्रमा मालेश द्यानक प्रमुं तथा भः)गाष्ट्रः (मृत्यतः)। व्य (गार्थ) भीकम्बूश-एमर् मिः व्यामनकराम् (भीजम् दा भीककामिष्ट् (भार: निःश्वाम: भक्तक वनाम् त्रकावि(ने महा:)॥ ७०॥ (वर्षाप्रवन्तः। द्याताः अभी स्विक्ताय । तर) संबद्धः। (अक्म!) उत्रा प्रमानवानिका (सम्मानानम प्रद्वा प्रती) वार प्रमाम माने (राजा मन प्रमाने स्था) विभाष (अवा बार)क्रांत (क्रम्प) मर्व (क्ष्यकी । अयस एक) विद्यान -प्रमूक्त्रणा विद्या (विद्यानिष्णां म्वनूक्त्रणां म्वान्नम्हानम् विमका विका क्या विलिस्डा मका ह मडी) उम्रम्यी रेब MBE (MBAYL) ONAJE (ARES)1109 11 मर्मायका (अभ हमापमात्र) मर्मायकात्र (भवतिम प्रणाम्) अवर्य (अवर्ष भाराम्) अमा (अवर्षात्रीन काले) जनानक छ्या

(बाह्याव्हा) अन्यस्त (ब्रह्मस्ति) वर (क्रेम् वर् यस) राह माहि: (कम नव) है साम: रेडि मिडेंड की के एड (क्थार)। अय (क्याए) रे के किय-नि: श्वाम-निस्मि विक्राम् गः (रेट वसुनि विक्यं:, निः न्यात्रः, निमिधविन्दः निमिध-न्त्रीका करारतः सकार्यत्म सकाः)॥ १०॥ (उद्दारनंत्रम्। विभागमा दार्लेड हिन्न भीन भीनेड : देवमनमा काव्ये श्रका का : अलार । (र मका !!) ज्या (अवीत्येय) मन्कछ- क्रिना १ (मन्कछ का ही नाए) क्रिड खार (मरनार्वछार) विव्यापः (बिल्लिय विश्वायं) कि रेट- मिल- मिल छः (मियास रिक्समें चे लेहाः) भव नेवा अदार (एच अपूर्ड) मिक्साह: (बाइमड:) अडूव (अम्मीव)। टनम (नयप्ता) किमाल (आमिकिनी प्रथम मा अमा) दमडा (दामः क्रवंडा) क्र कि द्वा (क्विमाप्तः कृषा) हे भाषिष्ठ प्राप्ति । (हे नादिन देनाडी कुछ। बार्डिय आ सु आ :) अस (ममु १ व्या (व्या) ज्यानी (हकः) ग्राक्रः बृद्धः (विवृश्चिमार् मार्ममणककार धमन रेम माड रेडार्थ:)। धर्म (धरा।) मन् (किंड) विकः अभी (बृद्धः। विवृत्र भी छा गा अत्रश्राद मार्ना त्राम्म जिस् मिन ित्वार्थम थाडिलयं मी मंद्रार हाई वहिन्द देव मार रेज्यः)॥ ४ >॥

(अम ट्यारमार) विच्छिल (बिमविट्छल) ट्यार : ट्याङ : । (मः) टेनक्ना-लजनामिक्ष (तेक्नार्त्यम निक्रमण मलमक जमापिसम्बा ड(वर्)॥४२॥ (क्रोमारवंत्रमा । नक्षित्रमा लिक्षि हमाति अमे पार्व धरंत्रामु केशानुः म्रीकेक विकार मा मा म्यासा स्त्राम् मावत गाव । (द)कारेक! म्मामा: (मम वस्ता: जीवाकामा:) नामा कश्र ज्याम लवाका भी-(न्यामत्रीता लाखा किक) पृथी (त्यतवयर) विकिरिए (विहानिए एवं !)। रा हिए! (थरा!) अस वर्ष कृषाितान क्षम् (प्यार रे। त्यर कः) क्रमा वाक्ष्यर (व्यक्षक्ष यामार्यः क्रा मार्क्स क्रियार) क्रियार । क्रेडि (श्वांक स्वार क्रिया-वाकार) कृटका वर्महाय ("कृक किमाय" रेवि अम्म- कृटका कि वस्ताल समाः) क्राताः (क्ष्यंमा) लाख्यकः (वाष्टः) लार्बा शह (बा ले बाल प्राष्ट्र) येशी (स्रोबाह्य) करम्बन (डिम्डिन का एर क (कारिन) द्वार (त्री कृ कामन) उन (जिमेर कमाविक्टमं हेमाम विवाद) ट्राइं (कावंतः) स्वि विवि (माठिड यही)॥ १०॥ (अम मृजुमार) कृष्टे: (ममाद्वार्विक्त (विविषे:) केः केः (दूरीर असन- अर अस लीज कालना मिकाले:) अठीका ने: (थार्थ) भी (बीक् क्या) मसामय: (थार्ड:) न मार (जा) उच (जिम्रेन कात्म) कम्म बार्न कपनार (कामवाने कृष्ट भीए नार)

8 6 0 मुकु रहने। मर्दिनाम् (म्र्क्मकमः) मार् (व्यक्) ॥ १४॥ उत्र (अत्रोत् प्रविद्यालि) अधिभवस्त्र मार् (अत्र विभवपार्थानाः) यमभास (समाम) समान् , (क्रामा (अम्मानकार धन्ति , ज्या) इक्षंसनानित लाएशा कम्सान हवाम यः (इमारीमा सम्बूला मत्या ज्वारे)॥१०॥ (वर्माडवंक्ता । मेल्ड्डीर प्यामार रेक्षा क्षा का रामा रेक्षात्वरंगल । (द कार्य!) वाका काकात्र (मन्त्रामा: och) (वालिकार मूक्त्रिमीर (मूर्नम् कार्) भक्तीम छार् (मानिकान छार्) व्यामिनं (व्याभी कार त्र मराक्षिण माने मान जार हार हार हार थारि व विशेष वृद्धावत भागामाले म्यूनिकी: प्रिकासन मूम्टेका: जम्मू मूर्न जाम माने विशेष म द्यालानु खार में मर्ग इक्षमें न्यात्मको मः 'क्षि) समसा कर् (द्वमका हमकर) दीनमार (दीनक्या हकर) दावर भाने छा- राष्ठ ममणी (त्र नानिष ! दृ प्रथमान्ष्र श्रामिम काले द्वानिय मूर्ज्य-सन् जमानिशं ही हिंग् भी दार्व अगाजभारकार) मर् ले : (दमले) भीवार (छाक्रिकार्)कममारेवीर (कमम्बदर्) अविका मुखार् धाल्रवडी (धारतम्माना) र्वः (मीक्क्य) भाम गार्वन (देखाव्या) विभम्भीव्याव महाकिल (मङ्गीविका

1900)118 411

दित्रवंभा देवस्। चीक्क कामालका सामका कामिम्इए एक विदास्त्री अवाहा के ते कु दिमा मार प्रायम् र (द्र यात्र !) किक : गत यात्र (सार माह) लका क् क : (मिलांग लवर 'करा) का दूसर कर्म (क्या क्ष्या) वय काम: (कामम : भावर वा द्वार । न द्याम काकुम् पान द्वार: । वाक: खेर) महा (रेम) सा द्यापी: (त्यामन न के)। अवह (किए) (स (सस) नुम्म दूर्व के कि (कार्काक्रोड) केंक (मायामने अवंड (किन) द्र नंड वर्ष : (सस विमाण शामी वर्) ज्यानमा (श्री कृक्म म न मन जिसा ज्या न मार्ग) क्राका विनिष्ठिष्ट्रभायत्रानिः (विनिष्ठिष विमास डूनावत्र्वी द्रमात गमा: मा कम मही) गमा (त्मम मका दंत्र) रेमावप हिन्ट लात्रक्या (लक्षा) विकाल (क्या) द्रमण् दे छन् कृति (as) (a & (a klein) 118 d 11 (०० समक्ष्ममार) समक्ष्म मंगियक्षः (समक्ष्मा विदिव सक्षर्भमा मः) थर (व्यम्मामः) ममक्षः द्वाप (ममक्षा वृद्धित्व मण्यार भूमिष्ठा विकावादि : मस्मिष् मम्भूमाः : सूर्य दारमा द्रशः कापिक् रः)॥१४।। (अय (मममू मार्भ-भूमिंगाम) अडिनाम-हिडा-मृष्टि-छर्-पर्गिष्टिन एक मा: (वाडिनायण दिवा ह म्बिक वर्न पर्गिष्ठ नक हे दिनमा एक , उत्था) प्रविताला : (बितालिय प्रदिखा:) हे ग्राप-थः र समाः (कटान कें टिक्ते:)॥४०॥ (म्योगिक- अते वाः (दुमार क क्या क्रिके शिकेः)१

(छत्राचितायमात्र) विभन्नलंगानि व्यम् (विभन्नलंगर् नमु मिछ्या) ग्रमामः (कामः) थाडिमानः मार्। (म ह) सम्हनाहिक व्यानि नाम अकी मापिकृष (अत्रा मछ नर् धानकृत्र ने क धानिकारिते अभ्मत्रीलकाटका ग्राथकरेम् अमुकालकालमक उपादि = कामरका खर्वर)।। वन।। (बर्माय क्ष्मा । क्राप्टि समया सम्म सको लामाई जीके कि । (य) है (द. । भार्त। यद्भा (वि ६) मर द्र (लास्तर) मेल्स-सम्भेर लागान (मेक्समं त्म सभासक्ष्रिकः शरम् दिनकीसास्यं गामीकिका) लिहें: लभावार (ग्रार) एवकी साम्बान (एवकी सामवं) उभाम (मकाम) यह (लाक्साः) सहाम (लयक नत्) मनवड ह वहताम (श्याम) वर (क्यार) करी वन लम् : (मन्ध्रः) प्रदे वस् (एक व्यर्) यू देर अवनि (अकार्मक पहुर)॥ ० >॥ (लाम हिसासाय) महीका ना मा मार् (काल्या मेख सारकः डेमाग्सम्यम्) भानए हिंडा (शेड) अभी छेला। (मा ह) न्या-विवृष्टि- वि: श्राम- विल्का ट अक्ष ना प्रकृष्ट (न्यायाः विवृत्तिः वार्मवाविवर्षत् ह निः व्यायम् विर्मक ट्राक्रमे व्यक्षम्या पृष्टिल छमादेशमिका द्वार)।10211 (क्रेमारबंदर । काष्ट्र अल्टिकाम्यी अकार्केशुंड म्याह । (क्रे कमनकात ! क्राबीन ! ए (जर) निः नामः अधीरिष्ठः (विम्रुक्त-ब्रामाकीम्मानः) # माममेखि (मानः कावाखि , क्या) कालेम-

भासका (के अवासका) संदर्भाकुः (स्ट्रमाद्या) १ अमार्गार एकत्व (अञ्चल्क)लाझा: (अनेपरमे:) देखें (मेंशयर) P हिन् (मिर्म्कामर् भागर्) अमाद् (कळाम मुख्य मामिनर्) आह: (अक्षत्र) किवंडि (मूकाडे)। त्या कावीने (आमामित्न छिन्युणि) छेलभमानि स्थे (विवास कालाए) रेम् निकिमा (विकारं) म ट्रम्म एक (म म्रेंग्यूट) 110011 (लग स्विसाय)लयहिक जिनासुमार (लमें हे बामर जिने अहे बुमार) धर्मार (बहुमार) हिन्दर स्मृति: (डिवर)। धन (स्टिन) कम्बारं रियमण - वाक्ष-निः श्वामिष्ठाद्रभः (कन्त्रम् अर्थनार् त्रवक्षार् विवक्षण ह वाक्ष-क निःक्षात्रक क्षामणं अक्षावीप E 218)11 @ 8 11 (बर्मारवंपूर्ण। मळे कार्मामां समी बार्मार। (म) मामाणितं (समाण्क-गामिति। वन) मममकसमक्ष्य वन्तर् (मनक्ष्यक्षप्रमागमनर) अभार (स्तामार्) भूरवर्ष (अवार्यम) आहिए: (अवर्षः) भूषर् (अवि-ग्रेस के के विकास मार्ट (असे से से न के वाक में प्रमं) काम ई विद्यार क्रमार (व्याकमार्ग कर बातमा)। नवर बे अधिमां मर (मार्कार्ममायहरं) ह स्रावस्र (मिल्यक्षेर व्यक्)। वर (छमार) जब धार्मन मनसुडाल (हिछक् अ- अद्मव्य) थहः (अछाउत्) कुक्छ-विदेषभि : (अक्किक् अ- महावास:) विद्वि (कीडांडे रेडि मिस)। दल।

(अभ छने की क्रमार) त्रोय कार्ति-छने सामा (त्रोक्तकारी मार् उ सामार मण्यमर) उर्न मिहनर (रेडि) देकात । व्यम (अमिहत) ट्यमर्न- च्यामक - क्याम स्पिकातनः (त्यलर्भः क्षामक द्यामक म क्रेक मम्मिका मम्मद्राय: उनाम्गः प्रक्रावित्रे प्रवा:)॥ वक्षा (कर्माडवन्त्रं । ज्यक्षित्री सिल्यलात्रीरं प्रथात् । (ड) सर्वेगातः । ग्रक्तः (तर्वे (क्र प्रजस्मास्त्रेमें)ठेकार (लाह्यातः) लाख गाडाः (आसूरहा: मणः) स्नार बनाड (म्निटड क्मरम्मेनाः नात किर्यक कामि डिवं!), द्यानं सम् धार्म भामि (क्रमम्म-मर्नान) आहमा (भीष्ट्रा मर्भनारी- मिनी (अहुकार्यः) त्याम रर्भः (त्रामकः) अरावि (मामावि), त्वमार् वय सम्मममम्त्राः (क्लमक्षित्रमानार् प्रकृतार्) लक्षर् पूर्व विसन् (भाष्मवन् नव) मम हिल्लू नं: (मानम- उसमः) शृहिः (देर्कः) म दि (देव) उत्मार्ड (विसाम् भेर नावममुख रेक्सः)॥ ०१॥ म्म व्यक्ति (क्याला) वास्त्र (म्यावाप) द्राव मार्गः मरे देगाला: (देखा:)। किन्तु धान (समन्ति भ्यांनाता) विष्टः (अम्रा: ममक्रमाभा विष्टः) मामक्रमार (दिलः) वाः (+MI:) NOWLERS (NOWARAS) D.: (CLATIS) 11 OP 11 (लाम सामावं न र में बत्वा समाह) सामावं नुविक्तां : (सामावं नुविह-वस्त्र : जन्मात्रात) अध्यावप : इति अध्येत : (१०:)। व्यत् (वास्त्र मं मकी हराहण-विमालकुणा रेक्यां) मरे प्रमा दे ट्याकाः।

का: (किंत् समा:) ह त्याममा: (अम्ब्रक्ते द्वार:)।। दशा (क्याल्यायमात्राम्य (क्याल्यायमेरायवंति। केकास्ते: अर्कक्षात्माको वर्भवीसामगा वर भामनति) प्रता (लाता) भू इत्ताहतः (क्रमत्र यानः व्यी कृष्णक्रमः) लाकः धाक्राविष्टिः (मार्निकाणादि विविधि व सुरव्दे :) क्रांकि म्नूनर (।हिए व्यानमः अम्माम्बामः) भाषार् भूषार कार् (क्ताहिनान)म व्यानि (माम्य मण्टि , जा:) अवा: (अव्याम देमार्स) अवर् (क्यमर)धमास्याममर् (मित्रस्याणकार् , जमा) निवस्ताहर (कामार्मिकार जार कार्य) अविर (भीनाजिमायर) अर्थ क् स्टि (मालिक प्रिम भविमी कर्ता ि)॥ ५०॥ विक जभा (अख्याम त्राय) हिंद्वा भी मार् (अक्रम भागार्) हमाक्रिं (देगायवर्) शिवः (विक्रात्रः) डेया प्रम्यावीरः 到れ)110011 लम सिक्न विक्राण के किय (क्सा) वन मार्मिकार प् (मक्रवादिशस्त्र कामाया: मधील) कामत्य-अमादिकः (श्रामालक अर्थ १ वराति) स्त्राति (स्वाब्वर खरा । om) भारता (जिनेता) ! (बनेस्प्रातिक अष्र अन्याप्त प्रस्थ) अमा (क्रीकृक्षमा ममीरण उर अत्रीरमंड)॥७२॥

(जन कामतमभार) भः (लनः) अत्यमभनानः (अमा त्यमः क्रावर:) त्राप (कत्वर) यः त्यमः नामस्यमः (न्राप रे। यह) मैं बक्स (मामेक मेर) मी पु (मैं बिक अमेरिक देगर) मीया (मैं बिक्स) ह ग्रह्मार (भाग्रकार) अवक्षेत्रमात (क्षेत्रमात) ॥ १०॥ कामान भ : भित्रभव : माभन : ह (शेष) हिया डायर ॥ ५८॥ (क्य निवक्षसात्र) अवस्थल स्वसमः (काल्बेक लस्वसमः :) हकार्कामिनशाकु डाक् (अक्रिक्यामात्राकिन मश्राहरू युक्तः) वर्म-बिमामबारिष: (थक्षव्यभाष्यशीम:) नव: (कामालक:) निवक्षतः साप्त (दिवद्)।(५६॥ (उद्मार्यम्मः। विभाभा-म्या मङ् कामत्मभर् श्रीका सि कृष्ट्रा चाक्कः भगाउद मुवनमार । रह मरभ!) रह! (यरम!) . किमन्। भेशत्रं (मन्तारम) विभागिकामः मश्रवाभिशानिशिष्ठः (यमामलात्ममाद्धेकः) बागई काम हत्तः (काम हत्ताके । हरू) मत्माक्षरम् जावर् (मत्मन् अकिन्नाभावाने जावर्) मर्वर् (क्षावंतर) इंद्र (काक्ष्यर) सस छात (हिए) कमर (क्ष्य मकार्वन) र्गेर विसम (अविदे :)।। ७७।। (अम मामवसार)भय (गर्भन, कामानाम) भर हाद्वा (यरह-। साम्रा) वाभाय की (या कृष कामा मार्ग कार्या) । ज्ञाले : गाममंग्री (गाम वाकि दामामंग्री काम्य वसंग्री) । सुम् : (त्यभा माप) नवः माक्ष्यः (कामत्याम द्वर)।1491)

सम्मः म मृम्पाल ॥ ७०॥

(जम्मारवंभमः । व्यक्तिकः वार्षणा मान्यः । त्र व्यक्ति । व्यक्तिः । व्यक्तिः

(ट्यांक्यामं । ट्र म्हिकं मा) द्राह (क्यांक्यं लां) क्यां क्यां । ट्र महिकं । यस) द्राह (क्यांक्यं लां) व्यां क्यां क्यां

CLASS ROUTINE

| Days | 1st Period | 2nd Period | 3rd Period | 4th Period | 5th Petiod | 5th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| fues | | | | | | | |
| Wed | | | | | | | , , |
| Thurs | A PARTY. | | | | | | |
| Fri | | | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

NETAJI EXERCISE BOOK



Class (Red De TX)

out of Jen Khalas

Prace -/5/-

De Morald an Minia - many you . 000 300 भित्राम्बर (ग्रहर) नाक्ष्म (क्रत्या,) अख्यक्ष्म अविषय विभाः (क्सममम्माण: अव्यक्षण:) (मायायग्रव :) अहिक: (अविक:) (माडि बा के से से स्थानियों नी के छि:) यह : मिर्गियों (मिनकामिनि) अराष्ट्र (धार मारा)॥१०॥ (दक्टिए च लालका:) नमन श्री कि: (रामाम्बाम:) उक: (अवर्) हिसामणं: (हिसामाकः) यम (यमहार्) मकुत्तः निमाएकः: जरूषा (कृणा) विश्वपविविधः (विश्वपाद्यामानियाः) जवामामः (मळावनमः) देमामः मूका सृष्टिः (मृष्ट्ः) इ. १० ३० : एक उद संबर्गाः (कासावसीः) से : (Q(4 51: - 518 000 MCa) 11 6>11 नदं अस्य ५ (लामगा द्याला) इरवः (चार्कक्षमा) न्यून. लेक्स्बामः लास बिक्तं: (त्यात्यः)। बच (बाग्रंच मुक्किर्वेष्वारम) प्रम्यान (शिक्षिकार्य) नक दिमारवप् दिस्टि ॥१८॥ (म्रेंबाक्षरं केला लाइ।(इ) साम् । केकः किए स्वामी- हर्याक्त-हमाहिड भवतः (जव क्रक्णभा कामा इनला हुन्किः अष्ठः हलन् हिल्क्षः अव ता भना म ल्या हुएः मन्) वर्भीकल-अविद्याला माम-व्डमार (वर्भीकल आ वर्भीनिनादमा भ : भविष्रत : क्या जता हे नारम व दिस्स व व कम व्यापन दे ख्यार) क्राक्ट देना वर मीर (विवाहा र हैं ड) मार्गर (क्रामिट)

(मिनिर्धः क्रूम् आन्द्र वह मार्वाक्षिणः)

किर्मिक्ष्मा क्रम् किर्मिः वे विषया मार्वाक्षिणः क्रम्मा क्रम्मा क्रम्मा क्रम्मा क्रमा क्रम्मा क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्र

चक्त (कास्रवं स्थात) सत्वा: (क्वमप्रतं :) कान- (लचा मिकांबर) अंगर्क व्रिक्तां योध) लप्तेकतां : एक्षात्या : (गांक्यात्कतां :) माडीका त्यम की मारि विद्या की (माडीकें का त्या व की मारिकं प्रताकृ भीय ग्रे के के हें के दिवा मिलास न व में विस्थापि अम्मनाय) मान: (रेडि) देशा । 198 ॥ अन (मात) प्रवाभनाः (वामान प्रश्रिकाः) निक्यि अङ्गामधाः (ति विक्तान नाक्षी व कामक्ष्य (क) अक्षेत्र माविका : व (अक्ट लक्षेत्र ह लवाह्या लाका ने हाहिन्ह) मानि: एडररेत: व्यान थमी (१७) मकाविनः (मकावि-छायाः मः)॥ १०॥ मन्तः यत लया यायमो दुक्सरं जर्मरं (ल्प्रम्तः) यमि। म: थर (माम:)मर्छ- निर्देष एड एमन (मर्छ क निर्देष्ट रेजि (डरमन) दिविष: मड:(मिनीड:)॥१७॥ (वन मारव्यात) भेर्या (१व) रिव : (मारव्यानमा कार नामिकार्यः)। त्यम्त्रा (काटस्त) विलक्षातः (वाटिकामेकाराः उरमभीनार्वा) विभिन्धे (डेपकार्य) कृत्य (प्राव) छात्रे: (अक्रोइत:) अम्मस्यः (अम्मस्य: सर्) अक्राधामकर (जमाभामामा) आक्रा (भारता ।। ११।। (लाम नाम्रामिति क्रम्मात्) (स्र र् (क्रांक्र कार्का कार्नका कार् नाम्, निकं) विमा करें म स्मार (4 द्वाव । क्रिक) असी (भारकांग लसरमक्ड) १ सम्रेड विया (म मार)। क्यार (कार्यः) गार

824 क्यार (त्यर अप्तक क्यार) हिंदा : (प्राक्ष- प्राप्ति :) कार् माम प्रकाव: (अप नव) त्यम अकाभक: (त्यम : था कि पूर जावमा DELLET ELEG) 11 dp 11 क (जम्मारवर्ग) धम्मलम: (भीक्ष:) (प्रकार (व्यक्त:) कार् दावी (प्रकार कविवार (क्कीए) रेम जर तारी; प्रकार (का कार्यार (कर विसंगकार मार्थ की कार्यार) कर् सिंग (मका कार्यार) के किकार हेया , महत्व से प्रमाण (महत्व से में) प्रमाण (महत्वार की कार्या की की कार्या की की कार्या की कार्या की कार्या की कार्या की कार्या की कार्या की की कार्या की कार्य की कार्या की कार्य कार्य की कार्य कार (महायम्म) रेम टीड ही । (वाडिही छ : मम) वहिमाना थे: (मम् मम्)विरयम (ज्य खन् भविके:)॥१०॥। क्रमाधिवत्रश्रम्भा श्रामि डालान भवित्वा अख्मात्रवरी प्रम (प्रकालाम) क्या (भीकारी भी क्षार भावकाड-क्रमार बाद्यता द्याक्षा) गव अस्य वक्षा (अस्या मा Amo) yet (alal) 11 po 11 (without;) जन (गार्थकात्र्) अर्थि । भन्ना: हार्प (हमर भे मूमकापि विवाभाक (वहरू), विभक्ष त्वेभिएके (विभक्ष द्वाया: ते निर्मा (खग्मा कृष्ण मान) उन्ना: मार्थक्र म यन मार मा १ ना थड: (अमाक्षिटा:) मनाः (मन्धानः) विम धनामाः (मिक्कान्त्रीनः) मम्मार्तः (अक्तार्काः) नाविमालमा दात (श्रीकृष्णम श्रीकाक्रीके नाविमालमा अपात) क्रांच अल (जामार) भान: म अडमर (मकाः) ।।।।। (यात्रक्ष् भित्रील्म्)॥ २०॥ वर्षाम्बर्टि (अम्मासम् काल्डर्) रिक्टर् (११८) विका सवर्

क्रिक्य वं भूम । बेसा सामुश्रु स्पावंसा कार । (४) मालुसार । क्रमारी यार के ज्यम्ब हुस-क्रमारी यार के ज्यम्ब हुस-क्रिक्य क्रमारी प्राप्त । क्रिक्स प्राप्त । क्रमारी । क्रमारी । क्रिक्य क्रमारी प्राप्त । विशेषारी - क्रक्स प्राप्त में क्रमारी । क्रमारी ।

साइनं (वर) कावाबस्तारीयेमार (कावाबाद्यां समा समार) र्षेता अर्थे (शिक्ता वर्षक)क्ति स्मान्ति रांगु (वरं विकात) विश्वहु (विश्वायर्) तृश्रा (निवर्शक (प्रव) निश्चितर् भा कृशा : (अभे (अभे प केंक। त्र) ति । स्पानि । (हरं) क स्थार (अममा ७व) प्रतः कृगार्दः (हिंड भ्रानिः) भविष्यं (ज्ञा त्यात्र (जिंग: च्येक:) नात वि से में नाधायाश (अपूर्व) वत (वत्रवर्ण) विक्री र्यप्ति (मरमाम्भ्या विसी र्याष्ट)।। (द्रमारवपादिकार । आर्थावले कारायक्षावर के वाप्तर अस्त्रीर भार्व मका हामा आर । (र) मर्वा ! (अर्य! (अर्था!) थना का रेग्ण मरमा (मृ: अपा) वार्डा तम (मम) अप्तो (अयार्न) माडिका (लामवा । अपुरं अवास्त्रार) खिएकरं (मर्ग त्यावरं तर) राकार (भित्रामाकि (छा: भार् कप्रश्रीयंवर्) अनुकर् (मिश्रा) कि स्व (वपत्रि, 60;) क्पूर्णतार् (वक्षूर्मा पिड्सूरा पिछ्यूरा पिछ्यः) विस्कः (अविकार) (स्वार्थार्थ (स्वार्थां आर्थार्य) कात की चार्व जावा

(वर्षमात माण्य) कृषी (एलकामणायक:) जनानमः (भीष्यः) ल्या (कार्याप) छेडक-कें में के (आर्याव केन्ड) के व: (क्यः) विखिवमिषि (क्रियामिष्)॥ ५७॥ (लाम अक्षेत्रार ज्यन्त्यासाठ वे न्ता । याप्रमु ६ न्यायमार म्यानकः महारे अविक्यार । व्य) न्यायत्य । यानेकक्यत्रा (यानेवः व्यतः कमत्रः गमाः मा वमाद्वा)कृव (क्लाः (क्लिवाहिया) (व (वम) काहिए मनी कार्स (वहर्ष)। मर्ग (मन्मा) क्रोर् (वृद्रः) रेप (अन) वम : (वनभाड:) कीय: (उक्र अभी) अगिठेड: (बार्सार्म कम्मानिंदर मावर माष्ट्र:) लाख । (लक्सर) अय (आर्मन) कार्य (मियर्गिक) विद्या-मानिष् (भाक्रिवहत) मूक् (त्रमाक्) विश्वस्थाता (विन्याम् क्विंडी) प्रानावरह (यात्रम का ब्रास स्थाप) क्रमण् (याद्व) म केका (कार्ड) काछवं : (बाक्स भी दिख:) अभी (द्याचि । एड: आर् अवि) अभीम (असला दव)॥७१॥ (ध्य धनुबिद्धिय) ट्यामाझ-लानम्बन-यात्रे: (टिंगाड्ड: मस्तिमिटिक्ट् ह टमान्यम्यानवर् मामविभर्गः ह अव्यक्त दे :) विचा (विविधा) ध्यामिषिः (ध्यूम्प्रमूप्रमाप्)।। १६।। (वस ट्यामक्षित्र) विकासी (वाड्रियम यार्कारा:) विनेत्री (क्रिक्स) ह नाट्य (खामाड्डे:(खामाहिक्रें) मृमाला । ४०।।

Ses y (मक्कान वर) क्ली (बिह्मन:) बनामन: (निक्क:) उत्प (कार्य) में कर के के किए (आर्ड ग्राव में कर (कार) विविद्यारि (माम्सि)।। ५७॥ (व्य सिमम्पात्य क्मानक्षिम्म् मम्मायवि । माडकारं : हमान्याः के में सानावर क्रार्कित अमा मालिलर मामस्तार ।(प) कानि भी करे देख । (क्य) हारे हि: (हारे वार्षः) धनर (अरमे बर गारीकारी:)।भिनाभी (मात्यो विव्यसिष्ट्रित वामवंभेर ।भित्र भीडिंड जाकेरी ताल प्रभाः मा) हलायती निष्ण (निष्ण मल्ड) अभ्यार (भूताभ्यमध्यार) अने (भीभाष्य) अवमन (मूरीख्य)। रुक्ता (अभा: अक्का:) क्रुक्ता (अभी) ग्रां आर्थ-(वहत्व)। अर्द्रम (क्रेमानी) किकिम्बिष्ठिशक् वामकनी-हिटाने (कि।किए शेवए विश्विष् भाषिविश्विष् भाष्य् भाव के। मनः। भिनापिविष्णः श्रीकृष्णसम् हेन्स् सम् डलंश्यामित् विम्हूड्र स्विर् भक्षीिव्यः स्माधापिविष्णः यम (एन) समारे क्यास्टर (यमारेकाल रे कमल्य हिम्बारेन) (क (क्ये) मुक्का (अवर्ध-विका) कामका (मायात्र्या) हालू में (१६००) देन कारिका (कार्या के अमाला) ।। का माला नामे छान तमारे कमा का नामे जा गा समाधेकालन क्रमाकत हिल्लाकित) ए (७३) प्रकी हाड् नी-(र्ड्डा) हेम्मारिडा (अमामेडा)॥ २०॥

(लम खिनमात्त व्यामक्षिम्भ्यवैमाठवंति। महिका स्मेश मा लर्यमंद्र अर्ककः वर्षक्याये मारापुत्र विभवीवयम् भ्रां कार। (र) (पव ! मूक्तक मिं भिष् (अक्रिमि मिय ब्रिक्ट प्रभा माउभा) मतीमें अरची (यम सार्थ) देखी अस्मान्या (अल्लितिय वीक्रमान्या भमाणः) ए (वन) (त्याहत (नयमद्र्यः) निषाविषः (क्ष्मप्-Cate: (काक्षक कंगाम:) (क्षामीकित (वक्षकित किक) भी छे: (भी छोत:) काममबायुद्धिः (वमवारेषः) विद्यार्थात् (वव विमु छ (म) अर्थ) रूप : ६ (अ छक्क) विमिष्ठ : (कृष्ठ रेडि ध्यर्) लात (अवर दिवादर अन् खनामि किर प्रमुद्द विकालन-अगास्मत ज्वां जाव: । था : प्रः) माका ज्वा (भिन्दिन । मकः) एमवडलां (एपिय विश्वित इत्ये प्रकृत्याः) अया-प्र म म्याप क्रिक काला क म्या में (जन क नार्किए त्वात्भा मम्बा देवार्थः)॥ २०॥ (ज्य रमा अस्य म सम्) विलक्ष सर्क गा (अविलक्ष ना में का गाः गास्य) थारमानः (वन लायम्मननस्कात । वर) लाय-समयं व ला सर (मानेक्या सर्वाम) अ क्या क्या कार्य र (अमारायना उद् : कमा) धर्मार वार्ष (वादकः) 7: 25 (5: 24 (C(ac)) 11 9 2 11

(अभ लामक्रामतमाम् प्रिक्षित्र में विक विक ह नामतमा के वि मळेडा । अर्के कह) जाहारमारममामुबार (माजातात त्याप्रवाद मानुवाद क केन्द्र एवमाएक मः) देवनाकर् ह आवतीर् हेनमा : (ज्यमीममामा : मन् ८१) वार्ष ! रेप (अय) टक्ष्यर (क्ष्मान किए) रेडि डोहिबान (हन्नावनी १ मृचेवानिल्यः) हत्यावती लमा (अक्षमा वर्) बहन क्षा ला कर्म। (क्य) (अमर (मल्यर किमिन) व्याद (हरू करी। क्या न्युकेक लाज । लाम् ।) विसे सक्यातं । (विसे दृष्टि ।) वंग क्षः (अन) के (केंच) रेकुः। (ब्रा ध्यावती चार। (इ चार्कक ; देता. लय) श्राह्म है (केंच रेक्टा) इंश्व (हक्षावना ववश्वात्कात) वितालिक: (धक्यव) वज्रात्रः त्मावः (मरामयप्रवः) श्रवः (जीकृकः) वः (प्रभागः) MIS (374 \$)113611 (द्रमात्रवंशास्त्रमः। हत्तावन्ताः सद्यागाः मृत्यानी व्यापे नेन याद अप्रलं भी कृष्ण् प्राणा धाकरी दृष्ण्या थे वेडि भारत हक्षावनी श्रमार्थ गढ़ वामा प्रामक्षार । दर) किन्द! (१६!) अरम! (आम!) विमन कृष्टिः छन्तावनी (भम मनी, अटक रम्यानी:) अटम (उव भूवड:) वित्रमार्क (विवासार । QQ:) ब्रिंगा लच (लाभुम्) था त्वाक्त्री खावा (वाना) क्र (क्रूय) कार्निण (पृथी है। (१) जिमित्रमानिमान् !

(डिमिनंबर मामिन: कृष्क ज्याकार्या यना छर्मास्थिम। ट्र शिमुरं वर के का कि है। कि मे लक्ष्मस्या, (लक्ष् कि क्सिय लक्ष्रम् म्र मह मह मह मश्री के मह मत्रा: मा वाल लक्ष द के वर्ष महल् देनमका (नाक्ष अबिकि: ममा: मा) सम मरह वी-(म्यावनी) भवर ममुप्राहिश्वाः क्षारम प्रहिल् भाभ प्रमुक्तार कार्ट अखार)य विस्कृति (म ग्रि: अकालमाडि , वाक्ट हैं। क्रियर (मर्बेंड) देख (लख्यं)। १८। (अभ सम्मार) इरवं: (श्रीकृष्ण्य) जमा) विष्मक्या (श्रीकृष्ण-विष्मकमा भर्षभलेगाएं) थाल मला पंडर (मल्डामर) न्यः (देष्टि) मडः ॥ २०॥ (जय रावः यभाग्वमूमारवाछ। वृत्ता क्रमवनी प्रात्र। (त्र याम । त्य) ग्राद्य । वे छा । आप (अभम व कर्ताम मर) है । मम क्रमा थार्स (सर्वता वाकास , ज्या) प्रः (मम) विटि: (ग्रायामा लाम् वम) दें (लम) लाम (लाम् वम) हैं (सस) जिल्कु- (अम्बार लास 'एमा) वैर (ताम) द्र्य (लाम्य) ज्यात (अप्रे क्या) दृः निविवत (अविक्वानत सम प्रमी भ कार्स) मिलि (वाट्यो) अराम प्रदेविताः (अविकास का) देवि (अवः कालः) अत्रः (डामिडः) निममम ही-(श्रेडी प्रडी) क्यान्या के का क्यान्यः वास (यागामः)यम्मुक्त्रमी (अवाय्ष्टिक में भें गम था कमार्थ अवास्त्रेभ्येत्) कर्टि (ATOT) 11 2011

(लग व्रिंसक्या स्थारिक्सेसारवेष्ट् । द्या अकिस्सार सम्भीसात्र । ८८) मार्थ । (८४) भारतीये । कार्या कार्याहरू (मीमास्त्र) हरेलारेरवे: (हार्टरकोमाते:) लाभा मारी (ह नायती) थावाक-(गर्का) के (आहिमाबार्यः) बाह्रिकाः व्यथ (मस्ताः हुन। क्य) श्रिमित क्षामार्थ (क्य हिसमार्थ) व्यः (वास) सर्व-प्रभंतार देखि (अवर)असमार (स्त्रमाखार) भिवर (याक) र) निमा (अप्र) विदूत्रवपता (अस्डम्भी) ह्यावती व्यत्रि (काटी कीष्ठा दक्की है) भक्ता १ २१।। (अम मन्त्रमादवि । भाग नी क्षमन्त्रमहार । (इ) अपिन । (रेश्ववं । दि । मिला सा वर (प कमन) वैं कमार्व (प्यावस्थर मिन्ने गर्या) नकाकिती र धर मन् (हन्या वनी र) डिका (आड्डोडा)) अमेम सेसि प (लाड खें बंगा) किसाल- क्रिका (इयर) क्रमानमं (क्षमानमं) । मुद्धाप्तः (ग्रह्माद क्षामाः)। पूर्वाप (द्वा :) कि कि प्राक्षित (कि कि प्राचि एवं) व्यानालायन (अ वसमागाः कि माम काक्रो : लाखन) आब्द गा (पर्यम्बेग्र) लग (मस समा) लक (लाक्रार) प्रसेग्र (भिष्विभवार विविधिष्ठ) भूमित (पमूता उरि) वाधायमः (गन्य साइव: हर) हेद: लाख (प्रद्याश्वः)॥ ००॥

(द्रमात्रवंपादिकार । कलात्रया पात्रकार त्रेवार ल्यापाकन दी सक्रमने का अक्षा मान का निर्मा के दिन का दे में हिंदी । (अ) अक्ष हिंदी । (याम ;) यम वार आव : (महात) क्य मार्च कर्ये (माम्बा) ब्रमानि प्रकारे (अक्किमान) देवकरेगा था (उन्हाननी) व्यम्बा (यार् क्याल्डा) व्यासीर (व्यक्त) इतु! (व्यक्ष!)मा उन्हारती (अक्षामाना) मानवागः इति (यक्षि) वर्ष (वर) क्स्मी (श्रिज मार्क) प्रम-दी। छि: (प्रमण अस्मिन् दी। छे: प्रभा : प्रा क्या प्रजी) (स (सस) ऋष (हिंडर्) प्रश्रि (सक्तमंत्रुवि) व्यक्ता ॥ गुगा (लम निर्दर्शमानमात्र) महमा नक का का के मेर (रड् १ वित्व) ज्या कावमा डामड: (र्यशास्त्र :) व्या : (मारू-मानुकारतः) उत् (बार्ये (बक्रमानायः) मेक्नः त्ररं यनेय: वर विर्देष्याम छार् (विर्देष्य-मामका अवर) \$ Cal (30 2 2 2 6) 11 >00 11 वृश: (वत्रनाम् विम: भारता:)आमे श्मानर (भेर्नामा नामार सामरं) लभ्नेत्रा भवीभाषडं खाः (वसाड्ड) विश्वोगंड (कानेमालाय-कान राजामडन् मामः) पूरः थमा (अर्भमा) व विनामस्य-टेक्डक् (विमात्राणिमम किड्यम्लल् लए:)। वूर्व: अर्म: (मिर्ट्यूक: मान:) वन अभगमामाना: (अभगमान महत्त्वक:) अकीरिक: (ठक:)॥२०>॥

(क्य निर्द्रायंत्र कामामार मादीममक्रमारनंडि) (अम : महि: धर्दः (मलमा भावितिक) महाव-कृतिमा (भावतिक व रका) करवत । लक: (लक्षावकांबमात) (प्रत्या: लाइत्या: ह (कांबमार लकारंभाक) मूटमाः (मामक-मार्थक (माः) मात्रः हमक्रि (GRADE 10) 11 20 5 11 अस (मिर्द्र एक मान) अव दिला प्र : (अववित्र आका न-अहि: वरामनः) हि गिल्मिनः (वरामा लागः) विक्तिंगः (30164)1:)1120611 (उन मीक्कम) निर्देष्ट्मान मूमार्वि। काहिए बन्नम्भवी अम्भी-हाना अविकर मास् जर्द क्या अरवावमानागर वास्त्रो विकित् आमण जर् कृषमानमानका सामवा दीकायर आर्यम्मेछ। (र) उम्मत् । मूरः (अरम भार मही नार्मः) अराजामीन मार्कः (म ग्रक र विरु पन जमाद्वार पृथिर) अर्था (विकिस) (म (मम) अञ्च : थान मतु: (धमकार्य:) न (गान्छ । थड:) मड्डा: वक्षममारेबार (भिर्विष्कार्षेषु १ थए भारे वर कोमनर जमवनम्नाद्य) (भार्त्री-विभाके (तमप्रायणा विकास विभाग वर्षाः वर्षाः) गत्म (मकर)। बक: (बरमप्रें के प्रेंग के मामके विहः (अस्ति देव: देव नाभ करा मका) क्वर (मन्न कर) भाग (भार्म) पूर्व अत्रिए (मिछ)क्षित्र (र्वाप) माना (विकित्र) कार्यामिनी (WANIE TO

लाह्यंत (मिलिक) लाकाश्रुकी (लक्षमाने किंवा) धान्ता (अविद्य)कानिका (प्रणवालः) मान् विष् (ध्यमक्षमः) र् लक्स (लाक्सामिक वत्र । क्रक्स कर अर्थकर अर्थकान) क्कवननादिकर् र्षा ध्यालमात विमाला माठ रेडि का ममामयास द्राष्ट द्राय:)॥ २०४॥ (हेराइन्नाहरू । जीका किया प्रकाल नीया विया प्रवस्थ लामनी न्याममार्गमें मिन्ति। ८६) भार्ता मिलाहो: मर्थियो (कूत्रम- म्म नान्ध्रम) विलाधिषयीः (आममान क्षविलम्नाः) भार् धात्माक) (मृद्धा) देनामाः (देन्यि प्रहितः) कर्माविः (अक्षः प्रातन) नामिजाननभाभी (धवनामिजयप्रमण्डः प्रन्) निक्ति वृकीं । रिवः (स्मित्यायारिवः। ववः) अगा आकारक्षम (द्यांम)क्राड्यम्भारम (द्रमा नाम-नाम) असूनाम्य (नो (म्रकाम्यानो)। भिरम (धार्मिक मि)धमीक-व क्षा (मिथारिंग) क्र वर विद्वा : (क्रिकं क्रिकं) व्यान क्या (क्रीकृक्षण) मिल् (मन्यामः) वानिर्वाष्ट्र (CON 11 20011 (लम म्रेकिसिमामा निर्देष्ट साममित्रवेश । यमार धाक्रामारे वीक्कमात्वाका नामना वीवाधार् धकायने मात्रिमाद । (द) मार्थ ! मालाएक थे : (माडा हेएक थे। प्रमा मः) इति : (नीकृष्ठः)

त्माकोकंत-कृति (त्माकोकाकंत-कृत्मी) विकेत् वय एक्ती-(बारुकार्गा (१ व्यवास्त्र आवृश्चित दिए) में द: (अप: प्रः) त्माहनाइ (पृथ्वि वाइ १) निर्मा (निर्माणि । थण : त्र) मिणा-मारमाभाविकवामित्वा (व्यानमारमाम् यस !) इत ! (व्या ! केरे) किए (क्यर) मवाक्राविडाकी (भवाकर वारे पडावि: प्रणी) आहर (हिंड) समग्रेम (साम्द्राभमाम)। यहिः (यद्र एक माना) あれれれから(母をおら)みずれ(おかる本)1120月1 (दिमात्रवेभास्यम् । आश्वीयाहर्ष्ट्यामाः आवासामा विद्यालिय त्रकार्भविष्णाभवः अकृष्मा गर्वाष्मानवीमानकात्र।(१) गांखें। (दमाभारत!) ध्यत्र क्रम्। भिवा (उव वारकात) नव देत्र (अस्व) अस्वर (क्रिम्) विहित्यामि (आस्वामि । ७९) क्रमर् (क्न द्रव्या) अकार्ड (अनवप्रत्य २व) वाहरूपमा (रभीनाय-ना हिनी) काम (क्यमी ह) क्रमं (क्य है। अर्भः। हिना भेक्या किस्त्र कनम्त्र प्रक्षिक । (क्) विभ्याम ! वार्षिष ! विमिड् (अमीरकार भर मात्र : मम् रवेग् अप्रमार्थ रेवि मण काक्स्। थकः) देलाक्सा (इमारिन) धान् (अर्गावन शम्छी-अर्थः। वर) क्य क्रम्रास्त (आवर् (वर क्रिम्ममर्) अर्थाति (विस्तामा क्ष्रिक कार) नामिन (कार्यमा)॥ 20 व।।

(श्रांदिव में से अर आवर अर्द के या अर्थ में में प्रवाद । के दिस त्मयातात्वव वार्गः भीवाताककार्गाम्त्यवमामकार्मेत्रीः लाखामंत्री रेसा लाय । मुर्सास्त्र कर्मात्र) में सार्व । यह हिराए (भीर्यकामसम्बद्ध) कूट्य मडामिनाः (अयमधमस्कः मन्) किः (कथः) हुकीर धार्म (त्भोतन विकीमे । तर) नार्ष! कु थाले किए वा (क्यर) विमू भी (अवाधु भी मडी) (धोन-मूजा (त्योगिक्र) जताम (विष्ठावं ग्रेस । अर्थ विस्माप्त कावर कावर (मगा अन उन्नर् विकिन् भर)। श्रीक विम्ना मिल (। अख्या विद्वाहित होट्ये) राइ (भूवामाः) का अल-(लामुख्यास्त) त्यासा (लह्यामः)लामु । मगा (भिट-मिमी सुक त्मा को मा र वर्षे हो का) यम शह (अब (म) मी सा-याल (क्लाहबारमं के ब्रह्म) वर्षाः वव (मेंबरमाः) डलं: (बिन्डि:)म (मार्ड)॥ २०७॥ (द्रमार्यम्। क्रिक्त व्यक्ता व्यक्ता क्रिक्ष विभाग्यं विभाग्यं मिर्वित । (र) प्रार्भ ! जब्ति का जीटनं (यम्ना करें) क् कु वानि (निक्कु वारं) मित्रिक्टमः (दुन्तिमुद्दाः) क्य लाभागः (अवस्मवं) लामाधाः (लामुक्कामपटांगः) टम् (व्यवटांगः) वटांगः नव यूषा निक्कितः (मूक्षा क्रा त्य भागनिकितः जमात) क्राउत्ताः (ग्रिअटिंग: सका:) लम (लयक्षकं) धरा कार्य (अप्टिं)

तिष्ठनः (वर्ष्ताकृष्टि) माडिमीयनः अहि (लभीकृष्) रेटस गास (स्तामाल माह) दे हिन्न । स्रेकार (दे हिन्न स्कामहरू । श्रिष्ट श्रा: जर) गरीर लाविश्मन (प्राम माम कर्ना हिसर । मिक् रू निविष्ठि उर निवाका दम रेडि देन रामः कूर्मन मन्) क्रूनाओं (क्रूनानि द्वारमक्रिकानि व्यंत्रानि पन वर् पक्र 1100011 (क्यान के मह (क्यान के क्यान) 1120011 मिनं आय-। भुवाया ह: (अर्ट यात्र: गरंक्त्रा द्रालको व्यानुस्य-ह्मुनारि नाम्कान । श्रेट् । श्रीकालना क्रिका वा जारिकक लियार: भीमा नाम कमार्ट.) प्रस्टेक: (स्थ:) अर्रं (24) आ त्माद (मिन्डिः भाष्ट्र । म छत्र हिनीतिन्त्रीः)॥>>०॥ (वर्षात्रत्या । क्रिकः अग्रामार १ (४) वाहित । मान वर लाशक: त्वाम: लर्दे (बाव: 'कमा) कमा लामें (देवर्दे । लंबम ot) west मड: (क्लानडाम:) क्यर (क्न त्रव्म) क्षेत्रीनि (लम्धिमारिमारिक क्षेत्रीनिन्नि) रेल् (अवस्थित) अममीना (अक्षित मविशासन) द्रमा भिकार (मुक्क प्रमक्त । भिकार (प्रमक्तर (ट्यामान्दें लमके श्रिक द्यासा नगाः खं) मिनं (अभिवाधार) अभाग्य प्रमान ! (अभिक्य मार !) अहम्र (ह्राम्डवान्)॥>>>॥

(यात्रस्र) म: (इ. (सः) व मजात्मा अवं (मजा मकं) यक्षितः (मर्द्यः) माम-रित्य क्रिग्न-याम-मळी त्यका-व्या करें : (याम ह टल्पिक्निंग ह मानक गाडिक उटलका ह वंत्रायिक क्:) अमर गाहि (अगायर चाटकार)॥ >> 511 वाकाटमाक-।श्रेषामनं : (वाकाटमाक्रः वाकाटमाकः अविके दिरायते:) सार्यालकासम्ये (स्प्रमादि:) कहा: (हिसामि छ(बर्भः)॥११७।। गरे व त्रिम्याक्तेसे व्रथं (मिल्सिक वाको व्रथा) वर मास (इ. ह.) भीगदि ॥ >> 8॥ (वम्मारवंभमः । क्षेत्रकः क्षीत्राक्षण् प्रापित्रीः प्रमाम्गाठ ।(य) मेम्स है । यादि । (सस) मेम्या (तरवा) कार्याद्य माण् (रेपि) ज्या ्नव (महासय दर्पि), किन धन (लाभुष तामचाद्वराज्)वैधीनः (बिटमस्भी) श्रीविभिकः (याजिक:) स्त्र मनी (अवन:) (सर: (अव) मम न्यं पर (लाक्षरणे व्यत) गृह (नवस्वारं) इरवः (भीकृषण) । मंबर (बाहर) आक्रम (अक्रमानार) क्रिक्र) (अयार्य) अमलंगर्यव-वंश-मलंग भारते (अमलंगर्यव वंश्वेत्र क्षाम्स कम्प्राम्कात्रम अभ्यक्ति) कृति (सम्मन्) भारते कार्मि (क्ष्मेरी)॥>>०॥

(अभ क्तिमार) छन्ता (मातीमृग्ण् भूवात् का वा व क्लिक्छि रामें यो।) अर्द असाठाठीरे क्रकाभयर (अभी साठाठीर क्रवा दिवाए माया धाराम त्यामत्याकि: छए अकामतर क्या)मन्त्रामिति: कुमामक्ष अदमामः ह (मार्गुकार बाकु विक्रमावं बहम अदमाममह) मेड हिम (हिचित्र:) टल्म: किला किलाट ॥>>४॥ (कन क्रांग मामाना वक्षामममम्पारपंडि। क्रक्षिम मामिनीए क्री गर्भा वर्ष में मार्च । (इ) मार्निनि ! (इ१) हक्ष ग्रीनि बिलाहना (हक्टडो हमरहो बीतो त्याकी मर्टमो रेच विताहत नग्त भना : मा जन्द्वा) अमि (द्वाम् किन)कवाले -कृषे स्ती (क्षेत्रेष् कल्लार देवक्षी क्लाले स्तो पणा: (विराह्म कार्क कार्य क्षेत्र) में किल कार्य (माहा नाम किल) वर लग्रे लक्ष : देस्यामसब्द्रा : (अत्याद सबिश्ताल म : स ज्याने थिढंड: 'अरेम. कर्ड्डाड्यारेक्ट्र्यर त्यात)। क लाभ भका: (वि अक्तिमाः (वि अक्तिमाः) वार्मिवक्षानः (बासन: विश्न विश्नविश्वन प्रवाद । विक) करा-ममक्टा (ममकाद्या) गामा: (भवक्रगम: पामनाम: गाम: की बलाद वार्णा वासक , भाभ मूनार्णा वसक :) विविद्याः (अग्रस्वा: , क्ये) का). (इम) भी अपवा (भी माना वृक्षः वर्षायः ने अप्र ज्ञिय (आरहण धरवा विविष्ठा) नका (आसा किक) मनाम (हिट्ड) कार्नुष (कमुप्त वार्यंग, नाभ करका सामक्ष्य सामक्ष्य काम्बा क्रिया) वाली कृषा-(अक्छा। एवन प्रत्मेव सम अवहावा: उत्राधीना देवि उत भारियाः क्षित्र विभिन्नाचिति वाद्या क्षितिः। वास्त्र व्यक्ति व्यक्तिकाः अभागदिकाले वन्तः बार् त्माला क्रिये अभामभागी क्रिया हा मार् न प्रयोश नामि मक् छ त्री शुला ने सु वन)॥ > ३१॥

लामा खिर्माक्षार (जिम्बरम सलतार) द्रमः (अप्याकः यक्षं) आस्मामायवं ५६ (यामे दुस्यकं १६) दिवर । नामक्या अवस्था (मिक्रवात्कात) क्ली धर क्ली धर किला मारे टक्न: अर्थाउ (क्याउ) ॥ >> ।। (मारिती १ की नाकार जी कृष्ण ; मार । तर) मून्री में । हर पहिड: (त्रमेला हात्म)। भेटक (त्रश्री मिटके) ज्यान मार्ग (मर् अवि) गर इस्मा (स्मर्या) बहास (लास) बच (लास्य विसार) ए (डर) र्यर् (त्यायः) म हि (त्रवार्षे) किन् जर किन प्रम आतो हिन्नान् (आयाना क्यर लाउ०) यह नर् (फ्लाम्बन् भर ख्यां)। त्यन (त्यन विक्ता मणा) हन मार (रमधाः) ठाल- रमार लाममधी: (श्रक्ताम:) त्र क्ता: (यर्ग वर्ष:) क्राम्य (धारमेन्न) (अमार्थः (ध्यमेनियः) वस्योव द ह (वन्य विव्यक्ति म्य) हिल्ला (अन्ने हुन) क्रमन पूर् (वर) (सराम (ध्यानिशा)॥ >> N " (मक्रामिडि: हेनानस् अर्गमस्मारवि । ब्रामिनी एडमार क्राक्ट अर्डिक अर्थां : ब्रेम्स करं । (इ) मेमार्ड । मर्सिकार अल्ग जानाम-अमबी बक्ष बाक (अल्प समामअमबार यक्ष र्ष प्र प्र राज्य वास्त्र) वास्त्र महम हु सम्पत (अक्टक दिता) दिलाआं कहा म दिए। (म प्यामणा द्रात) द्रा (वर्ड मकान का के मार्गम में मुक्ट

ब्रिय) मूड्डिमा (अक्टकम क्या) थानी है: (प्रजी है: अएमक) क्नी डि:) रेडि (भूवर्वाङ वह न द्वारंग) अन अना केंडर् (जमार लक्षाकरं मा भावमा) त्यान्या (क्षात्यरं साजवा) मा दिमाननी (दमा) अञ्चल (नेप्तनसम्म) विन्तूना नाजात्य वर्षाकिक छिए (यनम हिए कृषेमा भोकिकमा भूका-म्ममा । निर्मे ट्याबार)कहार (हें विवर्ण) ॥ 22011 (थम नाममार)मालम (कमान हत्मम) ह्यमेनीमार् अनामर् माम् डेकाल ॥>२>॥ (बरेटाउब्नुसं जिक्कि: अमायाड । ८४ असी) अस: माम (माम रेजिनामक:) मम (कान्हिर) मूरुर (वक्ष:) आहि। (जन (मूरुना) आर्थि: (अमड:) अग्र शन: (जव) हेनामे (वक्षामे) प्राचित्रवः (मन्द्राच्या) आत्याज् (न डकाम्)। कवः (रहः) देत्रमा (देलाला) प्रविश्वि (भी कृष्के) रोन (१वर्सणः) वपछि (मार्छ) भामविनिमश्रेष् (मानमा निम्नार धारिस्मप् क्रममाम्बेन्:) द्राष्ट्रियानामुका (द्राष्ट्रियं कृष्यक माल विविद् । भेष्ट म रामार प्रमा : मा) लगा अने मेना एक (क्षेक्टक्म) देहिंदे (विद्यिष्ट्रभा भार जमा) हाम्रेखा ॥>22॥

(अभ केन्स महिमार) त्मनमर त्मेग्र (मीनजर)धानमु (श्रुक्क) पामकः (क्राम्ताः मावः मवर्) मादः (१६) मज (मिमील) ॥ १२७॥ व्यममे! (बर्मारवंपूर् । बेला कैलवस्याया) वाक्याय- स्थामकारक (बाडिकाउ स्थाम: कम्म अनुमण्डिष्ठ कार माराय) मूनूल व्याबार (अमीटम) ।क्रिक्निंठिछ-।मिश्रकाषीड्र (।क्रिकी द्रामी माठ्ठ माठ्ठ । भगता भी छ : ममंब में के कि हैं हा राभार दर दे आ-केंड्ड) सम्मर् विष्यु (केंड्याड साह) वंदियः (दुन्याम्). भीगमा)मणमनममान्तर (तमक्षाकार (मणान्तर) गाक वृद्धिः (गाक्षा कर्मिक (वाक्षा वर्ष भर) वृक्षिश-(मर्थ) रेप्र (अन) माम भीया नामाए (भाग के भाग भीया कामा गामर् अममझर्) मामर्म (मुहिन्नकी)॥ २२८॥ (का द्रायायात्र) सामार्य (सामस्टिक) दुवार्य) वर्ष-भीति (अक्षकार्मानार माल देक्षा: यर) असमित्र ने (अवका या) हर्जिका येवर हिलाका के संकाशक रिवर)। कोकि (भाउति:) वृष्टी मुख्या (स्मेत्र)। भीवि: 3(01244 (316) 22)(10 11×2011 (ज्यूमात्रयंत्रेम्। कृता विभागामाः मभीवात्र। (त)मगः! रम्ड: (विग्षमः) १४: (त्रीकृषः) रम्र भएः (भाभगावमा) र्रेम : (अट्या त्वात)' कम लाम (लाई) शुराम्या : (भ्रेयरां उश्व) वन काम (कर्) अन्महमी विकार्मना (क्या कर् क त्य-लावेड्यकाविमा)कालन विद्याबिछः (विवाबिछा द्वार) त्वर (यक्रा) अय (अभीन य सा ए) मम्बर् रेपर यूत्रः (मर्क) झ्मण (मानत्रवृत्मा निः स्त्ररकायः) (क्रांस (क्रांस) र (म तिवह)। मम्मेव (मैंग्डं लियामाक्रें व भर) निक्रेनमाः (क्लानिहाड: मः) मृत्य थानि (मण्डि ।थानः) लच (लास्तरं) का राष्ट्र: (दुलातं:) दुष्टिवा (त्रामा उत्वर)11 > 2 4 11 (श्रेक: सूत्रमधार । अप्रामा:) स्रात सूत्र मे जिलि: (प्रः प्रः मर्क्ष्यानिवादिः) वाल वालि द्विवादं (विवादामिष्टः लमाक माछ)लहर व्यमा (भीयर)बाहर्यम्बडर (स्मेनर्) अमरीबर् (म्त्रीख्वान्)। उठः (ज्यन उत् जमाटकार) अभा गम्म (त्रवक्त) विकिन्छी (काम वस्तुः के वक्का अभी) काम साम में क्या : (संभारी प्राप्त) (मोक्सर् नवः (क्रूमर्न्) माउषर् शेव निवमाप (3000) 1122911 (हेटलक्षामा नक्षना हु वसाय) अत्रापन विधि (अत्रापत अमामसमात्म थः अकार्याम विषिः हेनामः (छ) सङ्ग (छङ्ग) व्यमार्थम्हाकः (व्यम्बन-क्याव्यकः) मालाः म्लाभीनाः (मून्द्रीने) अमामन (वन) वृद्धः केल्या रेलि माला (AST) 11226-11

(वर्मारवंत्रम् । अविकाः हत्नावतीयात । ८०) मूलावे । उत शक्षात्म (कललाल हिंछा) नवस्त्र नी (स्म) लावेहिंडा (हाडा, उभा) प्रता (वास) अन्य यार (कर्म । भूखा) मनी (मार्न्स) ह (सम आर्निस्था) व (किस अव) मार्कार (कार्न) कडरूर (क्रियाम) भूभार जामा (विसमा विष्या विषया) (मात: 1 ea: ed) मार्डाट्डें (त्यान्य त्याडं त्यारं) मासितं (क्यात्रापुं केत्याता) अह (नवं)भाष्य (द्यात्र) अक्रिक्ने नामाणू हि (नामाण्डाल) हेलाई ए (मेन्किन जमा: मार्भिकरमिन श्रीष मि मि । भाषामार भूमका (मडाया: धार्मिक्य (बासाक्य) हन्यावनी है- द्विता (अक्टिन) विद्रम् (विल्मश्राला श्रम् कृषा) हार्युन ॥११०॥ (लम वंसास्वसार)लाकाम्रक-द्रामीना वस्तिः (असावनव) व्यास्वर सार (व्यर)। वर (व्यास्वर्) भाषाकिकर विक्रिल्वर शेष्ठ प्रिया (दिविष्णा) देहारा ॥ १००॥ (बच गार् क्रियार) गढे (वंसाय नं) लक्सार द्राम्ब ? (माद्र द्वर) वर गर्षिकः द्वाद ॥ > ० >॥ (बरेटाउन्ना । क्यांगः अमाः अवस्वतातः। (द अभः ।) मा र्याकी (स्मयंत्रा केट्या) कम सामादाहः क्रकाहः (महाहः) लान दमार्यः वामम्बार (समहिक्रः) भवर (भवर) वाल

म अखादमी (म लिक्क वर्षीकार्यः) मा ख्या मयनमर्ममारिः (मयत्मधानकतिः) डीमिका (हम् मालिका प्रकी) अन इंस (लय) डावुर (याकिक:)लास (अभयामक) मर्ग्यासर (अग्राय ग्रीष्ट्रा) भवित्वर (आमि । अंख वडी वि) भणा ॥ > ७ २ ॥ (द्रमाठवंभाष्टिकः। मिक्कः स्वलमार । (क)सार वढ । (व्यक्षः) मामापिन देनारमंस् गुर्माश्राम् (विकातन मण्म रेण्यः, जभा) मश्रीनार हाल्फी (कोभनमस्टर) ह भन् : (ज्येव) भि भुमकार (मक् सामबार) अवतात (सामेशक शाह) दुक्र-एर्डिश: (लाइक्रायंद:) दिक्षामाम: (कालक्षवंद्रवन्त्रते. (कक्स कार्नर) व्यवस्तर (कृष्यात)॥ २००॥ (अम ब्रिल्बिमार) माडन (विग्रासन) अञ्चलमारिया (मम्बिड-वृद्धिता) कारहत (। स्रियं व्यात्रत) व (४९) कृष्ठ (कार , वर) माजियर (रेडिक्माए) 1120811 (जममात्रम्पेमः । कुमा (मोर्नामियारीयार । ट्राप्ति ! (थरर्) भारी (इट्छ) मक्नम् अम (मक्रम् अभिन्ति) पूर्व कृतिमा (कमहिए पूक्ते वीटिन) (वा भार (कार्यार) एके: (वार्यः) वाभी रेषि गामाए (१वं हमर कृषा) वममाने (नीकृत्क)

क्रिल्लाहर (क्रिक प्रक्रुहिए लाहत भय वम् भागात्या) वक् (मूर्र) गाड्न (क्रिनीक्न) मिए (मिं) मा :-चार्षिक- वामर्डिः (त्यार्मिका शका वंगमर्डिः गंग मा) माम्मर्किक (भी वादी) आकृता (ग्रमा प्रडी) अमरू ९ (क्रमः) किर्वेडर (क्रिकाकर किर्माकर) मेरि बसेडी-(डामधाना) अमूना (भीकृष्कत)। भावनभाना भार (भावन उसे बंद कामी के लामी कि में में त्र वर्ग तम स्थाउमा) मित्रिवा ॥ ३७६॥ (डिमारवंभाउवम्। नानी, लो नमामीआर। (र ने पाव!) ना वाक्ता केलाममा (केलामवात्य) डार्बमा (अकिक्त्र) में : (लस्ट:) में में ६ (लावात्र क्रमाल पान्ट लाव्ट) साल (मानार) मृद्धा किएडन (प्रश्निकिएडन) एन (मामा) लाह्य : (प्रमार लाह्माउट माहा:) कलही (क्रमहेनकामा) मः (शवः) रःशी (जरामाण्य वाक्षयाग्रभः) देव ङ्गायनः (वक्रीकृष्टयप्यः) दूवि (दूर्णो) मीत्रम् वव (निल्पम् वव) निस्मित्रात् (। १५७:), ७७: (उपमहुयु जमाराका किता) यथे: (वठअप पत्र) क्रांस (क्रांक्यां) क्रांस (क्रिक्रं) मान्छार (इस्मालन) द्वक्यानः (द्वनीन: मः) । सिरम्भः (मरामयपनः सन्) अमाः (भी नाधाराः)। विस्ताने (प्रमित्यारं कक्षं) मान् (भावताय)॥ > वता।

(ध्य कासवलम मामसम्मूदारम्णि। वृद्धाः अव्क्रम्यः। तः अक्षः!) लव्दि (अव्देश्वालः) मर्त्वमूर्णिः (अतारम्कृणिः) प्रक्षः (हन्दः) काडिष्टिषाः (दी। क्षिणिषः) व्यक्ता-भव्याः (प्रमूचा केवि विशेषः वमक्षिः) म्रणम्बि (ध्या विक्रां के आक्रिक्यो विश्वाणे) मिलि (वात्यो) देवि (व्यक्षाः) द्विकामः वाक्रिण् (देविः) विक्रम्यम्

(मिक्किन्द्रवी)॥३७४॥

(क्रेंस) गेब्र वय । शुरुकेशिह: (डामोस्टाह:) स्थार्ट (अमम्बार्) व्यवामीप् (विष्ठाविक्यकी)॥ >००॥। (मेंडेमु अप्तर धारणने में मारबंडि। लास्यी व्याक्त काहर मश्री आत्र । (क) कार्य ! (क) भी द्याय (क्षीकृक वार्ड तमालए) न वि मुकाम (तेव जामाम , जना) न मुक (न जाम) अय (अभीर विश्वति) सस निक्या: (आयरा क्रिंगः) न (माडि) भूपकृषि विर्वेषमा : (भूषकृषा भूषकात्म विर्वेतः पूर्वीकृषा माता (यन मः) वतः (श्रीकृक्यः) मः (अप्रिक्तः) (वर्नः (म्बनी) विकरी छवडू (ज्य मानपूरीकवानेन जिस विव एम खबडू के की :)11>8011 (दिमात्रवं भा में वर्षा । अवाका भामका प्राप्त मामका । (४) मानका डेमार्कारे ! (यात्रान्त्रम्मार्गिन ! त्र) मार्थ ! अत्रीद (अर् अर्ट-अममा डय), थपर मिक: (मिकिर गड:) (बर् : (जीकृ क्ष्म् नेनी) वत (बुमाबत) देळाडेन मन् १ (मानाम मान्ने मन् १) अगिष्ठ (देव्हावयाणि, छणः) (म (मम) अनिष्य विश्वयाग्रामः) काश्च (वर काकामने 'कामा वक्षाप् मान साम वामित द म आद्भाचीकार्यः)॥>४>॥ ट्यां (मामकायम्या) अन्यम्भार वावंवमावः (हेरक्यान-कस्तः) माममा व वानकण १ मार (वानर)। वाक १

(लक्षात वांब्रक्तार (प्रावा:)लामा (माम:) अमे: मुक्र : १ मारिके: (धरान्) ह रोड विधा (विविधः) प्राए ॥ > 8 2 ॥ · मन्द्रातः समाधाः (स्थान धानापात्मन प्राक्षः पृत्रोक्षः टमामी:)स्थत: यमें: स्रोड (ल्यूड) रतिसाक्यः (गतित लागारमन अक्षे: साम:)है सक्षाम: (भार) ' ज्यांमा (परवा) लाम द्रमारंत्र रें: साक्: (र्वेशुक्ष्मामा):) लगंड (स्थः) महिकी: (मार)॥ >8 ण। क्रक (क्रीकृष्णः अि) गामः पूनीन त्याम : (मूर्य किर्वनामाः मियामान:) किरायम: (क्रियं :) स्टार्विह: कार्या : विव्यामा (विर्मेखाः) व्याडिम् स्थानिषः त्याभी हुना : (प्पाणीकामूक:) व व दिखक: (श्री-क्षितः) (पाणिकाधर्म-विश्विश्ती (भाषपार्वती-विस्मुक: (भाषामध्वी गर् भीड़ाक्षः) कामू क्याः जिमि अरेथः (। जिमिन्-वार्भः) भामाना (यानिम्बक्ल:) अमृत्वक्रव: (वस्त्रावी) Culara a epiay al out a manta. (culara ele-भः अवने वारे: वनमार्भः जत्रा भारेक्टवः (होवः देनाहरः) अत्रार् (बन्दमनीनार्) त्वात्माक्रयः (दमर्पर्यूकानि कामिकानि का:)।।>88->8611

(अम त्यम विक्रितमार) मिम्त्र (मामन्त्र) प्राप्तिक त्या प्राप्तिक (मामिक्री) प्राति) थान त्यामारकर्मश्वावतः (त्यामारकर्मः धानुवानः वम् अकारात्व) विट्यमिश्रम् (विव्यव्कार)भा व्यक्तिः (भाल हायर) वर त्यम स्वाह्या हेराह (कमात) ॥>89॥ (वरेटाडचेन्तं। रेस्स व्यम् न्यामीयार। (द त्यन्)) वैनः (लायकः) लाबारवस्त्र विक्तक) भव्ये (विवायमात याद) लाम इद्व । (लाह्य ।) श्रे बार्य कार्याला (त्र व्यार्य कार्य-माण्या) विट्रामधाव्यवम्या (विव्यम् साथमञ्जूष) वियमधी: (गाक्नवार्ड: , जमा) अठा ह ॰ हे मानि अडू (दिम मा ना किया ह सड़ी क) मार्का (मम मक्ता) कार (जिल्ला की कृत्र) मार्ग (केन्स) मारते : (मरह:) दुर्भ भू अक्षाक्षेत्र (दुर्भ क्षित्र के भू भू मेड्री किया (र) साम् । (य (यडाई) का ह ई (जिंत वर्ष) में भूग द्राष्ट (बाकोई) वमा (वार्य मंदिन) यो देख (दुक्त वही) तव: (त्र सार) क्कः धान विश्वेषः धरूर्(विश्वार् वाकः)॥३८।॥ (दिमारवंशास्त्रम्। यसवं वियायनेकाक्ता मी नावा मर् त्रपत्म मा देवि मर्ममां त्याका हे हुउ सम विहिंडा भूमः महमाने श्री क्ष्यप्रभाती माभकु ् त्रविषादः विन्वारि) मवाद (माताननाद) विक्रष्ठातार (जैजातार)भवार्(मा-ममूरमा) आहं वय: (काउव कानि:) ममनानि (मन्द्राहः) किए १

मा (अभवा) मार्थ निवक्षणः (आनेवार्कः किकिन्) त्वेक्षनेः (ए. म ;) अम्मू वर् (दिवय रे मुंड) लाह बढे । कुम (भावरं कुम) । या (लाम्या) ल ब्राक्ता (मार्केलग्र) कंगाहढ (लामकंग्र का हता) निहें वर (तथा भोरडमा) डें हुड़: (लाज्या पर) यो या ह किं (मि दिवा किएं) । यह (प्रसार अवप्रें) वमक्रिक्र पः (क्सनम्पन: श्रीकृष:) अदमा देव (आर्थन्) वान भार क्रामी (ज्वान , जुका मक्रानिन्थः)॥ >४०॥ अमुजाम: जू कूचिहि (काम्रीशमिंद टक्स व) कर था मि (धारीकीका) विनामः बनन् (अल्डः मन्)भार्ष्य मडः (वर्डभानः) लाभ टामकेड (धार) कि दि (त्याद्य) उग्र विक् (लाम वंदर अग्रक्) केंकाक (लामधामय सम्भ्रात्वितः) ॥> ७०॥ वामप्रयम (अविष्यामप्रवामाधिमा) मुकायान (उपाभ) - नीमहाभवण्यामान) भरेपारे भी भी जारे नमः ("क्रवं विस्मात्रिक्"रक्राम्स पर् भीकारियी कर भीक-विमात्र) प्रके (समाक) हिमारवंडा (हमारवंभावन वमर्स-मंग मडा) अवर (यूक्सिक दे मक्षे) सम्बेर मानवर (DINLON) 112 EZII

का केंप्रविक्षित्रक्षेत्र स्वास्त्रिक्षः व म 8 (लग चवासमाम) जैक्यु अंकृति : (जिक्द ध्राणुकारंग :) र्रे (धा : (यानक्-यात्रक्रामः) एमभाष्ट्रवातृतः (एभाष्टवं- नामाप्रवं-यमास्व-स्वास्तानितः) यए व ग्रयाम् (अमाम्क् ख्यर) म: आर्के: (विद्वाहि:) अयाम: रेकि अर्थाख (क्याल)।13 लम्ह वक्षा भ : (वराप्रवस :) व्याप् विक्रम ह : (विर्याम :) अवामायन (अवाम मर्फ्या) कभाष । अवाम (ज्याभ विश्वनातः) रर्म-लर्ग-सप-वीडाः (रर्मक नर्गक प्रपक् द्यालाक) वस्त्रामुद्धा मुक्तावट्यामा : (मुक्ताववत्याहिता :) मत्वर थान का दिहानि न: (हमाभाषाया:) अभी विद्या: (हका:)। म: (अया म:) त्रि व्यर्व: उत्था अय ध्ययकि व्यर्वक: (शेष) विश (विभिन्न:) प्रार (ज्यर)॥ ३००० १००० १०८४॥ (अय वृष्टिभूक्यभारे) मार्भान् द्वार्थन पूर्व (मम भम: (भमनामव) मू कि भू वर्षक : (जना आ: अमार । अगर। य डक शीन ना पिकर् (यमा डक्श नार् श्री कू र्भामना दिक्षम) क्त्यो श्राप्ट श्रम्बर्स ।। वता अवता > ००॥ लगंद (वीष्टिवर् कारासः) लाल निक्षित्वं में दिवं ह ममनार हिंसी (विविध: } मार)॥ कम > करा। (क्याम) स्मारवि । भा : मावं में ह र बी क्या र काहिए मूं जी भागमार्के प्रविष्णेति। एर अस्कां) रामा लये

मुन्छी-। मिक्रम् की आए (भवार् आसमसमार्भ) मृष्टिर् (मग्र-ममर 'टमा) के एक वि वस्ती मारा हो साम (के एक वि वर् खें में भी किन्द्र) स् चित्र स्तावा वात्) वसकार (विश्वार किस) म्ब्रिन-निश्चित एमा (वर्मी क्षितः) एक मार्स (अवस्ते) कार्स (क्ष्ट्रंट क्या) वय में ट्य (सेंग्यांत्र) प्रवरं प्रमान (इस्)लड: (एपर) यमेड (मधनेट)॥> वर्ग। (लग हिन्याह) मः ह (महन-असम्दिकः स्याममः) डावी (डिमिश्न)) डवन (वर्डभान:) ह दुंड: (areles) ह (क्रेडि) विविधः क्रिक्त ॥ अवनी २०४॥ (बच डावि अवासम् पारवि । काहिर बुकापवी अम्मी सहमालाक-(अस्मार । (र) नन: अस्त (अवेद्यावेताय:) उत्र परं निहः (जीमन मक्त्राम्या)) कारकार (कार्यात्म) जाव: (कार्यामिनि माधि) यम् महां (मर्ग्यां पक्) लाभ्य (मार्केष (ब्रामाझ) ८०० सम्ह व्याता (व्यास्मान) । टम (मम) प्राक्रिने १ अभिने १ (मम्बर) ह क्यार (मस्यर) (अवस हार्य) देकुर (प्राम् मे हकुर तथा माउमा) हैतः (अतः अतः) भूगां (सम्माक)। एवर (त्रकुमा सम) हिंदे गर् (हलन्) अत्र १ (मनः) क्रुकेडि (विती फीए)। इड! (कारा!) जानार् (डामिमार मुखर्) न नाम (नाम भण्डामि) ॥ > Q ।।।

(धम हरहर्भगममूनारम्छि। नाममा विम्लाछ) छाता: (स्नामा) विद्य (महान) द्रमण अमृतः (द्रमण व्यक्तमा मान्-एमार) वे खिल्ह (ससे बंह) का स्टि (आकरमा एम पा एमं वार् बाटक शक)लाभ भास्यमं: (लक्षं:) में एवः (छन् : मन्) भागत (वर्ष) धाना वानी (धानिक संभवना छेर्) ममृति (दुक्काव्यात । (इ) इस्में । भवेत्रितः (भवात्यामः) (म्मानुक्कुः (लिक्षं) अम्मः (विधावनः) लिहा (चटि वसवादकाः) (यादेकाः (धम्मः) भवर दवडः (उव) (कारेका: (विदायका:) म त्रा: (म दायम:) व्यव (००: ज्यासम्) व्रेन (प्रवन् प्रथमामन) यान (विभिन्द खन)॥ > ७०॥ (जम हे वर सवासमिए। प्रवाद्ध । भाग्यस विभाग्यस्य । (र) मरावें ! करम ते वी (क्षिक्ष:) थए कामर (रेक्श मुझल १) पूरव ववीवर्डि (विवाधाएं) देपर त्यारमा छवर (धानोकिकर) विलद् पूर्वितर् (विलद्कलर् पूर्वितर्) था के भर् न पूरमाजि (मडाम पांड) व (। क्रिन्) भागरवादी (भागनिवकः) भ: पामार की मं: (पामार मा की म: माडू:) कार (प्रमाप्त) र्षः प्रः व्याः (व्याभाषीनः) मिविष्यक्वा वास्ति यः (अभाष्यक्रामन्य वर् भित्रः प्रम्) (म (मम) भीडा र जानि (बिक्रक्रिक्ये ।। १८१॥

एक १० ११ २ २ २॥ भद्रेस्य के शाम मात्री (ग्रह्मांक:) (अस्तुर् (क्रिक्य) (स्मर्तिय) (योक्यार्थ) (सने स्माह: (क्रावाह:) १ ट एससा (स्मर्तिय) लय (लास्य स्वाप्त) ज्याति (क्रिय (क्राविक्य) लाससी

(वर्षमारवक्षां । धर्मनार्मः ज्युक्ति दृष्यकां क्षामां साम्माति । (x) खिमसाम् । त्याव । त्याता । ति (हिमा) वचार (श्यम) क्षेत्रमी (गंत्रमेमर्) लियाने ह्या (में सानेह्या) कलमान-(लाक्काक्रम) अ (बाढाम : (श्रेव: अवम : देखाला भन्ना वर अविभीड़ा-अमार्थिकार्थः) १७ मनामिलामाद्य-विकारिककः (१७ प्रनामिकाम पूर्व समार्था देलाम निर्मार्थ थए विकारिक ए विकश्मम् द छर्) स्माद्वार (अहवार । धरः) हित्ये: वव (हा छार विछित्ता) एतः ह८ सम्मिष्टिय क्रमेमालस्यामारं (त्र सम्मिष्ट् ट्यम टल यह तर स्मेर्रायई क्या लाक् सैवा पूर्व अवाक्तापूर्व) (अम्मा किया) कार्यात (अस्मात)॥>५०॥ (देमारवंभाडयम्। दावकार्द्या त्यो भ्रात्री व्यापनी-प्रत्यास्तादित: अक्किमा व्यवकारः वर्गाछ। (र त्रीकृकः) कामिना: (यम्नागः) मालिनः (त्रेकल सत्मः) यताम-प्रकृतः (माय् प्रमीवृताः)वृत्राः (प्रताद्रवाः) ननाक्षाः-भाव: (म्याकिवं नाम ध्यमाकः) प्रसापः (व्यवित्र-कानि छाए भी छाए) न इन छ नाम (म हूनी क्वर्य छ , भन् छ)

कसार (कारा:) प्र: जिल्लार (जिल्ला सकावर) केस्पुर (धरांग कु) उपत्याम्बर (त्यामा गर्) द्राष्ट्र (वित्यम् संबर) भाग्यकुर (साममार) सर्वावः (सक्षकं व्यवः लाक्ष्रवः) ल हः वर्ष (१ व्या) इरवं : (मीक्क्या) मम्बा : (मिल्हा :) व्यमी त्यो छा लायरा हिंदः (व्यमी मार् श्री का श्रमी मार् (मोडाम) (त्रजू त्या त्या मर्गाः आडिमानः वर्षि भावकाः) नि: शात्रा: मणेड (प्राक्निएक (र्मन वं ट्राड)॥ ५७४॥ (लग लर्गाष्ट्रिक्षकः व्यासमार) म: (व्याप्तः) व आवेशक्री-ह्यः (भान्ष्या १ भवाधीन छा १ देम् त्या भना भः जन्म एयि) म : धार् कि श्यांक : (रेपि) स्थाक : (काया : रेपिप) भा न क मु ए मि गारिकामिक नि छ (मि ग ए ह आमि ग ए ह उपापिटिक वामिकरं मर) अप्यक्ता (अप्यक्तमान् डबार्ड) ॥ > ७ व।। (वर्षाडबंन्म । में भवां में बक्रवार्य विकास के प्रि निमीय क्टि देवार उदिवाशाल महारू मार्द्रायवादाव मोग्मार् मीषा अभम्ब बाव श कृष्ः कृष्णार भीवि निवामार्ड-क्य अवर्ति म अरिश्व कू क्यार निक्रमा क्रीकृत्या विम अछि। (x) में सार्व। (मार्वास्त्र ;) यापायमात्र का प्राप्त (प्राप्त मार्थ महर (वर से क्या ग्राम वाम लार्च मः (वर) मांग प्रकृतिः

(लामयाकुलामेर वे) नायम की मुक्त कार्य साम : (नायम की मुक्ताम: भविष्रतिः मम्डिभविक्यः) भूभः न्यादेशीमङ्गः (न्यायके-असमार) वातील (क्रालन) वामि (द्यामे) । इह! (वाम!) क्या मा : (वर) क्या (रेमारी?) मा : (वर) क्य नद्रम्हं के वर कारकारित (नक्षिहंक्स) के वरित कार्तित मारका नम् देमम व्यक्तिका त्यम (वम) वित्यार्थमा (वाजिवक्षकी पूछन) पेपन (विश्वना) वर् कथर (क्न ररक्ता)रेछ: (इन्मिरेबीमङ्गार) मुबीकुछा ॥ >७७॥ अम (अमात्म) हिंद्य नामरवाद्याम (नामक् देखमा) जानवर (कुभाषा) याचितालंडा (भात्रभानितार) अनाम: गार्थः देनापः (अप्रः स्त्रः (रेडि) प्राप्त (प्राविधाः) प्रभा (CCAT:) 11 > 4911 (अत्र विहासूमार्विष्ठ । कार्यि वात्रिक व्यात्र) त्या भी क्रम्प्रममनः (लाभीनार रूपमान्यक्ताः) प्रकृषः थपा (भन्निन् काता) भाम्माः वमनंद (लक्षेत्र) लम् कम्म (वरमद्भाव्द मार्मे वर्) नम्मम्मार (क्षामम्बद्यार) भर्म् मूर्गेः (भ्रम् गर्) थर : (भणः) जना (जामें कात्र) मित्रिती वर्षा धरामू नाभावें हरेगः (भना निविद्या भा भूभेन आवका: , नाम प्रमाना वाटकन-टमाउटमाजा दुर्मिश्व क्योगः अखिएतं:) लमाश्रामार्

(यह्ने कंग्रं) प्राक्षायन अने त्रम (अक्षायन भी ले के व्याप अगंदिय खनामु तमार वमार) हिलामानिक (हिट्डन मिन् निर्मा क्यार) अभाक्षिर (मित्री वसूत्र)॥>७४॥ (लाम सामने मारबाट । ज्यांसा कि क्षार । (क्र) थाता । मः (माम्बः (असप):)म्पास चिनंद्धिः) भन्ताष्टि वाः क् (cmaa:) क्या: (क्यलंगक् दिवत:) । व (क्ष्य) के एक भाव (अह) लक्षाक भाम का प्रमा का प्रमा वार्षे भी (अक-11 (15 mg) MON (DIX 3) 11 3 0 0 11 (लाम द्राहमस्मायका । अभिकास भामका साम । (व) असीता । दा कथे (थारा!) (म (मम) मन: व्यनि (क्रिप्श्मस्भारत) इत ! (आदा!) अद् किं कवती (किं कि कि मामि)। अमा (मरामडाणक्षमा) बनार्यः (मम्बन्न) भावर (धमवडीयर) न कमगामि (न लक्ष्णामि ज्या) प्रवादः (नज्डीन् ०६)न (प कथारे । कसार) इरें (न मा लडें हैं। के प्रक (यमक्ति मुक्तर (मडाक्त) गल (अमली) मलि (इस्पेश्च) टिस (मळ) हे हे द्वार के अगर (देकार्यूक्त) नस्पर (दुवारंपर) अपुक्रा (अपूस्प्रात्या) नाष्य रिखिक्षिक्य (सुत्यावयान) कंग्रसीलारे (काउं स्मिर डमिर्जियः)॥ २१०॥

(लग वायवस्थारमंति। दृष्ट्यः म्बेन्स्रीमंति विभागाम्यातः त्या अर्थतं क्या के क्यार । (र) तर्थत् ; सम् द्रमक प्रके प्रक्रिकार विकृषिः (देमकाणी आविष्यती वकुासिक्समा मूर्यभामा विकृष्टि: मुगमका भारकः खेर्वभुक्त मन्त्राः मा) थात्रः कन्नामिला (अड: भड़ाउर क्रमूखिंग भाईना, मा विद्यापते गापिडि: प्राथिका) मना (मर्सना) आराज्यका या विक-कारका का (आरामाजात्वर म्मानिष्डा व माजात्वर मानिः मानिती कुरकाली सम्बद्धारी काली हकताकामिश्र भव भा नाम एक एक ना द्वायन भामित्ने कृतात्व कारको धनाः मा) वार्षा जव विवद्णामा ९ अव्यक्ति १ (अजिमिन१) विश्वकाही (बिल्लायन के क्रिकार नक्षी प्रकी) निमाध (अधानात) कूना (भूमा क्विम-प्रावि९)रेय कालम-विषाकः (क्रमा छामा: अविवाक्ष्य व्यवति) अभगाव (अकामा पठी-١١ ١٥ ١١ : كمرى (र) अमर् ! (अक्क!) विमामा वव विव्यविषडिम्नानिषा (बिक्य-विभाग प्राणिका प्रभावि थानिका मधी) वियविमक्-विभीना साम-जूनामन भी: (दिमानित्र एन। निर्मेष प्रम् दिन , विभी में त्रा अटस्माल मा क्राम अपूर्णी आत्रता ! मूर्याणका थत्रातः मा ज्ञा) अवसक्षमभवनाम्बक्र मी तामानी भी

(अरवंत समावंत सके वा वार्तेया लाम वंबार का प्रत्य हिंगड THE STEW TO THE SHALL SHALL THE न में थी का ने के प्रमाश्र का का मार्ग मार्ग मार्ग मार्थ मार्थ का मार्थ उ द्ये ग्रभा : मा 'क्रमा) अवस्ति हा अवि मी व वा अन-(अव्यानीत्मन व्यर्कन मूट्फ्रेन जालिए रेकीवाय नीन-जाम देव लाक्ष्यी प्रचमेग्यर त्रभाः सा वक्षत्वा) धात्री९ (माठा)॥११२॥ (अर अमालमूमा स्वि । त्या कि छ हुका औ वार्श विमलि। (र) अभि ! नन् कुल 6 अथा : (नम् कुल त्रा ६ अथा : हळ सम् Б अवपारमाप्रवाम अत्र म:) क्र (क्रू विख्य विश्वा) मिर्भ-इस्कामके हिः (मर्ने वे के किन वहार 'एमा) मल्लाव्याव्यः (मलः मल्लावः मवनीव्यापानाः)क (कूम वंदा , ज्या) मूर्यमीनभूषि: (रेम्मनीन कार्ड ; प्रः) कृत् (क्न विष्ड, जम) ग्रमव्याखरी (ग्रम् - ब्रामन मृक्षामा: म:) क (क्य वर्डाक, जमा) सम कीय-इट्यमेश्वरिः (बीयमं क्रांभिश्वरिक्षणः) मिर्दिः (निर्ध-क्ष: मः)क (क्य वहार , उभा) वर मूम्बमः (भूकर्-यर्भ: भः) कु (क्र वं वं छ)। का (क्राम्) दा दे ! (आरा!) निर्मिष् (ते वर्) किए (अस) 11>9011

(यत भाक्सेटा इंबाड् के । हिंग्डिमी जीक्स पाप कामार । ८४ मार्भ !) त्माकून भाष : (अ क्किया) वि (अ यमनार (विवृश्वतीयः) लगंद वत्त (सवयः) कवं: (सप्रामः) में नुवाकतः (सेद्रुवाक-क्रिंग्व:)लास दुवासी (दुवासक्रं किक) मन्त्रमास्पर (विश्वामः) अलि (आडन: (आडन नर्नः विक) प्रास्तातः (बबार)काल मृःमरः (किश) हमभ्रममार (सम्प्रावर्ष-मागार) ताम त्यां (त्या मार्म) के : (महाक्र देवा): किक) छो दिशू हिका-निहम्छ: (छो द्रा अवना धारिश्विका ट्यामि लिय: ७९ मम् ११९) थान हेले: (अल्माप्त) वीव: (मन्) थपा सम सम्मिति (क्रम्यपिसम्भिन्नानि)। हिनडि (बिमान्याडि)॥>१८॥ (अरमाममूपारवंडि। हेक्तवः भी कृष्ममात्र। (त्र) म्रवादवं! वार्था विषमविवय अपाननावि विकास हिला (विषमः अक्रमीयः विवर त्यार है। भिवि विकासया कि यर काम्मर विद्वात विश्विष्ट हिड्यामा: या व्या अठी) विनिधिछ् (अकावने) इमही (शयर क्यरें निकी) दिवसमार्ड (ग्रमार्क) ममार्ड (द्या) एडमा एक तम् (मर्स्य) हम वार्डा (इडर्) यमगृह (मामगृह 'टमा) शत्मिकाम् (क्लिकाम मन) ड्वि (द्रुष्टाम) मुर्वेडि ह (भाविवेडिए ह)॥ २१ व॥

धर्मामु छाक (त्यनवना जा मेरे) 288 (द्रमार्वित्र केम्) जान वादी लाकादिक (लकाद् लाय्यमद् दयर माण्य वाकालिकर) विदासमित (विदेशसममूत्र) निर्माछ (कर्नाछ ,किक) हम हमप्कृष्ठिलवा (मणी) त्यापक छे (द्रेरकार द्राह्म साइक्ट्) लाका सक्ट (लाकावर) हीरकावर कें क (1 (12 क) मन्त्रमार (माम् व माम्मर्ग) क्र कर (लाश्र कर)लाक्य (त्राम पर) किय विख्या वि (बिष्ठावंगिष्ट । किक मा) नी बात (मू: मराप) धार्वव विकाला-वल्यार (क्षेक्क विवयत्वनार) अमा देव अल्ल (AIGT) 11 > 9 U 11 (लक साइमेराडका । तर्जार् का किक के काल पात्रा अवा । निअछ । (द) क्रमारन ! (शक्षा) रेमामी (धर्ममा) खर विवद-मूक्त- अवह वी (जब विवय मानिका था धूक्त सेव अवह वी अशी) क्वनमृत्यः (मूलाहमाणः श्रीवाधागाः) वेपर्भाहिबार् (मारायार) विश्वित (कर्वानि । जभावि मा) केमाहिए (लेग्रमण्यम्भ) निक्टक (निवावमणि) अक्टिडा-मार्विष्य (उम् िडा कार्निष्ण भविष्वः भाविः) इसि (अमन्याद) देनापर (देनाक छार) मार्गि (किया करित। विम्माछ (विमालगार्छ। छमा) वाका सहवी १ (व गवा अक-भावार) बमार (शतन) म्राया (व्याव त्मार्क) ॥ १९१॥

(लग में क्रिमेम्परवाद । पाण्या सर्भेबामें क्षेकिक र्रमहाता दुमाम ब्रिक) लानं सामक्या शामक । इह । (लाया) वस (में खूर) त्म (विंग) यस अग्रह (म्यानामार) भव भवा (यळ पेळ पा) पत्रमा (मछीवा) वर्गचर्यी (त्यमववातः) बद्धाः (धनवानिका) मः वर् ८०९(धिन देमानीः) मुआलकः आर्र (जमा प्राचित्राः न क्क्रि । जमा)रेमाः (मम मनीः) रिक् (अस । यादिगढ़ व्याया विकास व व्यक्ति छाव: । नमू किसमा सदल्यभानकर्न वियाद)यर (प्रमार) वक्रमा: (मम मळा:) नामपनिश्विष् (नामाभार निश्विः म्हानिष्)रेन्द वून मकत्र (वून-अष्ठ थमा: मार्ना: महिन विकि भरी-क्रमार् भायानार हेकर के विषक-मव्याक्षेत्र) क्र (धर्मनानि) हलाहि (नि: न्याम वागू ना प्रक्रमानि। धनः लयंग द्रमाधासकायंग यापाः हमटलक्रंग चक्रापि दृष्टि Jus 13 113) 11 > 96-11 धार्मन अवास विकास इत् रवं : (वीकृषक्त्र) आर्थ जा : et: (अंख्याकाः) म्याः (हावतः)। लच द्रुवस्यम्पर (दुन्यक्ष प्रकार अपन्यात) नकं द्राप्य वन् अग्रित (30) La) 11 > 9 3 11

(प्युक क्या कुका ने कुका से अपरा : में बेंद्र ने क्या के मार के का किया केक्सरण मिर्भाष्ठ। व्यामीए !) शायं विधारा । (शायं कार्या । भीकः) क्रीलंबल ग्राप (ब्रुमं न- विश्व प्रत) विलास्त-मगं : (अमानती मार्का (पूजा एक मार्म मार्म कि का धक (कामात) न रेष्टि (नाडिनमेडि) हिन्दु नुष्टा भिष्टियो। विमादः -बिनामण्डिका लाव (ब्रह्मालएं: magan) द्यानी विना द: गत्रवस्य । ज्यामग्निस्य हेमार्खात) गांक्स-विक्ना (गांद्रमण प विक्रमा छार) मूत्र (तिबंद्रवर) 11 eac 11 (हा अप) हालाई (के मेर वर्ड) प्रांगिक क्षाका मार् (व्यक्ष्म का मार्) (व्यक्ष का मार् विविधिष्ठा १ (अतक-अकावषा(अला:) मना:(स्वायम्) आमि विविधाः (अतम-अकाबा:) मु: (ड्रिंग:) इमकीणा (बाद्र माड्रिंग)रेडि अवा: किया (विविधा ममा:) देश (अय) न भीडिला: (ट्याक्स:)॥ ४६३॥ न्छा: (अस्त्रक्रमः) हू म्ला: त्रमशामाः (वन) त्यम-Certais (E) लयकाकता (लयकावस्त्र) सामानमा आरंभः काल आवावें भें अधिवाद (शावावन स्वत्र बानंदि)॥ 211

किन अस नव (काम्याम माम) (माम्यम हे हिला में नः (माम्याम प्राप्त) क्ष्म का क्ष्म माहिर्द् (क्ष्म में महिर्द् (क्ष्म माहिर्द् (क्ष्म माहिर्द) क्ष्म माहिर्द (क्षम माहिर्द) क्ष्म माहिर्द (क्ष्म मा

काम नेग्राचित्रा मक्षेत्र 080 मन यर्तामः विद्यामार्थिः। नक्षा (वार्क्स) डरंब: (अक्षेत्र) अथ्या (वार्ष हैं वसी) भुष्पात्रिक्स क्षेत्र कर्मावतः (कर्मेग्यवं) प्रामुश्रमक्तार (उनम्मनीनाः) आमो (युक्ताका) विवश्वमा वानेन (Box) 11>1011 वामानिविधामे : (वामापि विलामि:) प्रमा (निवृष्ठवृष्ट्) व्याव्ती विश्वण (विशव् कृतिण) श्विम (अक्षम के प्र) बण (पवी गाए करि हि (क्षाणि) विव्र : न धार्ड ॥४० ७॥ (वन नाम बहम र अधा नमावि) मन (गर्मम र मानिक) कर्मश (अक्षः) (मा-लाय-लावकामलं (भगदीमप् मलं) की छार्ज (मिछ) विश्वति)॥>७१॥

पानकरना:) लार्यकं चार (लंद्रमें कुटा बाद) रक्ष्याप्रअपाद्यार (लग श्रामाद्य) में पा: (अवसी विश्व प्रकार कर्म्याप्रअपाद्यार (लग श्रामाद्य) में पा: (अवसी विश्व प्रकार कर्में पिट्यमं (प्रिकार त्रक्ता लाक्ष्यत्य) हेमात्रर लात्यार्य (यामूबन्) जाय: अस्ताभ: (रेक्) भेकेख (क्याख)॥>४४॥ मतीचिडि: (विश्वाद्धि:)ध्यश् (त्रामाः) मूक्तः (कोर्यः 6 रे दिन (दिनिष:) हे पिछ: (हेक:)॥ १०० ॥ (बच में ग्रेमार) ब्रामित्र मार्गेत सिंधाः वैकः (इति क्याक)। मः (मग्रायामाः) ह्वास्त्र : (मार्)।। २००। भू वर्ष का गड : (भू वर्ष वा गड :) आना १ अवा मान्य । (कि कि पूर्व -भममक्राप् क्रू मूर्वभममक्रमा क अवामाप्) बाजाम् जाम् (मट्यालाम्) कमार् (यक्षाम्मर्) मर्किष्ठ-मक्की न-मम्बासिक -ब्रष्टः (प्रश्विष्ठण प्रक्षीनण बाम्बन्नण भाकियान् ह रेपि) बिट्ट: (बामाडि)॥२०२॥ (का मार्थित सम्ह) नाम (राभारं अ किए।) में बारम् (कार्य-गांग्रको अवस्त्र नी डिलामिडि: (अस्त्र मः छ्ये की डिल् मका ब्रामिडिः) अश्किषान् (श्रत्नान्) हे जहारान्त्र (उन्नव्मानिकारे) विस्तरकात (महामानानि वसूनि) विस्तरक (देण कुन्ताक) मः (मामा :) भराकिष्ठः राठ भाईडः (हरः)॥१००२॥

अद्राक्ष्यक-(बच मारेक के वर मासी मियार के वि । माम्यीमेश स्था क्रिसेशी-मार) भीना हिन्नि छाने : (भीन्य पहिन्नि : हेन्मा जिट: लेन: (मानक्राता (अम म:) वाधिका सुनम्मार्भ अअमममामध-मार्मवम- (वटवार्ज्जः (अभवमानाम भाष्यमा ९ उपा ९ त्वत्वार्ज्जः कामिछः) इरमः (अक्षिम) र प्तः गः (भ्रमानः)क 7300 11>0011 (मार्काक्षर्माक्षेत्राहाममूप्तर्गि) ग्रामा नवमल्य (जीक्टकन मर नवीन-प्रयालाम) हुट्य (हुम्रनवालाएं) मरेन्डमूमी (बन्नाब्डवसमा) अहु (जावा। किक) जरा (उदकात) आभिनेत्र (श्री कृक कर्ष कामिनेन मा भारत) कृषि निजां नहा (यकी कृष्ठ एक्ष्राः) धात्री १ (१६ छा) ज्यानि । क्ष्रि प्रमाण कार्ति । क्ष्रि का अग्राः कार्ति ध्रा । ज्यानि । क्ष्रि प्रमाण ध्रा । क्रमह्तां : (क्रमा : क्रमा में)स्मार (क्रीक्ट) विपत है (अगुलान नाम गाउ - विश्ववाद्य में द्रिमें रिकेट (इक्ट) विम् (क्विवडी)॥>अशी (लग मकी मधात)राय (लभ्रम प्रदिशाल)देलहामः ग्रीक-श्रानं भादि छि: (अबिम स्युजादि छि:) त्रङ्गीर्फ स्म : (त्रश्मीय)-(मर्मेश) यापाः) कः (ब्रात्रः) शिकु व्रविक रमममः (मिकिछालुक्र वित (मनतः यापूः) प्रः (प्राप्ताभः) प्रक्रीनः

(रेवि क्या । वक्क रेक् वट वाम् टम् क्र वर्षा यथा

देक्रो मार्द्र कुट मार्च कर्म्य लयं ह्य है या लयाण लाख्य-सर्माति केम धार्मा परिवायत द्वाराः)॥ २०६॥ (ल्टेमारवंत्रमं। क्रमाहित टान्समामी संगत्तव आवाकार क्रमा). आडिमार्ग) अक्टकम मद मलंग्रण पूर्वा ना जा वरकार किनि ए मभा ही जमा निका भेरिकिमाभा (म) वार्षक्या पत्र कर्माहिये (मुरक्सा) सार्थनथा मुट्येमान (लर्भनंग रह रि बास्टर रिमव सूची अमृष्ट् (अधू जानि) सम्बन्तान (म्प्रायन मह वर्डभागानि) मारमाल वास वस नीय मुलिकिलानि (साममा देल-व्यम निर्छा वसनीयः द्रामिनंखः कटाक्रमाला (यस जानि) मत्त्र प्रमान (हेर्क्ये म्यक्ति कामि) अमल-विक्री दिणानि (कन्म विमात्रिणानि) समाहि (मिक्र कामण् हेर्क (के रे विवाहर् कार) 11 2 % छ।। (देमारवं भारतम् । माली बान्दी पूत्रीः वसमात्राप्ति वार । (र) प्रार्थ! बाकागाः विक्रित्याकिष्ट् (अधन्यनामिष्ट्) वकुः (प्रशः) माडिसमारमार्थ (माडिसमारमा अमडिसमस्कामा हेरमेर) विन् रेक (अमामागि । जमा) दूमकरे (यम भाउर) मृति: नारकः (मन्द्रमम्) भेकावत्मक्रिके (भेकामा क्रमानम् अव लिसक्रित् लिसम्मेत्)कामकि (मूह्ये । एया) व्यक्तिमा (व्यक्षत्रमा) गक् (गर्नी) व्यक्ति व्यक्तार्

(लर्केगा (प्रमाई) में हले । मामा दि (मामावसामई) के बत्री (बकाअमे दीकोत्र: 'क्या:) लाके छि: क्रमल के के हिस्याति (Edying) 1120011 (ला सम्मस्यार) कार (कारक) खरासार संभव (स्वास्कर मिनिट मार्क) टलाम: मम्मम: (मेरे) ग्रेपिक: (टकाक:)। म : अर्रम : आमार्वि : धार्म् काव : ह रेडि कि वी (विविवे :) मार् ॥ २ ००॥ (क्यामिक मार) भोकिक रायशास्त्र (माकामिका हब्ते र) वाममन् वामितः क्रार ॥ २००॥ (करेराजन्म । वसार द्यामुसामा दें मुक्कं स्थान ही-विभाभा अभिम्यार । (र) मृ पूर्त ! (स्मूचलाव ! प्र) उक्तमर मन्मक (चन्नारं) मा के के। त्यर मक्सरे (अंदा हो देखें) एर मुं (मुकामने शक्षांठकार) न हि (लामक)। इस । (लादा ।) थार्सिन् दिनम् (ममन् दिन् राष्) विद्यमण : (कानु विन्तार) क्रात्र थात्र । उक्रावानि हि: (अक्रामाना है:) शर्वी (श्वणान् मदाश्दा का)आनाह: (अमदी:) नीएमक: (नीए: अ मामत्र्भूतील भाभा भागतभेवकर्यम मः)वन्नवी-<u> इतिहानी</u> (प्रामीमन मामादनः) स्मानः (अद्यमधानः) 11: मूक्ष: ।मिना (मक्षाक:)॥२०० ॥

रामः (मी एकः)

286 (ला मार् कानमात्र) एकसमर्वम विख्यामार् (एकसम्माम न क्र हा अविकास विश्वनाना (काल्ना भर्) (क्रका नार् ((क्रमेश्रार) पेंबं : (क्रम्बः) अंबे : (क्रम्म क्रमार (मातासुन्वर धालमनर् वितिय) भर धार्मिक म: वार्यक्षतः (गृह) दुधित ॥ ५००॥ (जरूपार्य नेम्। ग्रमियमसामसुवर् कीकृक वार्डावर् जी अक लाइ। (इ ग्राम !) भी लामू वर्ष दः (भी जब मनशारी) अभी (वसमानी) आक्रानामा अन्यस्थः (कन्नजेक्राणि अला-सार्यः) भागमामम् भारत्याः (भशमयद्यः) क्रिके लोविः (थी क् कः) जा प्राः (विवस् काडवातीर ट्यामीनार भू यह:) आमित्रहू९ (अगिर्द्धः) ॥ 2021 (देमारकंगा देशमें। त्यामिक हर्का जीवादा पानिजार वाने बायर म (मामन्या समूका आपूका (बाचं र जमार) आरे पार्थ ! मान : मूद्र विवस् (मूद्र अव लिखेलू) अस्भः (अलाभकालः) न्त्। मत्मानिधवर्षिण (यनप्र: व्यादिकालन)रेष्ट (प्राकार मरम्राम) छोप (दूरा प्रश्र) थाविश्वद्वा (विश्व मरी ना) मा हु: (व्न डव)। थए (यत्राप्) (छ (छन) वयत्र): (मक्र भाक्क:) भावक्रम विभिन्न (भावक्रमाव) आत्राम (भाका) प्रकार (अन्वत्रात) हुन: (अक्षुरमार)

(भारकनार कामकिनिविवास भारिका तेमूर्कः) आउत्माप (विश्वान्)॥२०७॥ मांगाका वामाव: (मां महंत्रकार दायार दुरंगमः) नारं विव्याधिक: (वि.व्यमस्यवृक्षी)यहाम: निर्वानम् भूगर्भः (माद्याना अधारामार) अवताबाय : (अवत कान्या) देकाल (मगल) ॥२०४॥ अय (धार्मन रवेश्रमाहित्म प्रस्ति। वर्गनाल (वर्गनाल काल) कून्ति (क्षीकृष्टकुर्डी प्रणार्) विवर्षार्डः (विवर-भीड़ा) विश्वना माप्। (भवन कमा) भाद्रकार (मि) प्रकाडीके म् त्याप्यवः (प्रक्षिः अटिकेः मूर्भिष्मवः) <u> ज्याचे ॥ २००॥</u> (लग मध्यिष्ठधार)आवं क देगार (जन्मुमद्रीत) विमेक्ट्नाः (अम्म के वट्ना: 'लवनम) रै से का प्याकर्ताः (दे स्क्रम्म पर्ताः) र्माः (मानक्षानिकत्तः) मः दुवाकामानिकः (दुन-(छाभम् अविष्यका वायनः) भः मप्राद्विभानः (देवि) कैछाड (क्याल)॥२०७॥ (जम्मात्रव्राम्। मावकाम्- नवव्यायान विश्वकर्ण निर्मिणर् रेक्सीमवान वागीः बीक्कमूर्डिम्य प्राकार्थासः श्रीकृष्कः

मनामाना भीना था मानना हमए मन् न व वृक्ता घार । (म)

इस्बर्ध । (हज्योग । याम ।) के उद्व (लाया) यम तथा (अकिक्स) कारायाकामां (स्क्रियाकामां) द्रम् स्थारं (स्था-भागर)यमः (एरर) त्वाममा (वायम्या माता)मम्-विलाहित (क्रम्मविकायान) लहे: (विल्मा) हेप् भीडा कि कृति: (भीलांग लाखरीम् ; लाखमारंग्य चार्मेश्य द्राम् ;) त्यारं। (मार्क् कमा लमें हैं का अमाम्स्रीय विदे के प्रवं का हिन प्राव अधी (कानिकीया यसूनाप्रदाक्षिती करी करे प्राप्त : उस क्रीव क्रायं क्नू हवमभाषी भीडार्यः थाडिमान नव उक् यमा मः)मः (अक्क स्यः) ध्या भी विवक्षः (बीवनवाक्षय:)हुम:(भूत:)ममामादि :(मभा आकः)॥२०१॥ (देमार्यना मुक्स । प्रकार्भव ध्यम सुवम्बनार भीवार्थार हिन-अवात्राट्ड प्राकाव व्यवस्ताका की कृष्टः प्रावक्षप्रमादिश्मनप्रमधांश। (प्र खिने कि ।) क्या १ प्रथम क्षित्र साखित (१ प्रके में कि बाह्य मही क्रमाई क्रमांड (द्वमप्रविष्ठ) हक्षण (कार्यम्या) अत्मन भागा (भन्त) भूगः (अप्रज्ञाम) भाविषां कमक्षृष्टिः (प्रवर्ग-क्ष्य) नामार्था (मार्था व्या विमा विमार्थ (मार्था) वव किमाने (किकिन) नाभा (हिस्ट) वार्ने म् गाजा (धार्विकाजा प्रवा) निभिन्न त्याक्तभी: (धार्भन हुवन (मा डायक्षा) इन्द व (१४) माम्बर (वक्षक) देल माहिला काम (मान्ताम) ॥२०४॥

विमन्दि (विमार्डः) इत्रव्यकाला (एएन (इत्रम्ह यमामन रेवि ट्टान) वसार् (मासामार्) हिनामका (हिनिधेका) रेखी (आस्ताम्बा) आल अय (अभीम यान मा विक्ला) न दि (दिन) टमाला (न कार्यका)। मव: (ममाव मा) क व्यक्ताम-करी न (धर्माद अष्टरमेन नमना न अनाम करणि हिंसभण 1 (210) 1120011 (अथ (मीनेमार) अस्त्र अमा रदं : (अक्कमा) भाष्टिविलमः लो ।: रेजि भेर्या (क्या)। अस मामाम्यिक्षयात्रम (प्रामान)क विस्मिश्राकि एडएम) दिया (दिविषेष्य न) अथः कीडिंड: (हकः)॥ २४०॥ भूकर का हा ति में (बता का का करें) म: (मन !) का में छ: म : छू (वव) मामाना : (जनामा : वामा डावर)। मामकानिर्मिलाव: (मामकाला गार्ड विटमाया थमा नर्क्) मत्रादुन: (थार्छ-विक्तिः) अम् विष्मवः (ज्याभः त्राष्ट्रा ढावर)॥२>>॥ कारमोपकले प्रमं : (कारमापकले वर्षात:) अमः (अम्रोहि

वर) हर्षा (मराक्रिल-मङ्गीर्भ-मम्बन्न क्रियला-क्रामे : हर्षे :

मुक्ति वा (लोनेम्प्याम:) हि भूकिष् (म्भामासल-

(क्य मदा मराके अमूकारवाछ । ध्यम्मानवर्ग भीवामा विकासमार। त्र) क्रिमेशन । "अवारिताम त्यानी मर्ने श्रिम विलेशियो दिल्वं : (प्रवारितान-त्यमाः न्वनमन वसानामा मर्वित्रान शर्माण विष्मुमेर भाई ह बाह म : बार्क माछिक व : (आला छ आरंग पत्र म :) विमक्षामार (इ।मिनामार)हु एंगिन: (ट्याके:) क: कान वसी एम नवभूवा (मम अ(अ अनू पिनर् (अछारर्)) छत्र नि- जनभा छीत्र विभित (भम्ताकि भ्रवानात) विश्वायः कृत्यानः (प्रम्) मुभः (प्रम वहनः) हमारि ।। २३७॥ (अम माम मही नम्पार्वि। काहिर मुका यमभीमार। (क) मस्याभ । मार्भ । (प्रद्याद मार्ड) क्रिका साहु: (म हर), त्य (सम) ममें : (लार्थ :) लास त्यात्व : (मसमाय :) म (माह । मत :) अर्ड जार माना मिका नार (भान विक् । भाग भार) अममर्ग (अर्थाण) काल) नः धमम्पर (न निवाबिषवणी। किन्त) एए (जव ममा) वृक्षः म: (क्रीक्फ:) बाल मार्ग (मर बाह) क्या (क्रव) वसर् क्रि (वसवर्धने) कारिष (कृषवान,) थण : (थमा : वसक्टि : (त्रां) विश्वीना (विक्वा) व्यान रेग्ट् (माना प्रव्याना) अग्ट (17) हेलमम् (मिन्छिः) धरात्री ६ (मण) ॥ २>४॥ (अश्र अस्त सम्मन्नमूमा इवार । सीवार्या सन्वासात । (त प्रार्थ !) किन हुड़ाक्षी: (विक्रेन ट्यमें:)वाटो (व्यक्षः) यदि अर्

ELL (DEL) ana: (Ma: OLL) MOTHE (NOME MAS) मगार्व (मक्के) सदाम्हस् : (में के :) क्रिम सस मात् : (मर्थन् ट्रिंद । अवस्) मवः (ममाद मः) असम्महाद (असम्माद) देर (MA) = र्यायम ही (र्यायम (अप्त) onine: (ome: मन्) यनाए (वनर रुष्टा) भार्वसमाछ कः वा (सनः) देपर (क जनमाम्बर्) (मार् (अन्तः) माडवि (आक्राह)॥ २>०॥ (अभ यदम सम्क्रिम समूक्तारम् छ । तयम्भावत्रा भीवाधा भन्नात्र ह्रा चीक कथ्नार्थ भव व सामाविष माछ। (द) भाग । लग हिवार (मी. कात्राद भवर) विविधि प्रजाद मम अएम देनात (प्राटक मि) टमार्सः प्रत्राताः लअ्यक्त है वर् (प्रयोगस्याम् लोक्) अरमद (अछ:) । इड! (थर्म!) थम (थमड्म) जम्म वानी (मटमेर लि) नक्तः (केंवः) सः गण नक्तः (लर्भेनः) वे खिल् (मुलें) वेतर इंजिहाडा कि (लामां) मर्थ कर्ड (क्य अकारके) अलामम: (मदीनः आरकारहर)॥११७॥ (दिनापुकेस्टिंग: मस्टि (Barin अप्तर्थे क्यामा: लानक्षम अल्म्बन्म ह यम रेव) म्ता : (मण्कमार्पकाणः) मटांग: लाख. वैचात्र संख: चव त्यातोत्रं (लास्ट्रह्मरं)लंगें अय: क्रिटि (के अहरे) लवात्विक: (मक्र नव मारे)॥ 5>4॥

अर वर वि प्रिकाराए (प्रिक्व दक्षाराए) अत्रमाद् ए अदम लाल आक्रानि मङमगरीनि (दूसनीपीनि)ज्ञानारम् (कामपन-# ins) and & 2 mile 11 52411 व्याव्छि विवृश्चिः (व्याठन विनामक्षः) गः अश्वः (पः) हुकार (विश्व छिषत्र आ एक छ); ववार अस्वात्र हवस्वार ममारियामी १ हरू भी थ अम्रार्) थान गरीज (था दिममा) बार त्यममग्रे मक्तीर अयमार प्रश्वकागर (मम्बाष्टा गर्) हारे विगाने (वीर्क विग्मीना ममुक्त)न मस्वि वर (टेन व्यामम्प्रिक) ॥ २>०॥ रोड (प्रकाका १ रश्वा:) शब जायमां (भीकृष्णप्रमः) कः आमि (आमिक हतीय:) (माना: (मानिक:) विनाम: हिन्मपूर (हिन १ लह ७० म १०) रेच लाखने (विमान गर्) के के लयर (अकामर) अभ्यानि (बालने)॥ 550 ॥ न्य (लप्रदेश) प्रति (यर क्रिका दिन मान्) ता न्या : वातः धान्यामाः क्रिके (मारेः) माम्वारे (महार जमा-द्वा:) त्रालममा: (त्रमात्रमा:) जिल्लिमा: (त्रामा-विष्माः) निक्नात (निर्द्धिगार्ड)॥ २८>॥ ए (अस्मानाविष्या:) ह अन्तर्भात् क्या: स्मर्भातः वर्धात्मध्यः (मार्नि त्वार्वः) वात्र- व्यावनक्षीष्ठा- यसूना प्रमु एक मः

(गयम रेपारत काल १ मियाएं लक्षित्र धयमाता १ त्री- (अना (त्रीका-कीषा) भीनपा कोर्फा (मण्लापि द्रवं रेट्) भर्दे: (मामध्राविकाविक्कामिक्कामिका (क्रूमापिनीनजा (क्रूमापिक् सित्रीम । सृत्तः) मर्गामण् वर्ष्ट्रायश्चिः (यम्री त्यम्भयन्) कलिम् छल (कलिमा) युष्मीडा लिस्किसे: (वमाकर्पन्) ह्या त्या वी (ह्यु मर् काम जंमक) म आर्थन र (त्या भी सु मारिक् न अविनामः) विद्याधिव मुकामान प्रमु (मन्तामणः) मजः (निनीजः)॥ १११-१२८॥ (छा प्रमान मू दा २ वि । भी का भी कूम मामा हा (क) हमारि! (इलन-नम्त !) भाव९ इनमक्ष्कृष्ठनक्षिक्त मार्डिक्त मार्डिक्त (हम हा १० महवाकृ ि - कूछ मा छा १ भू विए अका भए भू त्न महत्राम भन वर)रेम् नकाम् मः (अक्क म्मक्रमार) व्यवस्थाक छार् (अठाक्रवार्) म हत्मिछ (म प्रात्माि) जारर (कावनु ् काम ् भाषा) अक्ताकण : (अक्कमार) (म (मम) लक: (असर के के के कि हिसा है। किक) सकर के आरहित वनर (कून मधीना वनर्) ह (भभ) भनाम हेन्सी निह (A DIMES) 11 22 211 (थम कम्मार) अवस्मवर् आसी (मर्नाम: , जमा) विकामार्डः क (मिट्यानि:) ह मन् : (रेडि) क्या छ।। १२७॥

(क्य अवसंबर (मानुमिस्रवित सामना मिककेश स्वीकेश उमात्र) कूलकी मेर् कर्यान (क्षेत्रनिक्वाद्यारम्यार्थः) कुल्लामः (खिट्य- वाम :) कर्र अस : (समात्रा त्वर)। गर (त्रसार) नम : (इमलंभ:) न ला: (क्रम क्री:) ममति: (मर्छ:) ममन् (म्लानः क्रक्तरं) टम्मा हमर् (धम्मारः) म धारमाणि (म भारमाणि । जामार् भक्ष: प्रकामार बाबजन म् छार के कि कार के विकार प्रविष्य मार भा मृतिका एक छि छातः। मार्श ड्राफ्नः मर्जनालाराने नकूनः मली विषे बद्धविलामः जमा क्षी अर्थित क्रम् अमः न अथा देश्यीः। यद भमाव मलते : अवा: मकूमधी: मलक् म लाडनभारभाषि जाहिनानि वालिम्भातन अभे: आर्रातिनि दिवः)॥१२१॥ (अम मूर्य द्यात डूकां आका छ । अर्थित मार्थ के का : आहि-लामार् सेलं मुर्कः बर्के विविष्यार । (४) वास् । लामार हिम्बाध-बानमानिका (अटमोर्डिन अमूर्निन दिन्यानन हत्यने वानव भी अर् धानिक १ लतारे १ था: मा, भरम धरको : विकन: भ : विकग्र : हमः उद्दर् ग्रेल ट्या हमामः जानकः नमारे प्रभा : मा) जाकानि (एटर) क् हार (का ही मार) मगार (हिगार) विकृ िर (डमा) नद्वा (आहा । अहम नवार् नवी मार कहार का ही मर विद्व विर ममा छिए ल द्वा) कृक्य वित्रम मृ मि : (कृक्य व्याना व्याप्ति विसमकी हार्कः वृषीग्रास्त्रः भगाः मा, भाषाः कृत्यत्र नगायम

वर्षा गन्धाना विस्वरास्त्रो द्वी नयत यमा ; मा) विसानाक किला (मिलाराम काहित्करम्म काक्रिया नाम विलामम सम्भा वाकिवा मार्वेवा) त्रियाक्षतमा (बानम्-नग्रेकरममा) विका (कातमा)कमालमा (काममा) विमक्षाण (मार्क) विमक्षेत्री-(क्रम्ब) भाभ दमत्राक्रमण जनामंत्री, खिना शासी कन्नव्यो विमक्षाण क्षाण क्षाण विमकी कु विमर्थण) व ् भिय-मूर्डि: (मद्भुन मूर्डि: नाभ मनेन मूर्डिण्ड) धार्म (द्यामे) देवि (अल प्रव) हे विति (अवभाषि) (धानी न्यू (वास्त्र किया, नाभः त्याम्यारं स्वात्याम् बन् द्रमारं क्रिकः) भारं लभी करे (2224) 1158011 (अम बिछ (माकि मू दार्वि। दानमहेम् : नीकृक: नीवार्या वर्षी: क्षमम् मार) इड ! (वाद्या !) समा व्यक्षमं वाद्ये (त्यावक्षमाधानी) दाबादि (दावयसारिकर) बिछर शवर अवर (क्षा क्षा) कार रिविस मध्या: (स्ताहमा व्यर्भः) (केमिरीश्रार् (दिमसुव्यूक्) ब दि आदिन : (न शामिन : , बश्यु अब गाहिन देन्जर्य :) काकृ कि म्हान्यव्यवनाः (काकृ तकी म्हान्य वदम् पात्रक्षाः) भीता : (काल्वा :) था : (ब्रिन नम्ता :) त्थो द्वनीप्रशी कि : (त्योगांड: यत्रीक्षणांड: मडाक्षांड: प्रश्रीड:) पूजार हूर् (भीभूर) भयपात्तर (अयानित अमातन) अनुकम्हित (अम्यूरीजाः)॥२८०॥

(लग स्मेम्पर्मेराव्ये । कार्षि चम्च रेशिकारी लामकर्मेही इ अमूहिए मन्यानतान्यार । (य) कलाति! वृ दूललाविकमा (कामूकववंत्रा) अमा (जीक्कमा) हुवहुवलान (मर्भकृतान विभान इतिम)म्मां : (मार्भाप) हे तहः (यात्र्यः) द्वाका लास । (लक:) नामग्रं न केंक (न क्वाइंड क्रिक्ट मिलकार न क् के । यह:) ८० (७व) जन : (भनी वर्) अनु अम कम्मा (धारिकमा-मुका क्या) स्त्रपृ (धर्म गाने) अल्पा मांग्री (अकामामी मली)भविषः (मर्स्य) द्वाभाक्षण पार्ष (देखि) भागा॥२७०॥ (लग क्रियाम्मम् प्रवादि। म्रेश्म्यामार् मुल्क्ष्रिमान: जार व्यवक्षात वव व्यक्तिः भीवाबाधार । टर कार्य!) मुलं ने (मिलायन वाक अवस्त्र) अधिक (बाहि वाक वाहि) क्रिक्न मिनानामनकहर (क्रिकेणवाडि: मिनाडि: शक्ति : भामना कक् कारित्रम छ , नाक के कवा भर । ल्या मार लाममा कक इव इक गार्डिया कर) वन एत्यर (क्या व्यविलयः निक रामि विक्ति : वर्ष में के) दे कें (दे ने कर) कार (मर्पा कर महा वर्ग का कर मार्मा अन् (क्राम अम्भू-रूपम्यूर्म केलिकट्वा स्माम: भमा: मा नामू नमरी स वर्मका किव नाम त्यामान (वर्मानार् त्वरे व अग नेर् कार्विवद्ये त्यात्मन सम्बी त्या हमाता त्येश्वना निषमुहाला थमा उर् नार्थ बर्ममा ध्वमा त्यालय नमही त्यभवा करिशा

में सामुका मा वर) लाम (समाम मिकर) दे हैं में (६ में छर) लम र दर्शित कर (आवस्त्र अवक्षर आक न्या के के) व्यक्तिये (६ मड्मी) विता कर् (८७ म सकार्यम) द्रेव: (लसार स्थाप) ख्यान-मेडिक : (त्रवेशांगः) शुरं सव्मा (विद्यासः) परे 6 (ald;) 2011 (colon, 43; (42 20) 5 70) 1150>11 (अथ क्षत्रम्माद्रक्ति। विभागक्षति का कि ए तरी काम्रणाद। तर एवि!) वात्राव्यत्व नवधनाकृषि: (तृष्टनकलपकारिः) कारीः (भिक्कः) आपो हिनं: (अक्कः) - नकः आल अविनर्श्वपृष् मरी छ : (वर्ष प्रभामार्था) जम्म विलयम हून : (जम वर्ष प्रभ्य धर्त्म क्षांता वित्रप्रदेशे दूली भन्ना म निम् किन् (विकिन् भा माङ्मा) ब्राल । जिं मुक्यमा (विमू पिय देक्यमा) वर्षः ह अवि अविश्विष्ट (अम्ब : (विष्यं भा मार्का) अभीर्ष -कवा मुका (प्रथा मे्ड्भवासकरमें श्रीकृष्ठ प्रकेष भानि परिएव क नामुकार् पार्किन १ भना: मा जभा मडी) मही (म्छालीडि) 0120211 (अम स्यायमकी हामू पारपंछ । नीकृकः की गर्थार् वर्मणंछ । १ वार्ष।) मुनकमनर धनीनार (जमकार्मार्)भी छे: (७ (७४) अपर (इन्नेर्) त्या (वन्तर)काल्यमा केन्यंश्वी (के सक्षेत्रमान्त्री) वमणि (वय महभराकि) यमा (अने मार्च , टक्षी वि वा)।

विद्यमामा (विद्युष्ट्यत्यती) अधिवर् (७ व छक्षेत्र्मर्) प्रमुख्या की प्रमुख्या । देग्र वृत्रादेवी (वृत्रावनर) एव वन्मा (ध्यमिन प्रकी) विन्न प्रकि (देखि) मन्त्री । १७७॥

(भग धमुनालन कानेमूमाइवाडि। विमाल क्षिक्समाइ। (र) वीव! गाणुकी शृषि (भवस्यव्यात सक्यू एक) वार्षण धनवटमः (प्राम्द्रः) अर्थाअग्रमानमा (भावे।मिछ प्राममा) (छ (छन) प्रामार् (भयाम्बा भाषा) छमंद (भवाषां भाषा विष्यु विष्यु) अवाभ (क्राक्षमं) दियक: (यमाद्रीति। भेवर दियक दिकर) किय ल्मेमोबारं माबरं (में क्षमहें) ट्यु सेह: (धयत्ममें है को मु जाराम भी:) अविभा क्लाम (अविविध्व वारासम) बटिस्ता (स्मालक) समार (का ग्राहर) करें नह (लाक्षांड) नद्भः (वाष्ठः)। जर (जमार पूर्) हार्किषः (वसः) भा दूः वस्तिम् (वर्षाम्यः) (म छव। यणः) धामी (मम मभी) विमुक्त हिकू वृर् (म्यानिख क्यार् (दिरायम् ना व क्ष्म । क्ष्म क कमात्र) समकालिक व्यक्तक वृष्ट मू क पूनः। भारिक वार्तिक वदनः (बन काली जरमाही १० हलनाही १० कर बनाही १ मुक् भून: बिरिष् थाक्टापिष् वार्तिकामा वपन् मूम् एमन मः) तमकपूताः (इक्रवाक्रम्मनमा) विभिन्न मण्येत क्लेष्ट्रकी (बस्टा इस्वासास बार्विच्यार विश्वित्र विश्वातः जमान्यामत्त्र अक्ष कियमवृद्धार हेनामार मर्थितर्मामित्रर वाकार्टकोव्कनीतः) कृषः नमद पायक (वक्षक)। 2001 (लाम प्यानिमार्वात । चीकंका क्राकंकमार । (र) मानुव । लिलं मूत्री (यम्मा) जनलं निवासन (जनलं ममूराम) मूला (इच्छा। प्रम) तमे: (त्मेका) ह नगा (त्रुमा त्रुम रेक्से:) इहि (नव्दस्यर) वर यह: (बाकार) वर्षा (सवार) नव (खबार । भयम) मम देम् अव धार्मायर (धार्क्य) अक्षानिमान (मक्ष्मां (४६:) राठ १०० : (१ लममा :) वि उंद (लमार नावि) नाविक: धार्त (तोका-हान्स्म हवात्र)॥ २७७॥ (अम भीनाकिकामार)वर्भी-वम् न्यूनिकारिशायिका (वर्भी ह वक्षक क्रमक उपामीमार् इन्नेर्) भी मामिके द दिवर ॥ २७१॥ (ETHERTON

CLASS ROUTINE

| Days | let Period | 2nd Parion | 3rd Period | 4th Period | 5th Period | 6th Period | 7th Period |
|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| Mon | | | | | | | |
| fues | | | | | | | |
| Wed | | | | | | | |
| Thurs | | | | | | | |
| Fri | | | | | | | |
| Sat | | | | | | | |

Manufactured by :- M. R. CHOUDHURY & SONS.

No. 2



ROCKET

EXERCISE BOOK

| Short treshe |
|---|
| Subject Swoon 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 |
| Name 124 30 ST 210 (STAGE MOVED) |
| School/College Malare (Complete) |
| Class Roll No. Sec. |

अवस्थास्त्रप्राहि। (र मश्रः ! क्षेत्रक्त)लग (लयहरू क्षीनावा) हन्तरंगः (मर्ग्यायमा) मुक्तिसार (मिरीक्का विमासार प्राचाः) रूल्यं (रूल्डम्र)म्म्डी (नीयं वर् क्विंडी) नमक बम्मानि (स्वन्यममस्यर)हेका हेका केंबाएड (मज्रममस्य) द्रकाम्बरी (कुर्वे शिलकी) लाक्ष्यः (चार्कक्ष्यनेयर्ग्यन) चैस् (मू फिण डाक् मिसी नग मिला भी:) ठाकिउ ठाकिल (धार्ल ममुद्राम न मर्चारः) अन्तर (मर्का) थाताक्रमंडी (मणी) भिद्या भिद्या (मम्द्रम्भः रामिष्ठा)मार्थयमा (क्वीकृषामा) (एकुछ: (क्लाडार) म्ब्री रवि ॥ १७४॥ (अम वस्तिभित्रम्मादन् छ । वश्वित देम् नाल वस्त्रमममान् अन्तरः धम्मास्त्रम् वर (भाषा: क्रिक्ट डीक्प्याने धार:) न:(धमाकः मर्त्य) कारि अस (कूमानी) इपानिन्द्र (अन्त्रम् र्यन्छ-(मरा) नव (मर्ज) मलाद (रेदा नी स्मव) उक् अविमा त्यान-कर्णाक्षणः (निश्चेत्रकर्णालकाग्मा रेक्ट्रार्थः कार्कर) अवणीः (ब्का:)रेर (यम) व्यानम् । बाह: (बन्दीह:)ज्याः दिलाई (क्याट्य क्टि:) देमा बिक्स मिन किन एक ना देखा है : (दिमाद्राक काकारं में भिष्ट बेलामार के साबिकामार अद्ये रेसर उमा (क्रमारे कर : वमालकारी) अन्द छनानीय : अन्ति का कार (माक्ष:) वालाका जार (कार्या कार्या मुक्तावन कर्म -

क्त्यमारिया क्रक एका विश्वनित्राक्ष्णे।। रवन।। (था न्यालिकी म्यात्रवि । अकाविती विवादा मूनात मूक्षमवादित्र थे mus एसी में: न्येक मार । क्षेत्रियामां एमेरे । त्यावर कार्क (मना का) अधिएरिक मह)वैरं यम माद्यापक सक्सा (BRI May) Ja: (arther gallers) AN MHYNG (Stange) मन्द्रि विं इवित्र । सिका (कालान) हिवार (भीक्षिकामर वर्ष) प्रा इस (लच) हैं अर्थ परिवा (समा रेवा लास) लव: (लसार (ध्याक्रमेर क्रिक्स । क्रिहि छि: (अर्क्सक्छि:) अपर (मामक्रिक मार्डे)॥ २४०॥ (अम महेमूनार्वि। नाम भरेश: अक्टमा नामेलाना आर) रेड! मेंगेर नर (ममार) म्लेस् ग्रंड (स्मान्द्रेश्व क्षात्र्व () न्य करे (ध्यक्तारं) मानर् (छद्रः)धारिष्त्रमानाः (माष्ट्रमनिष्ट्रहाः त्रकः) महेग्रिकाम् (माममहेग्रिमाड्ड) अवस्य (अम्बाम) विवाद वर लाए देश (केंस्स) २८ (७ सप्त लड्ड) याता (भाड़ मर) अन म्लिय (म्लिम्) विकास (मान्याविष्)। भीतः वाहिय (वृत्यामन में में) भ्रमाल्याम (व्यामान व्यामन-व्यानिकार विश्वाम् कप्तरं छत्र वं भाग भी विश्वित्र (201805m) 1158211

(थय क्षेत्राहिनीत्रणम्मार्वि। निनीतान् भनार्वामाविकान् भीकृषः भगम्माल) अम् या नाममूओ (हजकरमा नीमाना) मिविए कीएायू-मक्रमा (अतिहः समारः तः भीलाये न मान्ये प्र विषये प्र विषये मे मझानिषास्या (भामे मास्याहिता मडी) के वस्तु नमामिन : (आमार -रूअमा)कृत्य नीना (कृषापालामना प्रकी)ववीवार्व (वलाक देकार: , देशक) आरक्ष (कार्य माना)। तमाहि (कारामा) नव: (WM कलकः) विमाह्म प्रश्रंम विमा स्वाप्त (कशा: भारत्रकं ? विना) लकार्य (लस्त्रातं) क्यरं (क्य प्रवेश) में स्मारियर-मियाक्रिका स्था क्षेत्र क् ष्ठ्रवत्रा उक्तरमाण्यः) भावी हायप (हामन् द्यप्)॥ १८४ ।। (अमर्याम (धर्मामभाट्य) भर्मा कि वः (श्रीकृष्ण्य) अर्थ वं (प्रामान्य) प्रमेष्ट्र (प्राचित्र कर्णः) भर्ष वं (प्रामान्य) प्रमेष्ट्र वे (प्रामान्य) ड्यर) मेशा कुर्य (में मि हत्तर) समीकार (स्का) में आ (लाय स CHIX-युक्त मनी) एव (श्रेक्ट्रिय) मूथ: (श्रम: श्रम:) धार्येन (लामार्थः आर्थिक) लाल कर (कार्य में मान के कर (मर्थ-स्मारक) में भड़ (में क्रियं अयडं) निक लाएमा (सिक्रियं नि) यम्मः (म्राः)म जू (देश धार्मिना)॥ 28.611

(थम वर्ष रवलके विषय मार्थित । सामिका की गर्म पर विमाआगर टाक्न का कि मार्फिए धन ए क हवर भन क क व मा आ मान की कक लार । ज्यां महामा वह नमः । (य) अवितः । (याभी । विकाल !) नामा (क्ष्यमा) रेग् का म्वि (धन विवावा । विभाग भार । रेग्) (मामकना (दबि । आ माना मार) कियर था छा (दक्त आएमतत लामका । समाया वात्र) लामे (देग्रं) जय मण्ड (मणीयर) क में यति (बार्केश । ति : इतं वव) वत्रा (सरव्धे) निर्मेख (विश्वाया कार्युका। थक:) मूर्: (निव्हर्वः) धर्मः (अलाए) प्यामिनं (प्यार्भिम) रेषि (विमान्सम अवस्वाति) न) ज्या कूर्सि (uniनंतर विषयेषी) नारी तमर भए (मीकृष्ण?) विपिष्ठा (जावा)भामित्री ग्रांची यस (अभीत्) द्विगई (नकारः) garry. (21.81) 11 588 11 (अम केमरे मुखला मुद्दार ने जि । बक्या ना वमने मा प्रत्यूक विया मा भ-भीतासादर भीमाञ्च नाविश्वरावि) द्वान वसान्तर (वसान्तर त्यायत्नः विद्धिकावकः) वसवर्षेत्रीया-।मित्याकार्वकः (वसवर्ष्वारः नीता कुछ । मिरमा मिछ भवत्रमव जा मिछ) त्या हू की जा निमीन क मुना: (अविषा भीना मिन्नीना कार्म मूला में प्रमा वमा) ङमरण: (अक्षमा) (शाक शाकि मिक्षीमान-मृत्न अमा कि-मक-अिष्ट् (साक्य सम्मान है निक् की मान्य मर्विन्मान् जर्म थम माउम अमानि गरिमाण्य मनामिष्ट् मृत्राण थन छः)

ट्यापारहरानियम् त्यम् सन् अगुक रग्रामान्त्रसर् (ट्यापारहरून त्यम देहत्यत त्रवृता निवर्गता निवायव्भाः अम्मवाः अमन्त्रेनीताः लक र व व के का बारमारमस वास्त्रका मच हर) मिलासायर (कलहेत्राछिर्)हेलामार (वयर् भागामिडिवास्माम:)॥ ८४०॥ (लम में क्युलामेराउवात । रेंसा के समता यात्र । (य यात्र !) लगरानं (अर कि) गेरेकमन् (गिल मक्रिं भम्मेला मः अन लामी या (ज्याच्या) सक्तर रक्त (बायक रक्ष कृत् प्राव्ह प्राव्ह क्षाक्त मार्थ कर् इक्स्मर्का <u>वासकात्म्ये</u> विच (क्यार मुलागर) बल्यार (CAMIS) MWG (MMAGE) 12 MAGE (MG)) MANGEL SINGE CAL ड्रांड (गमक रेंग द्रांड प्लिक्टिमीर आभक्रामिक राम दिए महत्वा हार् किया कि मार्थ हिन्द्र निका निका निका स्था दे मार्थ निका दे महाना निका किया महान निका महान निया महान निका महान निका महान निका महान निका महान निका महान निका मह क्र देखिन सेले मक्रम वाकी (य) में स्त्र । (ए (एव) तमा लाल्य (लाहम: उमास) ग्रेट (नम्पूका) अर्थ-४ (अकृत्यन लमाः) गाम (माष्ठ) ह मार्च- (मार्च) वहः (वसार्) मर्म हार् (टकालाठ) देव या (मायाका) हम पाछकता (या प्रमाण माय) सिंग्ड का व र व स (e से के क्यरिक (पक्रासम) 11 58 ला।

(ला भड़ाक्ष्रिम्पारकाछ। बास्यकः मकाभाव मानमारुका मर्नू-मलंदनम लिक हिण्ड ए सुवम् जीक्षः ज्वल्य वृष्टमार। (स मद्भ!) हुना: य: (अक्ष्मिर्काम्मः) स्पु: (न्य) लांद (हत्वर)। लाख्यंत्र-आडण्टल (निविषक्षण वानि पूर्ण) निकृत्स मार्थ डेमापन (धेर्क् छिन मान)। भ्रिष्टा श्रिष्टा (मन्द्रामाणिनागर्क्षा) कृष्ट-भारत (केंद्रत्में वा व वं न कसर) केंद्र वाति (वरा कस् न कंक्षिति से) क्रा (जानाक्रा) मार्ट (मा माराम) में टार्का ; (में समाम-स्का लार्का लार्काक्त्रा थः क्यार्कः) लास् मः (रापः) प्रम्भाक्ष्यमी (असम्भा आकृष्मिक वागः विषेत्र का पुर न्ध्यः त्रत्रो बमार्डेवः सर् । क्षेत्रप्रकी (क्षित्र निर्णाणः) विकीयम् (दाप्तिनम्) नाभाव (द्रमपामाम (नाक्तिवार हकायं)।। (लग हम्मारवि । कलम्भू वी अमगीमात्र । त्र सार्थः) 28911 एक रीक: (अक्षत्र:) धानित काकि (गणूता कम्प्रमुख्) कमन् देव (प्रभा कमना हम्बा विष्य छ त्री) प्रवादिय: (श्रीकृष्ट:) कलरे हरे जिल्डा व: (कलरित हरे जिल्ड हलात कालो यमार : उमा :) लसेशाक्ष्याः (श्रमपरंग्याः ज्यानामाः) बल्यात (श्रम्प्रमात) ममकार (मर्कार) विर्मे गंभायः (क्यामायः) में मान्त्रायः (#NEWO,) NERO (PINENTY) 11580 11

(ला लाट्यानम्मात्रकृति । जीवाकार सभी वर्गाति) स्ववाद्यत्वर्ममा (प्वमक्षेत्रवभूम) नव्म (म्याममा) द्याराय (द्रकाक्ष्य यास्त राक्ष) हेललू : (amario:) म्वा मार्गिः (मय-बनमका है:) श्रीकृष:) त्रिक ने य त्री भाविती लागे- जमान-यशंनानि (विन्केनन्त्र) यम् नडण् लाने वी जानिक लाने गालानि थलंताने धना जमा जमनमा भन्नानि एकार मि) इश्रेष मा (क्षात् । एखार् ली वकारं टला हारं विश्वत्रंगमास्मळात्रः)॥१४०॥ (लग ममकलमेराउवाह। महाममा जीवाद्यार वर्गिती अविदेशिह। (E) आर्थ! रेटमे (अव वक्षार्थ म्लामातो कृहास्तर सक्तारा पाने a (में) कू को (मार्स) में (म डवड: 1 मन्सु) भा जिल्हा (भारा) विग मध्यः (मधार) सम्मा (बचारकार्य) के मिरां : मंगरं (र्येसे ग्रेंग्युं) इंबर् (लास्टें रह्यर । वकः) ग्रामरेसय: (स्था-मानः ' नाम काम्मस्यः) त्राच (त्यास्य) त्यां ब्राह्मे म प्राप्त क्रिल्का क्षेत्र (मनाद्वेभवावन् पान क्रिक्ता क्ष्मिन्न) लके असलाय मालाय कार कार कार कार (व पढ क्क्प्रिश) जर अम्मर् (म देकिलाम कर्वर)1120011

(लड दिमेत्रमेत्रायाप्रमेगडंबा । सर्व मार्का रेश वा मार्थात्र-क्रिकेट कर र सम्बंध (तर मूचल !) कर भार (द) कदालाक! म्याक्षित्र म्याकार (हन्य विद्यापाली मानार ने मिन्न : ' त्व) में मर अंबार कर (क्वाकामालामुक्र) न दि (तेन) क्र । एकं वराकारी! (त्र म्याने!) नीमवनी-दमनः (कपस्काननद्राः नीकृष्ण देलार्थः) जय वर्षस्याने (लक्ष्य वय क्रांप् व्याप प्रकृष्ण एव) वियक 1120011 (अम सम्मित्रमारकार । अमेम कर्के का पाद्वि कर्-प्रकार में की रेगा कार) कालाम प्रमाळा ने (विवय का पड़ी -र कर्म) भी द कार स्वामार (भी देशा में ने व्यक्त स्वाम बिलास ने र्यु द लाभ द मंभद मम्मा : बना) याप (अं क स्वामाह :) लासाय के की मिया (कासाय: के के स्रो लय: का ये खार मार बन्त) बाड्डकन् भामः (सर) यक् (अपनि) त्यात्र अपनि नि मेर्राहरे: (क्या कर को कार ब कर की आव प्रम देश (सार्य उत्तर राष्ट्र पडातर नीकृत मादानिकंत हेक्रू रेक्षण सु: राल त्या क्या) शिक्षात (m. सम्मा (m. मंगा) कश्वाति कापु मिवड : (धर्म्यूमा भाग्य क्रविड :)क्रमा लिया अवमा छ वस्र रातः (भावक्रम) निर्वयनकी अविधिः (भूतंक नीता-Drava:) \$200 11 5 0511

विम का अर (इामिका तर) मिया: (१ क्या वर) भी ना विकासन न्या (महर) मूर् (स्याल) अम्माताताम क्या (वहर मूर्यः) म सार् (म कारा) रामिका: नवह ब्रिट् : (काराह) ॥ रवन। (वर्माउंबन्यं। बाचक्याक्ष्याक्रिकाः यकाः हरिक्याच्यामर् लक्सन् आकारमंडि) राजन भनिवस्त (आनिकंस) नभाने आछि: (unica:) petanté (auras au) sois Estatente. (इमारेकादांत) लक्षं भक्त (लक्षंत्राप) है अर्गापन (इस्रात्न) वकानिगंद (बस्य के किया) मक्समात (बस्यक्त्र) के वसलंस (गुम्पलाम) डाटुड (कडाबंड) केक्स्नां केक्स डिंड: (चीक्रम) वेळात (वसम्पत) लाक लाइक में यं लामार्व (Sor) 115 6811 (द्रमार्क म्यिक्सार) देश मां अनुकार कार कार कार कार कार कार कार नर्माद्रायकता (मिन्द्रामकी आस्त्रीम त्) ज्या (जब्द) पाम्यकार्तः (ज्याकार्तः) में प्रकथ श्रेरकारी (स्ट्यनः अस्ताः अभूकः) क्वाः (क्रम्णनम्) विश्वमः (विनामः कः किक्से) मर्कायमे (दिन्धित्रोत्रे) प्रक्सिप् (लाकक्ष्प्) क्ष्रिका (१ सम्बद्ध कें के का क्ष्रिकारः) कास्मित त्यान क्रिकेट (महरूर) स्वाम्मार (क्ष्मान्यामार) व्याम्मार (क्ष्मान्यामार) व्यामार (क्ष्मान्यामार) मूमर बिल्स (विद्वान्गमम)।। २००॥

(व्यक्तिमश्रम् डवा सम्भेष्मीलम्प्य भएगरेष सम् सूलम् बिरीर्षः क्याविष्य समवर मिलेक्) अभूम (सेंबक्षेत्रि) भुष्टि-(यादा (आग्रेश्य) व्यक्षके त्वेत् (त्यात्मार्यम्) on) 1 माने के विष्या कि (मुह्मा कार्मिक में मुल्म कार्क) क निरम्पि (निरम्प्य (निरम्प्य (न्याम व नक्षालिन, Gar) लक्ष्में क्रा कार कार प्रसाह : (कार्क्र कार प्रमाणकार-नित् (अंके स्मारे) काम मारिमा (में भायेत्वम) में हार : (चि.मे.) कर्टिंड (ए।) क्रांप: (म्युक्स-सक्सांगः) स्मिन्न हेटें : असे यः येवल महः जिन्हार्यकः स्म (जीवित्रकः) यहूच ॥ २७७॥ किनेश (क्रिनेशिक क्रार्क) व उपस्थाय क्रिके (मार्गामक ! त्यार्का (प्याक्त के म श्यम :) व्यापम ! अ अमरवाखर्म ! नामवानार् जिलामार्न! वृत्तासमितिरा! Cumpataria; Maria; Sandi: Aychan; (Ayr-वाकार्याचे उत्पर्भ :)॥ २०१५ २०१। लिक कार कार्यादेश (१) में कुमार्का (मैस्ये कार) मास : अप्ते मर्बः बन्नाक्कि: (बन्नामिकः) म्या भवर (एकमर्) मूर्यः (न क् क्याउः वाख रेक्सः) मर्था

ROUTINE

| | Pays. | 1st Hour | 2nd Hour | 3rd Hour | 4th Honr . | 5th Honr | 6th Hour | 7th Hour |
|----------------------|---------------|----------|----------|----------|------------|----------|----------|----------|
| 1 | Monday | | N. N. | ` | Sur! | | : ` , | |
| 1 | Tuesday | | - 60 | | | | | |
| - | Wednes day | | | * . | | | | |
| - | Thurs day | | | | | | | |
| the same of the same | Priday | | | | | ÷. | , L | |
| - | Satur day | | | | | | | |

VARIETY STORES TYPE FOUNDRY

96, Baitakkhana Road, Calcutta.

Type, Lead, Coutition, CaseGally, Stand, and Varieties Press Materials. Sold here at Cheap rate and Moffasal Order Suppliers.